जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

34वाँ
वार्षिक प्रतिवेदन

(1 अप्रैल 2003 से 31 मार्च 2004 तक)

नई दिल्ली–110067

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
आख्यान	1 – 5
1. शैक्षिक कार्यक्रम और प्रवेश	6 – 11
2. विश्वविद्यालय के निकाय	12 – 14
3. संस्थान और केन्द्र	15 – 197
1. कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान	15 – 17
2. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	18 – 22
3. पर्यावरण विज्ञान संस्थान	23 – 34
4. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	35 – 64
5. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	65 – 67
6. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	68 – 96
7. जीवन विज्ञान संस्थान	97 – 108
8. भौतिक विज्ञान संस्थान	109 – 114
9. सामाजिक विज्ञान संस्थान	115 – 178
10. जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र	179 – 183
11. विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र	184 – 188
12. संस्कृत अध्ययन केन्द्र	189 – 194
13. आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र	195 – 197
4. अकादमिक स्टाफ कालेज	198 – 199
5. छात्र गतिविधियां	200 – 206
6. कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं	207 – 208
7. विश्वविद्यालय प्रशासन	209 – 210
8. विश्वविद्यालय वित्त	211 – 214
9. पाठ्येत्तर गतिविधियां	215 – 216
10. केन्द्रीय सुविधाएं	217 – 218
1. विश्वविद्यालय पुस्तकालय	217
2. विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र	218
3. विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो	218

परिशिष्ट

I.	विश्वविद्यालय निकायों की सदस्यता	219 –224
	क. विश्वविद्यालय कोर्ट	219 – 220
	ख. कार्य परिषद	221
	ग. विद्या परिषद	222 - 223
	घ. वित्त समिति	224
II.	शिक्षक	225 -- 236
	क. शिक्षक	225 - 232
	ख. मानद प्रोफेसर	233
	ग. शिक्षकों की नई नियुक्तियां	234 -- 235
	घ. पुनर्नियुक्ति के बाद अंतिम रूप से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक	235
	च. अक्षिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए शिक्षक	235
	छ. स्वैच्छिक रूप से त्यागपत्र देने वाले/सेवानिवृत्त हुए शिक्षक	236
	ज. पुनर्नियुक्त शिक्षक	236
III.	शोध छात्र	237 – 271
	क. पी–एच.डी.	237 - 250
	ख. एम.फिल.	251 -- 270
	ग. एम.टेक	271

विश्वविद्यालय के अधिकारी
(31.3.2004 को)

डॉ. कर्ण सिंह	कुलाधिपति
प्रो. गोपाल कृष्ण चड्ढा	कुलपति
प्रो. बलवीर अरोड़ा	कुलदेशिक
प्रो. राजीव के. सक्सेना	कुलदेशिक
श्री रमेश कुमार	कुलसचिव
श्री एस. नन्दक्योलयार, आई.ए. ऐंड ए.एस.	वित्त अधिकारी
डॉ. एस. चन्द्रशेखरन	समन्वयक (मूल्यांकन)
श्री जीत सिंह	कुलपति के सचिव

अध्ययन संस्थानों के डीन

प्रो. ज्योतिन्द्र जैन	डीन, क. और सौ. शा. सं.
प्रो. कर्मेषु	डीन, कं. व प.वि.सं.
प्रो. कस्तूरी दत्ता	डीन, प.वि.सं.
प्रो. आर.आर. शर्मा	डीन, अं.अ.सं.
प्रो. जे. सुब्बा राव	डीन, सू.प्रौ.सं.
प्रो. एच.सी. पांडे	डीन, भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. आलोक भट्टाचार्य	डीन, जी.वि.सं.
प्रो. एच.बी. बोहिदार	डीन, भौ.वि.सं.
प्रो. एम.के. पलाट	डीन, सा.वि.सं.

अध्ययन केन्द्रों के अध्यक्ष

प्रो. अनुराधा एम. चिनाय	अध्यक्ष, रू. म.ए. और पू.यू.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. अब्दुल नफे	अध्यक्ष, अ. और प.यू.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. मनोज पंत	अध्यक्ष, रा.अ.वि. और अ.अ.के/अं.अ.सं.
डॉ. ए.के. पाशा	अध्यक्ष, प.ए. और अ.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. उमा सिंह	अध्यक्ष, द.म.द.पू.ए. और द.प.म.अ.के./अं.अ.सं.
डॉ. एच.एस. प्रभाकर	अध्यक्ष, पू.ए.अ.के./अं.अ.सं.
डॉ. सी.एस.आर. मूर्ति	अध्यक्ष, अं.रा.सं. और नि.के./अं.अ.सं.
प्रो. रामाधिकारी कुमार	अध्यक्ष, रू.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. मोहम्मद असलम इस्लाही	अध्यक्ष, अ. और अ.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. वसन्त जी. गद्रे	अध्यक्ष, इ.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. एस.के. सरीन	अध्यक्ष, भा.वि. और अं.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. एन.ए. खान	अध्यक्ष, भा.भा.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. एस.एनुल हसन	अध्यक्ष, फा. और म.ए.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. पी.के. मोटवानी	अध्यक्ष, जा. और उ.पू.ए.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
डा. एम.एल. भट्टाचार्य	अध्यक्ष, ची. और द.पू.ए.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. के. माधवन	अध्यक्ष, फ्रे.और फ्रें.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. अनिल भट्टी	अध्यक्ष, ज.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
प्रो. बी.के. खदरिया	अध्यक्ष, जा.हु.शै.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. वी.वी. कृष्णा	अध्यक्ष, वि.नी.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. मृदुला मुखर्जी	अध्यक्ष, ऐ.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. अरूण कुमार	अध्यक्ष, आ.अ. और नि.के./सा.वि.सं.

प्रो. आनन्द कुमार	अध्यक्ष, सा.प.अ.के. / सा.वि.सं.
डा. रितु प्रिया मेहरोत्रा	अध्यक्ष, सा.चि. और सा.स्वा.के. / सा.वि.सं.
प्रो. असलम महमूद	अध्यक्ष, क्षे.वि.अ.के. / सा.वि.सं.
प्रो. जोया हसन	अध्यक्ष, रा.अ.के. / सा.वि.सं.
प्रो. पी.बी. मेहता	अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र केन्द्र / सा.वि.सं.
प्रो. संतोष कार	अध्यक्ष, जै.प्रौ.के.
प्रो. नीरजा गोपाल जयाल	अध्यक्ष, वि. और अ.अ.के.
प्रो. जी. मुखोपाध्याय	अध्यक्ष, आ.चि.शा.के.
प्रो. शशि प्रभा कुमार	अध्यक्ष, सं.अ.के.
प्रो. जयती घोष	निदेशक, महिला अध्ययन कार्यक्रम
प्रो. आदित्य मुखर्जी	निदेशक, अकादमिक स्टाफ कॉलेज

पुस्तकालयाध्यक्ष कार्यालय

श्री एस.के. खुल्लर	कार्यकारी पुस्तकालयाध्यक्ष

डीन (छात्र) कार्यालय

प्रो. राजेन्द्र डेंगले	डीन (छात्र)
प्रो. वी.के. जैन	एसोसिएट डीन (छात्र)
श्रीमती दमयंती वी. ताम्बे	उप निदेशक (शारीरिक शिक्षा)
डा. गौतम पात्रा	मुख्य चिकित्सा अधिकारी

मुख्य कुलानुशासक कार्यालय

प्रो. आर.के. काले	मुख्य कुलानुशासक

विदेशी छात्र सलाहकार कार्यालय

प्रो. रेखा वेंदयराजन	अध्यक्ष

निदेशक (प्रवेश) कार्यालय

प्रो. एच.सी. नारंग	निदेशक

निदेशक, ज.ने.उ.अ.सं. कार्यालय

प्रो. बलवीर अरोडा	निदेशक (शैक्षिक)

पूर्व छात्रों से संबंधित मामलों का कार्यालय

प्रो. प्रमोद तलगेरी	मुख्य सलाहकार

समान अवसर कार्यालय

डॉ. तुलसी राम	मुख्य सलाहकार

जन–सम्पर्क कार्यालय

श्रीमती पूनम एस. कुदेसिया	जन–सम्पर्क अधिकारी

आख्यान

"विश्वविद्यालय का उद्देश्य मानवता, सहनशीलता, तर्कशीलता, चिन्तन प्रक्रिया और सत्य की खोज की भावना को स्थापित करना होता है। इसका उद्देश्य मानव जाति को निरन्तर महत्तर लक्ष्य की ओर प्रेरित करना होता है। अगर विश्वविद्यालय अपना कर्तव्य ठीक से निभाएं तो यह देश और जनता के लिए अच्छा होगा।"

स्वतंत्रत भारत के प्रथम प्रधानमंत्री द्वारा 13 दिसम्बर 1947 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की हीरक जयंती के अवसर पर दिए गए उपर्युक्त वक्तव्य से यह परिलक्षित होता है कि पं. नेहरू ने भारत में विश्वविद्यालीय शिक्षा को विशेष महत्व दिया है। नेहरू का दृढ़ विश्वास था कि विश्वविद्यालय युवा छात्रों में मानवता, सहनशीलता, मैत्रीभाव, तर्कशीलता के आधारभूत सद्गुण और दूरदर्शिता विकसित करने में तथा छात्रों को कल्पनाशक्ति–सम्पन्न विचारों और सत्य की खोज के लिए प्रेरित करते हुए न केवल राष्ट्र के स्वरूप को बदलने बल्कि उसे शक्तिशाली बनाने में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ऐसे महान राजनेता के विचारों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना ज.ने.वि. अधिनियम 1966 (1966 का 53) के अन्तर्गत वर्ष 1966 में की गई थी। निःसन्देह यह विश्वविद्यालय पं. जवाहरलाल नेहरू के नाम पर एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में था। पं. जवाहरलाल नेहरू को और अधिक सम्मान देने की दृष्टि से विश्वविद्यालय का औपचारिक उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. श्री वी.वी. गिरी द्वारा पं. नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर 14 नवम्बर 1969 को किया गया था। संयोगवश यह वर्ष महात्मा गाँधी का जन्मशती वर्ष भी था। विश्वविद्यालय के उद्देश्य हैं –

'अध्ययन, अनुसंधान और अपने संगठित जीवन के उदाहरण और प्रभाव द्वारा ज्ञान, प्रज्ञान एवं समझदारी का प्रसार व अभिवृद्धि करना तथा विशिष्टतः उन सिद्धान्तों की अभिवृद्धि का प्रयास करना, जिनके लिए जवाहरलाल नेहरू ने जीवन–पर्यंत काम किया, जैसे – राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, धर्म निरपेक्षता, जीवन की लोकतांत्रिक पद्धति, अन्तर्राष्ट्रीय समझ और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण।

इस लक्ष्य की दिशा में, विश्वविद्यालय –

- भारत की सामासिक संस्कृति के संवर्धन के लिए ऐसे विभाग और संस्थान स्थापित करेगा जो भारत की भाषाओं, कलाओं और संस्कृति के अध्ययन तथा विकास के लिए अपेक्षित हों;
- सम्पूर्ण भारत से छात्रों और अध्यापकों को विश्वविद्यालय में सम्मिलित होने और उसके शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने की सुविधा देने के लिए विशेष उपाय करेगा;
- छात्रों और अध्यापकों में देश की सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता और बोध की अभिवृद्धि करते हुए उन्हें ऐसी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार करेगा;
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समन्वित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष व्यवस्था करेगा;
- अन्तर–विषयक अध्ययन के प्रोत्साहन के लिए समुचित उपाय करेगा;
- छात्रों में विश्वव्यापी दृष्टिकोण और अन्तर्राष्ट्रीय समझ विकसित करने की दृष्टि से ऐसे विभाग या संस्थान स्थापित करेगा जो विदेशी भाषाओं, साहित्य और जीवन के अध्ययन के लिए आवश्यक हों; और
- विभिन्न देशों से आए छात्रों और अध्यापकों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लेने हेतु सुविधाएं प्रदान करेगा।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की अद्वितीयता का प्रमाण इसके मूल दर्शन, नीतियों और मुख्य कार्यक्रमों से मिलता है, जिनका उल्लेख विश्वविद्यालय के अधिनियम में स्पष्ट रूप से किया गया है। तदनुसार, विश्वविद्यालय का हमेशा यही प्रयास रहा है कि ऐसी नीतियां और अध्ययन कार्यक्रम विकसित किए जाएं जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पहले से उपलब्ध सुविधाओं में मात्र विस्तार न होकर राष्ट्रीय संसाधनों में महत्वपूर्ण वृद्धि करें। इस तरह विश्वविद्यालय ऐसे कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है जो राष्ट्र की उन्नति और विकास के लिए संगत हों। इस संबंध में, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित प्रयास किए हैं –

- विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता, जैसे विचारों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जीवन के प्रति विश्वव्यापी और मानववादी दृष्टिकोण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयास किए हैं।
- विश्वविद्यालय ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से छात्रों और शिक्षकों का चयन करके अपने राष्ट्रीय चरित्र को बनाए रखा है।
- ज्ञान की अविभाज्यता को स्वीकारते हुए अन्तर–विषयक शिक्षण तथा शोध को बढ़ावा दिया गया है और तदनुसार अध्ययन संस्थानों और केन्द्रों की स्थापना की गई है।
- विश्वविद्यालय में अपरम्परागत क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध पर बल देते हुए यह सुनिश्चित किया गया है कि जहां तक संभव हो सके अन्य विश्वविद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की पुनरावृत्ति न हो।
- विश्वविद्यालय में भारतीय और विदेशी भाषाओं के शिक्षण और शोध का एक मॉडल भाषा संस्थान स्थापित करने पर ध्यान दिया गया है। इसमें विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित एक आधुनिक भाषा प्रयोगशाला है और यह एक ऐसा केंद्र है जहाँ सम्बन्धित देशों के साहित्य, संस्कृति और सभ्यता का अध्ययन काफी उपयुक्त और प्रभावी ढंग से होता है।
- विश्वविद्यालय में एक ऐसी पद्धति विकसित की गई है, जिसके अन्तर्गत पढ़ाए जाने वाले कोर्स, उन कोर्सों की संक्षिप्त विषय–वस्तु और मूल्यांकन पद्धति जैसे मूल शैक्षिक निर्णय स्वयं शिक्षकों द्वारा ही लिए जाते हैं; शिक्षकों ने निरन्तर आन्तरिक मूल्यांकन का एक ऐसा ग्रेडिंग सिस्टम अपनाया है जिससे आपसी समझ को बढ़ावा मिलता है।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश देश भर में फैले 60 से अधिक केंद्रों और विदेशों में स्थित 2 केंद्रों पर आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश–परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट सूची के आधार पर दिया जाता है।
- भारत सरकार की नीति के अनुसार, विश्वविद्यालय में छात्रों को प्रवेश और शिक्षकों को भर्ती के स्तर पर आरक्षण दिया जाता है।
- विश्वविद्यालय में मेरिट–कम–मींस छात्रवृत्तियाँ/अध्येतावृत्तियाँ द्वारा छात्रों के साथ–साथ शिक्षकों को उनके शोध कार्य के लिए देश–विदेश का दौरा करने हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।
- विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय समझ को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विदेशों के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेता है।
- विश्वविद्यालय ने कई विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ 'एमओयू' पर हस्ताक्षर किए हैं।
- छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए एक शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया है।
- एक स्वच्छ सामाजिक वातावरण और जेएनयू समुदाय में सुरक्षा की भावना विकसित करने की दृष्टि से विश्वविद्यालय ने यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति का गठन किया है।
- बाबा साहेब अम्बेडकर चेयर, नेल्सन मंडेला चेयर, अप्पादुरई चेयर, राजीव गांधी चेयर, आरबीआई. चेयर, एसबीआई. चेयर, ग्रीक अध्ययन में चेयर जैसी कई चेयर स्थापित की गई हैं।
- विश्वविद्यालय के दलित छात्रों के शैक्षिक/वित्तीय सम्बन्धी मामलों की देख–रेख के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है।
- विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षा में वेटेज देने से संबंधित महत्वपूर्ण कदम वर्ष 1995 में उठाया था।

– जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पिछले कई वर्षों से 33 से अधिक प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के एम.एस–सी. – जैव–प्रौद्योगिकी, एम.एस–सी. – कृषि जैव–प्रौद्योगिकी, एम.वी.एस–सी. (एनिमल) जैव–प्रौद्योगिकी और एम.टेक. जैव–प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त जैव–प्रौद्योगिकी प्रवेश–परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित कर रहा है। यह प्रवेश–परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाती है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना विशेष रूप से एक स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध संस्थान के रूप में की गई थी। विश्वविद्यालय की विद्या सलाहकार समिति ने यह निर्णय लिया था कि विश्वविद्यालय में मूलतः 9 संस्थान होंगे :

1. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान
2. सामाजिक विज्ञान संस्थान
3. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
4. जीवन विज्ञान संस्थान
5. पर्यावरण विज्ञान संस्थान
6. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान
7. भौतिक विज्ञान संस्थान
8. कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान
9. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

इनमें से पहले चार अध्ययन संस्थानों ने वर्ष 1971 में नई दिल्ली में अपनी गतिविधियां आरम्भ कीं। वर्ष 1974 और 1975 में क्रमशः पर्यावरण विज्ञान संस्थान तथा कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान की स्थापना हुई। भौतिक विज्ञान संस्थान वर्ष 1986 में शुरू हुआ। वर्ष 2001 में कला और सौन्दर्य–शास्त्र संस्थान और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान शुरू हुए।

वर्ष 1972 में इंफाल (मणिपुर) में स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई। अंततः वर्ष 1981 में यह केन्द्र मणिपुर विश्वविद्यालय का एक हिस्सा बन गया।

पिछले लगभग 36 वर्ष के दौरान निम्नलिखित अध्ययन केंद्र शुरू किए गए और इन्हें सम्बन्धित संस्थानों को सौंपा गया : –

1. सामाजिक विज्ञान संस्थान	– सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र – ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र – राजनीतिक अध्ययन केंद्र – क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र – सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र – जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र – विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र – आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र – दर्शनशास्त्र केंद्र – महिला अध्ययन कार्यक्रम – प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप – भारत के समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार – शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट
2. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	– फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र – जर्मन अध्ययन केंद्र – इस्पेनी अध्ययन केंद्र – अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र – भारतीय भाषा केंद्र – भाषा–विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र

	– फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र – जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र – चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र – रूसी अध्ययन केन्द्र – दर्शनशास्त्र ग्रुप – भाषा प्रयोगशाला समूह
3. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	– अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र – राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र – पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र – रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र – अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र – दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र – पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र – राजनीतिक सिद्धान्त और तुलनात्मक अध्ययन ग्रुप
4. कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान	–
5. जीवन विज्ञान संस्थान	–
6. पर्यावरण विज्ञान संस्थान	–
7. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	–
8. भौतिक विज्ञान संस्थान	–
9. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	– जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र – संचार और सूचना सेवाएं – कंप्यूटर केंद्र
10 जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र	–
11. संस्कृत अध्ययन केंद्र	–
12. आणविक चिकित्सा–शास्त्र केंद्र	–
13. विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र	–

इनके अतिरिक्त, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अपने राष्ट्रीय चरित्र के अनुसार देश भर के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध संस्थानों को मान्यता प्रदान की है।

1. रक्षा संस्थान	– सेना कैडेड महाविद्यालय, देहरादून – सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे – सेना इलेक्ट्रोनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकंदराबाद – सेना दूर–संचार इंजीनियरी महाविद्यालय, महू – राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे – नौ सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला

2. अनुसंधान और विकास संस्थान	– कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केंद्र, हैदराबाद – विकास अध्ययन केंद्र, तिरूवनन्तपुरम – केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ – सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड ऐरोमेटिक प्लांट, लखनऊ – सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़ – अन्तर्राष्ट्रीय आनुवंशिकी इंजीनियरी तथा जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली – राष्ट्रीय प्रतिरक्षा–विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली – नाभिकीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली – रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर – राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली.

अध्याय– 1

शैक्षिक कार्यक्रम और प्रवेश

अध्ययन पाठ्यक्रम

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने 59 विषयों में पी–एच.डी., एम.फिल./पी–एच.डी./एम.टेक./पी–एच.डी. और एम.सी.एच/पी–एच.डी., जैव–सूचना विज्ञान में उच्च (स्नात्कोत्तर) डिप्लोमा, 5 विषयों में एम.एस–सी./एम.सी.ए., 23 विषयों में स्नातकोत्तर तथा 9 विदेशी भाषाओं में स्नातक पाठ्यक्रम चलाए। इसके अतिरिक्त, विभिन्न भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उच्च डिप्लोमा कोर्स भी चलाए।

विश्वविद्यालय अपने विभिन्न संस्थानों और केन्द्रों द्वारा चलाए जा रहे शिक्षण एवं शोध पाठ्यक्रमों और इनके लिए निर्धारित पाठ्यचर्या के माध्यम से इस बारे की नीतियां तथा कार्यक्रम तैयार करने का प्रयास करता है, जोकि पहले से ही उपलब्ध सुविधाओं का प्रसार करने की बजाए उच्च शिक्षा सम्बन्धी राष्ट्रीय संसाधनों में एक विशिष्ट प्रकार की वृद्धि करते हैं। विश्वविद्यालय ने उपलब्ध वित्तीय और भौतिक संसाधनों से ही अपने लक्ष्यों की प्राप्ति की। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न संस्थानों/केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए गए :

I. कला और सौन्दर्य–शास्त्र संस्थान

– एम.ए. : यह 4 सत्रीय पाठ्यक्रम है। यह दृश्य और अभिनय कला के सैद्धांतिक और आलोचनात्मक अध्ययन पर केन्द्रित है।

II. कंप्यूटर और पद्धति–विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान के विभिन्न पक्षों पर केन्द्रित है।
- एम.टेक./पी–एच.डी. (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी) : यह 3–सत्रीय पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम जानकारी प्रदान करने की दृष्टि से तैयार किया गया है। एम.टेक. पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवार पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में पंजीकरण के पात्र हो जाते हैं।
- मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) : इस 3- वर्षीय पाठ्यक्रम को इस प्रकार से तैयार किया गया है कि छात्रों को विज्ञान और इंजीनियरी के क्षेत्र में कंप्यूटर अनुप्रयोग सम्बन्धी सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि एवं व्यावहारिक अनुभव की आवश्यक जानकारी प्राप्त हो सके तथा डाटा प्रोसेसिंग के क्षेत्र में मानव–शक्ति की बढ़ती हुई मांग को पूरा किया जा सके।

III. पर्यावरण विज्ञान संस्थान

– एम.फिल./पी–एच.डी. : चार विस्तृत क्षेत्रों में शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन क्षेत्रों का उल्लेख इस रिपोर्ट में अलग अध्याय में किया गया है।

– एम.एस–सी. – पर्यावरण विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम वायुमंडलीय, भूमि, प्रदूषण और जीव–विज्ञानों के क्षेत्र में विशेषीकरण सहित पर्यावरण के मुख्य आयामों से सम्बद्ध है।

IV. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

– एम.फिल./पी–एच.डी. : कोर्स कार्य और शोध सुविधाएं निम्नलिखित क्षेत्रों में उपलब्ध थीं : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, राजनीतिक भूगोल, राजनयिक अध्ययन, अन्तर्राष्ट्रीय विधि अध्ययन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और विकास, निरस्त्रीकरण अध्ययन, दक्षिण एशियाई अध्ययन, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन, मध्य एशियाई अध्ययन, चीनी अध्ययन, जापानी और कोरियाई अध्ययन, पश्चिमी एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन, उप–सहारीय अफ्रीकी अध्ययन, अमरीकी अध्ययन, लेटिन अमरीकी अध्ययन, पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन, कनाडियन अध्ययन तथा रूसी और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन।

– एम.ए. राजनीति (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में विशेषीकरण के साथ) : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है, जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय मामलों, क्षेत्रीय राजनीति, राजनीतिक सिद्धांत, तुलनात्मक राजनीति और आर्थिक विकास के क्षेत्र शामिल हैं। इनसे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन की गहन जानकारी प्राप्त होती है।

– एम.ए. अर्थशास्त्र (विश्व अर्थव्यवस्था में विशेषीकरण के साथ) : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है, जिसमें छात्रों को अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की ठोस सैद्धांतिक पृष्ठभूमि उपलब्ध होती है और वे विश्व अर्थव्यवस्था के विकास को विश्लेषणात्मक ढंग से समझने के लिए तैयार होते हैं।

V. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

– उच्च (स्नातकोत्तर) डिप्लोमा : यह एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम जीनोम सिक्वेंस एनालिसिस और मोलक्यूलर मॉडलिंग के कंप्यूटर अनुप्रयोग पर केन्द्रित है।

VI. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

– पी–एच.डी. : जापानी और दर्शनशास्त्र (केवल आधुनिक पाश्चात्य दर्शनशास्त्र)।
– एम.फिल./पी–एच.डी. : अरबी, अंग्रेजी, संकेत विज्ञान, फ्रेंच, जर्मन, हिन्दी, हिन्दी अनुवाद, भाषा विज्ञान, रूसी, चीनी, फारसी, इस्पानी और उर्दू।
– एम.फिल. : पुर्तगाली।
– एम.ए. : अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, हिन्दी, जापानी, भाषा विज्ञान, फारसी, रूसी, इस्पानी और उर्दू।
– बी.ए. (ऑनर्स) : अरबी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियाई, फारसी, रूसी और इस्पानी (प्रथम और द्वितीय वर्ष में प्रवेश सहित)। यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवार सम्बन्धित भाषा के एम.ए. पाठ्यक्रम में पंजीकरण का पात्र हो जाता है।

अंशकालिक पाठ्यक्रम निम्नलिखित हैं –

– जन–सम्पर्क माध्यम में उच्च डिप्लोमा (उर्दू)
– पुर्तगाली और पश्तो में उच्च प्रवीणता डिप्लोमा
– भाषा इंदोनेशिया, इतावली, पुर्तगाली और पश्तो में प्रवीणता डिप्लोमा।
– भाषा इंदोनेशिया, इतावली, मंगोली, पश्तो और उर्दू में प्रवीणता प्रमाण–पत्र।

VII. जीवन विज्ञान संस्थान

– एम.फिल./पी–एच.डी. : जीवन विज्ञान के आधुनिक क्षेत्रों में।
– एम.एस–सी. – जीवन विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है। इसमें दोनों – बायोलॉजिकल और नॉन–बायोलॉजीकल विज्ञान क्षेत्रों के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

VIII. भौतिक विज्ञान संस्थान

– पी–एच.डी. : संस्थान की शोध एवं शिक्षण गतिविधियां मुख्यतः नान–लिनियर डायनेमिक, क्लासिकल ऐंड क्वांटम केओस, केमिकल फिजिक्स, कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, डिसार्डर्ड सिस्टम्स, नान इक्वीलिब्रियम स्टेटिस्टीकल मैकेनिक्स, क्वांटम फील्ड थीअरि ऐंड पार्टिकल फिजिक्स, मैथमेटीकल फिजिक्स, क्वांटम आप्टिक्स, स्टेटिस्टीकल न्यूक्लियर फिजिक्स के सैद्धांतिक क्षेत्रों तथा कंप्लेक्स फ्लूइड्स, मैग्नेटिज्म और नॉन–लिनियर आप्टिक्स के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केन्द्रित है।

– एम.एस–सी. – भौतिक–विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है। इसमें भौतिक विज्ञान, रसायन–विज्ञान और गणित स्ट्रीम के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

IX. सामाजिक विज्ञान संस्थान

– एम.फिल./पी–एच.डी. : निम्नलिखित विषयों में विस्तृत रूप से शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं :

आर्थिक अध्ययन और नियोजन; शैक्षिक अध्ययन; ऐतिहासिक अध्ययन; राजनीतिक अध्ययन; क्षेत्रीय विकास (भूगोल, अर्थशास्त्र और जनसंख्या अध्ययन); सामाजिक पद्धति; सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य; विज्ञान नीति; और दर्शन शास्त्र।

- सामुदायिक स्वास्थ्य स्नातकोत्तर (एम.सी.एच.)/पी–एच.डी. : इस पाठ्यक्रम में तीन मुख्य क्षेत्र शामिल है – सामाजिक चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग।
- एम.ए. – (4–सत्रीय) : अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, राजनीतिक विज्ञान और समाजशास्त्र।

X. जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र

- पी–एच.डी. : केन्द्र के पाठ्यक्रम अन्तरविषयक प्रकृति के हैं। कोर्स कार्य और सुविधाएं निम्नलिखित क्षेत्रों में उपलब्ध हैं :

  प्रोटीन इंजीनियरी; प्रोकोरियोटिक/यूकोरियोटिक जीन अभिव्यक्ति; संक्रामक रोग – अणु जीव विज्ञान; अणु प्रतिरक्षा विज्ञान; प्रोटीन स्टेबिलिटी, कन्फरमेशन्स ऐंड फोल्डिंग; बायोप्रोसेस स्केल अप ऐंड आप्टिमाइजेशन, यूकोरियोटिक जीन का अनुलेखन।
- एम.एस–सी. – जैव प्रौद्योगिकी : 4–सत्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा छात्रों को आनुवंशिकी इंजीनियरी और जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई नवीनतम प्रगति से अवगत कराने और इसका उपयोग उद्योग, कृषि और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में करने की दृष्टि से तैयार की गई है।

XI. विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

- केन्द्र में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम की शोध गतिविधियां प्रणाली–विज्ञान, अभिशासन I – सिद्धान्त और संकल्पनाएं, अभिशासन II – विधिक आयाम, पर केन्द्रित हैं।

XII. संस्कृत अध्ययन केन्द्र

- एम.ए. : यह 4 सत्रीय पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम भारतीय बौद्धिक परम्परा, संस्कृत भाषा विज्ञान परम्परा, कंप्यूटर भाषा विज्ञान और संस्कृत साहित्य का परिचय पर केन्द्रित है।

XIII. आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र

- पी–एच.डी. शोध गतिविधियां मोलक्यूलर मेडिसिन पर तथा शिक्षण और शोध गतिविधियां मेटाबोलिक डिसआर्डर, इनफेक्शस डिजीज और डायग्नोस्टिक्स पर केन्द्रित हैं।

शैक्षिक सत्र 2003–2004
(प्रवेश और छात्रों की संख्या)

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में स्थित 50 केन्द्रों पर 20–23, मई 2003 को जे.एन.यू. प्रवेश–परीक्षा आयोजित की गई। ये राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश हैं – आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, गोवा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, नागालैण्ड, उड़ीसा, पांडिचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल। इनके अतिरिक्त, विदेश में स्थित दो केंद्रों – काठमांडू और ढाका – में भी प्रवेश–परीक्षा आयोजित की गई।

1. विश्वविद्यालय ने 50,834 आवेदन–पत्र बेचे। इनमें से प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों से पूर्ण रूप से भरे हुए 44,433 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। उम्मीदवारों द्वारा अपने आवेदन–पत्रों में विभिन्न विषयों/अध्ययन पाठ्यक्रमों के लिए भरे गए विकल्पों के आधार पर यह संख्या बढ़कर 59,996 हो गई।

2. उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों और प्रवेश नीति के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई योग्यताक्रम सूची के आधार पर 1823 उम्मीदवारों को प्रवेश प्रस्ताव भेजे गए। इनमें से 1318 उम्मीदवारों ने विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया।

3. 22.5% (अ.जा. 15% और अ.ज.जा. 7.5%) आरक्षित सीटों में से 24.48% (अ.जा. 15.94% और अ.ज.जा. 8.54%) उम्मीदवारों ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।

4. विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले 1318 उम्मीदवारों में :
   - 538 उम्मीदवारों ने एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./पी–एच.डी., एम.सी.एच./पी–एच.डी. और 548 उम्मीदवारों ने एम.ए./एम.एस–सी./एम.सी.ए. और शेष 232 उम्मीदवारों ने विदेशी भाषाओं में बी.ए. (आनर्स) के अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया;
   - प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों में 871 पुरुष और 447 महिला उम्मीदवार थीं;
   - अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित उम्मीदवारों और पिछड़े हुए जिलों से अर्हक परीक्षा पास करने वाले वे उम्मीदवार जिन्हे "डेप्रिवेशन अंकों" का लाभ मिला, की संख्या 415 (31.50% उम्मीदवार) थी। वर्ष 2002–2003 में इन उम्मीदवारों की संख्या 374 थी।
   - कुल 249 अ.पि. वर्ग से संबंधित उम्मीदवारों (लगभग 19% उम्मीदवार) का विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए चयन हुआ।

5. विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों ने अपनी अर्हक परीक्षा 138 भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों/बोर्डों से पास की थी।

6. प्रवेश पाने वाले 1318 उम्मीदवारों में से 594 उम्मीदवार निम्न और मध्यम आय वर्ग के थे, जिनके माता–पिता की मासिक आय 6,000 रूपये से कम थी और 724 उम्मीदवार उच्च आय वर्ग के थे, जिनके माता–पिता की मासिक आय 6,000 रूपये से अधिक थी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से छात्रों का अनुपात क्रमशः 456 : 862 था। केवल 354 उम्मीदवारों ने अपनी स्कूली शिक्षा पब्लिक स्कूलों से प्राप्त की थी और शेष 964 ने नगर–निगम और अन्य स्कूलों से।

7. विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले 1318 उम्मीदवारों के अलावा 169 उम्मीदवार निम्नलिखित वर्गों से थे :
   - विदेशी छात्र (27 देशों से) : 76
     (69 एबसेंसिया और
     07 प्रवेश परीखा के माध्यम से)

–	सीधे पी–एच.डी. में प्रवेश	:	63
–	गत वर्ष ज्वाइन न कर पाने वाले छात्र	:	17
–	'नेट' परीक्षा उत्तीर्ण (कनिष्ठ शोधवृत्ति धारक)	:	20

संयुक्त प्रवेश परीक्षा

पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय ने 23 मई 2003 को देश–भर में 50 केन्द्रों पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय सहित 33 प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के एम.एस–सी. (बायोटेक्नोलॉजी), एम.एस–सी. (एग्रीकल्चर)/एम.वी.एस–सी. (एनीमल बायोटेक्नोलॉजी) और एम.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त जैव-प्रौद्योगिकी प्रवेश–परीक्षा आयोजित की।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में अंशकालिक पाठ्यक्रम

संस्थान के डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अंशकालिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पूर्ण रूप से भरे हुए कुल 462 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 155 उम्मीदवारों ने इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया – सी.ओ.पी. में 112, डी.ओ.पी. में 11 और ए.डी.ओ.पी. में 32.

छात्रों की संख्या

1.9.2003 को विश्वविद्यालय में 4857 पूर्णकालिक छात्र पंजीकृत थे। विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों का विवरण इस प्रकार है – 2719 छात्र शोध कर रहे थे और 1368 छात्र एम.ए./एम.एस–सी./ एम.सी.ए. और 756 छात्र स्नातक पाठ्यक्रमों में और 14 जैव–सूचना विज्ञान (स्नातकोत्तर) डिप्लोमा में अध्ययनरत थे।

प्रदान की गई उपाधियां/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त संस्थानों के 2312 छात्रों को अपने-अपने पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर उपाधियां/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट प्रदान किए गए :

(1)	पी–एच.डी.	:	242
(2)	एम.फिल.	:	371
(3)	एम.टेक.	:	19
(4)	एम.ए.	:	479
(5)	एम.एस–सी./एम.सी.ए./एम.सी.एच.	:	112
(6)	बी.ए. मान्यता प्राप्त संस्थान	:	230
(7)	बी.ए. (ऑनर्स)	:	141
(8)	बी.एस–सी.	:	438
(9)	बी.टेक.	:	198
(10)	डिप्लोमा/सर्टिफिकेट	:	82
	कुल	:	2312

प्रवेश प्रक्रिया

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् द्वारा समय–समय अनुमोदित प्रवेश नीति और प्रक्रिया के अनुसार दिए जाते हैं।

प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में सीटों (एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों सहित) की संख्या का निर्धारण संबंधित केन्द्र/संस्थानों की सिफारिशों के आधार पर विद्या परिषद् द्वारा किया जाता हैं। सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों की सीटें केन्द्रों/संस्थानों द्वारा एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित की गई सीटों के अतिरिक्त होती हैं।

प्रवेश में आरक्षण : विश्वविद्यालय अ.जा./अ.ज.जा. के छात्रों को आरक्षण उपलब्ध कराता है। 22.5% स्थान अ.जा./ अ.ज.जा. (क्रमश : 15% और 7.5%, आवश्यक होने पर सीटों के अनुपात में परिवर्तन किया जा सकता है) और 3% स्थान शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीद्वारों के लिए आरक्षित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में निश्चित सीटों के अलावा 10% सीटें विदेशी छात्रों के लिए आरक्षित हैं। विदेशी छात्रों के लिए निर्धारित 10% सीटों में से 5% सीट प्रवेश–परीक्षा के माध्यम से तथा 5% सीट 'एब्सेंसिया' में भरी जाती हैं। आवश्यक होने पर सीटों के अनुपात में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रवेश सूचना : प्रवेश संबंधी सूचना अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय समाचार–पत्रों और देश के विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी समाचार–पत्रों में प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के लगभग दूसरे सप्ताह में प्रकाशित की जाती है।

लिखित–परीक्षा : विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु देश भर में फैले विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर लिखित–परीक्षा आयोजित की जाती है। यह लिखित परीक्षा प्रत्येक वर्ष मई माह के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाती है। प्रत्येक पाठ्यक्रम अथवा अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए तीन घंटे की अवधि वाला एक प्रश्न–पत्र तैयार किया जाता है। प्रवेश–परीक्षा तीन दिन चलती है। प्रत्येक दिन दो सत्रों में परीक्षा होती है, जिनमें तीन–तीन घंटे के प्रश्न–पत्र होते हैं। उम्मीद्वार को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिखित–परीक्षा में प्राप्त अंकों तथा मौखिक–परीक्षा (जहाँ निर्धारित हो) के आधार पर दिया जाता है। जहाँ मौखिक–परीक्षा लागू है वहाँ लिखित परीक्षा 70 अंकों की होती है।

प्रवेश–परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अपेक्षित पात्रता : प्रवेश–परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अपेक्षित पात्रता (सामान्य वर्ग एवं आरक्षित वर्ग दोनों के लिए) विश्वविद्यालय द्वारा इस संबंध में बनाए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार निर्धारित होती है। पाठ्यक्रम विशेष में प्रवेश हेतु निर्धारित अर्हक परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों को भी प्रवेश परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाती है। परन्तु प्रवेश हेतु चुन लिए जाने की स्थिति में उनका प्रवेश अर्हक परीक्षा में निर्धारित अंक प्राप्त करने तथा अर्हक परीक्षा की अंतिम अंक तालिका सहित सभी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने पर ही मान्य होता है। किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि वर्ष की 14 अगस्त होती है। इसके बाद किसी को प्रवेश नहीं दिया जाता।

मौखिक परीक्षा : एम.फिल./पी–एच.डी./प्री–पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों और विदेशी भाषाओं (अंग्रेजी को छोड़कर) में पाँच वर्षीय एकीकृत एम.ए. पाठ्यक्रमों के चौथे वर्ष में प्रवेश लेने वाले उम्मीद्वारों को एक मौखिक–परीक्षा देनी होती है। इस परीक्षा के लिए 30% अंक आबंटित है। केवल उन्हीं उम्मीद्वारों को एम.फिल./पी–एच.डी./ प्री–पी–एच.डी. और एम.ए. (विदेशी भाषाओं में चतुर्थ वर्ष) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु मौखिक परीक्षा मे बुलाने के लिए पात्र माना जाता है जिन्होंने लिखित परीक्षा में न्यूनतम क्रमशः 35% और 25% अंक प्राप्त किए हों। अ.जा.,/ अ.ज.जा. और शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए 10% अंकों की छूट होती है। प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में सामान्यतः विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित सीटों से तीन गुना उम्मीद्वारों को ही मौखिक–परीक्षा के लिए बुलाया जाता है।

उम्मीद्वारों का चयन : प्रत्येक कोर्स/अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए सामान्य, अ.जा./अ.ज.जा., शारीरिक रूप से विकलांग और विदेशी उम्मीद्वारों की अलग–अलग योग्यता–क्रम सूची तैयार की जाती है। विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में उम्मीद्वारों को अंतिम रूप से प्रवेश उम्मीद्वारों से संबंधित वर्गों में इंटर से–मेरिट के आधार पर दिया जाता है। यह मेरिट उम्मीदवार की लिखित परीक्षा और मौखिक परीक्षा (जहाँ निर्धारित हो) में प्राप्त अंकों और अतिरिक्त अंकों (जहाँ लागू हो) के आधार पर तैयार की जाती है।

पंजीकरण : जो उम्मीद्वार प्रवेश के लिए चुन लिए जाते हैं, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा बनाई जाने वाली समय–सारणी के अन्दर ही अपने पंजीकरण संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी कर लें।

अध्याय–2
विश्वविद्यालय के निकाय

विश्वविद्यालय के कार्य का सुव्यवस्थित रूप से संचालन करने के लिए विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्य परिषद, विद्या परिषद जैसे निकाय और वित्त समिति जैसी कुछ अन्य सांविधिक समितियां हैं।

विश्वविद्यालय कोर्ट

विश्वविद्यालय कोर्ट विश्वविद्यालय का सर्वोच्यच निकाय है। इसकी बैठक वर्ष में एक बार कार्यपरिषद् द्वारा निर्धारित तिथि को होती है, जिसमें विश्वविद्यालय की पिछले वर्ष की रिपोर्ट, आय और व्यय का विवरण, लेखा–परीक्षित तुलन–पत्र और अगले वित्तीय वर्ष के बजट पर विचार किया जाता है। विश्वविद्यालय कोर्ट को कार्यपरिषद् और विद्या परिषद् के कार्यों (उन परिस्थितियों में है, यदि इन परिषदों ने विश्वविद्यालय के अधिनियम, संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप कार्य न किया हो) और विश्वविद्यालय की शक्तियों, जो अधिनियम और संविधियों में नहीं दी गई हैं, की समीक्षा करने का अधिकार है।

विश्वविद्यालय कोर्ट की पिछली वार्षिक बैठक 8 जनवरी, 2004 को हुई। इसने विश्वविधालय की गतिविधियों पर 1 अप्रैल 2004 से 31 मार्च 2003 तक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय वर्ष 2001–2002 का लेखा–परीक्षित प्राप्ति और व्यय का विवरण तथा परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण और वित्तीय वर्ष 2003–2004 का बजट प्राप्त किया। इसने विश्वविद्यालय का योजनेत्तर अनुरक्षण बजट भी प्राप्त किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों और विकासों के बारे में कोर्ट को अवगत कराया। इनमें से मुख्य निम्नलिखित हैं –

(क) विश्वविद्यालय की तमिल शिक्षण शुरू करने की योजना है। इसके लिए तमिलनाडु सरकार से 50 लाख रूपये की एकमुश्त अनुदान राशि प्राप्त हुई।

(ख) विश्वविद्यालय के शैक्षिक समुदाय के लिए 'डेलनेट कनेक्शन' का प्रावधान।

(ग) यौन उत्पीडन के विरूद्ध जेंडर संवेदनशील समिति का गठन। इसमें जेएनयू शिक्षक संघ, जेएनयू छात्र संगठन, जेएनयू अधिकारी संघ, जेएनयू कर्मचारी संघ और गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

(घ) दलित छात्रों के हितों और समस्याओं को देखने के लिए समान अवसर कार्यालय की स्थापना।

(च) नए छात्रावासों और शैक्षिक भवनों का निर्माण करके वर्तमान सुविधाओं का विस्तार किया गया। ये छात्रावास/भवन थे – जनजातीय छात्रों हेतु 200 सीटों वाला छात्रावास, उत्तरी–पूर्वी क्षेत्र के छात्रों हेतु 180 सीटों वाला छात्रावास, पोस्ट डाक्टरल छात्रावास (चरण–II) ट्रांजिट हाउस (चरण –III), अकादमिक स्टाफ कालेज, उच्च अध्ययन संस्थान, ताप्ती छात्रावास कंप्लेक्स के पास मिनी शॉपिंग सेंटर।

(छ) विश्वविद्यालय के छात्रों को इंटर्नशिप और अल्पकालिक रोजगार के अवसर मुहैया कराने में सक्षम कॉलेज पार्क की स्थापना की योजना।

(ज) कनवेंशन सेंटर खोलने के लिए कदम उठाए गए। इस कनवेंशन सेंटर में, सभी सुविधाओं वाला सम्मेलन कम्पलेक्स, पब्लिक टेलीफोन, जन सुविधाएं, मेडिकल स्टोर, कॉफी शॉप एक बडी पुस्तकों की दुकान, एक बड़ी कंप्यूटर की दुकान/साइबर कैफे, विभिन्न व्यंजनों वाला भोजनालय, एक डिपार्टमेंटल स्टोर और एक क्राफ्ट बाजार होगा।

कार्य परिषद

कार्य परिषद विश्वविद्यालय की एक उच्चत्तम और महत्वपूर्ण कार्य निकाय है; इसे चुनाव समिति की सिफारिशों के आधार पर शिक्षकों और अन्य ग्रुप 'ए' के अधिकारियों की नियुक्ति, उनकी परिलब्धियां और उनकी ड्यूटी निश्चित करने की शक्तियां प्रदान की गई हैं। कार्य परिषद को विश्वविद्यालय की संविधियों और अध्यादेश के अन्तर्गत शिक्षण और गैर शिक्षण स्टाफ के बीच अनुशासन बनाए रखने तथा विश्वविद्यालय के वित्त, लेखाओं और अन्य प्रशासनिक मामलों का प्रबंध और विनियमित करने की शक्ति प्राप्त है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान इसकी 2 बैठकें हुईं। ये बैठकें 30 मई 2003 और 16 अक्टूबर 2003 को हुईं। इन बैठकों में परिषद ने अनेक प्रशासनिक और शैक्षिक मामलों पर विमर्श किया और

उन पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इसके अतिरिक्त, परिषद ने कुलपति द्वारा संविधियों/अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुछ अत्यावश्यक प्रकृति के मामलों पर लिए गए निर्णयों पर विचार करके उनका अनुमोदन किया। परिषद ने शिक्षण और गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियों के लिए विभिन्न चयन समितियों की सिफारिशों पर कुलपति द्वारा किए अनुमोदनों का भी अनुमोदन किया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय निम्नलिखित हैं :

(क) जी.एस. कैश के नियम और प्रक्रिया बनाने हेतु नियुक्त समिति की सिफारिशों का अनुमोदन किया।

(ख) विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और गैर शिक्षण कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी निधियों की स्थापना।

(ग) जेएनयू का विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षिक सहयोग हेतु बनी स्थायी समिति की सिफारिशों का अनुमोदन।

(घ) अरबी भाषा और खाड़ी क्षेत्रीय इतिहास और संस्कृति – विशेषकर ओमान अध्ययन – का उन्नयन करने के लिए ओमान सल्तनत से 9,49,352 रूपये का वृत्तिदान स्वीकार किया। इस वृत्तिदान का उपयोग अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र और भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र के शैक्षिक क्षेत्रों में समान रूप से किया जाएगा। इनमें शोध को प्रोत्साहन देना, संगोष्ठियों का आयोजन करना और दोनों केंद्रों के पुस्कालयों को अरबी भाषा की पुस्तकों तथा दस्तावेजों एवं ओमान तथा खाड़ी क्षेत्र से संबंधित सूचना से समृद्ध बनाना शामिल है।

(च) अकादमिक स्टाफ कालेज के लिए एलुमनी निधि का सृजन।

(छ) एम.फिल./पी–एच.डी. के लिए बाह्य परीक्षकों, बाह्य विशेषज्ञों/चयन समितियों में विजिटर के नामित व्यक्तियों, सांविधिक और अन्य समितियों के बाह्य सदस्यों और विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा अन्य अतिथियों को गैर–वेतन भुगतान आदि के लिए मानदेय की संशोधित दरों का अनुमोदन किया।

(ज) संशोधित अध्यादेशों का अनुमोदन (1) वेतनमानों में संशोधन(1996), न्यूनतम योग्यताएं और शिक्षकों की कैरियर एडवांसमेंट योजना से संबंधित अध्यादेश (2) विश्वविद्यालय के नियुक्त शिक्षकों की सेवा–शर्तों से संबंधित अध्यादेश (3) विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए छुट्टी से संबंधित अध्यादेश।

विद्या परिषद्

विद्या परिषद् विश्वविद्यालय की मुख्य शैक्षिक निकाय है। विद्या परिषद् को अन्य के साथ–साथ विभाग, विशेष केंद्र, विशेषीकृत प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए कार्य परिषद् को सुझाव देने की शक्ति प्राप्त है। विद्या परिषद् को शैक्षिक पदों का सृजन और समाप्त करने, उनका वर्गीकरण करने, प्रवेश और परीक्षाओं पर मसौदा अध्यादेश तैयार करने, परीक्षकों की नियुक्ति और उनके शुल्क का निर्धारण करने, मानद उपाधियाँ और अध्येतावृत्तियां, छात्रवृत्तियां आदि प्रदान करने की शक्ति प्राप्त है। विद्या परिषद् को अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के डिप्लोमा और डिग्रियों को मान्यता प्रदान करने, विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु समिति गठित करने, परीक्षाओं के आयोजन और उन्हें आयोजित करने की तिथि निर्धारित करने और विभिन्न विश्वविद्यालय परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने आदि की व्यवस्था करने की शक्ति भी प्राप्त है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विद्या परिषद् की 2 मई 2003 और 24 नवम्बर 2003 को बैठकें हुईं। परिषद् ने विभिन्न संस्थानों से सदस्यों को सहयोजित किया, विभिन्न संस्थानों/विशेष केंद्रों के अध्ययन मंडलों/विशेष समितियों में शिक्षक/विशेषज्ञ नामित किए, एम.फिल. डिग्री प्रदान करने से संबंधित अध्यादेश की धारा 11(5) में संशोधन का प्रस्ताव किया, आदि और वर्ष 2003–2004 में प्रवेश का तथ्यात्मक डाटा नोट किया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान विद्या परिषद् के अन्य निर्णय/सिफारिशें निम्नलिखित है :

(क) शैक्षिक वर्ष 2004–2005 से पर्यावरण विज्ञान संस्थान में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में सीधे प्रवेश शुरू करने का अनुमोदन किया।

(ख) विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम की शुरूआत का अनुमोदन किया।

(ग) शैक्षिक सत्र 2004–2005 से संस्कृत में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू करने का सिद्धांततः अनुमोदन किया।

(घ) शैक्षिक सत्र 2004–2005 से भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के जापानी और उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र के वर्तमान प्री–पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के स्थान पर जापानी भाषा में एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू करने का अनुमोदन किया।

(च) सामाजिक विज्ञान संस्थान के दर्शनशास्त्र केंद्र में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में सीधे प्रवेश शुरू करने का सिद्धांततः अनुमोदन किया।

(छ) शोध/शैक्षिक संस्थानों को उनके अनुरोध पर लघु शोध प्रबन्धों/शोध प्रबन्धों की फोटो कापी उपलब्ध कराने का अनुमोदन किया बशर्ते कि ये संस्थान फोटो कापी प्राप्ति के स्रोत का उल्लेख करें।

(ज) विभिन्न चयन समितियों में नामित किये जाने वाले विशेषज्ञों के नामों के पेनल को संस्तुत किया।

(झ) प्रवेश प्रक्रिया को कारगर बनाने विशेषकर विदेशी छात्रों को शीघ्र प्रवेश देने को ध्यान में रखते हुए प्रवेश पर स्थायी समिति के अध्यक्ष पद के नाम को बदलकर निदेशक (प्रवेश) करने को संस्तुत किया।

(ट) सामाजिक विज्ञान संस्थान में प्रौढ़ शिक्षा और विस्तार यूनिट का नाम बदलकर प्रौढ़ शिक्षा ग्रूप करने को संस्तुत किया।

(ठ) अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र और भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र में शोध और संगोष्ठियों को प्रोत्साहन देने के साथ–साथ पुस्तकालयों के लिए पुस्तकों और दस्तावेजों के लिए ओमान सल्तनत से 9,49,352 रूपये के वृत्तिदान को स्वीकार करने को संस्तुत किया।

(ड) तमिल भाषा के अध्ययन और विकास के लिए तमिलनाडु सरकार से 50 लाख रूपये का एकमुश्त अनुदान स्वीकार करने को संस्तुत किया।

वित्त समिति

वित्त समिति विश्वविद्यालय की सांविधिक निकाय है। यह समिति विश्वविद्यालय के बजट तथा व्यय प्रस्तावों, नए/अतिरिक्त पदों से संबंधित सभी प्रस्तावों, लेखाओं, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और अन्य वित्तीय एवं लेखाओं से संबंधित मामलों पर विचार करती हैं इसकी सिफारिशें कार्य परिषद् को अनुमोदन के लिए भेजी जाती हैं।

समिति ने 17 नवम्बर 2003 को हुई अपनी बैठक में विश्वविद्यालय के वर्ष 2003–2004 के लिए 'अनुरक्षण' खाते मे 7933.68 लाख रूपये के संशोधित आकलनों को मंजूरी दी।

अध्याय – 3

1. कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान

कला और सौंदर्यशास्त्र भारत के उन गिने चुने संस्थानों में से एक है जो दृश्य एवं निष्पादन कलाओं में सैद्धान्तिक तथा विश्लेषणात्मक अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाते हैं। पूरे भारत में केवल यह एक ऐसा संस्थान है जहां दृश्य और निष्पादन के अध्ययन के एक समन्वित पाठ्यक्रत के माध्यम से छात्रों को विस्तृत सांस्कृतिक संदर्भ में विशेष कला से अवगत कराता है।

हाल के कुछ वर्षों में कला का अध्ययन अन्य कई क्षेत्रों यथा समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान, सांस्कृतिक अध्ययन, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास, संकेत विज्ञान और नारी अध्ययन आदि – की रीति एवं सूक्ष्म दृष्टि से समृद्ध हुआ है। संस्थान का दृष्टिकोण भिन्न–भिन्न विश्लेषणात्मक एवं सैद्धांतिक मतों को ध्यान में रखते हुए संस्कृति के बारे में एन नए ढंग से अध्ययन करने के लिए सूत्रबद्ध किया गया है।

बहुत ही कम समय में यह संस्थान भारत में विभिन्न पारम्परिक एवं समसामयिक समृद्ध कला–सिद्धान्तों एवं व्यवहारों के अन्तरविषयक अध्ययन और शोध को उन्नत करने का एक प्रमुख केंद्र बन गया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित सम्मेलन आयोजित किए :–

1. संस्थान ने 1 से 23 नवम्बर 2003 तक 'कंटेम्पोरेरि इण्डियन म्यूजिक' विषय पर आउटरीच प्रोग्राम आयोजित किया। इसमें देश भर से आये आठ सुप्रसिद्ध संगीतज्ञों, समाजशास्त्रियों और विद्वानों ने "सोशल हिस्ट्री आफ हिन्दुस्तानी म्यूजिक" विषय पर व्याख्यान दिए। इस कार्यक्रम का आयोजन – कविता सिंह और विष्णुप्रिया दत्त ने किया।
2. संस्थान ने 22 से 28 मार्च 2004 तक 'कनटेम्पोरेरि इण्डियन फिल्म्स' विषय पर एक आउटरीच प्रोग्राम आयोजित किया। इसमें देश भर से आए 8 सुप्रसिद्ध विद्वानों ने 'अस्पेक्टस आफ फिल्म एप्रिसिऐशन ऐंड फिल्म हिस्ट्री' विषय पर व्याख्यान दिए। उन्होंने फिल्में दिखायी और फिल्मों पर परिचर्चा की। इसके आयोजक थे – ज्योतिंद्र जैन।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित आगन्तुकों ने संस्थान का दौरा किया :–

1. प्रो. ज्ञान प्रकाश, डायरेक्टर, शिल्बी कुलम डेविस सेंटर फार हिस्टोरिकल स्टडीज, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, 12 जनवरी 2004 को संस्थान का दौरा किया।
2. सुसान–लोरी पार्क्स (अफ्रीकी अमरीकी नाट्यलेखक और नाटक के लिए वर्ष 2002 के पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित) ने 24.2.2004 को संस्थान का दौरा किया।

संस्थान की वर्तमान शैक्षिक गतिविधियों में शामिल हैं : रंगमंच अध्ययन, लोकप्रिय संस्कृति, समसामयिक कला और भारतीय चित्रकला।

प्रकाशन

आलेख

- कविता सिंह, एलिगेरिस आफ गुड किंगशिप : वाल पेंटिंग्स ऐट किला मुबारक ऐट पटियाला, न्यू पर्सपेक्टिव्स इन सिख आर्ट, मार्ग पब्लिकेशंस, मुम्बई, 2003
- कविता सिंह, ब्रिक बाई स्क्रीड ब्रिक, न्यू पर्सपेक्टिव्स इन सिख आर्ट, मार्ग पब्लिकेशंस, मुम्बई 2003
- कविता सिंह, द म्यूजियम इज नेशनल इन इण्डिया : ए नेशनल कल्चर (स.) गीतिसेन, सेज पब्लिकेशंस, दिल्ली, लंदन ऐंड थाउजेंड्स ओक्स, 2003
- कविता सिंह, म्यूजियम ऐंड मेकिंग आफ इंडियन आर्ट हिस्टोरिकल केनन इन टुवर्डस ए न्यू आर्ट हिस्ट्री इन इण्डियन आर्ट, सं. – शिवाजी पाणिकर, पारूल देव मुखर्जी और दीपथा आचर, डी.के. प्रिंट वर्ड, नई दिल्ली, 2003

- ज्योतिंद्र जैन, मार्फिंग आइडेंटिटीज : रिकनफिगरिंग द डिवाइन ऐंड द पालिटिकल, बाडी सिटी (स. इन्दिरा चंद्रशेखर और पीटर सी सील) हाउस आफ वर्ल्ड कल्चर्स, बर्लिन। तुलिका बुक्स, दिल्ली, अगस्त 2003
- ज्योतिंद्र जैन, कलम पतुआ : फ्राम द इंटरस्टिसिस आफ द सिटी, केटलाग ऐसे फार द एग्जिबिशन आफ द सेम टाइटल, नई दिल्ली, गेलरी ऐस्पेस, फरवरी 2004
- ज्योतिंद्र जैन, फोक आर्टिस्ट्स आफ बेंगाल ऐंड कंटेम्पोरेरि इमेजिस, ए केस आफ रिवर्स एप्रोप्रिएशन इन आर्टस। आफ द अर्थ, कर्नाटक चित्रकला परिषद, बंगलौर, नवम्बर 2003
- ज्योतिंद्र जैन, कालीघाट पेंटिंग : अदर पर्सपेक्टिव्स, इण्डियन आर्ट, ऐन ओवरवियू, (सं. गायत्री सिन्हा), रूपा ऐंड कं. नई दिल्ली, 2003
- एच.एस. शिवप्रकाश, द पीकॉक'स ऐग : फालोइंग द रेसोनेंसिस आफ अभिज्ञान शाकुन्तलम इन थिएटर इण्डिया, द जर्नल आफ एन.एस.डी., नई दिल्ली, दिसम्बर 2003
- एच.एस. शिवप्रकाश, माई हार्ट–बी हेस फ्लोन... द ओथिच्युरि नोट आन द कन्नड़ पोइट 'कसना' इन इण्डियन लिट्रेचर, जर्नल आफ साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, जनवरी–फरवरी 2004
- एच.एस. शिवप्रकाश, सुंदरदास, ए प्ले बाई जे.पी. दास बुक रिव्यु, इण्डियन लिट्रेचर मार्च–अप्रैल–2004

  एच.एस. शिवप्रकाश, वचन। आफ अक्कामहादेवी (ट्रांसलेशन ऐंड ए नोट) ऐंड द ऐरो जर्नीस टु कल्याण: इन जर्नीस, स. गीतिसेन और मोली कौशल, नई दिल्ली, आई.आई.सी. पेंगुइन/वाइकिंग, 2004
- विष्णुप्रिया दत्त, महाचैत्र ऐंड अदर प्लेस बाई एच.एस. शिव प्रकाश, बुक रिव्यू, इण्डियन लिट्रेचर, मार्च–अप्रैल 2004

पुस्तकें

- कविता सिंह, न्यू पर्सपेक्टिव्स इन सिख आर्ट (सं.), मार्ग पब्लिकेशंस, मुम्बई, 2003

शोध परियोजना

- सावंत शुक्ल, ग्रुप शो में भाग लिया, मैक्स मुल्लर भवन, नई दिल्ली, नवम्बर 2003
- सावंत शुक्ल, माइग्रेशंस ए ग्रुप शो क्यूरेटिड बाई अमित मुखोपाध्याय, बिरला अकादमी, कोलकाता, अप्रैल 2003
- सावंत शुक्ल, साक्षी गेलरी में ग्रुप प्रदर्शनी, मुम्बई, नवम्बर 2003

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- ज्योतिंद्र जैन ने नवम्बर 2003 में वर्ल्ड आफ हाउस कल्चर, बर्लिन द्वारा आयोजित 'माइग्रेटिंग इमेजिस' विषयक संगोष्ठी (गेटी फांउडेशन द्वारा प्रायोजित) में "इण्डियन पाप्युलर कल्चर : कनक्वेस्ट आफ द वर्ल्ड एज पिक्चर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ज्योतिंद्र जैन ने फरवरी 2004 में केनबरा में आयोजित 'ट्रांसफार्मेशंस : एशिया–पेसिफिक म्यूजियम इन द ट्वंटी–फर्स्ट सेंचुरी' विषयक संगोष्ठी में "ट्राइबल आर्ट्स इन इण्डिया : ट्रेडिशनल ऐंड एक्सप्रेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- ज्योतिंद्र जैन ने 'इण्डियन क्रोमोलियोग्राफ्स ऐंड आलिओग्राफ्स आफ 19थ ऐंड 20थ सेंचुरीज' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- ज्योतिंद्र जैन ने 'कालेज : एम्बिवेलेंट स्पेसिस, म्यूटेटिंग आइडेंटिटीज' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- ज्योतिंद्र जैन ने 'मेन्युपुलेटिंग द इमेज : रिकनफिगरिंग द कल्टिक ऐंड द पालिटिकल' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- ज्योतिंद्र जैन ने 'कन्टेम्पोरेरि इण्डियन फोक आर्टिस्ट्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।

  (ये चारों व्याख्यान 12–13 दिसम्बर 2003 को मुम्बई विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में दिए गए)
- एच.एस. शिवप्रकाश ने 20 से 22 फरवरी 2004 तक मुम्बई विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित "पालिटिक्स आइडियोलाजी ऐंड लिट्रेचर" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में दो सत्रों की अध्यक्षता की।

- एच.एस. शिवप्रकाश ने मार्च 2004 में आई.आई.आर.एस., नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इण्डियन ट्राइबल सोसायटीज" विषयक संगोष्ठी में "दलित नरेटिव्स इन कर्नाटका" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कविता सिंह ने मार्च 2004 में इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर और नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'ए नेशनल म्यूजियम फार इण्डिया, ऐज पार्ट आफ म्यूजियम इन एज्यूकेशन सीरीज' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कविता सिंह ने जुलाई 2003 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'वार, लूट ऐंड द लास आफ हेरिटेज (एप्रोपोस द लूटिंग आफ द बगदाद म्यूजियम)' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- विष्णुप्रिया दत्त ने अगस्त 2003 में नेशनल स्कूल आफ ड्रामा में थिएटर स्टडीज ऐंड यूनिवर्सिटी एज्यूकेशन" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- विष्णुप्रिया दत्त ने मैक्समूलर भवन, दिल्ली में 'माडरेटर, कनटेम्पोरेरि जर्मन थिएटर ऐंड द वोल्क्स बुने' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- विष्णुप्रिया दत्त ने सत्यजीत रे फिल्म्स ऐंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट, कलकत्ता में 'रे ऐंड ड्रामेटिक मोमेंट्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- सावंत शुक्ला ने जनवरी 2004 में बिरला अकादमी, कोलकाता द्वारा आयोजित "कल्चरल राइटिंग इन कंटेम्पोरेरि इण्डिया" विषयक संगोष्ठी की पैनल चर्चा में भाग लिया।
- सावंत शुक्ला ने नवम्बर 2003 में आई.पी. कालेज, नई दिल्ली में आयोजित "ग्लोरियाना" विषयक संगोष्ठी में "पोट्रेट्स आफ पावर : क्वीन एलिजाबेथ द फर्स्ट" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- सावंत शुक्ला ने मार्च 2004 में एम.जी.एम.ए. द्वारा क्यूरेटर्स के लिए आयोजित कार्यशाला में 'आर्टिस्ट'स इनिशिएटिव्स ऐंड क्यूरेट्रिअल प्रैक्टिसिस" शीर्षक व्याख्यान दिया।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- ज्योतिंद्र जैन, सदस्य, संग्राहलय का केंद्रीय सलाहकार मण्डल, सांस्कृतिक विभाग, भारत सरकार; सदस्य, न्यासी मण्डल, नेशनल फोकलोर सर्पोट सेंटर चैन्नई; सदस्य, न्यासी बोर्ड, भाऊदाजी लाड म्यूजियम, मुम्बई; सदस्य, शैक्षिक परिषद, नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट फार आर्ट हिस्ट्री, म्यूजिओलाजी ऐंड कंजर्वेशन (मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)।
- एच.एस. शिवप्रकाश, सदस्य, साहित्य के क्षेत्र में सांस्कृतिक विभाग की अध्येतावृत्ति हेतु गठित चयनित समिति, 2003; जूरी के सदस्य, कबीर सम्मान काव्य पुरस्कार 2003.
- कविता सिंह, सदस्य, म्यूजियम के केंद्रीय सलाहकार मण्डल (पर्यटन और सांस्कृतिक मंत्री की अध्यक्षता में) पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय, संस्कृति विभाग, भारत सरकार; सदस्य, प्रारम्भिक चयन समिति (ललित कला) इनलाक्स अध्येतावृत्तियां।

2. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1975 में हुई थी। पिछले कुछ वर्षों से यह देश में एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में उभरा है। यह संस्थान एम.सी.ए., एम.टेक (एम.फिल.) और पी--एच.डी. शोध पाठ्यक्रम चलाता है और इनमें देशभर के सर्वोत्तम छात्र प्रवेश लेने के लिए आवेदन करते हैं।

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम को समाज और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाता है। यह अपने छात्रों को उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करता है। तदनुसार, कोर्स और पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किए जाते हैं जिसमें अन्तर्विषयक कोर्स के साथ–साथ सैद्धांतिक और प्रायोगिक पक्षों को भी कवर किया जाता है। यह कोर्स संरचना छात्रों को या तो सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग या फिर उच्च शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए योग्य बनाती है। संस्थान भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के छात्रों के लिए परम्परागत और विशेष कोर्स भी चलाता है।

वर्ष 2003–2004 के दौरान एम.सी.ए. कोर्स के पाठ्यक्रम को पुनर्गठित और संशोधित किया गया। एम.टेक. पाठ्यक्रम को संशोधित करने की प्रक्रिया चल रही है।

संस्थान में निम्नलिखित विशेषीकृत शोध समूह हैं : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऐंड साफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डाटा कम्युनिकेशन ऐंड नेटवर्क्स, मल्टीमीडिया ऐंड माडलिंग नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, पेरेलल प्रोसेसिंग ऐंड डिस्ट्रीब्यूटिड कंप्यूटिंग, और सिस्टम्स साफ्टवेयर।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित संगोष्ठिया आयोजित की :

1. श्री एस.एस. दुबे, भीलवाड़ा इंफोटेक ने 26 अगस्त, 2003 को "चैलेंजिज ऑफ आई.टी. कैरियर" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की।
2. प्रोफेसर रवि कोठारी, आई.बी.एम. रिसर्च इंडिया लैब, नई दिल्ली ने 3 सितम्बर, 2003 को "लर्निंग फ्राम लेबल्ड ऐंड अनलेबल्ड डाटा" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
3. डॉ. पी. कृष्णा रेड्डी, आई.आई.टी. हैदराबाद ने 11 नवम्बर, 2003 को "स्पेकुलेटिव लॉकिंग प्रोटोकॉल्स टु इंप्रूव परफॉर्मेंस ऑफ डिस्ट्री ब्यूटिड डाटाबेस सिस्टम्स" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
4. प्रोफेसर अनिल अग्रवाल, वाल्टीमोर विश्वविद्यालय, ने 12 नवम्बर, 2003 को 'वेब बेस्ड एजूकेशन – एन ओवरव्यू करंट ऐंड फ्यूचर इंप्लिकेशंस" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
5. प्रोफेसर सुरेश पी. सेठी, सेंटर फॉर इनटेलीजेंट सप्लाई नेटवर्क्स, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास; यू.एस.ए., ने 12 जनवरी, 2004 को "इनटेलीजेंट सप्लाई नेटवर्क्स" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
6. प्रोफेसर केटलीन मुनकावसी, ओटवास यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट, हंगरी, ने 21 जनवरी, 2004 को "नॉन आक्लीडीएन जियोमेट्री इन द ओल्ड मैप्स (एनशियन्ट मैप्स ऑफ कंटेम्पोरेरि पिक्चर्स)' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
7. प्रोफेसर रिचर्ड स्टालमैन, फ्री साफ्टवेयर फाउंडेशन, ने 28 जनवरी, 2004 को "फ्री साफ्टवेयर मूवमेंट ऐंड द जी.एन.यू./एल.आई.एन.यू.एक्स. आपरेटिंग सिस्टम" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
8. प्रोफेसर टी. विश्वनाथन, पूर्व निदेशक, इंसडॉक और पूर्व प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर, ने 4 फरवरी, 2004 को "ट्रैंड्स इन टेलीकम्युनीकेशन" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
9. प्रोफेसर एच.एम. गुप्ता, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरी विभाग, आई.आई.टी., नई दिल्ली, ने 11 फरवरी, 2004 को "ट्रेंड्स इन डाटा नेटवर्क्स" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
10. प्रोफेसर दिलीप के. बनर्जी, मॉडलिंग ऐंड डिजाइन आटोमेशन ग्रुप, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटिंग ऐंड इंफार्मेशन साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ ओंटारियो, कनाडा, ने 19 फरवरी, 2004 को "राउटेबिलिटी प्रिडिक्शन फॉर फील्ड प्रोग्रामेबल गेट एरेज विद मिक्स्ड रूटिंग रिसॉर्सिज" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
11. श्री अमोल प्रकाश, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस ऐंड इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंग्टन, सीटल, यू.एस.ए. ने 20 फरवरी, 2004 को "कंप्यूटेशनल बायोलॉजी -- डिसकवरी ऑफ मॉटिफ्स इन हिट्रोजीनस डाटा" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

12. प्रोफेसर एच.एन. महास्कर, डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिक्स ऐंड कंप्यूटर साइंस, केलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स, यू.एस.ए., ने 24 फरवरी, 2004 को "न्यूरल नेटवर्क्स फॉर फंक्शन एप्रोक्सीमेशन–I" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

13. प्रोफेसर एच.एन. महास्कर, डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिक्स ऐंड कंप्यूटर साइंस, केलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स, यू.एस.ए., ने 25 फरवरी, 2004 को "न्यूरल नेटवर्क्स फॉर फंक्शन एप्रोक्सीमेशन–II" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

14. प्रोफेसर दिलीप के. बनर्जी, मॉडलिंग ऐंड डिजाइन आटोमेशन ग्रुप, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटिंग ऐंड इंफार्मेशन साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ, ओंटारियो, कनाडा, ने 01 मार्च 2004 को "ए फास्ट ह्युरिस्टिक टेकनीक फॉर एफ.पी.जी.ए. प्लेसमेंट" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

15. प्रोफेसर एस.डी. जोशी, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरी विभाग, आई.आई.टी. दिल्ली, ने 3 मार्च, 2004 को सिग्नल रिप्रिजेंटेशन फार कम्युनीकेशन ऐंड मल्टीमीडिया एप्लिकेशंस" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

16. श्री सैलास बाबू गजुलावर्ती, हैवलेट पैकार्ड, इंडिया साफ्टवेयर ऑपरेशन प्रा.लि. बंगलौर, ने 12 मार्च 2004 को "ट्रेंड्स इन कंप्यूटर इंडस्ट्री" विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान में कई प्रतिष्ठित विद्वान आए इनमें शामिल हैं : प्रो. डी.के. बनर्जी, गुएल्फ विश्वविद्यालय, ओंटारियो, कनाडा और प्रो. एच.एन. महास्कर, गणित और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, केलिफोर्निया स्टेट विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स, यू.एस.ए.।

एम.सी.ए. और एम.टेक. के 35 से अधिक छात्रों को अग्रणी साफ्टवेयर कंपनियों में नौकरियां मिलीं।

प्रकाशन

आलेख

- कर्मेषु, (डी. गोस्वामी के साथ) कैप्चरिंग सैडल : फिनोमेनन, एस्टीमेशन ऐंड फोरकास्ट – ए केस स्टडी ऑफ इंडियन टी.वी. इंडस्ट्री, जर्नल ऑफ साइंटीफिक ऐंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, भाग–62, अंक–5, 403–412.
- कर्मेषु, (ए. कृष्णामचारी और वी. मंडल के साथ) स्टडी ऑफ डी.एन.ए. बाइंडिंग साइट्स यूजिंग द रेनयी पैरामेट्रिक एंट्रोपी मेजर, जर्नल ऑफ थीअरिटिकल बायोलॉजी, 227, 429–436, 2004
- कर्मेषु, (वी.पी. जैन के साथ) नॉन लिनियर मॉडल्स ऑफ सोशल सिस्टम्स, इकोनामिक ऐंड पॉलिटीकल वीकली, पृ. 3678–3685, 30 अगस्त, 2003.
- के.के. भारद्वाज (लिपिका डेका के साथ) इवोल्युशनरी एप्रोच टु डिग्री कांस्ट्रेंट मिनिमम स्पेनिंग ट्री नेटवर्क डिजाइन, "इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी (सी.आई.टी.–2003)" विषयक 16वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, भुवनेश्वर, भारत, पृ. 427–430, 22 से 25 दिसम्बर, 2003.
- के.के. भारद्वाज, हिरार्कीकल सेंसर्ड प्रोडक्शन रूल्स (एच.सी.पी.आर.एस.) सिस्टम : ए फ्रेमवर्क फार इंटेलीजेंट सिस्टम्स, "डिसीजन सपोर्ट ऐंड एक्सपर्ट सिस्टम इन डेयरिंग" नेशनल डेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, करनाल, हरियाणा, भारत, पृ. 34–44, 17–18 दिसम्बर, 2003.
- पी.सी. सक्सेना (जे. राय के साथ) कम्युनीकेशन कोस्ट ऑफ के – कोटरीज, कंप्यूटर सिस्टम्स साइंस ऐंड इंजीनियरिंग भाग–18, अंक–6, नवम्बर, 2003.
- पी.सी. सक्सेना (आई. आरोड़ा के साथ) कंटीन्युइश एक्सेस ऑफ ब्रोडकास्ट डाटा यूजिंग आर्टिफिशियल प्वाइंटर्स अंडर ए वायरलेस, जर्नल ऑफ सी.एस.आई., भाग–34, अंक–1, जनवरी–मार्च 2004.
- एन. परिमाला, ग्राफिकल यूजर इंटरफेस टु मल्टिपल बायोलॉजीकल डाटाबेसिज, 'डाटाबेस ऐंड एक्सपर्ट सिस्टम्स एप्लिकेशंस, डेक्सा–2003" विषयक 14वीं अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही, पराग, चेक रिपब्लिक, आई.ई.ई.ई. सोसाइटी, पृ. 50–54.
- एन. परिमाला, ऑपरेशन स्पेसीफिकेशन फॉर कंपोनेंट डाटाबेसिज रिविजिटिड, "आब्जेक्ट ऐंड कंपोनेंट टेक्नोलॉजी", विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑबकोम–03, वेल्लोर, भारत.

- एन. परिमाला (टी.वी. विजय कुमार के साथ) सेमांटिक इंटेरोपेराबिलिटि इन एस.आई.ओ.एस., "इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी" विषयक छठे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, भुवनेश्वर, भारत, पृ. 560–563, 22 से 25 दिसम्बर, 2003.
- सोनझारिया मिंज (आर. जैन के साथ) "शुड डिसिजन ट्रीज बी लर्नड यूजिंग रफ सेट्स ?" "आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस" विषयक प्रथम भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आई.आई.सी.ए.आई.–03, हैदराबाद, भारत, 1466–1479, दिसम्बर, 2003.
- सोनझारिया मिंज (आर. जैन के साथ) क्लासीफाइंग मशरूम्स इन द हाइब्रीडाइज्ड रफ सेट्स फ्रेमवर्क, "आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस" विषयक प्रथम भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आई.आई.सी.ए.आई.–03, हैदराबाद, भारत, 554–567, दिसम्बर, 2003.
- सोनझारिया मिंज (आर. जैन के साथ) रफ सेट बेस्ड डिसिजन ट्री मॉडल फार क्लासीफिकेशन, डाटा वेयरहाउसिंग ऐंड नॉलिज डिस्कवरी, व्याख्यान नोट, कंप्यूटर साइंस, 2737, स्प्रिंगर, 172–181, सितम्बर, 2003.
- डी.के. लोबियान (ए.पी. राहिल और आई. स्टोजमिनोविक के साथ) वोरीनॉई डायग्राम ऐंड कानवेक्स हल बेस्ड जियोकास्टिंग ऐंड रूटिंग इन वायरलेस नेटवर्क्स, 'कंप्यूटर्स ऐंड कम्युनीकेशन आई.एस.एस.सी.सी.–03" विषयक आई.ई.ई.ई. संगोष्ठी की कार्यवाही, कीमर, अंतात्या, टर्की, पृ. 51–56, 30 जून, – 3 जुलाई, 2003.

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- कर्मेषु (प्रवीण शर्मा के साथ) "स्टोकेस्टिक इवॉल्युशन ऑफ इनोवेशन डिफ्युजन इन हिट्रोजिनियस पाप्यूलेशन : इमर्जेंस ऑफ मल्टीमोडल लाइफ साइकिल पैटर्नस", आपरेशनल रिसर्च ऐंड इट्स एप्लिकेशन : रिसेंट ट्रेंड्स (सं.) एम.आर. राव और एम.सी. पुरी, एप्लाइड पब्लिशर्स, प्रा.लि., पृ. 157–158, 2004.
- सोनझारिया मिंज (आर. जैन के साथ) "हाइब्रीडाइज्ड रफ सेट फ्रेमवर्क फोर क्लासीफिकेशन : एन एक्सीमेंटल व्यू", डिजाइन ऐंड एप्लिकेशन ऑफ हाइब्रीड इंटेलीजेंट सिस्टम्स, (सं.) ए. अब्राहम, आई.ओ.एस. प्रेस, 631–640, 2003.

शोध परियोजनाएं

- जी.वी. सिंह और डी.के. लोबियाल, रिसोर्स सेंटर फार इण्डियन लैंग्यूवेज टेक्नोलाजी साल्युशंस, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित.
- जी.वी. सिंह और डी.के. लोबियाल, पॉजिशन बेस्ड पावर इफिशिएंट डाटा कम्युनीकेशन इन वायरलेस नेटवर्क, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार.

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- एन. परिमाला ने प्राग्वे, चेक गणराज्य में आयोजित, "डाटाबेस ऐंड एक्सपर्ट सिस्टम्स एप्लिकेशंस, डेक्सा–2003" विषयक 14वीं अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- कर्मेषु ने 15 से 17 दिसम्बर, 2003 तक बंगलौर में आयोजित, "आई.टी.–ई. मैन्युफैक्चरिंग लॉजिस्टिक्स, ऐंड सप्लाई मैनेजमेंट" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- कर्मेषु ने 17–18 जनवरी, 2004 को ग्वालियर गणितीय विज्ञान अकादमी, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा आयोजित, "मैथमेटीकल माडलिंग ऐंड सिम्यूलेशन", विषयक वार्षिक सम्मेलन और कार्यशाला में भाग लिया तथा "सिस्टम्स माडलिंग ऐंड मोंटे कार्लो सिम्युलेशन", शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 15 से 17 मार्च और 24 से 25 मार्च, 2004 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में आयोजित, "मैथमेटिक्स ऐंड फिजिक्स ऑफ कंप्लेक्स ऐंड नॉनलिनियर सिस्टम्स", विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में – (1) "एन्ट्रापी मेजर्स ऐंड मैक्जीमम एंट्रापी प्रिंसिपल" और (2) "कैप्चरिंग नॉनलिनियरटी इन सोशल सिस्टम" विषयक 6 व्याख्यान दिए।
- कर्मेषु ने 19 से 21 सितम्बर, 2003 तक आई.आई.आई.टी. इलाहाबाद में आयोजित "इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी इमर्जिंग ट्रेंड्स" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "डिफ्युजन एप्रोक्सीमेशन फ्रेमवर्क फॉर स्टडींग द आफर्ड लोड ऐंड परफार्मेंस क्रेकटेरिस्टिक्स इन मोबाइल नेटवर्क" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- कर्मेषु ने 8 से 11 दिसम्बर, 2003 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित द एसोसिएशन ऑफ एशिया–पेसिफिक ऑपरेशनल रिसर्च सोसायटीज–2003 के छठे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा, "स्टोकेस्टिक इवोल्युशन ऑफ इनोवेशन डिफ्युजन इन हिट्रोजिनियश पाप्यूलेशन : इमर्जेंस ऑफ मल्टीमॉडल लाइफ साइकिल पैटर्न्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- कर्मेषु ने 15 से 16 दिसम्बर, 2003 तक बंगलौर, भारत में आयोजित, "आई.टी. इनेबल्ड मैन्युफैक्चरिंग, लाजिस्टिक्स ऐंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा "सप्लाई चैन मैनेजमेंट ऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर" शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- के.के. भारद्वाज ने 8–9 जनवरी, 2004 को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (भारत) में आयोजित इंफोटेक–फेस्ट–2004 (न्यू हॉरीजन इन इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी) में भाग लिया तथा 'इंटेलीजेंट सिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.के. भारद्वाज ने 26 फरवरी, 2004 को एस.जी.एच.सी.एम. ऐंड टी., पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, भारत में आयोजित "इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी एज्यूकेशन इन नार्थ–वेस्ट इंडिया–इमर्जिंग ट्रैंड्स" विषयक संगोष्ठी में मुख्य व्याख्यान दिया।
- पी.सी. सक्सेना ने 10 से 12 दिसम्बर, 2003 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय कंप्यूटर सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।
- सोनझारिया मिंज ने 18 से 20 दिसम्बर, 2003 तक हैदराबाद, भारत में आयोजित "आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस" विषयक प्रथम भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सोनझारिया मिंज ने 2 से 6 जनवरी, 2004 तक महाबलेश्वर (पुणे), भारत में आयोजित "मॉडर्न साइंस, वैल्यूज ऐंड द क्वेस्ट फार यूनिटी" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- कर्मेषु ने 11 मई, 2003 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनीकेशन ऐंड इंफार्मेशन रिसर्च (सी.एस.आई.आर.) में "मॉडल्स ऑफ टेक्नोलॉजी डिफ्यूजन" विषयक व्याख्यान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर दिया।
- कर्मेषु ने 16 सितम्बर, 2003 को 'इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स स्टडीज ऐंड अनालिसिस, (डी.आर.डी.ओ.), नई दिल्ली में "सम पर्सपेक्टिव्स इन सिस्टम साइंस : मॉडलिंग फ्रेमवर्क्स" विषयक स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 10 फरवरी, 2004 को फिजिक्स सोसायटी, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "इंफार्मेशन थीअरि ऐंड एप्लिकेशंस इन फिजिक्स" विषयक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- सोनझारिया मिंज ने 2 से 6 जनवरी, 2004 तक महाबलेश्वर (पुणे), भारत में आयोजित "मॉडर्न साइंस, बैल्यूज ऐंड द क्वेस्ट फॉर यूनिटी" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा ""यूनाइट आर यूनीफाई : ए पर्सपेक्टिव आफ कंप्यूटिंग साइंस ऐंड प्राइमल रिलिजन इन द क्वेस्ट फार यूनिटी" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- डी.के. लोबियाल ने 17 जून से 5 जुलाई, 2003 तक कांतिपुर सिटी कालेज, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, नेपाल में "कंप्यूटर नेटवर्क्स ऐंड नेटवर्क प्रोग्रामिंग" विषयक व्याख्यान दिए।
- डी.के. लोबियान 17–18 दिसम्बर, 2003 तक राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा में आयोजित "डिसिजन सपोर्ट ऐंड एक्सपर्ट सिस्टम इन डेयरिंग" विषयक कार्यशाला के प्रतिभागियों के समक्ष "नेचुरल लैंग्वेज इंटरफेसिज" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- डी.के. लोबियान ने 16 फरवरी, 2004 को यूनिवर्सिटी पॉलीटेक्निक, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'सी.ए.एल.एम.ई.' के प्रतिभागियों के समक्ष "ट्रेंड्स इन टेलीकम्युनीकेशन ऐंड इंटरनेट" विषयक व्याख्यान दिया।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

कर्मेषु, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, पत्रिका, वैज्ञानिक और औद्योगिकी अनुसंधान परिषद; सदस्य अध्ययन मंडल जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़; सदस्य – संस्थान बोर्ड, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान संस्थान, इग्नू;, सदस्य – कंप्यूटर केन्द्र सलाहकार समिति, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थन, रूड़की;

सदस्य – एफ.सी.टी.टी. अन्तर विश्वविद्यालय संकाय स्थापित करने हेतु गठित सलाहकार समिति, दूरस्थ शिक्षा में शोध और नवीकरण शिक्षा केन्द्र, इग्नू; अध्यक्ष – तकनीकी सलाहकार समिति, चिकित्सा सांख्यिकी शोध संस्थान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली; सदस्य – अध्ययन मंडल, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सदस्य – सलाहकार समिति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, वि.स.वि. कार्यक्रम, अनुप्रयुक्त गणित विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता; अध्यक्ष – डोयेक पाठ्यक्रम (जैव–सूचना विज्ञान) संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य – कंप्यूटर साइंस में एम.एस.सी. डिग्री हेतु अध्ययन पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु गठित समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य – इलेक्ट्रोनिक्स (डोयेक 'ओ' और 'ए' स्तर के कोर्स) में मानव संसाधन विकास में उत्कृष्टता हेतु वर्ष 2002–2003 का पुरस्कार प्रदान करने हेतु गठित समिति; सदस्य – गणितीय पद्धति का प्रयोग करते हुए व्यवहारिक/सामाजिक विज्ञानों में शोध और प्रशिक्षण क्षेत्रों को शामिल करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने के लिए गठित विशेषज्ञ समूह, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली.

- पी.सी. सक्सेना, सदस्य – संकाय समिति, गणितीय विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य VIIवें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पुरस्कार हेतु प्राप्त नामांकनों का मूल्यांकन और चुनाव करने के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा गठित जूरी के सदस्य।
- सोनझारिया मिंज, सदस्य, कार्यसमिति और सामान्य निकाय, भारतीय सामाजिक संस्थान, शासी निकाय – हालिस्टिक चाइल्ड डिवलपमेंट इंडिया, पुणे (भारत)
- डी.के. लोबियान, सदस्य – संपादकीय मंडल, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्क प्रौद्योगिकी में उच्च डिप्लोमा, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्नीक, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली।

3. पर्यावरण विज्ञान संस्थान

पर्यावरण विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1974 में हुई थी। यह देश में अपनी तरह का सबसे पुरान संस्थान है। इस संस्थान ने पर्यावरण विज्ञान में सबसे पहले एम.एस–सी. और एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरू किए थे। संस्थान का चरित्र बहुविषयात्मक है। इसमें पर्यावरण के भौतिक, रासायनिक और जैविक पक्षों पर अध्ययन किया जाता है। तदनुसार, संस्थान के शिक्षण और शोध क्षेत्रों में भौतिक, रसायन, भू–गर्भ शास्त्र, जल–विज्ञान, मौसम विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, जैव–भौतिकी, जैव–रसायन, मोलक्यूलर और कोशिकीय जीव–विज्ञान, पारिस्थितिकी विज्ञान और पर्यावरणीय मॉनिटरिंग और प्रबंधन जैसे विषयक क्षेत्र शामिल हैं।

संस्थान एम.एस–सी. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। एम.एस–सी. पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों में स्नातक उपाधिधारक छात्रों की जरूरतों के अनुसार दो स्ट्रीम – एक भौतिक और दूसरा जीवविज्ञान – में विभाजित है। एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या में विस्तृत कोर्स–कार्य शामिल है और छात्र को एम.फिल. उपाधि प्राप्त करने के लिए एक लघु शोध प्रबन्ध भी लिखना पड़ता है। यद्यपि कोर्स–कार्य में उच्च सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने पर छात्र सीधे पी.एच–डी. पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करा सकते हैं।

संस्थान की शोध गतिविधियां विज्ञान के मुख्य विषयों से सम्बन्धित निम्नलिखित चार क्षेत्रों में विभाजित हैं : –

क्षेत्र – I : सैद्धान्तिक भौतिक विज्ञान और अनुप्रयुक्त गणित के आयाम, पर्यावरणीय समस्याओं के अध्ययन हेतु इनका अनुप्रयोग, मौसम विज्ञान, वायु –प्रदूषण, ध्वनि, लेजर्स, अल्ट्रासोनिक, जैव–विद्युत चुंबकीय विज्ञान, माइक्रोवेव और रिमोट सेंसिंग में इनका अनुप्रयोग, अल्ट्रासाउंड का प्रयोग करते हुए वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट, पर्यावरण पर जैव–भौतिकीय और माइक्रोवेव अनुप्रयोग।

क्षेत्र – II : सतही भूप्रक्रिया, जलाशय सहित भू–जल, ग्लेशियर, तटीय जल प्रणाली, एस्ट्युअरिज एवं मेनग्रोव्स, आधुनिक तलछट, खनिज भण्डार और खनन प्रदूषण की समस्याओं के अध्ययन हेतु विज्ञान एवं भूरसायनशास्त्र का अनुप्रयोग। भू–विज्ञानों में दूर–संवेदन अनुप्रयोग।

क्षेत्र – III : वायु (जल व मृदा) प्रदूषण के मॉनिटरिंग और प्रबन्धन में रयासनशास्त्र का अनुप्रयोग, भूप्रबन्धन तथा अपशिष्ट पुनःचक्रण, प्रदूषण जीवविज्ञान, सरोवर विज्ञान और आर्द्रभूमि।

क्षेत्र – IV : प्रदूषण पारिस्थितिक, वायु प्रदूषण एवं पादप, पर्यावरणीय प्रभाव विश्लेषण एवं नियोजन, इकोसिस्टम डायनेमिक्स और पर्यावरणीय शरीर क्रिया विज्ञान, व्यवसायिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय विष विज्ञान, कोशिकीय और अणु जीव विज्ञान, पर्यावरणीय जैव–प्रौद्योगिकी, वायु/जल प्रदूषण के भौतिक–रसायनिक पक्ष, माइक्रोबायल बायोरिमिडिएशन।

संस्थान के शिक्षण और शोध कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से मान्यता मिली है। इन्होने क्रमशः अपने 'कॉसिस्ट' (2000–2005) और 'फिस्ट' कार्यक्रमों के तहत अनुदान राशि उपलब्ध कराई। संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से भी डी.आर.एस. चरण–I (1994–1999), डी.आर.एस. चरण–II (1999–2004) की योजना के तहत वित्तीय सहायता के माध्यम से मान्यता मिली है। संस्थान में विश्लेषणात्मक अध्ययन के लिए एक्स.आर.डी., ए.ए.एस. और आई.सी.पी.–ए.ई.एस., गैस क्रोमेटोग्राफ, आयोन क्रोमेटोग्राफ, एच.पी.एल.सी. साइंटिलेशन काउंटर, कार्बन एनालाइजर, फ्लोरसेंस माइक्रोस्कोप और इंटरनेट जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, हाल में संस्थान ने एक एयर पोल्युशन मॉनिटरिंग मोबाइल लैबोरेट्री/वेन प्राप्त की है, जिसका वित्त पोषण 'कॉसिस्ट' कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किया गया।

शिक्षकों के प्रकाशन और अन्य शैक्षिक गतिविधियों का विवरण नीचे प्रस्तुत है :

प्रकाशन

आलेख

– **ए.के. भट्टाचार्य,** और आर. नारायणन, इफैक्ट्स ऑफ दू फंगीसाइड्स ऑन ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट ऑफ स्पेस्फिक इको – माइकोरहिजाल फंगी ऑन पाइनस पैटुला अंडर फील्ड कंडीशंस, जहांगीर नगर विश्वविद्यालय, ढाका, बैंकाक द्वारा 2003 में आयोजित वार्षिक बाटेनिकल सम्मेलन की कार्यवाही, 29 से 30 दिसम्बर, 2003.

- **ए.के. भट्टाचार्य,** एनवायरनमेंटल आस्पेक्ट्स ऑफ सस्टेनेबल वाटर यूज ऑफ इरिगेशन – इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली–3 में 'वाटर ऐंड एनवायरनमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, एनवायरनमेंटल ऐंड मैनेजमेंट स्टडीज, 20 से 21 फरवरी, 2004.
- **ए.एल. रामनाथन,** डिफ्लोरिडेशन ऑफ नेचुरल वाटर्स यूजिंग नेचुरल मैटेरियल्स, वाटर एस.ए. (साउथ अफ्रीका) भाग–29, अंक–3, 2003.
- **ए.एल. रामनाथन,** बायोजिओकेमिस्ट्री ऑफ द कोस्टल अक्वेटिक इकोसिस्टम – केस स्टडी फ्राम एस.इ. कोस्ट ऑफ इण्डिया, ए.पी.एन./स्टार्ट/लोसिज, असेसमेंट ऑफ फ्लक्सिस टु कोस्टल जोन इन साउथ एशिया ऐंड देयर इम्पैक्ट्स, विषयक क्षेत्रीय कार्यशाला, पृ. 22–46, 2003.
- **ए.एल. रामनाथन,** हाइड्रोलाजी ऐंड हाइड्रोजिओकेमिकल स्टडीज इन द हैड वाटर्स ऑफ द कावेरी रिवर – सस्टेनेबल मैनेजमेंट ऑफ हैड वाटर्स रिसोर्सिस, आई.एच.पी.–यूनेस्को' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रकाशन (प्रकाशनाधीन) 2004.
- **ए.मलिक,** मेटल बायोरिमिडिएशन थ्रू ग्रोविंग सेल्स, एनवायरनमेंट इंटरनेशनल, 30. 261–278, 2004.
- **ए.मलिक,** के फोंग और के. काकी, स्टेबिलिटी ऑफ बैक्टेरियल को एग्रीगेट्स इन एक्सट्रीम एनवायरनमेंटल कंडीशंस, जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंस ऐंड हैल्थ ए 39, 1423–1434, 2004.
- **ए.मलिक,** एम.जी. दस्तीदार और पी.के. राय चौधरी फैक्टर्स लिमिटिंग बैक्टेरियल आयरन ऑक्सिडेशन इन बायोडिसलफ्युराइजेशन सिस्टम, इंटरनेशनल जर्नल आफ मिनरल प्रोफेरिंग 73, 13 -21, 2004.
- **ए.मलिक,** के. फोंग, टी. सुजुकी, एम. ओसावा और के. काकी, इफैक्ट ऑफ कल्टिवेशन टाइम ऐंड ग्रोथ मीडियम ऑन द कोएग्रिगेशन कैपेबिलिटी ऑफ एसिनेटोबैक्टर जोहनसोनी एस. 35, वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलाजी ऐंड बायोटेक्नोलॉजी, 2004, (स्वीकृत).
- **ए.मलिक,** और के. काकी, इंटरजेनरिक कोएग्रिगेशंस अमंग आलिगोट्रोफा कार्बोआक्सिडोवोरन्स ऐंड एसिनेटोबैक्टर स्पाइसीज प्रजेंट इन एक्टिवेटिड स्लज, एफ.ई.एम.एस. माइक्रोबायोलाजी लैटर्स 224, 23–28, 2003.
- **ए.मलिक,** और के काकी पेयर–डिपेंडेंट कोएग्रिगेशन बिहेवियर ऑफ नॉन फ्लोकुलेटिंग स्लज बैक्टेरिया, बायोटैक्नोलॉजी लैटर्स 25, 981–986, 2003.
- **ए.मलिक,** साक अमोटो एम; एस. हनाजाकी, एम. ओसावा, टी. सुजुकी, एम टोचमी और के. काकी, कोएग्रिगेशन अमंग नॉन–फ्लोकुलेटिंग बैक्टेरिया आइसोलेटिड फ्रॉम एक्टिवेटिड स्लज, ऐप्लाइड एनवायरनमेंटल माइक्रोबायोलाजी 69, 6056–63, 2003.
- **ए.मलिक,** सैक अमोटो, एम. ओनो टी. और के. काकी, कोएग्रिगेशन बिटवीन एसिनेटोबैक्टर जानसोनी एस–35, ऐंड माइक्रोबैक्टेरियम ऐस्टरोमेटिकम स्ट्रेन्स आइसोलेटिड फ्राम सीवेज एक्टिवेटिड स्लज, जर्नल ऑफ बायोसाइंस ऐंड बायोइंजीनियरिंग 96, 10–15, 2003.
- **बी. गोपाल,** पर्सपेक्टिव्स ऑन वेटलैण्ड साइंस, ऐप्लिकेशन ऐंड पॉलिसी, हाइड्रोबायोलॉजी 490 : 1, 2003.
- **बी. गोपाल,** वेटलैन्ड्स, एग्रीकल्चर ऐंड वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट : नीड फॉर एन इंटीग्रेटिड अप्रोच, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसिस, 29, 47–54, 2003.
- **बी. गोपाल,** एक्वाटिक बायोडिवर्सिटी ऐंड ऐरिड ऐंड सेमी ऐरिड जोन्स ऑफ एशिया ऐंड वाटर मैनेजमेंट (सं.), जे. लेमोन्स, आर. विक्टर और डी. स्कैफर, कंजर्विंग बायोडिवर्सिटी इन ऐरिड रीजन्स : बेस्ट प्रेक्टिसीज इन डिवलपिंग नेशंस, क्लुवर अकादमिक प्रकाशक, डोरड्रेच्ट, पृ. 199–215, 2003.
- **बी. गोपाल,** एक्वाटिक इकोसिस्टम, इकोसिस्टम सर्विसिस ऐंड इकोलाजिकल इकोनामिक्स, (सं.) के. चोपड़ा, सी.एच. हनुमंथ राव, और आर.पी. सेनगुप्ता, वाटर रिसोर्सिस, सस्टेनेबल लिविलहुड्स ऐंड इकोसिस्टम सर्विसिस, कंसेप्ट पब्लिशिंग, नई दिल्ली, पृ. 373–381, 2003.
- **बी. गोपाल,** अंडरस्टैंडिंग ऐंड कंजर्विंग वेटलैड्स, (सं.) आर.के. खन्ना और जी.पी. माथुर, वाटर क्वालिटी ऐंड वेटलैन्ड्स : सोसिओइकोनामिक ऐंड इकोलाजिकल इम्पोर्टेन्स : विषयक गोलमेज सम्मेलन की कार्यवाही, इण्डियन वाटर रिसोर्स सोसायटी, नई दिल्ली, पृ. 6–12, 2003.

— **बी. गोपाल,** असेसमेंट ऐंड मानिटरिंग ऑफ फाइटोप्लेंकटोन, जूप्लेंकटोन ऐंड बेंथोंस इन एक्वाटिक इकोसिस्टम्स, एनवायरनमेंटल इम्पैक्ट असेसमेंट स्टडीज फॉर डिवलपमेंटल प्रोजेक्ट्स' विषयक कार्यशाला की कार्यवाही, ई.आई.ए. सीरीज, ई.आई.ए.एस./02/2002–03, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली, पृ. 68–84, 2003.

— **बी. गोपाल,** डी.पी. जुत्सी और सी. वेन डूजर, फ्लोटिंग आइसलैन्ड्स इन इण्डिया : कंट्रोल ओरकंजर्व ?, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसिस 29, 157–169, 2003.

— **डी. के बनर्जी,** सुजीत श्रीवास्तव, स्पेसिएशन ऑफ मेटल्स इन सीवेज स्लज ऐंड स्लज अमेंडिड साइल्स, वाटर, एअर ऐंड साइल पाल्यूशन, 152 219–232, 2004.

— **डी. के बनर्जी,** अंजु, हैवी मेटल्स लेवल्स ऐंड सालिड फेज स्पेसिएशन इन स्ट्रीट डस्ट्स ऑफ दिल्ली, एनवायरनमेंटल पाल्यूशन, 23(1), 95–105, 2003.

— **आई.एस. ठाकुर,** और एस. शाह, एनजायमेटिक डिहैलोजिनेशन ऑफ पैनटाक्लोरोफिनाइल बाई स्यूडोनोमस फ्लूरोसेंस ऑफ द माइक्रोबायल कम्यूनिटी फ्राम टैनरी इफ्युलेन्ट, करंट माइक्रोबायोलाजी, 47, 65–70, 2003.

— **आई.एस. ठाकुर,** एस.के. गौतम, आर. शर्मा और ए.एच. अहमद, इवैल्यूएशन ऑफ पेंटाक्लोरोफिनोलडिग्रेशन पोंटेसिअल्टी ऑफ स्यूडोनोमस स्पे. इन साहद माइक्रोसोम, वर्ल्ड जे. माहक्रोबाइल, बायोटेक्नोलाजी, 19, 73–78, 2003.

— **आई.एस. ठाकुर,** एस. शाह, इनरिचमेंट ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ माइक्रोबायल कम्युनिटी ऑफ टैनरी इफ्ल्युऐन्ट फार डिग्रेडेशन ऑफ पेंटाक्लोरोफिनोल, वर्ल्ड, जे. माइक्रोबायोल बायोटेक्नोल, 18, 693–698, 2003.

— **आई.एस. ठाकुर,** एस. श्रीवास्तव, बायोएब्जोर्शन पोटेंशिअली ऑफ एसिनेटोबैक्टर एस.पी. स्ट्रेन आई. एस.टी. 103 ऑफ ए बैक्टेरियल कंसोटियम फॉर रिमूवल आफ क्रोमियम फ्राम टैनरी इफ्युऐन्ट, जे. साइंटिफिक इंडस्ट्रियल रिस. 62, 616–622, 2003.

— **आई.एस. ठाकुर,** स्क्रीनिंग ऑफ माइक्रोआर्गेनिज्म फॉर रिमूवल ऑफ कलर ऐंड ऐब्जोर्बेबल आर्गेनिक हैलोजिन्स फ्राम पल्प ऐंड पेपर मिल इफ्ल्युऐंट, प्रोसिस बायोकेमिस्ट्री, (प्रकाशनाधीन), 2004.

— **आई.एस. ठाकुर,** प्यूरिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ कैटोकोल 1–2 डायआक्साजिनेस इन डिग्रेडेशन ऑफ 4 – क्लोरोबिन जोइक ऐसिड बाई स्युडोमोनस फ्लुओरसेन्स फ्राम केमोस्टेट, इंड. जे. बायोटेक्नोलाजी (प्रकाशनाधीन), 2004.

— **जे. बिहारी,** रेडियोफ्रिक्वेंसी रेडिएशन इफैक्ट्स आन प्रोटीन काईनेस सी एक्टिविटी इन रैट्स ब्रेन, (सं.) आर पालराज और जे. बिहारी, म्युटेशन रिसर्च, 545, 127–130, 2004.

— **जे. बिहारी,** इफैक्ट ऑफ लो लेवल पल्स्ड रेडियो फ्रिक्वेंसी फील्ड आन इन्ड्यूएड ओस्टिओपोरोसिस इन रैट्स बोन, (सं.) जयनन्द और राजीव लोचन, इंड. जे. इक्सपेरिमेंटल बायोलाजी, 41, 581–586, 2003.

— **जे. बिहारी,** बायोलाजिकल कोरिलेट्स ऑफ इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड एक्सपोजर, आई.ई.टी.ई. टेक्नीकल रिव्यू, भाग–20 (2), 165–174, 2003.

— **जे.डी शर्मा,** ए रिव्यू ऑफ हैल्थ इफैक्ट्स ऑफ एअर पाल्यूशन स्टडीज ऐज इन इण्डिया ऐंड क्रिटिक ऑफ सम क्लीन एअर इनिसिएटिव्स, एनवायरनमेंटल हैल्थ ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, इंटरनेशनल डिवलपमेंट सेंटर फाउन्डेशन ऐंड सेंटर फार आक्यूपेशनल ऐंड एनवायरनमेंटल हैल्थ, 12–131, फरवरी, 2006.

— आई. घोष, ए.आर. चौधरी, एम.आर. राजेश्वरी और के. दत्ता, डिफ्रेंशल इक्सप्रेशन ऑफ हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन 1 ड्यूरिंग प्रोग्रेशन ऑफ एपिडर्मल कार्सिनोमा, मोल. सेल. बायोकेम, 2004.

— बी.के. झा, एन. मित्रा, आर. राणा, ए. सुरोलिया, डी.एम. सालुंकी और के. दत्ता, बी.एच. ऐंड कैशन इंडयूस्ड थर्मोडायनेमिक स्टेबिलिटी ऑफ ह्युमन हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन 1 रेग्यूलेट्स इट्स हाइल्यूरोनन एफिनिटी, जे. बायोल. केम., 279(22), 23061–72, 2004.

- ए. सेनगुप्ता, आर.के. त्यागी और के. दत्ता, ट्रनकेटिड वैरिअन्ट्स ऑफ हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन 1 बाइंड हाइल्यूरोनन ऐंड इंड्यूस्ड आइडेंटिकल मार्फोलाजिकल अबेरेशंस इन सी.ओ.एस. 1, सेल्स बायोकेम. जे. 380, 837–844, 2004.
- अनिरूद्ध सेनगुप्ता, आई. घोष, जयदीप मलिक, अशोक रंजन ठाकुर और के. दत्ता, प्रिजेंस ऑफ ह्युमन हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन 1 (एच.ए.बी.पी.–1) स्यूडोजीन लाइक सिक्वेंस इन मैथनोसारसिना बारकरी सजेस्ट्स इट्स लिंकेज्स इन इवोल्युशन, डी.एन.ए. ऐंड सेल बायोलॉजी 23(5), 301–310, 2004.
- बी.के. झा, डी.एम. सालुंकी और के. दत्ता, स्ट्रक्चरल फ्लेक्सिबिलिटी ऑफ मल्टिफंक्शनल एच.ए.बी.पी. 1 में बी. इम्पोर्टेंट फॉर इट्स बाइंडिंग टु डिफ्रेन्ट लिजेन्ड, जे. बायोल. केम. 278(30), 27464–72, 2003.
- जे. मीनाक्षी, अनुपमा, एस.के. गोस्वामी और के. दत्ता कांस्टीट्यूटिव इक्सप्रेशन ऑफ हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन 1 (एच.ए.बी.पी. 1/पी.32/जी.सी. 1 क्यू.आर.) इन नार्मल फाइब्रोब्लास्ट सेल्स पर्टब्स इट्स ग्रोथ करेक्ट्रस्टिक्स ऐंड इंड्यूसिस अपोपटोसिस, बायोकेम. बायोफिज. रेज. कम्यून. 300(3), 686–93, 2003.
- आई. घोष, और के. दत्ता, स्पर्म सर्फेस हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन (एस.ए.बी.पी.–11) इंटरएक्ट्स विद जोना प्लुसिडा ऑफ वाटर बुफैलो (बुबेलस बुबैलिस) थ्रू इट्स क्लस्टर्ड मैनोज रेजिड्यूस. मोल. रिप. डिव. 64(2), 235–44, 2003.
- बी.के. झा, डी.एम. सालुंकी और के. दत्ता, सेंट्रल रोल ऑफ हाइल्यूरोनन इन रेग्यूलेटिंग द फंक्शंस ऑफ मल्टिलिग ऐंड बाइंडिंग ह्युमन हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन 1(एच.ए.बी.पी.–1), हाइल्यूरोनन की कार्यवाही, 2003.
- के.जी. सक्सेना, आर.एल. सेमवाल, एस. नौटियाल, के.के. सेन, यू. राणा, आर.के. मैखुरी और के.एस. राव, पैटर्न्स ऑफ इकोलाजिकल इम्प्लिकेशंस ऑफ एग्रिकल्चरल लैण्ड–यूज चेंजिस : ए केस स्टडी फ्राम सेंट्रल हिमालय, एग्रीकल्चर, इकोसिस्टम्स ऐंड एनवायरनमेंट, 102, 81–92, 2004, भारत.
- के.जी. सक्सेना, के.एस. राव, आर.एल. सेमवाल, आर.के. मैखुरी, एस. नौटियाल, के.के. सेन, के. सिंह और के. चन्द्रशेखर, इंडिजिनस इकोलाजिकल नालेज, बायोडिवर्सिटी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट इन द सेंट्रल हिमालयाज, ट्रापिकल इकोलाजी, 44, 93–111, 2003.
- के.जी. सक्सेना, एस. नौटियाल, के.एस. राव और आर.के. मैखुरी, ट्रांस्ह्युमेंट पैस्टोरेलिज्म इन द नन्दा देवी बायोस्फेयर रिजर्व, इण्डिया, माउन्टेन रिसर्च ऐंड डिवलपमेंट 23, 255–62, 2003.
- के.जी. सक्सेना, के.एस. राव, एस. नौटियाल और आर.के. मैखुरी, लोकल पीपल'स नालेज, ऐप्टीट्यूड ऐंड पर्सेप्शंस ऑफ प्लानिंग ऐंड मैनेजमेंट इश्यूज इन नन्दा देवी बायोस्फेयर रिजर्व, इण्डिया, एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट, 31, 168–81, 2003.
- के.जी. सक्सेना, आर.एल. सेमवाल, आर.के. मैखुरी, के.एस. राव और के.के. सेन, लीफ लिटर डिकम्पोजिशन ऐंड न्यूट्रिएन्ट रिलीज पैटर्न्स ऑफ सिक्स मल्टिपर्पज ट्री स्पेसीज ऑफ सेंट्रल हिमालय, इंडिया, बायोमास ऐंड बायोएनेर्जी, 24, 3–11, 2003.
- के.जी. सक्सेना, एस. नौटियाल, आर.के. मैखुरी के.एस. राव और आर.एल. सेमवाल, एग्रोइकोसिस्टम फंक्शन एराउन्ड ए हिमालयन बायोस्फेयर रिजर्व, जरनल ऑफ एग्रीकल्चरल सिस्टम, 29, 71–100, 2003
- के.जी. सक्सेना, बी. सिन्हा, टी. भादुरी, पी.एस. रामाकृष्णन और आर.के. मैखुरी, इम्पैक्ट ऑफ लैण्डस्केप मोडिफिकेशन ऑन अर्थवार्म डाइवर्सिटी ऐंड ऐबन्डेन्स इन द हरयाली सैक्रेड लैण्डस्केप, गढ़वाल हिमालय, पेडोबायोलाजिया, 47; 357–370, 2003.
- पी.एस. खिलारे, एस. बालाचन्द्रन और भरतराज मीणा, "स्पैशल ऐंड टैम्पोरल वेरिएशन ऑफ हैवी मेटल्स इन एटमास्फेरिक एअरोसोल ऑफ दिल्ली" एनवायरनमेंटल मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट 90, 1–21, 2004.
- एस. भट्टाचार्य, एस. सतीश, ए. अभिजीत, ए. वाकर और ए. भट्टाचार्य, स्ट्रेस डिपेंडेंट एक्सप्रेशन ऑफ पालिमार्फिक, "चार्ज्ड ऐन्टीजन इन द प्रोटोजोआ पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, इंफेक्ट इम्यून", 71, 4472–86, 2003.

— **एस. भट्टाचार्य,** पी.के. मण्डल, ए. बागची और ए. भट्टाचार्य, "एन ऐन्टामोइबा हिस्टोलिटिका लाइन/साइन पेयर इन्सर्ट्स ऐट कॉमन टार्गेट साइट्स क्लीव्ड बाई द रिस्ट्रिक्शन ऐन्जाइम लाइक–लाइन इनकोडिड ऐण्ड न्यूक्लिएस, यूकारियोटिक सेल, 3, 170–79, 2004.

— **एस. भट्टाचार्य,** पी. चक्रबर्ती, डी.के. सेठी, एन. पाधन, के.जे. कौर, डी.एम. सालुंकी और ए. भट्टाचार्य, आईडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ इएचसीएबीपी–2 : ए सेकण्ड नम्बर ऑफ द कैल्सियम आइंडिंग प्रोटीन फैमिली ऑफ द प्रोटोजोआ पैरासाइट ऐन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, जे. बायोल. केम, 279, 12898–908, 2004.

— **एस. मुखर्जी,** रोल ऑफ रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस. टेक्नीक्स फॉर जेनरेशन ऑफ ग्राउण्ड वाटर प्रास्पेक्ट जोन्स टुवर्डस रूरल डिवलपमेंट ऐन अप्रोच, भाग–24, अंक–5, 10 मार्च, 2003, इंटरनेशनल जनरल ऑफ रिमोट सेंसिंग, टेलर ऐंड फ्रांसिस, पृ. 993–1008, 2003.

— **एस. मुखर्जी,** लैण्डयूज/लैण्डकवर मैपिंग यूजिंग आई.आर.एस.–1 सी लिस 3 फाल्स कलर कम्पोजिट ए केस स्टडी ऑफ ए पार्ट ऑफ शहडोल डिस्ट्रिक्ट मध्य प्रदेश, जर्नल ऑफ ट्रोपिकल फारेस्ट्री, भाग–17(1), पृ. 33–40, 2003.

— **वी.के. जैन,** संयोगिता और ए. प्रलाश, ए स्टडी ऑफ नाइज इन सी.एन.जी. ड्राइवन मोड्स ऑफ ट्रांस्पोर्ट इन दिल्ली' ऐप्लाइड एकोस्टिक्स, भाग–65, पृ. 195–2001, 2004.

— **वी.के. जैन** और ए.के. श्रीवास्तव, रिलेशनशिप बिटवीन इनडोर ऐंड आउटडोर एयर क्वालिटी इन दिल्ली, इंडोर बिल्ट एनवायरनमेंट, 12, पृ. 49, 1598–165, 2003.

— **वी.के. जैन,** ए.के. श्रीवास्तव और एच.एन. दत्ता, सर्फेस विन्ड करेक्ट्राइजेशन ऐट एन अन्टार्क्टिक कोस्टल स्टेशन, मैत्री, मानसम, भाग–55, अंक–1, पृ. 95–102, 2004.

— **वी. राजमणि** और सुदेश यादव, एयरोसोल ऑफ एन.डब्ल्यू. इण्डिया – ए पोटेंशल सीयु सोर्स : करंट साइंस, भाग–84, 278–280, 2003.

— **वी. राजमणि** और जयन्त के त्रिपाठी, जिओकैमिसट्री ऑफ प्रोटेरोजोनिक दिल्ली क्वार्टजाइट्स : इम्प्लिकेशंस फॉर द प्रोविनेन्स ऐंड सोर्स एरिया वेदरिंग, जर्नल जिओल सो. इण्डिया, भाग–62, पृ. 215–226, 2003.

— **वी. राजमणि** और मीनल मिश्रा, जिओकेमिस्ट्री ऑफ द आर्चीन मैटासेडिमेंट्री राक्स फ्रॉम द रामगिरि शिस्ट बेल्ट, ईस्टर्न धारवाड़ क्रेटन इण्डिया : इम्प्लिकेशन टु क्रस्टल इवोल्युशन, जर्नल–जिओल सोसि. इण्डिया, भाग–62, पृ. 717–38, 2003.

— **वी. राजमणि** और जयंत के त्रिपाठी, वेदरिंग कंट्रोल ओवर जिओमार्फोलाजी ऑफ सुपरमैचुअर प्रोटेरोजोनिक दिल्ली क्वार्टिजाइट्स ऑफ इण्डिया, अर्थ सर्फेस प्रोसिस ऐंड लैण्डफार्म्स, भाग–28(13),पृ. 1379–87, 2003.

पुस्तकें

— **के.जी. सक्सेना,** पी.एस. पटनायक, एस. पटनायक और एस. सिंह, (सं.) मेथडोलाजिकल इश्यूज इन माउनटेन रिसर्च : ए सोसिओ इकोलाजिकल सिस्टम्स अप्रोच ऑक्सफोर्ड ऐंड आई.बी.एच. रिसेंट ट्रेन्ड्स इन हाइड्रो जिओकेमिस्ट्री (केस स्टडी फ्रॉम सर्फेस ऐंड सबसर्फेस वाटर्स ऑफ सलेक्टिड कंट्रीज), (डी.एस.टी. इनविश, भारत सरकार), (ले.) ए.एल. रामनाथन और आर. रमेश, (आई.एस.बी.एन.–81–85589–12–7), कैपिटल प्रकाशन कम्पनी, नई दिल्ली, 2003.

— **एस. मुखर्जी,** टेक्स्ट बुक ऑफ एनवायरनमेंटल रिमोट सेंसिंग, मैकमिलन इण्डिया लिमिटेड, आई.एस. बी.एन. 1403, 92235, 7, 2004.

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

— **ए.एल. रामनाथन,** हाइड्रोजिओकेमिस्ट्री ऑफ द अचनकोवली रिवर बेसिन, केरला, रिसेंट ट्रेन्ड्स इन एप्लाइड हाइड्रो जिओकेमिस्ट्री, पृ. 93–99, 2003.

— **ए.एल. रामनाथन,** ग्राउन्डवाटर क्वालिटी वैरिएशंस इन द कोस्टल एक्विफर्स – केस स्टडी फ्राम साउथ इण्डिया इन द कोस्टल अर्बन ऐनवायरनमेंट, (सं.) आर. रमेश और एस. रामचन्द्रन, कैपिटल प्रकाशन, नई दिल्ली, (आई.एस.बी.एन. 81–85589–21–6), पृ. 232, 2003.

— **आई.एस. ठाकुर,** ट्रीटमेंट ऑफ टेनरी इफ्लुएट., कंसाइज इनसाक्लोपीडिया ऑफ बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी (सं.) ए. पाण्डे, द हावर्थ प्रेस, बिंघमटन, यू.एस.ए., पृ. 39.1, 2003.

— **आई.एस. ठाकुर,** ट्रीटमेंट ऑफ पल्प ऐंड पेपर मिल इफ्लुऐन्ट, कंसाइज इनसाइक्लोपीडिया ऑफ बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, (सं.) ए. पाण्डेय, द हावर्थ प्रेस, बिंघमटन, यू.एस.ए., पृ. 39.2, 2003.

के.जी. सक्सेना, आर. सुकुमार और ए. अंतवाल, क्लाइमेट चेंज इम्पैक्ट ऑन नेचुरल इकोसिस्टम्स, क्लाइमेट चेंज ऐंड इण्डिया : वल्नरेबिलिटी असेसमेंट ऐंड अडैप्टेशन, (सं.) पी.आर. शुक्ला, एस.के. शर्मा, एन.एच. रविन्द्रनाथ, ए. गर्ग और एस. भट्टाचार्य, यूनिवर्सिटी प्रेस, हैदराबाद, 266- 290, 2003.

— **के.जी. सक्सेना,** के. चन्द्रशेखर, आर. गवली, के.एस. राव और आर.के. मैखुरी, ट्रेडिशनल मैनेजमेंट ऑफ बायोडाइवर्सिटी इन इण्डिया'स कोल्ड डेजर्ट, कंजर्विंग बायोडाइवर्सिटी इन ऐरिड रीजन्स, (सं.) जे. लेमन्स, आर. विक्टर डी. स्केफर, क्लुवर अकादमिक प्रकाशक, बोस्टन, एम.ए. 217–230, 2003.

— **के.जी. सक्सेना,** के.एस. राव, के.के. सेन, आर.के. मैखुरी और आर.एल. रैमवाल, इंटिग्रेटिड नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट अप्रोचिस ऐंड लेशंस फ्रॉम द हिमालय, इंटिग्रेटिड नेचुरल रिसोर्सिस मैनेजमेंट : लिंकिंग प्रोडक्टिविटी, द एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट, (सं.) बी.एम. कैम्पबैल और जे.ए. रोयर, सीएबीआई पब्लिशिंग, यू.के., 211–225, 2003.

— **के.जी. सक्सेना,** आर.के. मैखुरी और के.एस. राव, इंटिग्रेटिड नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट : द कंसेप्ट ऐंड इट्स एप्लिकेशन फॉर सस्टेनेबल डिवलपमेंट इन द हिमालया, मेथडोलाजीस फॉर माउन्टेन रिसर्च : ए सोसिओ इकोलाजिकल सिस्टम अप्रोच, (सं.) पी.एस. रामाकृष्णन, के.जी. सक्सेना, एस.. पटनायक और एस. सिंह, आक्सफोर्ड और आई.बी.एच., नई दिल्ली, 177–198, 2003.

— **एस. गुखर्जी,** सिक्यूरिटी इम्प्लिकेशंस ऑफ क्लाइमेट चेंज इन इण्डियन नेशनल सिक्यूरिटी, वार्षिक संवीक्षा, पृ. 196–209, इण्डिया'स नेशनल सिक्यूरिटी (वार्षिक संवीक्षा) (सं.) प्रो. सतीश कुमार (जे.एन.यू.), इण्डिया रिसर्च प्रेस, आई.एस.बी.एन. 81–8794–56 -4, 2003.

शोध परियोजनाएं

— **ए.के. भट्टाचार्य,** लैण्ड डिस्पोजल ऑफ सालिड वेस्ट्स जेनरेटिड इन बजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया इन दिल्ली, 2003–04.

— **ए.एल. रामनाथन,** वाटर क्वालिटी ऐंड माइक्रो न्यूट्रिएन्ट डिस्ट्रिब्युशन इन द पटियाला ऐंड मुकसर डिस्ट्रिक्ट ऑफ पंजाब, टी.आई.एफ.ए.सी., विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–03.

— **ए.एल. रामनाथन,** हाइड्रोजिओकैमिस्ट्री ऑफ ग्राउन्ड वाटर इन करैकल रीजन, इण्डिया, पांडिचेरी सरकार द्वारा प्रायोजित, 2002–03.

— **ए.एल. रामनाथन,** स्टडी ऑफ सर्फेस ग्राउन्ड वाटर इंटरएक्शन इन पार्ट्स ऑफ यमुना रीवर बेसिन ऑफ दिल्ली यूजिंग हाइड्रो जिओकेमिकल अप्रोच ऐंड माडलिंग अप्रोच, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2004–06.

— **ए. मलिक,** बायोरिमिडिएशन ऑफ एक्वेसियस हैवी मेटल पाल्यूशन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2004–07.

— **बृज गोपाल,** मैनेजिंग वाटर रिसोर्सिस : सोसिओ–इकोनामिक ऐंड पॉलिसी इम्प्लिकेशंस आफ रैस्टोरेशन इन द यमुना रीवर बेसिन, 2003–05.

— **बृज गोपाल,** (डॉ. व्हाइव साउथे, अर्थ–शास्त्र विभाग, गुयेल्फ विश्वविद्यालय, गुयेल्फ, कनाडा के साथ संयुक्त रूप से), शास्त्री इण्डो–कनाडियन इंस्टीट्यूट, कनाडा द्वारा वित्तपोषित, 2003–2005.

— **आई.एस. ठाकुर,** अल्कालोफिलिक बेक्टेरियल कंसोर्टियम फोर ट्रीटमेंट ऑफ पल्प ऐंड पेपर मिल एफल्युएंट, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2002–2004.

— **आई.एस. ठाकुर,** आप्टिमाइजेशन ऑफ प्रोसस पैरामीटर्स फोर अब स्केलिंग ऑफ टेनरी एफल्युएंट ट्रीटमेंट बाइ माइक्रोआर्गेनिज्म, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2004–2007.

— **जे. बिहारी,** "मिलीमीटर वेव फील्ड इफेक्ट्स ऑन डिवलपमेंट ऑफ रैट्स ब्रेन" – सी.एस.आई.आर. परियोजना, दिसम्बर 2003.

— **के. दत्ता,** मोलक्यूलर क्लोनिंग ऐंड अपस्ट्रीम सिक्वेंस अनालिसिस ऑफ जीनोमिक डी.एन.ए. इनकोडिंग हाइएलुरोनिक एसिड बाइंडिंग प्रोटीन, सी.एस.आई.आर., 2000–2003.

— **के. दत्ता,** द जीन इंकोडिंग ह्यूमन हाइप्लुरोनान आइंडिंग प्रोटीन–1 (एच.ए.बी.पी.–1) एज ए मोलक्यूलर प्रॉब फॉर आइडेंटीफाइंग स्पर्मेटोजेनिक अरेस्ट ऐंड इट्स पोटेंशल यूज इन आई.वी.एफ., भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, 2002–2005.

— **के. दत्ता,** फंक्शनल एसे ऑफ ह्यूमन एच.ए.बी.पी.–1 जीन एक्जामीनिंग द एक्सप्रेशन प्रोफाइल्स ऑफ द सेल लाइन्स विद इट'स ओवर एक्सप्रेशन ऐंड म्यूटेशन, यूनिवर्सिटी विद पोटेंशल ऑफ एक्सेलेंस' आनुवंशिकी, जीनोमिक्स और जैव–प्रौद्योगिकी में वि.अ.आ. कार्यक्रम के अंतर्गत।

— **के. दत्ता,** एल्गोमेट्रिक ट्रांजिशन ऑफ हाइएलुरोनिक एसिड बाइंडिंग प्रोटीन (एच.ए.बी.पी) इन रिलेशन टु इट्स लिजैण्ड इंटरएक्शन, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2003–2006.

— **के. दत्ता,** स्टडीज आन द फंक्शनल आस्पेक्ट्स ऑफ ह्यूमन हाइएलुरोनान बाइंडिंग प्रोटीन (एच.ए.बी.पी.–1) बाई मैनीप्युलेटिंग इट्स एक्सप्रेशन इन सेल लाइन्स ऐंड माइस, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–2005.

— **के.जी. सक्सेना,** असेस्मेंट ऑफ वलनरेबिलिटी ऑफ फोरेस्ट्स, ग्रासलैण्ड्स ऐंड माउंटेन इकोसिस्टम्स ड्यु टु क्लाइमेट चेंज – ए कंपोनेंट ऑफ इनेब्लिंग एक्टिविटीज फॉर द प्रिपेयरेशन ऑफ इंडिया'ज नेशनल कम्युनीकेशन, वारनॉक इंटरनेशनल/पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित 2002–2005.

— **के.जी. सक्सेना,** बायोडाइवर्सिटी कंजरवेशन विद द कांटेक्स्ट ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज ऐंड इकोसिस्टम रिहेबिलिटेशन, यूनेस्को के सहयोग से मैक आर्थर फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित, के.जी. सक्सेना और पी.एस. रामकृष्णन 2001–2005.

— **के.जी. सक्सेना,** ट्रॉपिकल सॉयल बायोलॉजी ऐंड फर्टिलिटी प्रोग्राम – साउथ एशियन रीजनल नेटवर्क कॉर्डीनेशन, ट्रापिकल सॉयल बायोलॉजी ऐंड फर्टिलिटी इंस्टीट्यूट ऑफ सी.आई.ए.टी. द्वारा प्रायोजित, 2001–2005.

— **के.जी. सक्सेना** और पी.एस. रामाकृष्णन, मैपिंग ऐंड मॉडनिंग लैण्ड यूज लैण्ड कवर ऐंड वसक्यूलर प्लांट डाइवर्सिटी इन देहांग–देबांग बायोस्फेयर रिजर्व, पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित : के.जी. सक्सेना, 2004–2007.

— **के.जी. सक्सेना,** कंजरवेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट ऑफ बिलोग्राउंड डाइवर्सिटी, जी.ई.एफ./यू.एन.ई.पी./टी.एस.बी.एफ. द्वारा वित्त पोषित, 2002–2007.

— **पी.एस. खिलारे,** स्पाशियल ऐंड टेम्पोरल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ पॉलिसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकॉर्बन्स (पी.ए.एच.एस.) इन रिसपाइरेबल सस्पेंडिड आर्टिक्यूलेट मैटर (आर.एस.पी.एम.) ऑफ दिल्ली, वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित, जुलाई 2003 से जून 2005.

— **एस. भट्टाचार्य,** जीनोम वाइड जीन एक्सप्रेशन अनालिसिस ऑफ पैथेजेनिक ऐंड नॉन–पैथोजेनिक स्पेसीज ऑफ एंटामॉयबा यूजिंग माइक्रो एरेज, वि.अ.आ., मार्च 2002–2007.

— **एस. भट्टाचार्य,** कम्पेरेटिव जीनोमिक्स एप्रोच टु आइडेंटीफाइ पैथेजेनेसिस – रिलेटिड जीन्स इन हिस्टोलिटिका, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, 2003–2006.

— **सौमित्र मुखर्जी,** असेसमेंट ऑफ वाटर पोटेंशल ऐंड प्रियेयर ए टेक्नीकल फीसीबिलिटी रिपोर्ट फोर मैनेजमेंट ऑफ वाटर फोर आर.आर. हास्पीटल, नई दिल्ली.

— **सौमित्र मुखर्जी,** विज्ञान और प्रौ?ोगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित चल रही परियोजना 2004–2005, सेटर्न आब्जर्वेशन कैम्पेन यूजिंग कैसिनी डाटा, 2001–2005, नासा–ई.एस.ए. प्रायोजित परियोजना।

— **वी. राजमणि,** जियोकेमेस्ट्री ऑफ सर्फेस, सेडिमेन्ट्री प्रोसेशिज ऐंड फॉर्मेशन ऑफ एलुवियल फार्मलैण्ड इन द कावेरी रिवर बेसिन ऐंड क्रिएशन ऑफ ए नेशनल फेसिलिटी फोर जिओकेमिकल रिसर्च, विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, 26.3.2002.

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

ए.के. भट्टाचार्य ने 10–11 दिसम्बर, 2003 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'वाटर ऐंड पीस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "सस्टेनेबल वाटर यूज फॉर इरीगेशन ऑफ सॉयल्स" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

— **ए.के. भट्टाचार्य** ने 4–5 फरवरी, 2004 को एम.एस. स्वामीनाथन शोध फाउंडेशन द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित "राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा" सम्मेलन में भाग लिया।

— **ए.के. भट्टाचार्य** ने 22–23 मार्च 2004 को प.वि.सं./ज.ने.वि. में आयोजित "डायलॉग ऑन रिवर लिंक्स ऐंड डाइवरसंस" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

ए.के. भट्टाचार्य ने 10–11 दिसम्बर, 2003 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "वाटर ऐंड पीस" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा "सस्टेनेबल वाटर यूज फार इरीगेशन ऑफ सॉयल्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **ए.एल. रामनाथन** ने 23–24 मार्च, 2004 को प.वि.सं., ज.ने.वि., नई दिल्ली में (डी.ओ.डी. द्वारा प्रायोजित) "बायोकेमेस्ट्री" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

— **ए.एल. रामानाथन** ने 22–23 मार्च, 2004 को प.वि.सं./ज.ने.वि. में (डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ., एनविस और जेएनयू द्वारा प्रायोजित) आयोजित "डायलॉग ऑन रीवर लिंक्स ऐंड डाइवरसंस" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

— **ए.एल. रामानाथन** ने 31 मार्च से 2 अप्रैल, 2003 तक प.वि.सं./ज.ने.वि. में आयोजित (डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ., एनविस और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित) "इश्यूज रिलेटिड टु फ्रेस वाटर" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला और "नेशनल रीवर लिंकिंग प्लांस" विषयक गोलमेल सम्मेलन में भाग लिया।

— **ए.एल. रामानाथन** ने 24–25 मार्च, 2004 को अन्नामलाई विश्वविद्यालय में आयोजित "कोस्टल एनवायरनमेंटस ऐंड मैनेजमेंट–2004" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

— **ए.एल. रामनाथन** ने 20–21 फरवरी, 2004 को, नई दिल्ली में पर्यावरण और प्रबंधन अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "वाटर ऐंड एनवायरनमेंट" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

ए.एल. रामानाथन ने 23–24 मार्च, 2004 को प.वि.सं./ज.ने.वि. में ए.एल. रामानाथन द्वारा आयोजित (डी.ओ.डी., भारत सरकार, आई.एन.सी.ओ.एच., रुड़की और एनविस, ज.ने.वि. द्वारा प्रायोजित) "बायोकेमेस्ट्री ऑफ एक्सट्रीमोफाइल्स–मैनग्रोव्स ऐंड द कोस्टल जोन मैनेजमेंट" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

— **बी. गोपाल** ने 11 से 15 जुलाई 2003 तक अल गायदा, यमन में आयोजित "बायोडाइवर्सिटी" विषयक परिचर्चा बैठक में भाग लिया।

— **बी. गोपाल** ने 11 से 13 अगस्त, 2003 तक एंटवर्प, बेल्जियम में आयोजित "एक्वाटिक बायोडाइवर्सिटी" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

— **बी. गोपाल** ने 27 से 30 अगस्त, 2003 तक राबट, मोरक्को में आयोजित "कंजरवेशन ऐंड सस्टेनेबल यूज ऑफ बायोडाइवर्सिटी इन एरिड ऐंड सेमीएरिड रीजंस" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

— **बी. गोपाल** ने 14 से 19 अक्टूबर, 2003 तक देहरादून में आयोजित "इकोरेस्टोरेशन" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

— **बी. गोपाल** ने 2 से 5 नवम्बर, 2003 तक नैरोबी, केन्या में आयोजित "चैलेन्ज प्रोग्राम ऑन वाटर ऐंड फूड" विषयक सम्मेलन में में भाग लिया।

— **बी. गोपाल** ने 8–9 जनवरी, 2004 को कुरुक्षेत्र, हरियाणा में 'इकोलॉजी ऐंड एनवायरनमेंट : इश्यूज ऐंड रिसर्च नीड्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

— **बी. गोपाल** ने 12 से 16 जनवरी, 2004 तक पिनांग, मलेशिया में आयोजित "एक्वाटिक रिसॉर्सिज आर मोर दैन फिश : द इकोसिस्टम एप्रोच टु इनलैण्ड फिशरीज" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

— **बी. गोपाल** ने 9 से 25 दिसम्बर, 2003 तक अल गायदा, यमन में आयोजित "बायोडाइवर्सिटी कंजरवेशन ऐंड प्रोटेक्टिड एरिया मैनेजमेंट" विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

— **डी.के. बनर्जी** ने फरवरी, 2004 में लखनऊ में आयोजित 'बायोमेडिकल वेस्ट मैनेमेंट' विषयक उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

— **डी.के. बनर्जी** ने अक्टूबर, 2003 में दिल्ली में आयोजित "इनोवेटिव एप्रोचिज इन मैनेजमेंट ऑफ एनवायरनमेंट" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

— **आई.एस. ठाकुर,** एस. श्रीवास्तव ने फरवरी, 2004 में नागपुर में आयोजित "रि–एस्टाब्लिशिंग द सॉयल सिक्योरिटी थ्रू बायोरेमेडिएशन" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में "बायोरेमेडिएशन पोटेशिएलिटी ऑफ एसपरजाइलस स्प. फोर रिमोवल ऑफ क्रोमियम इन सॉयल माइक्रोकोज्म" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **आई.एस. ठाकुर,** वाई चुफाल, वी. कुमार और बी.एन. जौहरी ने 5 से 8 नवम्बर, 2003 तक लखनऊ में आयोजित "मोलक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी ऐंड एनवायरनमेंटल हैल्थ" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आप्टिमाइजेशन ऑफ अपफ्लो अनाएरोबिक ऐंड अरोबिक ट्रीटमेंट ऑफ पल्प ऐंड पेपर मिल एफ्लुएंट इन टू स्टेप सिक्वेंशल बायोरिएक्टर" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **आई.एस. ठाकुर,** एस. श्रीवास्तव ने 5 से 8 नवम्बर, 2003 तक लखनऊ में आयोजित "मोलक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी ऐंड एनवायरनमेंटल हैल्थ" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रोसस पैरामीटर्स आप्टिमाइजेशन फोर बायोरेमेडिएशन ऑफ पेंटाक्लोरोफिनोल ऐंड क्रोमियम इन लैदर टैनिंग एफ्लुएंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **आई.एस. ठाकुर,** और पी. सिंह ने 5 से 8 नवम्बर, 2003 तक लखनऊ में आयोजित "मोलक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी ऐंड एनवायरनमेंटल हैल्थ" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "करेक्ट्राइजेशन ऑफ लिगनिन पेरोक्सीडेज फ्राम पायसिलोमाइसिज स्प. फोर डिकलराइजेशन ऑफ पल्प ऐंड पेपर मिल एफ्लुएंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **आई.एस. ठाकुर,** वाई. चुफाल और वी. कुमार ने 12 से 14 नवम्बर, 2003 तक धारवाड़ में आयोजित भारतीय माइक्रोबायोलाजिस्ट एसोसिएशन के 44वें सम्मेलन में "आप्टिमाइजेशन ऑफ बायो–पल्पिंग ऐंड बायो–ब्लिचिंग फार रिमूवल ऑफ कलर ऐंड टॉक्सीकेंट्स इन एफ्लुएंट ऑफ लेबोरेट्री स्केल पल्प प्रिपेयरेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **जे. बिहारी** ने 20–21 फरवरी, 2004 को नई दिल्ली में आयोजित "माइक्रोवेव एप्लिकेशंस : मेडिसन, रिमोट सेंसिंग ऐंड इंडस्ट्री" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला–व–संगोष्ठी में भाग लिया।

— **जे.डी. शर्मा** ने 2004 में आयोजित 68वें वार्षिक शैक्षिक सम्मेलन व प्रदर्शनी में भाग लिया।

— **जे.डी. शर्मा** ने नवम्बर, 2003 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित "वाटर" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में "पीस एज द वाटर्स फ्लो इन द सेमी–एरिड लैण्ड्स ऑफ इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **जे.डी. शर्मा** ने 25–26 मार्च, 2004 को मदुरई कामराज विश्वविद्यालय, में आयोजित "रिकास्टिंग कम्युनीकेशन स्ट्रेटिजी फॉर हेल्थ फार ऑल इन इंडिया" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "एनवायरनमेंटल हेल्थ ऐंड इकोलॉजीकल पैराडिग्म्स फार अंडरस्टेंडिंग – न्युअर पब्लिक हेल्थ रिस्क्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **के. दत्ता** ने 11 से 17 अक्टूबर, 2003 तक क्लीवलैण्ड क्लिनिक, क्लीवलैण्ड, ओहियो, यू.एस.ए. में आयोजित "हाइएलुरोनॉन–2003" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

— **के.जी सक्सेना** ने मई 2003 में पर्यावरण विज्ञान संस्थान में आयोजित "कंजरवेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट ऑफ बिलोग्राउंड बायोडाइवर्सिटी" विषयक योजना कार्यशाला में भाग लिया।

— **के.जी सक्सेना** ने 29–30 अक्टूबर 2003 को संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय, टोकियो द्वारा प्रायोजित "अल्टरनेटिव एप्रोचिज टु इनहांसिंग स्माल स्केल लाइवलीहुड्स ऐंड नेचुरल रिसॉर्सिज मैनेजमेंट इन मार्जिनल एरियाज" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "चेंजिज इन एग्रिकल्चरल बायोडाइवर्सिटी : इंप्लिकेशंस फॉर सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स इन द हिमालया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **के.जी सक्सेना** ने फरवरी, 2004 में एम्बू, केन्या में जी.ई.एफ./यू.एन.ई.पी./टी.एस.बी.एफ. द्वारा प्रायोजित "कंजरवेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट ऑफ बिलोग्राउंड बायोडाइवर्सिटी" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा "बिलोग्राउंड बायोडाइवर्सिटी : स्टेटस ऑफ रिसर्च इन इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **के.जी सक्सेना** ने जुलाई, 2003 में विनरॉक इंटरनेशनल द्वारा प्रायोजित और भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में आयोजित "इंडियाज नेशनल कम्युनीकेशन ऑन क्लाइमेट चेंज" विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा "एडेप्टेशन ऐंड वलनरेबिलिटी टु क्लाइमेट चेंज इन द हिमालया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **सुधा भट्टाचार्य** ने 5–6 दिसम्बर, 2003 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी, कोलकाता में आयोजित "रेग्यूलेशन ऑफ जीन एक्सप्रेशन" विशयक एफ.ए.ओ.बी.एम.बी. सैटेलाइट संगोष्ठी में भाग लिया तथा "स्पेसीफाइंग द इनसरसन प्रोपर्टीज ऑफ ए नान–एल.टी.आर. रिट्रोट्रांसपोजन इन एंटामॉयबा हिस्टोलिटिका" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **सुधा भट्टाचार्य** ने 25 ये 29 दिसम्बर, 2003 तक चेल्सा, प. बंगाल में आयोजित गुहा शोध सम्मेलन : 2003 में भाग लिया तथा "रिट्रो–ट्रांसपॉजीशन ऑफ ए एल.आई.एन.ई./एस.आई.एन.ई. पेयर इन ई. हिस्टोलिटिका" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **सुधा भट्टाचार्य** ने 19 से 21 मई, 2003 तक इंस्टीट्यूट पाश्च्योर, पेरिस में आयोजित "पैथोजेनेसिस ऑफ अमोबियासिस : फ्रॉम जीनोमिक्स टु डिजीज" विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा "डिफरेंशल यूज ऑफ मल्टिपल रेप्लिकेशन आरिजिंस इन द राइबोसोमल डी.एन.ए. एपीसम ऑफ ई. हिस्टोलिटिका" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **सौमित्र मुखर्जी**, 20–21 फरवरी 2004 को दिल्ली में आयोजित "वाटर ऐंड एनवायरनमेंट" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक रहे। (पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)

— **एस. मुखर्जी** ने 23 से 27 फरवरी, 2004 तक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेटिरिआलॉजी, पुणे में आयोजित "रोल ऑफ इंडियन ओशन इन क्लाइमेट वेरिएबिलिटी ओवर इंडिया" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा "सन–अर्थ कनेक्शन इनफ्लुएंशिज क्लाइमेंट वेरिएशंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **एस. मुखर्जी** ने 3–4 फरवरी, 2004 को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा आयोजित "मेडिकल जियोलॉजी" विषयक कार्यशाला, इंटरनेशनल जियोलॉजीकल कोरिलेशन प्रोग्राम (आईजीसीपी–454) की कार्यवाही में "स्पेस बेस्ड मेडिकल जियोलॉजी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **एस. मुखर्जी** ने 3–4 फरवरी, 2004 को भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा आयोजित "इंटरनेशनल जियोलॉजीकल कोरिलेशन प्रोग्राम (आईजीसीपी–454)" की कार्यवाही में "इम्पैक्ट ऑफ थर्मल पावर एफ्लुएंट्स ऑन एनवायरनमेंट" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **वी. राजगणि**, जे.के. त्रिपाठी, वी. योक और ए. आइजन हावर ने 23 से 30 जुलाई, 2003 तक रेनो, नेवादा, यू.एस.ए. में आयोजित XVI आई.एन.क्यू.यू.ए. कांग्रेस में "आइसोटॉपिक (एस.आर[87]/एस.आर.[86] ऐंड एन.डी.[143]) इंडिकेंस फॉर द थार डेजर्ट सेडिमेंट्स प्राविनेंस ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

— **वी. राजगणि** ने अगस्त, 2003 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित "द साईंस ऑफ द शैली सबसर्फेस" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

— **वी. राजमणि** ने अगस्त 2003 में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित "जियोलॉजीकल इश्यूज इन द लिंकिंग ऑफ इंडियन रिवर्स" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

— **ए.के. अत्री** ने 18 फरवरी, 2004 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, बथेस्दा, मैरीलैण्ड 20892, यू.एस.ए. में "एनहाइड्रोबायोसिस : सरवाइविंग कंपलीट डिहाइड्रेशन" विषयक व्याख्यान दिया।

— **ए.एल. रागानाथन** ने फरवरी, 2004 में अर्थ विज्ञान विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु में वि.अ.आ. पुनश्चर्या कोर्स में "नेचुरल रिसॉर्सिज" विषयक व्याख्यान दिया।

के. दत्ता ने अप्रैल, 2003 में विश्वभारती, शांति निकेतन, प. बंगाल में "ह्यूमन हाइलुरोनॉन बाइंडिंग प्रोटीन : जर्नी फ्राम इट्स आइसोलेशन टु फंक्शनल इनोमिक" विषयक व्याख्यान दिया।

- **एस. मुखर्जी** ने नीस, फ्रांस में आयोजित ई.जी.यू. 2004 में "ई.जी.यू.04–ए–00420 सन–अर्थ एनवायरनमेंट इनफ्लुएंसिज एनवायरनमेंटल फ्लो" विषयक व्याख्यान दिया।
- **एस. मुखर्जी** ने नीस, फ्रांस में आयोजित ई.जी.यू. 2004 में "इंप्रूवमेंट ऑफ ग्राउंड वाटर क्वालिटी इन जेएनयू, न्यू दिल्ली" विषयक व्याख्यान दिया।
- **एस. मुखर्जी,** एस.सी. गौर, एस. शास्त्री, एम. पंत ने नीस, फ्रांस में आयोजित ई.जी.यू. 2004 में "आइडेंटीफिकेशन ऑफ सूटेबल रेनवाटर हारवेस्टिंग स्ट्रक्चर्स बाइ सैटेलाइट डाटा" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एस. मुखर्जी** ने नीस, फ्रांस में आयोजित ई.जी.यू. 2004 में "इकोनामैट्रिक्स ऑफ रैनवाटर हारवेस्टिंग इन अर्बन दिल्ली" विषयक व्याख्यान दिया।
- **एस. मुखर्जी,** एम.पंत, एस. शास्त्री ने नीस, फ्रांस में आयोजित ई.जी.यू. 2004 में "लैंड यूज ऐंड लैण्ड कवर अनालिसिस ऑफ ग्रेटर नोयडा टु फाइन्ड ग्राउंड वाटर रिचार्ज साइट ऐंड देयर पॉल्युशन पोटेंशल" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एस. मुखर्जी,** एस. शास्त्री, एम. पंत ने नीस, फ्रांस में आयोजित ई.जी.यू. 2004 में "ग्राउंड वाटर कंटेमिनेशन बाई आर्गेनिक कंपाउंड्स" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एस. मुखर्जी,** बी. वीर, एस. त्यागी, वी. शर्मा ने नीस, फ्रांस में आयोजित ई.जी.यू. 2004 में "सेडिमेंटेशन स्टडी ऑफ हीराकुड रिजर्वायर बाइ रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशंस" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियाँ

- **ए.एल. रामानाथन** को बायोकेमेस्ट्री ऑफ द पिचावारम मैंग्रोव्स का अध्ययन करने के लिए वर्ष 2003–2004 का स्वीडन युवा विज्ञानी पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- **ए.एल. रामानाथन** को "रोल ऑफ मैंग्रोव्स इन कार्बन फिक्सेशन इन ट्रापिकल कोस्टल जोन्स विषय पर ए.आई.एम.एस. आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर शोध कार्य करने के लिए वर्ष 2003 से वर्ष 2004 तक आस्ट्रेलियन इंडिया काउंसिल एक्सचेंज" अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- **ए.एल. रामानाथन** को वर्ष 2003–2004 की स्वीडन की "लिनियस–पाल्मे सक्सचेंज" अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- **ए. मलिक,** समीक्षक, प्रसिद्ध एल्सवियर पत्रिका–2004
- **के. दत्ता,** फेलो, थर्ड वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज, ट्रीस्टे, इटली
- **के. दत्ता,** पुरस्कार, डॉ. दर्शन रंगनाथन स्मारक व्याख्यान, इंसा।

मण्डल / समितियों की सदस्या (विश्वविद्यालय से बाहर)

- **ए.के भट्टाचार्य,** सदस्य, अध्ययन मण्डल, पर्यावरणीय योजना विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली।
- **बृज गोपाल,** सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लिम्नोलॉजी (सिल); अध्यक्ष, सिल समिति, लिम्नोलॉजी इन डिवलपिंग कंट्रीज (1987); अध्यक्ष, सिल वेटलैण्ड वर्किंग ग्रुप (1983); सदस्य, सिल कंजरवेशन समिति (1987); सदस्य, सिल–तोनोली निधि समिति (1987); सदस्य, वेटलैण्ड वर्किंग ग्रुप, इंटकोल; महासचिव, राष्ट्रीय पारिस्थितिकी संस्थान (भारत) 1978; सदस्य, वेटलैण्ड साइंटिस्ट सोसायटी के अन्तर्राष्ट्रीय फैलो पुरस्कार के लिए गठित चयन समिति 2003–2005; सदस्य, स्थायी समिति, राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; सदस्य, वर्किंग ग्रुप, मिनिमम फ्लो, जल गुणवत्ता मूल्यांकन प्राधिकारण, भारत सरकार द्वारा गठित, 2003–04; सदस्य, स्थायी समिति, हरिके कांजी और रोपड़ की अशुष्क भूमि का संरक्षण और प्रबन्धन, 2000–2003; 2003–2006 (पंजाब के राज्यपाल द्वारा गठित समिति); पंचवर्षीय समीक्षा दल, केन्द्रीय अन्तःस्थलीय मत्स्य अनुसंधान, संस्थान, बैरकपुर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा गठित समिति), 2003; सदस्य, विद्या परिषद, टेरी उच्च अध्ययन संस्थान (सम विश्वविद्यालय), नई दिल्ली, 2003; सदस्य, शोध सलाहकार समिति, राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना, पर्यावरण और वन मंत्रालय, 2003–2005; सदस्य, नदी नियमन जोन पर उप समिति, राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, 2002; सदस्य, अध्ययन

मंडल, पर्यावरण विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2001–2004; संपादक, अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, इकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसेज (1974); सलाहकार संपादक, हाइड्रोबायोलॉजिया (क्लुवर एकेडमिक पब्लिकेशन, नीदरलैण्ड) (1988–); सदस्य, संपादकीय मण्डल, वेटलैण्ड्स इकोलॉजी ऐंड मैनेजमेंट (एस.पी.बी. एकेडमिक, नीदरलैण्ड्स) (1990–), रिवर रिसर्च ऐंड एप्लिकेशन (रेग्यूलेटिड रिवर्स : रिसर्च ऐंड मैजेनमेंट) (जॉन विले, यू.के.) (1991–); द साइंटीफिक वर्ल्ड जर्नल फ्रेश वाटर सिस्टम्स डोमैन (इंफोट्राइव. कॉम) (2000–) इलेक्ट्रोनिक जर्नल; संपादक, राष्ट्रीय पारिस्थितिकी संस्थान की पत्रिका।

डी.के. बनर्जी, सदस्य, डॉक्टरल पाठ्यक्रमों के लिए गठित समिति, सदस्य, योजना और वास्तुकला विद्यालय, दिल्ली, सदस्य, विद्या परिषद् और अध्ययन मण्डल, टेरी उच्च अध्ययन संस्थान, दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, एम.एस. विश्वविद्यालय, वदोदरा; सदस्य, संपादकीय मण्डल, केमिकल स्पेसिएशन ऐंड बायोएवेलेबिलिटी (यू.के.) और एनवायरनमेंटल प्रकटिस (यू.एस.ए.)

आई.एस. ठाकुर, सदस्य, स्थायी मण्डल, बायोटेक रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया।

— **के.जी. सक्सेना,** सदस्य, सलाहकार समिति, एनविस कार्यक्रम, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; सदस्य, तकनीकी समिति – इकोलॉजी ऐंड इकोसिस्टम्स, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति – इकोसिस्टम रिसर्च प्रोग्राम, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; सदस्य, विशेषज्ञ समिति – बायोफार्म प्रोग्राम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।

— **वी. राजगोपाल,** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग – परियोजना सलाहकार समिति – साइंस ऑफ शैलो सर्फेस – अध्यक्ष; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग – परियोजना सलाहकार समिति – भू–विज्ञान – सदस्य; वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् – भटनागर पुरस्कार समिति – सदस्य; युवा विज्ञानी पुरस्कार समिति – सदस्य; सलाहकार समिति – अध्यक्ष;; वरिष्ठ शोध सहवृत्ति – अध्यक्ष; भारतीय विज्ञान अकादमी – भू–विज्ञान की अनुभागीय समिति।

— **एस. मुखर्जी,** सदस्य, सैटर्न ऑब्जर्वेशन कम्पैन 2002–2003–2004, नासा, यू.एस.ए.।

4. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

वर्ष 1955 में स्थापित अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे पुराना संस्थान है। पिछले 48 वर्षों से अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और क्षेत्रीय अध्ययन के शिक्षण एवं शोध में संलग्न इस संस्थान ने अपने को पूरे देश में एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है।

संस्थान ने भारत में अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के अध्ययन को एक शैक्षिक विषय के रूप में विकसित करने और अन्तर्राष्ट्रीय मामलों के ज्ञान और समझ को एक अन्तर–विषयक परिप्रेक्ष्य में उन्नत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह संस्थान पूरे देश में 'क्षेत्रीय अध्ययन' को प्रोत्साहित करने और विश्व के विभिन्न देशों एवं क्षेत्रों के बारे में विशेष जानकारी विकसित करने वाला भी पहला संस्थान है। संस्थान ने उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है।

लगभग सभी राज्य–सरकारों ने एक–एक अध्येतावृत्ति (कुछ मामलों में एक से अधिक) सम्बन्धित राज्यों के 'निवासी' होने के नियमों को पूरा करने वाले छात्रों को प्रदान करने के लिए शुरू की है। जनवरी 2003 के अनुसार संस्थान ने 586 शोधार्थियों को पी–एच.डी. डिग्री और 1840 को एम.फिल डिग्री प्रदान की है।

हाल ही के वर्षों में संस्थान में कई चेयरों की स्थापना हुई है। ये चेयर हैं – अप्पादुरई चेयर, नेलसन मंडेला चेयर, भारतीय स्टेट बैंक चेयर, पर्यावरणीय विधि और अन्तरिक्ष विधि में चेयर।

संस्थान प्रत्येक वर्ष समसामयिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों से जुड़े विषयों पर एक व्याख्यान माला का भी आयोजन करता है। फरवरी 1989 में विद्या परिषद् द्वारा लिए गए एक निर्णय के अनुसार यह व्याख्यान माला 'अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर हृदयनाथ कुंजरू स्मारक (विस्तार) व्याख्यान माला के रूप में जानी जाती है। एशिया पब्लिशिंग हाउस, मुम्बई द्वारा वित्तपोषित वृत्तिदान के तहत महान कवयित्री और देशभक्त सरोजनी नायडु की स्मृति में एक व्याख्यान माला आयोजित की जाती है, इसमें प्रतिष्ठित विद्वान या राजनेता को स्मारक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

संस्थान ने तुलनात्मक क्षेत्रीय अध्ययन' नया पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इस पाठ्यक्रम में एक समयबद्ध परियोजना के माध्यम से विशेष मामले/क्षेत्र और समस्याओं पर गहन तुलनात्मक शोध पर बल दिया जाएगा। इस शोध कार्य को विकसित का उद्देश्य भिन्न–भिन्न विशेषीकृत क्षेत्रों के बीच सेतु बनाना है।

संस्थान 'इंटरनेशनल स्टडीज' नामक एक त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। जुलाई 1959 से प्रकाशित हो रही इस पत्रिका ने एक प्रमुख भारतीय शैक्षणिक पत्रिका के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है। इसमें अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों तथा क्षेत्रीय अध्ययनों से सम्बन्धित समसामयिक समस्याओं तथा मामलों पर लिखे मौलिक शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं।

संस्थान निम्नलिखित एम.फिल./पी–एच.डी. अध्ययन पाठ्यक्रम चलाता है : अमरीकी अध्ययन; लेटिन अमरीकी अध्ययन; पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन; कनाडियन अध्ययन; राजनियक अध्ययन; अन्तर्राष्ट्रीय विधि अध्ययन; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और विकास; चीनी अध्ययन; जापानी और कोरियाई अध्ययन; अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन; निरस्त्रीकरण अध्ययन; राजनीतिक भूगोल; रूसी और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन; दक्षिण एशियाई अध्ययन; दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन; मध्य एशियाई अध्ययन; पश्चिम एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन और सब सहारीय अफ्रीकी अध्ययन।

एम.ए. राजनीति (अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन)

संस्थान में एम.ए. राजनीति शास्त्र (अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन) पाठ्यक्रम शैक्षिक वर्ष 1973–74 में शुरू किया गया था। इस पाठ्यक्रम को शुरू करने की मांग काफी समय से की जा रही थी। इस पाठ्यक्रम में राजनीतिशास्त्र के मुख्य विषयों के अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन से संबंधित मुख्य कोर्सों के साथ विषयपरक तथा क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित विभिन्न कोर्स भी शामिल हैं। यह विश्वविद्यालय का सर्वाधिक लोकप्रिय तथा विस्तृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित व्याख्यान :

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

1. प्रो. माइकल मिसे, समाजशास्त्र के प्रोफेसर, फेडरल यूनिवर्सिटी आफ रिओ दी जनेरियो, ब्राजील ने 27 जनवरी 2004 को 'लीगेसी आफ सोशल इनइक्वेलिटी इन ब्राजील विषयक व्याख्यान दिया।
2. प्रो. माइक मिसे, समाजशास्त्र के प्रोफेसर, फेडरल यूनिवर्सिटी आफ रिओ दी जनेरियो, ब्राजील, ने 28 जनवरी 2004 को 'अर्बन वायलेंस इन रिओ ऐंड मुम्बई' विषयक व्याख्यान दिया।
3. प्रो. रफेल हेरनानदेज, सम्पादक टेम्स (हवाना) ने 5 फरवरी 2004 को 'इमरजेंस आफ सिविल सोसायटी इन क्यूबा' विषयक व्याख्यान दिया।
4. प्रो. रफेल हेरनान देज, सम्पादक टेम्स (हवाना) ने 10 फरवरी 2004 को 'क्यूबा–यू.एस. रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
5. डा. बालकृष्णन, क्यूबा में भारत के राजदूत ने फरवरी 2004 में 'क्यूबा ऐंड इण्डिया–क्यूबा रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
6. केंद्र ने 22–23 मई 2003 को सेंटर दे सांइसिस ह्यूमेंस, द ई.सी. डेलिगेशन और फंदाकाओ ओरियंते के सहयोग से इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में 'द यूरोपीयन यूनियन इन द वर्ल्ड पालिटिक्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
7. केंद्र ने 29–30 सितम्बर 2003 को इंस्टीट्यूट फार पालिटिकल साइंस, लिपजिग यूनिवर्सिटी जर्मनी के सहयोग से लिपजिग यूनिवर्सिटी में 'पालिटिकल ऐंड सोशल ट्रांजिशन इन इण्डिया ऐंड यूरोप' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
8. केंद्र ने 6–7 नवम्बर 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में 'मल्टीकल्चरलिज्म इन इण्डिया ऐंड यूरोप' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
9. प्रो. हंस पीटर शिनिदर, इंस्टीट्यूट आफ फेडरल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ हानोवर, ने 18 नवम्बर 2003 को 'द यूरोपीय ड्राफ्ट कांस्टीट्यूशन ऐंड द फ्यूचर यूरोपीयन इंटिग्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
10. डा. हंस जार्ज विक, पूर्व अध्यक्ष, फेडरल जर्मन इंटेलिजेंस (बी.एन.डी.) और नाटो तथा भारत में पूर्व राजदूत ने 6 फरवरी 2004 को 'यूरोपीयन एक्सपिरियंसिस आफ कनफ्लिक्ट रिजोल्युशन ऐंड कानफीडेंस बिल्डिंग : रेलिवेंस फार साउथ एशिया विषयक व्याख्यान दिया।
11. डा. मैनफ्रेड स्टासन, विजिटिंग प्रोफेसर आफ ह्यूमेनिटीज, लेतवियान अकादमी आफ कल्चर, रिगा और पूर्व निदेशक, जर्मन अकेदमिक एक्सचेंज सर्विस, नई दिल्ली, ने 24 फरवरी 2004 को 'यूरोप ऐंड द ट्रांसलेंटिक कम्युनिटी आफ वेल्युज' विषयक व्याख्यान दिया।
12. श्री प्रमीत पाल चौधरी, विदेश सम्पादक, द हिन्दुस्तान टाइम्स, नई दिल्ली ने 9 मार्च 2004 को 'मार्स वीनस ऐंड रामा : यू.एस., यूरोप ऐंड इण्डियन व्युज आन द कश्मीर प्राब्लम' विषयक व्याख्यान दिया।
13. केंद्र ने 24 अप्रैल 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में 'अमरीका ऐंड द मुस्लिम वर्ल्ड' विषयक एक–दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की।
14. केंद्र ने 24 फरवरी 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में 'सिविल लिबर्टीज इन यू.एस. सिंस 9/11' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
15. केंद्र ने 10 दिसम्बर 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में 'बैलेंसिंग नेशनल सिक्युरिटी विद सिविल लिबर्टीज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

16. प्रो. कत्सुका मियागुची, जापान फाउंडेशन, ने 17 अक्टूबर 2003 को 'इश्यूज आफ जापान फारेन पालिसी' विषयक व्याख्यान दिया।
17. प्रो. तेतसुया ओजाकी ने 17 अक्टूबर 2003 को 'द पोटेंशियल आफ स्माल मीडिया' विषयक व्याख्यान दिया।

18. डा. रवनी ठाकुर, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 16 फरवरी 2004 को चाइनीज इंटलेक्चुऐल व्यू आफ जोडियक' विषयक व्याख्यान दिया।

19. डा. श्रीमती चक्रवर्ती, दिल्ली विश्वविद्यालय ने एज्यूकेशन पालिसी इन चाइना : इट्स इम्पेक्ट आन द रिफार्म्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।

20. डा. श्रबणी राय चौधरी, अन्तर्राष्ट्रीय प्रबन्धन संस्थान ने 24 फरवरी 2004 को 'रिसर्च डिजाइन', 26 फरवरी 2004 को 'रिसर्च मैथडस', 9 मार्च 2004 को डाटा एनालिसिस और 16 मार्च 2004 को 'रिपोट राइटिंग' विषयक व्याख्यान दिए।

21. प्रो. दिंगली शेन, राष्ट्रीय प्रोफेसर, निदेशक, अमरीकी अध्ययन केंद्र, फुदान विश्वविद्यालय, शंघाई ने 20 फरवरी 2004 को 'द फ्यूचर आफ चाइना रिलेशन – यू.एस. विषयक व्याख्यान दिया।

22. श्री मसातो ताकाओका, मंत्री राजनीतिक मामले, जापान दूतावास ने 9 मार्च 2004 को 'चेंजिंग प्रोफाइल आफ जापान'स सिक्युरिटी पालिसी' विषयक व्याख्यान दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

23. श्री बी.एस. प्रकाश, संयुक्त सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली ने 12 नवम्बर 2003 को 'इराक ऐंड यू.एन. मोरेलिटी ऐंड रिएलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।

24. प्रो. टी.वी. पॉल, जेम्स मैकगिल, प्रोफेसर आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, मैकगिल यूनिवर्सिटी, वयूवेक, कनाडा ने 3 फरवरी 2004 को 'प्रोस्पेक्ट्स फार एनडयुरिंग पीस इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।

25. डा. इट्टी अब्राहम, विजिटिंग प्रोफेसर, इलियट स्कूल आफ इंटरनेशनल अफेयर्स, जार्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन डी.सी., ने 17 मार्च 2004 को 'ग्लोबल क्राइम, बार्डरलेण्ड्स ऐंड द सोशल साइंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

26. डा. एस.एन. मालाकार, निदेशक, खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, ने 19–20 फरवरी 2004 को 'इण्डिया'ज एनर्जी सिक्युरिटी ऐंड द गल्फ' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

27. डा. एस.एन. मालाकार, निदेशक, खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम ने 26 मार्च 2004 को 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इमर्जिंग इश्यूज इन द गल्फ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

28. डा. ए.के. दुबे ने 29–30 मार्च 2004 को 'इण्डिया ऐंड इण्डियन डायस्पोरा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

29. महामहिम श्री ओसामा अल अली, फिलस्तीन के राजदूत ने 10 अप्रैल 2003 को केंद्र में 'पेलेस्तान ऐंड द पीस प्रोसे' शीर्षक व्याख्यान दिया।

30. 3 अप्रैल 2003 को केंद्र में 'इराक क्रासिस' विषयक ग्रुप चर्चा आयोजित की गई। इसमें वक्ता थे – ए.के. पाशा, गुलशन डायटल, पी.सी. जैन, श्रीधर, अनवार आलम और ए.के. महापात्रा।

31. श्री तलमीज अहमद, साउदी अरब में भारत के राजदूत, ने 25 जुलाई 2003 को केंद्र में 'कनटेम्पोरेरि साउदी अरेबिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।

32. श्री कमर आगा, वरिष्ठ पत्रकार ने 31 जुलाई 2003 को केंद्र में 'पेलेस्ताइन – इजराइल पीस प्रोसेस : एन असेसमेंट आफ द रोड मैप' विषयक व्याख्यान दिया।

33. श्री महेश सचदेव, संयुक्त सचिव, डब्ल्यू.ए.एन.ए., विदेश मंत्रालय ने 21 अगस्त 2003 को केंद्र में 'करंट डिवलपमेंट्स इन वेस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।

34. श्री ए.के. दामोदरन, पूर्व राजनयिक ने 4 सितम्बर 2003 को केंद्र में 'रिसेंट डिवलपमेंट्स इन वेस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।

35. डा. जे.पी. शर्मा, रीडर अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 11 सितम्बर 2003 को केंद्र में 'शेरन'स विजिट टु इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

36. श्री एम. हामिद अंसारी, इरान में भारत के पूर्व राजदूत, यू.ए.ई और साउदी अरब, ने 18 सितम्बर 2003 को केंद्र में 'इमर्जिंग पालिटिकल ट्रेंड्स इन द गल्फ रीजन' विषयक व्याख्यान दिया।

37. केंद्र में आए विजिटिंग प्रोफेसर श्री श्रीधर ने 23 अक्टूबर 2003 को 'एनर्जी सिक्युरिटी : मिथ्स ऐंड रिएलिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।

38. महामहिम श्री सालेह एम. अल गामदी, भारत में साउदी अरब के राजदूत ने केंद्र में 30 अक्टूबर 2003 को साउदी अरेबिया ऐंड रिसेंट डिवलमेंटस इन वेस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।

39. डा. पी.आर. कुमारस्वामी ने 6 नवम्बर 2003 को केंद्र में 'प्राब्लम्स आर स्टडींग माइनोरिटीज इन वेस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।

40. श्री के.पी. फेबियन और श्री कमर आगा, 'विजिटिंग स्कालर्स, खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम ने 29 जनवरी 2004 को केंद्र में 'पोस्ट आक्यूपेशन इराक' विषय पर व्याख्यान दिए।

41. महामहिम श्री एस. जैड याधोवी, इरान के राजदूत, ने 4 मार्च 2004 को केंद्र में 'चैलेंजिस बिफोर इरान : डोमेस्टिक, रीजनल ऐंड ग्लोबल' विषयक व्याख्यान की अध्यक्षता की।

राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र

42. केंद्र ने 15 और 16 मार्च 2004 को व्यापार और विकास प्रभाग और फ्रेंच दूतावास के सेंटर दे साइंसिस ह्यूमेंस के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में एक संगोष्ठी आयोजित की। इसका उद्घाटन कुलपति महोदय ने किया।

43. आल्टेकेश बरूआ के सहयोग से अकादमिक स्टाफ कालेज में अर्थशास्त्र विषय में पुनश्चर्या कोर्स आयोजित किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान में निम्नलिखित अतिथि विद्वान आए :

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

1. प्रो. मार्टिन, राइमन फ्रेसर यूनिवर्सिटी कनाडा, ने 5 नवम्बर 2003 को केंद्र के कनाडियन अध्ययन कार्यक्रम प्रभाग का दौरा किया।

2. प्रो हंस–पीटर शिनेडर, डायरेक्टर, इंस्टीट्यूट फार फेडरल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ हन्नोवर, जर्मनी ने 18 नवम्बर 2003 को केंद्र का दौरा किया।

3. डा. हंस–जार्ज विक, पूर्व अध्यक्ष फेडरल जर्मन इंटेलिजेंस (बी.एन.डी.) और नाटो तथा भारत में पूर्व राजदूत, 6 फरवरी 2004 को केंद्र में आए।

4. डा. मैनफ्रेड स्टासेन, विजिटिंग प्रोफेसर आफ ह्यूमैनिटीज, लेतवियान अकादमी आफ कल्चर, रिगा और पूर्व डायरेक्टर, जर्मन अकादमिक एक्सचेंज सर्विस, नई दिल्ली, 24 फरवरी 2004 को केंद्र में आए।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

5 डा. जांग घुईहोंग, एशिया फाउंडेशन फेलोशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत चीनी अध्ययन के विजिटिंग स्कालर फरवरी 2004 से 9 महनी के लिए केंद्र में रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय, राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

6. प्रो. रोज बोबेज, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा, 10 अक्टूबर 2003 को केंद्र में आए।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

7. श्रीमती आयशा अब्दुल गफ्फार, उप सम्पादक, अल अहराम, 24 मार्च 2004 को केंद्र में आयीं।

8. श्री सलाम अहमद सलाम, सुप्रसिद्ध पत्रकार, अल अहराम, कायरो मिस्र ने 28 जनवरी 2004 को केंद्र में आए।

9. भारत में नियुक्त निम्नलिखित देशों के राजदूत केंद्र में आए -- फिलिस्तीन -- 10 अप्रैल 2003, टर्की – 16 अक्टूबर 2003, साउदी अरब – 30 अक्टूबर 2003

10. निम्नलिखित देशों में रहे भारत के पूर्व राजदूतों ने केंद्र का दौरा किया – साउदी अरब – 25 जुलाई 2003, ईरान – 4 मार्च 2004, यू.ए.ई, वर्तमान संयुक्त सचिव (खाड़ी) एम.ई.ए. – 19–20 फरवरी 2004 और संयुक्त सचिव (वाना), एम.ई.ए. – 21 अगस्त 2003 को केंद्र मे आए।

इस सभी गणमान्य व्यक्तियों को केंद्र के अध्यक्ष डा. ए.के. पाशा ने आमंत्रित किया था।

अन्य सूचना

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

केंद्र ने फ्रेंकाफोन एरिया स्टडीज प्रोग्राम स्थापित करने का प्रस्ताव किया था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की एरिया स्टडीज प्रोग्राम कमेटी ने इस प्रस्ताव की समीक्षा करने के लिए केंद्र का दौरा किया।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र ने इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के लिए 'पाकिस्तान'स इकोनोमिक ऐंड सोशल डिवलपमेंट' विषयक शिक्षण सामग्री तैयार की है, 2004 संस्थान की भावी योजनाएं निम्न प्रकार से हैं :

लेटिन अमरीकी और कैरेबियन विषयों पर पुस्तकालय को पुस्तकों/पत्र–पत्रिकाएं/पाठ्यसामग्री से समृद्ध करने और शिक्षण और शोध के लिए और शिक्षकों की आवश्यकता है। लेटिन अमरीकी देशों के आर्थिक उदारीकरण के अनुभव और विदेश नीति का आचरण निस्सन्देह भारत की विद्वता एवं नीति निर्धारण के स्तरों के साथ रूचिकर एवं प्रासंगिक हैं।

राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र व्यापारिक उद्यम, संयुंक्त उद्यम, आदि के लिए 'नेगोसिएशंस वर्कशाप' चला रहा है।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र का राजनीतिक भूगोलशास्त्र प्रभाग, समसामयिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के कालिक और देशिक पक्षों के अध्ययन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति पर भू–राजनीतिक और भू–समरनीति परिदृश्य उपलब्ध कराने का प्रयास करना चाहता है। भविष्य में राजनीतिक भूगोलशास्त्र के सिद्धान्तों पर शोध कार्य आरम्भ किया जा सकता है।

प्रकाशन

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- आर.एल. चावला, 'चिलियन डिवलपमेंट माडल', इण्डिया क्वाटर्ली (नई दिल्ली) भाग LIx, अंक 1 व 2 जनवरी–जून 2003
- आर.एल. चावला, 'इण्डो–ब्राजील इकोनोमिक रिलेशंस', फारेन अफेयर्स रिपोर्ट (नई दिल्ली) भाग 2 अंक 5–6, मई–जून 2003

राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र

- एस.के. दास और ए. बंदोपाध्याय, 'क्वालिटी सिग्नल्स ऐंड एक्सपोर्ट परफार्मेंस : ए माइक्रो–लेवल स्टडी', इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 27 सितम्बर 3 अक्टूबर 2003
- एम.एल. अग्रवाल, 'यू.एस. पालिसी टुवर्डस माडरेट मुस्लिम स्टेट्स' सी.एस. राज द्वारा संपादित अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान की पत्रिका के आगामी अंक में प्रकाशन हेतु।
- एम.एल. अग्रवाल, 'द कोसोवो कनफिलक्ट' मिमिओ, जेएनयू, 2003
- एम.एल. अग्रवाल,'इण्डो–यू.एस. रिलेशंस', मिमिओ, जेएनयू, 2003
- मनोज पंत, 'साउथ कोरियन एफ.डी.आई. इन इण्डिया : ए बिहेवियरल एनालिसिस', एन.सी.ए.ईआर. – के.आई. ई.पी. सेमिनार, सियोल, दक्षिण कोरिया 30–31 जुलाई 2003
- मनोज पंत, एस.के. दास, 'एफ.डी.आई. इन साउथ एशिया 'डू इनसेंटिव्स वर्क ? ए सर्वे आफ द लिट्रेचर' अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, दिसम्बर 2003
- अमित एस. रे, 'द चैंजिंग स्ट्रक्चर आफ आर. ऐंड डी. इनसेटिव्स इन इण्डिया' : कनर्सस ऐंड पालिसी आप्शन्स फार द फार्मेस्युटिकल सेक्टर' साइंस टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी भाग–1, अंक 2, 2004 (आगामी)

- अमित एस. रे, (अशोक गुहा के साथ) 'इण्डिया ऐंड एशिया : इन द वर्ल्ड इकानोमी : द रोल आफ ह्यूमन केपिटल ऐंड टेक्नालाजी' इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–41, अंक 2, 2004 आगामी
- अमित एस. रे, (एस. भादुरी के साथ) 'एक्सपोर्टिंग थ्रु टेक्नोलाजिकल केपेबिलिटी : इकोनोमेट्रिक इविडेंस फ्राम इण्डियन फारमेस्युटिकल ऐंड इलोक्ट्रोनिक्स/इलेक्ट्रिकल फर्म्स' आक्सफोर्ड डिवलपमें स्टडीज भाग–32, अंक–1, मार्च 2004
- गुरबचन सिंह, (एस. भादुरी के साथ) 'द पालिटिक इकोनामी आफ ड्रग क्वालिटी : चैंजिंग पर्सेप्शंस ऐंड इंप्लिमेंट्स फार द इण्डियन फार्मेस्युटिकल इन्डस्ट्री, इकानोमिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 38, अंक 23, 7 जून 2003

रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- अनुराधा चिनाय, 'वुमन इन कनफ्लिक्ट जोन्स', साउथ एशियन सर्वे, सेज नई दिल्ली 11:1 (2004)
- अनुराधा चिनाए, 'जैंडर ऐंड इंटरनेशनल पालिटिक्स : द इंटरसेक्शंस आफ पेट्रिआर्की ऐंड मिलिट्राइजेशन, इण्डियन जर्नल आफ जेंडर स्टडीज, मार्च 2004
- अनुराधा चिनाए, 'लर्निंग, लिविंग ऐंड प्रेक्टिसिंग पीस, राइट्स ऐंड जैंडर इक्विटी, यूनाइटिड नेशंस, ह्यूमन सिक्युरिटी ऐंड डिग्निटी : फुलफिलिंग द प्रोमिस आफ द यूनाइटिड नेशंस, यू.एन., न्यूयार्क, 8–10 सितम्बर 2003
- जी. सचदेवा, चरण वाधवा : 'इण्डियन पर्सपेक्टिव्स आन ईस्ट एशिया', एशिया पेसेफिक फाउंडेशन आफ कनाडा वेबसाइट पर उपलब्ध।
- जी. सचदेवा, 'इण्डियन ओशन रीजन : प्रेजेंट इकोनामिक ट्रेंडस ऐंड फ्यूचर पासिबिलिटीज', इंटरनेशनल स्टडीज (सेज) 2004, भाग 41, अंक 1, पृ. 89–114
- जी. सचदेवा, 'इण्डिया ऐंड इस्टर्न यूरोप' वर्ल्ड फोकस, अक्टूबर–दिसम्बर 2003
- ए.के. पटनायक, 'रशियन माइनारिटी इन सेंट्रल एशिया' वर्ल्ड फोकस, भाग 25, अंक 3 मार्च 2004
- ए.के. पटनायक, 'इण्डिया–सेंट्रल एशिया रिलेशंस : द ग्रोइंग प्रोसपेक्ट्स', वर्ल्ड फोकस, भाग 24, अंक 10–11–12, अक्टूबर–दिसम्बर 2003

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- सी.एस.आर. मूर्ति, यू.एस. ऐंड द थर्ड वर्ल्ड ऐट द यू.एन. : ऐन एम्बीवेलेंट रिलेशनशिप', इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–40, अंक 1, पृ. 1–21, 2003
- वरूण साहनी, द केपरिटी आफ कनक्वेरर : द स्ट्रेटिजिक इम्पेक्ट आफ यू.एस. मिलिट्री इन इराक आन साउथ एशिया' हिमाल : द साउथ एशियन मैगजीन, मई 2003
- स्वर्ण सिंह, 'हु जिनताओ ऐंड द फ्यूचर आफ तिब्बत', डिफेंस ऐंड टेक्नोलाजी, नई दिल्ली, जुलाई 2003
- स्वर्ण सिंह, 'वाजपेयी'स चाइना विजिट : ऐन ओवरवियु', वर्ल्ड फोकस, नई दिल्ली, भाग–24, अंक–7, जुलाई 2003
- स्वर्ण सिंह, "काश्मीर कार्ड आन ऐज पार्ट आफ देयर सीरिज आन रिमाण्डरिंग वार' : द 1962 इण्डिया चाइना कंफ्लिक्ट"
- स्वर्ण सिंह, "हु जिनताओ'स एनडयूरिंग कनटेक्ट विद तिब्बत", इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली
- स्वर्ण सिंह, "चाइना–इण्डिया टाइज", वर्ल्ड फोकस, नई दिल्ली, अक्टूबर–नवम्बर–दिसम्बर 2003

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- पी.सी. जैन, "इण्डियन डायस्पोरा इन यमन", जर्नल आफ इण्डियन ओशन स्टडीज, 2003, भाग–11, अंक–1, पृ. 99–111
- गुलशन डायटल, "अमरीकन स्ट्रटिजिक थिंकिंग", द हिन्दू, नई दिल्ली, 3 अप्रैल 2003
- गुलशन डायटल, "म्यूजियम, मैमोरी ऐंड मैनकाइंड", द हिन्दू, 3 मई 2003

- ए.के. पाशा, "द इराक क्राइसिस", वर्ल्ड फोकस, भाग–25, अंक–1, जनवरी 2004, पृ. 3–6
- ए.के. पाशा, "इजराइल गिल्टी इन रोड मैप फेलियर", इण्डियन करंट, भाग–15, अंक 37, सितम्बर 2003, पृ. 18–21

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- एच.एस. प्रभाकर, "जापान ऐज कार्पोरेट सोसायटी (कैशा शकाई) – ऐन असेसमेंट आफ सोशल रिस्पांसिबिलिटी ड्यूरिंग रिसेशन", (सं.) सतीश तनेजा और एस.एस. वर्नेकर, भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट ऐंड रिसर्च, नई दिल्ली, सितम्बर 2003
- एच.एस. प्रभाकर, "जेपनीज स्टेट ऐंड वेलफेयर – ऐन असेसमेंट आफ डिवलपमेंट ऐंड चैलेंजिस", जर्नल आफ जेपनीज स्टडीज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस, जून 2003
- एच.एस. प्रभाकर, "इज जापान फाइनली रिकवरिंग – ऐन एनड्यूरिंग रिकवरी इज अनलाइकली", द इकोनामिक टाइम्स, 25 फरवरी 2004, पृ. 8
- अलका आचार्य (जी.पी. देशपाण्डेय के साथ), "इण्डिया–चाइना रिलेशंस – द टेरिटोरियल इम्पेरिटिव : पास्ट ऐंड प्रजेंट", इकोनोमिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 8–14 नवम्बर 2003
- अलका आचार्य (जी.पी. देशपाण्डे के साथ), "टाकिंग आफ ऐंड विद चाइना", इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, जुलाई 2003
- मधु भल्ला, "वाजपेयी'स चाइना विजिट ऐंड द इकोनामिक फालआउट", वर्ल्ड फोकस, अगस्त–सितम्बर 2003
- मधु भल्ला, "एक्ट्रिकेटिंग इण्डिया–चाइना इकोनामिक रिलेशंस फ्राम सिक्युरिटी ऐजण्डास", डिफेंस ऐंड टेक्नालाजी, अगस्त 2003

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- पी. सहदेवन, "ऐडिंग इंटर्नल वार्स : द साउथ एशियन एक्सपिरियंस", इंटरनेशनल निगोसिऐशन, (क्लुवर, नीदरलेण्ड), भाग–8, अंक–2, 2003, पृ. 213–50,
- पी. सहदेवन, "पीस इन जाफना : इम्प्रेशंस आफ ए विजिट, इकोनोमिक ऐंड पालिटिकल वीकली (मुम्बई), भाग 39, अंक 9, 28 फरवरी – 5 मार्च 2004, पृ. 890–93
- पी. सहदेवन, "इण्डिया ऐंड श्रीलंका : ए चैंजिंग रिलेशनशिप", डायलाग, नई दिल्ली, भाग 5, अंक 3, जनवरी–मार्च 2004, पृ. 142–57
- पी. सहदेवन, "इंडिया–मालदीव्स रिलेशंस", डायलाग, नई दिल्ली, भाग–5, अंक–3, जनवरी–मार्च 2004, पृ. 97–111
- जी. झा, "इण्डिया'स रिलेशनशिप विद साउथीस्ट एशिया", डायलाग तिमाही, भाग–5, अंक–3, 2004, पृ. 157–168
- के. वारिकू, हिमालयन ऐंड सेंट्रल एशियन स्टडीज शीर्षक तिमाही पत्रिका का सम्पादन कर रहे हैं।

पुस्तकें

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- आर.के. जैन, इण्डिया, द यूरोपीयन यूनियन ऐंड द डब्ल्यू.टी.ओ. (सम्पादक), नई दिल्ली, रेडियंट पब्लिशर्स, 2004
- आर.के. जैन, इण्डिया, यूरोप ऐंड चैंजिंग डायमेंशंस आफ सिक्यूरिटी, नई दिल्ली : रेडियंट पब्लिशर्स, 2004

राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र

- पुष्पेश पंत, देश और दुनिया : 21वीं सदी में विदेश नीति ग्रामशिल्पी

रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- ए.के. पटनायक, नेशंस, माइनारिटीज ऐंड स्टेटस इन पोस्ट सोवियत सेंट्रल एशिया, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2003

दक्षिण, मध्य, दक्षिण पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम गहासागरीय अध्ययन केंद्र

- एम.पी. लामा, डिसप्लेस्ड विदिन होमलेण्ड्स : द आई.डी.पी. आफ बंगलादेश ऐंड द रीजन (आर. अबरार चौधरी के साथ सम्पादित), आर.एम.एम.आर.यू., ढाका विश्वविद्यालय, 2003
- एम.पी. लामा, इण्डिया ऐज ए रिफ्यूजी होस्ट कंट्री : मैनेजमेंट, प्रेक्टिसिस ऐंड पालिसी आप्शंस (सं.) राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, 2003
- एम.पी. लामा, ग्लोरी आफ न्यू सिक्किम (संपादित), सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, सिक्किम सरकार, गंगटोक, 2003
- एम.पी. लामा, सिक्किम–मा मानव विकास : अवसर ऐंड चुनौती, योजना एवं विकास विभाग, सिक्किम सरकार गंगटोक, 2004

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- स्वर्ण सिंह, चाइना–साउथ एशिया : इश्यूज, इक्वेशंस, पालिसिज, लांसर्स बुक्स, नई दिल्ली, 2003, पृ. 428

तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक सिद्धान्त ग्रुप

- के.एम. चिनाय, (संयुक्त लेखक), द राइज आफ हिन्दू एक्स्ट्रीमिज्म ऐंड द रिप्रेशन आफ क्रिश्चियन ऐंड मुस्लिम माइनारिटीज इन इण्डिया, फ्रीडम हाउस, वाशिंगटन डी.सी., 2003

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- अब्दुल नफे, "सिविल सोसायटी ऐंड द प्रोसेस आफ पालिटिकल ऐंड इकोनोमिक लिबरलाइजेशन इन लैटिन अमरीका", लावेल एस. गुस्ताफसन और आर. सत्य पटनायक (सं.) इकानोमिक परफार्मेंस अंडर डेमोक्रेटिक रिजीम्स इन लैटिन अमरीका इन द ट्वंटीफस्ट सेंचुरी, न्यूयार्क : एडविन मिलन प्रेस, 2003
- अब्दुल नफे, "आस्ट्रेलिया'स सिक्युरिटी : ए पेराडिग्म शिफ्ट ?" डी. गोपाल और डेनिस रूगले (सं.) इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया : इश्यूज ऐंड अपरचुनिटीज, नई दिल्ली, आथर्स प्रेस, 2003
- अब्दुल नफे ने इग्नू के राजनीतिक विज्ञान विभाग के एम.ए. स्तर के निम्नलिखित अध्याय/इकाईयां लिखी :
  1. ह्यूमन सिक्युरिटी इन इंटरनेशनल रिलेशंस (अक्टूबर 2003 में लिखा)
  2. इमर्जिंग पावर्स इन द इंटरनेशनल सिस्टम्स (नवम्बर 2003 में लिखा)
  3. एप्रोचिस टु द स्टडी आफ इण्डियन फारेन पालिसी (दिसम्बर 2003 में लिखा)
  4. सिविल सोसायटी ऐंड सोशल मूवमेंट इन लैटिन अमरीका (जनवरी 2004 में लिखा)
  5. डेमोक्रेटिक ट्रांजिशन : पैटनर्स, मैकेनिज्म ऐंड प्रोसेसिस (फरवरी 2004 में लिखा)
  6. डेमोक्रेटिक कांस्टीट्युशन ऐंड इंस्टीट्युशन बिल्डिंग (मार्च 2004 में लिखा)
  7. करंट डिस्कोर्स आन स्टेट ऐंड मार्किट इन लेटिन अमरीका (मार्च 2004 में लिखा)
- अब्दुल नफे ने इग्नू के राजनीतिक विज्ञान विभाग के 'स्टेट ऐंड सोसायटी इन लेटिन अमरीका", शीर्षक कोर्स के सभी अध्यायों/ईकाइयों का सम्पादन किया।
- आर.एल. चावला, इण्डिया ऐंड द ई.यू. : फ्राम गेट टु गेट्स", आर.के. जैन (सं.) इण्डिया, द यूरोप यूनियन ऐंड डब्ल्यू.टी.ओ., नई दिल्ली 2004

राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र

- एस.के. दास, "कनवेंस इन कंजशन बिहेवियर : ए नार्थीस्ट पर्सपेक्टिव", आलोकेश बरुआ (सं.) इण्डिया'स नार्थीस्ट : डिवलपमेंट इश्युज इन ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव, मनोहर, 2004

रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- अनुराधा चिनाय, "इण्डिया–रशिया फ्यूचर स्ट्रेटिजिक ट्रेंडस", वी.डी. चोपड़ा सम्पादित पुस्तक – न्यू ट्रेंड्स इन इण्डो–रशियन रिलेशंस, कल्पज पब्लिकेशंस, दिल्ली 2003

- अनुराधा चिनाय, "जिओपालिटिक्स आफ आयल इन सेंट्रल एशिया ऐंड द केसपियन बेसिन, Alternative Sud (Paris & Spain), Economie et geopolitique du petrole points de Vue du Sud, Centre Tricontinental, Harmatten 2003
- एस.के. झा, "इण्डिया'ज रिलेशंस विद न्यू रशिया फ्राम द सोवियत डिसिंटिग्रेशन टु स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप", नलिनी कांत झा (सं.) साउथ एशिया इन 21स्ट सेंचुरी : इण्डिया, हर नेबर्स ऐंड द ग्रेट पावर्स, साउथ एशियन पब्लिशर्स प्रा.लि., नई दिल्ली, 2003
- जी. सचदेवा, अंडरस्टैंडिंग सैंट्रल एशियान इकोनामिक माडल्स", निर्मला जोशी (सं.) सैंट्रल एशिया -- द ग्रेट गेम रिप्लेड : इण्डियन पर्सपेक्टिव, न्यू सेंचुरी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2003

  ए.के. पटनायक, "स्ट्रेटिजिक गेम्स ऐंड साउथ एशिया – सेंट्रल एशिया रिलेशंस", महावीर सिंह और विक्टर क्रासिलच्चाचिकोव (सं.) यूरेसियन विजन, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली 2003
- ए.के. पटनायक "प्लूरलिज्म : रशिया ऐंड इण्डिया", अरूण मोहन्ती (सं.), इण्डिया–रशिया : डायलाग आफ सिविलाइजेशंस, गारको, 2003
- ए.के. पटनायक, "सैंट्रल एशिया ऐंड इण्डिया : द पोस्ट तालिबान प्रोस्पेक्ट्स", महावीर सिंह (सं.) इंटरनेशनल टेररीज्म ऐंड रिलिजस एक्सट्रिमिज्म : चैलेंजिस टु सैंट्रल ऐंड साउथ एशिया, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2004
- एस.के. पाण्डेय, "स्पेशल स्टेट्स ऐज पालिटिकल रिस्पोंस टु नागा प्राब्लम", दीपांकर सेनगुप्ता (सं.) टेररीज्म इन साउथ एशिया, आथर्स प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 308

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- सी.एस.आर. मूर्ति, यूनाइटिड नेशंस, पीसकीपिंग ऐंड अफ्रीका, डी. गोपाल और डी. नारायणन (स.) स्टेट ऐंड सोसायटी इन अफ्रीका, इग्नू, नई दिल्ली, 2004
- वरूण साहनी, "इंटरनेशनल रिलेशंस टीचिंग इन इण्डियन यूनिवर्सिटीज", टीचिंग आफ इंटरनेशनल रिलेशंस इन साउथ एशिया, यूनिवर्सिटीज, द यूनाइटिड स्टेट्स एज्यूकेशनल फाउंडेशन इन इण्डिया, 2003, पृ. 13–23
- स्वर्ण सिंह, "द एफिकेसि आफ सेंक्शन्स रीजीम्स : एक्सपिरियंस "फ्राम एशिया" ग्रेग मिल्स ऐंड एलिजाबेथ सिदिरोपौलस (सं.) न्यू टुल्स फार रिफार्म ऐंड स्टेबिलिटी : सेंक्शंस, कंडिशनेलिटीज ऐंड कनफ्लिक्ट रिजोल्युशन, द साउथ अफ्रीकन इंस्टीच्युट आफ इंटरनेशनल अफेयर्स, जोहानसबर्ग, 2004, पृ. 37–62
- स्वर्ण सिंह, "चाइना'स साउथ एशियन पालिसी", महावीर सिंह और विक्टर क्रासिच्तचिकोव (सं.) यूरेसियन वीजन, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2003
- स्वर्ण सिंह, "चाइना ऐंड साउथ एशियन सिक्युरिटी कम्प्लेक्स", वी.टी. पाटिल और नलिनी कांत झा (सं.) इण्डिया इन ए टुर्बुलेंट वर्ल्ड : पर्सपेक्टिव्स इन फारेन ऐंड सिक्युरिटी पालिसीज साउथ एशियन पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2003
- स्वर्ण सिंह, "चाइना'स अफगान पालिसी : लिमिटेशंस ऐंड लिबरेजिस", प्रो. के. वारिकू (सं.) अफगानिस्तान क्राइसिस : इश्युज ऐंड पर्सपेक्टिव्स, भवन बुक्स, नई दिल्ली, 2003
- स्वर्ण सिंह, "स्ट्रेटिजिक ट्रायंगल ऐंड द बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस, जाइल्स बोक्युरेट और फ्रेडरिक गरारे (सं.) इण्डिया, चाइना, रशिया इट्रीकेसिस आफ ऐन ट्रायंगल इण्डिया रिसर्च प्रेस, नई दिल्ली, 2003, पृ. 173

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- जी. डायटल, "अमरिकन वार्स आल इट्स, फ्लैंक्स : इरानियन पर्सेप्शंस ऐंड पालिसीज", सलमान हैदर (सं.) द अफगान वार ऐंड इट्स जिओपालिटिकल इंप्लिकेशंस फार इण्डिया, मनोहर पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2004
- ए.के. पाशा, "यू.एस.ए. ऐंड द रेडिकल मुस्लिम स्टेट्स", यू.एस.ए. ऐंड द मुस्लिम वर्ल्ड : कोआप्रेशन ऐंड कनफ्रंटेशन, ब्रुनेल अकादमिक पब्लिशर्स, लंदन, 2004, पृ. 178–219

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- एच.एस. प्रभाकर, "जेपनीज मैनेजमेंट प्रैक्टिसिज चैलेंजिस ऐंड कंट्राडिक्शंस", जापान ऐंड साउथ एशिया (सं.) एम. धर्मदासामी, कनिष्का पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2003

- एच.एस. प्रभाकर, "ईस्ट एशियन रीजनलीज्म ऐंड आस्ट्रेलिया", आस्ट्रेलिया ऐंड इण्डिया इन द एशिया पेसिफिक", (सं.) डी. गोपाल और डेनिस रूमले, शिप्रा पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2004
- लालिमा वर्मा, "जापान/इण्डिया : बियोंड ट्रेड ऐंड इनवेस्टमेंट", (सं.) एम.डी. धर्मदासागी, जापान रोल'स इन साउथ एशिया, कनिष्का, 2003

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- पी. सहदेवन, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड श्रीलंका, अचीन विनायक (सं.), ग्लोबलाइजेशन ऐंड साउथ एशिया : मल्टिडाइगेंशनल पर्सपेक्टिव्स, मनोहर पब्लिशर्स, 2004, पृ. 118–37
- पी. सहदेवन, "श्रीलंका'स वार फार पीस ऐंड द लिट्टे'ज कमिटमेंट टु आर्म्ड स्ट्रगल, ओ.पी. मिश्र (सं.) टेररिज्म ऐंड लो इंटेनसिटी कंफ्लिक्ट इन साउथ एशिया, मानक पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2003, पृ. 284–315
- पी. सहदेवन, "द अदर तमिल्स : एथनिसिटी ऐंड आइडेंटिटी आफ इण्डियन तमिल्स आफ श्रीलंका", (सं.) बोनिता एलियाज, एथनिसिटी, नेशन ऐंड माइनारिटीज : द साउथ एशियन सिनारियो, मानक पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2003, पृ. 187–207
- पी. सहदेवन, "फोर्स्ड टु फ्ली : श्रीलंकन तमिल रिफ्युजीस इन इण्डिया", ओ.पी. मिश्रा और ए.जे. मजुमदार (सं.), द ऐल्सवेयर पीपल : क्रास–बार्डर माइग्रेशन, रिफ्युजी प्रोटेक्शन ऐंड स्टेट रिस्पांस, लांसर्स बुक्स, नई दिल्ली, 2003, पृ. 63–82
- जी. झा, "आस्ट्रलिया ऐंड साउथीस्ट एशिया", डी. गोपाल (सं.) आस्ट्रेलिया ऐंड द एशिया पेसिफिक, शिप्रा, नई दिल्ली, 2003
- आई.एन. मुखर्जी, "नेपाल ऐंड ग्लोबलाइजेशन", अचिन विनायक (सं.), ग्लोबलाइजेशन इन साउथ एशिया, अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, मनोहर पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, पृ. 105–117
- आई.एन. मुखर्जी, "रिफार्म आफ इण्डिया'ज इम्पोर्ट रिजीम : द टास्क अहेड", वि.अ.आ. द्वारा वित्तपोषित "डिकेड आफ इकोनामिक रिफार्म : ऐन एसेसमेंट" विषयक संगोष्ठी की कार्यवाई में प्रकाशित, मनजीत सिंह, कालिंदी कालेज, वार्षिक अकादमिक पत्रिका भाग–3, 2003–2004, पृ. 29–35, मार्च 2004
- के. वारिकू "रिलिजियस एक्स्ट्रीमिज्म ऐंड टेररिज्म इन कश्मीर", इंटरनेशनल टेररिज्म ऐंड रिलिजियस एक्स्ट्रीमिज्म : चैलेंजिस टु सैंट्रल ऐंड साउथ एशिया, महावीर सिंह द्वारा सम्पादित, दिल्ली 2004, पृ. 253–262
- एम.पी. लामा, "पावर्टी, माइग्रेशन ऐंड कंफ्लिक्ट : चैलेंजिस टु ह्युमन सिक्युरिटी इन साउथ एशिया", पी.आर. चारी और सोनिका गुप्ता (सं.), ह्युमन सोसायटी इन साउथ एशिया : एनर्जी जैंडर माइग्रेशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन, सोशल साइंस प्रेस, नई दिल्ली, 2003
- एम.पी. लामा, "द माओइस्ट मूवमेंट इन नेपाल : द इकोनोमिक इंप्लिकेशंस", श्रीधर खत्री और गर्त वी. कुएक (सं.) टेररीज्म इन साउथ एशिया : इम्पेक्ट आन डिवलपमेंट ऐंड डेगोक्रेटिक प्रोसेस, शिप्रा, नई दिल्ली, 2003
- एम.पी. लामा, "टेक्नालाजी, को–आप्रेशन अमंग द बी.आई.एस.एस.टी.–ई.सी. कंट्रीज : इश्यूज, चैलेंजिस ऐंड अपरचुनिटीज, बी.आई.आई.एस.एस. जर्नल, जुलाई, 2003, भाग–24, अंक–3, ढाका, बंग्लादेश

तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक सिद्धान्त ग्रुप

- के.एम. चिनाय, "रि–इग्जामिंग नेशनल सिक्युरिटी", (सं.) एल.एस. चावला और ए. मित्रा, साउथ एशिया इन क्वेस्ट फार पीस ऐंड हैल्थ, आई.डी.पी.डी. ऐंड आई.पी.पी.एन.डब्ल्यू., नई दिल्ली, 2004

शोध परियोजनाएं

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- अब्दुल नफे, 4 वर्ष पहले एक अप्रायोजित शोध परियोजना – एथनिसिटी ऐंड पालिटिक्स इन द कैरेबियन शुरू की थी। यह परियोजना अब पूरी हो चुकी है। किन्हीं कारणों से पिछले वर्ष परियोजना रिपोर्ट प्रकाशित नहीं की जा सकी। चालू वर्ष में इस रिपोर्ट को प्रकाशित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

- बी. विवेकानंदन, यूरोपीयन यूनियन ऐंड द इमर्जिंग ग्लोबल सिस्टम्स
- आर.के. जैन, इण्डो–जर्मन रिलेशन, 1949–2002
- आर.के. जैन, द यूरोपियन यूनियन ऐंड सार्क
- के.पी. विजयलक्ष्मी, वुमन'स पालिटिकल पार्टिसिपेशन इश्युज आफ जेंडर इन अमरीका ऐंड इण्डियन पालिटिक्स (अप्रायोजित)
- के.पी. विजयलक्ष्मी, इण्डियन डायस्पोरा इन द यूनाइटिड स्टेट्स ऐज पार्ट आफ द ज्वाइंट टास्क फोर्स सेटअप बाई ओ.आर.एफ. (इण्डिया) ऐंड पेसिफिक काउंसिल (यू.एस.) – इस परियोजना का उद्देश्य इण्डो–यू.एस. सम्बन्धों का अध्ययन करना है।

राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र

- अमित एस. रे, "मैनेजिंग पोर्ट रिफार्म्स इन इण्डिया : केस स्टडी आफ जे.एन.पी.टी.", विषयक शोध अध्ययन का उद्देश्य वर्ल्ड डिवलपमेंट रिपोर्ट (डब्ल्यू.डी.आर. 2005) तैयार करना है। इस शोध अध्ययन के प्रायोजक हैं वर्ल्ड बैंक, वाशिंगटन डी.सी. (दिसम्बर 2003 – जनवरी 2004)
- अमित एस. रे, "आर ऐंड डी. इनसेंटिव्स इन इण्डिया : स्ट्रक्चरल चैंजिस ऐंड इम्पेक्ट (विद केस स्टडीज आफ फार्मेस्युटिकल ऐंड फूड प्रोसेसिंग सेक्टर्स) विषयक शोध परियोजना के प्रायोजक हैं विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, (अप्रैल 2002 – जून 2003)

रूसी, मध्य, एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- ए.के. पटनायक, सेंट्रल एशिया : जिओपालिटिक्स, सिक्युरिटी ऐंड रीजनल स्टेबिलिटी, मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्युट आफ एशियन स्टडीज, कलकता, 2003–04
- एन.एम. जोशी, सैंट्रल एशिया'स सिक्युरिटी कनसर्न्स : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया, सहयोगकर्ता – विदेश मंत्रालय, भारत सरकार
- एस.के. पाण्डेय, "एसिमिट्रिकल फेडरलीज्म इन इण्डिया : ए कम्पेरिटिव पर्सपेक्टिव", विषयक वि.अ.आ. परियोजना (चल रही है।)

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- पी.सी. जैन, "नान रेजिडेंट इण्डियन एंटरप्रिनुअर इन द गल्फ : ए केस स्टडी आफ द यूनाइटिड अरब अमीरात", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 1 मार्च 2004

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- अब्दुल नफे ने 24 अप्रैल 2003 को केंद्र तथा शान्ति अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अमरीका ऐंड द मुस्लिम वर्ल्ड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कनसेप्ट आफ सिविल सोसायटी इन इस्लाम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अब्दुल नफे ने 29–30 सितम्बर 2003 को जेएनयू, ई.यू.एस.पी. तथा राजनीति विज्ञान संस्थान, लिपजिंग विश्वविद्यालय, लिपजिंग, जर्मनी द्वारा आयोजित 'पालिटिकल ऐंड सोशल ट्रांजिशन इन इण्डिया ऐंड यूरोप' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कम्युनलिज्म ऐंड द इण्डियन डेमोक्रेटिक प्रोसेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अब्दुल नफे ने 28 फरवरी 2004 को गलेंडन कालेज, यार्क विश्वविद्यालय, टोरन्टो, कनाडा द्वारा आयोजित 'इण्डिया : द चैलेंजिस टु ऐन इमर्जिंग पावर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नेचर ऐंड चैलेंज आफ कम्युनलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी. विवेकानंदन ने 29–30 सितम्बर 03 को लिपजिंग में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'वेलफेयर स्टेट्स इन यूरोप व्यूड फ्राम इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.एस. राज ने 24 अप्रैल 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'अमरीका ऐंड द मुस्लिम वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी में 'अमरीका'स वार आन टेररिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सी.एस. राज ने 16 जून 2003 को रोटरी क्लब, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'इमर्जिंग ओल्ड आर्डर आफ्टर वार आन इराक' विषयक परिचर्चा की।
- सी.एस. राज ने 10 सितम्बर 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'सिविल लिबर्टीज इन यू.एस. सिंस 9/11' संगोष्ठी में 'अमरीकन सिविल लिबर्टीज आफ्टर 9/11' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया। इसमें मुख्य वक्ता थे डा. पीटर बुरलिग।
- सी.एस. राज ने 30 जनवरी 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में राजदूत कार्ल एफ. इंदुरफुर्थ, जार्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत 'कमंट आन चैलेंजिस टु अमरीकन फारेन पालिसी' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- सी.एस. राज ने 24 फरवरी 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'सिविल लिबर्टीज इन यू.एस. सिंस 9/11' विषयक संगोष्ठी में 'यू.एस.ए. पेट्रिओट एक्ट ऐंड अमरीकन सिविल लिबर्टीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता – प्रो. स्टीफन साल्ज्बर्ग, जार्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी
- सी.एस. राज ने 2 मार्च 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली में कनाडियन डिपार्टमेंट आफ फारेन अफेयर्स ऐंड इंटरनेशनल ट्रेड की अधिकारी सुश्री केरोलिना लेपलांते को जेएनयू के कनाडियन अध्ययन के बारे में बताया।
- सी.एस. राज ने 26 मार्च 2004 को भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में 'अमेरिकन ज्युइश हिस्टोरिकल एक्सपिरियंस ऐंड पर्सेप्शन इन अमरीका' शीर्षक विशेष व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 30–31 मई 2003 को ई.यू. स्टडीज एसोसिएशन आफ कोरिया, सियोल, द्वारा आयोजित 'यूरोपीयन इंटिग्रेशन ऐंड द एशिया–पेसिफिक रीजन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'साउथ एशिया ऐंड यूरोपीय इंटिग्रेशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 29–30 सितम्बर 2003 को लिपजिंग, जर्मनी में आयोजित 'पालिटिकल ऐंड सोशल ट्रांजिशन इन इण्डिया ऐंड यूरोप' विषयक संगोष्ठी में 'माइग्रेशन इन द यूरोपीयन यूनियन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. जैन ने 28 फरवरी 2004 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में एसोसिएशन आफ इण्डियन डिप्लोमेट्स द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड द न्यू यूरोप' विषयक संगोष्ठी में 'इण्डिया ऐंड द न्यू यूरोप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. जैन ने 6–7 नवम्बर 2003 को जेएनयू यूरोपीयन यूनियन स्टडीज प्रोग्राम, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मल्टी कल्चरलिज्म इन इण्डिया ऐंड यूरोप' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'राइट–विंग एक्स्ट्रीमिज्म इन फ्रांस ऐंड जर्मनी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.एल. चावला ने 19–20 फरवरी 2004 को नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया'ज एनर्जी सिक्युरिटी ऐंड द गल्फ' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फ्राम आयल टु गैस : ए केस स्टडी आफ ओमान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.एल. चावला ने 26 मार्च 2004 को नई दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन इन द गल्फ : इमर्जिंग चैलेंजिस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्लोबलाइजेशन द ओमानी इकानोमी : अपरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.एल. चावला ने 29–30 मार्च 2004 को नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया ऐंड इण्डियन डायस्पोरा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इण्डियन डायस्पोरा इन द कैरेबियन : देयर इकानोमिक रोल ऐंड द कन्ट्रब्युशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी. महापात्रा ने 27 से 30 जून 03 को यूनिवर्सिटी आफ ओटागो, दुनेदिन, न्यूजीलेण्ड में आयोजित '38थ ओटागो फारेन पालिसी स्कूल' में 'एथिकल डायमेंशन आफ इण्डियन फारेन पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी. महापात्रा ने 3 जुलाई 2003 को इंस्टीट्यूट आफ साउथीस्ट एशियन स्टडीज, सिंगापुर में 'इण्डिया ऐंड द यू.एस.' विषयक व्याख्यान दिया।

- **सी. महापात्रा** ने 27–28 जनवरी 04 को आई.डी.एस.ए. द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित 'एशियन सिक्युरिटी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- **सी. महापात्रा** ने 14 से 16 फरवरी 04 तक एशियन फाउंडेशन, ढाका, बांगलादेश द्वारा आयोजित 'यू.एस. पालिसी टुवर्ड्स साउथ एशिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- **सी. महापात्रा** ने 23 से 25 जनवरी 04 तक जर्मन अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'रिथिंकिंग द आइडिया आफ यूरोप : कल्चर स्टडीज ऐज यूरोपीयन स्टडीज' विषयक कार्यशाला में यू.एस. टर्की ऐंड ई.यू. एनलार्जमेंट' शीर्षक परिचर्चा और व्याख्यान दिया।
- **सी. महापात्रा** ने 10–11 मार्च 04 को आई.आई.सी. में आयोजित एस.आई.एस. – एम.ई.ए. गोष्ठी में 'यू.एस. रिस्पोंस टु पीस ऐंड कनफिलक्ट इन एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी** – इंटरनेशनल रिलेशंस पर्सपेक्टिव आन कम्प्रीहेंसिव सिक्युरिटी, पुणे विश्वविद्यालय, अगस्त 2003
- **के.पी. विजयलक्ष्मी**, बैलेंसिंग नेशनल सिक्युरिटी विद सिविल लिबर्टीज : ए कम्पेरिजन आफ यू.एस. ऐंड इण्डिया आफ्टर 9–11, एस.आई.एस., जेएनयू, सितम्बर 2003
- **के.पी. विजयलक्ष्मी**, इण्डो–यू.एस. रिलेशंस : ट्रेसिंग द ट्राजेक्ट्री, आई.पी.सी.एस. नई दिल्ली, अक्टूबर 2003
- **के.पी. विजयलक्ष्मी**, जेंडर अप्रोच टु नान–ट्रेडिशनल सिक्युरिटी डिस्कोर्स इन साउथ एशिया, 'विसकोम्प', नई दिल्ली, दिसम्बर 2003
- **के.पी. विजयलक्ष्मी** ने 25 नवम्बर 2003 को आयोजित 'दिल्ली पालिसी ग्रुप' विषयक संगोष्ठी तथा गोलमेज परिचर्चा में आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी** ने 18 दिसम्बर 2003 को आयोजित 'दिल्ली पालिसी ग्रुप' विषयक संगोष्ठी और गोलमेज चर्चा में 'पर्सपेक्टिव्स फ्राम अफगानिस्तान ऐंड पाकिस्तान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी** ने 5–6 जनवरी 2004 को जयपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वुमन ऐंड पीस पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी** ने 17 से 19 जनवरी 2004 तक रीजनल सेंटर आफ स्ट्रेटिजिक स्टडीज, मुम्बई द्वारा आयोजित 'द रोल आफ सिविल सोसायटी इन द प्रिवेंशन आफ आर्म्ड कंफिलक्ट इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में 'चैंजिंग रोल आफ वुमन इन कंफिलक्ट ऐंड पीस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी** ने 16–17 फरवरी 2004 को आयोजित 'जम्मू कंफिलक्ट ऐंड कोआप्रेशन इन साउथ एशिया' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चैंजिंग यू.एस. पर्सेप्शंस ऐंड गोल्स इन साउथ एशिया फार इण्डिया–पाकिस्तान टेंशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी** ने 2 से 5 मार्च 2004 तक रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, डायरेक्टोरेट आफ नेट असेसमेंट्स, हैडक्वार्टर्स इंटिग्रेटिड डिफेंस स्टाफ द्वारा आयोजित 'इमर्जिंग सिक्युरिटी एनवायरनमेंट, एस्कोलेशन डायनेमिक्स ऐंड रिस्क मैनेजमेंट इन साउदर्न एशिया' विषयक संगोष्ठी व कार्यशाला में 'रिथिंकिंग सिक्युरिटी : टुवर्ड्स ए कम्प्रीहेंसिव सिक्युरिटी एप्रोच, इंप्लिकेशंस फार साउदर्न एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी** ने 29–30 मार्च 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इण्डियन डायस्पोरा पालिटिकल ऐंड कमर्शियल रोल इन यू.एस.' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र

- **एस.के. दास** ने 15 दिसम्बर 2003 को डिपार्टमेंट आफ इकोनामिक्स, यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, रीवर साइड, यू.एस.ए. में आयोजित सम्मेलन में 'ज्वाइंट वेंचर ऐंड एक्सपोर्ट पेसिमीज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मनोज पंत** ने 29 से 31 जुलाई 2003 तक सियोल, दक्षिण कोरिया में कोरियन इंस्टीट्यूट फार इकानोमिक पालिसी, दक्षिण कोरिया और एन.सी.ए.ई.आर., भारत द्वारा प्रायोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साउथ कोरिया एफ.डी.आई. इन इण्डिया : ए बिहेवियरल स्टडी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मनोज पंत** ने 19 फरवरी 2004 को लंदन में कंजुमर एसोसिएशन आफ यू.के. द्वारा प्रायोजित सम्मेलन में 'इण्डिया'ज पोस्ट केनकन कनसंर्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- मनोज पंत ने 16–17 मार्च 2004 को टी.आर.ए.एल.ए.सी. और आई.डी.आर.सी., केपटाउन, साउथ अफ्रीका द्वारा प्रायोजित सम्मेलन में इण्डिया'ज कम्पीटिशन पालिसी : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरबचन सिंह ने 13–14 दिसम्बर 2003 को विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र, जेएनयू, में आयोजित 'रेग्यूलेशन : इंस्टीट्युशनल ऐंड लीगल डायमेंशंस' विषयक संगोष्ठी में 'रोल आफ द लेंडर आफ लास्ट रिसोर्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरबचन सिंह ने 8 सितम्बर 2003 को केंद्र के अथशास्त्र प्रभाग में 'थीअरि आफ क्रेडिट क्रिएशन रिकंसीडर्ड' सम्मेलन में भाग लिया।
- गुरबचन सिंह ने जनवरी 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में 'न्यू मोनेटरी इकोनोमिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरबचन सिंह ने जनवरी 2004 में अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में 'फाइनेंस इन इण्डिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- गुरबचन सिंह ने 2 अप्रैल 2003 को केंद्र के अर्थशास्त्र प्रभाग में 'ग्लोबल डिवलपमेंट फाइनेंस 2003' विषयक चर्चा की।
- अमित एस. रे ने अक्टूबर 2003 में इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज, कोलकाता, कोलकाता यूनिवर्सिटी, अलीपुर कैम्पस, कोलकाता में आयोजित 'पब्लिक हैल्थ इन इण्डिया : कोलोनियल ऐंड पोस्ट कोलोनियल एक्सपिरियंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द इण्डियन फार्मेस्युटिकल इंडस्ट्री ऐट क्रासरोड्स : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया'ज हैल्थ केयर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित एस. रे ने मार्च 2004 में सप्रू हाउस, नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय और अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'इण्डिया ऐंड इमर्जिंग एशिया' शीर्षक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अमित एस. रे ने इण्डिया ऐंड एशिया इन वर्ल्ड इकोनोमी : द रोल आफ ह्यूमन केपिटल ऐंड टेक्नोलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अमित एस. रे ने मार्च 2004 में सी.एस.एस.पी. जेएनयू में आयोजित सांइस टेक्नालोजी ऐंड सोसायटी स्टडीज विषयक राष्ट्रीय शोध कार्यशाला में भाग लिया।
- अमित एस. रे ने अप्रैल 2003 को सी.एस.एम.सी.एच., जेएनयू में आयोजित 'मैकिंग इसेनशियल ड्रग्स अवेलेबल फार द पुअर इन इण्डिया : चैलेंजिस इन पालिसी ऐंड इंप्लिमेंटेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- अनुराधा चिनाय ने 8 से 10 सितम्बर 2003 तक न्यूयार्क में आयोजित 'ह्यूमन सिक्युरिटी ऐंड डिगनिटी : फुलफिलिंग द प्रोमिस आफ द यूनाइटिड नेशंस' विषयक संयुक्त राष्ट्र संगोष्ठी में 'पीस ऐंड सिक्युरिटी (ऐंड जैंडर) ऐंड रोल आफ गवर्नमेंट्स ऐंड एन.जी.ओ'स इन अचिविंग मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स इन एज्यूकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अनुराधा चिनाय ने 4–5 नवम्बर 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, यूरोपीय अध्ययन कार्यक्रम द्वारा आयोजित 'मल्टीकल्चरलिज्म इन इण्डिया ऐंड यूरोप' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जैंडर ऐंड मल्टीकल्चरलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अनुराधा चिनाय ने 26 नवम्बर से 3 दिसम्बर 2003 तक सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित 'एशिया आफ्टर 9–11 : सिविल सोसायटी इनिशिएटिव्स फार बिल्डिंग डेमोक्रेसी' विषयक संगोष्ठी एवं कार्यशाला में भाग लिया।
- एन.एग. जोशी ने 5 से 7 नवम्बर 2003 तक ताशकंद में आयोजित 'थर्ड इंडिया–सेंट्रल एशिया' विषयक क्षेत्रीय सम्मेलन में भारतीय शिष्टमण्डल के सदस्य के रूप में भाग लिया और 'रीजनल इकोनोमिक कोआप्रेशन ऐंड ट्रांसपोर्ट लिंकेजिस विद सेंट्रल एशिया : ऐन इण्डियन पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्ररतुत किया।
- एन.एग. जोशी ने सेंटर फार रीजनल ऐंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड सेंट्रल एशिया : बाइलेट्रल डायमेंशंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- एन.एम. जोशी ने 1 से 3 मार्च 2004 तक आस्था भारती और आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सेंट्रल एशिया : फ्राम क्लासिकल टु कंटेम्पोरेरि' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जिओपालिटिकल पर्सपेक्टिव्स आन सेंट्रल एशिया : ऐन इंडियन व्यू' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.एम. जोशी ने 9–10 मार्च 2004 को सेंटर फार सेंट्रल यूरेशियन स्टडीज, मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'सेंट्रल एशिया'स रीजनल सिक्युरिटी एनवायरनमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.एम. जोशी ने 22–23 मार्च 2004 को केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चैंजिंग पर्सपेक्टिव्स आन सिक्युरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पटनायक ने 29 से 31 मार्च 2004 तक मौलाना अबुल कलाम इंस्टीट्युट आफ एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित 'बिल्डिंग ए न्यू एशिया : प्राबलम्स ऐंड प्रोसपेक्टस आफ रीजनल ऐंड पैन–एशिया कोआप्रेशन फार सिक्युरिटी ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एशियन पावर्स ऐंड सेंट्रल एशिया'स सिक्युरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पटनायक ने 25–26 फरवरी 2004 को जम्मू में जम्मू विश्वविद्यालय और मुख्यालय–16 कोर्प्स द्वारा आयोजित 'सेंट्रल एशिया : प्रजेंट चैलेंजिस ऐंड फ्यूचर प्रोसपेक्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एथनिसिटी ऐंड नेशनलिज्म इन सेंट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पटनायक ने 23–24 मार्च 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान जेएनयू और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंडियन कांउसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स, सप्रू हाउस, नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया ऐंड इमर्जिंग एशिया' विषयक संगोष्ठी में 'सेंट्रल एशिया'ज सिक्यूरिटी ऐंड इकोनोमिक ट्रेंड्स : एशिया लिंकेजिस' शीर्षक आलेख (डा. गुलशन सचदेवा के साथ) प्रस्तुत किया।
- ए.के. पटनायक ने 23–24 मार्च 2004 को केंद्र द्वारा आयोजित 'अंडरस्टैंडिंग सिस्टमिक ट्रांजिशन इन रशिया ऐंड सी.आई.एस.' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नेशंस ऐंड नेशनलिज्म इन सेंट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. झा ने 3–7 दिसम्बर 2003 को आई.आई.टी., खड़गपुर में आयोजित 27वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस में भाग लिया और 'इंटरनेशनल रिलेशन इन द ईरा आफ ग्लाबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. झा ने 3–7 दिसम्बर 2003 को आई.आई.टी., खड़गपुर में आयोजित 27वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस में भाग लिया और 'इंटरनेशनल रिलेशंस, डिफेंस ऐंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज' शीर्षक अन्तरविषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- एस.के. झा ने 20 से 22 फरवरी 2004 तक जेएनयू में आयोजित 'ग्लोबल क्वेस्ट फार पार्टिसिपेट्री डेमोक्रेसी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'एक्सपिरियंसिस आफ डेमोक्रेटाइजेशन इन द पोस्ट–सोवियत स्पेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. झा ने 20 से 22 फरवरी 2004 तक जेएनयू में आयोजित 'ग्लोबल क्वेस्ट फार पार्टीसिपेट्री डेमोक्रेसी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'नार्दन पर्सपेक्टिव्स आन द पार्टीसिपेट्री डेमोक्रेसी' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- एस.के. झा ने 23–24 मार्च 2004 को केंद्र द्वारा आयोजित 'अंडरस्टेडिंग सिस्टमिक ट्रांजिशन इन रशिया ऐंड द सी.आई.एस.' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रेजेंटेशन आन डेमोक्रेटाइजेशन इन रशिया ऐंड द सी.आई.एस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. सचदेवा ने 1 अगस्त 2003 को इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स द्वारा आयोजित 'इण्डिया, सेंट्रल एशिया एनर्जी ऐंड ट्रांसपोर्ट लिंक्स आफ फ्यूचर' विषयक संगोष्ठी में 'इण्डिया – सेंट्रल एशिया इकोनोमिक रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. सचदेवा ने 5–6 दिसम्बर 2003 को सेंटर फार पालिसी रिसर्च, नई दिल्ली और इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल पालिटिक्स ऐंड इकोनोमिक्स, बेलग्रेड द्वारा आयोजित 'फर्स्ट इण्डिया–सेबिया ऐंड मोंटेनिग्रा डायलाग' में 'इण्डियन एक्सपिरियंस विद रीजनल इकोनोमिक इंटिग्रेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- जी. सचदेवा ने 9–10 दिसम्बर 2003 को अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'आइडेंटिटी ऐंड जिओपालिटिक्स इन सेंट्रल एशिया 1991–2003' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द पालिटिकल इकोनामी आफ सेंट्रल एशियान ट्रांसफार्मेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. सचदेवा ने 21 से 23 जनवरी 2004 तक पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ और उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित 'मिडवेस्ट ऐंड सेंट्रल एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मेक्रोइकोनोमिक डिवलपमेंट इन सेंट्रल एशिया, 1992–2002' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. सचदेवा ने 1–3 मार्च 04 को आई.आई.सी. में आस्था भारती और आई.सी.सी.आर. द्वारा आयोजित 'इंडिया ऐंड सेंट्रल एशिया – क्लासिकल टु कनटेम्पोरेरि पीरियड' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इकोनामिक चैंजिस इन सेंट्रल एशिया ऐंड इण्डियन रिस्पांस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जी. सचदेवा ने 23–24 मार्च 2004 को केंद्र द्वारा आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग सिस्टेमिक ट्रांजिशन इन रशिया ऐंड द सी.आई.एस' विषयक संगोष्ठी में 'थिओराइजिंग पोस्ट–सोशलिस्ट इकोनामिक ट्रांसफार्मेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- असगर ताहिर ने 23–24 मार्च 2004 को केंद्र द्वारा आयोजित 'अंडररटेंडिंग सिस्टमिक ट्रांजिशन इन रशिया ऐंड द सी.आई.एस.' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एग्रेरियन ट्रांजिशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. पाण्डेय ने 17–18 फरवरी 2004 को इंस्टीट्यूट आफ पालिटिकल ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज, तेहरान द्वारा आयोजित 'पर्शियन गल्फ : रीजनल डिवलपमेंट्स इन द आफ्टरमैथ आफ इराक आक्युपेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'क्वाड्रेंगल फार पीस : द नीड फार इण्डिय–ईरान–रशिया–चाइना – पार्टनरशिप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. पाण्डेय ने 29–30 मार्च 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू और भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड इण्डियन डायस्पोरा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इण्डियन डायस्पोरा इन सेंट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. पाण्डेय ने 23–24 मार्च 2004 को केंद्र द्वारा आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग सिस्टमिक ट्रांजिशन इन रशिया ऐंड द सी.आई.एस.' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फेडरलिज्म ऐज एन एंटीडोट टु नेशनलिज्म इन रशिया ऐंड द सी.आई.एस.' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. पाण्डेय ने 3–7 दिसम्बर 2003 को आई.आई.टी., खड़गपुर में इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, खड़गपुर और इण्डियन सोसायटी आफ सोशल साइंसिस, इलाहाबाद द्वारा आयोजित 'फोकल थीम : चैलेंजिस टु डेमोक्रेसी इन इण्डिया' विषयक 27वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस में 'अकोमोडेशन आफ नेशनल माइनारिटीज इन फेडरल पालिटीकल सिस्टम : लेसन्स फार इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. पाण्डेय ने 28–29 जनवरी 2004 को सेठ मोतीलाल पोस्ट–ग्रेजुएट कालेज, झुंझुनू, राजस्थान द्वारा आयोजित 'ह्यूमन राइट्स : प्रोटेक्शन, प्रमोशन ऐंड चैलेंजिस' विषयक संगोष्ठी में 'ह्यूमन राइट्स इन इंटरनेशनल रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फूल बदन ने 23–24 मार्च 2004 को केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्टेट डेमोक्रेसी ऐंड मीडिया इन सेंट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- भारवती सरकार ने मार्च 2003 में केंद्र द्वारा आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग सिस्टमिक ट्रांजिशन इन रशिया ऐंड द सी.आई.एस' विषयक संगोष्ठी में 'नेशनलिज्म ऐंड द रशियन नेशन बिल्डिंग एक्सपिरियंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- गुलशन डायटल ने 2 अप्रैल 2003 को जेएनयू शिक्षक संघ द्वारा आयोजित 'यू.एस. वार आन इराक' विषयक संगोष्ठी में 'द शिया'ज इन इराक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन डायटल ने 28 जून 2003 को इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स द्वारा आयोजित वेस्ट एशिया : पीस प्रोस्पेक्ट्स' शीर्षक संगोष्ठी में पेनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

- गुलशन डायटल ने 8 अक्टूबर 2003 को इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स द्वारा आयोजित 'वेस्ट एशिया : इज द रोडमैप टेटर्ड ?' विषयक संगोष्ठी में पेनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- गुलशन डायटल ने 21–22 अक्टूबर 2003 को सेंटर आफ सेंट्रल एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ कश्मीर, श्रीनगर द्वारा आयोजित 'रिकंस्ट्रक्शन आफ अफगानिस्तान : प्रोस्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिस' विषयक संगोष्ठी में 'वारलार्ड्स ऐंड अफगान रिकंस्ट्रक्शन : द केस आफ इस्माईल खान आफ हार्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता भी की। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि भी थीं।
- गुलशन डायटल ने 22–23 अक्टूबर 2003 को राजनीति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा आयोजित 'रिथिंकिंग साउथ एशियन सिक्युरिटी' विषयक संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- गुलशन डायटल ने 10 से 12 दिसम्बर 2003 तक नेहरू स्मारक पुस्तकालय द्वारा आयोजित 'नरेटिव्स आफ द सी : एनकेपसुलेटिंग द इण्डियन ओशन वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- गुलशन डायटल ने 19–20 फरवरी 2004 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम द्वारा आयोजित 'इण्डिया'ज एनर्जी सिक्युरिटी ऐंड द गल्फ' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और 'स्टेबिलिटी इन द गल्फ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन डायटल ने 8–9 मार्च 2004 को आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'ईरान टवेंटीफाइव इयर्स आफ्टर द रिवोल्युशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और 'ईरान ऐंड द अमरीका वार्स आन इट्स फ्लेंक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
- गुलशन डायटल ने 17–18 मार्च 2004 को कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा आयोजित 'द सैंट्रल एशियन रिस्पांस टु द न्यू वर्ल्ड आर्डर' विषयक संगोष्ठी में 'द केसपियन सी : पोटेंशियल्स ऐंड प्रास्पेक्टस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन डायटल ने 26 मार्च 2004 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इमर्जिंग इश्यूज इन द गल्फ' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 7–8 अक्टूबर 2003 को गोवा विश्वविद्यालय, पणजी द्वारा आयोजित 'द रेलिवेंस आफ एशियन स्टडीज इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और 'टवंटीफाइव इयर्स आफ गल्फ स्टडीज प्रोग्राम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 21–22 अक्टूबर 2003 को सेंटर फार सेंट्रल एशियन स्टडीज, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा आयोजित 'रिकंस्ट्रक्शन आफ अफगानिस्तान : प्रोस्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिस' विषयक संगोष्ठी में दो सत्रों की अध्यक्षता की और 'द अफगान इश्यू : द वेस्ट एशियन फेक्टर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 22–23 अक्टूबर 2003 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा आयोजित 'रिकंस्ट्रक्शन आफ अफगानिस्तान : प्रोस्पेक्ट्स ऐंड चैलेंजिस विषयक संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की और 'कश्मीर इश्यू ऐंड इट्स लिंक्स विद वेस्ट एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 6 दिसम्बर 2003 को अरब थाट फाउंडेशन, बेरूत, लेबनान द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इण्डिया ऐंड द अरब वर्ल्ड इन द टवंटी फर्स्ट सेंचुरी आफ इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 20 फरवरी 2004 को केंद्र के खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, अ.अ.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'इण्डिया'ज एनर्जी सिक्युरिटी ऐंड द गल्फ' विषयक संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता जेएनयू के पूर्व कुलपति प्रो. एम.एस. अगवानी थे।
- ए.के. पाशा ने 19–20 फरवरी 2004 को केंद्र के खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, अ.अ.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'इण्डिया'ज एनर्जी सिक्यूरिटी ऐंड द गल्फ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पेक्स अमरीकन इन द गल्फ रीजन : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया'ज क्वेस्ट फार एनर्जी सिक्युरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 8–9 मार्च 2004 को आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ईरान : टवंटीफाइव इयर्स आफ्टर रिवोल्युशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आस्पेक्ट्स आफ ईरान'स पालिसी टुवर्डस द जी.सी.सी. स्टेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ए.के. पाशा ने 10 मार्च 2004 को मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, अ.अ.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'अफगानिस्तान : चेलेंजिज टु पीस, सिक्यूरिटी ऐंड नेशनल रिकंस्ट्रक्शन' विषयक संगोष्ठी में 'अफगानिस्तान ऐज ए फेक्टर इन इण्डो–इरानियन रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 11 मार्च 2004 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम में विजिटिंग स्कालर तथा कतर और इटली में पूर्व राजदूत श्री के.पी. फेबियन द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'जाइनिज्म : पास्ट, प्रजेंट ऐंड फ्यूचर' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 18 मार्च 2004 को डा. आर. वीना, एम. कुमार, राजनीतिक विज्ञान विभाग, लेडी श्रीराम कालेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड टेररिज्म : द केस आफ इराक' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 25 मार्च 2004 को केंद्र द्वारा आयोजित 'इजिप्ट ऐंड इजराइल : 25 इयर्स आफ पीस : ऐन असेसमेंट' विषयक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 26 मार्च 2004 को केंद्र के खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, अ.अ.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इमर्जिंग इश्युज इन द गल्फ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्ट्रगल फार डेमोक्रेसी इन जी.सी.सी. स्टेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 18 मार्च 2004 को आइसा द्वारा गंगा छात्रावास में आयोजित 'ब्लीडिंग इराक : ए इयर आफ क्लोनियल आक्युपेशन ऐंड कार्पोरेट प्लंडर' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 29–30 मार्च 2004 को केंद्र, आई.सी.सी.आर. और जी.एस.पी और आई.सी.एच.आर. द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पेक्स अमेरिकाना इन द गल्फ रीजन : इंप्लिकेशंस फार इण्डियन डायस्पोरा इन जी.सी.सी. स्टेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 29 अगस्त 2003 को जेएनयू शिक्षक संघ द्वारा आयोजित 'द रिटर्न आफ क्लोनिअलिज्म : अमेरिकन गेम प्लान ऐंड इराकी रसिस्टेंस' विषयक परिचर्चा के पैनल के सदय के रूप में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 15 सितम्बर 2003 को थर्ड वर्ल्ड अकादमी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'फिलिस्तीन : पास्ट, प्रजेट ऐंड फ्यूचर' विषयक परिचर्चा के पैनल के सदस्य के रूप में भाग लिया।
- ए.के. पाशा ने 25 सितम्बर 2003 को डा. आरशी खान, जामिया हमदर्द द्वारा आयोजित 'प्रोस्पेक्ट्स आफ डेमोक्रेसी इन इराक' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 16 अक्टूबर 2003 को एक संगोष्ठी में टर्की के राजदूत द्वारा दिए गए 'कंटेम्पोरेरि टर्की' शीर्षक व्याख्यान की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 4 मार्च 2004 को आयोजित एक संगोष्ठी में इरान के राजदूत श्री एस. जैड यार्गैंबी द्वारा दिए गए 'चैलेंजिस बिफोर ईरान : डोमेस्टिक, रीजनल ऐंड ग्लोबल' विषयक व्याख्यान की अध्यक्षता की।
- पी.सी. जैन ने 26 मार्च 2004 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, अ.अ.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इमर्जिंग इश्यूज इन द गल्फ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- पी.सी. जैन ने 2–4 मार्च 2004 को इग्नू के एम.ए. समाजशास्त्र के वैकल्पिक कोर्स की रूपरेखा तैयार करने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- एच.एस. प्रभाकर ने 10 से 12 सितम्बर 2003 तक राजीव गांधी विकास संस्थान, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 'स्ट्रेटिजी इंप्लिमेंटेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एच.एस. प्रभाकर ने 15–16 मार्च 2004 को विकास तथा मानव अधिकार केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'जापान इन द इयर 2025 : इकोनोमिक सोसायटी ऐंड पालिटिक्स' विषय पर चर्चा की।
- लालिमा वर्मा ने 23–24 मार्च 2004 को अ.अ.सं. और एम.ई.ए. द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संगोष्ठी में 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन जापान'स एशिया पालिसी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- मधु भल्ला ने 5–6 फरवरी 2004 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'इमर्जिंग एशिया : द राइज आफ चाइना ऐंड शिफ्टिंग पैराडिग्म आफ पावर' विषयक वार्षिक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मधु भल्ला ने मार्च 2004 में सेंटर दे साइंसिस ह्यूमेनीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'चाइना–पाकिस्तान स्ट्रेटिजिक कोआप्रेशन : इण्डिया पर्सपेक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी में 'फ्राम जिओस्ट्रेटिजी टु जिओ–इकोनामिक : द ट्रांसफार्मेशन आफ साइनो–पाकिस्तान इकोनामिक रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मधु भल्ला ने दिसम्बर 2003 सेंटर आफ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ हांगकांग द्वारा आयोजित 'मैकिंग सेंस आफ एशियन सिक्युरिटी : मल्टीपोलर अगेंस्ट इन ए यूनिपोलर वर्ल्ड फार द थर्ड चाइना–इण्डिया रिसर्च' विषयक गोलमेज चर्चा में भाग लिया।
- मधु भल्ला ने अक्टूबर 2003 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और मौलाना अब्दुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 'इण्डिया–चाइना रिलेशंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इण्डिया चाइना इकोनोमिक रिलेशंस : एक्ट्रेक्टिंग पालिटिक्स फ्राम इकोनामिक रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मधु भल्ला ने मार्च 2004 में सेंटर दे साइंस ह्यूमेंस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'चाइना–पाकिस्तान स्ट्रटिजिक कोआप्रेशन : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- मधु भल्ला ने मार्च 2004 में सेंटर दे साइंस ह्यूमेस, नई दिल्ली में आयोजित 'चाइना–पाकिस्तान स्ट्रेटिजिक कोआप्रेशन : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- वरुण साहनी ने 13–14 दिसम्बर 2003 को माउंटबेटन सेंटर फार इंटरनेशनल स्टडीज, साउथहेम्पटन विश्वविद्यालय, यू.के. द्वारा आयोजित 'मिसाइल इश्युज इन साउथ एशिया' विषयक माउंटबेटन सेंटर कार्यशाला में भाग लिया और 'इण्डिया ऐंड 'मिसाइल नान–प्रोलिफ्रेशन– इन साउथ एशिया : मोर आब्स्टेकल देन अपरच्युनिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरुण साहनी ने 5 दिसम्बर 2003 को रीजनल सेंटर फार स्ट्रेटिजिक स्टडीज, कोलम्बो और फुदान यूनिवर्सिटी, शंघाई द्वारा शघाई, चीन में आयोजित 'डिफेंस, टेक्नोलाजी और कोआप्रेटिव सिक्युरिटी इन साउथ एशिया' विषयक ग्रीष्म कार्यशाला में भाग लिया और '1998 न्यूक्लियर टेस्ट : हेव दे एडिड टु साउथ एशियन सिक्युरिटी ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरुण साहनी ने 5 दिसम्बर 2003 को रीजनल सेंटर फार स्ट्रटिजिक स्टडीज, कोलम्बो और फुदान यूनिवर्सिटी शंघाई द्वारा शंघाई, चीन में आयोजित 'डिफेंस, टेक्नोलाजी और कोआप्रेटिव सिक्युरिटी इन साउथ एशिया' विषयक ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में भाग लिया और 'लिमिटिड कंफ्लिक्ट अंडर ए न्यूक्लियर शेडो' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरुण साहनी ने 5 दिसम्बर 2003 को रीजनल सेंटर फार स्ट्रेटिजिक स्टडीज, कोलम्बो और फुदान यूनिवर्सिटी, शंघाई द्वारा शंघाई, चीन में आयोजित 'डिफेंस, टेक्नोलाजी ऐंड कोआप्रेटिव सिक्युरिटी इन साउथ एशिया' विषयक ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में भाग लिया और 'लर्निंग टु लिव विद इण्डो–पाकिस्तानी कंफ्लिक्ट्स : ब्रासटेक्स, कारगिल ऐंड द 2002 टेंशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वरुण साहनी ने 30 जून 2003 को यूनाइटिड स्टेट्स साउथ एशिया वर्किंग ग्रुप, इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड द ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन, वाशिंगटन, डी.सी. में 'इण्डिया–पाकिस्तान रिलेशंस ऐंड द आडवानी / मुशर्रफ विजिट्स टु द यू.एस.' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- वरुण साहनी ने 26 जून 2003 को रिसर्च डायरेक्टोरेट इंस्टीट्यूट फार नेशनल स्ट्रेटिजिक स्टडीज, नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, वाशिंग्टन, डी.सी. में 'इण्डियन पार्टी पालिटिक्स, ब्राउन बेग ब्रिफिंग, शीर्षक व्याख्यान दिया।
- वरुण साहनी ने 17 जून 2003 को इंस्टीट्यूट फार नेशनल स्ट्रेटिजिक स्टडीज, नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, वाशिंग्टन, डी.सी. में 'यूनाइटिड स्टेट्स इंगेजमेंट इन द पोस्ट सितम्बर इलेवंथ वर्ल्ड' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- वरुण साहनी ने 12 जून 2003 को इंस्टीट्यूट फार नेशनल स्ट्रेटिजिक स्टडीज, नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, वाशिंग्टन, डी.सी. में आयोजित 'करप्शन ऐंड द वार आन टेररिज्म : सम लेसंस फ्राम इण्डिया ऐंड साउथीस्ट

एशिया' विषयक गोलमेज सम्मेलन में 'बियोंड एथिक्स ऐंड एफिसिऐंसी : हवाला ट्रांजेक्शंस ऐंड द सिक्युरिटाइजिंग आफ करप्शन' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- **वरुण साहनी** ने 23 मार्च 2004 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, और जेएनयू द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'इण्डिया ऐंड इमर्जिंग एशिया' विषयक संगोष्ठी में 'फ्राम सिक्युरिटी इन एशिया टु एशियन सिक्युरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

  वरुण साहनी ने 21–22 फरवरी 2004 को इण्डियन पुगवाश सोसायटी नई दिल्ली द्वारा आयोजित साउथ एशियन सिक्युरिटी : द रोल आफ कंफिडेंस बिल्डिंग मेश्जर्स' विषयक पुगवाश कार्यशाला में भाग लिया।
- **वरुण साहनी** ने 18 फरवरी 2004 को इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज और कोनार्ड एडेनाउर फाउंडेशन, मानेसर द्वारा आयोजित 'इमर्जिंग ग्लोबल डिवलपमेंट्स ऐंड काउंटर टेररिज्म' विषयक चाइना–इण्डिया–जर्मनी सम्मेलन में भाग लिया और 'करंट स्ट्रेटिजिक डिवलपमेंट्स इन एशिया : ए व्यू फ्राम दिल्ली' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **वरुण साहनी** ने 15 जनवरी 2004 को नई दिल्ली में आयोजित इण्डिया एसोसिएशन फार द स्टडी आफ आस्ट्रेलिया के 'आस्ट्रेलिया–आइडेंटिटी, रिप्रजेंटेशन ऐंड बिलोंगिंग' विषयक द्वितीय सम्मेलन में भाग लिया और 'इंटरनेशनल रिलेशंस ऐंड एरिया स्टडीज : फ्रेंडस ऑर राइवल्स ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **वरुण साहनी** ने 9 जनवरी 2004 को डायरेक्टोरेट आफ नेट असेसमेंट, हेडक्वार्टर्स इंटिग्रेटिड डिफेंस स्टाफ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सिक्युरिंग द फ्युचर : नेशनल सिक्युरिटी स्ट्रेटिजी डिवलपमेंट इन द इरा आफ अनसर्टेनिटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- **वरुण साहनी** ने 27 दिसम्बर 2003 को वुमन इन सिक्युरिटी, कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट ऐंड पीस (विसकाम्प), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'नान–ट्रेडिशनल सिक्युरिटी डिस्कोर्स : जेंडर ऐंड साउथ एशिया' विषयक क्षेत्रीय संगोष्ठी में 'एन.टी.एस. इश्युज इन साउथ एशिया : द चैलेंज आफ एनजेंडरिंग द डिस्कोर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **वरुण साहनी** ने 14 नवम्बर 2003 को इंस्टीट्यूट आफ पीस एण्ड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली में आयोजित 'रिसेंट इण्डियन सी.बी.एम. इनिसिएटिव्स विद पाकिस्तान एण्ड इट्स रिस्पांस : पासिबिलिटीज आफ पीस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- **वरुण साहनी** ने 20–21 अक्टूबर 2003 को एशियन पालिटिकल ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन (एपिसा) द्वारा इंटरनेशनल सेंटर गोवा में आयोजित 'साउथ एशियन कन्सेप्शंस आफ इंटरनेशनल रिलेशंस : सर्च फार आल्टरनेटिव पैराडिग्म्स' विषयक क्षेत्रीय कार्यशाला में 'वाई पालिसी फाल्टर्स : ए स्टडी आफ स्ट्रक्चरल कानस्ट्रेंट्स आन इण्डिया'स एक्सटर्नल सिक्युरिटी पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **वरुण साहनी**, संयोजक (भारत) ने 7–8 अक्टूबर 2003 को आस्ट्रेलिया–इण्डिया काउंसिल, द आस्ट्रेलियन स्ट्रेटिजिक पालिसी इंस्टीट्यूट और द सेंटर फार रिसर्च इन रूरल ऐंड डिवलपमेंट, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'आस्ट्रेलिया–इण्डिया सिक्युरिटी' विषयक गोलमेज वार्ता में भाग लिया।
- **वरुण साहनी** ने 26 अगस्त 2003 को यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डिटरेंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- **स्वर्ण सिंह** ने 1 अप्रैल 2003 को दिल्ली विश्वविद्यालय के चीनी और जापानी अध्ययन विभाग द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय (दिल्ली) में आयोजित 'चाइना'स सिक्सटींथ पार्टी कांग्रेस में भाग लिया और 'तिब्बत ऐंड चाइना'स सिक्सटींथ पार्टी कांग्रेस' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- **स्वर्ण सिंह** ने 9–11 अप्रैल 2003 को सेंटर फॉर स्ट्रेटीजिक एण्ड इंटरनेशनल स्टडीज द्वारा होनोलुलु, हवाई यू.एस.ए. द्वारा आयोजित 'क्रास–स्ट्रेट रिलेशन्स' विषयक सम्मेलन में 'इण्डियन पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **स्वर्ण सिंह** ने 14–15 अप्रैल 2003 को बर्मिंघम विश्वविद्यालय द्वारा बर्मिंघम में आयोजित 'साउथ एशियन सिक्युरिटी पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इण्डिया–पाकिस्तान न्यूक्लियर रिस्क रिडक्शन मेश्जर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– Lo.kZ fl g ने 20 मई 2003 को इंस्टीट्यूट आफ साउथ एशियन स्टडीज (शंघाई अकादमी आफ सोशल साइंसिस) द्वारा शंघाई में आयोजित 'साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में 'इण्डिया–चाइना कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेश्जर्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

– स्वर्ण सिंह ने 26 जून 2003 को डिफेंस सर्विसिज स्टाफ कालेज, नीलगिरी, तमिलनाडु, भारत में आयोजित चाइना स्ट्रेटिजिक आब्जेक्टिव्स फारेन पालिसी ऐंड चाइना–इण्डिया टाइस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

– स्वर्ण सिंह ने 3 से 5 जुलाई 2003 तक सेंटर आफ इण्डियन ओशन स्टडीज, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित 'इण्डिया–एसियान : पोस्ट–समिट पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चाइना फेक्टर इन इण्डिया'स लुक ईस्ट पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– स्वर्ण सिंह ने 19 से 21 अगस्त 2003 तक एशिया–पेसिफिक सेंटर फार सिक्युरिटी स्टडीज द्वारा होनोलुलु हवाई, यू.एस.ए. में आयोजित 'इण्डिया ऐंड द इमर्जिंग जिओपालिटिक्स आफ द इण्डियन ओशॅन रीजन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इण्डिया ऐंड चाइना'स इमर्जिंग रोल इन द इण्डियन ओशॅन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– स्वर्ण सिंह ने 26–27 अगस्त 2003 को यूनिवर्सिटी आफ पेनसिलवानिया इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'डिटरेंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

– स्वर्ण सिंह ने 20 सितम्बर 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अनुशीलन कोर्स के प्रतिभागियों को 'चाइना ऐज द राइजिंग पावर ऐंड इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।

– स्वर्ण सिंह ने 15 से 17 अक्टूबर 2003 तक सेंटर फार इण्डो–चाइना ऐंड साउथ पेसिफिक, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित 'इण्डिया'स लुक ईस्ट पालिसी : फोर्जिंग न्यू पार्टनरशिप्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इण्डो–चाइना : ए क्रिटिकल ब्रिज इन इण्डिया'ज लुक ईस्ट–पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– स्वर्ण सिंह ने 27 अक्टूबर 2003 को उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित 'काश्मीर : द वे अहेड' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चाइना'स काश्मीर पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– स्वर्ण सिंह ने 11–12 नवम्बर 2003 को शंघाई इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज, शंघाई, चीन द्वारा आयोजित 'न्यू मोमेंटम आफ चाइना–इण्डिया रिलेशंस' विषयक द्वितीय चीन–भारत गोलमेज वार्ता में 'चाइना–इण्डिया रिलेशंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।

– स्वर्ण सिंह ने 21–22 नवम्बर 2003 को डिपार्टमेंट आफ डिप्लोमेसी, कालेज आफ इंटरनेशनल अफेयर्स, चेंगची नेशनल यूनिवर्सिटी, ताईपेई, ताइवान द्वारा आयोजित ताईपेई–न्यू दिल्ली रिलेशंस' विषयक सम्मेलन में 'फेक्टरिंग ताइवान इन इण्डिया'स लुक ईस्ट पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– स्वर्ण सिंह ने 28 नवम्बर 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में 53वें अनुशीलन कोर्स के प्रतिभागियों को 'द फ्यूचर आफ चाइना–इण्डिया ऐंड डिसार्मामेंट' शीर्षक व्याख्यान दिया।

– स्वर्ण सिंह ने 4–5 दिसम्बर 2003 को सेंटर आफ एशियन स्टडीज, हांगकांग यूनिवर्सिटी द्वारा हांगकांक में आयोजित 'थर्ड इण्डिया–चाइना रिसर्च इंस्टीट्यूशंस' गोलमेज वार्ता में भाग लिया और 'बार्डर ट्रेड ऐज एन इंस्ट्रूमेंट आफ बिल्डिंग कॉन्फिडेंस' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

– स्वर्ण सिंह ने 9 दिसम्बर 2003 को सेंटर फार इण्डियन स्टडीज, पीकिंग विश्वविद्यालय, बिजिंग, चीन में 'चाइना–इण्डिया रिलेशंस : फ्यूचर प्रॉसपेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।

– स्वर्ण सिंह ने 23 दिसम्बर 2003 को इंस्टीट्यूट आफ साउथ एशियन स्टडीज, शंघाई अकादमी आफ सोशल साइंसिस, शंघाई में 'चाइना इण्डिया इकोनोमिक इंगेजमेंट : प्राब्लम्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।

– स्वर्ण सिंह ने 24 दिसम्बर 2003 को अकादमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, फुदान विश्वविद्यालय, शंघाई, चीन में 'इण्डिया–चाइना बाउन्डरी क्वेश्चन' शीर्षक व्याख्यान दिया।

– स्वर्ण सिंह ने 26 दिसम्बर 2003 को स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, शेजीनाग यूनिवर्सिटी, होंगजऊ, चीन में 'रिसेंट डिवलपमेंट'स इन चाइना–इण्डिया रिलेशंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- स्वर्ण सिंह ने 7 से 9 जनवरी 2004 तक डिपार्टमेंट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, स्टेला मॉरिस कालेज, चैन्नई, इण्डिया द्वारा आयोजित 'द इंटरनेशनल सिस्टम इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में चाइना'स पालिसी आफ मल्टी लेटरलिज्म ऐंड द इवॉल्विंग इंटरनेशनल सिस्टम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 5–6 फरवरी 2004 को डिपार्टमेंट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड द ग्लोबल आर्डर : डिप्लोमेसी ऐंड सिक्युरिटी इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चाइना'स क्वेस्ट फार मल्टी–पोलेरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 5 से 7 फरवरी 2004 तक अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'इण्डिया ऐंड द वर्ल्ड : क्रास्ड ग्लांसिस ऐंड रिलेशंस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इण्डिया–चाइना रिलेशंस : फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 15–16 फरवरी 2004 को इण्डियन ओशन रिसर्च ग्रुप (इण्डिया) और इंस्टीट्यूट आफ पालिटिकल ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज (ईरान) द्वारा संयुक्त रूप से तेहरान में आयोजित 'एनर्जी सिक्युरिटी ऐंड इण्डियन ओशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चाइना'स एनर्जी डेफिशिट : सिक्युरिटी इंप्लिकेशंस फार इण्डियन ओशन रीजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 17 से 19 फरवरी 2004 तक इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज (नई दिल्ली) द्वारा हेरिटेज विलेज, मानेसर में आयोजित 'इमर्जिंग ग्लोबल डिवलपमेंट्स ऐंड काउंटर–टेररिज्म' विषयक इण्डिया–चाइना–जर्मनी सम्मेलन में 'इण्डिया–चाइना रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 23 से 25 फरवरी 2004 तक सेंटर फार स्टडीज इन सिक्युरिटी ऐंड डिप्लोमेसी बर्मिंघम यूनिवर्सिटी (यू.के.) द्वारा आयोजित 'इण्डिया–पाकिस्तान कानफिडेंस बिल्डिंग मेज़र्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'टर्म्स आफ ए पासिबल एग्रीमेंट आन इम्प्रूव्ड कम्युनिकेशन लिंक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 2 से 5 मार्च 2004 तक नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज, बैंगलोर और इंटिग्रेटिड डिफेंस स्टाफ (दिल्ली) द्वारा बंगलौर में आयोजित 'इमर्जिंग सिक्युरिटी एनवायरनमेंट एस्कालेशन डायनेमिक्स ऐंड रिस्क मैनेजमेंट इन साउथ एशिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एस्कालेशन डायनेमिक्स इन साइनो–इण्डियन इक्वेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 19–20 मार्च 2004 को सेंटर दे साइंसिस ह्यूमेनिस, (नई दिल्ली) और इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर (नई दिल्ली) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'चाइना–पाकिस्तान स्ट्रेटिजिक कोआप्रेशन : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ज्वाइंट वेंचर्स ऐंड प्रोक्युरमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 21–22 मार्च 2004 को सुझाउ (चीन) में आयोजित काउंसिल फार सिक्युरिटी ऐंड कोआप्रेशन इन एशिया पेसिफिक वर्किंग ग्रुप आन कोआप्रेटिव ऐंड कम्प्रीहेंसिव सिक्युरिटी की 13वीं बैठक में भाग लिया और 'कोआप्रेटिव सिक्युरिटी आर्डर इन एशिया–पेसिफिक : इण्डिया पर्सपेक्टिव्स आन चैलेंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- पी. सहदेवन ने 5–6 जुलाई 2003 को रीजनल सेंटर फार स्ट्रेटिजिक स्टडीज, कोलम्बो द्वारा कालुतारा, श्रीलंका में आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग ऐंड काम्बेटिंग टेररिज्म' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- के. वारिकू ने 26 से 28 जून 2003 तक भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद द्वारा लेह, लद्दाख में आयोजित 'सोर्सिस आफ हिस्ट्री ऑन सब हिमालयन रीजन ऑफ हिमाचल एण्ड लद्दाख' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सोर्सिस आफ हिस्ट्री अंडर डोगरास' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. वारिकू ने 27 से 30 अक्टूबर 2003 तक मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, आई.सी.एच.आर. और निर्मला गिरी कालेज, कुथुपेरम्बा द्वारा थालेसेरी, केरला में आयोजित 'माइग्रेशन इन इण्डिया ऐंड इट्स इम्पेक्ट आन ट्राइबल सोसायटीज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'काश्मीरी पंडित डिस्प्लेस्ड पर्सन्स : प्राब्लम्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स आफ रिहेबिलिटेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 2–3 अक्टूबर को विश्व बैंक द्वारा कोलम्बो में आयोजित 'रीजनल ट्रेड पालिसीज इन साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- आई.एन. मुखर्जी ने 17 अक्टूबर 2003 को इण्डियन काउंसिल फार रिसर्च इन इंटरनेशनल इकोनामिक रिलेशन द्वारा विश्व बैंक, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित 'रीजनल ट्रेड पालिसीज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 5–6 दिसम्बर 2003 को सेंटर फार पालिसी रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रीजनल कोआप्रेशन : इण्डियन एक्सपिरियंस' विषयक प्रथम इण्डियना–साइबेरिया और मोंटेनीग्रो वार्ता में भाग लिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 5–6 दिसम्बर 2003 को सेंटर फार पालिसी रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मोंटेनीग्रो वार्ता में भाग लिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 8 जनवरी 2004 को शिक्षा एवं सम्प्रेषण केंद्र द्वारा आयोजित 'हंगर ऐंड फूड सिक्योरिटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 10–11 फरवरी 2004 को आयोजित 'पाकिस्तान इन द ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साफ्टा' ऐंड इण्डो–पाक ट्रेड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 15–16 मार्च 2004 को सेंटर दे साइंसिस ह्यूमेंस और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं विकास प्रभाग, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'फ्यूचर आफ द ग्लोबल इकोनामी : रीजनल ट्राजेक्ट्रीज ऐंड ग्लोबल इंस्टीट्यूशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 22–23 मार्च 2004 को रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग सिस्टमिक ट्रांजिशन इन रशिया ऐंड द सी.आई.एस.' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- उमा सिंह ने 11 से 14 अगस्त 2003 को आयोजित 'यू.एस. ऐंड साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में 'यू.एस. ऐंड साउथ एशिया इन द पास्ट 9/11 कंटेक्स्ट शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उमा सिंह ने 9 नवम्बर 2003 को आयोजित 'पर्सपैक्टिव्स आन पाकिस्तान' विषयक संगोष्ठी में 'काश्मीर ऐज ए फेक्टर इन इण्डिया–पाकिस्तान रिलेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उमा सिंह ने 2 से 4 जनवरी 2004 तक एन.सी.एस.एस, नेपाल में आयोजित 'फ्यूचर आफ डेमोक्रेसी इन साउथ एशिया विषयक संगोष्ठी में फ्यूचर ऑफ डेमोक्रेसी इन पाकिस्तान और 'फ्यूचर आफ डेमोक्रेसी इन इण्डिया' शीर्षक दो आलेख प्रस्तुत किए।
- उमा सिंह ने 2 मार्च 2004 को थर्ड वर्ल्ड अकादमी द्वारा आयोजित 'पाकिस्तान इन न्यू मिलेनियम' विषयक संगोष्ठी में 'काश्मीर : द केयर इश्यू बिटवीन इण्डिया ऐंड पाकिस्तान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.पी. लामा ने 10–11 जून 2003 को ढाका में आयोजित 'एनर्जी कोआप्रेशन इन साउथ एशिया' विषयक सी.पी.डी. –सी.एस.ए.सी. क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.पी. लामा ने 5–6 जुलाई 2003 को कालुतारा, श्रीलंका में रीजनल सेंटर फार स्ट्रेजिक स्टडीज द्वारा आयोजित 'अण्डरस्टेंडिंग एण्ड काम्बेटिंग टेररिज्म इन साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी के कनसेपचुअलाइजेशन ऐंड प्लानिंग सेशन में भाग लिया।
- एम.पी. लामा ने 12–13 जुलाई 2003 को बैंकाक में ए.एल.एफ.पी. फैलोज 2001 द्वारा आयोजित 'स्टडी आन माइग्रेशन इन एशिया' विषयक बैठक में भाग लिया।
- एम.पी. लामा ने 15 से 17 अगस्त 2003 तक मार्गा इंस्टीट्यूट, कोलम्बो, द्वारा आयोजित 'रिफार्म्स इन पावर सेक्टर इन इण्डिया एण्ड पाकिस्तान : स्कोप फार क्रास बार्डर पावर ट्रेडिंग' विषयक 'सानेई' के सम्मेलन में भाग लिया।
- एम.पी. लामा ने 28–29 अक्टूबर 2003 को रीजनल सेंटर फार स्ट्रेटिजिक स्टडीज (कोलम्बो) द्वारा काठमाण्डु में आयोजित 'रिस्पांडिंग टु टेररिज्म' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.पी. लामा ने 1–2 नवम्बर 2003 को बंग्लादेश इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल ऐंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज (ढाका) द्वारा ढाका में आयोजित 'ह्यूमन सिक्युरिटी इन साउथ एशिया' विषयक क्षेत्रीय परियोजना वार्ता में 'ह्यूमन सिक्यूरिटी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एम.पी. लामा ने 15–16 फरवरी 2004 को एशिया फाउंडेशन द्वारा ढाका में आयोजित 'अमरीकास रोल इन एशिया' विषयक साउथ एशिया कार्यशाला में 'साउथ एशिया – यू.एस. ट्रेड ऐंड इकानोमिक रिलेशंस : अपरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिस इन द चैंजिंग डायनेमिक्स आफ इंटरडिपेंडेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.पी. लामा ने 10–11 सितम्बर 2003 को गंगटोक में आयोजित 'नार्थ–ईस्ट काउंसिल' की 48वीं बैठक में भाग लिया। इसमें उत्तर–पूर्वी राज्यों के 8 राज्यपालों तथा 8 मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया।

एम.पी. लामा ने 11 से 12 अक्टूबर 2003 तक सोसायटी फार पीस, सिक्यूरिटी ऐंड डिवलपमेंट स्टडीज, इलाहाबाद और कोनरार्ड अडेन्यूर फाउन्डेशन, गंगटोक द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेसी, डिवलपमेंट ऐंड पार्टिसिपेशन : इश्यूज ऐंड एक्सपिरिअंस इन बंग्लादेश ऐंड इण्डिया' विषयक भारत–बंग्लादेश संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इकोनामिक रिफार्म्स इन इण्डिया : इंप्लिकेशंस फार पावर्टी एलिवेशन ऐंड ह्यूमन सिक्युरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

एम.पी. लामा ने 27 से 28 नवम्बर 2003 तक 'साउथ एशिया रिसर्च सोसायटी, कोलकाता द्वारा आयोजित, 'इण्डिया–चाइना बार्डर ट्रेड थ्रू नाथूला इन सिक्किम : पोटेंशल ऐंड चैलेंजिस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- एम.पी. लामा ने 27 दिसम्बर 2003 को वुमन इन सिक्यूरिटी, कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट ऐंड पीस द्वारा आयोजित 'नान–ट्रेडिशनल सिक्युरिटी डिस्कोर्स : जेंडर ऐंड साउथ एशिया' विषयक क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिस्प्लेसमेंट ऐंड जेंडर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.पी. लामा ने 6 से 7 जनवरी 2004 तक सेंटर फार नार्थ ईस्ट स्टडीज ऐंड पालिसी रिसर्च, गुवाहाटी द्वारा आयोजित नार्थ ईस्टर्न काउंसिल विषयक रिवाइटेलाइजेशन कमेटी के सदस्य के रूप में 'प्लानिंग ऐंड पर्सपेक्टिव्स फार नार्थ ईस्टर्न रीजन विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक सिद्धान्त समूह

- कमल मित्रा चिनाय ने 19 से 21 मई 2003 तक जकार्ता, इण्डोनेशिया द्वारा आयोजित 'इराक ऐंड द ग्लोबल पीस मूवमेंट : वाट नेक्स्ट' विषयक सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- कमल मित्रा चिनाय ने 31 मार्च 2004 को द इंस्टीट्यूट फार द स्टडी आफ इण्डो–पाकिस्तान रिलेशंस, यूनिवर्सिटी आफ लीसेस्टर, वाशिंगटन डी.सी. द्वारा आयोजित 'प्लूरलिज्म इन इण्डिया : पास्ट, प्रजेन्ट ऐंड फ्यूचर' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'हिन्दू एक्सट्रीमिज्म इन इण्डिया : इट्स फारेन पालिसी इंप्लिकेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- अब्दुल नफे ने 19 फरवरी 2004 को फारेन सर्विस इंस्टीट्यूट, एम.इ.ए., अकबर भवन में इराकी राजनयिकों के लिए आयोजित प्रथम विशेष पाठ्यक्रम में 'नार्थ ऐंड साउथ अमरीका' विषयक व्याख्यान दिया।
- अब्दुल नफे ने 31 मार्च 2004 को फारेन सर्विस इंस्टीट्यूट, एम.इ.ए., अकबर भवन में विदेशी राजनयिकों के लिए आयोजित 35वें व्यावसायिक पाठ्यक्रम में 'नार्थ ऐंड साउथ अमरिका' विषयक व्याख्यान दिया।
- अब्दुल नफे ने 18 अप्रैल 2003 को डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ., लोधी इस्टेट, नई दिल्ली में 'नाफ्टा'स एन्वायरनमेंटल ला ऐंड प्रेक्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने मई 2003 में यूरोपीय आयोग मुम्बई के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा आयोजित मीडिया संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने मई 2003 में यूरोपीय आयोग, कोलकाता के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा आयोजित मीडिया संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

आर.के. जैन ने 4 सितम्बर 2003 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में 'ओल्ड' यूरोप, 'न्यू' यूरोप ऐंड द इराक क्राइसिस' विषयक यूरोप–यूरेशिया व्याख्यानमाला में पैनल परिचर्चा की।

- आर.के. जैन ने 26 सितम्बर 2003 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय में राजनयिकों को 'इण्डियन पर्सेप्शंस आफ यूरोप' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर.के. जैन ने 4 फरवरी, 2004 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में राजनयिकों को कंटेम्पोरॅरि यूरोप' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 11 फरवरी 2004 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षुओं को दो व्याख्यान दिए।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने 21 मई 2003 को अमेरिकन पालिसी पर्सपेक्टिव्स आन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने 20 फरवरी 2004 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'कम्प्रिहेंसिव सिक्युरिटी अप्रोचिस : रिस्ट्रक्चरिंग द सिक्यूरिटी डिबेट' विषयक व्याख्यान दिया।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- अल्का आचार्य ने 25 सितम्बर 2003 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 'ईस्ट एशिया डिवलपमेंट्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अल्का आचार्य ने 19 सितम्बर 2003 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 'साइनो--इण्डियन रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अल्का आचार्य ने 17 सितम्बर 2003 को प्रबन्ध विकास संस्थान, गुड़गांव में 'द वर्ल्ड आर्डर ऐंड द पीआरसी'स इकोनामिक स्ट्रेटजीस' विषयक व्याख्यान दिया।

रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- निर्मला जोशी ने 15 से 19 फरवरी 2004 तक सेंटर फार द स्टडीज आफ इण्डो--चाइना ऐंड साउथ पेस्फिक, एस.बी. यूनिवर्सिटी, तिरूपति में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में 'सेंट्रल एशिया' विषयक 4 व्याख्यान दिए।
- एस.के. झा ने 3 से 7 दिसम्बर 2003 तक आई.आई.टी. खड़गपुर में XXVIIवीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया तथा 'चैलेंजिस टु डेमोक्रेटिक एज्यूकेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. पाण्डेय ने 22 सितम्बर 2003 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरैना (म.प्र.) में सेंटर इन सोशल साइंसिस इनटाइटल्ड इण्डियन कल्चरल वैल्यूज ऐंड ह्यूमन राइट्स विषयक सामाजिक विज्ञान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पुनश्चर्या कोर्स में 'ह्यूमन राइट्स इन इंटरनेशनल रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- जी. डायटल ने 17 अप्रैल 2003 को आई.आई.सी. द्वारा आयोजित (सी.बी.एस. प्रकाशक, नई दिल्ली 2003) एस. निहाल सिंह ब्लड ऐंड सैण्ड : द वेस्ट एशियन ट्रेजडी' विषयक परिचर्चा की।
- जी. डायटल ने 25 अप्रैल 2003 को भारतीय राजनयिक संघ द्वारा आयोजित 'वार इन इराक : इश्यूज फार द फ्यूचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 1 मई 2003 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र और विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'पावर ऐंड वायलेन्स इन द ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड : इराक कंटेक्स्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 13 मई 2003 को आई.आई.सी. में प्लंडरिंग द हैरिटेज बाई हूम 2 द केस आफ द इराक म्युजियम' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 26 मई, 2003 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में 'वुमन इन द मिडिल ईस्ट : चेंजिंग पर्सेप्शंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 28 अगस्त 2003 को 'इराक ऐंड इजिप्ट' विषयक डा. ए.के. पाशा की 2 पुस्तकों के विमोचन के अवसर पर व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 8 सितम्बर 2003 को जे.एन.यू. छात्र संघ द्वारा आयोजित 'फिलिस्तीन इश्यू' विषयक परिचर्चा में व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 8 सितम्बर 2003 को ऐमनेस्टी इंटरनेशनल इण्डिया में आयोजित 'सर्वाइविंग अण्डर सीज : द इम्पैक्ट आफ मूवमेंट रिस्ट्रक्शंस आन द राइट टु वर्क' विषयक एमनेस्टी रिपोर्ट के जारी करने के अवसर पर व्याख्यान दिया।

- जी. डायटल ने 8 सितम्बर 2003 को जेएनयू छात्र संघ द्वारा आयोजित, फिलिस्तीन इश्यू विषयक परिचर्चा की।
- जी. डायटल ने 15 सितम्बर 2003 को थर्ड वर्ल्ड अकादमी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'फिलिस्तीन : पास्ट, प्रजेंट ऐंड फ्यूचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 10 नवम्बर 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'वेस्ट एशिया आफ्टर 9/11', इंटरनेशनल रिलेशंस इन ए चेंजिंग ग्लोबल आर्डर' विषयक पंडित हृदयनाथ कुंजरू स्मारक व्याख्यान दिया।

  जी. डायटल ने 17 फरवरी 2004 को आई.आई.सी. में 'इण्डियन ओसन : हिस्ट्री इकोलाजी ऐंड द मेकिंग आफ ए कम्यूनिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी. डायटल ने 4 मार्च, 2004 को विदेश सेवा संस्थान में 'इण्डिया ऐंड वेस्ट एशिया ऐंड डिप्लोमेसी ऐंड एनर्जी' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 26 जुलाई 2003 को राष्ट्रीय रक्षा कालेज में 'सिक्यूरिटी सिच्यूएशन इन वेस्ट एशिया : द इश्यू आफ इराक' विषयक 43वें पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 10 सितम्बर 2003 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में होटल फिलिस्तीन बगदाद से सतीश जैकब की इराक विषयक पुस्तक विमोचन और परिचर्चा कार्यक्रम में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा, 15 सितम्बर 2003 को थर्ड वर्ल्ड अकादमी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'फिलिस्तीन : पास्ट, प्रजेन्ट ऐंड फ्यूचर' विषयक संगोष्ठी में परिचर्चाकर्ता थे।
- ए.के. पाशा ने 17 दिसम्बर 2003 को सेंटर आफ स्ट्रेटिजिक स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ जार्डन में सेंटर फार स्ट्रेटिजिक स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ जार्डन, अम्मान, जार्डन के निदेशक डा. मुस्तफा हमरनेह के निमंत्रण पर 'इंडिया ऐंड वेस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने बहरीन सेंटर फार रिसर्च ऐंड स्टडीज में 'इण्डियन ऐंड द गल्फ रीजन : चैलेंजिस इन द फ्यूचर' विषयक व्याख्यान दिया तथा डा. अली बिन अब्दुल्ला अल मन्नाई, शोधार्थी, बहरीन सेंटर फार स्टडीज ऐंड रिसर्च से मिले। बहरीन में भारतीय राजदूत श्री अशोक मित्र से भी भेंट की।
- ए.के. पाशा ने 4 जनवरी 2004 को भारतीय दूतावास, मसकट, ओमान, इण्डियन फोरम में व्याख्यान दिया। राजदूत तहमीज अहमद ने इसकी अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 15 जनवरी 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'डेमोक्रेसी ऐंड ह्यूमन राइट्स इन द जी.सी.सी. स्टेट्स ऐंड स्टैप्स टुवर्डस पालिटिकल पार्टिसिपेशन इन द गल्फ स्टेट्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- पी.सी. जैन ने 2 मार्च 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'इण्डियन डायस्पोरा' विषयक व्याख्यान दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- सी.एस.आर. मूर्ति ने अकादमिक स्टाफ कालेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली और जानकी देवी विद्यालय इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में व्याख्यान दिए।
- वरूण साहनी ने 28 जनवरी, 4 फरवरी 2004 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में वर्ष 2003 के बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए 10 व्याख्यान दिए।
- वरूण साहनी ने 25 फरवरी और 3 मार्च 2004 को निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिए : थीअरिस् आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, ग्रेट पावर्स इन वर्ल्ड पालिटिक्स, कंसेप्ट आफ द नेशनल इंट्रेस्ट : द थेरिस आफ फारेन पालिसी, इण्डिया, पाकिस्तान ऐंड द वर्किंग आफ डिटरेंस, न्यू चैलेंजिस फार डिप्लोमेसी : पालिटिको–स्ट्रेटिजिक इश्यूज, इण्डिया ऐंड लेटिन अमरीका ऐंड द अमरीकास।
- वरूण साहनी ने 3–7 नवम्बर 2003 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के 34वें प्रोफेशनल कोर्स में तीन व्याख्यान दिए : थीअरिस आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, रीजनल पावर्स ऐंड सिक्युरिटी और न्यू चैलेंजिस फार डिप्लोमेसी : पालिटिको – स्ट्रेटिजिक इश्युज।

- वरूण साहनी ने 19 सितम्बर 2003 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों को एडवांस कोर्स आन एशिया के लिए 'इण्डिया–यू.एस. रिलेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरूण साहनी ने 14 अगस्त 2003 को विदेश सेवा संथान, नई दिल्ली में अफगानी राजनयिकों के चौथे विशेष कार्यक्रम में 'द अमरीकास' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरूण साहनी ने 4 से 10 अप्रैल 2003 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी नाजनयिकों के 33वें प्रोफेशनल कोर्स में निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिए : थीअरिस आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, रीजनल पावर्स ऐंड सिक्युरिटी, न्यू चैलेंजिस फार डिप्लोमेसी : पालिटिको : स्ट्रेटिजिक इश्युज ऐंड द अमरीकास।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- पी. सहदेवन ने 24 फरवरी 2004 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 'कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट इन साउथ एशिया ऐंड इण्डिया–श्रीलंका रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिए।
- पी. सहदेवन ने 21 नवम्बर 2003 को इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली में 'कांस्टीट्यूशनल क्राइसिस इन श्रीलंका : प्रोस्पेक्ट्स ऐंड इण्डिया'स आप्शन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- के. वारिकु ने 31 अक्टूबर 2003 को रक्षा सेवा स्टाफ कालेज, विलिंग्टन, तमिलनाडु में 'स्ट्रेटिजिक ऐंड जिओ–पालिटिकल इम्पोर्टेंस आफ सेंट्रल एशिया ऐंड अफगानिस्तान' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- मनमोहिनी कौल ने अगस्त 2003 से मार्च 2004 तक विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में 'साउथीस्ट एशिया' विषय पर व्याख्यान दिए।
- एम.पी. लामा ने 1 अप्रैल 2003 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के 33वें प्रोफेशनल कोर्स के प्रतिभागियों को 'भूटान ऐंड नेपाल' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने 24 मई 2003 को यू.एन.एच.सी.आर., इंटरनेशनल कमेटी आफ रेडक्रास और नेशनल ला स्कूल आफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बैंगलौर द्वारा आयोजित फर्स्ट ऐंड फिफ्थ साउथ एशियन प्रोग्राम आन रिफ्युजी ला के प्रतिभागियों को 'रिफ्युजीस इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने 19 जुलाई 2003 को 'यूसेड' द्वारा ढाका में आयोजित 'स्ट्रेथनिंग रीजनल एनर्जी लिंकेजिस इन साउथ एशिया' विषयक ऊर्जा विशेषज्ञों/अधिकारियों की एक सप्ताह की कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने 31 जुलाई 2003 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में अफगानिस्तान से आए प्रशासकों और राजनयिकों के ग्रुप को 'नेपाल ऐंड भूटान' पर व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने मालवीय सेंटर फार पीस रिसर्च, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी में आयोजित 'डेमोक्रेसी, डिवलपमेंट ऐंड कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट' विषयक कार्यशाला में मुख्य व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने 17 सितम्बर 2003 को एशियन अफ्रीकन लीगल कनसलटेटिव आरगेनाइजेशन और यूनाइटिड नेशंस हाई कमीशन फार रिफ्युजीस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'स्टेंथनिंग रिफ्यूजीस प्रोटेक्शन इन माइग्रेटरि मूवमेंट्स : द एशियन कनटेक्स्ट' विषयक प्रथम व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने 23 सितम्बर 2003 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में वरिष्ठ विदेशी राजनयिकों के लिए 'नेपाल ऐंड भूटान' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने 17 सितम्बर 2003 को एशियन अफ्रीकन लीगंल कनसलटेटिव आरगेनाइजेशन और यूनाइटिड नेशंस हाई कमीशन फार रिफ्युजीस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'स्टेंथनिंग रिफ्यूजीस प्रोटेक्शन इन माइग्रेटरि मूवमेंट्स : द एशियन कनटेक्स्ट' विषयक प्रथम व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने 26 सितम्बर 2003 को इण्डिया पावर फोरम, नई दिल्ली में पावर पदाधिकारियों की वार्षिक बैठक में 'रीजनल एनर्जी कोआप्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने 8 दिसम्बर 2003 को सार्क डाक्युमेंटेशन सेंटर, इण्डियन नेशनल साइंटिफिक डाक्युमेंटेशन सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सार्क चार्टर दिवस के अवसर पर 'सार्क' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.पी. लामा ने 2 दिसम्बर 2003 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'एजेण्डा बिफोर सार्क समिट एसोसिएशन आफ इण्डियन डिप्लोमेट्स' विषयक व्याख्यान दिया।

– एम.पी. लामा ने 15 जनवरी 2004 को सेंटर फार एज्यूकेशन ऐंड कम्यूनिकेशन द्वारा वर्ल्ड सोशल फोरम बैठक के अवसर पर लोनवाला में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द क्राइसिस इन द टी प्लांटेशन' विषयक संगोष्ठी पर एकत्र हुए अन्तर्राष्ट्रीय चाय बागान कर्मचारियों के लिए 'दार्जलिंग टी इंडस्ट्री' विषय पर व्याख्यान दिया।

एम.पी. लामा ने 20 जनवरी 2004 को इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली में 'भूटान' पर व्याख्यान दिया।

– एम.पी. लामा ने 3 फरवरी 2004 को वर्ल्ड वाईड फंड द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल ला आन एनवायरनमेंट' विषयक डिप्लोमा के छात्रों के लिए 'एनवायरनमेंटल इनिसिएटिव विदिन द सार्क फ्रेमवर्क' विषयक व्याख्यान दिया।

एम.पी. लामा ने 11 फरवरी 2004 को ट्रेड प्रोमोशन सेंटर और द फेडरेशन आफ नेपालीस चैम्बर्स आफ कामर्स ऐंड इंडस्ट्री, काठमाण्डु द्वारा आयोजित 'नेपाल ऐंड द वर्ल्ड ट्रेड आरगेनाइजेशन : चैलेंजिस ऐंड अपरचुनिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।

– एम.पी. लामा ने 26 फरवरी 2004 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में भारतीय विदेश सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए 'नेपाल ऐंड भूटान' विषयक दो व्याख्यान दिए।

– एम.पी. लामा ने 27 फरवरी 2004 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में भारतीय विदेश सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए 'माइग्रेशन इन इण्डिया आन सार्क' विषयक दो व्याख्यान दिए।

– एम.पी. लामा ने 2 मार्च 2004 को इंटिग्रेटिड रिसर्च ऐंड एक्शन फार डिवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिन्यूऐबल एनर्जी इन लोकल, नेशनल ऐंड ग्लोबल कनटेक्स्ट विद सोशिओ–इकोनोमिक पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर एकत्रित पदाधिकारियों के लिए 'रीजनल कोआप्रेशन इन द एनर्जी सेक्टर इन साउथ एशिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।

एम.पी. लामा ने 26 मार्च 2004 को कलकता विश्वविद्यालय में 'रीजनल कोआप्रेशन' पर व्याख्यान दिया।

– एम.पी. लामा ने 31 मार्च 2004 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विदेशी राजनयिकों के लिए 35वें प्रोफेशनल कोर्स के प्रतिभागियों के लिए 'नेपाल ऐंड भूटान' विषय पर व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृतियां

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

– अब्दुल नफे को 6 जून से 5 जुलाई 2003 तक सेंटर फार फारेन पालिसी ऐंड फेडरलिज्म, वाटरलु यूनिवर्सिटी, वाटरलु, ओनटारियो, कनाडा का दौरा करने के लिए शास्त्री इण्डो–कनाडियन इंस्टीट्यूट द्वारा फेकल्टी एनरिचमेंट फेलोशिप प्रदान की गई।

वी. विवेकानंदन को जेएनयू, ई.यू.एस.पी., डब्ल्यू.ई.एस.डी. फेकल्टी फेलोशिप प्राप्त हुई।

– आर.के. जैन को दिसम्बर 2003 से जनवरी 2004 तक की अवधि के लिए 'रीजनल कोआप्रेशन इन द यूरोपीयन यूनियन ऐंड साउथ एशिया : लेसंस ऐंड रेलिवेंस आफ यूरोपीयन एक्सपिरियंस' विषयक शोध कार्य करने के लिए जेएनयू यूरोपीय यूनियन स्टडीज प्रोग्राम रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

– वरूण साहनी अप्रैल–जुलाई 2003 तक की अवधि के लिए फुलब्राइट मिलिट्री अकादमिक्स इनिसिएटिव के तहत नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन डी.सी. के विजिटिंग रिसर्च फेलो चुने गए।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

– वी.पी. शेखर को वर्ष 2003–2004 के लिए 9 माह की अवधि हेतु एशियन फाउंडेशन फेलोशिप प्राप्त हुई।

लालिमा वर्मा को परियोजना निदेशक बनाया गया। इस परियोजना के सहयोग से 3 लाख रूपये से अधिक की पुस्तकें खरीदी गई। ये पुस्तकें केंद्रीय पुस्तकालय में रखी गई हैं।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (जेएनयू से बाहर)

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र

- एम.पी. लामा, सिक्किम के मुख्यमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार (कैबिनेट मंत्री का रैंक); सदस्य, सिक्किम राज्य योजना आयोग; सदस्य, निवेश मण्डल सिक्किम सरकार (2003); सदस्य, तकनीकी सलाहकार मण्डल – बैंच मार्किंग ह्यूमन डिवलपमेंट इन द नार्थ ईस्टर्न इण्डिया विषयक अध्ययन हेतु गठित मण्डल, अनुप्रयुक्त मानव शक्ति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (2003); सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, दक्षिण एशियाई सर्वेक्षण, सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली (2003); सदस्य, सलाहकार मण्डल, पब्लिक इंट्रेस्ट लीगल सर्पोट ऐंड रिसर्च सेंटर, (2003); सदस्य, जनरल काउंसिल आफ द नामग्याल इंस्टीट्यूट आफ तिब्बतोलाजी, सिक्किम (2003–2008); सदस्य, शासी मण्डल, सेंटर फार पब्लिक अफेयर्स, नई दिल्ली (2003); सदस्य सलाहकार समिति, दक्षिण, दक्षिण–पूर्व और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला (2003); सदस्य, नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन, नई दिल्ली द्वारा 'माडल नेशनल ला आन रिफ्युजीस' पर गठित विशेषज्ञ समिति (2003), सदस्य, सेंटरडे डिसकशन फोरम, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली; सदस्य, केंद्रीय मंत्रीमण्डल के तहत उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा गठित रिवाइटलाइजेशन आफ द नार्थ–ईस्टर्न काउंसिल' पर गठित राष्ट्रीय समिति (2003); सदस्य, सलाहकार मण्डल, विंटर कोर्स आन फोर्स्ड माइग्रेशन, कलकता रिसर्च ग्रुप (सी.आरजी.) कलकता।
- के. वारिकु, सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार मण्डल, भारत सरकार, (फरवरी 2003 से जनवरी 2004); सदस्य कार्य परिषद, मौलाना आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता; सदस्य सलाहकार मण्डल, हिमालय की सांस्कृतिक विरासत, भारत सरकार।
- आई.एन. मुखर्जी, सदस्य, शासी मण्डल, भारतीय दक्षिण एशियाई सहयोग परिषद; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, साउथ एशियन इकोनोमिक जर्नल, इंस्टीट्यूट फार पालिसी स्टडीज, कोलम्बो और रिसर्च ऐंड इनफार्मेशन सिस्टम फार नान–एलाइड ऐंड अदर डिवलपिंग कंट्रीज, नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, जर्नल आफ हिमालयन स्टडीज, नई दिल्ली; सदस्य, ग्रुप आफ एक्सपर्ट्स अंडर एजिस आफ बी.आई.एम.एस.टी.–ई.सी., वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार; सदय अध्ययन मण्डल, दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
- गंगनाथ झा, सदस्य, राजनीतिक विज्ञान में उच्च अध्ययन समिति, चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
- मनमोहिनी कौल, सदस्य, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर'स प्रोग्राम प्लानिंग एडवाइजरी ग्रुप आन इंटरनेशनल रिलेशंस; सदस्य, डिग्री कमेटी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र

- सी.एस.आर. मूर्ति, सदस्य, विशेषज्ञ ग्रुप, करिकुलम फार पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन इंटरनेशनल रिलेशंस, इग्नू; अध्यक्ष, करिकुलम एडवाइजरी कमेटी फार पालिटिकल साइंस, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपन स्कूलिंग, नई दिल्ली।
- वरूण साहनी, सम्पादक, साउथ एशियन सर्वे (इण्डियन काउंसिल फार साउथ एशियन कोआप्रेशन ऐंड सेज पब्लिशर्स); सदस्य, कार्य परिषद, इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली; सदस्य, शासी निकाय, भारतीय दक्षिण एशियाई सहयोग परिषद, नई दिल्ली; सदस्य, कार्य परिषद, भारतीय पुगवाश सोसायटी, नई दिल्ली; सदस्य, परामर्श समिति, वुमन इन सिक्युरिटी, कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट ऐंड पीस, फाउंडेशन फार यूनिवर्सल रिस्पांसिबिलिटी आफ हिज होलिनेस द दलाई लामा, नई दिल्ली।

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

- अब्दुल नफे, सदस्य, इग्नू के राजनीतिक विज्ञान विभाग की 'स्टेट ऐंड सोसायटी इन लेटिन अमरीका', 'गवर्नमेंट ऐंड पालिटिक्स इन कनाडा', 'स्टेट ऐंड सोसायटी इन अफ्रीका', और 'थीअरि ऐंड प्रेक्टिस आफ इंटरनेशनल रिलेशन' शीर्षक कोर्सों की समितियां; महासचिव, इंडियन सोसायटी फार लेटिन अमरीका।
- आर.के. जैन, नेटवर्क समन्वयक, जेएनयू, यूरोपीयन यूनियन स्टडीज प्रोग्राम; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, एशिया–पेसिफिक जर्नल आफ ईयू स्टडीज।

... आर.एल. चावला, सदस्य, फेकल्टी आफ सोशल साइंसिस, दयाल बाग विश्वविद्यालय (मानित), आगरा।

– के.पी. विजयलक्ष्मी, सदस्य, विद्या परिषद, जम्मू विश्वविद्यालय।

राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र

... पुष्पेश पंत को उत्तरांचल के राज्यपाल द्वारा कुमांऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद के लिए नामित किया गया।

रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र

अनुराधा चिनाय, सदस्य, सलाहकार समिति, थर्ड वर्ल्ड अकादमी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।

-- ए.के. पटनायक, कार्यकारी सम्पादक, 'कनटेम्पोरेरि सेंट्रल एशिया', विषयक त्रैमासिक पत्रिका, नई दिल्ली।

... एस.के. पाण्डेय, संयोजक, 3 से 7 दिसम्बर 2003 तक आई.आई.टी. खड़गपुर में आयोजित इंटरनेशनल रिलेशंस रिसर्च कमेटी की 27वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

... एच.एस. प्रभाकर, सदस्य – सलाहकार समिति, जनरल आफ जापानीज स्टडीज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय

5. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

विश्वविद्यालय में वर्ष 2001 में स्थापित सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में तीन केंद्र हैं – जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र, कंप्यूटर केंद्र और संचार एवं सूचना सेवाएं । संस्थान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और शोध के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल देते हुए यह पता लगाना है कि विभिन्न क्षेत्रों – जैसे जैविक सूचनाओं, भू–वैज्ञानिक सूचनाओं, आर्थिक सूचनाओं आदि में उपलब्ध अद्यतन सूचनाओं का शैक्षिक संदर्भ में कैसे कारगर उपयोग किया जा सकता है।

जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र वर्ष 2000 से एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहा है। यह देश में चल रहे इस तरह के पाँच पाठ्यक्रमों में से एक है। इसका पूरा वित्तपोषण जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया जाता है। इस केंद्र का शोध कार्य कंप्यूटेशनल एप्रोचिस जीनोम सिक्वेंस एनालिसिस और मोलिक्यूलर माडलिंग पर केन्द्रित है। संस्थान में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम वर्ष 2001 में शुरू हुआ और इसी वर्ष से छात्रों को जैव–सूचना–विज्ञान में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम प्रवेश दिया गया। वर्ष 2002 से सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में ऐसे कोर्स चलाए जा रहे हैं जो कि पूरे जेएनयू छात्र समुदाय के लिए उपलब्ध हैं।

कंप्यूटर केन्द्र विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को कंप्यूटर तथा इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध कराता है। छात्र इन सुविधाओं का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। कंप्यूटर केन्द्र द्वारा समय–समय पर जेएनयू के प्रशासनिक कर्मियों के लिए अल्पकालीन अवधि के प्रशिक्षण कोर्स भी चलाए जाते हैं।

संस्थान अपने विकास के शुरूआती दौर में है और यह विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में अपनी भूमिका की रूपरेखा तैयार कर रहा है। वर्तमान में मुख्य शिक्षण और शोध कार्यक्रम जैव–सूचना–विज्ञान केन्द्र में ही उपलब्ध हैं। संस्थान की अल्पकालीन योजनाओं के अन्तर्गत सूचना विज्ञान के प्रयोग का विस्तार अन्य क्षेत्रों, विशेषकर सामाजिक विज्ञानों में किया जाना शामिल है। जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र में मुख्य संकाय सदस्यों के अतिरिक्त, अन्य संस्थानों के संकाय सदस्यों का सहयोग प्राप्त किया जाता है। संस्थान की शोध एवं प्रशिक्षण गतिविधियों में धीरे धीरे वृद्धि हो रही है। संस्थान के शिक्षकों के शोध आलेख प्रकाशित हो रहे हैं और सेमिनार तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने हाल ही में जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र का जैव–सूचना–विज्ञान के क्षेत्र में देश के पांच प्रमुख केंद्रों में से एक केंद्र के रूप में वित्तपोषण किया है।

संस्थान अपने स्नातकोत्तर डिप्लोमा और पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, एक ग्रीष्मकालीन शिविर भी चलाता है। इसमें देश के विभिन्न संस्थानों के स्नातक छात्र भाग लेते हैं। जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र के शोध–क्षेत्रों में शामिल हैं – जीनोमिक्स, डी.एन.ए. एनालिशिस, स्ट्रक्चरल बायोलाजी और मोलिक्यूलर माडलिंग।

जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र उत्तरी भारत के रीजनल मोलिक्यूलर माडलिंग केन्द्र के अतिरिक्त, प्लांट जीनोम सिरर वेबसाइट का संचालन और प्रचालन भी करता है। केंद्र के पास प्रयोक्ताओं के लिए पर्याप्त स्टोरेज क्षमता, प्रोसेसिंग सामर्थ्य वाले विभिन्न हाई–ऐंड वर्क स्टेशन हैं। इसी तरह, संचार एवं सूचना सेवाएं के पास अनेक सर्वर और कंप्यूटर हैं जो कि नेटवर्क और ई–मेल सुविधाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए आवश्यक हैं। कंप्यूटर केंद्र के पास 30 कंप्यूटर हैं जिन पर छात्र इंटरनेट सुविधाएं प्राप्त करते हैं। इनको शीघ्र ही अद्यतन बनाया जाएगा।

जेएनयू परिसर में इंटरनेट सुविधाओं को उपलब्ध कराने और इसका प्रबन्धन करने के अतिरिक्त संचार एवं सूचना सेवाएं केंद्र (सी.आई.एस.) ने वर्ष 2003–04 के दौरान इंटरनेट उपभोक्ता समुदाय को और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए हैं।

केंद्र द्वारा पूरे किए गए मुख्य कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार से है --

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की इन्फोनेट योजना के अन्तर्गत जेएनयू ने इंटरनेट से इंटरनेट बैंड विड्थ के 2 एम.बी.पी.एस. प्राप्त किए। इस संबंध में केंद्र ने अतिरिक्त राउटर की स्थापना करते हुए दोनों बैंड विड्थ के सीमलेस प्रयोग के लिए एस.टी.पी.आई. के साथ लिंकेज और इंटाग्रेटिंग करने के लिए इरनेट के साथ सहयोग किया। अब जेएनयू भारत में अत्याधिक सुविधा सम्पन्न विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसके पास इंटरनेट अक्सेस के लिए 4 एम.बी.पी.एस. की बैंड विड्थ (2 एम.बी.पी.एस.; एस.टी.पी.आई के माध्यम से और 2 एम.बी.पी.एस., इरनेट के माध्यम से) की सुविधा प्राप्त है।

2. जेएनयू ने अपने नेटवर्क के प्रसार के लिए इरनेट इण्डिया के साथ एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए हैं। विस्तार का पहला चरण शुरू हो चुका है।

3. केंद्र ने जेएनयू की प्रवेश शाखा को प्रवेश परीक्षा के परिणाम को ऑन लाइन पर मुहैया कराने की सुविधा उपलब्ध करायी है। छात्रों के लिए वेब साइट के माध्यम से परिणाम का पता लगाना काफी आसान हो गया है।

4. विश्वविद्यालय समुदाय को 24 घंटे इंटरनेट की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। केंद्र ने अब ये सुविधाएं पूरे वर्ष तक 24 घंटे उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

5 अपने नियमित कार्यक्रम के अनुसार ट्रेंड माइक्रो एन्टी वायरस साफ्टवेयर का उन्नयन किया गया।

6. उपभोक्ता समुदाय के लिए एस.पी.एस.एस. साफ्टवेयर की खरीद की गई।

7. मेल सुविधाओं को सुचारू एवं चुस्त बनाने के लिए नोवेल प्लेटफार्म पर एक नया मेल सर्वर स्थापित किया गया इसी प्लेटफार्म पर शोध छात्रों के लिए एक अतिरिक्त मेल सर्वर भी कार्य कर रहा है।

8. एस.पी.एस.एस. साफ्टवेयर का प्रयोग शोध संबंधी समस्याओं के लिए कैसे करें इसके लिए केंद्र ने शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

9. केंद्र ने 7 से 14 अक्टूबर 2003 तक "यूज आफ इलेक्ट्रानिक मीडिया इन साइंस टीचिंग" विषयक क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें देश–विदेश के कई शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के समापन दिवस पर वि.अ.आ. के अध्यक्ष ने पैनल परिचर्चा में भाग लिया।

10 केंद्र ने पुनः प्रयोग में लाई जाने वाली ऊर्जा पर सी.बी.टी. (कंप्यूटर बेस्ड टीचिंग) सामग्री विकसित करने के लिए यूनेस्को से एक परियोजना प्राप्त की है। इस परियोजना का अंतिम स्वरूप शीघ्र ही यूनेस्को को भेज दिया जाएगा।

11. केंद्र ने आफिस आटोमेशन साफ्टवेयर का प्रदर्शन किया, जिसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रशासकों और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

12. स्नातकोत्तर और एम.फिल. स्तर के नान आई–टी छात्रों को डाटा विश्लेषण करने के लिए स्टेटिस्टिकल पैकेज – एस.ए.एस. और एस.पी.एस.एस. – से अवगत कराने के लिए 'आई टी 503 कोर्स – 'एप्लिकेशन आफ आई.टी. फार डाटा एनालिसिस इन रिसर्च' विषयक कोर्स चलाया गया।

13. जेएनयू नेटवर्क को हैकरों से बचाने के लिए गेटवे पर फायरवाल स्थापित किया गया।

यह संस्थान, विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय से बाहर के अन्य संस्थानों के साथ भरपूर रूप से सहयोग करता है, जैसा कि पहले भी उल्लेख किया गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के शिक्षण कार्यक्रमों में अन्य संस्थानों जैसे भौतिक विज्ञान संस्थान, जीवनविज्ञान संस्थान, पर्यावरण विज्ञान संस्थान के साथ–साथ भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, प्रशिक्षा विज्ञान संस्थान, आई.आई.टी. और दिल्ली के अन्य संस्थानों के शिक्षकों का भी सहयोग प्राप्त किया जाता है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित सम्मेलनों का आयोजन किया –

1. जैव सूचना विज्ञान केंद्र/सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के श्री ए. कृष्णामाचारी ने 12–13 सितम्बर 2003 को 'प्राइमरी सिक्वेंस एनालिसिस' विषयक कार्यशाला आयोजित की।

2. 7 से 12 अक्टूबर 2003 तक 'यूज आफ इलेक्ट्रानिक मीडिया इन साइंस एज्यूकेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसका वित्त पोषण 'यूनेस्को' द्वारा किया गया।

मानसून सत्र 2004 में फुलब्राइट स्कालर प्रो. अनिल अग्रवाल, यूनिवर्सिटी आफ बाल्टिमोर, यू.एस.ए., संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आए। इसके अतिरिक्त, देश–विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान व्याख्यान देने के लिए संस्थान में आए।

संस्थान की भावी योजनाएं निम्न प्रकार से हैं :

1. संचार एवं सूचना सेवाएं केंद्र विश्वविद्यालय के वित्त विभाग की कंप्यूटीकृत गतिविधियों के संचालन में आवश्यक सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। केंद्र ने विश्वविद्यालय की प्रशासनिक गतिविधियों के आटोमेशन के लिए एक समन्वित नीति हेतु एक ड्राफ्ट प्रस्ताव तैयार किया है। इस प्रस्ताव के तहत सभी प्रशासनिक गतिविधियां चार माड्यूल्स में समन्वित हो जाएंगी। ये माड्यूल्स हैं – 1. मानव संसाधन सूचना प्रबन्धन, 2. वित्तीय सूचना प्रबन्धन, 3. छात्र सूचना प्रबन्धन, 4. भौतिक संसाधन सूचना प्रबन्धन और 5. पुस्तकालय सूचना प्रबन्धन पद्धति।

2. संचार एवं सूचना सेवाएं शिक्षा संस्थानों के लिए अति आवश्यक सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न पक्षों से सम्बन्धित राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की योजना बना रहा है। उदाहरणार्थ ऐसे कुछ क्षेत्र हैं – ई सिक्यूरिटी, ई–गवर्नेंस, साइबर लॉज, कैम्पस वाइड नेटवर्क की स्थापना। केंद्र ने समय–समय पर इस तरह की संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के आयोजन की योजना बनाई हैं।

3. संकाय सदस्यों के अनुरोध पर केंद्र द्वारा परिसर में वीडियो कानफ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस सुविधा का भरपूर प्रयोग किया जा रहा है।

4. जेएनयू की ओर से केंद्र एस.टी.पी.आई. से 2 एम.बी.पी.एस. प्राप्त करने के लिए बातचीत कर रहा है। इसके शीघ्र पूरा होने की सम्भावना है।

प्रकाशन

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

– ए. कृष्णामाचारी, वी. मण्डल, कर्मेषु, स्टडी आफ डी.एन.ए. बाइंडिंग साइट्स यूजिंग रैनी पेरामिट्रीक एन्ट्रापी मैश्जर्स, जर्नल थिओ. बायोल. 227(3) : 429–36

– एस. झा, एन. करनानी, ए.एम. लिन, आर. प्रसाद "कोवलेंट माडिफिकेशन आफ सिस्टीन 193 इम्पेयर्स ए.टी. पेस फंक्शन आफ न्यूक्लिओटाइड – बाइंडिंग डोमेन आफ ए केनडिडा ड्रग इफ्लेक्स पम्प", बायोकेम. बायोफिज. रिस. कम्यून. 310–869–75

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

– ए. कृष्णामाचारी ने 18–20 फरवरी 2004 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सिस्टम्स अप्रोच टु बायोइनफार्मेटिक्स" शीर्षक व्याख्यान दिया।

– ए. कृष्णामाचारी ने 23 फरवरी 2004 को धनलक्ष्मी श्रीनिवासन कालेज आफ आर्ट ऐंड साइंस फार वुमन, पेराम्बलुर, तमिलनाडु में "जीन ऐंड जिनोम ऐनालिसिस" शीर्षक दो व्याख्यान दिए।

– ए. कृष्णामाचारी ने 25 अक्टूबर 2003 को इंटरनेशनल सेंटर फार जैनेटिक इंजीनियरिंग बायोटेक्नोलाजी (आई.सी.जी.ई.बी.) द्वारा आयोजित कार्यशाला में "न्यूरल नेटवर्क ऐंड प्रोमोटर प्रीडिक्शन" शीर्षक व्याख्यान दिया।

– ए. कृष्णामाचारी ने 19 सितम्बर 2003 को बिड़ला वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित कार्यशाला में "कंप्यूटेशनल मैथड्स इन बायोइनफार्मेटिक्स" विषयक परिचर्चा की।

– ए. कृष्णामाचारी ने इंटरनेशनल सेंटर फार जैनेटिक इंजीनियरिंग बायोटेक्नोलाजी (आई.सी.जी.ई.बी.), नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'इनफार्मेशन थीअरि ऐंड बाइंडिंग साइट्स आन डब्ल्यू.एच.ओ./टी.डी.आर." विषयक व्याख्यान दिया।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

– ए. कृष्णामाचारी, सदस्य–सचिव, डी.ओ.ई.ए.सी.सी. कमेटी आन इंट्रोडक्शन आफ बायोइनफार्मेटिक्स कोर्स, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार।

6. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

संस्थान की स्थापना वर्ष 1971 में हुई थी। यह विदेशी भाषाओं, साहित्यों और संस्कृतियों के अध्ययन के लिए देश का प्रमुख संस्थान माना जाता है। इसके विदेशी भाषाओं के शिक्षण को पूरे भारत में मान्यता प्राप्त है। संस्थान का नाम भाषा संस्थान से बदलकर भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान हो गया है। यहाँ न केवल विदेशी भाषाओं का शिक्षण होता है बल्कि भाषा, साहित्य और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन भी किया जाता है। संस्थान विभिन्न भाषाओं और साहित्यों के तुलनात्मक और व्यतिरेकी अध्ययन को प्रोत्साहन देता है तथा अन्तर विषयक अध्ययन में भी सक्रिय रूप से संलग्न है। संस्थान विभिन्न विदेशी भाषाओं और साहित्य में स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध पाठ्यक्रम चलाता है। विदेशी भाषा केन्द्रों के अतिरिक्त भारतीय भाषा केंद्र, भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र और दर्शनशास्त्र ग्रुप में भी स्नातकोत्तर और शोध पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। संस्थान विभिन्न भाषाओं में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चलाता है।

विभिन्न केंद्रों द्वारा चलाई जाने वाली शिक्षण और शोध गतिविधियों के अतिरिक्त संस्थान 'जर्नल आफ द स्कूल आफ लैंग्वेजिज' शीर्षक पत्रिका भी प्रकाशित करता है।

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद

केंद्र भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के छात्रों के लिए अरबी भाषा में ऐच्छिक कोर्स शुरू करने की योजना बना रहा है। शिक्षक उपलब्ध होने पर आधुनिक हिब्रू भाषा में एक टूल कोर्स भी शुरू किया जाएगा।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

केंद्र ने फ्रेंकाफोन अध्ययन एवं अनुवाद और भाषान्तरण में अपने वर्तमान शैक्षिक कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने का कार्य जारी रखा।

जर्मन अध्ययन केंद्र

केंद्र ने संस्कृति अध्ययन के अभिन्न भाग के रूप में जर्मन अध्ययन से संबंधित शिक्षण और शोध कार्यक्रमों में अन्तरविषयक चरित्र बनाए रखा। इसमें संस्कृति, अनुवाद, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान सहित विदेशी भाषा के रूप में जर्मन शिक्षण पद्धति के क्षेत्र में जर्मन भाषी देशों और भारत के बीच तुलनात्मक और व्यतिरेकी अध्ययन और सामाजिक–राजनीतिक गतिविधियों में आ रहे बदलाव के कारण उभरते मीडिया अध्ययन जैसे नए क्षेत्रों पर ध्यान देना भी शामिल है।

केंद्र का जर्मन भाषी देशों के विश्वविद्यालयों के साथ कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है। फिर भी, पिछले कई वर्षों से साल्जबर्ग, ग्रेज, वियना (आस्ट्रिया), गोटिंगन, बर्लिन डुइसबर्ग और कोन स्टांज (जर्मनी) के विश्वविद्यालयों के साथ परस्पर सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए सम्पर्क बना हुआ है।

भारतीय भाषा केंद्र

भारतीय भाषा केंद्र की स्थापना विभिन्न भारतीय भाषाओं में सामाजिक रूप से संगत और बौद्धिकता की दृष्टि, उच्च शोध एवं अध्ययन करने की दृष्टि से की गई थी। केंद्र का अन्तर्निहित लक्ष्य ज.ने.वि. और भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान की सामान्य शिक्षण पद्धति के अनुरूप अन्तरविषयक और तुलनात्मक अध्ययन विकसित करना था।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद

फारसी भाषा का अध्ययन और अध्यापन ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भाषा वैज्ञानिक तत्वों के आधार पर भारत और ईरान के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध स्तर के अध्ययन पाठ्यक्रमों द्वारा किया जा रहा है।

केंद्र ने निम्नलिखित थ्रस्ट एरियाओं की पहचान की है –

(1) आधुनिक फारसी साहित्य
(2) भाषान्तरण और अनुवाद (फारसी–अंग्रेजी)
(3) भारत- ईरान संबंध
(4) क्षेत्रीय अध्ययन (ईरान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान)
(5) पश्तो में अतिरिक्त डिप्लोमा पाठ्यक्रम के माध्यम से पश्तो पाठ्यक्रम का विकास

रूसी अध्ययन केंद्र

रूसी अध्ययन केंद्र वर्ष 2003–2004 के दौरान अपने वर्तमान अध्ययन पाठ्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय रूप से संलग्न रहा। नियमित कक्षाओं के अतिरिक्त, केंद्र ने राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों, ख्याति प्राप्त विद्वानों/व्यक्तियों के व्याख्यानों, छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों, फिल्म शो आदि का आयोजन किया। शिक्षकों ने शिक्षण सामग्री के साथ–साथ अन्य प्रकाशन भी निकाले। केंद्र ने वर्तमान कोर्सों को अद्यतन बनाया और कुछ नए कोर्स भी शुरू किए।

इस्पेनी अध्ययन केंद्र

केंद्र इस्पेनी, पुर्तगाली और इतालवी भाषा और संस्कृतियों में उभरते हुए नए विषयों और पद्धतियों में सामंजस्य बनाते हुए अपने वर्तमान शैक्षिक कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने के साथ–साथ नए क्षेत्रों में अध्ययन शुरू करने की दिशा में अग्रसर है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्रो द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां :

चीनी और दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र

1. प्रो. वांग शुइंग ने 29 अगस्त 2003 को भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में 'लर्निंग फ्राम ईच अदर ऐंड डवलपिंग टुगेदर' विषयक व्याख्यान दिया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

2. दिदियेर कोस्ते : 'Enseigner les litteratures indiennes modernes en Europe Continentale' (et particulieremennt em Francel, 29 अगस्त, 2003
3. माया कोस्ते, Methodes et Pratiques de la literature comparee en France, 2 अगस्त 2003
4. प्रो. स्टिफंस स्टेफेनिडेज : ट्रांसलेशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन, 13 जनवरी 2004

दर्शनशास्त्र ग्रुप

5. डा. आर.पी. सिंह ने 12 फरवरी 2004 को 'द फिलोसोफिकल हेरिटेज आफ इमानुएल कांट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

रूसी अध्ययन केंद्र

6. केंद्र ने 5 से 7 नवम्बर 2003 तक 'फ्योडोर आई. त्युतचेव'स बाइसेंटेनियल एनिवर्सरी : ट्रेडिशंस आफ फिलासॉफीकल पोइट्री इन रसियन ऐंड इंडियन लिट्रेचर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
7. केंद्र ने रूसी विज्ञान और संस्कृति केंद्र और दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से 9–10 दिसम्बर 2003 को 'एथनो लिंगुअल आस्पेक्ट्स इन द टीचिंग आफ रसियन लैंगवेज ऐंड कल्चर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
8. केंद्र ने 8 अप्रैल 2003 को रूसी अन्तरिक्ष यात्री सुश्री वी. तेरेश्कोवा द्वारा अन्तरिक्ष उड़ान की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर संगोष्ठी आयोजित की।
9. केंद्र ने 19 मार्च 2004 को विश्व के प्रथम अन्तरिक्ष यात्री यूरी गागरिन की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया।
10. सुश्री एकातेरियाना पाराशर (रूसी भाषा शास्त्री) ने 7 अप्रैल 2003 को 'द एज्यूकेशन सिस्टम इन रसिया' विषयक व्याख्यान दिया।
11. सुश्री विकटोरिया सेमेनोवा, कार्यपालक सचिव और कार्यक्रम समन्वयक, रूसी विज्ञान और संस्कृति केंद्र ने 29 अगस्त 2003 को 'द सिग्नीफिकेंस आफ बैटल आफ कुर्स्क फार द सोवियत विकटरी इन द सैकेण्ड वर्ल्ड वार' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
12. डा. सानवबसर बोहिदोवा, निदेशक, सेंटर आफ कालेब्रेशन अमंग द साइंटिस्ट्स ने 12 मार्च 2004 को 'द प्लेस आफ रसियन लिट्रेचर इन द ताजिक सिस्टम आफ एज्यूकेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

इस्पेनी अध्ययन केंद्र

13. बाम्पलोना विश्वविद्यालय, स्पेन के डा. इग्नासियो एरेलानो और डा. जुआन मैनुअल एस्कुडेरो ने 26 अगस्त 2003 को व्याख्यान दिए।

14. ख्याति प्राप्त कवि श्री जीसस लोसेडा ने 26 अगस्त 2003 को आयोजित 'गोल्डन एज स्पेनिश लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

15. सुश्री इमेल्डा स्मालसिस तिरिबोची, प्रोफेसर स्पेनिश और अब मिशन की उप प्रमुख और उरूग्वे दूतावास में काउंसलर ने 25 सितम्बर 2003 को 'कंटेम्पोरेरि उरूग्यन लिट्रेचर' विषयक व्याख्यान दिया।

16. ख्याति प्राप्त चिली कवि श्री रोल जुरिता ने 3 अप्रैल 2004 को 17वां वार्षिक एंटोनियो बिनिमेलिस स्मृति व्याख्यान दिया। इस अवसर पर चिली के राजदूत महामहिम श्री जार्ज हेनी और स्पेन के राजदूत महामहिम श्री रफेल कोंडो डे सारो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

17. कोलम्बिया के प्रो. जुआन मोनसाल्वे ने फरवरी 2004 में 2 व्याख्यान दिए।

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

18. विश्वविद्यालय में 9 अक्टूबर 2003 को पाँचवां हंगुल दिवस (कोरियन स्क्रिप्ट) मनाया गया। इस अवसर पर 'प्रोमोशन ऑफ कोरियन स्टडीज इन इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक वाक् प्रतियोगिता आयोजित की गई।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्रों में आए अतिथि :

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

1. चाइना स्कॉलरशिप कौंसिल से सुश्री लि बिंग की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधि मंडल केंद्र में आया तथा उसने 17 नवम्बर को भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के समिति कक्ष में शिक्षकों और छात्रों के साथ परिचर्चा की।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

2. सामाजिक विज्ञान संस्थान में प्रोफेसर इमेरिटस प्रो. बिपिन चन्द्र 28 अगस्त 2003 को केंद्र में आए।

3. प्रो. जीन क्लाड बीयाको 25 नवम्बर 2003 को केंद्र में आए।

4. फ्रांसिसी मंत्री (फ्रेंकाफोनी) श्री एम. पियरे आन्द्रे विल्तजर 10 नवम्बर 2003 को केंद्र में आए।

5 साइप्रस विश्वविद्यालय के प्रो. स्टिफंस स्टैफनिडेस जनवरी 2004 में केंद्र में आए।

जर्मन अध्ययन केंद्र

6. बर्लिन दिश्वविद्यालय के प्रो. डा. एच. इगर्ट 3 फरवरी से 15 मार्च 2004 तक केंद्र में रहे।

7. येज विश्वविद्यालय के डा. मार्गिट फ्रेंज 2 अप्रैल 2003 को केंद्र में आए।

8. दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. डेनिस लेइघटन 14 अक्टूबर 2003 को केंद्र में आए।

9. आई.डी.एस., मैनहीम, जर्मनी के निदेशक प्रो. डा. एल. आइचिंगर 25 नवम्बर 2003 को केंद्र में आए।

10. रैंड्रए विश्वविधालय, जोहांसबर्ग में जर्मन भाषा के प्रोफेसर प्रो. एच.जे. नोबलॉच 15 जनवरी 2004 को केंद्र में आए।

11. श्री अनंत कुमार, लेखक, जर्मनी 20 जनवरी 2004 को केंद्र में आए।

12. दिल्ली विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर प्रो. डेनिस लेइघटन 21 जनवरी 2004 को केंद्र में आए।

13. स्विस-जर्मन लेखिका सुश्री जी. एलियोथ 9 फरवरी 2004 को केंद्र में आई।

14. एफ.यू. बर्लिन में इंडोलाजी के प्रोफेसर प्रो. ए. गेल 10 फरवरी को केंद्र में आए।

जापानी और उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

15. ओटानी विश्वविद्यालय के जापानी छात्रों के प्रतिनिधिमंडलों ने 5, 8 और 12 सितम्बर 2003 को केंद्र का दौरा किया।

16. सियोल राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के डा. सोंग की–जूंग ने 10 अक्टूबर 2003 को केंद्र में 'कोरियन लैंग्वेज ऐंड लिंग्विस्टिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।

17. कोरिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डा. ली इन–हो ज.ने.वि. में कोरियाई भाषा और अध्ययन के छात्रों को अध्येतावृत्ति प्रदान करने के लिए 20 अक्टूबर 2003 को केंद्र में आए।

18. सासाकावा फाउंडेशन, जापान के अध्यक्ष छात्रों के साथ वार्तालाप और पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए 14 नवम्बर 2003 को केंद्र में आए।

19. प्रो. इतो और प्रो. इरीगुची ने 14–15 जनवरी 2004 को जापानी भाषा में व्याख्यान दिए।

20. सिडनी विश्वविद्यालय के डा. पंकज मोहन ने केंद्र में 27 जनवरी 2003 को 'इण्डो–कोरियन रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।

21. इंचियोन, कोरिया के कोरियाई प्रोफेसरों के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों और छात्रों से मिलने के लिए 26 फरवरी 2004 को केंद्र का दौरा किया।

22. रीतुकु विश्वविद्यालय, जापान के छात्रों और शिक्षकों ने 6 फरवरी 2004 को केंद्र का दौरा किया तथा केंद्र के छात्रों और शिक्षकों के साथ विचार–विमर्श किया।

दर्शनशास्त्र ग्रुप

23. एम.आई.टी. बोस्टन, यू.एस.ए. के प्रोफेसर बलराम सिंह ने 19 दिसम्बर 2003 को 'माइन्ड' विषयक व्याख्यान दिया।

24. प्रोफेसर जार्ज एफ. मैकलिन, प्रोफेसर इमेरिटस, स्कूल आफ फिलोसॉफी और डायरेक्टर, सेंटर फार द स्टडी आफ कल्चर ऐंड वैल्यूज, द कैथोलिक यूनिवर्सिटी आफ अमेरिका, वाशिंगटन, डी.सी., यू.एस.ए. ने 14 जनवरी 2004 को केंद्र में 'ह्यूमन राइट्स : परसंस ऐंड वैल्यूज' विषयक व्याख्यान दिया।

रूसी अध्ययन केंद्र

25. प्रो. जखारोव, कुलपति, कुर्स्क स्टेट टेक्निकल यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में एक 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 29 जून 2003 को केंद्र में आया। उसने विश्वविद्यालय विशेषकर रूसी अध्ययन केंद्र के कार्यकलापों पर चर्चा की और शैक्षिक सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया।

26. प्रो. ए.एन. शमातोव, ताशकंद स्टेट इंस्टीट्यूट आफ ओरियंटल स्टडीज, उजबेकिस्तान, 30 जुलाई 2003 को केंद्र में आए और 'द पर्सपेक्टिव्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स आफ इण्डो–उज्बेक कल्चर रिलेशन ऐंड टु फर्दर स्ट्रेंथनिंग इट' विषयक व्याख्यान दिया।

27. सुश्री विक्टोरिया सिमेनोवा, कार्यक्रम अधिकारी और समन्वयक, रूसी विज्ञान और संस्कृति केंद्र, 31 जुलाई 2003 को केंद्र के शिक्षकों से मिलने के लिए आईं और उन्होंने 14 अक्टूबर 2003 को 'रिलिजियस फेस्टिवल्स ऐंड कस्टम्स आफ रसिया' विषयक व्याख्यान भी दिया।

28. रूसी यात्री श्री ग्रिगोरी कुबेच और श्री यूरी बोलोतोव 26 सितम्बर 2003 को केंद्र में आए तथा उन्होंने विश्व भ्रमण के अपने अनुभवों को शिक्षकों और छात्रों के साथ शेयर किया।

29. रूसी कलाकार सुश्री ल्युबोव बसुरमानोवा और उनकी टीम ने 1 मार्च 2004 को रूसी लोक वाद्य गुसली का वादन किया।

इस्पेनी अध्ययन केंद्र

30. इस्पानी भाषी देशों के कई राजदूतों और विजिटरों ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान कई अवसरों पर छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान छात्रों की उपलब्धियां

चीनी और दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र

1. सुश्री श्रुतिप्रिया झा और विकास दुआ ने अपनी एम.ए. (चीनी भाषा) वर्ष 2003 में पूरी की। इनका चयन चीनी गणराज्य में चीनी भाषा और साहित्य का अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति हेतु हुआ। यह छात्रवृत्ति भारत और चीन के मध्य द्विपक्षीय स्कालर विनिमय कार्यक्रम के तहत दो वर्ष में एक बार प्रदान की जाती है।

2. सुश्री श्रुतिप्रिया झा, एम.फिल. छात्रा ने 'द स्टेट ग्रुप फार टीचिंग चाइनीज एज फारेन लैंग्वेज आफ पीपल्स रिपब्लिक आफ चाइना' द्वारा विदेशी कालेज छात्रों के लिए आयोजित 'चाइनीज ब्रिज' विषयक चीनी प्रवीणता प्रतियोगिता में भाग लिया। यह प्रतियोगिता वर्ष 2003 में बीजिंग में आयोजित हुई।

3. केंद्र के छात्रों ने फरवरी 2004 में वसन्तोत्सव के रूप में प्रसिद्ध पारम्परिक चीनी नव वर्ष का आयोजन किया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

4. सुश्री गायत्री राठौड़ और सुश्री चरणदीप कौर भल्ला को शैक्षिक विशिष्टता के लिए देवेन्द्र कुमार गुप्ता स्मृति पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारतीय भाषा केंद्र

5. सुश्री फरजाना आजम लोतफी और श्री जफरूल्लाह अंसारी क्रमशः एम.फिल और एम.ए. उर्दू के छात्रों को 'सज्जाद जहीर और रजिया सज्जाद जहीर' मेरिट पुरस्कार प्राप्त हुआ।

6. श्री जफरूल्लाह अंसारी, श्री तनजील अथर, श्री नौशाद आलम और श्री मोहम्मद आसिम को दिल्ली उर्दू अकादमी मेरिट पुरस्कार प्राप्त हुआ।

जापानी और उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

7. निम्नलिखित छात्रों को अक्टूबर 2002 से सितम्बर 2003 तक एक वर्ष के लिए जापान सरकार की छात्रवृत्ति प्राप्त हुई :

सुश्री अनुभूति चौहान	एम.ए. प्रथम वर्ष (जापानी)
सुश्री अपूर्वा अग्रहारी	– वही –
सुश्री दीप्ति अरोड़ा	– वही –
सुश्री निशा परमेश्वरन	– वही –
सुश्री रीमा सिंह	– वही –
श्री प्रसाद विवेक बाकरे	– वही –

कोई अन्य सूचना

संस्थान में 10 मार्च 2003 से 'साहित्यिक अनुवाद फोरम' भी है। यहां संस्थान के शिक्षकों और छात्रों को उनके स्रोत भाषा से लक्ष्य भाषा में अनुवाद के पठन के लिए आमंत्रित किया जाता है। फोरम में विदेशी भाषा से हिन्दी अथवा अंग्रेजी में साहित्यिक अनुवाद के छः पठन सत्र, प्रो. कार्लर गोहन (विजिटिंग शिक्षक, ब्राजील) द्वारा व्याख्यान और 'वाही, आई ट्रांसलेट ?' विषयक वार्ता का आयोजन किया। इन सत्रों में संस्थान के शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों ने भाग लिया।

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

1. डा. रिजवानुर रहमान को आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली की प्रतिष्ठित अरबी सांस्कृतिक त्रैमासिक पत्रिका 'थकाफतुल हिन्द' का कार्यकारी सम्पादक नियुक्त किया गया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

केंद्र को इसके शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए मल्टी मीडिया उपकरणों हेतु 10वीं योजना के अन्तर्गत वि.अ.आ. द्वारा 5 लाख रुपये मंजूर किए गए।

1 शांता रामाकृष्णन ने RENCONTRE AVEC L'INDE भाग–32, 1 और 2, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली, 2003 का सम्पादन किया।

2. विजयलक्ष्मी राव ने l' Extreme Orient au Quebec विषयक वेबसाइट में सहयोग किया।

रूसी अध्ययन केंद्र

केंद्र ने निम्नलिखित फिल्म शो आयोजित किए :

1. 26 अगस्त 2003 को प्रथम महिला अन्तरिक्ष यात्री वेलेन्टाइन तेरेश्कोवा पर एक फिल्म।

2. 12 सितम्बर 2003 को प्रसिद्ध रूसी लेखक ए.आई. कुपरिन की कहानी पर आधारित 'ग्रानातोवी ब्रासलेट' विषयक फीचर फिल्म।

3. 30 जनवरी 2004 को 'फ्लाइट नं. 22' विषयक फीचर फिल्म।

4 13 फरवरी 2004 को 'द टेल आफ टसर सल्तान' विषयक कार्टून फिल्म।

इस्पेनी अध्ययन केंद्र

1. केंद्र ने 'हिस्पानिक हारीजन' विषयक अपनी पत्रिका के 23वें अंक का प्रकाशन किया।
2. केंद्र ने विश्वविद्यालय में 'ओला सरवेंट्स' नामक सुविधा स्थापित करने के लिए कार्य शुरू किया। यह सुविधा इस्पानी अध्ययन के छात्रों और शोधार्थियों के लिए उपलब्ध होगी। इसमें एक ही स्थान पर इस्पानी भाषा और संस्कृति को सीखने और उस पर शोध कार्य करने के लिए उपकरण और स्रोत सामग्री उपलब्ध होगी।
3. केंद्र ने केंद्र में इतालवी भाषा के शिक्षण को जारी रखने के लिए इटली सरकार से अनुदान प्राप्त किया।

केन्द्रों की भावी योजनाएं :

भारतीय भाषा केंद्र

केंद्र का तमिल सहित कुछ भारतीय भाषाओं को शुरू करने का प्रस्ताव है। तमिलनाडु सरकार तमिल चेयर स्थापित करने के लिए 50 लाख रुपये का वृत्तिदान दे चुकी है।

प्रकाशन

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- एस.ए. रहमान, आलेख प्रकाशित (अरबी), थकाफतुल हिन्द, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली।
- एस.ए. रहमान, भारतीय (उर्दू) कहानियों का अरबी में अनुवाद प्रकाशित, थकाफतुल हिन्द, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली।
- एस.ए. रहमान, अरबी कहानियों का हिन्दी में अनुवाद प्रकाशित, सार संसार, नई दिल्ली
- आर. रहमान, अल–मजलीसल हिन्दी लिल अलकातिथ थकफियाह – भाग–53, अंक 2–4, थकाफतुल हिन्द, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली।
- आर. रहमान, जिस दिन जंगल जल गया : कमान किलानी, सार संसार, जनवरी 2004
- आर. रहमान, सन्नाटे की दीवार में एक छेद : अब्दुल हमीद ईसा, सार संसार, मार्च 2004
- आर. रहमान, आइस्तेशन : समीर अल–अयादी, सार संसार, अक्टूबर 2003
- आर. रहमान, शहीद : तनफिक अल–हकीम/उर्दू दुनिया, जनवरी 2004
- एम. रहमान, रिमेम्बरिंग मौलाना आजाद, थकाफतुल हिन्द, भाग–54, अंक 1–2,

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- बी.आर. दीपक, इंडिया ऐंड द चाइना इन द ट्वेंटी--फर्स्ट सेंचुरी : प्राब्लम्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स, थिंक इंडिया, 6(4) 79–115, 2003
- प्रियदर्शी मुखर्जी, द ट्रेडिशंस आफ फालुस कल्ट्स इन इंडिया ऐंड चाइना, जर्नल आफ इंडियन फॉकलोरिस्टक्स, मैसूर, भाग–3, अंक 1–2, पृ. 57–63, दिसम्बर 2003 में प्रकाशित।
- प्रियदर्शी मुखर्जी, क्रानिकल आफ सी.पी.सी'ज हिस्ट्री इन पोस्ट–रिवोल्यूशन चाइना, मेन स्ट्रीम, नई दिल्ली, भाग–XLI, अंक–29, पृ. 30–32, 5 जुलाई 2003
- प्रियदर्शी मुखर्जी, इंडिया–चाइना रिलेशंस इन द प्रिजेंट इरा : ए चाइनीज मीडिया पर्सपेक्टिव ऐंड स्टेटिजिक कंसीड्रेशंस, मेन स्ट्रीम, नई दिल्ली भाग–XLI, अंक–42, पृ. 25–31, 4 अक्टूबर 2003
- प्रियदर्शी मुखर्जी, सिंबोलिज्म्स ऐंड ट्रेडिशंस आफ फालिज्म इन चाइना ऐंड इंडिया जे.एस.एल. : भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान (ज.ने.वि.) की पत्रिका, पृ. 71–78, स्प्रिंग 2004 (मार्च 2004)
- डी.एस. रावत, गुओ मोरोज कविता का हिन्दी अनुवाद : समुद्र तट पार, सार संसार, अंक–3, 2003

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- एस. राधाकृष्णन, प्रीजर्विंग क्रिएटिव डाइवर्सिटी इन एन इरा आफ ग्लोबलाइजेशन : इंडियन ऐंड कनाडियन पर्सपेक्टिव्स, जे.एस.एल., स्प्रिंग 2004, जेएनयू, पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल, नई दिल्ली

- किरन चौधरी, L' inculturel : Une experince indienne in Travaux de Didactique du Francais langue itrangere, माइकल वरडेलहन, l' University' Paul - Valiry, मोंटपेलियर, फ्रांस, अंक–50, दिसम्र 2003
- विजयलक्ष्मी राव, Litterature indienne d' expression Francaise : spiritualite', mythe et nationalisme, इंटरकल्चरल फ्रेंकाफोनीज, लेसे (इटली) दिसम्बर 2003
- एन. कमला, द एलिफेंट ऐंड द मारूती, राधिका झा, पेंगुइन बुक्स, नई दिल्ली, 2003, पुस्तक समीक्षा, भाग–XXVIII, अंक–2, फरवरी 2004
- आशिष अग्निहोत्री, टेम्पटेशंस ऐंड मेडिटेशंस : एन इंटरव्यू विद हेनरी गोडशार्ड, जे.एस.एल., भाग–I, स्प्रिंग 2004

जर्मन अध्ययन केंद्र

- अनिल भट्टी : Auslandsgermanisitik und Inlandsgermanistik. Miszelle uder schwerhaltbare Tennlinien In; जार्ज गुटु,(सं.) Transcarpathica. Jahrbuch der Rumanischen Germanistik, Buarest, 2003

भारतीय भाषा केंद्र

- मैनेजर पाण्डेय, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और विकासवाद, नया मानदंड, पृ. 28–39, वाराणसी, जनवरी–मार्च 2004
- पुरूषोत्तम अग्रवाल, अकबर नाम लेता है खुदा का, तद्भव, अंक–9, (सं) अखिलेश, पृ. 48–76, लखनऊ, अप्रैल 2003
- पुरूषोत्तम अग्रवाल, हद बेहद दोउ तजे : कबीर की साधना, कसौटी अंक–14, (सं.) नंद किशोर नवल, पृ. 53–76, पटना, सितम्बर 2003
- पुरूषोत्तम अग्रवाल, लीक छोड़ तीनो चले : लोकमानस और सर्जनात्मकता के बारे में एक चिट्ठी, संवाद–2, (सं.) ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव, पृ. 107–114, लखनऊ, अक्टूबर–दिसम्बर 2003
- मोहम्मद साहिद हुसैन, खबर निगारी, उर्दू दुनिया (मासिक) एन.सी.पी.यू.एल., नई दिल्ली, सितम्बर 2003
- मोहम्मद साहिद हुसैन, सहाफत, आज कल (मासिक) प्रकाशन प्रभाग, नई दिल्ली, अक्टूबर 2003
- मोहम्मद साहिद हुसैन, मोहम्मद अली जोहर और हमदर्द, ऐवान–ए–उर्दू (मासिक), दिल्ली उर्दू अकादमी, जुलाई 2003
- मोहम्मद साहिद हुसैन, अखबारी तहरीर की खुसासियात, उर्दू दुनिया (मासिक) एन.सी.पी.यू.एल., नई दिल्ली, दिसम्बर 2003
- वीर भारत तलवार, दलित, अंग्रेज और हिन्दी, हंस, जुलाई 2003
- वीर भारत तलवार, प्रति–नवजागरण का चरित्र और महत्व, कसौटी, अंक–13, 2003
- एस.एम. अनवार आलम, कैफी का जमालयाती शऊर, आज कल, प्रकाशन प्रभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली भाग–61, अंग 10, मई 2003
- एम. हुसैन, कंसट्रक्टिंग ए नरेटिव आफ लव : अर्ली लब पोइम्स आफ कैफी आजमी, सोशल साइंटिस्ट, भाग–31, अंक 3–4, 2003
- देवेन्द्र कुमार चौबे, इतिहास और कविता, तद्भव, लखनऊ, अप्रैल 2003
- देवेन्द्र कुमार चौबे, दलित कहानी की जमीन, वसुधा, भोपाल, जुलाई–सितम्बर 2003
- देवेन्द्र कुमार चौबे, नई सामाजिक अस्मिताएं और साहित्य, वसुधा, भोपाल, अक्टूबर 2003 – मार्च 2004
- देवेन्द्र कुमार चौबे, कविता का सामाजिक–राजनीतिक परिप्रेक्ष्य, आजकल, दिल्ली, दिसम्बर 2003
- आर.पी. सिन्हा, मानस–ज्ञान की परम्पराएं, थाति, 2, 44–48, 2003
- आर.पी. सिन्हा, उन्नीसवीं शताब्दी की कुछ पश्चिमी कवयित्रियों की प्रेम कविताएं, संवाद, 2, अक्टूबर–दिसम्बर 2003
- आर.पी. सिन्हा, पिता (कहानी) जोंसटर्न ब्योंनसेन मित्र, 1, 2003
- आर.पी. सिन्हा, तीसरी दुनिया से एक तलख टिप्पणी, एडवर्ड सैड, साखी, अक्टूबर–दिसम्बर 2003
- आर.पी. सिन्हा, बुगारिब जे अन्तर–क्षेत्रीय प्रसार की परिस्थितियों, पियरे बोर्डियन, आलोचना, जुलाई–सितम्बर 2003

जापानी और उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- राजेन्द्र तोमर, इंडियन रिफलेक्शंस इन निहोंगी उनिता सच्चिदानंद और तेइजी साकाका (सं.) इमेजिंग इंडिया–इमेजिंग जापान, पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और जापान फाउंडेशन (मानक प्रकाशन प्रा.लि., दिल्ली के सहयोग से) 2004
- पी.ए. जार्ज, जापनीज स्टडीज ऐंड जापानीज लैंग्वेज एज्यूकेशन इन इंडिया : प्रिजेंट स्टेट ऐंड प्रास्पेक्ट्स, फुकुओका, यूनेस्को क्योकाइ, भाग अंक–39, 56–67, 2003
- पी.ए. जार्ज, ओरियंटल थो इन मियाजावा केनजी'स स्टोरनी 'बिजिटेरियन तैसाई', मियाजावा केनजी गक्काई इहातोव सेंटर रिपोर्ट, भाग अंक 26, 2003
- पी.ए. जार्ज, द चार्म आफ मियाजावा केनज'स लिटरेरी वर्क्स, मियाजावा केनजी किनेनकन सुसिन, 2003
- अनिता खन्ना, डिस्कोर्स नरेटिव इन द ऐज आफ डिकलाइन आफ बुद्धिज्म, उनिता सच्चिदानंद और तेइजी साकाका (सं.) इमेजिंग इंडिया – इमेजिंग जापान, पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और जापान फाउंडेशन (मानक प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली के सहयोग से) 2004.

  अनिता खन्ना, *लिटरेचर इन जापानीज लैंग्वेज टीचिंग : फाइंडिंग ऑफ सर्वे*, उनिता सच्चिदानंद और तेइजी साकाका (सं.) इमेजिंग इंडिया – इमेजिंग जापान, पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और जापान फाउंडेशन (मानक प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली के सहयोग से) 2004.

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र

कपिल कपूर, इंडिया'ज रिनेशां, मुख्य व्याख्यान, नाइनटींथ सेंचुरी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

- कपिल कपूर, इंडियन रिनेशां ऐंड इंडियन लैंग्वेजिज, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, 2003, इंडियन रिनेशां (सं.) अवधेश कुमार सिंह, दिल्ली : क्रिएटिव प्रकाशन, 2004
- कपिल कपूर ने 2002 में उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन में 'इंडियन डायस्पोरा' विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडियन डायसपोरा' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान इंडियन डायसपोरा (सं.) डा. अवधेश पाल और डा. कविता शर्मा, क्रिएटिव प्रकाशक, दिल्ली 2004
- एस.के. सरीन, पैट्रिक वाइट ऐंड द इंडियन रीडर, इंडियन जर्नल आफ वर्ल्ड लिट्रेचर ऐंड कल्चर, भाग 1.1, जनवरी–जून 2004, पृ. 120–124
- एम. प्रांजपे, द रिलकटेंट गुरु : आर.के. नारायणन ऐंड द गाइड, साउथ एशियन रिव्यू, 24.2 (2003) : 170–186, प्रश्न और उत्तरों की प्रतिलिपि के साथ पहले ही रूपान्तर 'हरेन्द्र लाल बसाक व्याख्यान – 2002' के रूप में प्रकाशित 'इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश : प्रथम हरेन्द्र लाल बसाक व्याख्यान और संगोष्ठी की कार्यवाही, अंग्रेजी विभाग, कोलकाता, 2003, 17–37
- एम. प्रांजपे, श्री अरविन्दो'ज 'द रिनेशां इन इंडिया, क्रिटिकल प्रैक्टिस, 10.2, 74–86 (जून 2003)
- एम. प्रांजपे, द थर्ड आई ऐंड टु वेज आफ (अन) नोइंग : ग्नोसिस, अल्टरनेटिव माडर्निटी ऐंड पोस्ट कालोनियल फ्यूचर्स इवाम : फोरम आन इंडियन रिप्रिजेंटेशंस 3, 1 और 2 : 263–276 (2004)
- जी.जे.वी. प्रसाद, रोमांस इन द वेस्ट : तोरू दत्त द नावलिस्ट, इंडियन जर्नल आफ वर्ल्ड लिट्रेचर ऐंड कल्चर, भाग–1, अंक–1, 34–38, 2004
- फ्रेंसन मंजली, राय हेरिस ऐंड इंटीग्रेशनल लिंग्विस्टिक्स, इंटरनेशनल जर्नल आफ द्राविडियन लिंग्विस्टिक्स, भाग–33, अंक–1, 71–80, 2004
- एस. भादुड़ी, थियोराइजिंग ए प्रेक्सिस, पुस्तक समीक्षा, भाग XXVIII, अंक 3, पृ. 32–33, मार्च 2004
- एस. भादुड़ी, फॉकलोर ऐंड आइडियोलॉजी, कनवर्सेशन विद किशोर भट्टाचार्य ऐंड के.एम. चन्दर, इंडियन फॉकलाइफ, भाग–3, अंक–2, अंक–15, पृ. 20–22, मार्च 2004

एस. भादुड़ी, बियोन्ड बाइनरीज : द कैटेगरी आफ बाडी ऐंड आंटोलॉजीकल त्रिपार्टीशन, स्टडीज इन ह्यूमनीटीज ऐंड सोशल साइंसेज (भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला की पत्रिका) भाग 10, अंक 1, समर 2003, पृ. 65–86

दर्शनशास्त्र ग्रुप

– आर.पी. सिंह, एबसल्यूट कांससनेस : अद्वैत वेदान्त पर्सपेक्टिव, इंटरनेशनल जर्नल आफ मैनेजमेंट ऐंड सिरटम्स, भाग–19, अंक–1, पृ. i से x, जनवरी–अप्रैल 2003

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

एम. आलम, प्राब्लम्स आफ ट्रांसलेशन फ्राम पर्सियन टु यूरोपीयन लैंग्वेज ऐंड वाइस–वर्सा, जे.आई.एस.टी.ए., भाग 29, 2003

– एस.ए. हसन, उमर ख्याम – द फिलोस्फर, जेएनयू न्यूज, फरवरी 2004

सैयद अख्तर हुसैन, अलैक्जेंडर : ए मिथ आर रियलिटी इन द शाहनामा; जेएनयू न्यूज, मार्च–अप्रैल 2003

– सैयद अख्तर हुसैन, द विजडम आफ उमर खय्याम; जेएनयू न्यूज, 2003–2004 (1)

सैयद अख्तर हुसैन, ए ग्लिम्प्स आफ अमीर खुसरो द न्यूज आफ इंडिया, जेएनयू न्यूज 2003–2004(5)

सैयद अख्तर हुसैन, केंद्र द्वारा आयोजित उमर खय्याम ऐंड इंडिया विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर एक रिपोर्ट, जेएनयू न्यूज 2003–2004(5)

रूसी अध्ययन केंद्र

– गीता नारायण, कम्युनिकेटिव लैंगवेज टीचिंग : थीअरि ऐंड प्रैक्टिस, इंटरनेशनल जर्नल आफ रूरल स्टडीज, यू.के., भाग–11, अंक–1, अप्रैल 2004

– गीता नारायण, ट्रांसलेशन आफ पोइट्री आफ एफ.आई. त्युतचेव, 'एफ.आई. त्युतचेव'स बाइसेंटनियल– विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी को समर्पित सोवेनियर में प्रकाशित, रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली, नवम्बर 2003

– गीता नारायण, रसियन–इंग्लिश ग्लोसरी आफ न्यू वर्डस ऐंड इट्स रिलिवेंस टु ट्रांसलेशन, ट्रांसलेटिंग ए नेशन : एन इण्डो–रसियन सागा (सीआईईएफएल, हैदराबाद द्वारा प्रकाशित) में प्रकाशित, सितम्बर 2003

– गीता नारायण, एफ. चुयेव की रूसी कविता वस्र का अनुवाद, अनुवाद पत्रिका में प्रकाशित, अंक 115, अप्रैल–जून 2003

इरपानी अध्ययन केंद्र

– एस.पी. गांगुली, सिसिर कुमार दास स्मरण, इबांग मुशायरा, एस.के. दास/बंगाली उपन्यास का विशेषांक

– ए. चट्टोपाध्याय, ग्लोबेर रोचा ऐंड सिनेमा नोवो, हिस्पानिक हॉरिजन, नई दिल्ली 2003

ए. चट्टोपाध्याय, रेमान लल, एन इंडियन पर्सपेक्टिव, कल्चर इन हिस्पानिक वर्ल्ड, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली 2004

इन्द्राणी मुखर्जी, सम्पादक, हिस्पानिक हॉरिजन, 2003

पुस्तकें

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

– एस.ए. रहमान, हर्दरत अली : हिज राइट टु कैलिफेट

– एस.ए. रहमान, हिंदुस्तान का सफर : उर्दू ट्रांसलेशन आफ एन अरबिक ट्रेवलाग, अमिना अल सईद (मिश्र की महिला लेखक)

आर. रहमान, उर्दू अफसाना, जीया प्रकाशन, दिल्ली (प्रकाशनाधीन) पृ. 196

एम. रहमान, कनटेम्पोरेरि अरबिक जर्नलिज्म इनफ्लुएंसिस आफ इंग्लिश स्टाइलिस्टिक्स, पृ. 154, जमशेद अहमद द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली

चीनी और दक्षिण पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- बी.आर. दीपक, संयुक्त राष्ट्र संघ भाषा कोश (यूनाइटिड नेशंस लैंग्वेजिज डिक्सनरी), केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, 2003
- बी.आर. दीपक, हेनियिन सिदियन (चीनी–हिन्दी शब्द कोश), केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, 2003
- प्रियदर्शी मुखर्जी, क्रास–कल्चरल इम्प्रेशंस : अई चिंग, पाबलो नेरूदा ऐंड निकोलस गुइलेन (आई एस बी एन सं. 81–7273–174–4) आथर्स प्रेस : नई दिल्ली, मार्च 2004

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- किरन चौधरी, गाइड पैडागॉगिक : एंत्रे ज्युन्स, इनिशिएशन ए ला'अप्रोच कम्युनिकेटिव, गोयल प्रकाशक, दिल्ली, 2004

जर्मन अध्ययन केंद्र

- माइकल दुशे, 'जस्टिस : पालिटिकल, सोशल ऐंड ज्यूरीडीकल' विषयक पुस्तक के सह–संपादक, नई दिल्ली, 2004

भारतीय भाषा केंद्र

- एम. हुसैन, माइनोरिटी लैंग्वेज ऐंड एज्यूकेशन : द केस आफ उर्दू इन इंडिया (सं.), सोशल साइंटिस्ट, नई दिल्ली, (भाग 31, अंक 5–6, 2003)

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र

- एच.सी. नारंग, पाकिस्तानी बच्चा (हिंदी में कहानियों का संग्रह), प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2004
- एस.के. सरीन, कल्चरल इंटरफेसिज, इंडियालोग प्रकाशन, नई दिल्ली, जनवरी 2004 (शील सी. नूना, मालती माथुर के साथ सह–संपादित)
- जी.जे.वी. प्रसाद (सं.) विक्रम सेठ : एन एंथोलॉजी आफ रिसेंट क्रिटिसिज्म, पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल, नई दिल्ली, 2004
- फ्रेंसन मंजली (अनुवादक) पेटिटॉट, जीन, मॉर्फोजेनिसिस आफ मिनिंग बर्न : पीटर लैंग, 2004
- नवनीत सेठी, वुमन एज सीन बाइ वुमैन : ए स्टडी आफ अफ्रो–अमेरिकन वुमन राइटर्स, रिलायंस पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, मई 2003

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- एस.ए. हसन, स्टडीज इन पर्सियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर : इश्यूज ऐंड थीम्स, बुक प्लस, नई दिल्ली 2003–2004
- एस.ए. हसन, चिल्ड्रन'स लिट्रेचर इन ईरान, वंडर्स ब्यूरो, नई दिल्ली, 2004 (संभावित)
- एस.ए. हसन, स्मारिका – 80 विद्वानों का प्रोफाइल, जिन्होंने तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र में पहचान बनाई है, मार्च 2004
- ए. अहमद, सह–संपादक, हिन्दी पश्तो शब्दकोश, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, आर.के. पुरम, नई दिल्ली 2003–2004

रूसी अध्ययन केंद्र

- एच.सी. पाण्डे, आधुनिक रूसी कहानी, साहित्य अकादमी, दिल्ली, पृ. 340, 2004
- एच.सी. पाण्डे, रूसी–हिन्दी कोश, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, पृ. 301, 2004

इस्पेनी अध्ययन केंद्र

- वसन्त जी. गद्रे (सं.) पेपलेज दे ला इंदिया, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली, 2004
- एस.पी. गांगुली, El Angel de la tierra : obra poetica escogida de Rafael Alberti (धरती का फरिश्ता : रफेल अलबर्टी की चुनी हुई कविताएं) द्विभाषिक, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 2003
- एस.पी. गांगुली, मेक्सिको–इंडिया, सिमिलरटीज ऐंड एनकाउंटर्स थ्रू हिस्ट्री (मूल इस्पेनी का अंग्रेजी रूपांतर (सं.) ए. उचामन्नी) एफ.सी.ई., आई.सी.सी.आर., 2003
- ए. चट्टोपाध्याय, जलामिया ला सरपंच, ट्रांस, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2003 (डा. एस. धींगरा के साथ)
- इन्द्राणी मुखर्जी और सोवन कुमार सन्याल (सं.) हिस्पानिक ऐंड ल्यूसो ब्राजीलियन स्टडीज, रीडिंग कल्चर इन स्पेनिश ऐंड ल्यूसो–ब्राजीलियन स्टडीज' विषयक 5वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

चीनी और दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र

– प्रियदर्शी मुखर्जी, सिम्बोलिज्म्स इन निकोलस गुइतंस वर्सेज आन चाइना, इन्द्राणी मुखर्जी और सोवन सन्याल (सं.) रीडिंग कल्चर इन स्पेनिश ऐंड ल्यूसो–ब्राजीलियन स्टडीज : फ्लेशबैक्स ऐंड प्रोजेक्शंस फ्राम द प्रिजेंट (विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित) (आई.एस.बी.एन. सं. 81–901849–0–3) पृ. 419–428, मार्च 2004

फ्रेंच और फ्रेंकोफोन अध्ययन केंद्र

– एस. रामाकृष्ण, Reflechis-y un tout petit peu लक्ष्मी कन्नन द्वारा तमिल लघु कहानियों का अनुवाद, आर.ए.आई., भाग 32, 1, 2003

– किरण चौधरी, Noueau poste: मनु भण्डारी की हिन्दी लघु कहानियों का फ्रेंच में अनुवाद, नई नौकरी, Une Petite histoire pour la grand-mere (सं.) शांता रामाकृष्ण आई.ए.टी.एफ, पुणे, 2003

एस. कमला, Le poisson jaune a translation of Ambai's Manjal Miin in Une petite histoire pour la grand-mere (सं.) शांता रामाकृष्ण, आई.ए.टी.एफ., पुणे, 2003 और Recontre avec l'Inde भाग–32, अंक 2, 2003

– आशिष अग्निहोत्री (अनुवाद), रोटी, सार–संसार, भाग 31, अंक 3 जुलाई–सितम्बर, 2003

– आशिष अग्निहोत्री (अनुवाद),Le Diner du chef in Rencontre avec l'Inde भाग–32, अंक 2, 2003

एस. शिवशंकरन, L'KIndienne', लक्ष्मी कन्नन की लघु कहानी निराम का तमिल से फ्रेंच में अनुवाद, Recontre avec l'Inde आई.सी.सी.आर., भाग–32, 2, 2003

एस. शिवशंकरन, Koultie, राजम कृष्णन की लघु कहानी कुट्टी का तमिल से फ्रेंच में अनुवाद, Une petite histore pour la grand-mere (सं.) शांता रामाकृष्ण, आई.ए.टी.ए., पुणे, 2003

जर्मन अध्ययन केंद्र

– एम. दुशे, मल्टिकल्चरलिज्म ऐंड लिबरल प्लुरलिज्म, जमाल मलिक (सं.) रिलिजस प्लुरलिज्म इन इंडिया ऐंड यूरोप, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 120–144, 2004

– एम. दुशे, कनसेप्शंस आफ जस्टिस : रिलिवेंस, एडिक्वेसी ऐंड यूनिवर्सिलिटी, राजीव भार्गव, अशोक आचार्जा और माइकल दुशे (सं.) जस्टिस, पॉलिटीकल, सोशल ऐंड ज्यूरीडिकल, नई दिल्ली 2004

– एम. दुशे, डिसकॉर्सेज आन मल्टिकल्चरलिज्म इन कंटीनेंटल यूरोप, आर.के. जैन (सं.) मल्टिकल्चरलिज्म इन इंडिया ऐंड यूरोप, नई दिल्ली, 2004

एम. दुशे, रिलिजस माइनोरिटीज इन जर्मनी, सतीश सबरवाल और एम. हसन (सं.) असर्टिंग रिलिजस आइडेंटिटीज इन इंडिया ऐंड यूरोप, परमानेंट ब्लेक, नई दिल्ली 2004

भारतीय भाषा केंद्र

– डी.के. चौबे, आजादी के बाद का समाज और साहित्य, केदारनाथ सिंह (सं.) किताबघर, दिल्ली, 2003, आई.एस.बी.एन.–81–7016–537–9

डी.के. चौबे, आम आदमी मेरे लिए कोई अमूर्त अवधारणा नहीं, केदारनाथ सिंह (सं.) किताबघर, दिल्ली 2003, आई.एस.बी.एन. 81–7016–536–9

– डी.के. चौबे, सोशल, सोशल आइडेंटिटी आफ लिट्रेचर ऐंड लिट्रेचर आफ सोशल आइडेंटिटी : ए डिस्कोर्स आन लिटरेरी इंटर एक्शंस बेस्ड आन द व्यूज आफ हिन्दी राइटर्स, उनिता सच्चिदानंद और तेइजी साकाता (सं.) मानक प्रकाशन, दिल्ली, 2004 आई.एस.बी.एन. 81–7827–087–0

जापानी और उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

– पी.ए. जार्ज, शिमाजाकी तोसोन'स नोवेलो 'रोजो' ऐंड वुमन्स लिबरेशन मूवमेंट इन मेइजी, जापान, इमेजिंग इंडिया, इमेजिंग जापान, (ए क्रानिकल आफ रिफलेक्शंस आन म्युचुअल लिट्रेचर), (सं.) उनिता सच्चिदानंद और तेइजी साकाता, मानक प्रकाशन, प्रा.लि., नई दिल्ली 2004 (आई.एस.बी.एन. सं. 81–7827–087–0, पृ. 207–213)

– पी.ए. जार्ज, इंप्रूवमेंट आफ इण्डो–जापानीज रिलेशन थ्रू लिट्रेचर : ए कॉमेंट, इमेजिंग इंडिया, इमेजिंग जापान (ए क्रानिकल आफ रिफ्लेक्शंस आन म्युचुअल लिट्रेचर), (सं.) उनिता सच्चिदानंद और तेइजी साकाता, मानक प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली, पृ. 249–253; 2004, आई.एस.बी.एन. सं. 81–7827–087–0

– मंजुश्री चौहान, इंडियन फॉकटेल्स इन जापान ऐंड जापानीज फॉक लिट्रेचर इन इंडिया : हिस्टोरीकल बैकग्राउंड ऐंड फ्यूचर प्रास्पेक्ट्स, इमेजिंग इंडिया, इमेजिंग जापान (ए क्रानिकल आफ रिफ्लेक्शंस आन म्युचुअल लिट्रेचर), (सं.) उनिता सच्चिदानंद और तेइजी साकाता, मानक प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली, पृ. 379–387; 2004, आई.एस.बी.एन. सं. 81–7827–087–0

– प्रेम मोटवानी, लिट्रेचर ऐंड सोशल चेंज इन मेइजी, जापान–नातसुमें सोसेक : ऐंड मोई ओगेई, पृ. 201–206, इमेजिंग इंडिया, इमेजिंग जापान (ए क्रानिकल आफ रिफ्लेक्शंस आन म्युचुअल लिट्रेचर), (सं.) उनिता सच्चिदानंद और तेइजी साकाता, मानक प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली, 2004

– वी. राघवन, इंडिया कल्चरल रिलेशंस विद कोरिया, 30इयर्स आफ कोरिया–इंडिया रिलेशंस, कोरिया–भारत राजनयिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ की स्मृति में गठित समिति द्वारा संपादित, शलिंगु पब्लिशिंग कम्पनी, सियोल, 2003

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र

– एच.सी. नारंग, द दलित्स ऐंड द इंडियन नेशन : ओमप्रकाश वाल्मीकि'ज जूठन, पंकज कुमार सिंह (सं0), द पॉलिटिक्स आफ लिटरेरी थीअरि ऐंड रिप्रिजेंटेशन, नई दिल्ली, मनोहर, 2003

– एस.के. सरीन, ए होम एवरीवेयर : द कांससनेस आफ डायसपोरिक बिलोंगिंग, इंटरप्रिंटिंग इंडियन डायसपोरिक एक्सपिरियंस (सं.) कविता शर्मा, क्रिएटिव बुक्स, नई दिल्ली, 2003

– एस.के. सरीन, अबऑरिजीनल आइडेंटिटी ऐंड रिप्रिजेटेशन : रूबी लैंगफोर्ड'स डांट टेक युअर लव टु टाउन', रेसिस्टांस ऐंड रिकंसीलेशन, राइटिंग इन द कामनवेल्थ (सं.) ब्रूस बेनेट, ए.सी.एल.ए.एल.एस., केनबरा, 2003

एस.के. सरीन, रि इमेजीनिंग द आस्ट्रेलियन नेशन स्पेस : वॉयसेज फ्राम अबऑरिजीनल आस्ट्रेलिया (सह लेखक – सुसन थॉमस), कल्चरल इंटरफेसिज (सं.) एस.के. सरीन, इंडियालोग प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 30–40, 2004

– एम. प्रांजपे, द फ्यूचर आफ द पास्ट ऐंड द पास्ट आफ द फ्यूचर, रिफ्लेक्शंस आन लिट्रेचर, क्रिटिसिज्म ऐंड थीअरि : एसेज इन आनर आफ प्रोफेसर प्रफुल्ल सी. कार (सं.) एस.पी. रथ, कैलास सी. बारल और डी. वेंकट राव, पेनक्राफ्ट, नई दिल्ली, 17–29, 2004

– एग. प्रांजपे, इंटेरोगेटिंग डायसपोरिक क्रिएटिविटी : द पाटन इनिशिएटिव, थियोराइजिंग ऐंड क्रिटिकिंग इंडियन डायसपोरा (सं.) कविता शर्मा, आदेश पाल और तापस चक्रवर्ती, क्रिएटिव बुक्स, नई दिल्ली, 42–73, 2004

– एम. प्रांजपे, किरण नागरकर ऐंड द ट्रेडिशन आफ द इंडियन इंग्लिश नावल, द शिफ्टिंग वर्ल्ड आफ किरण नागरकर'स फिक्शन, यासमीन लुकमनी (सं.) इंडिया लोग : नई दिल्ली, 1–24, 2004

– जी.जे.वी. प्रसाद, द सेठ आफ द गार्डन, जी.जे.वी. प्रसाद (सं.) विक्रम सेठ : एन एंथोलाजी आफ रिसेंट क्रिटिसिज्म, पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल, नई दिल्ली, 2004

– फ्रेंसन मंजली, जीन–लक नेंसी : फ्राम 'बिइंग' टु 'बिइंग–इन कामन' ट्रेजेक्ट्री आफ फ्रेंच थॉट, फ्रेंच इंफार्मेशन रिसोर्स सेंटर ऐंड रूपा बुक्स, नई दिल्ली, 7–14, 2004

– एस. भादुड़ी, फ्राम इनडिविजुएलिटी टु सब्जेक्टीविटी : ए स्टडी इन टेक्नोलाजीज आफ द सेल्फ, ट्रेजेक्ट्री आफ फ्रेंच थॉट, भाग–1, फ्रेंच इंफार्मेशन रिसोर्स सेंटर ऐंड रूपा बुक्स, पृ. 33–60, नई दिल्ली, 2004 (आई.एस.बी.एन. 81–291–0394–X)

दर्शनशास्त्र ग्रुप

– आर.पी. सिंह, द नोशन आफ एबसल्यूट (वाटइवर इज आफ द एज वेल एज इन द एबसल्यूट), शंकर, कांट ऐंड हीगल, ल्योटार्ड, डेरिडा ऐंड हेबरमास, पृ. 297–330 (सं.)

– डी.पी. चट्टोपाध्याय, फिलोस्फीकल कांससनेस ऐंड साइंटीफिकॅ नॉलेज; कनसेप्चुअल लिकेजिज ऐंड सिविलाइजेशनल बैकग्राउंड, भाग XI, भाग I, हिस्ट्री आफ साइंस फिलोसॉफी ऐंड कल्चर इन इंडियन सिविलाइजेशन, सम्यता अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली 2004, आईएसबीएन 81–87586–15–X

रूसी अध्ययन केंद्र

- अमर बसु, इंडिया थ्रू द आइज आफ ए निकितिन पेपलेज दे ला इंदिया, भाग–32, अंक 1, आई.सी.सी.आर

इस्पानी अध्ययन केंद्र

- वसंत जी. गद्रे, Vidlumbres de la India : viciadas por el prisma occidental de Octavio Paz, Actas del XIV Congreso de la Asociacion Internactional de Hispanistas, न्यूयार्क स्टेट विश्वविद्यालय, 2004
- एस.पी. गांगुली, La otredad y la recepcion India en la poesia de Octavio Paz Actas del XIV Congreso de la Associacion International de Hispanistas, न्यूयार्क स्टेट विश्वविद्यालय, 2004
- एस.पी. गांगुली, Nehru y Espana : Visiones Politicas Complementarias in India-Espana, Sueno y Realidad: 2000 anos de relaciones, Embajada de la India en Espana, मेड्रिड, 2003 (2004 में पुनः मुद्रित)
- एस.पी. गांगुली, रिसेप्शन आफ जवाहरलाल नेहरू इन स्पेनिश प्रेस, रीडिंग कल्चर इन स्पेनिश ऐंड ल्यूसो ब्राजीलियन स्टडीज, (हिस्पानिज्म विषयक 5वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, इस्पानी अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली, 2004)

  अनिल धींगरा, ए पर्सपेक्टिव आफ केटालन इन द कांटेक्स्ट आफ फारेन लैंग्वेज टीचिंग इन इंडिया इन रीडिंग कल्चर इन स्पेनिश ऐंड ल्यूसो–ब्राजीलियन स्टडीज, इंद्राणी मुखर्जी और सोवन सान्याल (सं.) इस्पानी अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली, 2004

शोध परियोजनाएं

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- आर. रहमान (प्रो. एस.ए. रहमान के साथ), अरबी वार्तालाप पुस्तिका, पर केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के लिए कार्य कर रहे हैं।
- आर. रहमान, अरबिक लोनवर्डस इन हिन्दी – ए फोनोलॉजीकल ऐंड सेमांटिक स्टडीज, 2004

चीनी और दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र

- बी.आर. दीपक, हिन्दी–चीनी वार्तालाप पुस्तिका, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, 2003

  बी.आर. दीपक, हिन्दी–चीन शब्दकोश (हिन्दी–चाइनीज डिक्शनरी), केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, 2004
- बी.आर. दीपक, इंडिया–चाइना रिलेशंस : पीस ऐंड कंफ्लिक्ट इन द ट्वेंटियथ ऐंड ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी, स्काटिस चीनी अध्ययन केंद्र, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, यू.के. में पोस्ट डाक्टरल शोध, 2002–2004
- बी.आर. दीपक, चीनी कविता अनुवाद (चयनित चीनी कविताओं का अनुवाद) स्वयं प्रायोजित 2002–2004

जर्मन अध्ययन केंद्र

- एस. नैथानी, डिजिटल लिट्रेचर इन जर्मन, 2003–2004
- एम. दुशे, पालिटीकल लिबरलिज्म इन प्लुरल सोसायटीज, 2003–2004

भारतीय भाषा केंद्र

- नसीर अहमद खान, डायस्पोरिक उर्दू लिट्रेचर, वि.अ.आ. की वृहत परियोजना, 2001–2004
- पी. अग्रवाल, रिकंसीडरिंग भक्ति सेंसिबिलिटी, विषयक शोध परियोजना पर कार्य कर रहे हैं, जनवरी 2004
- ओ.पी. सिंह, (चल रही शोध परियोजना) : आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन आलोचना : परम्परा और विकास की दिशाएं, वि.अ.आ., 2000–2005
- ज्योतिसर शर्मा (चल रही शोध परियोजना, प्रायोजित) रीतिकालीन काव्य में लोक मानस, 2002–2007, वि.अ.आ.
- ज्योतिसर शर्मा (चल रही शोध परियोजना, अप्रायोजित), बिहारीलाल'स सतसई ऐंड इट्स ट्रांसलेटर्स, 2003–2005

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र

- एस.के. सरीन, स्पीच कॉरपोरा परियोजना – टेक्स्ट टु स्पीच सिंथेसिस विद ह्युलेट पैकार्ड (पूरी हो चुकी), 2003–2005

दर्शनशास्त्र ग्रुप

- आर.पी. सिंह, एथिक्स इन द उपनिषद, पी एच आई एस पी सी के अधीन
- आर.पी. सिंह, एथिक्स इन द अद्वैत, वेदान्त लिट्रेचर, पी एच आई एस पी सी के अधीन

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- एस.ए. हसन, स्टडीज आन एनवायरनमेंटल ऐंड इकोलॉजीकल अवेयरनेस एज डिपिक्टेड इन होली स्क्रिप्चर्स/लिट्रेचर ऐंड देयर इम्पैक्ट आन वेरियस कम्युनिटीज/सोसाइटीज, 2004
- सैयद अख्तर हुसैन, पर्सियन लेटर्स आफ मिर्जा गालिब, एसियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की परियोजना (चल रही है) 2004

रूसी अध्ययन केंद्र

- मीता नारायण, नौसिखियों के शिक्षण के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करना, वि.अ.आ. की लघु शोध परियोजना की योजना के तहत मंजूर (2001–2003)
- अमर बसु (प्रो. एस. बसु के साथ), लेटर्स आफ ए.पी. चेखोव : सलेक्शन, ट्रांसलेशन ऐंड कमेंट्री, साहित्य अकादमी, 2002–2004
- अमर बसु, ए. चेखोव, हिज लाइफ ऐंड वर्क्स (अप्रायोजित) 2003–2005

इस्पानी अध्ययन केंद्र

- एस.पी. गांगुली, इंडियन रिसेप्शन आफ सरवांटेज, सेंत्रो दे ला एस्तुदियोज सरवांतीनोज, स्पेन, 2004

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- एस.ए. रहमान ने जनवरी 2004 में बेरूत लेबनान में आयोजित 'टीचिंग इन नान–अरेबिक स्पीकिंग कंट्रीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'अरेबिक स्टडीज इन इण्डिया : पास्ट ऐंड प्रजेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- एम. भट्टाचार्य ने 27 और 28 मार्च 2004 को चीनी भाषा एवं संस्कृति अध्ययन विभाग, चीनी भवन, विश्व–भारती द्वारा आयोजित 'कम्पेरिटिव ऐंड कंस्ट्रास्टीव स्टडी आफ चाइनीज विद अदर लैंग्यूवेजिस' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ट्रेसिस आफ इण्डियन एलिमेंट्स इन चाइनीज लैंग्यूवेज ऐंड लिट्रेचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी.आर. दीपक ने 14 जनवरी 2004 को यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग में 'चाइना'स एटेम्पट ऐट माडर्नाइजेशन ऐंड कंफ्रेंटेशन विद फारेन पावर्स : 1861–1895' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- बी.आर. दीपक ने 28 जनवरी 2004 को यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग में 'चाइना टुवर्डस रिफार्म्स वारलार्डइज्म ऐंड रिवोल्युशन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- बी.आर. दीपक ने 18 फरवरी 2004 को यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग में 'नानजिंग गवर्नमेंट ऐंड द कम्युनिस्ट चैलेंज 1927–1937' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- बी.आर. दीपक ने 20 फरवरी 2004 को यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग में 'चाइना ड्यूरिंग द वार आफ रेसिस्टेंस अगेंस्ट जापान (1937–1945) ऐंड सिविल वार (1946–1949)' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 1 अप्रैल 2003 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में आयोजित 'सोशलीज्म और प्रागमैटिज्म : ए पालिटिकल रिव्यु आफ द 16थ कांग्रेस आफ द सी.पी.सी.' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मिथ्स ऐंड रिएलिटीज : ए सोशल सिनरिओ आफ प्रजेंट – डे चाइना इन द लाइट आफ द थीअरि आफ थ्री रिप्रजेंटस (सांगे दावविआओ)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 27 अगस्त 2003 को लाइब्रेरियंस कल्चरल फोरम, नई दिल्ली, दिल्ली पुस्तक मेला द्वारा आयोजित 'चिल्ड्रन'स लिट्रेचर इन इण्डिया : प्रजेंट ऐंड फ्यूचर' विषयक संगोष्ठी में 'सम थीअरिस आफ जुवेनाइल लिट्रेचर ऐंड ए ब्रीफ रिव्यु आफ बंगाली वर्क्स इन ग्लोबल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 5 से 7 नवम्बर 2003 तक रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू, आई.सी.सी.आर. और एम.ई.ए., भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'फिलास्फीकल ट्रेंड्स इन पोइट्री' विषयक फियोदोर त्युत्चेव्स बाइ सेंटेनिअल अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वेरियंट फिलास्फिकल ट्रेंड्स इन कनटेम्पोरेरि चाइनीज पोइट्री' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 11–12 नवम्बर 2003 को नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय (तीन मूर्ति भवन) तथा सामाजिक और राजनीतिक अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ए रिव्यु आफ साइनो–इंडियन रिलेशंस : पास्ट, प्रजेंट ऐंड फ्यूचर' विषयक संगोष्ठी में 'इंडिया–चाइना रिलेशंस : ए क्वेस्ट फार द अननोन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 11 से 14 मार्च 2004 तक के.जे. सोमैया सेंटर फार बुद्धिस्ट स्टडीज, मुम्बई और नालंदा महाविहार, बिहार और ओटानी यूनिवर्सिटी, क्योटो, जापान द्वारा संयुक्त रूप से मुम्बई में आयोजित 'कंट्रीब्युशन आफ बुद्धिज्म टु द वर्ल्ड कल्चर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कंसेप्चुअल ट्रांसपोजिशन : ए डिस्कोर्स आन रेडिकलाइजेशन आफ बुद्धिज्म इन चाइना ऐंड चाइनीज बुद्धिस्ट टर्मिनोलाजीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रियदर्शी मुखर्जी ने 24–26 मार्च 2004 को पंजाबी अध्ययन संस्थान, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर और केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा अमृतसर में आयोजित 23वीं 'इण्डियन फोकलोर कांग्रेस में 'सम फोकलोरीस्टिक अस्पेक्ट्स आफ वुमनलोर : द थीम आफ कंजुगल लव इन इण्डिया ऐंड चाइना' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शबरी मित्रा ने 9–11 मार्च 2004 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नेट प्रभाग द्वारा आयोजित 'इवेल्युएशन ऐंड पेपर सेटिंग आफ जे.आर.एफ – नेट इग्जामिनेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- शबरी मित्रा ने 13 से 20 मार्च 2004 तक चीनी अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा 'यंग सोशल साइंटिस्ट्स' हेतु आयोजित तीसरी वार्षिक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
- डी.एस. रावत ने 5 से 7 नवम्बर, 2003 तक जेएनयू में आयोजित 'फियोदोर आई. त्युतचेव्स बाई सेन्टीनल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लु शुन और रूसी साहित्य' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- एस. रामाकृष्णन ने 28–30 नवम्बर 2003 को आयोजित आई.ए.टी.एफ. स्वर्ण जयंती कांग्रेस में भाग लिया।
- एस. रामाकृष्णन ने 12–14 मार्च 2004 को फ्रेंच विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित 'जर्नलिस्टिक ट्रांसलेशन' विषयक कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- किरण चौधरी ने 14 नवम्बर 2003 को जीन क्लाड बीआको, फ्रेंच दूतावास और फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'Grammair des langues Vernaculaires' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एन. कमला ने नवम्बर 2003 में 'डायलाग आन लिट्रेरी ट्रांसलेशन' विषयक संगोष्ठी में चर्चा की।
- एन. कमला ने फरवरी 2004 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'ट्रांसलेशन ऐंड सोसिओलिट्रेरी स्पेस' विषयक संगोष्ठी में 'इण्डिया ट्रांसलेटिड : इण्डियन वर्ड्स इन फ्रेंच ट्रांसलेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन. कमला ने 13 जनवरी 2004 को प्रो. स्टीफनोस स्टेफनिडेस, साइप्रस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'ट्रांसलेशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- एन. कमला ने मार्च 2004 में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में सुजित मुखर्जी की पुस्तक 'ट्रांसलेशन ऐज रिकवरी', पैनक्राफ्ट इंटरनेशनल, नई दिल्ली' पर पुस्तक परिचर्चा में भाग लिया।
- विजयलक्ष्मी राव ने 20 मार्च 2004 को मैकगिल यूनिवर्सिटी, मांट्रियल द्वारा आयोजित Orientalisime quebecas et representation hindone, visions de l' orient au Quebec" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आशीष अग्निहोत्री ने 19 मई से 14 जून 2003 तक फिल्म ऐंड टेलीविजन इंस्टीट्युट आफ इण्डिया, पुणे, द्वारा आयोजित 'फिल्म एप्रिसिएशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आशीष अग्निहोत्री ने 3 से 5 जनवरी 2004 तक भारतीय फ्रेंच शिक्षक संघ और मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "Technologies educativws et enseignement du Francais en inde" टेक्नोलाजिस एडिड टीचिंग ऐंड टीचिंग आफ फ्रेंच इन इण्डिया विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- एस. शिवशंकरन ने 3 से 5 जनवरी 2004 तक भारतीय फ्रेंच शिक्षक संघ और विदेशी भाषा संस्थान, मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "Technologies educativws et enseignement du Francais en inde" टेक्नोलाजिस एडिड टीचिंग ऐंड टीचिंग आफ फ्रेंच इन इण्डिया विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

जर्मन अध्ययन केंद्र

- अनिल भट्टी ने 23–25 फरवरी 2004 तक आयोजित 'रीथिंकिंग द आइडिया आफ यूरोप ? कल्चर स्टडीज एज यूरोपीयन स्टडीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के निदेशक के रूप में भाग लिया।
- अनिल भट्टी ने 27–28 फरवरी 2004 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'लिट्रेचर ऐंड वार' विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रमोद तलगेरि ने 20 से 23 नवम्बर 2003 तक गोवा में आयोजित 'इण्डो–जर्मन कंसल्टेटिव ग्रुप' में भाग लिया। आरकाइव्स इन गोवा फार द रिसर्च प्रोजेक्ट, 24–26 नवम्बर, 2003
- प्रमोद तलगेरि ने 21 से 24 जनवरी 2004 तक असम विश्वविद्यालय, सिल्चर में जर्मन विभाग स्थापित करने के लिए आयोजित बैठक और 'हायर एज्यूकेशन इन द रिमोट एरिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- राजेंद्र डेंगले ने 28 से 31 जनवरी 2004 तक कोट्टायम, केरल में आयोजित 'Landeskunde im Deustch unterichi' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस. नैथानी ने 2–4 फरवरी 2004 को चैन्नई में नेशनल फोकलोर सपोर्ट सेंटर और डिपार्टमेंट आफ एन्थ्रोपोलाजी, मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'फोकलोर ऐज ओरल डिस्कोर्स' विषयक संगोष्ठी में 'क्लोनिअलिज्म ऐंड ओरल डिस्कोर्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
- चित्रा हर्षवर्धन ने 27 से 29 फरवरी 2004 तक अंग्रेजी तथा अन्य आधुनिक भाषा विभाग, विश्व–भारती, शांति निकेतन और केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा विश्वभारती, शांतिनिकेतन में आयोजित 'ट्रांसलेशन ऐंड लोकेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'ट्रांसलेटिंग ग्लोबल पालिटिकल कल्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- चित्रा हर्षवर्धन ने 6 से 7 नवम्बर 2003 तक जेएनयू के यूरोपीय संघ अध्ययन कार्यक्रम द्वारा जेएनयू में आयोजित 'मल्टीकल्चरलिज्म ऐंड यूरोपीयन आइडेंटिटी इन इण्डिया ऐंड यूरोप' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मल्टीकल्चरलिज्म ऐंड यूरोपीयन आइडेंटिटी इन जर्मनी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. दुशे ने 16 से 18 अक्टूबर 2003 तक थर्ड वर्ल्ड अकादमी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, द्वारा आयोजित 'असर्टिंग रिलिजस आइडेंटिटीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम. दुशे ने 6–7 नवम्बर 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित 'मल्टीकल्चरलिज्म इन इण्डिया ऐंड यूरोप' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. दुशे ने 7 से 10 नवम्बर 2003 तक राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जैसलमेंर में आयोजित 'जस्टिस : पालिटिकल, सोशल, जुरिडिकल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम. दुशे ने 24 जनवरी से 3 फरवरी 2004 तक कोट्टायम, केरल में आयोजित 'Landeskunde im Deustch unterichi of DACHL - IND ' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

भारतीय भाषा केंद्र

एन.ए. खान ने 15 से 17 मार्च 2004 तक उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित 'उर्दू क्रिटिसिज्म' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- एन.ए. खान ने 14 से 16 मार्च 2004 तक 'उर्दू और हिन्दी जुबान–ओ–अदब की तरक्की में रामपुर का हिस्सा' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- एन.ए. खान ने 13 से 19 मार्च 2004 तक एन.सी.पी.यू.एल., नई दिल्ली में आयोजित 'हिन्दी–उर्दू डिक्शनरी' कार्यशाला में भाग लिया।

- एन.ए. खान ने 23 मार्च 2004 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'उर्दू जर्नलिज्म पास्ट ऐंड प्रजेंट' विषयक संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

- मैनेजर पाण्डेय ने 6 जुलाई 2003 को प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा पटना में आयोजित 'उपन्यास और लोकतंत्र' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- मैनेजर पाण्डेय ने 26 जुलाई 2003 को राजेन्द्र प्रसाद अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित 'प्रेमचंद के सपनों का भारत' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- मैनेजर पाण्डेय ने 9 अगस्त 2003 को राजेन्द्र प्रसाद अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित 'भूमण्डलीकरण के दौर में हिन्दी साहित्य का भविष्य' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- मैनेजर पाण्डेय ने 21 फरवरी 2004 को महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'भारतीय स्त्री की स्वतंत्रता : मिथक और इतिहास' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- मैनेजर पाण्डेय ने 20 मार्च 2004 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में आयोजित 'यशपाल को क्यों और कैसे पढ़ें' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- मैनेजर पाण्डेय ने 28 मार्च 2004 को इलाहाबाद संग्रहालय में आयोजित 'जनता की चित्रवृत्ति और साहित्य' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- पी. अग्रवाल ने 19 नवम्बर 2003 को अमरीकन अकादमी आफ रिलिजन द्वारा अटलांटा में आयोजित 'कनटेस्टिंग रिलिजन ऐंड रिलिजंस कंटेस्टिड : द स्टडी आफ रिलिजन इन ग्लोबल कनटेस्ट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- एम.एस. हुसैन ने 5 मार्च 2004 को उर्दू अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित 'उर्दू और आवामी जराए अबलाग' विषयक संगोष्ठी में 'उर्दू सिनेमा की तारीख आजादी तक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एम.एस. हुसैन ने 26 मार्च 2004 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'उर्दू सहाफत माझी और हाल के आइने में' विषयक संगोष्ठी में 'जंग–ए–आजादी में उर्दू सहाफत का हिस्सा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- बी.बी. तलवार ने 13–14 मार्च 2004 को रांची में आयोजित अखिल भारतीय संथाली लेखक सम्मेलन में भाग लिया।

- गोविंद प्रसाद ने 11 अगस्त 2003 को दूरदर्शन केंद्र, देहरादून द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कविता कार्यक्रम के अन्तर्गत काव्य पाठ किया।

- गोविंद प्रसाद ने 27 अगस्त 2003 को आकाशवाणी, दिल्ली में 'हिन्दी की कालजयी कृतियां : भूले बिसरे चित्र' शीर्षक वार्ता में भाग लिया।

- गोविंद प्रसाद ने 19 से 28 जनवरी 2004 तक एन.सी.पी.यू.एल., मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'हिन्दी–उर्दू–हिन्दी कोश परियोजना' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

- गोविंद प्रसाद ने 2 फरवरी 2004 को आकाशवाणी के साहित्य दर्पण कार्यक्रम में मूल कविताओं का पाठ किया।

- एस.एम. अनवार आलम ने 13 से 15 फरवरी, 2004 तक दिल्ली उर्दू अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'उर्दू नावल में एहतेजाज के रवैये' शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत किया।

- एस.एम. अनवार आलम ने 12–14 मार्च 2004 को दिल्ली उर्दू अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उर्दू नस्र में तंज–ओ–मिजाह : आजादी से क़ब्ल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– एम. हुसैन ने 27–28 अक्टूबर 2003 को सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हिस्ट्री आफ सोशिओ–इकोनामिक ऐंड पालिटिकल आइडियास इन इण्डिया, 1850–1950' विषयक संगोष्ठी में 'कंसेप्चुअलाइजिंग आइडियल मुस्लिम वुमन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– डी.के. चौबे ने 5 से 7 दिसम्बर 2003 तक रूसी अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कविता का पथ और एफ. त्युत्चेव की कविताओं का सामाजिक अर्थ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– के.एम. इकरामुद्दीन ने मार्च 2004 में दिल्ली उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित 'नये और पुराने चिराग' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

– के.एम. इकरामुद्दीन ने फरवरी 2004 में दिल्ली उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित 'नयी नज्म की सिम्त–ओ–रफ्तार' शीर्षक संगोष्ठी में भाग लिया।

– ज्योतिसर शर्मा ने 14 से 16 मार्च 2004 तक फारसी केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 'उमर खय्याम ऐंड इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

– पी.ए. जार्ज ने 5 से 7 नवम्बर 2003 तक जेएनयू द्वारा आयोजित 'फ्योदो आई. त्युत्चेव'स बाईसेंटेनिअल : ट्रेडिशंस आफ फिलास्फिकल पोइट्री इन रशियन ऐंड इण्डियन लिट्रेचर्स' शीर्षक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

– पी.ए. जार्ज, द स्प्रिट आफ 'एमिनो मो माकेजु' (स्ट्रांग इन रेन) : एन इंक्वेरी इन टु द आरियंटल ऐंड बुद्धिस्ट थॉट इन मियाजावा केंजी'स पोइम्स ऐंड शार्ट स्टोरीज

– पी.ए. जार्ज ने 19 मार्च 2004 को जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड जापान इन चैंजिंग ग्लोबल कल्चरल कंटेक्स्ट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

– पी.ए. जार्ज ने 9 से 13 जनवरी 2004 तक जापानी लैंग्यूवेज टीचर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रीप्रेशन आफ टीचिंग मैटिरियल्स फार वेरियस लेवल्स आफ जेपनीज लैंग्यूवेज कोर्सिस इन इण्डिया' विषयक भारतीय जापानी भाषा शिक्षा सम्बन्धी तीसरी अखिल भारतीय कार्यशाला में भाग लिया और स्नातक कोर्स के लिए जापानी साहित्य पर पाठ्य पुस्तक तैयार करने के लिए चर्चा की।

– मंजुश्री चौहान ने 18 जुलाई 2003 को कोकुगाकुइन यूनिवर्सिटी, तोक्यो, जापान द्वारा आयोजित 'फोकलोर स्टडीज आफ जापान' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और 'ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ जेपनीज ऐंड इण्डियन फोक टेल्स विद स्पेशल फोकस आन द नरेटिव ट्रेडिशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– सुषमा जैन ने 11 से 13 मार्च 2004 तक आई.सी.पी.आर. जापान फाउंडेशन ऐंड इस्टर्न इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'बुद्धिस्ट फिलास्फी' शीर्षक इण्डो–जापान अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

– प्रेम भोटवानी ने 19 मार्च 2004 को जापान फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड जापान आन द चैंजिंग ग्लोबल कल्चरल कनटेक्स्ट' विषयक संगोष्ठी के 'रिब्युइंग द पास्ट टु प्रोजेक्ट द फ्यूचर' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।

– प्रेम भोटवानी ने 9 अक्टूबर 2003 को जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र तथा कोरियाई फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'प्रमोशन आफ कोरियन स्टडीज इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'आब्स्टेकल्स इन द वे आफ ए फारेन लैंग्यूवेज प्रोग्राम इन इण्डिया – लर्निंग फ्राम द जेपनीज एक्सपिरियंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– वी. राघवन ने 9 अक्टूबर 2003 को जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रमोशन आफ कोरियन स्टडीज इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी के समन्वयक एवं संयोजक के रूप में कार्य किया।

– वी. राघवन ने 9 से 20 फरवरी 2004 तक सियोल में दक्षिण–पूर्व दक्षिण–पश्चिम एशिया में स्थित विश्वविद्यालयों के कोरियाई भाषा के शिक्षकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

– वी. राघवन ने 23 अगस्त 2003 को इण्डियन पुगवाश सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'न्यूक्लियर क्राइसिस इन कोरिया : इंप्लिकेशंस ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- अनिता खन्ना ने 29 अक्टूबर 2003 को एन.आई.जे.एल., तोक्यो में आयोजित 'ह्यूमर इन जेपनीज लिट्रेचर' शीर्षक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 16 सितम्बर 2003 को तोक्यो, जापान में आयोजित 'विजुअल रिप्रिजेंटेटर आफ जेपनीज लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 13–14 नवम्बर 2003 को तोक्यो, जापान में आयोजित 'जेपनीज लिट्रेचर' के 27वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 6 दिसम्बर 2003 को ओसाका विश्वविद्यालय, ओसाका, जापान में आयोजित 'गेंजी मोनोगातारी इन वर्ल्ड लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 17 जनवरी 2004 को सुकेनदई विश्वविद्यालय में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन आफ द बेसिक रिसर्च' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 29 अक्टूबर 2003 को तोक्यो, जापान में आयोजित 'द सिगमेंट आफ ह्यूमोरियस इन कोंगाकु मोनोगातारी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनिता खन्ना ने 'जेपनीज कोकेइबाउ ऐंड द इंडियंस वर्क्स आफ भारतेंदु हरिश्चन्द्र (1880)' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

मंजुश्री चौहान ने 9 से 13 जनवरी 2004 तक भारतीय जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा नई दिल्ली में भारत में जापानी भाषा कोर्स की विभिन्न स्तरों पर शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए आयोजित 'जेपनीज लैंग्वेज एज्यूकेशन' विषयक तीसरी अखिल भारतीय कार्यशाला में भाग लिया। (स्नातक कोर्स के लिए जापानी साहित्य पर पुस्तक तैयार करने के लिए परिचर्चा की)

- सुषमा जैन ने 9 से 13 जनवरी 2004 तक भारतीय जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा नई दिल्ली में भारत में जापानी भाषा कोर्स की विभिन्न स्तरों पर शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए आयोजित 'जेपनीज लैंग्वेज एज्यूकेशन' विषयक तीसरी अखिल भारतीय कार्यशाला में भाग लिया। (स्नातक कोर्स के लिए जापानी साहित्य पर पुस्तक तैयार करने के लिए परिचर्चा की)
- नीरा कोंगरी ने 9 से 13 जनवरी 2004 तक भारतीय जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा नई दिल्ली में भारत में जापानी भाषा कोर्स की विभिन्न स्तरों पर शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए आयोजित 'जेपनीज लैंग्वेज एज्यूकेशन' विषयक तीसरी अखिल भारतीय कार्यशाला में भाग लिया। (स्नातक कोर्स के लिए जापानी संस्कृति और समाज पर पुस्तक तैयार करने के लिए परिचर्चा की)
- राजेन्द्र तोमर ने 9 से 13 जनवरी 2004 तक भारतीय जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा नई दिल्ली में भारत में जापानी भाषा कोर्स की विभिन्न स्तरों पर शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए आयोजित 'जेपनीज लैंग्वेज एज्यूकेशन' विषयक तीसरी अखिल भारतीय कार्यशाला में भाग लिया। (स्नातक कोर्स के लिए जापानी इतिहास पर पुस्तक तैयार करने के लिए परिचर्चा की)
- जनश्रुति चन्द्र सेठ ने 9 से 13 जनवरी 2004 तक भारतीय जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'जेपनीज लैंग्वेज एज्यूकेशन' विषयक तीसरी अखिल भारतीय कार्यशाला में भाग लिया।
- जनश्रुति चन्द्र रोठ ने 8 से 14 अक्टूबर 2003 तक जे.ए.एल.टी.ए.आई. द्वारा जापानी भाषा के शिक्षकों के लिए आयोजित पुनश्चर्या व शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- एम.वी. लक्ष्मी ने ने 9 से 13 जनवरी 2004 तक भारतीय जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'जेपनीज लैंग्वेज एज्यूकेशन' विषयक तीसरी अखिल भारतीय कार्यशाला में भाग लिया।

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र

- एस.के. सरीन ने 27 से 29 जनवरी 2004 तक उत्तरी गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन, अहमदाबाद में सेंटर फार इंडियन डायस्पोरा ऐंड कल्चरल स्टडीज द्वारा आयोजित 'नेशनलिज्म, ट्रांसनेशनलिज्म ऐंड द इंडियन डायस्पोरा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- एम. प्रांजपे ने 12 फरवरी 2004 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'ट्रांसलेशन ऐंड द सोसियो–लिटरेरी' विषयक सम्मेलन में 'ट्रांसलेटिंग स्पेसिज' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- एम. प्रांजपे ने 2 से 4 फरवरी 2004 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

  एम. प्रांजपे ने 14 फरवरी 2004 को मानव अध्ययन संस्थान, हैदराबाद में आयोजित 'डिफाइनिंग इंडियन आइडेंटिटीज इन एन इरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इंडियन आइडेंटिटी : पॉसिबिलीटीज ऐंड पिटफाल्स' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।

  एम. प्रांजपे ने 10–11 मार्च 2004 को कोलकाता विश्वविद्यालय में आयोजित 'रि–व्युइंग कल्चर ऐंड इंपेरिएलिज्म' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द ऐंड आफ पोस्टकॉलोनिएलिज्म ? शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एम. प्रांजपे ने 19 से 21 मार्च, 2004 तक एस.ए.सी.ए.आर. और *पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी में आयोजित* 'रिसर्जेंट इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'श्री अरबिन्दो ऐंड द रिसर्जेंस आफ इंडिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. प्रांजपे ने 25 से 27 मार्च 2004 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'इंग्लिश स्टडीज : इंडियन *पर्सपेक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'अमेरिकन स्टडीज : इंडियन पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत* किया।
- एम. प्रांजपे ने 7 फरवरी 2004 को भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू में 'ट्रांस कल्चरल आइडेंटिटी इन वुमन्स टेक्स्ट, फीचरिंग मार्टिना घोष – शेलहार्न आफ यूनिवर्सिटी आफ सारलैण्ड ऐंड चांदनी लोकुज, डाइरेक्टर आफ सेंटर फार पोस्ट कॉलोनियल राइटिंग, मोनास यूनिवर्सिटी, मेलबोर्न' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की।
- एम. प्रांजपे ने 14 से 21 जनवरी 2004 तक वर्ल्ड सोशल फोरम, मुम्बई में 'द चार्टर आफ ह्यूमन रिस्पांसीबिलिटीज ऐंड द चाइना–इंडिया इंटरकल्चरल डायलॉक' विषयक दो कार्यशालाएं आयोजित की।
- एम. प्रांजपे ने 'इंग्लिश स्टडीज : इंडियन पर्सपेक्टिव्स' विषयक तीन दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने 30 जून से 4 जुलाई 2003 तक ब्रिस्बेन, आस्ट्रेलिया में आयोजित 'आस्ट्रेलियन थिएटर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने 15 से 17 जनवरी 2004 तक नई दिल्ली में आयोजित 'आइडेंटिटी, रिप्रिजेंटेशन ऐंड *बिलांगिंग' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।*
- जी.जे.वी. प्रसाद ने दिसम्बर 2003 में जयपुर में आयोजित 'पोइट्री' विषयक साहित्य अकादमी कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- एस. भादुड़ी ने 24 से 26 मार्च 2004 तक अमृतसर में भारतीय लोक साहित्य कांग्रेस और पंजाबी अध्ययन संस्थान, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 23वीं भारतीय लोक साहित्य कांग्रेस में भाग लिया तथा 'फोकलोर एज एन आइडियोलॉजिकल फॉर्म : द केस आफ केननाइजिंग फेयरी टेल्स इन बंगाल' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुड़ी ने 12 से 14 फरवरी 2004 तक नई दिल्ली में अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषाएं विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली और केंद्रीय भारतीय भाषाएं संस्थान, मैसूर द्वारा आयोजित 'ट्रांसलेशन ऐंड सोसियोलिटरेरी स्पेस' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ट्रांसलेटिंग पावर : रिप्रेशन, हिगमोनी, रेसिस्टांस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुड़ी ने 2 से 4 फरवरी 2004 तक चैन्नई में राष्ट्रीय लोक साहित्य सहायता केंद्र, चैन्नई, मानव विज्ञान विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, सी.आई.आई.एल. और संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'फॉकलोर एज डिसकोर्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द आइडियोलॉजी आफ डिसकोर्स इन द फाक सेक्रड स्पेस : पोटेंशिएलाइजिंग सबवर्क्सन इन द वृत कथा ट्रेडिशन आफ बंगाल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुड़ी ने 2 फरवरी 2004 को आयोजित 'फॉकलोर एज डिसकोर्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिसकोर्स आफ डांस, म्यूजिक ऐंड फेस्टिवल' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।

- एस. भादुड़ी ने 27 से 29 जनवरी 2004 तक अहमदाबाद में सेंटर फार इंडियन डायसपोरा ऐंड कल्चरल स्टडीज, उत्तरी गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन में आयोजित 'नेशनलिज्म, ट्रांसनेशनलिज्म ऐंड द इंडियन डायसपोरा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'नेटिविज्म, नेशनलिज्म, ट्रांसनेशनलिज्म : प्राब्लमेटिजिंग पोस्टकॉलोनियल थीअरि' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुड़ी ने 18 से 21 दिसम्बर 2003 तक नई दिल्ली में सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, द इंटरनेशनल एसोसिएशन फार द हिस्ट्री आफ रिलिजन और आई.आई.सी. द्वारा आयोजित 'रिलीजंस इन द इंडिक सिविलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रीडिंग केनोनीकल टेक्स्ट' शीर्षक सत्र में परिचर्चा की।
- नवनीत सेठी ने 2 से 5 मई 2003 तक एल्बर्ट विश्वविद्यालय, कनाडा में आयोजित 'कल्चर ऐंड स्टेट : पास्ट, प्रिजेंट ऐंड फ्यूचर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इक्वल अपरच्युनिटीज इन हायर एज्यूकेशन इन इंडिया : पायोनियरिंग स्टराइड्स आफ जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, 'इंडिया : ए केस स्टडी' शीर्षक आलेख अनुपस्थिति में पढ़ा गया।

दर्शनशास्त्र ग्रुप

- आर.पी. सिंह ने 23 जून 2003 को आई.आई.सी. में सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'कल्चरल डिसकोर्स : आइडेंटिटी ऐंड डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर.पी. सिंह ने 27 जुलाई 2003 को आई.आई.सी. में सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन : इट्स हिस्ट्री' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर.पी. सिंह ने 19 अगस्त 2003 को आई.आई.सी. में सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'डिवलपमेंट एज ह्यूमन राइट्स– विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर.पी. सिंह ने 24 सितम्बर 2003 को सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा आई.आई.सी. में आयोजित 'डेमोक्रेसी ऐंड ह्यूमन राइट्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर.पी. सिंह ने 27 सितम्बर 2003 को सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा आई.आई.सी. में आयोजित 'तन्त्र फिलोस्फी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर.पी. सिंह ने 3 से 5 जनवरी 2004 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला और आई.सी.पी.आर. द्वारा आयोजित 'वेदा एज नॉलेज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- आर.पी. सिंह ने 23 से 25 जनवरी 2004 तक जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आई.सी.पी.आर. द्वारा आयोजित 'इंडियन फिलोसॉफी, साइंस ऐंड कल्चर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- एस.जे. हवेवाला ने 24 से 25 फरवरी 2004 तक सी.पी. ऐंड सी ए एस और कल्चर हाउस आफ इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान इन दिल्ली द्वारा आयोजित 'नसीरूद्दीन तुसी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया, प्रथम सत्र की अध्यक्षता की और 'नसीरूद्दीन तुसी ऐंड हिज कनटेम्पोरेरीज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.जे. हवेवाला ने 14 से 17 मार्च 2004 तक केंद्र द्वारा आयोजित 'उमर खय्याम ऐंड इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस.जे. हवेवाला ने 'द पोइट आफ द ईस्ट, डिस्कवर्ड बाइ द वेस्ट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- सैयद अख्तर हुसैन ने 5 जुलाई 2003 को आई.आई.सी. में ईरान दूतावास द्वारा आयोजित 'प्रमोशन आफ पर्सियन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय फारसी संगोष्ठी में भाग लिया।
- सैयद अख्तर हुसैन ने 24–25 फरवरी 2003 को नई दिल्ली में जेएनयू, ईरान संस्कृति हाउस और यूनेस्को द्वारा आयोजित 'नसीरूद्दीन तुसी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- सैयद अख्तर हुसैन ने 14 से 16 नवम्बर 2003 तक नई दिल्ली में केंद्र द्वारा आयोजित 'उमर खय्याम ऐंड इंडिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- एस.ए. हसन ने 14 से 20 मई 2003 तक दुशांके, ताजिकिस्तान में आयोजित 'लिगेसी ऐंड वर्क्स आफ अमीर खुसरो' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'अमीर खुसरों ऐंड सबक–ए–हिन्दी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.ए. हसन ने 18 दिसम्बर 2003 को फारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'लिटरेरी ट्रेंड्स आफ्टर द इस्लामिक रिवोल्यूशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.ए. हसन ने दिसम्बर 2003 में अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'ट्रेंड्स ऐंड मूवमेंट्स' विषयक व्याख्यान दिया। (वि.अ.आ. के तहत)
- एस.ए. हसन ने 14 जनवरी 2004 को ईरान संस्कृति हाउस, नई दिल्ली में 'स्टेटस आफ वुमन इन पर्सियन नावल्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस.ए. हसन ने 17 जनवरी 2004 को ईरान संस्कृति हाउस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'पर्सियन स्टडीज इन इंडिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

रूसी अध्ययन केंद्र

- आर. कुमार ने 5 से 7 नवम्बर 2003 तक आयोजित 'एफ.आई. त्युतचेव'स बाइसेंटेनियल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और स्वागत व्याख्यान दिया तथा समापन समारोह की अध्यक्षता भी की।
- आर. कुमार ने 9 से 10 दिसम्बर 2003 तक आयोजित 'एथनो–लिगनल आस्पेक्ट्स इन द टीचिंग आफ रसियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द इवोल्युशन ऐंड स्ट्रेंथनिंग आफ टीचिंग आफ रसियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर इन इंडिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.सी. पाण्डे ने 9 से 10 दिसम्बर 2003 तक रूसी विज्ञान और संस्कृति केंद्र में आयोजित 'एथनो लिंगुअल आस्पेक्ट्स इन द टीचिंग आफ रसियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एच.सी. पाण्डे ने 18 से 20 मार्च 2004 तक रूसी विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बदोदरा में आयोजित 'लैंग्वेज, लिट्रेचर ऐंड सोसायटी : द इंडियन ऐंड रसियन एक्सपीरियंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- मीता नारायण ने 9 से 10 दिसम्बर 2003 को रूसी विज्ञान और संस्कृति केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित 'एथनो लिंगुअल आस्पेक्ट्स इन द टीचिंग आफ रसियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- मीता नारायण ने 5 से 7 नवम्बर 2003 तक रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'फ्योडोर आई. त्युतचेव'स बाइसेंटेनियल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- मीता नारायण ने 15 सितम्बर 2003 को भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, जेएनयू में 'लिटरेरी ट्रांसलेशन की फोरम में भाग लिया।
- अमर बसु ने 18 से 20 मार्च 2004 तक बड़ौदा में आयोजित लैंग्वेज लिट्रेचर ऐंड सोसायटी' विषयक महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय स्वर्ण जयंती संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द कंट्रीब्यूशन आफ ईस्ट यूरोपीयन स्कूल इन द फील्ड आफ कंपेरेटिव स्टडीज आफ लिट्रेचर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अगर बसु ने 19 मार्च 2004 को एम.एस. विश्वविद्यालय बड़ौदा में 'स्टोरीज आफ एंटन चेखोव' विषयक व्याख्यान दिया।

इस्पानी अध्ययन केंद्र

- वसंत जी. गद्रे ने 15 सितम्बर 2003 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित 'पाब्लो नेरूदा ऐंड इंडिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'पाब्लो नेरूदा'ज इनकाउंटर विद जवाहरलाल नेहरू' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.पी. गांगुली ने 2003 में 'नेट' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यशाला और मार्च 2004 में इंडियालोग प्रकाशन और आई.आई.सी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'नरेटिंग पार्टिशन' विषयक संगोष्ठी की परिचर्चा में भाग लिया।
- एस.पी. गांगुली ने 2003 में साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित 'रफेल अल्बर्टी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ट्रेडिशन ऐंड रिनोवेशन इन अल्बर्टी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एस.पी. गांगुली ने 2003 में साहित्य अकादमी में स्व. प्रोफेसर एस.के. दास की स्मृति में आयोजित 'सिसिर कुमार दास द प्ले राइट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए. चट्टोपाध्याय ने पाम्पलोना विश्वविद्यालय, स्पेन में आयोजित 'गोल्डन एज लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- एस.ए. रहमान, जनवरी 2004 में ओमान, मस्कट गए तथा सुल्तान कैबस विश्वविद्यालय में 'अरबिक स्टडीज इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- विजयलक्ष्मी राव ने 12–13 मार्च 2004 को फ्रेंच विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित 'फ्रेंकाफोन लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी में चार व्याख्यान दिए।

भारतीय भाषा केंद्र

- नसीर अहमद खान ने अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'गजल के उरूज के अस्बाब' विषयक व्याख्यान और उर्दू विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'उर्दू फिक्शन' पर व्याख्यान दिए।
- मैनेजर पाण्डेय ने 10 अप्रैल 2003 को जयपुर में 'भूमण्डलीकरण और साहित्य समाज' विषयक महात्मा फूले स्मृति व्याख्यान दिया।
- मैनेजर पाण्डेय ने 4 अगस्त 2003 को उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'हिन्दी में आधुनिकता के उदय का समाजशास्त्र' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैनेजर पाण्डेय ने 18 सितम्बर 2003 को गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 'रामचन्द्र शुक्ल का काव्य–दर्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैनेजर पाण्डेय ने 18 सितम्बर 2003 को गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 'रामचन्द्र शुक्ल और कविता का भविष्य' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैनेजर पाण्डेय ने 22 जनवरी 2004 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में 'हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैनेजर पाण्डेय ने 23 जनवरी 2004 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में 'बच्चन का महत्व' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 14 जून 2003 को संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित 'कबीर समागम' में 'कबीर फोर अस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 30 जून 2003 को महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय द्वारा नैनीताल में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में 'आइडेंटिटी ऐंड लिट्रेचर ऐंड द मेकिंग आफ हिन्दी पब्लिक स्फेयर' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 24 जुलाई 2003 को तुलनात्मक साहित्य विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 16 अगस्त 2003 को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली में 'कबीर ऐंड पालिटिक्स आफ आइडेंटिटी' विषयक अनुशीलन व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 22 अगस्त 2003 को मध्य प्रदेश साहित्य परिषद द्वारा जबलपुर में आयोजित परसाई स्मृति व्याख्यान में 'पोस्ट इनडिपेन्डेंट इंडिया ऐंड हरिशंकर परसाई' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 3–4 सितम्बर 2003 को यूथ रीच, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'महाभारत' पर 'फ्यूटिलीटी आफ वायलेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 12 अक्टूबर 2003 को मध्यप्रदेश साहित्य परिषद द्वारा ग्वालियर में आयोजित रामविलास शर्मा स्मृति संगोष्ठी में 'आलोचना का अवरोध' विषयक व्याख्यान दिया।

- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 29 अक्टूबर 2003 को नई दिल्ली में भारतीय विज्ञान, दर्शन और संस्कृति का इतिहास तथा सांस्कृतिक अध्ययन और सभ्यता की परियोजना द्वारा प्रायोजित 'हिस्ट्री आफ सोसियो इकोनामिक ऐंड पालिटिकल आइडियाज इन इंडिया 1850–1950' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्वत्व निज भारत गहे : द आइडिया आफ से इन भारतेंदु हरिश्चन्द्र'स इमेजीनेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 18 जनवरी 2004 को 'इंडियन ह्युमनिस्ट यूनियन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'फ्री थॉट रेशनलिस्ट ऐंड ह्युमनिस्ट ट्रेडिशन इन इंडियन कल्चर' विषयक संगोष्ठी में 'कबीर : फाइंडिंग एन अल्टरनेटिव टु रिलिजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 25 जनवरी 2004 को अंग्रेजी विभाग, उदयपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंग्रेजी पुनश्चर्या कोर्स में समापन व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 26 फरवरी 2004 को स्लाविक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'फिल्म्स फ्राम ईस्ट यूरोप' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 19–20 मार्च 2004 को विकासशील देश अनुसंधान केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय और विद्या ज्योति धर्म विज्ञान महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'वाउंडेड हिस्ट्री : रिलिजन कंफ्लिक्ट, साइक ऐंड सोशल हीलिंग' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'पीर पराई जाने रे : टु नो द सफरिंग आफ अदर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 25 मार्च 2004 को हिन्दी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में 'रि–रीडिंग भक्ति पोइट्री इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 23 नवम्बर 2003 को अमेरिकन एकेडमी आफ रिलिजन, अटलांटा, यू.एस.ए. की वार्षिक बैठक में 'डायलेक्टिक्स आफ अगोनी : द साधना (परस्यूट) आफ कबीर' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- पुरुषोत्तम अग्रवाल ने 18 से 21 दिसम्बर 2003 को इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हिस्टोरियन्स आफ रिलिजन और सेंटर आफ स्टडीज इन डिवलपिंग सोसायटीज द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'रिलिजंस इन इंडिया सिविलाइजेशंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'बियोंड डिक्शनरीज : कबीर ऐंड हिज पोइट्री' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मोहम्मद साहिद हुसैन ने 29 मार्च 2004 को गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 'टीचिंग आफ ड्रामा' विषयक व्याख्यान दिया।
- वीर भारत तलवार ने '8थ शिड्यूल ऐंड इंडियन लैंग्वेजिज' विषयक व्याख्यान दिया।
- वीर भारत तलवार ने 26 मार्च 2004 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स (हिन्दी) में 'ट्राइबल लैंग्वेजिज ऐंड लिट्रेचर इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ओम प्रकाश सिंह ने 10 सितम्बर 2003 को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में 'लोक जागरण और हिन्दी आलोचना : संदर्भ महावीर प्रसाद द्विवेदी' विषयक व्याख्यान दिया।
- ओम प्रकाश सिंह ने 22 दिसम्बर 2003 को उदय प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी में 'राही मासूम रजा के उपन्यास और साम्प्रदायिक समस्याओं का स्वरूप' विषयक व्याख्यान दिया।
- ओम प्रकाश सिंह ने 6 फरवरी 2004 को बैसवारा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लालगंज, रायबरेली, उत्तर प्रदेश में 'सुमित्रानंदन पंत की कविता और जनजीवन' विषयक व्याख्यान दिया।

जापनी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- पी.ए. जार्ज ने 8 से 14 अक्टूबर 2003 तक जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा जापानी भाषा शिक्षकों के लिए आयोजित पुनश्चर्या व शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए 'एसे राइटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- मंजुश्री चौहान ने 8 से 14 अक्टूबर 2003 तक जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा जापानी भाषा शिक्षकों के लिए आयोजित पुनश्चर्या व शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए 'जेपनीज कल्चर ऐंड फेस्टीवल' विषयक व्याख्यान दिया।

- सुषमा जैन ने 8 से 14 अक्टूबर 2003 तक जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा जापानी भाषा शिक्षकों के लिए आयोजित पुनश्चर्या व शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए 'आस्पेक्ट्स आफ जेपनीज ग्रामर' विषयक व्याख्यान दिया।

- सुषमा जैन ने 8 से 14 अक्टूबर 2003 तक जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा जापानी भाषा शिक्षकों के लिए आयोजित पुनश्चर्या व शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए 'काजेटीवाइजेशन ऐंड पेसीवाइजेशन इन जेपनीज' विषयक व्याख्यान दिया।

- नीरा कोंगरी ने 8 से 14 अक्टूबर 2003 तक जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा जापानी भाषा शिक्षकों के लिए आयोजित पुनश्चर्या व शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए 'युसेज आफ पार्टिसेज, ट्रांजीटिव ऐंड इंट्रांजीटिव वर्ब्स' विषयक व्याख्यान दिया।

- राजेन्द्र तोमर ने 8 से 14 अक्टूबर 2003 तक जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा जापानी भाषा शिक्षकों के लिए आयोजित पुनश्चर्या व शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए 'हिस्ट्री ऐंड रीलिजन' विषयक व्याख्यान दिया।

- एम.वी. लक्ष्मी ने 8 से 14 अक्टूबर 2003 तक जापानी भाषा शिक्षक संघ द्वारा जापानी भाषा शिक्षकों के लिए आयोजित पुनश्चर्या व शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र

कपिल कपूर ने 29 सितम्बर से 1 अक्टूबर 2003 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित 'इंडियन नॉलेज सिस्टम्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नेचर, फिलासॉफी ऐंड करेक्टर आफ इंडियन नॉलेज सिस्टम्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 6 अक्टूबर 2003 को कंप्यूटर विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स (लैंग्वेज टेक्नोलॉजीज) में 'लैंग्वेज टेक्नोलॉजीज – लिमिट्स ऐंड स्कोप' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 10 अक्टूबर 2003 को एम.एम.वी. महिला महाविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन' विषयक प्लेटिनम जुबली व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 28 नवम्बर 2003 को आयोजित 'लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर स्टडीज इन इंडिया इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक वि.अ.आ. की राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'न्यू डाइरेक्शंस इन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर स्टडीज' विषयक व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 1 दिसम्बर 2003 को तुलनात्मक साहित्य विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'इंडियन लिंग्विस्टिक्स थॉट' विषयक व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 15 दिसम्बर 2003 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'एप्लाइड लिंग्विस्टिक्स' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'एप्लाइड लिंग्विस्टिक्स इन इंडियन ट्रेडिशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

कपिल कपूर ने 20 दिसम्बर 2003 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'इंडिक रिलिजंस ऐंड इंडियन सिविलाइजशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'लैंग्वेज आफ धर्म' शीर्षक व्याख्यान दिया।

कपिल कपूर ने 6 जनवरी 2004 को भाषा–विज्ञान विभाग में आयोजित 'लिंग्विस्टिक्स ऐंड कंटेम्पोरेरि लिटरेरी थीअरि' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लिंग्विस्टिक्स ऐंड लिटरेरी थीअरि – इंडियन इनसाइट्स' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 5 जनवरी 2004 को 'इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आस्ट्रेलियन स्टडीज एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा आयोजित 'आइडेंटिटी, रिप्रिजेंटेशन ऐंड बिलांगिंग' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द क्वेश्चन आफ आइडेंटिटी इन इंडिया' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 18 जनवरी 2004 को आई.सी.सी.एस.आर., नई दिल्ली में आयोजित 'सीयर्स, सेंजिज ऐंड हीरोज इन इंडियन ट्रेडिशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'डिफेंडर्स आफ इंडियन कल्चर' शीर्षक व्याख्यान दिया।

कपिल कपूर ने 20 जनवरी 2004 को 'द इंस्टीट्यूट आफ हायर तिबेतन स्टडीज, सारनाथ में आयोजित 'वैल्यूज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'वैल्यूज इन आयुर्वेद ऐंड द ह्यूमन माइन्ड' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- कपिल कपूर ने 21 जनवरी 2004 को भाषा विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'लिंग्विस्टिक्स ऐंड लिट्रेचर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंडियन लिंग्विस्टिक इनसाइट आन लिट्रेचर' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 25 जनवरी 2004 को जामिया हमदर्द में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा युवाओं के लिए आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साइकोलॉजीकल डाइमेंशंस आफ इंडियन पोइटिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 27 से 30 जनवरी 2004 तक उत्तरी गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन द्वारा आयोजित 'नेशनलिज्म ऐंड डायस्पोरा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कांससनेस आफ होम ऐंड आइडेंटिटी' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 2 से 4 फरवरी 2004 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंटरप्रिटेशन इन इंडियन एक्सजेटिकल ट्रेडिशन' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 15 फरवरी 2004 को नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली में आयोजित 'सिविलाइजेशनल इंटरफेसिज इन द कांटेक्स्ट आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'चैलेंजिज टु पीसफुल इंटरफेस अमंग सिविलाइजेशंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 2 मार्च 2004 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित 'मैन, नेचर ऐंड सोल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'आत्मा इन इंडियन थॉट' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 9 मार्च 2004 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद और सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'इनवर्डेड सब्जेक्टीविटी – द थ्री वर्ल्डस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'एस्थेटिक वैल्यू इन इंडियन थॉट' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कपिल कपूर ने 27 मार्च 2004 तक आई.सी.सी.एस.आर. आडिटोरियम में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित 'थीअरिज आफ सोल इवोल्युशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'डज आत्मा इवॉल्व ?' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस.के. सरीन ने 14 जुलाई 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में; 29 मार्च 2003 को सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट में 'आस्ट्रेलियन फिक्शन' विषयक व्याख्यान और 23 सितम्बर 2003 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में 'लैंग्यूवेज इन लिट्रेचर' विषयक व्याख्यान दिए।
- मकरंद प्रांजपे ने 12 सितम्बर 2003 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'गुरू बाई युअर बेड साइड विषयक परिचर्चा में भाग लिया। यह व्याख्यान एस.डी. पाण्डेय ने दिया। डा. कर्ण सिंह ने इसकी अध्यक्षता की।
- मकरंद प्रांजपे, 19 सितम्बर 2003 को इंडिया हेबिटेट सेंटर में 'द फाउंडेशन फार ह्यूमन रिस्पांसिबिलिटी आफ हिज हॉलीनेस द दलाई लामा द्वारा आयोजित 'लाईफ' विषयक परियोजना में भाग लेने के लिए दिल्ली के विभिन्न स्कूलों से आए प्रतिभागियों के साथ 'व्हाट लाइफ मींस टु मी' विषयक परिचर्चा में समन्वयक थे।
- मकरंद प्रांजपे ने 7–9 नवम्बर 2003 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स (अंग्रेजी अध्ययन) में 'इंग्लिश स्टडीज : एन इंडियन स्टॉक टेकिंग' विषयक तीन व्याख्यान दिए।
- मकरंद प्रांजपे ने 8 नवम्बर 2003 को अंग्रेजी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में कविता पाठ किया।
- मकरंद प्रांजपे ने 19 से 21 दिसम्बर 2003 तक महिला अध्ययन केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में दो व्याख्यान दिए तथा एक कार्यशाला आयोजित की।
- मकरंद प्रांजपे ने 17 फरवरी 2004 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स (वुमन्स स्टडीज) में 'डिकंसट्रक्टिंग बाइनरीज : साइंस ऐंड लैंग्वेज' विषयक व्याख्यान दिया।
- जी.जे.वी. प्रसाद ने सितम्बर 2003 में अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में दो व्याख्यान दिए।
- फ्रेंसन मंजली ने 16 दिसम्बर 2003 को दर्शनशास्त्र विभाग, स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय, फ्रांस में 'Des langues : dugenie aux promesses' विषयक व्याख्यान दिया।

दर्शनशास्त्र ग्रुप

- आर.पी. सिंह ने दीन दयाल विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र. में वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित पुनश्चर्या कोर्स में चार व्याख्यान दिए।
- आर.पी. सिंह ने 2 से 4 फरवरी 2004 तक भाषा विभाग और अंग्रेजी केंद्र द्वारा आयोजित 'शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मेथेडोलाजीकल इश्यूज कंसर्निंग हर्मेन्युटिक्स इन द उपनिषद्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.पी. सिंह ने इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'कांससनेस–वेस्टर्न पर्सपेक्टिव' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- एस.जे. हवेवाला ने 21 जनवरी 2004 को ईरान संस्कृति हाउस में 'माडर्न पर्सियन नालवें' विषयक व्याख्यान दिया।
- सैयद अख्तर हुसैन ने 17 से 19 दिसम्बर 2003 तक अरबी और फारसी विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय में 'आस्पेक्ट्स आफ पर्सियन स्टडीज' विषयक व्याख्यान दिए।

रूसी अध्ययन केंद्र

- आर. कुमार ने 19 जनवरी 2004 को एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा के फ्रेंच और जर्मन विभागों के शिक्षकों के लिए 'द प्राब्लम्स ऐंड पर्सपेक्टिव्स आफ टीचिंग इंटरप्रिटेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.सी. पाण्डेय ने 18 मार्च 2004 को रूसी विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वदोदरा में आयोजित 'लैंग्वेज, लिट्रेचर ऐं सोसायटी, द रसियन ऐंड इंडियन एक्सपिरियंस' विषयक स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में 'रिलिवेंस आफ रसियन लैंग्वेज स्टडीज इन इंडिया' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।

  अमर बसु ने 22 और 26 मार्च 2004 को महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वदोदरा में वि.अ.आ. विजिटिंग फेलो के रूप में 'रसियन लिट्रेचर' विषय पर 10 व्याख्यान दिए।

शिक्षकों को प्राप्त सम्मान/पुरस्कार/अध्येतावृत्तियां

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- विजयलक्ष्मी राव को मांट्रियल विश्वविद्यालय में 'रिप्रिजेंटेशन आफ इंडिया इन क्यूबेक लिट्रेचर' विषय पर शोध कार्य करने के लिए शास्त्री इण्डो–कनेडियन इंस्टीट्यूट से वर्ष 2004 की शिक्षक शोध अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

भारतीय भाषा केंद्र

- वीर भारत तलवार को 22 जून 2003 को ए.जे.एस.यू., जमशेदपुर द्वारा 'झारखण्ड रत्न' सम्मान दिया गया।
- मजहर हुसैन को 'उर्दू लिट्रेचर इन कॉलोनियल इंडिया, 1857–1921' पर शोध कार्य हेतु वर्ष 2002–2005 के लिए वि.अ.आ. शोध पुरस्कार प्राप्त हुआ।

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र

- एम. प्रांजपे वर्ष 2003 में हैरी रैंसम ह्यूमनीटीज रिसर्च सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास, आस्टिन, यू.एस.ए. में मेलन फेलो के रूप में गए।
- फ्रेंसन मंजली जुलाई से दिसम्बर 2003 तक मेसन देज साइंसेज दे एल' हॉम/इकोल देज हाटस एत्युदेज एन साइंसेज सासियाल्स, पेरिस और दर्शनशास्त्र विभाग, मार्क ब्लाक विश्वविद्यालय, स्ट्रासबर्ग में विजिटिंग फेलो के रूप में रहीं।

रूसी अध्ययन केंद्र

- अमर बसु 22 से 26 मार्च 2004 तक महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वदोदरा में वि.अ.आ. के विजिटिंग फेलो के रूप में गए।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

– आर. रहमान, सदस्य, शोध अध्ययन समिति, कोलकाता विश्वविद्यालय।

चीनी और दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र

– एम. भट्टाचार्य, सदस्य, कोर्स/पाठ्यचर्या समिति, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम; सदस्य, पाठ्यचर्या समिति, डी.सी.आई.टी.बी. पुलिस, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

– सबरी मित्रा, सदस्य, स्थायी समिति, चीनी अध्ययन संस्थान, सी.एस.डी.एस., नई दिल्ली।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

– एस. रामाकृष्ण, सदस्य, अध्ययन मण्डल (फ्रेंच), पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़; सदस्य (फ्रेंच), अध्ययन मण्डल, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब; सदस्य, अध्ययन मण्डल (फ्रेंच), कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय।

– एन. कमला, सदस्य, अध्ययन मण्डल, राजस्थान विश्वविद्यालय (21 जनवरी 2004 से)

विजयलक्ष्मी राव, सदस्य, अध्ययन मण्डल (तीन वर्ष के लिए), आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

भारतीय भाषा केंद्र

– नसीर अहमद खान, सदस्य अध्ययन मण्डल, जम्मू विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सदस्य, कार्यक्रम समिति, एन.सी.पी.यू.एल., मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली।

– मैनेजर पाण्डेय, साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए गठित ज्यूरी के सदस्य; सदस्य, डी.एस.ए. सलाहकार समिति, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

– पुरुषोत्तम अग्रवाल, सदस्य, अमेरिकन एकेदमी आफ रिलिजन, अटलांटा, यू.एस.ए.

– मोहम्मद साहिद हुसैन, सदस्य, शासी परिषद, उर्दू अकादमी दिल्ली, नवम्बर, 2003

– एस.एम. अनवार आलम, सदस्य, शोध समिति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ (उ.प्र.)

– देवेन्द्र कुमार चौबे, सदस्य, संपादक मंडल, हिन्दी पत्रिका 'शब्द' (प्रो. केदारनाथ सिंह द्वारा संपादित)

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

– पी.ए. जार्ज, सदस्य, अध्ययन मंडल, विदेशी भाषाएं विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)

– सुषमा जैन, बाह्य सदस्य, केन्द्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषाएं संस्थान, लखनऊ

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र

– कपिल कपूर, सदस्य, प्रसिद्ध सामाजिक विचारकों के लिए योजना तैयार करने के लिए गठित वि.अ.आ. की समिति 2003; सदस्य, वित्त समिति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, 2003–2006; सदस्य, वित्त समिति, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, दिल्ली, 2003–2005; सदस्य, शिक्षा क्षेत्र में सुधार हेतु गठित कार्य बल, नीपा, नई दिल्ली, 2004; सदस्य निजी विश्वविद्यालयों की समीक्षा करने के लिए गठित वि.अ.आ. की समिति 2004

– एम. प्रांजपे, संपादक, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पुनः मुद्रित दुर्लभ और बिना मुद्रित पुस्तकें; न्यासी, संवाद इंडिया फाउंडेशन, पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट; संस्थापक संपादक, इवाम : फोरम आन इंडियन रिप्रिजेंटेशन, भारतीय साहित्य और संस्कृति पर नई अन्तरविषयक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।

– एस. भादुड़ी, सदस्य, अधिमत संकाय समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डिजाइन, अहमदाबाद; अतिथि संपादक, क्रिएटिव फोरम, भाग–17, अंक 1, जनवरी–जून 2004, 'इंडियन लिटरेचर्स इन ट्रांसलेशन' पर विशेषांक।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

– एम. आलम, कुलपति के नामित सदस्य, उच्च अध्ययन मण्डल, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर

– ए. अहमद, सदस्य, सम्पाकीय मण्डल, सार–संसार, हैदराबाद से प्रकाशित त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिका।

– सैयद अख्तर हुसैन, सदस्य, अध्ययन मंडल, अरबी और फारसी विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता,; सदस्य, फुल ब्राइट अध्येतावृत्ति समिति, यू.एस.ई.एफ.आई., फुल ब्राइट हाउस, नई दिल्ली

– एस.ए. हसन, पुनः नामित सदस्य, डायस अकादमी, बंगलौर

रूसी अध्ययन केंद्र

– अमर बसु, सह–संपादक, क्रिटिक – रूसी अध्ययन केंद्र

इस्पानी अध्ययन केंद्र

– ए. चट्टोपाध्याय, सदस्य, अध्ययन मंडल, कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

7. जीवन विज्ञान संस्थान

जीवन विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1970–71 के दौरान हुई थी। यह संस्थान अपनी स्थापना से अब तक देश में एक अग्रणी बहु–विषयक शोध एवं शिक्षण विभाग के रूप में रहा है। संस्थान ने आधुनिक जीव विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में नव प्रवर्तनकारी शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाए। संस्थान पादप अणु जीव विज्ञान, आनुवंशिकी, कोशिका और अणु जीव विज्ञान, तंत्रिका जीव विज्ञान, जैव–रसायन, प्रतिरक्षा विज्ञान, विकिरण और प्रकाश जैविकी, कैंसर जीव विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण शोध कार्यक्रम चलाता है। संस्थान भविष्य में तंत्रिका जीव विज्ञान, अणु जैव–भौतिकी और संरचनात्मक जीव विज्ञान, जिनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स के क्षेत्र में अध्ययन के लिए केंद्रीयकृत सुविधाएं विकसित करने की योजना बना रहा है। पादप पशु और जीवाणुओं को शामिल करते हुए आनुवंशिक प्रौद्योगिकी (ट्रांस जिनोमिक्स, आनुवांशिक परिवर्तनशीलता आदि) में गहन शोध एवं शिक्षण के लिए उपलब्ध सुविधाओं में वृद्धि की जानी है। संस्थान की केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाएं अपने आप में अद्वितीय हैं। ये सुविधाएं शोध गतिविधियों के लिए अनिवार्य सहायता उपलब्ध कराती हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने 25 छात्रों को एम.एस–सी. उपाधि, 4 छात्रों को एम.फिल. उपाधि और 17 छात्रों को पी–एच.डी. उपाधि प्रदान कीं। संस्थान के शिक्षकों ने पुस्तकों के लिए अध्याय लिखे और उनके शोध आलेख राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों ने देश–विदेश में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/गोष्ठियों में भाग लिया और जीवन विज्ञान के विभिन्न पक्षों पर व्याख्यान भी दिए। संस्थान के शिक्षक देश–विदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के मण्डलों और उच्च स्तरीय समितियों के सदस्यों के रूप में चुने गए। संस्थान ने कई संगोष्ठियां आयोजित कीं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने कई संगोष्ठियां आयोजित कीं। इनमें से एक संगोष्ठी का आयोजन छात्रों ने किया। शिक्षकों एवं छात्रों की उपलब्धियों का उल्लेख रिपोर्ट में आगे किया गया है।

संस्थान ने निम्नलिखित सम्मेलनों/संगोष्ठियों का आयोजन किया :

1. विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों के विज्ञानियों ने 'लाइफ साइंस सेमिनार सीरिज' (2003–2004) के अन्तर्गत व्याख्यान दिए।
2. संस्थान ने अकादमिक स्टाफ कालेज के शिक्षक प्रतिभागियों के लिए 'जीवन विज्ञान' में 9वां पुनश्चर्या कोर्स आयोजित किया। इस कोर्स के समन्वयक डा. पी.सी. रथ थे। इस कार्यक्रम में 40 प्रतिभागी थे और उनके लिए 60 व्याख्यान दिए गये।
3. संस्थान ने 14 से 15 फरवरी 2004 तक 'बायोस्पार्क' का आयोजन किया। इसका आयोजन छात्रों के लिए एक शोध–उत्सव के रूप में किया जाता है। इसमें वैज्ञानिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। यह भारत में अपनी तरह का पहला उत्सव है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान में निम्नलिखित विद्वान आए :

1. प्रो. पीटर एगेनबर्ग, बायोएनर्जेटिक लैब, जिनेवा, स्विटजरलैण्ड, 9 अप्रैल 2003 को संस्थान में आए।
2. प्रो. रोज बर्नार्ड, बायोटेक्नोलाजी प्रोग्राम कोआर्डिनेटर, द यूनिवर्सिटी आफ क्वींसलैण्ड, आस्ट्रेलिया, 10 अप्रैल 2003 को संस्थान में आए।
3. डा. सुरेन घसकादबी, डिविजन आफ एनिमल साइंसिज, अगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे, 29 मई 2003 को संस्थान में आए।
4. प्रो. क्लाज अपेनरोथ, यूनिवर्सिटी आफ जेना, जर्मनी, 1 अगस्त 2003 को संस्थान में आए।
5. डा. नेंसी गुलिन और डा. एलिजाबेथ लेब्रायेरे, इंस्टीट्यूट आफ पाश्चर पैरिस, 22 सितम्बर 2003 को संस्थान में आए।
6. डा. हसन मुख्तार, डिपार्टमेंट आफ डार्मेटोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ विस्कोसिन, यू.एस.ए., 7 नवम्बर 2003 को संस्थान में आए।

7. डा. शुभा आनन्द, डिपार्टमेंट आफ ओन्कोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ कैम्ब्रिज, यू.के. 14 नवम्बर 2003 को संस्थान में आई।

8. प्रो. रमेश भल्ला, डिपार्टमेंट आफ एनाटॉमी ऐंड सेल बायोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ लोवा, कालेज आफ मैडिसन, लोवा, यू.एस.ए., 27 नवम्बर 2003 को संस्थान में आए।

9. डॅ गिरिधर के पाण्डेय, "प्लांट ऐंड माइक्रोबायल बायोलाजी डिपार्टमेंट, यू.सी. – बर्कले, यू.एस.ए., 5 दिसम्बर 2003 को संस्थान में आए।

10. डा. बलराम सिंह, प्रोफेसर ऐंड ड्रेफस टीचर स्कालर, यूनिवर्सिटी आफ मेशाचुसेटस, डिपार्टमेंट आफ केमिस्ट्री, ऐंड बायोकेमिस्ट्री, ड्वार्टमाउथ, यू.एस.ए., 19 दिसम्बर 2003 को संस्थान में आए।

11. डा. रश्मि बारभैया, प्रेजिडेंट, आर ऐंड डी, रेनबक्सी लेबोरेट्री, 19 दिसम्बर 2003 को संस्थान में आईं।

12. डा. इन्द्राणी सोम, जार्जटाउन यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., 22 दिसम्बर 2003 को संस्थान में आईं।

13. डा. विद्युत मोहन्ती, विज्ञानी, मैडिकल यूनिवर्सिटी साउथ कारोलिना, यू.एस.ए., 29 दिसम्बर 2003 को संस्थान में आए।

14. डा. विकास पी. पल्हान, एच.डी.एफ. फैलो, रिसर्च एसोसिएट, लेबोरेट्री आफ बायो केमिस्ट्री ऐंड मोलिक्यूलर बायोलाजी, राकफेलर यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यू.एस.ए., 21 जनवरी 2004 को संस्थान में आए।

15. डा. आशिष कुमार नन्दी, डिविजन आफ बायोलाजी केनसास स्टेट यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., 23 जनवरी 2004 को संस्थान में आए।

16. प्रो. ए.एस. चुंग, डिपार्टमेंट आफ बायोलाजी साइंस, कोरिया एडवांस्ड इंस्टीट्यूट आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, साउथ कोरिया, 28 जनवरी 2004 को संस्थान में आए।

17. डा. राणा पी. सिंह, सहायक प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ फार्मास्युटिकल साइंसिस, स्कूल आफ फार्मेसी, यूनिवर्सिटी आफ कोलोराडो, हैल्थ साइंसिस सेंटर, डेनवर, यू.एस.ए., 3 फरवरी 2003 को संस्थान में आए।

18. प्रो. डेविड मिरेलमैन, वाइजमैन इंस्टीट्यूट आफ साइंसिस, इजराइल, 11 फरवरी 2004 को संस्थान में आए।

19. प्रो. पार्था पी. मजूमदार, अध्यक्ष, एन्थ्रोपोलाजी आफ ह्यूमन जैनेटिक्स यूनिट, इण्डियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, कोलकाला, 26 फरवरी 2004 को संस्थान में आए।

20. डा. रेतो स्ट्रासर, जिनेवा, स्विटजरलैण्ड, 9 मार्च 2004 को संस्थान में आए।

21. डा. विकास गोयल, हार्वर्ड मेडिकल कालेज, यू.एस.ए., 17 मार्च 2004 को संस्थान में आए।

22. डा. अरूण गोयल, डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नालाजी, यूनिवर्सिटी आफ मिनेसोता, यू.एस.ए., 23 मार्च 2004 को संस्थान में आए।

23. डा. एन. कुरेशी, यूनाइटिड स्टेट्स डिपार्टमेंट आफ एग्रीकल्चर नेशनल सेंटर फार एग्रीकल्चरल यूटिलाइजेशन रिसार्च, यू.एस.ए., 26 मार्च 2004 को संस्थान में आए।

वर्ष 2003–2004 के दौरान संस्थान के कई पी–एच.डी. छात्रों को विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों में शोध कार्य करने के लिए पोस्ट–डाक्टरल अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं। कई छात्रों ने अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।

संस्थान शिक्षण एवं शोध में विस्तार तथा आधुनिकीकरण कर रहा है। शोध के क्षेत्र में जिनोमिक्स और प्रोटोमिक्स दृष्टिकोण का प्रयोग अब तक के मुख्य परिवर्तनों में से एक है, जिसकी झलक संस्थान के शिक्षण में भी दिखाई देती है। संस्थान ने विशिष्ट दक्षता सम्पन्न विश्वविद्यालय योजना के अन्तर्गत प्राप्त राशि में से उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया शुरू की है। इससे शिक्षकों एवं छात्रों की तकनीकी क्षमता में वृद्धि होगी। संस्थान, विद्यालय एवं महाविद्यालय के स्तर पर जीवविज्ञान शिक्षा के लिए सहायता प्रदान करने की भी योजना बना रहा। संस्थान यह महसूस करता है कि युवाओं में विज्ञान में शोध के लिए रुचि उत्पन्न करने हेतु विज्ञान की शिक्षा अत्यन्त आवश्यक है। संस्थान इस दिशा में कई गतिविधियां शुरू करने जा रहा है।

प्रकाशन

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- नजमा जहीर बाकर, एम सिंकक्लेयर, एस. कुंजर, सी. उमेश, एस. यादव और पी. मैक्लीन, रेग्यूलेशन आफ ग्लूकोज यूटिलाइजेशन ऐंड लाइपोजेंसिस इन एडिपोज टिश्यूज आफ डायबेटिक ऐंड फैट फेड, जे. बायोसांइसिस, 28(2), 215–221, 2003
- सुधाकर झा, नीरजा करनानी, एन्ड्रयू एम.लिन, और आर. प्रसाद*, कोवलैन्ट मेडिफिकेशन आफ सिस्टीन 193 इम्पेयर्स ऐटपेज फंक्शन आफ न्यूक्लिाओटाइड बाइंडिंग डोमेन आफ ए कैंडिडा ड्रग इफलक्स पम्प बायोकेम ऐंड बायोफिज. रेज.कम. 310, 869–875, 2004
- स्नेह लता पवार और आर. प्रसाद, फिजीयोलाजिकल फंक्शंस आफ मल्टिड्रग ट्रांस्पोर्टर्स इन यीस्ट्स, करंट साइंस, 86(1), 62–73, 2004

  सुनीत शुक्ला, प्रीति सैनी, स्मृति, सुधाकर झा, सुरेश वी. अम्बुदकर और आर. प्रसाद, फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ कैनडिडा अल्बिकेंस एबीसी ट्रांस्पोर्टर सीडीआर 1–पी. यूकारयोटिक सेल, 2(6) 1361–75, 2003
- नसीम अख्तर गौर, नीति पुरी, नीरजा करनानी, गौरंग मुखोपाध्याय, श्यामल के. गोस्वामी और आर. प्रसाद, आइडेंटिफिकेशन आफ ए. निगेटिव रेग्यूलेट्री एलिमेंट विच रेग्यूलेट्स बेसल ट्रांस्क्रिप्शन आफ ए मल्टिड्रग रसिस्टेन्स जीन सीडीआर–1 आफ कैनडिडा अल्बिकेंस, एफईएम एस यीस्ट रिसर्च 4, 389–399, 2004
- सुधाकर झा, नीरजा करनानी, सुमन के. धर, कस्तूरी मुखोपाध्याय, सुनीत शुक्ला, प्रीति सैनी, गौरंग मुखोपाध्याय और आर. प्रसाद, प्युरीफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ एन. टर्मिनल न्यूक्लिओटाइड बाइडिंग डोमेन आफ एन एबीसी ड्रग ट्रांस्पोर्टर्स आफ कैनडिडा अल्बिकेंस, अनकामन सिस्टीन 193 आफ वाकर ए इज क्रिटिकल फार एटीपी हाइड्रोलिसिस, बायोकेमिस्ट्री, 42(36), 10822–32, 2003
- नीरजा करनानी, नसीम अख्तर गौर, सुधाकर झा, नीति पुरी, शंकरलिंग कृष्णामूर्ति, श्यामल के. गोस्वामी, गौरंग मुखोपाध्याय और आर. प्रसाद, एस.आर.ई.–1 ऐंड एस.आर.ई–2 आर टु स्पेस्फिक स्टेराइड – रिस्पांसिव माड्यूल्स आफ कैनडिडा ड्रग रसिस्टेन्स जीन 1 (सीडीआर 1) प्रमोटर, यीस्ट, 21, 219–239, 2004
- कस्तूरी मुखोपाध्याय, तुलिका प्रसाद, प्रीति सैनी, थामस जे. पुकाडिल, अमिताभ चट्टोपाध्याय और आर. प्रसाद, मेम्ब्रेन स्फिंगोलिपिड – एरगोस्टेरोल इंटरएक्शंस आर इम्पोर्टेंट डिटर्मिनेन्ट्स आफ मल्टि ड्रग रसिस्टेन्स इन कैनडिडा अल्बिकेन्स एन्टिमाइक्रोबायल एजेन्ट्स ऐंड कीमोथेरपी 48(5), 1778–87, 2004
- अली अब्दुल लतीफ, उमा बनर्जी, आर. प्रसाद, आशुतोष बिश्वास, नवीत विग, नीरज शर्मा, अबसारूल हक, निवेदिता गुप्ता, नज़मा जेड़ बाकर और गौरंग मुखोपाध्याय, सस्पेक्टिबिलिटी पैटर्न ऐंड मोलिकुलर टाइप आफ स्पेसीज – स्पेस्फिक कैनडिडा इन ओरोफेरिंजील लेसियन्स आफ इण्डियन हयुमन इम्यूनोडिफिसिएन्सी वायरस – पाजिटिव पेशन्ट्स, जर्नल आफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलाजी 42(3), 2004
- दिब्येन्दु बनर्जी, बीना पिल्लई, नीरजा करमानी, गौरंग मुखोपाध्याय और आर. प्रसाद, जिनोम – बाइड इक्सप्रेशन प्रोफाइल आफ स्टेराइड रिस्पांस इन सैकैरोमाइसीज सेरेविसी, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्यूनिकेशंस 317, 406–13, 2004
- आर.के. सक्सेना, वी. वैल्लियाथन और डी.एम. लेविस, इविडेन्स फार एलपीएस – इंडयूस्ड डिफ्रेंसिएशन आफ रा 264.7 म्यूरिन *मैक्रोफेज इन टू डेंडरिटिक लाइक सेल्स*, जे. *बायोसाइंसिस* 28, 129–134, 2003
- आर.के. सक्सेना, क्यू.बी. सक्सेना, डी.एम. वीसमैन, जे. सिम्पसन, टी.ए. ब्लेडसो और डी.एम. लेविस, 'इफेक्ट आफ डीजल एक्जास्ट पार्टिकुलेट (डी.ई.पी.) आन बैसिलस कैल्मेट गैरैन (बीसीजी) लंग इंफेक्शन इन माइस ऐंड द अटेंडेंट चेंजिंस इन लंग इंटरस्टिसिअल लिम्फोइड सबपाप्यूलेशंस ऐंड आइएफएन गामा रिस्पांस, टाक्सिकोलाजिकल साइंसिस 73, 66–71, 2003
- क्यू.बी. सक्सेना, आर.के. सक्सेना, पी.डी. सीगल और डी.एम. लेविस, आइडेंटिफिकेशन आफ आर्गेनिक फ्रेक्शंस आफ डीजल एक्जास्ट पार्टिकुलेट (डीईपी) विच इनहिबिट नाइट्रिक आक्साइड (एनओ) प्रोडक्शन फ्राम ए म्यूरिन मैक्रोफेज सेल लाइन टाक्सिकोलाजी लेटर्स, 143, 317–22, 2003

- ए. दास, एस. ढिल्लन और आर.के. सक्सेना, माड्यूलेशन आफ एनके सेल एक्टिवेशन बाई ट्यूमर सेल्स : रोल आफ रिसेप्टर्स फार एम एच सी–1 मोलिक्यूल्स, प्रोग्रेस इन हेमेटोलाजिक ऑकोलाजी (सं.) ललित कुमार, द एडवांस्ड रिसर्च फाउन्डेशन, न्यूयार्क, पृ. 191–198, 2003
- पी.डी. सीगल, क्सू बी. सक्सेना, आर.के. सक्सेना, जे.के.एच. मा, जे.वाई.सी मा, एक्स. यिन, वी. कैस्टेरनोवा, एन. अल्हुमाडी और डी.एम. लेविस, इफैक्ट आफ डीजल एक्जास्ट पार्टिकुलेट आन इम्यून रिस्पांस : कंट्रीब्यूशन आफ पार्टिकुलेट वर्सिस आर्गेनिक सोल्युबल कम्पोनेंट्स, जे. टाक्सिकोल एनवायरन. हैल्थ, (ए), 67, 221–31, 2004
- ए. दास और आर.के. सक्सेना, इनहेन्स्ड एक्टिवेशन आफ म्यूरिन एन के सेल्स बाई आई एल–2 इन प्रिजेन्स आफ सर्कुलेटिंग इम्यून कम्पलेक्सिस, करंट साइंस (प्रकाशनाधीन) 2004
- आर.के. सक्सेना, वी. चौधरी, आई. नाथ, एस.एन.दास, आर.एस. प्रांजपे, जी. बाबू, एस. रामालिंगम, डी. मोहन्ती, एच. वोहरा, एम. थामस, क्यू.बी. सक्सेना और एन.के. गांगुली, नार्मल रेंज्स आफ सम सलेक्ट लिम्फोसाइट सबपाप्यूलेशंस इन पेरिफेरल ब्लड आफ नार्मल हैल्दी इंडियन्स : रिजल्ट्स आफ ए टास्क फोर्स स्टडी, करंट साइंस, (प्रकाशनाधीन) 2004
- ए. दास और आर.के. सक्सेना, रोल आफ इंटरएक्शंस बिटवीन एलवाई 49 इनहिबिटरी रिसेप्टर्स ऐंड कोग्नेट एम एच सी–1 मोलिक्यूल्स इन आईएल–2 इनड्यूस्ड डिवलपमेंट आफ एन.के. सेल्स इन म्यूरिन बोन मैरो सेल कल्चर्स, इम्यूनोलाजी लैटर्स, (प्रकाशनाधीन) 2004
- एन. साहू, एस. भट्टाचार्य और ए. भट्टाचार्य, ब्लाकिंग द इक्सप्रेशन आफ ए कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन आफ द प्रोटेजोआ पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका बाई टैट्रासाइक्लिन रेग्यूलेटेबल सेन्टिसेन्स आर.एन.ए, मोल. बायोकेम. पैरासिटोल, 126, 281–284, 2003
- एस. घोष, एस. सतीश, एस. त्यागी और ए. भट्टाचार्य, एस. भट्टाचार्य डिफ्रेंशियल यूज आफ मल्टिपल रिप्लिकेशन आरिजिन्स इन द राइबोसोमल डीएनए इपिसोम आफ द प्रोटोजोआ पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका न्यूक्लस एसिड्स रेस, 31, 2035–44, 2003
- एस. सतीश, ए. बाकरे, एस. भट्टाचार्य और ए. भट्टाचार्य; स्ट्रेस डिपेंडेंट इक्सप्रेशन आफ ए पालिमार्फिक, चार्ज्ड एन्टीजन इन द प्रोटोजोआ पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका इनफेक्ट इम्यून, 71(8), 4472–86, अगस्त 2003
- ए. भट्टाचार्य, एस. भट्टाचार्य और जेए एक्कर्स, नानट्रांस्लेटिड पालिएडनिलेटिड आरएनए'स फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ट्रेन्ड्स इन पैरासिटोल 19, 286–89, 2003
- पी. चक्रवर्ती, डी.के. सेठी, एन. पठान, के.जे. कौर, डी.एम. सालुंकी, एस. भट्टाचार्य और ए. भट्टाचार्य, आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ इएच सीएबीपी–2 : ए सेकण्ड मेम्बर आफ द कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन फैमिली आफ द प्रोटोजोआ पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, जे. बायोल. केम, 279, 12898–908, 2004
- पी. मण्डल, ए. बागची, ए. भट्टाचार्य और एस. भट्टाचार्य, एन एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका लाइन/साइन पेयर इंसर्ट्स ऐट कामन टार्गेट साइट्स क्लीव्ड बाई द रिस्ट्रिक्शन एन्जाइम–लाइक लाइन इनकोडिड इण्डोन्यूक्लीज यूक सेल, 3, 170–179, 2004
- आर. कुमार, एच.के. यादव, वाई.के. भूम और ए. वर्मा, क्लोनाइजेशन आफ क्रूसिफेरस प्लांट्स बाई पिरिफारमास्पोरा इंडिका, करंट साइंस 85, 1672–74, 2003
- ए.एन. सिंह, ए.आर. सिंह, एम. कुमारी, एस. कुमार, एम.के. राय, ए.पी. शर्मा और ए. वर्मा, ए.एम.एफ लाइक फंगस : पिरिफारमास्पोरा इंडिका – ए बून फार प्लांट इंडस्ट्री (सं. बी.एन. प्रसाद), बायोटेक्नोलाजी इन सस्टेनेबल बायोडाइवर्सिटी ऐंड फूड सिक्यूरिटी, साइंस पब्लिशर्स, इनफील्ड, न्यू हेम्पसायर, यू.एस.ए., पृ. 101–124, 2003
- ए.एन. सिंह, ए.आर. सिंह, एम. कुमारी, एम.के. राय और ए. वर्मा, बायोटेक्नोलाजी इम्पोर्टेन्स आफ पिरिफारमास्पोरा इंडिका – ए नावल सिम्बियोटिक माइकोरहिजा लाइक फंगस : एन ओवरव्यू, इण्डियन जर्नल आफ बायोटेक्नोलाजी 2 : 65–75, 2003

- आर. कुमारी, जी.एच. फाम, ए. सिंह, वाई.के. भूम और **ए. वर्मा**, बायोटेक्नोलाजिकल प्रोसिस फार ट्रांस्फर टेक्नोलाजी आफ मेडिसिनल प्लांट्स; मिडिएटिड बाई सिम्बायोटिक माइक्रोआर्गेनिज्म (फ्राम लैब टु – फील्ड – नावल कंसेप्ट्स) वर्ल्ड हर्बो एक्सपो–2004, भोपाल, 2003
- जी.एच. फाम, आर. कुमारी, एन सिंह, एम. सचदेव आर. प्रसाद, एम. कल्डोर्फ, एफ. बस्कट आर. ओलमुल्लर, पी. तत्जन, एम. विस, आर. हम्प और **ए. वर्मा** एक्सेनिक कल्चर्स आफ पिरिफारमास्पोरा इंडिका, प्लांट सर्फेस माइक्राबायोलाजी (सं.) ए. वर्मा, एल. अब्बोट, डी. वर्नर और आर. हम्प) स्प्रिंगर वेरलाग, जर्मनी, पृ. 593–616, 2004
- जी.एच. फाम, ए.एन. सिंह, आर मल्ला, आर. कुमारी, आर. प्रसाद, एम. सचदेव पी. लुइस, एम. कल्डोर्फ, पी. तत्जन, पी. तत्जन, एस. हरमन, एस. डीक्लर्क, एफ. बस्कट, आर. ओलमूल्लर, के.एच. रेक्सर, जी. कोस्त और ए. वर्मा, इन्टर एक्शन आफ पी इंडिका विद अदर माइक्रोऑरगेनीज्म्स एण्ड प्लांट्स, प्लांट्स सर्फेस माइक्रोबायोलाजी (सं.) ए. वर्मा, एल. अब्बोट, डी. वर्नर और आर. हम्प) स्प्रिंगर वेरलाग, जर्मनी, पृ. 237–265, 2004
- ए. वर्मा, एल अब्बोट, डी. वर्नर और आर. हम्प, द स्टेट आफ आर्ट, प्लांट सर्फेस माइक्रोबायोलाजी (सं. ए. वर्मा, एल. अब्बोट, डी. वर्नर और आर. हम्प) स्प्रिंगर–वेरलाग, जर्मनी, पृ. 1–12, 2004
- बी. गिरि, पी.एच. जिआंग, आर. कुमारी और **ए. वर्मा**, माइक्रोबायल डाइवर्सिटी इन साइल्स, माइक्रोआर्गेनिज्म इन साइल्स : रोल्स इन जिनेसिस ऐंड फंक्शस; (सं. एफ. बसकट और ए. वर्मा) स्प्रिंगर वेरलाग, जर्मनी, 2004
- बी. गिरि, एम. सचदेव, पी.एच. जियांग, आर. कुमारी, आर. ओलमुल्लर और **ए. वर्मा**, माइकोररिजोस्फेयर : स्ट्रटजीस ऐंड फंक्शंस माइक्रो–आर्गेनिज्म इन साइल्स : रोल्स इन जिनेसिस ऐंड फंक्शंस; (सं. एफ. बसकट और ए. वर्मा), स्प्रिंगर–वेरलाग, जर्मनी, 2004
- बी. कोच, एम. कालडोर्फ, के.एच. रेक्सर, जी. कोस्ट और **ए. वर्मा**, पैटर्न्स आफ इंटरएक्शन बिटवीन पाप्यूलस ईएससीच 5 ऐंड पिरिफारमास्पोरा इंडिका : ए ट्रांजिशन फ्राम म्युचुअलिज्म टु एन्टागोनिज्म, प्लांट बायोलाजी, जर्मनी, 2004
- आर. कुमारी, एम. सचदेव, ए. गर्ग और ए. वर्मा, सिम्बायोटिक फंगी फार ईको–फ्रेंडली एनवायरनमेंट : ए पर्सपेक्टिव, नेचुरल प्रोडक्ट रेडियन्स सी.एस.आई.आर (स्वीकृत), 2004
- आर. प्रसाद, जी.एच. फाम, आर. कुमारी, ए. सिंह, वी. यादव, एम. सचदेव, टी. पसकन, एस. हेल, आर. ओलिमुल्लर और ए. वर्मा, सिबेसिनेसी : कल्चरेबल माइकोरहिजा–लाइक ऐण्डोसिम्बिओटिक फंगी ऐंड देअर इंटरएक्शन विद नान–ट्रांस्फार्म्ड ऐंड ट्रांसफार्म्ड रूट्स, रूट आर्गेन कल्चर आफ माइकोरहिजाल फंगी, (स.) एस. डिक्लार्क, स्प्रिंगर–वेरलाग, जर्मनी, 2004
- एम.के. राय, ए. वर्मा और ए.के. पाण्डेय, इनहेन्समेन्ट आफ एन्टिमाइकोटिक पोटेन्शल इन स्पिलेन्थस कैल्वा आफ्टर इनोक्युलेशन आफ पिरिफारमास्पोरा इंडिका, एज न्यू ग्रोथ प्रमोटर, माइकोसिस, जर्मनी, 2004
- एम. सचदेव, एस. शर्मा, ए.पी. गर्ग और **ए. वर्मा**, माइक्रोबायोलाजी आफ टरमाइट हिल ऐंड साइल, इनटेस्टिनल मैक्रोआर्गेनिज्म आफ टरमाइट्स ऐंड अदर इनवर्टब्रेट्स (सं. एच. कोइंग और ए. वर्मा), स्प्रिंगर–वेरलाग, जर्मनी, 2004
- एम. सचदेव, एस. शर्मा, ए.पी. गर्ग और **ए. वर्मा**, इंटरएक्शन आफ साइल इनवर्टब्रेटस ऐंड साइल फंगी : इंटेस्टिनल मैक्रोआर्गेनिज्म आफ टरमाइट्स ऐंड अदर इनवर्टब्रेटस, (सं. एच. कोइंग और ए. वर्मा), स्प्रिंगर–वेरलाग, जर्मनी 2004
- एस. शर्मा, एम. सहदेव, ए.पी. गर्ग और **ए. वर्मा**, द इनटेस्टिनल यीस्ट्स, इनटेस्टिनल मैक्रोआर्गेनिज्म आफ टरमाइट्स ऐंड अदर इनवर्टब्रेट्स (सं. एच. कोइंग और ए. वर्मा) स्प्रिंगर–वेरलाग, जर्मनी, 2004
- ए.एन. सिंह. आर. मल्ला, वी. यादव, आर. प्रसाद, आर. कुमारी, ए. श्रीवास्तव, एम. सचदेव, पी.एच. जियांग और ए. वर्मा, फ्रेंडली माइक्रोब्स फार इकोलाजिकल सिनर्जिस्म, अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, इकोलाजी आफ बायोलाजिकल इनवेजंस 2003
- ए.एन. सिंह, पी. शर्मा, एम. सचदेव, आर. ओलिमुल्लर और **ए. वर्मा**, मोलिकुलर बेसिस आफ प्लांट सिम्बायोटिक फंगी इंटरएक्शन : एन ओवरव्यू, कंजर्वेशन आफ प्लांट डाइवर्सिटी इन इण्डिया (सं. जे.एस. सिंह, ए.के. भटनागर, पी.के. राय और वी.पी. सिंह), नया प्रकाशन, 2004

- वी. यादव, आर. मल्ला, ए. सिंह और **ए. वर्मा**, फ्रेंडली फंगी **अबेट द स्ट्रेस**, प्रो. डी.डी. पंत, स्मृति भाग 2004
- **पी.के. यादव, इमर्जेन्स आफ न्यूक्लिक एसिड्स एज टार्गेट्स ऐंड टूल्स फार प्रोफिलेक्सिस ऐंड थेरपि** 27वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी कांग्रेस, आई.आई.टी. खड़गपुर, 3 से 7 दिसम्बर, 2003
- आर. कुमार, **पी.के. यादव और एस. क्लिन्यू**, टी.एन.एफ – टार्गेटिड राइबोजाइम मिडिएटिड सप्रेशन आफ टी.एन.एफ.–ए. **इन म्यूरिन मैक्रफेज सेल लाइन, मोलिकुलर टाक्सिकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल हैल्थ** विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, आई.टी.आर.सी. लखनऊ, 5 से 8 नवम्बर, 2003
- आर. कुमार, **पी.के. यादव और एस. क्लिन्यू**, कंस्ट्रक्शन ऐंड इक्सप्रेशन आफ ए राइबोजाइम टार्गेटिंग टीएनएफ–ए रिजल्ट्स **इन टीएनएफ–ए सप्रेशन इन एल.पी.एस.** – स्टिम्यूलेटिड म्यूरिन मैक्रोफेज सेल लाइन, न्यूक्लिक ऐसिड **केमिस्ट्री** ऐंड बायोलाजी विषयक 5वीं कैम्ब्रिज संगोष्ठी, क्वींस कालेज, केम्ब्रिज, यू.के. 31 अगस्त से 3 सितम्बर 2003
- टी दासगुप्ता, ए.आर. राव और **पी.के. यादव**, केमोमाड्यूलेट्री इफिकेसी आफ बेसिल लीफ (ओकिमम बैसिलिकम) आन ड्रग मेटाबोलाइजिंग ऐंड एंटिआक्सिडेंट एन्जाइम्स, ऐंड आन कार्सिनोजेन – इनड्यूस्ड स्किन ऐंड फोरस्टामक पैपिलोमैजेनसिस, फाइटोमेडिसिन 10, (प्रकाशनाधीन) 2003
- आर. कुमार, **पी.के. यादव और एस**, क्लिन्यू, टीएनएफ – अल्फा टार्गेटिंग राइबोजाइम ऐज पोटेंशल टूल फार जीन थेरपि आफ रियुमेटाइड आरथ्रिटिस जीन थेरपि विषयक स्वीडिश सम्मेलन, स्कैंडिनेवियन जे. इम्यूनोल 58, 229–230, 2003
- टी. दासगुप्ता, ए.आर. राव और **पी.के. यादव**, माड्यूलेट्री इफैक्ट आफ हेना लीफ (लासोनिया इनरमिश) आन ड्रग मेटाबोलाइजिंग फेज–1 ऐंड फेस–2 एन्जाइम्स, एन्टिआक्सिडेंट एन्जाइम्स, लिपिड परआक्सिडेशन ऐंड केमिकली इंडयूस्ड स्किन ऐंड फोरस्टोमक पैपिलोमेजेनसिस इन माइस मोलिकुलर ऐंड सेलुलर बायोकेमिस्ट्री, 245, 11–22, 2003
- शिव प्रकाश, सुनीता कौल और **एन.बी. सरीन**, जर्मिनेटिंग पीजियन पी (कैजानस काजन) सीड्स सैक्रेट फैक्टर (स) हैविंग ऐंटिथाइलिन–लाइक **इफैक्ट्स** फिजिओलाजिया प्लांटेरम 118, 1–8, 2003
- एन.डी. सिंह, एल. साहू, **एन.बी. सरीन** और पी.के. जैयाल, द **इफैक्ट** आफ टीडी जेड आन आर्गेनोजेंसिस ऐंड सोमेटिक **इम्ब्रीओजेनसिस इन पीजियन** पी (कैजानस काजन एल मिल्स्प) प्लांट, साइंस, 169, (अंक 3), पृ. 341–347, 2003
- आर. बिष्ट, एस.एल. सिंगला – पारीक, एस.के. सोपोरी और **एन.बी. सरीन**, थिग्लाइआक्सीलेस–2 आफ ब्रासिका जुंसिया, कम्पलीट **सीडीएस एक्सेसन न.** एवाई 185202, 2003
- एन.डी. सिंह, एल. **साहू**, आर. सैनी, **एन.बी. सरीन** और पी.के. जयवाल; इन विट्रो रीजेनरेशन ऐंड रिकवरी आफ प्राइमरी ट्रांस्फार्मेन्ट्स फ्राम शूट एपीस आफ पीजियनपी यूजिंग एग्रोबैक्टेरियम ट्युमेफेसीन्ज, फिजियोल. मोल. बायोल. प्लांट्स, 10(1), 65–74, 2004
- बिन्दु सुकुमारन, पूनम तिवारी, **शैलेन्द्र सक्सेना और आर. मधुबाला**, वैक्सिनेशन विद डीएनए इनकोडिंग ओआर एफएफ एन्टीजन कन्फर्स प्रोटेक्टिव **इम्यूनिटी** इन माइस इनफेक्टिड विद लीश्मैनिया डोनोवानी, वैक्सीन–21, 1292–99, 2003
- ए. महापात्रा और **बी.सी. त्रिपाठी**, डिवलपमेंटल चेंजिस इन सब–प्लास्टिडिक डिस्ट्रीब्यूशन आफ क्लोरोफिल बायोसिंथेटिक इंटरमीडिएट्स इन कुकुम्बर (कुकमिस सैटाइवस एल.), जे. प्लांट फिजिओल, 160, 9–15, 2003
- एन. करनानी, एन.ए. गौड़, एस. झा, एन. पुरी, एस. कृष्णामूर्ति, **एस.के. गोस्वामी**, जी. मुखोपाध्याय, आर. प्रसाद' एसआरई–1 ऐंड एस.आर.ई–2 आर टु स्पेस्फिक स्टेराइड–रिस्पांसिव माड्यूल्स आफ कैनडिडा ड्रग रसिस्टेन्स जीन 1 (सीडीआर–1) प्रमोटर यीस्ट, 21 (3), 219–239, फरवरी, 2004
- एन.ए. गौड़, एन. पुरी, एन. करनानी, जी. मुखोपाध्याय, **एस.के. गोस्वामी**, आर. प्रसाद, आइडेंटिफिकेशन आफ ए निगेटिव रेग्यूलेट्री एलिमेंट विच रेग्यूलेट्स बेसल ट्रांस्क्रिप्शन आफ ए मल्टिड्रग रसिस्टेन्स जीन सीडीआर–1 आफ कैनडिडा अल्बिकेन्स, एफईएमएस यीस्ट रेज 4(4), 389–99, जनवरी 2004

- एम.जे. स्वांसन, एच. क्यू.एल. सुमिबके, ए. क्रूगर, एस.जे. किम, **के. नटराजन**, एस.यून., एजी हिनबश, ए मल्टिप्लिसिटी आफ कोएक्टिवेटर्स इज रिक्वायर्ड वाई जीसीएन 4 पी ऐट इंडिविजुअल प्रमोटर्स इन वाइवो. मोल. सेल. बायोल, 8,2800–2820, 2003
- एच. क्यू.सी.ह्यु. एस. यून, **के. नटराजन**, एम.जे. स्वांसन, ए.जी. हिनबश; ऐन अरे आफ कोएक्टिवेटर्स इज रिक्वायर्ड फार आप्टिमल रिक्रूटमेंट आफ टाटा बाइंडिंग प्रोटीन ऐंड आर.एन.ए. पालिपर्स–2 बाई प्रमोटर बाउन्ड जीसीएन4पी मोल. सेल. बायोल. 24, 4104–17, 2004
- एम. उप्रेती, एस. कुमार और **पी.सी. रथ**, रिप्लेसमेंट आफ 198 एम.क्यू.एम.डीआईआई 203 आफ माउस आइआरएफ–1 बाई 197 आईपीवीईवी.वी 202 आफ ह्यूमन आईआरएफ–1 एब्रोगेट्स इंडक्सन आफ आई.एफ. एन.–बीटा, आई.एन.ओ.एस., एण्ड सी.ओ.एक्स.–2 जीन एक्सप्रेशन बाई आई.आर.एफ.–1, बायोकेम. बायोफिज. रेस. कम्यून, 314(3), 737–44, 2004
- एम. पाण्डेय और **पी.सी. रथ** इक्सप्रेशन आफ इंटरफेरान इंड्यूसिबल रिकम्बिनेंट ह्यूमन आर नेस एल काजिस आरएनए डिग्रेडेशन ऐंड इनहिबिशन आफ सेल ग्रोथ इन एशरिकिआ कोली. बायोकेम बायोफिज. रेज. कम्यून, 317(2), 586–97, 2004
- एम. पाण्डेय, जी.डी. बजाज और **पी.सी. रथ**, इंडक्शन आफ द इंटरफेरान इंड्यूसिबल आर.एन.ए. डिग्रेडिंग एनजाइम्स आर नेस एल.बाई स्ट्रेस – इंड्यूसिंग एजेन्ट्स इन द ह्यूमन सर्वाइकल कार्सिनोमा सेल्स आर.एन.ए. बायोलाजी, 1(1), ई32–ई38 इपीयूबी, 2004
- **ए. पारीक और एच.जे. बोनर्ट, कम्पैरेटिव एनालिसिस आफ रिस्पांसिस टु वाटर–डिफिसिट इन बार्ली, कार्न ऐंड राइस**
- ए. बंसल, एस.एल. सिंगल पारीक, एम.के. रेड्डी, एस.के. सोपोरी और ए. पारीक, ओरिजा सैटिवा (इंडिका कल्टिवर ग्रुप) हिस्टिडाइन काइनेस (एच.के.1) एमआरएनए, पार्शियल जीन, 2003
- ए. बंसल, एस.एल. सिंगल पारीक, एम.के. रेड्डी, **एस.के. सोपोरी और ए. पारीक**; ओरिजा सैटिवा (इंडिका–कल्टिवर ग्रुप) हिस्टीडाइन काइनेस (एच.के.–1) एमआरएनए, पार्शियल सीडीएस, 2003
- जेंग वांग, जान सेमुल्शन, सी. ग्राहम क्लार्क, डेनियल इचिंगर, **जयश्री पाल**, कैटरिना वान डेल्लन, नील हाल, एआन एन्डरसन और ब्रेन्डन लोफ्टस, जीन डिस्कवरी इन द एन्टामोइबा इनवेडन्स जिनोम (प्रकाशनाधीन) मई 2003
- सुरनजीत प्रसाद, वी. सुब्रामणियन और जयश्री पाल, डिटेक्शन आफ केमोलिथोट्रोफिक बैक्टेरिया फ्राम आर्सेनिक रिच एनवायारनमेंट, 2003

पुस्तकें

- बी.के. बहेरा और ए. वर्मा, ग्रीन एनर्जी फ्राम वेस्ट बायोमास, कैपिटल बुक कम्पनी, नई दिल्ली, भारत 2003

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- ए. वर्मा, एल. अब्बोट, डी. वर्नर और आर. हम्प, प्लांट सर्फेस माइक्रोबायोलाजी, स्प्रिंगर–वेरलाग, जर्मनी, 2004
- एच. होयनिग और ए. वर्मा, टर्माइट गट ऐंड इट्स बैक्टिरिया, स्प्रिंगर वेरलाग, जर्मनी (प्रकाशनाधीन) 2004
- एफ. बस्कट और ए. वर्मा, रोल्स इन जीन्स ऐंड फंक्शंस, स्प्रिंगर–वेरलाग, जर्मनी (प्रकाशनाधीन) 2004
- जी.के. पोडिला और ए. वर्मा, बेसिक रिसर्च ऐंड एप्लिकेशंस : माइकोरहिजा, आई.के. इंटरनेशनल, इण्डिया, 2004
- जी.के. पोडिला और ए. वर्मा, बेसिक रिसर्च ऐंड बायोटेक्नोलाजीकल एप्लिकेशंस : माइक्रोब्स, आइके इंटरनेशनल, इण्डिया, 2004
- स्नेह लता पंवार, स्मृति और आर. प्रसाद, ड्रग रसिस्टेन्स इन यीस्ट्स – एन इमर्जिंग सेनारिओ, ऐडवांसिस इन माइक्रोबायल फिजियोलाजी, रिव्यू, भाग–46, पृ. 155–201, 2002
- एन.बी. सरीन, यू.एस. प्रसाद, ए.एस. कंठराज और एस. मोहन जैन, माइक्रो प्रोपेगेशन आफ लीची (लीची चिनेंसिस सान) (सं. एस.एम. जैन और के. इशी), माइक्रोप्रोपगेशन आफ वूडी ट्रीज ऐंड फ्रूट्स, क्लुवर अकादमिक प्रकाशन, नीदरलैण्ड्स, 721–731, 2003

- एन.बी. सरीन और यू.एस. प्रसाद, इन विट्रो रिजेनरेशन ऐंड ट्रान्सफार्मेशन आफ लीची चिनेंसिस सान. (सं.) पी.के. जयवाल और आर.पी. सिंह, प्लांट जिनेटिक इंजीनियरिंग, भाग–6 इम्प्रूवमेंट आफ मेजर वेजिटेबल्स ऐंड फ्रूट क्राप्स, साइंस टेक, पब्लिशिंग एलएलसी, होस्टन, यू.एस.ए., पृ. 211–222, 2003
- एस.के. गोस्वामी, एम.एस.सी. के छात्रों के लिए प्रो. एच.के. दास द्वारा सम्पादित बायोटेक्नोलाजी की पाठ्यपुस्तक के लिए 'जीन एक्सप्रेशन' विषयक अध्याय छपा, प्रिंटिस हाल, 2003
- के. नटराजन, एम.जे. मार्टोन और ए. हिनबश, प्रिंसिपल्स ऐंड प्रेक्टिस आफ माइक्रोऐरे टेक्नोलाजी मेथड्स फार जनरल एण्ड मोलक्यूलर माइक्रोबायोलाजी, अमेरिकन सोसायटी फार माइक्रोबायोलाजी, यू.एस.ए., 2004
- पी.सी. रथ, सैक्शंस आफ चैप्टर 9 (मोलिकुल बायोलाजी) : डीएनए रिप्लिकेशन, होमोलोगस रिकम्बीनेशन, डीएनए रिपेयर ऐंड रिकम्बीनेशन, मोलक्यूलर एनालिसिस आफ जिनोम, 'बायोटेक्नोलाजी', एच.के. दास द्वारा सम्पादित, 2004
- ए. पारीक का केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के स्कूलों में 12वीं कक्षा के लिए शुरू किए गये नये कोर्स के लिए 'बायोटेक्नोलाजी' विषयक पुस्तक में प्लांट सेल कल्चर ऐंड एप्लिकेशन और लैबोरेट्री मैनुअल आन बायोटेक्नालाजी शीर्षक अध्याय छपा, 2003
- ए. पारीक का प्रो. एच.के. दास द्वारा सम्पादित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के एम.एस–सी. के छात्रों के लिए बायोटेक्नोलाजी विषयक पाठ्यपुस्तक में प्लांटबायोटेक्नोलाजी शीर्षक अध्याय छपा, 2004
- ए. पारीक का प्रो. ए.के. वर्मा द्वारा सम्पादित, 'माइक्रोबायल बायोटेक्नोलाजी' विषयक पुस्तक में मोलिकुलर बेसिस आफ प्लांट माइक्रोब इंटरएक्शन शीर्षक अध्याय छपा, 2004

शोध परियोजनाएं

- राजेन्द्र प्रसाद, मेम्ब्रेन लिपिड्स एज मिडिएटर्स आफ एनवायरनमेंटल मार्फो – जिनेटिक क्वेस इन द ह्यूमन फंगल पैथोजीन कैनडिडा अल्बिकेंस, वोक्सवेगन फाउन्डेशन, जर्मनी, 2001–04
- राजेन्द्र प्रसाद, नावल अप्रोचिस टु कम्बेट मल्टिड्रग रसिस्टन्स (एमडीआर) इन पैथोजेनिक यीस्ट, यूरोपीय आयोग, ब्रूसेल्स 2001–04
- राजेन्द्र प्रसाद, एस्टेब्लिसमेंट आफ एडवांस सेंटर आफ मोलिकुलर बायोटायपिंग, इपिडिमिओलाजी ऐंड फंगल सस्पेक्टिबिल्टीज आफ अपरच्युनिस्टिक ह्यूमन पैथोजेनिक फंगी, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2001–06
- राजेन्द्र प्रसाद, रेग्यूलेशन आफ मल्टिड्रग रसिस्टन्स जीन्स आफ ए पैथोजेनिक यीस्ट कैनडिडा अल्केन्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–05
- राजेन्द्र प्रसाद, ट्रांसक्रिप्शन प्रोफाइलिंग आफ यीस्ट्स इन रिस्पांस टु स्टेराइड्स/ड्रग्स, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2003–06
- राजेन्द्र प्रसाद, मोलिकुलर आस्पेक्टस आफ कैन्डिडिआसिस, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, 2004–07
- आर.के. सक्सेना, मैकेनिज्म एण्ड पैथो–फिजियोलाजीकल रिलिवेन्स आफ सेल मीडिएटिड लाइसिस आफ एरिथ्रोसाइट्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2001–04
- आर.के. सक्सेना, ट्यूबरक्लोसिस एन्टीजन डिटेक्शन इन यूरिन : रोल आफ एन्टीबाडी एफिनिटी इन सेंसिटिविटी आफ द असे, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की परियोजना 2001–03
- आर.के. सक्सेना, माड्यूलेशन आफ टाल लाइक रिसेप्टर (टीएलआर) इक्सप्रेशन आन ल्यूकोसाइट्स इनवाल्वड लोकेलाइज्ड इननेट ऐंड एडेप्टिव इम्यून रिस्पांस इन लंग्स, ऐंड इट्स फंक्शनल इंप्लिकेशंस, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशिष्ट परियोजना, 2002–07
- आर.के. सक्सेना, इंफ्लुऐन्स आफ डीजल एक्जास्ट पार्टिकुलेट मैटेरियल आन डिसीज सस्पेक्टिबिल्टी ऐंड लोकल इम्यून रिस्पांसिस इन लंग्स, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की परियोजना, 2003–06
- एन.जेड. बाकर, लांग टर्म मैनेजमेंट आफ रेटिनाल ऐंड रीनल कम्पलिकेशंस एक्सपेरिमेंटल डायबिटीज बाई : वैनडेट ऐंड एन्टिडायबेटिक कम्पाउन्ड्स, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2001–04

- एन.जेड. बाकर, बायोकेमिकल करेक्ट्राइजेशन आफ इफैक्ट्स आफ ट्रेस मेटल्स ऐंड प्लांट्स एक्सट्रेक्ट्स एक्सपेरिमेंटल डायबिटीज, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2001–04
- एन.जेड. बाकर, एन्टी एजिंग इफैक्ट्स ऐंड मकेनिज्म आफ एक्शन आफ एक्सोजेनस डिहाइड्रोइपिन्ड्रो–स्टेरोन (डीएचइए) एडमिनिस्ट्रेशन ड्यूरिंग नार्मल एजिंग इन डिफ्रेंट ब्रेन रीजन्स, (डा. दीपक शर्मा के साथ संयुक्त रूप से), वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2002–05
- एन.जेड. बाकर, रोल आफ तचीचिनिन न्यूरोपेप्टाइड्स ऐंड देअर एनालोग्स इन मोलिकुलर ऐंड बायोकेमिकल कोरिलेट्स इन एजिंग ब्रेन फंक्शंस, विशिष्ट परियोजना, 2002–07
- पी.के. यादव, कंस्ट्रक्शन आफ टार्गेटिड राइबोजाइम अगेंस्ट आर.एन.ए. कम्पोनेंट आफ टेलोमिरेस, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2001–04
- पी.के. यादव, आर.एन.ए. प्रोटीन इंटरएक्शन इन फार्मेशन आफ मीजल्स वायरस न्यूक्लिओकैप्सिड, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2001–04
- पी.के. यादव, रेस्क्यू आफ सिमेरिक मीजल्स वायरस इनकारपोरेटिंग हेट्रोलोगस पेप्टाइड्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–05
- आर. मधुबाला, सिंगल ट्रांस्डक्शन इन मैक्रोफेजिस बाई लीश्मैनिया लिपोफास्फोग्लाइकन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2001–04
- आर. मधुबाला, बैक्सिनेशन अगेंस्ट म्युरिन विसेरल लीश्मैनियासिस, एलएसआरबी (डीआरडीओ) 2002–04
- आर. मधुबाला, फंक्शनल जिनोमिक्स इन लीश्मैनिया, विशिष्ट विश्वविद्यालय, (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित)
- आर. मधुबाला, मोलिकुलर ऐंड बायोकेमिकल मकेनिज्म आफ पेंटामिडाइन रसिस्टैन्स इन लीश्मैनिया, द वेलकम ट्रस्ट, 2002–05
- आर. मधुबाला, मोलिकुलर स्टडीज आफ एस–एडेनोसाइल मिथेआनाइन डिकाबोक्सिलेस : एन टार्जर एन्जाइम, स्वीडिश इंट. डिव. कारपो. एजेन्सी, (सिडा), 2003–06
- बी.सी. त्रिपाठी जीन इक्सप्रेशन ऐंड प्रोटीन ट्रांस्पोर्ट आफ क्लोरोफिल बायोसिन्थेटिक एन्जाइम्स ड्यूरिंग टेम्प्रेचर स्ट्रेस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2003–06
- एन.बी. सरीन, डिवलपमेंट आफ ट्रांस्फार्मेशन मेथड्स फार ब्लैकग्राम (विजना मुंगो) फार बायोटिक/एबिओटिक स्ट्रेस टालरेन्स, इण्डो–स्विस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2001–04
- एन.बी. सरीन, मास स्केल प्रोपेगेशन आफ लिच्ची चिनेंसिस सान, थ्रू इन विट्रो कल्चर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2001–04
- एन.बी. सरीन, आइडेंटिफिकेशन आफ नावल प्रोटीन्स इन साल्ट टालरेन्ट वर्सिस साल्ट सेंसीटिव सेल लाइन्स आफ अरेकिस हाइपोजिआ फार बायोटेक्नोलाजिकल एप्लिकेशन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002–07
- एन.बी. सरीन, रिजेनरेशन ऐंड ट्रांस्फार्मेशन आफ विग्नामंगो एल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–05
- एन.बी. सरीन, माड्यूलेशन आफ एक्सप्रेशन आफ द ग्लाइआक्सीलेस 1 ऐंड द ग्लाइआक्सीलेस 2 जीन इन ब्रासिका जुंसिया फार साल्ट स्ट्रेस टालरेन्स (एनएटीपी के माध्यम से विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित) 2001–04
- पी.सी. रथ, कंप्यूटेशनल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ नावल रैट ऐंड ह्युमन जीन्स (सी.डी.एन.ए.एस.) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशिष्ट परियोजना, 2002–07
- पी.सी. रथ, सिगनल ट्रास्डक्शन थ्रू इंटरफेरान रेग्यूलेट्री फैक्टर (आई.आर.एफ.) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2003–06
- पी.सी. रथ, फंक्शनल एनालिसिस आफ नावल ट्यूमर सप्रेशन–लाइक ह्यूमन जीन, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2004–07
- एस.के. गोस्वामी, आइडेंटिफिकेशन आफ नावल जीन इक्सप्रेशन पाथवेज इन कार्डियक डिसीजिस, विशिष्ट विश्वविद्यालय कार्यक्रम, 2002–07

- एस.के. गोस्वामी, आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ नावल ट्रांस्क्रिप्शनल रेग्यूलेटर्स फ्राम डिवलपिंग हर्ट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिकी अनुसंधान परिषद, 2004–06
- के. नटराजन, न्यूट्रिएन्ट कंट्रोल आफ जीन रेग्यूलेशन इन फंगी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का विशिष्ट केन्द्र कार्यक्रम, 2002–07
- ए. पारीक, क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ एन ओस्मोसेंसर जीन फ्राम ओरिजा सैटिवा एल, फार एबिओटिक स्ट्रेस टालरेन्स, अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान फाउन्डेशन, स्वीडन, 2002–04
- ए. पारीक, आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ जीन्स ऐंड देअर प्रमोटर्स इनवाल्वड इन सिग्नेलिंग अंडर सैलिनिटी स्ट्रेस इन ओरिजा सैटिवा एल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2003–06
- जयश्री पाल, डिटेक्शन ऐंड एनुमरेशन आफ गट फ्लोरा इन नार्मल ऐंड डिसीज्ड इंडिविजुअल्स, द्वितीय वर्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2001–04
- जयश्री पाल, डिवलपमेंट आफ मोलिकुलर प्रोब्स फार एनालाइजिंग नेचुरल आइसोलेट्स आफ एन्टामोइबा : प्रथम वर्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–05
- जयश्री पाल, डिटेक्शन ऐंड एनालिसिस आफ फूड बार्न पैरासाइट्स, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2003–06

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- राजेन्द्र प्रसाद ने 29 अगस्त से 1 सितम्बर 2003 तक बान जर्मनी में आयोजित 21वीं स्मिति में भाग लिया।
- राजेन्द्र प्रसाद ने 3 से 8 सितम्बर, 2003 तक जीएन्स, फ्रान्स में आयोजित यूरेस्को सम्मेलन में भाग लिया।
- राजेन्द्र प्रसाद ने 18 मार्च और 22 मार्च, 2004 को यू.एस.ए. में आयोजित, कैंडिडा ऐंड कैंडिडिआसिस विषयक ए.एस.एम. सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. सक्सेना, पी.डी. सीगल, आर.के. सक्सेना, क्यू.बी. सक्सेना, जे.के.एच. मा., जे.वाईसी. मा, वी. कैस्ट्रोनोवा, डी.एन. लेविस ने 2003 में यू.एस.ए. में आयोजित 'सोसायटी आफ टाक्सिकोलाजी' विषयक बैठक में इफैक्ट आफ डीजल इक्जास्ट पार्टिकल्स (डीइपी) आन इम्यून रिस्पांसिस : कन्ट्रीब्यूशन आफ द आर्गेनिक कम्पोनेंट शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. सक्सेना, और टी. गुप्ता ने 23 से 25 नवम्बर 2003 तक एस.जी.पी.जी.आई., लखनऊ में आयोजित इण्डियन इम्यूनोलाजी सोसायटी की 30वीं वार्षिक बैठक में 'इफैक्ट आफ पावर प्लांट डिराइव्ड रेजिडुअल आईल फ्लाई ऐश आन द फंक्शन आफ माइक्रोफेजिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. सक्सेना, और एस. खंडेलवाल ने 23 से 25 नवम्बर 2003 तक एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ में आयोजित द इण्डियन इम्यूनोलाजी सोसायटी की 30वीं वार्षिक बैठक में 'सेल मिडिएटिड लाइज आफ इरिथ्रोसाइट्स एन अल्टरनेट मकेनिज्म आफ इरिथ्रोसाइट डिस्ट्रक्शन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.बी. सरीन ने 23 से 30 जून 2003 तक बर्सिलोना स्पेन में आयोजित प्लांट मोल बायोलाजी विषयक 7वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एन.बी. सरीन ने 17 जुलाई, 2003 को फ्रेडरिक मिस्चर इंस्टीट्यूट (एफ.एम.आई.) बेसल, स्वीटजरलैण्ड में आयोजित रेग्यूलेटिड ट्रांस्जीन इक्सप्रेशन आफ द ग्लाई 1 जीन इन विग्ना मुंगो विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एन.बी. सरीन ने 20 से 22 अक्टूबर, 2003 तक बोस संस्थान, कोलकाता में आयोजित तीसरी इण्डो–स्वीस बैठक में भाग लिया।
- एन.बी. सरीन ने जुलाई 2003 में हैदराबाद में एनएटीपी द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।
- पी.सी. रथ ने अगस्त 2003 में कोल्ड स्प्रिंग हारबर लैबोरेट्री, न्यूयार्क, यू.एस.ए. द्वारा आयोजित यूकारियोटिक ट्रांस्क्रिप्शन की बैठक में भाग लिया तथा रिप्लेसमेंट आफ द 198–203 अमिनो एसिड्स इन द ट्रांस्क्रिप्शनल एक्टिवेशन डोमेन आफ द माउस इंटरफेरान रेग्यूलेट्री फैक्टर–1 (आई.आर.एफ.–1) बाई द करस्पोंडिंग रीजन आफ द ह्यूमन आईआर 1 फेल्स टु एक्टिवेट द एक्सप्रेशन आफ इंटरफेरान (आई.एफ.एन.), इंड्यूसिबल नाइट्रिक आक्साइड सिन्थेस (आइ एन ओ एस) ऐंड साइक्लोआक्सिजेनसिस–2 (कोक्स–2) जीन्स इन द ह्यूमन इम्प्रियोनिक किडनी (एच इ के–293) सेल्स शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- पी.सी. रथ ने 5 से 6 दिसम्बर 2003 तक जवाहरलाल नेहरू सेंटर फार एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बंगलौर में आयोजित 7वीं ट्रांस्क्रिप्शन असेम्बली में भाग लिया तथा एनालिसिस आफ इंटरफेरान रेग्यूलेटरी फैक्टर--1 (आई आर एफ–1) ट्रांस्क्रिप्शन फैक्टर शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.के. यादव ने 9 से 10 मार्च, 2004 तक सेंटर फार एडवांस्ड स्टडी इन बाटनी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी में आयोजित 'मेडिसिनल वैल्यू आफ प्लांट एक्सट्रेक्ट्स एट टिश्यूज इन प्लांट साइंसिस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- पी.के. यादव ने मोलिकुलर बायोलाजी ऐंड बायोटेक्नोलाजी टेक्नीक्स विषयक अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कोर्स में आमंत्रित वक्ता के रूप में 'न्यूक्लिक एसिड्स एज ड्रग्स ऐंड ड्रग टार्गेट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.के. यादव ने 12 से 14 दिसम्बर 2003 तक डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलाजी, डी.डी.यू. गोरखपुर यूनिवर्सिटी में जीन थेरपि, आर.एन.ए. इंटरफेरस राइबोजाइम्स, न्यूक्लिक एसिड्स एज न्यू थेरेप्युटिक मोलिक्यूल्स' विषयक व्याख्यान दिए।
- पी.के. यादव ने 3 से 7 दिसम्बर 2003 तक आई.आई.टी. खड़गपुर में आयोजित 27वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस में भाग लिया तथा इमर्जिंग टूल्स ऐंड टेक्नीक्स इन मोलिकुलर मेडिसन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. गोस्वामी ने जनवरी, 2004 में लखनऊ में आयोजित इंटरनेशनल सोसायटी फार हार्ट रिसर्च (इण्डियन चैप्टर) की वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. पारीक ने 10 से 30 सितम्बर 2003 तक वाटर टेक्नोलाजी रिसर्च सेंटर, इण्डियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में आयोजित 'ट्रांस्क्रिप्टोम एनालिसिस (रिसेंट एडवांसिस इन एनिओटिक स्ट्रेस रसिस्टेन्स इन क्राप प्लांट्स) विषयक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- ए. पारीक ने 1 से 21 दिसम्बर 2003 तक डी.बी.टी. – सी.ए.एम.एस. द्वारा नई दिल्ली में प्रायोजित, मोलिकुलर टैक्सोनोमी आफ सिम्बायोटिक फंगी, विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'टूल्स ऐंड टेक्नीक्स टू स्टडी द ट्रांस्क्रिप्टोम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. पारीक ने 8 से 10 दिसम्बर 2003 तक लोक प्रशासन संस्थान, गुड़गांव, हरियाणा में आयोजित (फोरेस्ट्रिंग ए साइंटिफिक टेम्पर ऐंड यूजिंग साइंटिफिक–कम–टेक्निकल इनपुट्स फार एक्सिलरेटिंग द पेस आफ हरियाणा'स डिवलपमेंट विद स्पेशल इम्फेसिस आन बायोटेक्नोलाजी ऐंड प्रोटोटाइप डिवलपमेंट) विषयक पाठ्यक्रम में 'प्लांट बायोटेक्नोलाजी – एन ओवरव्यू' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- ए. पारीक ने 8 से 12 जनवरी, 2004 तक इंटरनेशनल सोसायटी आफ प्लांट फिजिओलाजी, नई दिल्ली, भारत में आयोजित 'सस्टेनेबल प्लांट प्रोडक्टिविटी अंडर चेंजिंग एनवायरनमेंट' विषयक प्लांट फिजिओलाजी की द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया तथा कम्पैरेटिव एनालिसिस आफ द रिस्पांस आफ ग्रास जिनोम्स टुवर्डस वाटर--डेफिसिट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय के बाहर)

- आर. प्रसाद ने 11 अप्रैल 2003 को रीजनल रिसर्च लैबोरेट्री, जम्मू में 'मोलिकुलर बेसिस आफ एन्टिफंगल रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 25 अप्रैल 2003 को स्टाफ कालेज में मल्टिड्रग रसिस्टेन्स : फ्राम माइक्रोब्स टु मैन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 5 मई 2003 को नेशनल रिसर्च लैबोरेट्री, पुणे में, 'मैकेनिज्म आफ ऐन्टिफंगल ड्रग रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 25 जुलाई 2003 को इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबायल टेक्नोलाजी (आई.एम.टेक.) में 'रेग्यूलेशन आफ सी.डी.आर.1, विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 10 नवम्बर, 2003 को माधव इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी ऐंड साइंस ग्वालियर में, 'मल्टिड्रग रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 25 नवम्बर 2003 को टेक्नीकल यूनिवर्सिटी आफ ग्डांस्क, पोलैण्ड में 'स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ ए.बी.सी. ड्रग ट्रांसपोर्टर' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर. प्रसाद ने 5 फरवरी, 2004 को रैनबेक्सी, गुड़गांव में, 'इफ्लक्स पम्पस इन ड्रग रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 9 मार्च, 2004 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 'माइक्रोबायल ड्रग रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 17 मार्च, 2004 को वड्सवर्थ सेंटर, अल्बेनी, न्यूयार्क में, इफ्लक्स पम्पस इन ड्रग रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 29 मार्च, 2004 को न्यूयार्क मेडिकल कालेज, वलहाला में इफ्लक्स पम्पस इन ड्रग रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 29 मार्च, 2004 को डर्मेटोलाजी कांफ्रेन्स सेंटर, यू.एस.ए. में 'इफ्लक्स पम्पस इन एन्टिफंगल रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 30 मार्च, 2004 को यूनिवर्सिटी आफ मैसाचुसेट्स, डार्टमाउथ, यू.एस.ए. में, 'इफ्लक्स पम्पस इन ऐन्टिफंगल रसिस्टेन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. सक्सेना ने 1 सितम्बर 2003 को इण्डियन साइंटिफिक ट्रांसलेटर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय अनुवादक दिवस समारोह के अवसर पर अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- बी.सी. त्रिपाठी ने मई, 2003 में उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में व्याख्यान दिए।
- एन.बी. सरीन ने जनवरी 2004 में इण्डियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, चण्डीगढ़ (भारत) की वार्षिक बैठक में शोध आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.सी. रथ ने 19 अक्टूबर, 2003 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में, 'साइटोकाइन सिग्नेलिंग ऐंड जीन इक्सप्रेशन इन ह्युमन कैंसर सेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.सी. रथ ने 8 से 20 अक्टूबर, 2003 तक सेकेण्ड डी.एस.टी – एस.ई.आर.सी. स्कूल आफ क्रोनोबायोलाजी, रविशंकर यूनिवर्सिटी, रायपुर में, 'टेक्नीक्स रिलेवेन्ट टु क्रोनोबायोलाजी : असे आफ एम.आर.एन.ए.एस. ऐंड ट्रान्स्क्रिप्शन फैक्टर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.सी. रथ ने 13 सितम्बर 2003 को माइक्रोबायोलाजी डिपार्टमेंट, इंस्टीट्यूट आफ होम इकोनामिक्स, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली, दिल्ली में, 'इंटरफेरान रिस्पांस इन ह्युमन सेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियां

- एन.बी. सरीन को 2003 में यू.एस. डिपार्टमेंट आफ एग्रीकल्चर, यू.एस.ए. द्वारा बायोटेक्नोलाजी में कोचरन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- राजेन्द्र प्रसाद, सदस्य, सम्पादकीय मंडल, माइकोपैथोलाजिया, क्लुवर पत्रिका
- आर.के. सक्सेना, सदस्य, चयन समिति–VII (प्राणी विज्ञान), भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली, नवम्बर 2003, सदस्य, सलाहकार समिति, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल 2003, सदस्य सलाहकार समिति, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जी.जे. यूनिवर्सिटी, हिसार
- आलोक भट्टाचार्य, सदस्य, फिस्ट सलाहकार, मण्डल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; सदस्य, पी.ए.सी. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; सदस्य, टास्क फोर्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; सदस्य, शासी परिषद, बोस संस्थान, कोलकाता; सदस्य, आर.ए.सी., एच.आर.डी.सी., सी.एस.आई.आर.
- एन.बी. सरीन, सदस्य, नेशनल इंस्टीट्यूशनल बायोसेफ्टी कमेटी; (आई.बी.एस.सी.), सदस्य, नेशनल सेंटर फार प्लांट जिनोम रिसर्च; सदस्य, विद्या परिषद, सेंटर फार प्लांट जिनोम रिसर्च (एन.सी.पी.जी.आर.); सदस्य, विद्या परिषद, सी.आई.एम.ए.पी. लखनऊ

8. भौतिक विज्ञान संस्थान

वर्ष 1986 में स्थापित यह संस्थान भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध एवं शिक्षण का एक विशिष्ट केन्द्र बन कर उभरा है। पिछले वर्षों में संस्थान ने एम.एस–सी. और प्री–पी–एच.डी. स्तरों पर नए एवं गैर–परम्परागत कोर्सों के साथ अपने महत्वपूर्ण शिक्षण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक चलाया है।

संस्थान ने वर्ष 1987 के मानसून सत्र से पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किया था। अब तक लगभग 46 छात्रों को पी–एच.डी. उपाधियाँ प्रदान की गई हैं। संस्थान ने वर्ष 1982 के मानसून सत्र से भौतिकी में एम.एस–सी. पाठ्यक्रम शुरू किया था।

संस्थान ने भौतिक विज्ञान के कई थ्रस्ट एरियाओं के साथ–साथ रसायन भौतिकी और जैव–भौतिकी के अन्तर–विषयक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान किया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी संस्थान को वर्ष 1994 में विशेष सहायता विभाग योजना के अन्तर्गत अनुदान मंजूर करते हुए इसकी शोध गतिविधियों को मान्यता प्रदान की है। अब इस अनुदान योजना का स्तर बढ़ा दिया गया है और यह कॉसिस्ट योजना के अन्तर्गत वर्ष 2000–2004 तक चालू रहेगी। हाल ही में संस्थान को 'फिस्ट कार्यक्रम' के अन्तर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से वित्तीय अनुदान प्राप्त हुआ है। यह भी उल्लेखनीय है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप संस्थान के शिक्षकों को नेशनल नेनो–सांइस ऐंड टेक्नोलाजी से पर्याप्त सहायता मिली है।

संस्थान ने 4–5 मार्च 2004 को "लो टेम्प्रेचर फिजिक्स" विषयक दो दिवसीय वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें संस्थान के अनेक प्रतिभागी छात्रों के लिए विश्वविद्यालय से बाहर के प्रसिद्ध शिक्षाविदों ने व्याख्यान दिए। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने प्रो. आर. राजारमण के 65 वर्ष की उम्र पूरी करने के अवसर पर उनके सम्मान में 9 मार्च 2004 को 'रिसेंट ट्रेंड्स इन थीअरिटिकल फिजिक्स' विषयक संगोष्ठी का भी आयोजन किया।

संस्थान की शोध गतिविधियां मुख्यतः क्लासिकल ऐंड क्वांटम केओस, कंप्यूटेशनल फिजिक्स, कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, डिसार्डर्ड सिस्टम्स, क्वांटम फील्ड थीअरि, क्वांटम आप्टिक्स और स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स के सैद्धान्तिक क्षेत्रों और केमिकल फिजिक्स, बायो–फिजिक्स, पॉलिमर फिजिक्स, सेमीकंडेक्टर फिजिक्स, मेटेरियल साइंस, कंप्लेक्स फ्लूइड, और नेनो–साइंस ऐंड टेक्नोलाजी के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

संस्थान की प्रयोगात्मक सुविधाओं का सामान्यतः बाह्य विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के विज्ञानी भी प्रयोग करते हैं। संस्थान की लेजर लाईट स्केटरिंग सुविधा का उपयोग एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और आई.यू.सी.–डी.ए.ई., मुम्बई द्वारा किया जा रहा है। ए.पी.एम. सुविधाओं का प्रयोग विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के अतिरिक्त एस.एस.पी.एल., दिल्ली, आई.आई.टी., दिल्ली, आर.आर.आई. बेंगलौर, एन.एस.सी., नई दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

पुनश्चर्या कोर्स : संस्थान वर्ष 1999 से प्रत्येक वर्ष भौतिक विज्ञान में पुनश्चर्या कोर्स चला रहा है। 5वां पुनश्चर्या कोर्स फरवरी 2004 में आयोजित किया गया। इसके समन्वयक डा. एस. सरकार थे । इसमें संस्थान के सभी शिक्षकों ने व्याख्यान दिए और प्रतिभागियों के साथ विचार–विमर्श किया।

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- डी. कुमार और पी.एन. पाण्डेय, 'इफेक्ट आफ नाइज इन क्वांटम टेलीपोर्टेशन', फिजिकल रिव्यू – ए 68, 012317, (1–6), 2003
- डी. कुमार और वी. मलिक, 'कोरिलेटिड होपिंग इन कूलाम ग्लास', फिजि. कांड. मेट. 15, 5451–60, 2003
- आर.के.बी. सिंह और डी. कुमार, "इलेक्ट्रान डिलोकलाइजेशन इन डिस्आर्डर्ड फिल्मस इंडयूस्ड बाई मैग्नेटिक फील्ड ऐंड फिल्म थिकनेस", फिजिकल रिव्यू, बी 69, 115420 (1–12), 2004
- वी. मलिक और डी. कुमार, "फार्मेशन आफ कूलॉम ग्लास", फिजिकल रिव्यू, बी–69, 153103 (1–4), 2004

- ए. मुदि, सी. चक्रवर्ती और **आर. रामास्वामी** "सिग्नेचर्स आफ मल्टीपल टाइमस्केल बिहेवियर इन द पावर स्पेक्ट्रा आफ वाटर", **केमिकल फिजिक्स लैट.**, 376–683–89, 2003
- एस. दत्ता, ए. शर्मा **और आर. रामास्वामी**, "थर्मोडायनेमिक्स आफ क्रिटिकल स्ट्रेंज नानकेआटिक अट्रेक्टर्स", फिजिकल रिव्यू ई. 68, 036104, 2003
- ए. प्रसाद, बी. बिसवाल **और आर. रामास्वामी**, "स्ट्रेंज नानकेआटिक अट्रेक्टर्स इन ड्राइवन एक्साइटेबल सिस्टम्स" फिजिकल रिव्यू, ई 68, 037201, 2003
- एस. दत्ता और **आर. रामास्वामी**, "नान–गोसियान फ्लुक्चुएसंस आफ लोकल लयापुनोव एक्सपोनेंटस ऐट इंटरमिटेंसी" जर्नल **आफ स्टेटिस्टिकल फिजिक्स**, 113, 283–95, 2003
- आर. आजाद, जे. सुब्बा राव और **आर. रामास्वामी**, "सिम्बल सिक्वेंस एनालिसिस आफ क्लाइमेटिक टाइम सिग्नल्स", नानलिनियर एनालिसिस 5, 487–500, 2004
- डी. शर्मा, बी. इस्साक, जी.पी.एस. राघव **और आर. रामास्वामी**, "स्पेक्ट्रल रिपीट फाइंडर (एस.आर.एफ.) : आइडेंटिफिकेशंस आफ रिपिटीटिव सिक्वेंसिस यूजिंग फोरियर ट्रांसफार्मेशन, बायोइनफार्मेटिक्स, डी.ओ.आई. : 10. 1093, 2004
- एस.के. सरकार, **जी.एस. मठारू और ए. पाण्डेय**, "यूनिवर्सेलिटी इन द वाइब्रेशनल स्पेक्ट्रा आफ सिंगल कम्पोनेंट एमारफस क्लस्टर्स, **फिजिकल रिव्यू लैटर्स**, प्रकाशनाधीन (2004)
- ए. पाण्डेय, "ब्राउनियन मोशन माडल **आफ** क्वांटम–केआटिक स्पेक्ट्रा : एग्जेक्ट टु–लेवल कोरिलेशन फार ट्रांजिशंस टु सी.यू.ई. फेज ट्रांजिशन", (प्रकाशनाधीन) 2004
- बी. मोहन्ती और **एच.बी. बोहिदार**, "सिस्टेमैटिक आफ अल्कोल इंडयूस्ड सिम्पल कोअसर्वेशन इन एकविअस जिलेटिन साल्यूशन्स" बायो–मेक्रोमोलक्यूल्स, 4, 1080–86 (2003)
- एस. सोनी, एन.बी. शास्त्री, जोन जार्ज **और एच.बी. बोहिदार**, "डायनेमिक लाइट स्केट्रिंग ऐंड विस्कोसिटी स्टडीज आन द एसोसिएशन बिहेवियर आफ सिलिकोन सर्फेक्टेंट्स इन एकविअस साल्यूसंस, जर्नल फिजि.केमि. बी, 107, 5382–90, 2003
- ए. सक्सेना और **एच.बी. बोहिदार**, "पोटेंशियल आफ लेजर इम्युनोऐसे फार डिटेक्शन आफ एच.आई.वी. इन ह्यूमन ब्लड, सीरम ऐंड यूरिन", **जर्नल इम्युनोकेम**, 24, पृ. 383, 2003
- एच.बी. बोहिदार और बी. मोहन्ती, "एनोमलस सेल्फ–एसेम्बली औ जिलेटिन इन इथानोल–वाटर मार्जिनल सालवेंट", फिजिकल **रिव्यू–ई.**, भाग–69, 021902, 2004
- एस. घोष, ए. पाण्डेय, **एस. पुरी और** आर. साह, "नान–गासियन रेंडम मेट्रिक्स एनसेम्बल्स विद बेंडिड स्पेक्ट्रा, फिजिकल रिव्यू–ई 67, आर. 025201, 2003
- एस. पुरी और के. वाइस, "पर्टर्बेटिव लिनियराइजेशन आफ रिएक्शन–डिफ्यूजन इक्वेशंस, जर्नल आफ फिजिक्स ए 36. 2043, 2003
- एस.के. दास और **एस. पुरी**, "पैटर्न फार्मेशन इन द इनहोमोजिनस कूलिंग स्टेट आफ ग्रेनुलर फ्लुइड्स", यूरोफिजिक्स **लैटर्स** 61, 749, 2003
- बी. एकमेयर, पी. फ्रेटजल, **एस. पुरी** और जी. सालर, "सर्फेस–डायरेक्टिड स्पिनोडल डीकम्पोजिशन आन ए माइक्रोस्कोपिक स्केल इन ए नाइट्रोजन ऐंड कार्बन अलायड स्टील, फिजिकल रिव्यू लैटर्स 91, 015701, 2003
- एस.के. दास और **एस. पुरी**, "काइनेटिक्स आफ इनहोमोजिनस कूलिंग इन ग्रेनुलर फ्लुईड्स", फिजिकल रिव्यू ई. 68, 011302, 2003
- एस.के. दास और **एस. पुरी**, "इन होमोजिनस कूलिंग इन इनिलास्टिक ग्रेनुलर फ्लुईड्स" स्टेटफिजिक्स कोलकाता (स.) एस.एस. माना और जे.के. बेनर्जी, फिजिका, ए 318, 55, 2003, सम्मेलन और कार्यशाला की कार्यवाही में
- एम. शाहीन और **एस.एस.एन. मूर्ति** "ग्लास ट्राजिशन फिनोमेना इन द क्रिस्टालिन फेज आफ हेक्सा–सब्सिटयूटिड बेनजेंस" जर्नल आफ केमिकल फिजिक्स, 118, 7495–7503, 2003

- एम. शाहीन, एम. त्यागी और **एस.एस.एन. मूर्ति**, "डायइलेक्ट्रिक स्टडी आफ होमोजिनिटी इन सम बाइनरी लिक्विड्स इन देअर सुपरकूल्ड स्टेट, जर्नल आफ सोल्युशन कैमिस्ट्री, 32, 155–177, 2003
- आर. **घोष**, एस. बनर्जी के साथ, "जनरल क्वांटम ब्राउनियन मोशन विद इनिश्यिली कोरिलेटिड ऐंड नानलिनिअर्ली कपल्ड एनवायरनमेंट", फिजिकल रिव्यू ई 67, 056120, 2003
- आर. **घोष**, एस. बनर्जी के साथ, "प्रापगेटर फार ए स्पिन – बोस सिस्टम विद द बोस फील्ड कपल्ड टु ए रिजरवायर आफ हार्मोनिक आक्सिलेटर्स", जर्नल आफ फिजिक्स ए : मैथमेटिकल ऐंड जर्नल 36, 5787, 2003
- एस. शर्मा, **पी. सेन**, एस.एन. मुखोपाध्याय, एस.के. गुहा, "माइक्रोबाइसिटल रिसग इनड्यूस्ड माक्रोस्ट्रक्चरल डैमेज इन इ. कोली, कोलाइड्स एण्ड सर्फेसिस्स बी" : बायोइन्टरफेसिस, 32, 43–50, 2003
- निवेदिता साहू, एलिजाबेथ लब्रुयेरे, सुधा भट्टाचार्य, **पी. सेन**, नैंसी गुलेन और आलोक भट्टाचार्य, "कैल्शियम बाइंडिंग प्रोटीन–1 आफ द प्रोटोजोवा पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका इंटरएक्टिंग विद एक्टिन", जर्नल आफ सेल सांइस, मार्च 2004 में स्वीकृत
- पी. सेन और जे. अख्तर, "नानइक्विलिब्रियम प्रोसेसिस फार जेनरेटिंग सिलिकॉन नैनोस्ट्रक्चर्स इन सिंगल क्रिस्टालिन सिलिकान, फोनंस इन कंडेंस्ड मेटिरियल्स (सं. एस.पी. सान्याल और आर.पी. सिंह), एलाइड पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2004
- पी. सेन, जे. घोष, अल्क्युदामी अब्दुल्लाह, प्रशांत कुमार और वंदना, "प्रिप्रेशन आफ सी.यू., ए.जी.एफ.ई. ऐंड ए.एल. नेनोपार्टिकल्स बाई द एक्सप्लोडिंग वायर टेक्नीक, प्रोसि. इण्डियन अकादमिक सांइस–5", 115, 499–508, 2003
- पी. सेन और जे. अख्तर, "नान इक्विलिब्रियम प्रोसेसिस फार जेनरेटिंग सिलिकान नैनोस्ट्रक्चर्स इन सिंगल क्रिस्टालिन सिलिकान", करंट सांइस, (स्पेशल सेक्शन : नैनो सांइस ऐंड नान टेक्नालाजी), 85, 1723, 2003
- एस.के. डोगरा, एम. श्रीवास्तव, एन. सिंह, **पी. सेन** और आर. कुमार, मासबाउर स्टडीज आफ 190 मी.वी.ए.जी. आयोन इराडिऐटिड एन.आई. एम.एन.ओ. 05 एफ.ई. 1.9504 फेरिट, रेडिएशन मेंजरमेंट्स 36, 667–670, 2003
- यू. हरबोला, सी कोर और **एस.पी. दास**, "यूनिवर्सल स्केलिंग ला आफ डिफ्यूजन इन ए बाइनरी फ्लुईड मिक्सचर, फिजिकल रिव्यू लेटर्स 91 229601, 2003
- यू. हरबोला, सी कोर और **एस.पी. दास**, "टेग्ड पार्टिकल डायनेमिक्स : फीडबैंक इफेक्ट्स फ्राम क्लेक्टिव डायनेमिक्स", फिजिकल रिव्यू ई. 67, 051505, 2003
- सी. कोर और **एस.पी. दास**, "इफैक्ट आफ एट्रेक्टिव इंटरएक्शंस आन ट्रेगड पार्टिकल डायनेमिक्स", जर्नल आफ फिजिक्स कंडेंस्ड मेटिरियल 154657, 2003
- यू. हरबोला और **एस.पी. दास**, "सैकेंडरी रिलेक्सेशन इन ए सुपरकूल्ड बाइनरी मिक्सचर", इंटरनेशनल जर्नल आफ मार्डन फिजिक्स, बी–17 2395, 2003
- यू. हरबोला और **एस.पी. दास**, "डायनेमिक्स ट्रांजिशन इन ए बाइनरी लिक्विड ऐंड इट्स डिपेंडेंस ऑन द मास रेशो : रीजल्ट्स फ्राम ए सेल्फ कंसिस्टेंट मोड कपलिंग माडल", जर्नल आफ स्टेट फिजिक्स 112, 1131, 2003
- सी. कोर और **एस.पी. दास**, "कम्प्लेक्सिटी इन द स्ट्रक्चर ऐंड डायनेमिक्स आफ ए मेटास्टेबल लिक्विड", प्रोसि. डी.ए.ई. सालिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम, 45, 624, 2003
- सी. कोर और **एस.पी. दास**, "स्टेटिक ऐंड डायनेमिकल हीट्रोजैनिटीज इन सुपरकूल्ड लिक्विड्स", फिजिका ए.ए. 318, 121, प्रोसि. स्टेट फिजिक्स, कोलकाता IV, 2003
- अंजना, पी.के. चट्टोपाध्याय और **एस. घोष**, "एनर्जी लेबल्स आफ नाइट्राइड क्वांटम डॉट्स : वुर्तजाइट वर्सिस जिंक ब्लेंड स्ट्रक्चर, फिजिकल रिव्यू बी. 68, 155331–10, 2003
- एन. सरकार, एस. धर और **एस. घोष**, "द रोल आफ द ग्रेन बांउड्री आन पर्सिस्टेंट फोटोकंडक्टिविटी", जी.ए.एन. जर्नल आफ फिजिक्स : कंडेंस्ड मैटर, 15, 7325–7335, 2003
- डी. कविराज और **एस. घोष**, "मेटास्टेबल डिफेक्ट्स इन एस.आई. – जी.ए.ए.एस : इफेक्ट आफ हाई एनर्जी आयोन–इरेडिएशन, निम फिजिक्स, रिस. बी, 212, 135–139, 2003

- डी. कविराज और **एस. घोष**, "ई.एल–2– रिलेटिड मेटास्टेबल डिफेक्ट्स इन सेमि इंसुलेटिंग जी.ए.एस.", एप्लाइड फिजिक्स लैटर 84, 1713–1715, 2004
- एस. पटनायक, डी.एम. फील्डमैन, ए.ए. पोलियोंस्की, युआन वाई, जे जियांग, एक्स वाई केई, ई.ई. हेलस्ट्रोम और डी.सी. लारबेलिस्टियर, "लोकल मेजरमेंट आफ करंट डेंसिटी बाई मैग्नेटो–आप्टिकल करंट रिकंस्ट्रक्शंस इन नामर्ली ऐंड ओवर प्रेशर प्रोसेस्ड 'बिस्को' सुपरकंडक्टर्स, आई.ई.ई.ई. ट्राजेक्शन आन एप्लाइड सुपरकंडिक्टिविटी, 13, 2930, 2003
- जे. जिआंग, एक्स.वाई केई, जे.जी. केंडलर, एस. पटनायक, वाई यूआन, ए.ए. पोलियांस्की, ई.ई. हेलस्ट्रोम और डी.सी. लार्बेलेस्टियर, "क्रिटिकल करंट लिमिटिंग फैक्टर्स इन पोस्ट एनील्ड बिस्को टेप्स, आई.ई.ई.ई. ट्रांजेक्शंस आन एप्लाइड सुपरकंडिक्टिविटी, 13, 13018, 2003
- वाई. यूआन, जे. जियांग, एक्स.वाई. केई, एस. पटनायक, ए.ए. पोलियांस्की, ई.ई. हेलस्ट्रोम, डी.सी. लार्बेलिस्टियर, आर.के. विलियम्स और वाई. हुआंग, "माइक्रोस्ट्रक्चरल ऐंड जे.सी. इम्प्रूवमेंट्स इन ओवर प्रेशर प्रोसेस्ड ए.जी. शिथिड बी.आई–2223 टेप्स, आई.ई.ई.ई. ट्रांजेक्शंस आन एप्लाइड सुपरकंडिक्टिविटी 13, 2921, 2003
- ए. गुरेविच, एस. पटनायक, वी. ब्रासिनी, के.एच. किम, सी. मील्के, एक्स सांग, एल.डी. कुले, एस.डी. बु, डी.एम. किम, जे.एच. चोई, एल.जे. बेलेन्की, जे. जिन्के, एम.के. ली, डब्ल्यू. तियान, एक्स.क्यू. पेन, ए. सीरी, ई.ई. हेलस्ट्रोम, सी.बी. इओम, डी.सी. लर्बेलेसिस्टियर, "सिग्निफिकेंट एनहांसमेंट आफ द अपर क्रिटिकल फील्ड इन द दु–गेप सुपरकंडक्टर एम.जी.बी–2 बाई स्लेक्टिव ट्युनिंग आफ इम्प्यूरिटी स्कैट्रिंग", सुपरकंडक्टर साइंस ऐंड टेक्नालाजी 17, 278, 2004
- आर. राजारमण, एम.वी. रमण और जैड मियान, "अर्ली वार्निंग इन साउथ एशिया – कानस्ट्रेंट्स ऐंड इंप्लिकेशंस, सांइस ऐंड ग्लोबल सिक्यूरिटी, भाग–II, पृ. 108–150, 2003 (प्रसिद्ध आलेख)
- आर. राजारमण, एम.वी. रमण और जैड मियान, "न्यूक्लियर अर्ली वार्निंग इन साउथ एशिया", इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 39, अंक–3, पृ. 279–284, 2004 (प्रसिद्ध आलेख)
- एस.एस.एन. मूर्ति, क्वेश्चनेबल हिस्टोरिसिटी आफ महाभारत, जर्नल आफ वैदिक स्टीज, (ई.जे.बी.एस.), 10, अंक–5, 2003 (प्रसिद्ध आलेख)
- एस.एस.एन. मूर्ति, "ए नोट आन रामायण, इलेक्ट्रोनिक जर्नल आफ वैदिक स्टडीज (ई.जे.बी.एस.), 10, अंक–6, 2003 (प्रसिद्ध आलेख)

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- एस. दत्तागुप्ता और **एस. पुरी**, "डिसीपेटिव फिनोमिना इन कंडेस्ड मैटर : सम एप्लीकेशंस", स्प्रिगंर सीरीज इन मैटिरियल सांइस 71, स्प्रिगंर–वैरलाग, हिडलबर्ग, 2004

शोध परियोजनाएं

- आर. रामास्वामी और यू. फ्यूडल, "स्ट्रेंज नानकेआटिक अट्रेक्टर्स, आरिजिंस, करैक्ट्राइजेशन ऐंड एप्लीकेशंस, डी.एस.टी.–डी.ए.ए.डी., 2001–2004
- आर. रामास्वामी, "फ्रेक्टल नानकेआटिक अट्रेक्टर्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2001–2004
- एच.बी. बोहिदार, "स्ट्रक्चरल करेक्ट्राइजेशन आफ कोअसर्वेस्ट आफ लाइट्स बाई लाइट ऐंड न्यूट्रान स्कैट्रिंग ऐंड रिओलाजी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2002–2005
- एच.बी. बोहिदार, "स्ट्रक्चरल प्रोपर्टीज आफ कोअसर्वेट्स, (2002–2004) आई.यू.सी.–डी.ए.ई. परियोजना
- एस. घोष, "एक्सपेरिमेंटल स्टडीज आफ डिफेक्ट्स इन जी.ए.एन. यूजिंग आप्टिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी", सी.एस.आई.आर. द्वारा वित्तपोषित
- एस. पटनायक, इलेक्ट्रानिक एनिसोट्रापि आफ एम.जी.वी.2, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2003
- एस. पटनायक, इफेक्ट्स आफ दु इलेक्ट्रानिक गेप्स आन सुपरकंडक्टिंग एम.जी.बी.2, (डी.एस.टी.–एफ.आई.एस.टी. कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तपोषण हेतु अनुमोदित)

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- आर. राजारमण ने 15 से 17 मई 2003 तक जिनेवा में आयोजित द्वितीय पुग्वाश कार्यशाला में भाग लिया और "साउथ एशियन सिक्युरिटी", विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. राजारमण ने 20 से 23 फरवरी 2004 तक नई दिल्ली में आयोजित "साउथ एशियन सिक्यूरिटी – द रोल आफ कानफिडेंस बिल्डिंग मैजर्स", विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- डी. कुमार ने 2 से 6 सितम्बर 2003 तक अबदुस सलाम इंटरनेशनल सेंटर फार थीअरिटिकल फिजिक्स, ट्रिस्टे, इटली में आयोजित "होपिंग ऐंड रिलेटिड फ़िनोमिना" विषयक 10वें सम्मेलन में "रोल आफ कूलॉम इंटरएक्शंस इन होपिंग कंडक्शन", शीर्षक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने 16 से 18 फरवरी 2004 तक भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में आयोजित इण्डो – फिनिश कार्यशाला में भाग लिया और मैटल – इंसुलेटर ट्रांजीशन इन टु – डायमेंशनल इलेक्ट्रान सिस्टम्स शीर्षक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने 5 से 7 मार्च 2004 तक भौतिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित "लो टेम्प्रेचर फिजिक्स" विषयक सम्मेलन में "फार्मेशन आफ द कूलाम गैस इन ए कूलाम ग्लास", शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने टिल्टन, एन.एच., यू.एस.ए. में आयोजित "नानलिनियर साइंस" विषयक गोर्डन सम्मेलन में "द इम्पोर्टेंस आफ बींग स्ट्रेंज ऐंड नानकैआटिक", शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 5 से 6 दिसम्बर 2003 को कोलकाता में आयोजित रेग्यूलेशन आफ जीन एक्सप्रेशन, विषयक संगोष्ठी में "जीन आरगेनाइजेशन विदिन ए जिनोम" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने 11 दिसम्बर 2003 को बंगलौर में आयोजित 10वीं एफ.ए.ओ. बी.एम.बी. कांग्रेस में "सेग्मेंटेशन स्टडीज आफ जिनामिक डी.एन.ए.", शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 7 जनवरी 2004 को बंगलौर में आयोजित "नानलिनियर फिनोमिना 2004" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डायनेमिक्स आफ ए फीडबैक रेग्यूलेटिड नानलिनियर डायनेमिकल सिस्टम" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने 29–30 जनवरी 2004 को कोलकाता में आयोजित "बायोइनफर्मेटिक्स फार जिनोम एनालिसिस" विषयक संगोष्ठी में "सेग्मेंटेशन आफ जिनोमिक डी.एन.ए." शीर्षक आलेख प्रस्तुत कियां
- आर. रामास्वामी ने 20–21 फरवरी 2004 को कानपुर में आयोजित "मैथमेटिकल बायोलाजी" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सेग्मेंटेशन आफ जिनोमिक डी.एन.ए." शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. घोष ने 6 फरवरी 2004 को बिथ्यून कालेज, कोलकाता की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित "न्यू फ्रंटियर्स आन बेसिक ऐंड एप्लाइड सांइसिस" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रिसेंट एडवांसिस इन लेजर फिजिक्स" शीर्षक परिचर्चा की।
- आर. घोष ने "वूमन इन सांइस : इज द ग्लास सीलिंग डिसअपियरिंग" विषयक संगोष्ठी के अध्यक्ष एवं पैनलिस्ट
- एस. पटनायक ने 25 से 30 दिसम्बर 2003 तक ग्वालियर, भारत में आयोजित सौर ऊर्जा विभाग के सालिड स्टेट फिजिक्स विषयक संगोष्ठी में "सुपरकंडक्टिविटी इन एम.जी.बी–2, फिजिक्स ऐंड प्रासपेक्ट्स" शीर्षक परिचर्चा की।

शिक्षाकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- आर. राजारमण ने 10 से 14 अक्टूबर 2003 तक शिमला में आयोजित 10वीं अखिल भारतीय जन विज्ञान कांग्रेस में "न्यूक्लियर वेपन रिस्क्स" शीर्षक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 17 अप्रैल 2003 को रमण रिसर्च इंस्टीट्यूट, बंगलौर में रिस्क्स ऐंड डिप्लायिंग न्यूक्लियर वेपंस" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. राजारमण ने 6 अगस्त 2003 को हिरोशिमा दिवस के अवसर पर इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित इण्डिया'ज डेंजरस ट्राईस्ट विद न्यूक्लियर वेपंस" विषयक पैनल परिचर्चा की अध्यक्षता की।
- आर. राजारमण ने 17 दिसम्बर 2003 को रोहतक विश्वविद्यालय में "क्वांटम हाल इफेक्ट्स" शीर्षक व्याख्यान दिया।

- आर. राजारमण ने 16 अप्रैल 2003 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में "व्हाट इज सांइस" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने 21 अगस्त 2003 को टाटा आधारभूत अनुसंधान संस्थान, मुम्बई में "पैटर्नस आफ मेल्टिंग स्नो ऐंड वेपर–डिपोजिटिड लेयर" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 9 से 11 जून 2003 तक कोडई समर स्कूल के अन्तर्गत कोडईकनाल : नानलिनियर डायनेमिक्स" शीर्षक 9 व्याख्यान दिए।
- आर. रामास्वामी ने 25 मार्च 2004 को थीअरिटिकल फिजिक्स सेमिनार सर्किट, आई.एम.एस–सी. चैन्नई में "हंटिंग द डी.एन.ए. : फाइंडिंग जीन्स (ऐंड अदर थिंग्स) इन डी.एन.ए. सिक्वेंसिस" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 26 मार्च 2004 को भौतिक विज्ञान विभाग, आई.आई.टी. मद्रास, चैन्नई में "द इम्पोर्टेस आफ बींग स्ट्रेंग ऐंड नानकेआटिक" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने जुलाई 2003 में इंस्टीट्यूट फुर फिजिक, जोंस गुटनबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी में "फेज आर्डरिंग डायनेमिक्स इन कंप्लेक्स गिनबर्ग – लेंदाऊ इक्वेशन" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने जुलाई 2003 में सी.ई.सी.ए.एम., लियोन, फ्रांस में "काइनेटिक आफ वेटिंग ऐंड फेज सेपरेशन
- एस. पुरी ने जुलाई 2003 में यूनिवर्सिटी स्टुटगार्त, जर्मनी में "फेज आर्डरिंग डायनेमिक्स इन द कंप्लेक्स गिंजबर्ग–लेंदाऊ इक्वेशन" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस.एस.एन. मूर्ति ने अप्रैल 2003 में इंस्टीट्यूट आफ मैथमेटिकल सांइसिस, मद्रास में "द फिजिक्स आफ डिसार्डर्ड सिस्टम्स" शीर्षक तीन व्याख्यान दिए।
- आर. घोष ने 12 मार्च 2004 को एमिटी स्कूल आफ इंजीनियरिंग में "रिसेंट एडवांसिस इन लेजर फिजिक्स" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने 19 मार्च 2004 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के आगन्तुक कार्यक्रम के अन्तर्गत "स्कैनिंग प्रोब्स : ए पोटेंशिएल टूल फार माइक्रोस्कोपिक इनवेस्टिगेशन" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने 11 मार्च 2004 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया की सोसायटी फार सेमिकंडक्टर्स डिवाइसिस और भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "नेनोमेटिरियल्स" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में "नानलिनियर एनर्जी डिस्सीपेशन ऐंड प्रोडक्शन आफ नेनोपार्टिकल्स" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. घोष ने इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ सांइस, भौतिक विज्ञान विभाग, बंगलौर में "एक्सपेरिमेंट्स विद सिंगल मोलक्यूल्स : मेसोस्कोपी ट्रांसपोर्ट टु कोंडो इफेक्ट" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. घोष ने आई.आई.टी. कानपुर के भौतिक विज्ञान विभाग में "सिंगल मोलक्यूल बेस्ड नेनोस्ट्रक्चर" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. घोष ने सेमिकंडक्टर सोसायटी इण्डिया, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में "फिजिक्स ऐंड टेक्नोलाजी विद आरगेनिक मोलक्यूल्स" शीर्षक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियां

- एस. पुरी, होमी भाभा फेलोशिप काउंसिल, मुम्बई से होमी भाभा अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई (2003)
- पी. सेन, अतिथि सम्पादक, करंट सांइस (भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलौर का नेनोसांइस ऐंड नेनोटेक्नोलाजी विषयक पत्रिका)

मण्डलों / समितियों की अध्यक्षता

- आर. राजारमण, परिषद के सदस्य, आई.यू.सी.ए.ए., पुणे
- डी. कुमार : सदस्य – "कंडेन्स्ड मैटर फिजिक्स" विषयक सलाहकार समिति, डी.एस.टी.; भौतिक विज्ञान का अध्ययन मण्डल, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर; भौतिक विज्ञान का अध्ययन मंडल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- आर. घोष – सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, न्यूक्लियर सांइस सेंटर, नई दिल्ली

9. सामाजिक विज्ञान संस्थान

सामाजिक विज्ञान संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा स्नातकोत्तर संस्थान है। इसमें विभिन्न केंद्रो के एम.ए./एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रत्येक वर्ष 500 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। संस्थान में कोई भी स्नातक पाठ्यक्रम नहीं है, तथापि, संस्थान अन्य संस्थानों के छात्रों के लिए कुछ स्नातक कोर्स चलाता है। वर्ष 2003–2004 के अन्त में संस्थान में लगभग 125 शिक्षक थे।

संस्थान में कुल 9 केंद्र हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 'महिला अध्ययन कार्यक्रम' तथा 'प्रौढ अनुवर्ती शिक्षा और विस्तार की एक विशेष यूनिट है। संस्थान में समसामयिक इतिहास पर एक अभिलेखागार और शैक्षिक शोध रिकार्ड यूनिट भी है। संस्थान में निम्नलिखित 9 केंद्र हैं –

1. राजनीतिक अध्ययन केंद्र
2. सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र
3. ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
4. आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
5. क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र
6. जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र
7. सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
8. विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र
9. दर्शनशास्त्र केंद्र

संस्थान के दर्शनशास्त्र केंद्र (जो हाल ही में संस्थान के साथ जुड़ा है) को छोड़कर सभी केंद्रों में एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में छात्र पंजीकृत है; जबकि एम.ए. पाठ्यक्रम केवल पांच केंद्रों में ही चलाए जाते हैं। ये केंद्र हैं –

1. राजनीतिक अध्ययन केंद्र
2. सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र
3. ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
4. आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
5. क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

संस्थान में एक सजीव शैक्षिक वातावरण है। प्रत्येक केंद्र में सामान्यतः सप्ताह में एक या दो बार नियमित रूप से सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थान स्तर पर प्रतिष्ठित अतिथि विद्वानों द्वारा कभी–कभी संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। संस्थान ने 24–26 अप्रैल 2003 को 'द चैंजिंग सोशल फार्मेशंस इन इण्डिया' विषयक एक 3–दिवसीय संगोष्ठी भी आयोजित की। इस वर्ष के दौरान संस्थान के विभिन्न केंद्रो द्वारा भी सम्मेलन/संगोष्ठियां आयोजित की गईं। संस्थान के विभिन्न केंद्रों द्वारा वर्ष के दौरान निम्नलिखित तीन स्मारक व्याख्यान आयोजित किए गए जोकि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं :

1. आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र ने कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया।

2. समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार द्वारा पी.सी. जोशी स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया गया; और

3. क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र ने मूनीस रजा स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया।

सामाजिक विज्ञान संस्थान ने सामाजिक विज्ञान और मानविकी के अध्ययन से जुड़े सभी संस्थानों द्वारा निकाले गए कुल प्रकाशनों में से आधे से ज्यादा महत्वपूर्ण प्रकाशन निकाले। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान के शिक्षकों की 185 से अधिक पुस्तकें, पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय और शोध आलेख प्रकाशित हुए। कई शोध छात्रों के आलेख राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। कई उच्च स्तरीय पी–एच.डी. शोध–प्रबन्ध भी प्रकाशित हुए।

संस्थान के शिक्षण एवं शोध पाठ्यक्रम में कतिपय नव प्रवर्तनकारी तत्व मिलते हैं। किसी एक विषय में गहन प्रशिक्षण के साथ-साथ बहु-विषयक अध्ययनों व शोध में रुचि उत्पन्न करने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए एक केंद्र के एक विषयक संरचना वाले पाठ्यक्रमों के छात्रों को अन्य केंद्रो के विषय पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसा करते समय छात्र की अभिक्षमता के साथ-साथ मुख्य विषय के साथ उन विषयों की सम्बद्धता को भी ध्यान में रखा जाता है। इस अनुभव से पता चलता है कि छात्रों ने विशेषकर एम.फिल. स्तर पर पर्याप्त लाभ उठाया है। इसके परिणामस्वरूप शोध-कार्य का क्षेत्र काफी विस्तृत हो गया है।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र एक ऐसा केंद्र है जिसमें सुचारू शोध के साथ-साथ नवीनतम रूप से शिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं। शिक्षकों और छात्रों द्वारा किए गए शोध कार्यों में अर्थशास्त्र के विभिन्न क्षेत्र शामिल किए गए हैं।

इस वर्ष के दौरान एम.ए. (अर्थशास्त्र) पाठ्यक्रम में सुधार किया गया। अनिवार्य कोर्सों की संख्या 12 से घटाकर (4 क्रेडिट प्रत्येक कोर्स) 8 कर दी गई, ताकि छात्रों को विकल्प चुनने के लिए अधिक अवसर मिल सकें। कुछ नये वैकल्पिक कोर्स भी शुरू किए गए हैं।

संबंधित विषयों में हो रहे नवीनतम विकासों को पाठ्यचर्या में शामिल करते हुए एम.फिल. स्तर के कोर्सों में समय-समय पर संशोधन करके उन्हें अद्यतन बनाया गया। केंद्र अपने पी-एच.डी. पाठ्यक्रम पर गर्व महसूस करता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक प्रकोष्ठ की स्थापना विश्वविद्यालय और रिज़र्व बैंक के बीच हुए एक समझौते के अन्तर्गत की गई है। इस प्रकोष्ठ में डा. सुब्रत गुहा को सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया है।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास में एम.ए. और एम.फिल./पी-एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र समसामयिक इतिहास में भी शिक्षण और शोध कार्यक्रम चला रहा है। कुछ वर्षों से एक नई पद्धति शुरू की गई है, जिसके अनुसार छात्रों को चुने गए विषयों में कम से कम चार कोर्स पूरे करने होते हैं। ये उपलब्ध विषय है – आर्थिक इतिहास, सामाजिक एवं प्रसिद्ध आन्दोलन, राज्य एवं शक्ति, और विचारधारा, संस्कृति एवं समाज। विशेषीकृत काल अनिवार्य है, जबकि विषय विशेषीकरण अनिवार्य नहीं है।

केंद्र ने समय-समय पर संगोष्ठियां आयोजित कीं। इन संगोष्ठियों में देश-विदेश के विश्वविद्यालयों के विद्वान व्याख्यान देने के लिए आए। केंद्र ने विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 'टीचिंग हिस्ट्री : पास्ट ऐंड फ्यूचर' विषयक एक कार्यशाला भी आयोजित की। एक छात्र को हाल ही शुरू की गई 'जवाहरलाल नेहरू यंग लीडर्स' फेलोशिप तथा दूसरे को 'जय सुरेंद्र' फेलोशिप प्राप्त हुई।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

राजनीतिक अध्ययन केंद्र भारतीय शासन पद्धति एवं राजनीति विषयक गहन अध्ययन में संलग्न है। इसमें भारतीय राजनीति के विभिन्न आयामों के अध्ययन पर विशेष बल दिया जाता है। केंद्र ने राजनीतिक एवं सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया; राज्य और विकास, विभिन्न सामाजिक ग्रुपों की राजनीतिक भूमिका; संघवाद और केंद्र-राज्य सम्बन्ध; नौकरशाही और लोक नीति; धर्मनिर्पेक्षता, बहुसंस्कृतिवाद और अल्पसंख्यक अधिकार; सिविल समाज और मानव अधिकार के शोध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान किया है। केंद्र के नये थ्रस्ट एरिया हैं –

- भारत में राजनीतिक संस्थाएं और लोक नीति
- तुलनात्मक संरचना में सामाजिक न्याय और अभिशासन : नीतियां और संदर्श
- भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद तथा लोकतंत्र

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 1971 में हुई। इसका मूल उद्देश्य भारत में क्षेत्रीय विकास पर बल देते हुए शिक्षण एवं शोध के लिए एक अन्तरविषयक अध्ययन पाठ्यक्रम तैयार करना था। केंद्र के शिक्षक भूगोल, अर्थशास्त्र, जनसंख्या अध्ययन तथा भूविज्ञान और सांख्यिकी जैसे सम्बद्ध क्षेत्रों के विद्वान हैं। केंद्र के शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम में क्षेत्रीय विकास में मानव, संस्थागत, शिल्प-विज्ञानीय संरचनागत तथा पर्यावरणीय तत्व और उनकी मिश्रता पर विशेष बल दिया जाता है। शोध और शिक्षण में विश्लेषण के उचित प्रतिमान एंव साधन विकसित करने के प्रयास किए गए।

भूगोलशास्त्र में एम.ए. पाठ्यचर्या में प्रतिष्ठित तथा आधुनिक दृष्टिकोणों के उपयुक्त विवेकी मिश्रण के साथ–साथ विशेष सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक तत्व शामिल हैं। इसमें भौतिक और समाज–अर्थशास्त्र के क्षेत्रीय कार्य में दो अनिवार्य कोर्स शामिल हैं। केंद्र ने एक बहु–विषयक दृष्टिकोण विकसित किया है ताकि छात्रों को ज्ञान के अन्य सम्बद्ध क्षेत्रों की जानकारी उपलब्ध हो सके। 1 अप्रैल 2003 से इस केंद्र को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भूगोल में उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में विशेष सहायता विभाग घोषित किया है।

यह केंद्र स्नातकोत्तर स्तर पर एम.ए. – भूगोल; एम.फिल. – भूगोल, जनसंख्या अध्ययन, अर्थशास्त्र तथा पी–एच. डी. पाठ्यक्रम तथा स्नातक स्तर पर भूगोल में वैकल्पिक कोर्स चलाता है। वर्ष 2003–2004 के दौरान चलाए गए स्नातक स्तर के कोर्सों में शामिल हैं – भौतिक भूगोल, मानव भूगोल, कार्टोग्राफी और पूर्वी एशिया का क्षेत्रीय भूगोल।

केंद्र द्वारा चुने गए थ्रस्ट एरिया हैं – संस्थाएं तथा कृषि विकास; कृषि विकास के क्षेत्रीय आयाम; उर्वरता, मर्त्यता और देशान्तरण; औद्योगिक विकास के क्षेत्रीय आयाम; जनसंख्या, पर्यावरण और अधिवास अध्ययन; क्षेत्रीय भूगोल योजना/क्षेत्रीय विकास; पारिस्थितिक विज्ञान, संसाधन विकास एवं प्रबन्धन; सामाजिक भूगोल/जेंडर अध्ययन/स्वास्थ्य एवं शिक्षा का भूगोल तथा यातायात अर्थशास्त्र पर अध्ययन। वर्ष 2003–2004 के दौरान थ्रस्ट एरिया के अनुरूप केंद्र द्वारा प्रस्तावित विशेषीकृत क्षेत्र थे – कृषि भूगोल, जिओमार्फोलाजी, जनसंख्या एवं अधिवास भूगोल, क्षेत्रीय योजना एवं विकास तथा सामाजिक भूगोलशास्त्र।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 1971 में हुई। केंद्र का मुख्य लक्ष्य तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में समाजशास्त्र के दो प्रमुख क्षेत्रों – 1 सामाजिक संरचना और 2. सामाजिक प्रक्रिया पर शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाना था। केंद्र को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक और अन्य ऐसी सह–पद्धतियों पर विचार करते हुए सामाजिक पद्धतियों के अध्ययन में अन्तरविषयक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करना था। केंद्र का उद्देश्य सामाजिक पद्धतियों के अध्ययन के लिए मैक्रो और माइक्रो दोनों स्तरों पर तुलनात्मक संदर्श तैयार करना था।

केंद्र के मुख्य उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए केंद्र के शिक्षकों, छात्रों तथा शोध स्टाफ सदस्यों ने पिछले वर्षों के दौरान निम्नलिखित मुख्य थ्रस्ट एरिया के विभिन्न अध्ययनों में अपना–अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया : आधुनिकीकरण और विकास, व्यवसाय, सामाजिक स्तरण, सामाजिक आन्दोलन, सीमांत ग्रुप, जनजातियां तथा संजातीयता, शिक्षा, ज्ञान, जेंडर सम्बन्ध, भारतीय डायस्पोरा, सम्बन्ध तथा संस्कृति।

केंद्र के शोध कार्य और प्रकाशनों से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि केंद्र स्थानीय, राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर उभरते हुए सामाजिक मामलों के अध्ययन में संलग्न है। केंद्र ने इनमें से कुछ मामलों से सम्बद्ध नये कोर्स और शोध पाठ्यक्रम भी तैयार करने की शुरूआत की है। इन प्रयासों को और अधिक कारगर बनाने के लिए शैक्षिक संसाधनों में वृद्धि करने की जरूरत है। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में शोध एवं अध्ययन को समेकित करने की आवश्यकता है। ये क्षेत्र हैं – समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, मात्रात्मक सिद्धान्त, सामाजिक जनसांख्यिकी और मनोविज्ञान, ऐतिहासिक नृविज्ञान, सामाजिक पारिस्थितिकी, भूमंडलीकरण, जनसम्पर्क अध्ययन और आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारधारा।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

वर्ष 1973 में स्थापित जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र का मुख्य उद्देश्य सामाजिक विज्ञान में बहु–विषयक परिप्रेक्ष्य में शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम चलाना है। केंद्र के पाठ्यक्रम अन्य विश्वविद्यालयों के परम्परागत शैक्षिक विभागों की तुलना में भिन्न हैं। केंद्र को वर्ष 1993 में वि.अ.आ. द्वारा विशेष सहायता विभाग का दर्जा प्रदान किया गया। इस विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदान किए जाने वाले अनुदान को वर्ष 1999 से नवीकरण कर दिया गया।

केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – 1. उच्च शिक्षा की नीति, नियोजन और प्रबन्धन; 2. ज्ञानवर्धन, विस्तार और दक्षता विकास में शिक्षा की भूमिका; 3. शिक्षा में समानता एवं विशिष्टता तथा 4. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा, संस्कृति और समाज। अन्तर विषयक शिक्षण एवं शोध के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता और छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अध्ययन हेतु ये थ्रस्ट एरिया जरूरी हो गए हैं। विज्ञान और गणित के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयामों, बहु–संस्कृतिवाद, व्यक्तिगत ज्ञान और सामाजिक दायित्व से सम्बन्धित मामलों को शामिल करने से शोध क्षेत्रों में विस्तार हुआ है।

यह भी उल्लेखनीय है कि केंद्र के शिक्षकों ने अपनी योग्यता से शोध और अनुप्रयोग का मिश्रण करके यह सिद्ध कर दिया है कि सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग का परस्पर सहजीवी संबंध हैं। एक शिक्षक का शोध कार्य पुस्तकालीय पुस्तकों

से लेकर प्रयोगाश्रित परियोजना जैसे राजस्थान में गरीबी, सामाजिक विभेदन और दलित बच्चों की स्कूली शिक्षा; मानव अधिकार शिक्षा; अनौपचारिक शिक्षा, विज्ञान शिक्षा के सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष, शिक्षा का इतिहास, इसके प्रशासनिक और सामाजिक आयाम, मानव पूंजी की वापसी; दूसरी पीढ़ी के ब्रेन ड्रेन के प्रभाव; भारत में माध्यमिक शिक्षा की वित्त व्यवस्था, भारत में विश्वविद्यालयों आदि तक विस्तार लिए हुआ है।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

शैक्षिक वर्ष 2003–2004 के दौरान केंद्र ने पिछले वर्षों में तैयार किए गए वर्तमान कोर्स कार्य को जारी रखा। इस वर्ष केंद्र के विस्तार से शिक्षण एवं शोध के वर्तमान क्षेत्रों को सुदृढ़ बनाने हेतु केंद्र की वचनबद्धता को शक्ति मिली है।

निकट भविष्य में केंद्र निम्नलिखित शोध एवं शिक्षण क्षेत्रों पर आधारित अपने अन्तरविषयक शोध में विस्तार करने की योजना बना रहा है –

- नयी प्रौद्योगिकी, भूमण्डलीकरण और विकास
- राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और ग्रामीण नवप्रवर्तनकारी पद्धतियों का प्रबन्धन
- विकास हेतु विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति तथा दक्षिण–दक्षिण सहयोग
- विज्ञान और पर्यावरण का इतिहास
- विज्ञान और नीतिशास्त्र
- साइंटोमिट्रिक्स, बिबलिओमिट्रिक्स तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षमता का मूल्यांकन

केंद्र एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति करने की दृष्टि से तैयार की गई है। यह पाठ्यचर्या छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज के बीच परस्पर–क्रिया से अवगत कराती है और साथ ही छात्रों में सामाजिक और आर्थिक समस्याओं तथा विज्ञान प्रौद्योगिकी नीतियों की जटिलताओं से सम्बन्धित समझ विकसित करती है।

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

केंद्र अपने चल रहे वर्तमान शोध एवं शिक्षण कार्यक्रमों को समेकित करने तथा नए क्षेत्रों को विकसित करने में संलग्न है। केंद्र पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर अपने कोर्सों की पाठ्यचर्या की समीक्षा कर रहा है और उन्हें विषयगत परिप्रेक्ष्य में पुनर्गठित कर रहा है। 21वीं सदी में अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक व्यवस्था में हो रहे परिवर्तनों तथा पर्यावरणीय परिस्थितियों में हुए बदलाव के कारण जन स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न हुई चुनौतियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त केंद्र अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों से सहयोग प्राप्त करने तथा जन–वार्ता एवं नीति–निर्माण की दृष्टि से शैक्षिक कार्य में विस्तार हेतु प्रयास कर रहा है।

केंद्र द्वारा विकसित सैद्धान्तिक तथा पद्धतिपरक दृष्टिकोण के आधार पर अन्तरविषयक कार्य को सुदृढ बनाने के लिए अन्य संस्थाओं से सहयोग प्राप्त करने की योजना बनाई जा रही है। जिन नये क्षेत्रों में कार्य की शुरूआत की गई है वे हैं :

- स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए योजना एवं कार्यान्वयन सम्बन्धी नीति के रूप में लोकतंत्रीकरण और विकेंद्रीकरण
- सेवाएं तथा कार्यक्रम
- स्वास्थ्य अर्थशास्त्र
- स्वास्थ्य विधान
- जैव आचार–शास्त्र
- स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति अन्तरविषयक दृष्टिकोण
- स्वदेशी पद्धतियां एवं आरम्भिक स्वास्थ्य सुरक्षा
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, विधि और स्वास्थ्य

महिला अध्ययन कार्यक्रम

महिला अध्ययन कार्यक्रम की शिक्षण गतिविधियां

(क) महिला अध्ययन कार्यक्रम द्वारा कोई भी नया कोर्स नहीं चलाया गया। कोर्स डब्ल्यू.एस. 401 कोर्स 'वुमन मूवमेंट ऐंड जैंडर स्टडीज' – मेरी ई. जान द्वारा चलाया गया। यह कोर्स शीतकालीन सत्र 2004 में दूसरी बार पढाया गया। सामाजिक विज्ञान संस्थान और अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के विभिन्न केंद्रों के 20 छात्रों ने यह कोर्स लिया। छात्रों ने इस कोर्स के प्रति गहरी रुचि दिखाई;

(ख) एम.फिल. और पी–एच.डी. छात्रों के लिए फेमिनिस्ट थीअरि में एक स्टडी ग्रुप का आयोजन किया गया, जोकि ग्रीष्मकालीन सत्र 2003 में शुरू हुआ और शीतकालीन सत्र 2004 तक जारी रहा। इस ग्रुप में 12 छात्रों ने भाग लिया।

विभिन्न केंद्रों द्वारा आयोजित सम्मेलन :

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

1. केंद्र ने 3 से 8 नवम्बर 2003 के दौरान एन.ए.ए.सी., बैंगलोर के सहयोग से 'केपसिटी बिल्डिंग आफ वुमन मैनेजर्स इन हायर एज्यूकेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की। संयोजक – प्रो. करूणा चानना
2. केंद्र ने 11 से 13 मार्च 2004 के दौरान प्रो. तापस मजुमदार के सम्मान में 'एज्यूकेशन ऐंड द सोशल साइंस पैराडिग्म्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। संयोजक – प्रो. बिनोद खादरिया

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

1. केंद्र ने 1 मई 2003 को रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र के साथ मिलकर और नेशनल रीजनल केंद्र, आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा सह–प्रायोजित 'पावर ऐंड वायलेंस इन ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड : इराक कन्टेक्स्ट' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया। संयोजक – डा. प्रणव देसाई
2. केंद्र ने पी–एच.डी. छात्रों के लिए 25–27 मार्च 2004 को, 'साइंस टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी स्टडीज रिसर्च' विषयक एक 3–दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इसके संयोजक थे – प्रो. वी.वी. कृष्णा। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शोध छात्रों, शिक्षकों और अन्य प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना था।

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

1. केंद्र ने 15 से 17 दिसम्बर 2003 तक नई दिल्ली में 'शिफ्ट्स इन हैल्थ सेक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय बैठक का आयोजन किया। इसके आयोजक–सचिव थे – के.आर. नायर।
2. केंद्र ने 20 जनवरी 2004 को स्वास्थ्य लोक पंचायत और जी.ए.एस.पी.पी., फिनलैण्ड के साथ मिलकर विश्व सोशल फोरम के अन्तर्गत मुम्बई में 'क्वेश्चनिंग प्रिवेलिंग पैराडिग्म्स इन पब्लिक हैल्थ : पुटिंग पीपल सेंटर–स्टेज' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया। आयोजक–सचिव – रितु प्रिया।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

1. केंद्र ने 29 सितम्बर 2003 को कला एवं सौंदर्यशास्त्र संस्थान के सभागार में पहला मूनीस रजा स्मारक व्याख्यान आयोजित किया। व्याख्यान का विषय था 'सेक्यूलर वैल्यूज इन हिस्ट्री'। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता थे सुप्रसिद्ध इतिहासकार प्रोफेसर इरफान हबीब। इसमें जेएनयू के शिक्षकों, छात्रों तथा प्रतिष्ठित विद्वानों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
2. केंद्र ने 4–5 अप्रैल 2003 को वि.अ.आ. – विशेष सहायता कार्यक्रम – एन.आर.सी. – आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित 'इमर्जिंग रिसर्च थीम्स इन कनटेम्पोरेरि जिओग्राफी इन इण्डिया' विषयक 2–दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इसके संयोजक थे – प्रो. हरजीत सिंह और प्रो. सरस्वती राजू। संगोष्ठी का उद्घाटन जेएनयू के कुलपति प्रो. जी.के. चड्ढा ने किया।
3. केंद्र ने 2 से 25 जून 2004 के दौरान दिल्ली प्रशासन के विद्यालयों के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण के तौर पर भूगोल में 25 व्याख्यान आयोजित किए।

   केंद्र ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से दिल्ली प्रशासन के विद्यालयों के उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए भूगोल विषय में 3 सप्ताह का इन–सर्विस ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया। भूगोलशास्त्र के मुख्य क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी और साथ ही कंप्यूटर तकनीकों, कंप्यूटर द्वारा नक्शे बनाने का प्रशिक्षण भी दिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक थे – मिलाप चंद शर्मा।
4. केंद्र में 7 से 9 नवम्बर 2003 तक यूनिवर्सिटी आफ शुल्जबर्ग, यूनिवर्सिटी आफ गिरोन, फ्री यूनिवर्सिटी अमस्टर्डम, जाफना यूनिवर्सिटी और गोवा यूनिवर्सिटी के बीच ई.यू. द्वारा वित्तपोषित पाठ्यचर्या विकास कार्यक्रम की इंटर – जी.आई.एस. परियोजना के अन्तर्गत सह–प्रायोजित 'ट्रेन द ट्रेनर इन जी.आई.एस.' विषयक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला के समन्वयक थे – प्रो. हरजीत सिंह, प्रो. मिलाप चंद शर्मा और प्रो. अनुराधा बनर्जी।

5. केंद्र ने 25–26 नवम्बर 2003 को जेएनयू में 'न्यू फार्मस आफ गवर्नेंस इन इण्डिया मेगा–सिटीज : इश्युज कनसर्निंग डिसेंट्रलाइजेशन, फाइनेंशियल मैनेजमेंट ऐंड पार्टनरशिप इन द कनटेक्स्ट आफ प्रोविजन आफ एनवायरनमेंटल सर्विसीज' विषयक 2–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। समन्वयक – अमिताभ कुंडु।

6. 31 मार्च 2004 को क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र के सहयोग से 'डिवलपमेंट ऐंड मार्जिनलाइजेशन' विषयक एक दिवसीय सी.ए.एस.–एन.आर.सी.–आई.सी.एस.एस.आर. कार्यशाला आयोजित की गई। इसके आयोजक थे – सरस्वती राजू, सच्चिदानंद सिंहा और सुचरिता सेन।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

केंद्र प्रत्येक बृहस्पतिवार को साप्ताहिक संगोष्ठी का आयोजन करता है। इस वर्ष केंद्र में निम्नलिखित संगोष्ठियां आयोजित की गईं –

1. 'सिवलाइजेशन चैंज, प्राइवेटाइजेशन ऐंड सोशल स्ट्रेस अमंग इंडिजिनस पीपल इन एशिया, 4 अप्रैल 2003
2. 'ड्रामा ऐज केथारसिस : वर्किंग विद चिल्ड्रन आफ डिसप्लेस्ड कम्युनिटीज', 10 अप्रैल 2003
3. 'पोस्ट–क्लोनिअलिज्म ऐंड कल्चर : शेक्सपियर परफार्मेंसिस इन इण्डिया', 11 सितम्बर 2003
4. 'थ्री पोस्ट–वर्ल्ड वार II : अमेरिकन वुमन पोइट्स', 16 अक्टूबर 2003
5. 'पेडागागी ऐंड द कल्चर आफ पावर्टी एनजीओ'स ऐंड डिवलपमेंट विद स्पेशल रेफ्रेंस टु दीपालय', 6 नवम्बर 2003
6. 'इंटर–रिलिजस डायलाग ऐंड वर्ल्ड पीस', 5 फरवरी 2004
7. 'अफगानिस्तान टुडे : ए सोशिओलाजिकल व्यु', 12 फरवरी 2004
8. 'कंस्ट्रक्शन आफ ट्रेडिशन : कल्ट आफ रामा इन राजस्थान', 19 फरवरी 2004
9. '99% इंडिविजुअल्स आफ द क्वाम आर इग्नोरेंट आफ इस्लाम, 95% आर डिविऐंट – डिस्कोर्स आफ प्यूरिटी ऐंड प्यूरिटी आफ डिस्कोर्स' 4 मार्च 2004
10. 'सोशल थीअरि ऐंड द चैंजिंग वर्ल्ड : डिवलपमेंट, माडर्नाइजेशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन', 11 मार्च 2004

केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां :

1. केंद्र ने 23–24 अक्टूबर 2003 को 'ईक्वल अपरच्युनिटीज अफर्मेटिव एक्शन ऐंड द शेड्यूल्ड कास्टस : प्राब्लम्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' विषयक एक 2–दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
2. केंद्र ने 8 जनवरी 2004 को 7वां डा. अम्बेडकर स्मारक व्याख्यान आयोजित किया।
3. केंद्र ने 20–22 फरवरी 2004 को 'ग्लोबल क्वेस्ट फार पार्टिसिपेट्री डेमोक्रेसी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
4. केंद्र ने 18 सितम्बर 2004 को 'द रोल आफ चर्चस ड्यूरिंग जर्मन पार्टिशन बिटवीन 1945–1990' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।
5. केंद्र ने 25 सितम्बर 2003 को 'एंजाइटिस कंप्लेक्सिटी, आइडेंटिटीज : द मैकिंग आफ मुस्लिम ऐंड हिन्दूज इन माडर्न इण्डिया' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

1. केंद्र ने 17 अप्रैल 2004 को एम.ए. अंतिम वर्ष के उन छात्रों के लिए एक 'मैथडालाजी' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया जो जम्मू विश्वविद्यालय के दौरे पर गए थे। यह कार्यशाला उनके पी.ओ. 505 : मैथड्स इन सोशल साइंस' शीर्षक कोर्स कार्य के भाग के रूप में आयोजित की गई थी।
2. केंद्र ने 17–18 मार्च 2004 को 'इण्डियन डेमोक्रेसी ऐंड कल्चरल नेशनलिज्म : क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन 'डेमोक्रेसी' पर गठित संचालन समिति द्वारा आयोजित किया गया। संचालन समिति के सदस्य थे – प्रलय कानूनगो, विधु वर्मा, राहुल मुखर्जी और आशा सारंगी। संयोजक – डॉ. विधु वर्मा।

महिला अध्ययन कार्यक्रम

महिला अध्ययन कार्यक्रम ने 19–20 मार्च 2004 को 'जेंडर ऐंड करिकुलम डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में शिक्षकों, छात्रों, शोधार्थियों और देश भर से आए नीति निर्धारकों ने भाग लिया। इसमें नीति निर्धारकों ने शिक्षा पद्धति के विभिन्न स्तरों पर जेंडर और महिला अध्ययन शिक्षण के विकास के विभिन्न पक्षों पर आलेख प्रस्तुत किया।

1. कार्यशाला की सह–संयोजिकाएं थीं -- मेरी ई. जोन, डा. मैत्रेयी चौधरी और प्रो. सरस्वती राजू।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

केंद्र ने 29–30 मार्च 2003 को विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 'टीचिंग हिस्ट्री : पास्ट ऐंड फ्यूचर' विषयक 2–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

1. डा. रिचर्ड पर्किंस, पोस्ट डाक्टरल फेलो, एल.एस.ई., 'एनवायरनमेंटल लीप फोर्जिंग इन डिवलपिंग कंट्रीज ऐंड रिकंस्ट्रक्शन', 1 अप्रैल 2003
2. प्रो. उत्सा पटनायक, आ.अ. और नि.के., 'नेचर आफ फालेसिस इन इकोनोमिक थीअरि', 22 अप्रैल 2003
3. प्रो. जयती घोष, आ.अ. और नि.के., 'रिसेंट एम्लायमेंट ट्रेंड्स ऐंड मैक्रोइकोनोमिक पालिसी इन इण्डिया', 6 मई 2003
4. प्रो. अभिजीत सेन, आ.अ. और नि.के., 'पावर्टी इन इण्डिया ड्यूरिंग द 1990'स', 26 अगस्त 2003
5. टेरेंस सयुन्द्रा नयागम, निदेशक (सेवानिवृत्त), सांख्यिकी विभाग, सेंट्रल बैंक आफ श्रीलंका, 'श्रीलंका–इकोनोमिक परफोर्मेंस ऐंड द नीड फार इम्प्रूव्ड स्टेटिस्टिकल डाटा' 25 अक्टूबर 2003
6. प्रो. मिहिर रक्षित, आई.सी.आर.ए., सम इकोनोमिक्स आफ केपिटल इनफ्लास ऐंड रिजर्व्स एक्रीशन', 27 अक्टूबर 2003
7. डा. अर्जुन दे हान, डी.एफ.आई.डी. (नई दिल्ली) 'पावर्टी इंप्लिकेशंस आफ इकोनामिक रिफार्म्स, 18 नवम्बर 2003
8. प्रो. विवेक मूर्ति, आई.आई.एम., बंगलौर, 'असेसिंग इण्डिया'ज प्राइमरी डिपाजिट वर्सिस इंटरेस्ट पेमेंट बर्डन', 25 नवम्बर 2003
9. प्रो. मोनिमय सेनगुप्ता, दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स, 'सैकिंड वेलफेयर थीओरम विदाउट कम्प्लीट और ट्रांजिटिव प्रिफ्रेंसिस'
10. प्रो. कौशिक बासु, कार्नेल यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., 'डिसिजन मैकिंग इन द हाउसहोल्ड', 16 जनवरी 2004
11. डा. विकास रावल, आ.अ. और नि.के., 'लेबर इन रूरल हरियाणा : ए फील्ड रिपोर्ट फ्राम टु विलेजिस', 3 फरवरी 2004
12. डा. सौमन चट्टोपाध्याय, एन.आई.पी.एफ.पी., 'केलकर कमेटी रिपोर्ट', 12 फरवीर 2004
13. प्रो. रामप्रसाद सेनगुप्ता, आ.अ. और नि.के., 'सोशियो–इकोनामिक इम्पेक्ट आफ फोर लेनिंग आफ एन.एच–2', 12 फरवरी 2004
14. डा. एम.सी. पुरोहित, (सेवानिवृत्त) एन.आई.पी.एफ.पी., "वैट इन इण्डिया", 12 फरवरी 2004
15. प्रो. जे.वी.एम. शर्मा, वित्त आयोग, 'फाइनेंस कमीशन इन इण्डिया', 19 फरवरी 2004
16. डा. प्रवीण झा, आ.अ. और नि.के., 'कंटिन्युटि ऐंड चैंज : सम आब्जर्वेशंस आन लैण्डस्केप आफ एग्रीकल्चरल लेबरर्स इन नार्थ बिहार', 24 फरवरी 2004
17. डा. अरज्ञा घोष, यूनिवर्सिटी आफ साउथवेल्स, आस्ट्रेलिया, 'पालिटिकल इकोनोमी आफ इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट : ए स्पेशियल अप्रोच', 4 मार्च 2004
18. डा. प्रदीप्ता चौधरी, आ.अ. और नि.के., 'द पालिटिकल इकानोमी आफ कास्ट इन नार्दन इण्डिया', 4 मार्च 2004
19. प्रो. वाई. ओनो, ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान, 'इन्टरनेशनल ऐसीमैट्री इन बिजनेस एक्टीविटी एण्ड एप्रीसिएशन आफ ए स्टेगनेंट कन्ट्री'स करेन्सी', 15 मार्च 2004

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र प्रत्येक वर्ष सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं केंद्र की संस्थापक प्रो. कृष्णा भारद्वाज की स्मृति में व्याख्यान आयोजित करता है। इस वर्ष 8 मार्च 2004 को जीवन विज्ञान संस्थान के सभागार में आयोजित 12वां

कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान सुप्रसिद्ध गणितज्ञ प्रो. मदाबुसी एस. रघुनाथन, टाटा इंस्टीट्यूट आफ फंडामेंटल रिसर्च, (मुम्बई) ने दिया। व्याख्यान का विषय था – 'मैथमेटिक्स ऐंड द साइंटिफिक मिलियु'।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्रों में आए अतिथि :

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

1. डा. अचिन्तया कुमार दत्त, रीडर इन हिस्ट्री, द यूनिवर्सिटी आफ बर्दवान, गोलपबैग बर्दवान, पश्चिम बंगाल, 10 सितम्बर 2003
2. डा. रीटा पेम्बरटन, इतिहास विभाग, द यूनिवर्सिटी आफ वेस्ट इंडीज, सेंट अगस्तिन, त्रिनिदाद ऐंड टोबागो, 26 फरवरी 2004
3. प्रो. रत्ना नायडु, समाजशास्त्र विभाग के पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद
4. प्रो. एंजेला डब्ल्यू. लिटिल, इंस्टीट्यूट आफ एज्यूकेशन, यूनिवर्सिटी आफ लंदन, 8 अप्रैल 2003
5. प्रो. पैट्रिक वी. डायस, इमिरेट्स, यूनिवर्सिटी आफ फ्रेंकफर्ट, 3 सितम्बर 2003
6. प्रो. ए. अग्रवाल, यूनिवर्सिटी आफ बाल्टिमोर, यू.एस.ए., 29 अक्टूबर 2003
7. प्रो. हेलन लोंगिनो, प्रो. आफ फिलास्फी ऐंड वुमन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ मिनिसोटा, यू.एस.ए., 13 जनवरी 2004
8. प्रो. जोनाथन हाईस्लोप, यूनिवर्सिटी आफ विटवाटर्सरेंड, जोहांसबर्ग, 20 जनवरी 2004
9. डा. ओडेटे लाउसेट, डिपार्टमेंट आफ जिओग्राफी, यूनिवर्सिटी आफ राउएन, 3–4 फरवरी 2004

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

1. प्रो. एम.एस. रघुनाथन, प्रो. आफ इमिनेंस, टी.आई.एफ.आर., 8 मार्च 2004
2. टेरेंस सवुन्द्रा नयागा, निदेशक (सेवानिवृत्त) डिपार्टमेंट आफ स्टेटिक्स, सेंट्रल बैंक आफ श्री लंका, 21 सितम्बर 2003
3. प्रो. गिहिर रक्षित, आई.सी.आर.ए., 27 अक्टूबर 2003
4. डा. अर्जन दे हान, डी.एफ.आई.डी. (नई दिल्ली कार्यालय), 18 नवम्बर 2003
5. प्रो. विवेक मूर्ति, आई.आई.एम., बैंगलोर, 25 नवम्बर 2003
6. प्रो. मोनिमय सेनगुप्ता, दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स, 13 जनवरी 2004
7. प्रो. कौशिक बसु, कार्नेल यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., 16 जनवरी 2004
8. डा. सौमन चट्टोपाध्याय, एन.आई.पी.एफ.पी., 12 फरवरी 2004
9. डॉ. एम.सी. पुरोहित (सेवानिवृत्त), एन.आई.पी.एफ.पी., 14 फरवरी, 2004
10. प्रो. जे.वी.एम. शर्मा, वित्त आयोग, 19 फरवरी 2004
11. डा. अरघ्य घोष, यूनिवर्सिटी आफ न्यू साउथ वेल्स, आस्ट्रेलिया, 4 मार्च 2004
12. प्रो. वाई ओनो, ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान, 15 मार्च 2004

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

1. डा. कस्तुरी सेन, डिपार्टमेंट आफ पब्लिक हैल्थ, यूनिवर्सिटी आफ कैम्ब्रिज, यू.के., 5,12,26 फरवरी और 11 मार्च 2004
2. प्रो. रंजीत राय चौधरी, इमिरेट्स साइंटिस्ट, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्यूनोलाजी, नई दिल्ली, 9 अक्टूबर 2003
3. डा. ओकार मित्तल, पब्लिक हैल्थ साइंटिस्ट, 30 जनवरी 2004
4. श्री अजय मेहता, नेशनल फाउंडेशन आफ इण्डिया, 6 फरवरी 2004
5. प्रो. मनोरंजन मोहंती, राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 17 अप्रैल 2003
6. डा. अमित एस. राय, एसोसिएट प्रोफेसर, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, 10 अप्रैल 2003
7. डा. अलका आचार्य, पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, 4 मार्च 2004

8. डा. अतिया हबीब किदवई, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, 3 अप्रैल 2003
9. सुश्री लीना तथा सुश्री शालिनी, लायर्स क्लेक्टिव, नई दिल्ली, 19 फरवरी 2004
10. डा. पी.के. साह, आई.आई.एल.एम., नई दिल्ली, 4 मार्च 2004

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

1. डा. ए. अलहुवालिया, भूगोलशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 19 सितम्बर 2003
2. प्रो. जोसफ स्ट्रोबोल, सेंटर फार जिओ इनफार्मेटिक्स, यूनिवर्सिटी आफ साल्जबर्ग, आस्ट्रिया, 30 जनवरी 2004
3. डा. दीपक श्रीवास्तव, अध्यक्ष, ग्लेसिओलाजी डिविजन, जिआलोजिक सर्वे आफ इण्डिया, 19 मार्च 2004
4. प्रो. ऋचा नागर, डिपार्टमेंट आफ जिओग्राफी/वुमन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ मिनीसोटा, यू.एस.ए., 19 मार्च 2004

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

1. डा. विश्वजीत घोष, समाजशास्त्र विभाग, बर्दमान विश्वविद्यालय, बर्दमान, पश्चिम बंगाल 6 से 19 अक्टूबर 2003 तक के लिए विजिटिंग फेलो के रूप में आए।
2. डा. शशीज हेगड़े, समाजशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद 29 अक्टूबर से 12 नवम्बर 2003 तक के लिए विजिटिंग फेलो के रूप में आए।
3. प्रो. राज मोहिनी सेठी, पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 8 मार्च 2004 से 22 मार्च 2004 तक के लिए विजिटिंग फेलो के रूप में आईं।
4. प्रो. सुब्रत मित्रा, साउथ एशियन इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी आफ हीडलबर्ग, जर्मनी, 28 फरवरी से 2 मार्च 2004 तक के लिए केंद्र में आए।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

1. प्रोफेसर मार्था नुसबाम, प्रोफेसर आफ ला ऐंड एथिक्स, यूनिवर्सिटी आफ चिकागो, केंद्र में 8 से 22 मार्च 2004 तक के लिए विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आए।
2. प्रो. लायड रूडोल्फ और सुसेन रूडोल्फ, यूनिवर्सिटी आफ चिकागो, यू.एस.ए., 11 फरवरी 2004
3. प्रो. आशुतोष वार्ष्णेय, यूनिवर्सिटी आफ मिचिगन, यू.एस.ए., 28 जनवरी 2004
4. प्रो. बलदेव राज नायर, मैकगिल यूनिवर्सिटी, कनाडा, 21 जनवरी 2004
5. पाल ब्रास, यूनिवर्सिटी आफ वाशिंगटन, यू.एस.ए., 12 जनवरी 2004
6. प्रो. प्रताप भानु मेहता, प्रोफेसर आफ फिलास्फी, एण्ड आफ ला ऐंड गवर्नेंस, जेएनयू, 12 नवम्बर 2003
7. श्री विक्रम चंद, विश्व बैंक, 17 सितम्बर 2003

महिला अध्ययन केंद्र

1. डा. थोमस इस्साक, विजिटिंग प्रोफेसर, विकास अध्ययन केंद्र, त्रिवेंद्रम, 23 अक्टूबर 2003
2. प्रो. एलिजाबेथ जेलिन, प्रोफेसर आफ सोशियोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ ब्युनस आयरस, अर्जेंटिना, नवम्बर 2003
3. प्रो. हेलन लोंगिनो, प्रोफेसर आफ फिलास्फी ऐंड वुमन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ मिनीसोटा, 13 जनवरी 2004
4. सिंडी मैटसन, 'सेक्सुअल हैरासमेंट ऐट वर्कप्लेस : द यू.एस. एक्सपिरियंस, 12 फरवरी 2004

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

1. प्रो. मरियम डोसाल, विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत 9 फरवरी से 20 फरवरी 2004 तक विजिटिंग फेलो के रूप में केंद्र में आए।
2. प्रो. बारबरा मेटकाफ, 13 अगस्त 2003
3. डा. फ्रांसेस्का आर्सिनी, 27 अगस्त 2003
4. डा. रचना मजुमदार, 3 सितम्बर 2003

5. प्रो. गेराल्डीन फोब्स, 8 अक्टूबर 2003
6. डा. प्रभु महापात्रा, 5 नवम्बर 2003
7. प्रो. इजाबेला होफमेरी, 21 जनवरी 2004
8. डा. राकेश पाण्डेय, 28 जनवरी 2004
9. श्री मरियम दोसाल, 19 फरवरी 2004
10. डा. मार्टिन क्रिगर, क्लोनिअल हाउसोल्ड इन 18थ सेंचुरी ट्रांकुबर, 20 फरवरी 2004
11. प्रो. ए.एच. नय्यर, 26 फरवरी 2004
12. डा. एस. सुरेश, 24 मार्च 2004

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

1. प्रो. विश्वजीत धर, आई.आई.एफ.टी., 3 सितम्बर 2003
2. प्रो. अमित एस. रे, अ.अ.सं., 17 सितम्बर 2003
3. डा. प्रदोश नाथ, 'निस्ताद', सी.एस.आई.आर., 15 अक्टूबर 2003
4. डा. पवन सिक्का, डी.एस.टी., 19 नवम्बर 2003
5. डा. आर. रामाचंद्रन, इण्डिया हेबिटेट सेंटर, 20 जनवरी 2004
6. प्रो. हेनरी इट्जकोजिट्ज, यूनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क, 12 मार्च 2004
7. डा. अनुज सिन्हा, डी.एस.टी. 17 मार्च 2004
8. प्रो. हेनरी इतकोविट्ज, डायरेक्टर, साइंस पालिसी इंस्टीट्यूट, द स्टेट यूनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क, (पर्चेज) 12 मार्च 2004

छात्रों की उपलब्धियां :

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

केंद्र प्रत्येक वर्ष थावराज स्मारक छात्रवृत्ति, रंजन राय और अवानी भट्ट स्मारक पुरस्कार प्रदान करता है। इन छात्रवृत्तियों और पुरस्कारों को प्राप्त करने वाले छात्र निम्न प्रकार से हैं –

रंजन राय स्मारक पुरस्कार	–	श्री अनामित्रा राय चौधरी, एम.ए. अर्थशास्त्र, 2003
अवानी भट्ट स्मारक पुरस्कार	–	श्री अंकित सिंह, एम.ए. अर्थशास्त्र, श्री सुभ्राकान्ती भट्टाचार्य, एम.ए. अर्थशास्त्र, 2003
प्रो. एम.के. थावराज छात्रवृत्ति	–	सुश्री अरूणिमा बसु, एम.ए/सी.ई.एस.पी., श्री सत्यव्रत सामंता, एम.ए. सी.ई.एस.पी.

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

1. श्री विक्रमादित्य चौधरी को जापान की निप्पन फाउंडेशन फेलोशिप प्राप्त हुई।
2. सुश्री लोपामुद्रा पाल को जनसंख्या अध्ययन में सतपाल मित्तल अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

केंद्र के छात्रों ने देश के सामाजिक और राजनीतिक जीवन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। केंद्र के कई छात्र गैर–सरकारी संगठनों में कार्य कर रहे हैं और इनमें से कई शीर्षस्थ पदों पर कार्य कर रहे हैं। कुछ छात्र सिविल सेवाओं, विधि, जनसम्पर्क तथा शोध संस्थानों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। शांता सिन्हा को वर्ष 2003 के लिए मैगसेसे पुरस्कार प्रदान किया गया। इस वर्ष अनामिका सिंह ने आई.ए.एस./आई.एफ.एस. परीक्षाओं में पांचवा स्थान तथा महिलाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

श्री ध्रुव कुमार सिंह को रोयची ससकावा यंग लीडर्स फेलोशिप फंड, निप्पन फाउंडेशन और टोक्यो फाउंडेशन, जापान के अन्तर्गत 'जवाहरलाल नेहरू यंग लीडर्स फेलोशिप' प्रदान की गई (14 नवम्बर 2003 से 14 नवम्बर 2006)

श्री अनीस विनायक को उच्चतम सी.जी.पी.ए. के आधार पर 'जय सुरेन्द्र छात्रवृत्ति' प्रदान की गई (जुलाई 2002 से जून 2003)

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्रों की भावी योजनाएं निम्न प्रकार से है :

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

केंद्र की भविष्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम चलाने की योजना है :

- ज्ञान के तात्विक सिद्धान्त
- बहु सांस्कृतिक समाजों में समानता, विभिन्नता तथा शिक्षा
- उच्च शिक्षा की नीति, नियोजन एवं प्रबन्धन
- निजीकरण, भूमंडलीकरण और अन्तर्राष्ट्रीय देशान्तरण

केंद्र उपरोक्त थ्रस्ट एरियाओं के संदर्भ में निर्धारित किए गए अनेक क्षेत्रों में शोध कार्यक्रम चलाना चाहता है और केंद्र का कई नए कोर्स भी शुरू करने का प्रस्ताव करता है।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

केंद्र भविष्य में अपने शिक्षण और शोध कार्यों को और अधिक विकसित करने की आशा रखता है। विशेषकर, एक्जिम बैंक पुस्तकालय, जो कि छात्रों के लिए महत्वपूर्ण स्रोत का साधन बन गया है, में उपलब्ध पुस्तकों और पत्रिकाओं की संख्या में वृद्धि करने की आवश्यकता है। केंद्र के शिक्षकों ने स्वास्थ्य का अर्थशास्त्र, नवोत्पाद का अर्थशास्त्र, अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र और डाटाबेस विश्लेषण जैसे अन्य कई नए क्षेत्रों को अपने शिक्षण कार्यक्रम में शामिल करने की योजना तैयार की है।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

केंद्र ने संरचनागत सुविधाओं में वृद्धि करने, नए कोर्स शुरू करने तथा आधुनिक रिमोट सेंसिंग एवं जी.आइ.एस. प्रयोगशाला स्थापित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

पूरे भारत में व्यावसायिक समाजशास्त्र के अध्ययन केंद्र के रूप में प्रसिद्ध इस केंद्र के पास भविष्य के लिए कई योजनाएं हैं। केंद्र व्यवसाय सम्बन्धी पूर्व–उपनिवेशी, गैर–यूरोपीय और गैर–पश्चिमी समीक्षा के अध्ययन एवं संस्थायन में संलग्न है ताकि 21वीं शती में नये विश्व–समाज के हित में उपयोगी सिद्धान्तों, पद्धतियों, तकनीकों और संकल्पनाओं पर विचार–विमर्श किया जा सके। इस प्रयास को सफल बनाने की दृष्टि से केंद्र समाजशास्त्रीय अध्ययन में संलग्न अन्य उच्च अध्ययन संस्थानों से सहयोग प्राप्त करने हेतु सम्पर्क कर रहा है। केंद्र अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए दक्षिण–अफ्रीकी यूरोपीय संघ, जर्मनी, यू.के., नार्वे और दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के विश्वविद्यालयों से भी सम्पर्क कर रहा है। केंद्र का निम्नलिखित क्षेत्रों में अपनी शैक्षिक गतिविधियां शुरू करने के प्रस्ताव हैं –

(क) भूमंडीकरण, (ख) दक्षिण एशिया देश और (ग) उत्तर पूर्वी भारत। इसके अतिरिक्त, केंद्र अपने शैक्षिक संसाधनों में वृद्धि करने के लिए एक मल्टी–मीडिया स्रोत केंद्र तथा भूमण्डलीकरण, आधुनिक जनसम्पर्क साधन, नव आन्दोलनों, सिविल समाजों, सभ्यता अध्ययन, डायस्पोरा, सिनेमा, जेंडर, पारिस्थितिकी, स्वास्थ्य और रोग तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के अध्ययन हेतु विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित एक पुस्तकालय की स्थापना करना चाहता है। दूसरी ओर केंद्र डाटा एकत्र करने की नई पद्धतियों और तकनीकों को समन्वित करते हुए कुछ नए कोर्स भी शुरू करने की योजना बना रहा है ताकि क्षेत्रीय अध्ययन सुदृढ़ बन सकें।

कोई अन्य सूचना

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

केंद्र पिछले वर्ष से सेमिनार सूचना, केंद्राध्यक्ष की ओर से पत्र–व्यवहार और संकाय बैठकों के कार्यवृत्त आदि ई–मेल के जरिए भेज रहा है। इस प्रक्रिया से केंद्र के कार्यकलापों में अत्यधिक पारदर्शिता परिलक्षित होती है। इससे उन संकाय सदस्यों को भी केंद्र की गतिविधियों की जानकारी रहती है जो अवकास पर हैं या किसी वजह से बैठक में भाग नहीं ले सके।

- अंजन मुखर्जी इंस्टीट्यूट आफ सोशल ऐंड इकोनामिक रिसर्च, ओसाका विश्वविद्यालय में अध्येतावृत्ति पर हैं।
- उत्सा पटनायक ने 17 से 20 जनवरी 2004 तक 'आइडियास' द्वारा मुम्बई में आयोजित वर्ल्ड सोशल फोरम में भाग लिया और एक सत्र में व्याख्यान दिया।

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

केंद्र के संकाय सदस्य पिछले तीन वर्षों से 'मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सेक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया' विषयक संयुक्त परियोजना चला रहे हैं। इस परियोजना में सहयोग कर रही अन्य संस्थाएं हैं – श्रीलंका, बंगलादेश, नेपाल, पाकिस्तान, भारत में केरला और आंध्रप्रदेश, फिनलैण्ड और इंग्लैण्ड के स्वास्थ्य शोध संस्थान। इसका वित्तपोषण यूरोपीय आयोग कर रहा है। इस परियोजना के माध्यम से संरचनागत समायोजन के प्रभाव और स्वास्थ्य स्तर पर स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार, स्वास्थ्य सेवाएं और स्वास्थ्य नियोजन प्रक्रिया सम्बन्धी अध्ययन के लिए क्षेत्र के राष्ट्रीय आंकड़ों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है।

केंद्र दो विश्वविद्यालयों – यूनिवर्सिटी आफ शेफिल्ड ऐंड स्टेक्स, फिनलैण्ड और यूनिवर्सिटी आफ हीडलबर्ग, जर्मनी में चल रहे 'ग्लोबल सोशल पालिसी प्रोग्राम' में शिक्षकों के विनिमय, सूचना का आदान–प्रदान और संयुक्त शोध सम्बन्धी सहयोग कर रहा है। केंद्र अन्य संस्थानों के साथ–साथ भारत और अन्य देशों में स्थित गैर–सरकारी सिविल समाज संगठनों के साथ भी सहयोग कर रहा है ताकि वह अन्तर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य फोरम और वर्ल्ड सोशल फोरम में अपनी सक्रिय प्रतिभागिता कर सकें।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

क्षेत्रीय कार्य (मानसून सत्र – जून–जुलाई 2003) आर.डी. 415

एम.ए. तृतीय सत्र के कोर्स सं. आर.डी. 415 का प्रत्यक्ष क्षेत्रीय अध्ययन कार्य समुद्र स्तर से लगभग 4200 मीटर से 4800 मीटर तक ऊँचे बर्फिले पर्यावरण में डा. मिलाप चंद्र शर्मा और डा. एन.सी. जैना के पर्यवेक्षण में किया गया। 33 छात्रों ने ग्लेशियर फीचर और प्रक्रिया का अध्ययन करने के लिए चंद्रा घाटी में बाटल ग्लेशियर, चंद्रातल कुंजुन पास और बारालाचा पास का दौरा किया। उन्होंने मानव–प्रकृति के परस्पर प्रभावों का अध्ययन करने के लिए सिसु और शाशीन में स्थित उच्च स्थलीय गांवों का सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण किया।

सामाजिक–आर्थिक क्षेत्रीय अध्ययन (शीतकालीन सत्र दिसम्बर 2003) : आर.डी. 413

एम.ए. द्वितीय सत्र के कोर्स सं. आर.डी. 413 का सामाजिक–आर्थिक क्षेत्रीय अध्ययन, उत्तरांचल के देहरादून जिले में स्थित सहसपुर तहसील के छारबा गांव में प्रो. पी.एम. कुलकर्णी, डा. सुचरिता सेन और डा. एन.सी. जैना के पर्यवेक्षण में पूरा किया गया। इस क्षेत्रीय अध्ययन में शामिल 35 छात्रों ने गांव का गहन अध्ययन निम्न प्रकार से किया – (1) सर्वेक्षण उपकरण का डिजाइन; (2) गांव के नक्शे के अनुसार कुल घरों की सूची; (3) स्तरीकृत नमूनों की जांच के माध्यम से घरेलू वस्तुओं का चयन; (4) विस्तृत प्रश्नावली सर्वेक्षण; (5) ग्रुप चर्चा; (6) आंकड़ों का विश्लेषण तथा (7) रिपोर्ट तैयार करना।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

डा. एन.सी. जैना ने एन.आर.एस.ए., हैदराबाद में 1 से 26 सितम्बर 2003 तक आयोजित 'जी.आई.एस. ऐंड इट्स एप्लीकेशंस' विषयक चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया।

डा. सुचरिता सेन ने देहरादून में अक्टूबर 2002 से जून 2003 तक रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस. में 9 माह का स्नातकोत्तर डिप्लोमा (सेंटर फार स्पेस साइंस ऐंड टेक्नालाजी एज्यूकेशन फार एशिया ऐंड द पेसिफिक संयुक्त राष्ट्र से सम्बद्ध) पूरा किया।

वि.अ.आ. का विशेष सहायता अनुदान कार्यक्रम

(भूगोलशास्त्र में उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में विशेष सहायता अनुदान में विस्तार)

विशेष सहायता अनुदान की 31.3.2002 को अवधि समाप्त होने पर केंद्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को अंतिम रिपोर्ट जमा करा दी थी और इस कार्यक्रम को क्षेत्रीय विकास में उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित करने का अनुरोध किया। जिन थ्रस्ट एरिया की पहचान की गई वे हैं – (1) प्राकृतिक संसाधनों का सतत विकास और प्रबंधन; (2) शहरीकरण और क्षेत्रीय विकास प्रक्रिया; (3) 21वीं सदी के जनसंख्या संबंधी मुख्य मामले; (4) क्षेत्रीय विकास प्रक्रिया और सामाजिक/जैंडर विभेदन और (5) भूमंडलीकरण और इसके क्षेत्रीय सामाजिक–आर्थिक विकास पर इसके प्रभाव। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समीक्षा समिति ने 29–30 सितम्बर 2003 को केंद्र का दौरा किया और केंद्र के कार्यों की सराहना करते हुए अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं। अन्ततः फावरी 2004 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने केंद्र को

भूगोल में उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में मान्यता प्रदान की। भारत में यह पहला केंद्र है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस स्तर की मान्यता प्राप्त हुई।

प्रलेखन यूनिट

वर्ष 2003–2004 के दौरान क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र की प्रलेखन यूनिट में पुस्तकों की कुल संख्या 4500 थी। उपरोक्त अवधि के दौरान प्रलेखनों की कुल संख्या 2666 थीं। इसमें से 1833 पुस्तकें : 6 : विशेष सहायता अनुदान के अन्तर्गत; 60 – ई.पी.डब्ल्यू. की पत्रिकाएं; 63 : शिक्षकों द्वारा उपहारस्वरूप प्राप्त की गई; 10 अन्य पत्रिकाएं शामिल हैं। यूनिट ने 8 पी–एच.डी. शोध प्रबंध, 36 लघु शोध प्रबन्ध, 35 केंद्र द्वारा आयोजित (पुराने और नये) सम्मेलनों के आलेख/कार्यवाही, 150 – विभिन्न कोर्सों के लिए जिरोक्स सामग्री; 2310 – प्रलेखनों के परिचालन पत्र और 450 अन्य दस्तावेज भी एकत्रित किए।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

1. केंद्र ने समाजशास्त्र के क्षेत्र में उच्च अध्ययन में सलंग्न अन्य संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नेटवर्किंग सुविधाएं बढ़ायीं।
2. केंद्र ने दक्षिण अफ्रीका, यूरोपीय संघ, जर्मनी, यू.के., नार्वे और दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को उन्नत किया।
3. केंद्र ने छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए मल्टी–मीडिया रिर्सोस सेंटर तथा पुस्तकालय स्थापित करने के लिए अपने शैक्षिक संसाधनों में प्रसार किया।
4. केंद्र के शिक्षण एवं शोध में अपने महत्वपूर्ण योगदान सहित केंद्र की एक रूपरेखा तैयार करना तथा इसे प्रकाशित करना।

विशेष बातें	अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग
– विशेष अनुदान सहायता कार्यक्रम (वि.अ.आ.)	जी.एस.पी. (फ्रीबर्ग एवं नेटाल)
– डा. अम्बेडकर चेयर	यूनिवर्सिटी आफ बर्गेन, बर्गेन, नार्वे
– ए.एस.आई.एच.एस.एस. ग्रांट (वि.अ.आ.)	लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स

महिला अध्ययन कार्यक्रम

1. महिला अध्ययन कार्यक्रम की सलाहकार समिति की वार्षिक बैठक 9 मई 2003 को हुई।
2. 18 अगस्त 2003 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पुनरीक्षण समिति द्वारा महिला अध्ययन कार्यक्रम की समीक्षा की गई। इसके लिए पूर्व गतिविधियों और भावी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई। समीक्षा के दौरान समीक्षा समिति ने अन्य मामलों के साथ–साथ 10वीं योजना में महिला अध्ययन के लिए नए पदों की सम्भावनाओं का उल्लेख किया। अब तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। महिला अध्ययन कार्यक्रम 10वी योजना के मार्गदर्शन सिद्धांतों की भी प्रतीक्षा कर रहा है।

प्रकाशन

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- **बिनोद खादरिया**, पैराडाक्सिस ऐंड पिटफाल्स इन ग्लोबलाइजेशन आफ एज्यूकेशन अंडर द डब्ल्यू.टी.ओ. रिजीम आफ **ट्रेड इन एज्यूकेशनल सर्विसिस; जिनेवा, विशेष विषय : ए स्टेटस रिपोर्ट** आन न्यू थिंकिंग ऐंड रिथिंकिंग आन द डिफ्रेंट डायमेंशंस आफ एज्यूकेशन ऐंड ट्रेनिंग, नोराग न्यूज, 31, 2003
- **बिनोद खादरिया**, द स्टेट आफ एज्यूकेशन, आर एज्यूकेशन आफ द स्टेट ? आन रैशनलिटी आफ टार्गेटिंग इनपुट्स ओवर आउटकम्स इन इण्डिया, विशेष विषय : टार्गेट्स इन एज्यूकेशन, नोराग न्यूज, जिनेवा, 33, जनवरी 2004
- **दीपक कुमार**, डिवलपिंग ए हिस्ट्री आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन साउथ एशिया, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 2248–51; 7 जून 2003

- ए.के. मोहन्ती, वर्ल्ड आर्डर ऐंड नाउन एनिमेसी क्यूज इन प्रोसेसिंग उड़िया सेंटेंसिस, साइकोलाजिकल स्टडी, 48, 72–76, 2003
- गीता बी. नाम्बिसन, एज्यूकेशनल डेप्रिवेशन ऐंड प्राइमरी स्कूल प्रोविजन : ए स्टडी आफ प्रोवाइडर्स इन द सिटी आफ कलकता, इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज, ससेक्स, आईडीएस वर्किंग पेपर, 187, जून 2003
- ध्रुव रैना, कामन यूनिवर्सिस आफ डिस्कोर्स : ए डायलाग बिटवीन सारटन ऐंड कुमारस्वामी आन नालेज ऐंड डिसिप्लिन्स, पैडेयुसिस जर्नल फार इंटरडिसिपिलिनरी ऐंड क्रास कल्चरल स्टडीज, 3, 2003
- ध्रुव रैना, हाऊ टु गो टु हैवन आर हाऊ द हैवन्स गो : पार्ट–1, पार्ट–2, मेटानेकस, 02, 17, 2004
- ध्रुव रैना, बिटविक्स्ट जेस्यूट ऐंड एनलाइटनमेंट हिस्ट्रीओग्राफी : द कंटेक्स्ट आफ जीन–सीलवैन वैली'स हिस्ट्री आफ इण्डियन ऐस्ट्रोनोमी, Revcie d Histoire de Mathemathigues 9,101–153, 2003
- ध्रुव रैना, साइंटिस्ट्स इन सर्च आफ ए कांससनेस, द बुक रिव्यू, अगस्त 2003

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- वी.वी. कृष्णा, द स्टेटस आफ साइंस इन अफ्रीका, साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी (आर. वास्ट के साथ) पृ. 145–152, 2003
- वी.वी. कृष्णा, साइंस इन अफ्रीका : फ्राम इंस्टीट्यूशनलाइजेशन टु साइंटिफिक फ्री मार्किट – वाट आप्शंस फार डिवलपमेंट ?, साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी (आर. वास्त के साथ), पृ. 153–182, 2003
- ए. पार्थासारथी, चैम्पियन टेक्नोलाजीस फ्राम इण्डिया नेचर, (लन्दन), 6 अप्रैल 2003
- रोहन डिसूजा, नेचर, कंजरवेशन ऐंड एनवायरनमेंटल हिस्ट्री : ए रिव्यू आफ सम रिसेंट एनवायरनमेंटल राइटिंग्स आन साउथ एशिया, कंजरवेशन ऐंड सोसायटी, भाग–1, अंक–2, जुलाई–दिसम्बर 2003
- अमित एस. रे और एस. भादुरी, 'द पालिटिकल इकोनामी आफ ड्रग क्वालिटी चैंजिंग पर्सेप्शंस ऐंड इंप्लिकेशंस फार इण्डियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XXXVIII, अंक 23, 2303–2310, 7 जून 2003

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

- एस.वाई शाह, इम्पैक्ट आफ एडल्ट एज्यूकेशन आन डिवलपमेंट इन इण्डिया : ए मैक्रो पर्सपेक्टिव, साक्षरता, भाग–5, अंक–1, मार्च 2004
- एस.वाई शाह, पूर्व व दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम से सबक थाईलैण्ड की केस स्टडी, प्रौढ़ शिक्षा, भाग–47, अंक 7, अक्टूबर 2003

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- सी.पी. चन्द्रशेखर, द डिफ्यूजन आफ इनफार्मेशन टेक्नोलाजी : द इण्डियन इक्सपीरियन्स, सोशल साइंटिस्ट 362–363, जुलाई–अगस्त 2003
- सी.पी. चन्द्रशेखर, नियो–लिबरल रिफार्म ऐंड इंडस्ट्रियल ग्रोथ : टुवर्डस रिवाइवल आर रिसेशन, सोशल साइंटिस्ट, 366–367, नवम्बर–दिसम्बर 2003
- सी.पी. चन्द्रशेखर, आन द इकोनामिक्स आफ मीडिया डायवर्सिटी, कम्यूनिकेटर, भारतीय जन संचार संस्थान की पत्रिका, भाग XXXVIII, अंक–2, जुलाई–दिसम्बर 2003
- जी.डी. शमा और डी.एन. राव ट्रेड इन एज्यूकेशन सर्विसिस अंडर डब्ल्यू.टी.ओ. रिजीम : आलेख, राजस्थान इकोनामिक जर्नल, भाग–26, अंक–1, पृ. 19–31 (2003 में प्रकाशित) 2003
- एस. कुमार और डी.एन. राव, एस्टिमेटिंग मार्जिनल अबेटमेंट कास्ट्स आफ एस.पी.एम. : एन एप्लिकेशन टु द थर्मल पावर सैक्टर इन इण्डिया, एनर्जी स्टडीज रिव्यू, भाग–11 अंक–1, पृ. 76–92, 2003
- ए. चक्रवर्ती और डी.एन. राव, द इम्पैक्ट आफ पालिसी वैरिएबल्स आन द बर्डन आफ डिसीज : एन इम्पेरिकल एनालिसिस सोशल साइंस रिसर्च जर्नल, भाग–10, अंक–1, पृ. 32–51, (2003 में प्रकाशित) 2002

- सुरेन्द्र कुमार और डी.एन. राव, एनवायरनमेंटल रेग्यूलेशन ऐंड प्रोडक्शन इफिसिएन्सी : ए केस स्टडी आफ थर्मल पावर सैक्टर इन इण्डिया, ऊर्जा और विकास की पत्रिका, भाग–29, अंक–1, पृ. 81–94, 2003
- दस्तीदार के. घोष, आलिगोपाली ऐंड फाइनेंशल स्ट्रक्चर रिविजिटिड, इकोनामिक बुलेटिन, नवम्बर 2003
- प्रभात पटनायक, हिस्टोरिसिज्म ऐंड रिवोल्युशन, सोशल साइंटिस्ट, फरवरी–मार्च 2004
- प्रभात पटनायक, आन द नीड फार रेग्युलेटिंग टेक्नोलाजिकल चेंज, सोशल साइंटिस्ट, दिसम्बर–जनवरी 2003–04
- प्रवीण झा, वर्कर्स इन द टाइम आफ इकोनामिक रिफार्म्स : ए फील्ड रिपोर्ट, द इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, भाग–46, अंक–4, अक्टूबर–नवम्बर, 2003
- प्रवीण झा, इश्यूज रिलेटिंग टु इंप्लायमेंट इन इण्डिया इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन, सोशल साइंटिस्ट, भाग–31, अंक 11–12, नवम्बर–दिसम्बर 2003
- रामप्रसाद सेनगुप्ता, बायोडायवर्सिटी, इंस्टीट्यूशन ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, भाग–44, अंक–1, 2003
- उत्सा पटनायक, फूड स्टाक्स ऐंड हंगर – द काजिस आफ एग्रेरियन डिस्ट्रेस, सोशल साइंटिस्ट, भाग–31, अंक– 7–8, जुलाई–अगस्त 2003
- अरूण कुमार, ग्लोबलाइजेशन ऐंड इण्डिया'स फूड सिक्यूरिटी : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस, भारतीय सामाजिक चिन्तन, भाग–2, अंक–4, जनवरी 2004

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- इमराना कादिर, जेंडर ऐंड हैल्थ, बियान्ड नम्बर्स, पर्सपेक्टिव्स, पृ. 8–14, जून 2003
- के.आर. नायर और ओ. राजुम, हैल्थ कोआपरेटिव्स : रिव्यू आफ इंटरनेशलन एक्सपिरियन्सिस, क्रोएसियन मेडिकल जर्नल, भाग–44, अंक–5, पृ. 568–575, 2003
- के.आर. नायर और ओ. राजुम, कोआपरेटाइजिंग मेडिकल केयर : ए लीप इन द डार्क, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग– 38, अंक–22, पृ. 2121–22, 2003
- मोहन राव, देवकी जैन, स्कल्प्टिंग पाप्यूलेशन पालिसीज : सम इश्यूज, इण्डियन जर्नल आफ जेंडर स्टडीज, भाग–10, अंक–1, 2003
- मोहन राव, इमर्जेंसी विदाउट ऐन इमर्जेंसी ? टु चाइल्ड नार्म फार पंचायत मेम्बर्स, पाप्यूलेशन इश्यूज पर विशेष चर्चा।
- मोहन राव, टु चाइल्ड नार्म ऐंड पंचायत्स : मैनी स्टेप्स बैक, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–XXXVII, अंक–33, अगस्त 2003
- मोहन राव, वुमन्स हैल्थ ऐंड पाप्यूलेशन पालिसीज : वाट इज द कंटेक्स्ट ? पर्सपेक्टिव्स, विशेष अंक, जून 2003
- रितु प्रिया, हैल्थ सर्विसिस ऐंड एच.आई.वी. ट्रीटमेंट : कम्पलेक्स इश्यूज ऐंड आप्शंस, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, पृ. 5227–32, 13 दिसम्बर 2003
- रितु प्रिया, संवीक्षा आलेख, लर्निंग टु लाइव विद एड्स : न्यू अप्रोचिस मे बी नीडिड इफ एड्स इज टु बी कंट्रोल्ड, रिव्यू आफ कम्बेटिंग एड्स : कम्यूनिकेशन स्ट्रेटजीस इन एक्शन, अरबिन्द सिघल और इ.एफ रोजर्स, सेज 2002, ऐंड लिविंग विद द एड्स वायरस : द इपिडेमिक ऐंड द रिस्पांस इन इण्डिया (सं.) एस. पण्डा, ए. चटर्जी और अबु एस. अब्दुल – कादिर, नेचर सेज, 423, पृ. 685–686, 12 जून 2003
- एस. आचार्य, मार्बिडिटी इन मध्य प्रदेश – एन एक्सप्लोरेशन, पाप्यूलेशन रिसोर्स सेंटर, अकादमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन, भोपाल, इण्डिया की पत्रिका में प्रकाशन हेतु स्वीकृत
- अल्पना डी. सागर, हैल्थ इन अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे, रेनबो प्रकाशक, दिल्ली

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- ए. बनर्जी, एप्लिकेशन आफ जी.आईएस. इन कंटेम्पोररि, रिसर्च इन जिओग्राफी : द ह्यूमन डायमेंशन, सी.एस. आर.डी., यू.जी.सी., आई.सी.एस.एस.आर. में प्रस्तुत आलेख (नार्थ रीजनल सेंटर), इमर्जिंग रिसर्च थीम्स इन कंटेम्पोरेरि जिओग्राफी, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जेएनयू, 4–5 अप्रैल 2003

- बी.एस. बुटोला, रिसोर्स एन्जाइटी ऐंड डिवपलमेंट आर्बीट्रेरीज इन नार्थ–ईस्टर्न रीजन आफ इण्डिया (सं.) जे. थामस और जी.डी. दास, रिसोर्स इनडेंटी इंटरलिंकेज्स इन नार्थ–ईस्ट, एन.ई.आर.सी., आई.सी.एस.एस.आर. शिलांग
- बी.एस. बुटोला, ओंटोलाजी आफ लेबर पार्टिसिपेशन आफ यूथ इन लेबर फोर्स इन नार्थ ईस्ट इण्डिया आर हांटोलाजी आफ स्ट्रेटजिक एक्शन इन द पेरिफेरी (सं.) अनुप सैकिया, पाप्यूलेशन एनवायरनमेंट ऐंड द चैलेंज आफ डिवलपमेंट, आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, पृ. 327–344
- जी.के. चड्ढा, स्माल स्केल एग्रो इंडस्ट्री इन इण्डिया : लो प्रोडक्टिविटी इन इट्स अचिल्स, हील (पी.पी. साहु के साथ संयुक्त रूप से) इण्डियन जर्नल आफ एग्रीकल्चरल इकोनामिक्स, भाग–58, अंक–3, 2003
- एन.सी. जेना और मो. संजीर आलम, पर्यावरण अभियान : विकास से विनाश की ओर (एनवायरनमेंटल डिटिरिओरेशन : फ्राम डिवलपमेंट टु डिस्ट्रक्शन), भूगोल और आप, भाग–3, अंक–1, नई दिल्ली, 2004
- एन.सी. जेना और अनुराधा बनर्जी, ए व्यू फ्राम स्पेस, जिओग्राफी ऐंड यू., भाग–4, अंक–1, नई दिल्ली–2004
- एन.सी. जेना, चेंजिंग कंटूर्स आफ कल्चरल जिओग्राफी, इण्डियन जर्नल आफ लैण्डस्केप सिस्टम्स ऐंड इकोलाजिकल स्टडीज, कोलकाता, दिसम्बर 2003
- एन.सी. जेना और अनुराधा बनर्जी, बर्डस आई व्यू जिओग्राफी ऐंड यू भाग–3, अंक–12, नई दिल्ली, 2003
- एन.सी. जेना, एक्सपेंडिंग पासिबिल्टीज, जिओग्राफी ऐंड यू., भाग–3, अंक–10–11, नई दिल्ली, 2003
- एन.सी. जेना, सुपर साइक्लोन–1999, दुर्योगबारता, भूगोल और पर्यावरण विभाग, डी.आर.टी.एम.सी., ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश, 2003
- एन.सी. जेना, अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास : इक्कीसवीं शताब्दी की एक चुनौती (इंटरनेशनल माइग्रेशन : चैलेंज आफ द टवेन्टीफर्स्ट सेंचुरी) हिन्दी में आलेख, भूगोल और आप, भाग–2, अंक–5 (मो. संजीर आलम के साथ) 2003
- एन.सी. जेना, दैट मडी रैड लाइन, जिओग्राफी ऐंड यू, भाग–3, अंक–7और 8, नई दिल्ली
- एन.सी. जेना, ड्राट्स आफ डूम, जिओग्राफी ऐंड यू, भाग–3, अंक 5–6 (डा. बी.एस. बुटोला के साथ), अंक 5–6, नई दिल्ली, 2003
- पी.एम. कुलकर्णी, एम. सिवासामी, आर सोसिअली ऐंड इकोनामिकली वीकर सैक्शंस डिप्राइव्ड आफ मैटेरनल हैल्थ केयर इन तमिलनाडु, इण्डिया ?, जर्नल आफ हैल्थ ऐंड पाप्यूलेशन इन डिवलपिंग कंट्रीज, अगस्त 2003
- अमिताभ कुण्डु और टोनी स्मिथ, एन इम्पासिबिलिटी थिओरम आन पावर्टी इंडिक्स, (सं.) फ्रेंक ए. कावैल, द इकोनामिक्स आफ इनइक्वैलिटी ऐंड पावर्टी, द इंटरनेशनल लाइब्रेरी आफ क्रिटिकल राइटिंग्स इन इकोनामिक्स 158, ऐडवार्ड एल्गर पब्लिशिंग, मसाचुसेट्स
- अमिताभ कुण्डु, प्रोविजन आफ टेनेरूअल सिक्यूरिटी फार द अर्बन पुअर इन दिल्ली : रिसेंट ट्रेन्ड्स ऐंड फ्युचर पर्सपेक्टिव्स, हैबिटेट इंटरनेशनल
- अमिताभ कुण्डु, अर्बेनाइजेशन ऐंड अर्बन गवर्नेंस : सर्च फार ए पर्सपेक्टिव बियांड निओलिबरलिज्म, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 38, अंक–29
- अमिताभ कुण्डु, एन. सारंगी और बी.पी. दास, रूरल–नान फार्म इंप्लायमेंट : एन एनालिसिस आफ रूरल अर्बन इंटरडिपेंडेंसीज, वर्किंग पेपर 196, ओवसीज डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट, लंदन
- अमिताभ कुण्डु, टेन्यूर सिक्यूरिटी, हाउसिंग इनवेस्टमेंट ऐंड एनवायरनमेंटल इंप्रूवमेंट : द केस आफ दिल्ली ऐंड अहमदाबाद, इण्डिया (सं.) जी. पाइने, लैण्ड राइट्स ऐंड इनोवेशन, आई.टी.डी.जी. प्रकाशक, लंदन, 2002 (2003 में प्रकाशित)
- सुधेश नांगिया और ए. एन्थोनीरंजन, रीजन डिस्पैरिटीज इन हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर ऐंड डिवलपमेंट इन श्रीलंका, इण्डियन जिओग्राफिकल जर्नल, भूगोल विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चैन्नई में प्रकाशन हेतु स्वीकृत
- सुधेश नांगिया और दीपा आहलुवालिया, अर्बन सेटलमेंट्स इन नार्दन गंगा प्लैन, इण्डियन जर्नल आफ रीजनल साइंस में प्रकाशन हेतु स्वीकृत, रीजनल साइंस एसोसिएशन, इण्डिया, कोलकाता

- सरस्वती राजू और रिचा नागर, वुमन, एन.जी.ओ.'स ऐंड द कंट्राडिक्शंस आफ इंपावरमेंट ऐंड डिस्इम्पावरमेंट : ए कनवर्जन, एन्टिपोड 35(1), 1–12
- अतुल सूद, इंप्लायमेंट ऐंड इक्विटी इन द बजट अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे : 2002–03, रेनबो प्रकाशक, दिल्ली 2003
- एस.के. थोरट, चाइल्ड लेबर इन रूरल इण्डिया : मैग्निट्यूड ऐंड डिटर्मिनेंट्स (निधि सादना के साथ), स्माल हैण्ड्स–चाइल्ड लेबर इन साउथ एशिया (के. लिटन और रवि श्रीवास्तव के साथ), मनोहर, दिल्ली, 2003
- एस.के. थोरट, कास्ट ऐंड लेबर मार्किट डिस्क्रिमिनेशन – रिफ्लेक्शन आन थीअरि ऐंड इविडेंस, अर्थविज्ञान (अक्टूबर–2003)
- एस.के. थोरट, इकोनामिक स्टेटस आफ दलित ऐंड आदिवासी इन महाराष्ट्र इन मुंगेकर, इकोनामी आफ महाराष्ट्र, अम्बेडकर इंस्टीट्यूट आफ सोशल ऐंड इकोनामिक चेंज द्वारा प्रकाशित 2003

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- दीपांकर गुप्ता, मीटिंग फेल्ट एस्पिरेशंस : टुवर्डस ए न्यू पैराडिग्म आफ डिवलपमेंट, इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, भाग–46, अंक–3, 2003
- एस.एस. जोधका, मेजरिंग एग्रेरियन क्लासिस : ए नोट, आई.ए.एस.एस.आई. क्वार्टर्ली, भाग–21(2), पृ. 97–101, 2002 (दिसम्बर 2003 में प्रकाशित)
- एस.एस. जोधका और प्रकाश लुइस, कास्ट कंफ्लिक्ट ऐंड दलित आइडेंटिटी इन रूरल पंजाब सिग्निफिकेंस आफ तलहान, सोशल एक्शन, भाग–53, 335–59 (अक्टूबर–दिसम्बर 2003)
- एस.एस. जोधका और प्रकाश लुइस, कास्ट टैंशंस इन पंजाब : तलहान ऐंड बियांड, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XXXVIII, (28), पृ. 2923–6, 12 जुलाई 03
- अमित कुमार शर्मा, एलिमेंट्स आफ इण्डियन सिविलाइजेशन : ए सोसिओलाजिकल पर्सपेक्टिव, इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिस्ट, दिल्ली, भाग–33, अंक–1, जून 2003
- अमित कुमार शर्मा, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी साहित्य का समाजशास्त्र, नया मानदण्ड, वाराणसी, आगामी
- नीलिका मेहरोत्रा, अण्डरस्टेंडिग कल्चरल कंसेप्शंस आफ डिस्एबिलिटी इन रूरल इण्डिया : ए केस फ्राम रूरल हरियाणा, जर्नल आफ इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिकल सोसायटी, मार्च 2004
- नीलिका मेहरोत्रा, सिचुएटिंग ट्राइबल वुमन, द ईस्टर्न एन्थ्रोपोलाजिस्ट, भाग–57, अंक–1,61, मार्च 2004
- विवेक कुमार, फ्राम सोशल रिफार्म टु पालिटिकल मोबिलाइजेशन : चैंजिंग ट्रेजेक्ट्री आफ दलित असेर्शन इन यू.पी. सोशल एक्शन : ए क्वार्टर्ली रिव्यू आफ सोशल ट्रेन्डस, भाग–53, अंक–2, नई दिल्ली, अप्रैल–जून 2003
- विवेक कुमार, दलित मूवमें ऐंड दलित इंटरनेशनल कंफ्रेसिस, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XXXVIII, अंक–27, मुम्बई, 5–11 जुलाई 2003
- विवेक कुमार, उत्तर प्रदेश : पालिटिक्स आफ सोशल चेंज, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली भाग XXXVIII, अंक–37, मुम्बई, 13–19 सितम्बर 2003
- विवेक कुमार, दलित्स, अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे 2002–2003 : लिबरलाइजेशन सन्स सोशल जस्टिस, रेनबो प्रकाशक, नोयडा, उ.प्र. (भारत)
- विवेक कुमार, अंडरस्टेंडिंग दलित डाइसपोरा, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XXXIX, अंक–1, मुम्बई, 3–9 जनवरी, 2004

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- सुधा पई, दलित क्वेश्चन ऐंड पालिटिकल रिस्पांस : कम्पैरटिव स्टडी आफ उत्तर प्रदेश ऐंड मध्य प्रदेश, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 13 मार्च 2004

- सुधा पई, बी.एस.पी.'स प्रास्पेक्ट्स इन असेम्बली इलेक्शंस, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 26 जुलाई 2003
- सुधा पई, सोशल कैपिटल ऐंड क्लेक्टिव एक्शन डिवलपमेंट आउटकम्स इन फारेस्ट प्रोटेक्शन ऐंड वाटरशेड डिवलपमेंट, इकोनोमिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 5 अप्रैल 2003
- सुधा पई, च्वाइसिस बिफोर द बी.एस.पी. सेमिनार (राज्य विधान सभा चुनाव पर विशेषांक), अंक 534, फरवरी 2004
- प्रलय कानूनगो, हिन्दुत्व'स ऐन्ट्री इन टू ए हिन्दू प्राविन्स : अर्ली ईयर्स आफ आर.एस.एस. इन उड़ीसा, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XXXVIII, अंक–31, पृ. 3293–3303, 2 अगस्त 2003
- राहुल मुखर्जी, प्राइवेटाइजेशन, फेडरलिज्म ऐंड गवर्नेन्स, (ग्लोबलाइजेशन ऐंड इण्डिया विषयक विशेष अंक में विशेष लेख), इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–39, अंक–1, पृ. 109–113, 3 जनवरी 2004
- राहुल मुखर्जी, डिजीटाइज्ड ट्रेड रूल्स ऐंड इण्डिया, साउथ एशियन सर्वे, भाग–11, अंक–1, पृ. 21–33, 2004

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- रजत दत्ता, कामर्शिलाइजेशन, ट्रिब्यूट ऐंड द ट्रांजिशन फ्राम लेट मुगल टु अर्ली क्लोनियल इण्डिया', द मिडिवल हिस्ट्री जर्नल, भाग–6, अंक–2, ट्रिब्यूट्री एम्पायर्स इन हिस्ट्री : फ्राम एन्टिक्विटी टु द लेट मिडिवल विषयक विशेष अंक (सं.) सी.ए. बैली और पीटर बांग, जुलाई–दिसम्बर 2003
- विजय रामास्वामी, विश्वकर्मा इन अर्ली मिडिवल पेनिनसुलर इण्डिया, जर्नल आफ द इकोनामिक ऐंड सोशल हिस्ट्री आफ द ओरिएन्ट, 2004
- कुमकुम राय, वाट हैपन्ड टु कंप्युसिअनिज्म, 522 : 67–72, (सं.) राधिका सिंह, कलोनियल ला ऐंड इंफ्रास्ट्रक्चरल पावर : रिकंस्ट्रक्टिंग कम्यूनिटी, लोकेटिंग द फीमेल सब्जेक्ट, स्टडीज इन हिस्ट्री, भाग–19, अंक–1, पृ. 87–126, जनवरी–जून 2003

पुस्तकें

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

- एम.सी. पाल, एब्यूज आफ डिपेंडेंस प्रोड्यूसिंग सब्सटेन्सिस, एन इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज आन काजिस, कंसिक्वेंसिस ऐंड प्रिवेंशन स्ट्रेटजीस, मित्तल प्रकाशन (प्रकाशाधीन)

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- रामप्रसाद सेनगुप्ता और अनूप के. सिन्हा, चैलेंज आफ सस्टेनेबल डिवलपमेंट : इण्डियन डायनेमिक्स (सम्पा.) इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट कलकत्ता और मानक प्रकाशन, नई दिल्ली 2003)

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- मोहन राव, (सं.) इविन इफ वी शाउट देयर इज नो वन टु हियर ! रिप्रोडक्टिव हैल्थ ऐंड वुमन'स लाइव्स इन इण्डिया, काली फार वुमन / जुबान, 2004
- रितु प्रिया, बिटवीन एक्जेजरेशन ऐंड डिनायल : मिनिमाइजिंग सफ्रिंग फ्राम एच.आई.वी. ऐंड / एड्स इन इण्डिया द स्वास्थ्य पंचायत लोकायन, सेंटर फार सोशल मेडिसिन ऐंड कम्यूनिटी हैल्थ, जेएनयू, कोलिशन फार एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट – फिनलैण्ड और सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, जनवरी–2004
- एस. आचार्य, (सह–लेखक – मोनोग्राफ), स्पेशल डायमेंशन आफ पाप्यूलेशन ऐंड हैल्थ इंडिकेटर्स इन इण्डिया, इटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार पाप्यूलेशन साइंसिस, मुम्बई, 2003

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- जी.के. चड्ढा, रूरल इंडस्ट्री इन इण्डिया : पालिसी पर्सपेक्टिव्स, पास्ट परफार्मेन्स ऐंड फ्युचर आप्शंस, आई. एल.ओ. नई दिल्ली, 2003
- अमिताभ कुण्डु, पावर्टी ऐंड वल्नेरेबिलिटी इन ए ग्लोबलाइजिंग मेट्रोपालिस अहमदाबाद (सं.) डी. महादेविया के साथ, मानक प्रकाशक, नई दिल्ली
- एस.के. थोरट, जी.के. लिटन और रवि श्रीवास्तव, स्माल हैण्ड्स इन साउथ एशिया, आई.डी.पी.ए.डी., मनोहर प्रकाशन, 2003

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- एम. चौधरी (सं.) द प्रेक्टिस आफ सोसिओलाजी, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, जून 2003
- एम. चौधरी (सं.) फेमिनिज्म इन इण्डिया, काली/वुमन अनलिमिटेड, नई दिल्ली, जनवरी 2004
- रेणुका सिंह, द पाथ आफ द बुद्धा : राइटिंग्स आन कंटेम्पोरॅरि बुद्धिज्म, (सं.), पेंगुइन, दिल्ली, 2004
- रेणुका सिंह, द ट्रांस्फोर्म्ड माइन्ड (सं.), फ्रेंच, इंस्टी., बज्र योगिनि, फ्रांस, 2003
- रेणुका सिंह, द लिटिल बुक आफ बुद्धिज्म, (सं.) इटालियन लिब्री रिजोल, इटली, 3–22, 2004
- रेणुका सिंह, द पाथ टु ट्रांक्वेलिटी (सं.) इस्पेनी, 2004
- विवेक कुमार, बहुजन समाज पार्टी एवं संरचनात्मक परिवर्तन (हिन्दी) सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- गुरप्रीत महाजन, द पब्लिक ऐंड द प्राइवेट : डेमोक्रेटिक सिटिजनशिप इन ए कम्पैरटिव फ्रेमवर्क, सेज, नई दिल्ली, 2003
- राहुल मुखर्जी और विवेक देवराय, (सं.) द पालिटिकल इकोनामी आफ रिफार्म्स, बुकवैल ऐंड राजीव गाँधी फाउन्डेशन, नई दिल्ली, 2004
- जोया हसन, सह लेखक – रितु मेनन, अनइक्वल सिटिजन्स : ए स्टडी आफ मुस्लिम वुमन इन इण्डिया, ओ.यू.पी., नई दिल्ली, 2004

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- हीरामन तिवारी, द सिक्स सिस्टम्स आफ इण्डियन फिलास्फी, (सं.) मैक्समूलर, नया संक्षिप्त संपादन, क्रानिकल क्लासिक्स सीरीज, क्रानिकल बुक्स, डी.सी. प्रकाशक, दिल्ली, आई.एस.बी.एन. 81– 8028–010–1
- हीरामन तिवारी, लाजिकल ऐंड ऐथिकल इश्यूज : एन एसे आन इण्डियन फिलास्फी आफ रिलीजन, द्वितीय संशोधित भाग, क्रानिकल क्लासिक्स सीरीज, क्रानिकल बुक्स, डी.सी. पब्लिशर्स, दिल्ली, आई.एस.बी.एन. 81–8028–011–X, 2004
- एच.पी. रे, द आर्किओलाजी आफ सीफेरिंग इन ऐंसिएन्ट साउथ एशिया, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, केम्ब्रिज, आई.एस.बी.एन. 0521 80455 8 (हार्डबैक) 0 521 011094 (पेपरबैक) 2003
- एच.पी. रे और सिनोपोली कार्ला, सं., आर्किआलाजी ऐज हिस्ट्री इन अर्ली साउथ एशिया, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद और आर्यन बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली, आई.एस.बी.एन. 817305, 2700, 2004
- बी.डी. चट्टोपाध्याय, स्टडींग अर्ली इण्डिया : आर्किओलाजी टेक्स्ट्स ऐंड हिस्टोरिकल इश्यूज, परमानेन्ट ब्लैक, दिल्ली, 2003
- कुमकुम राय, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, भारत का इतिहास (कक्षा VI, VII और VIII के लिए 3 भाग) और सह लेखक कक्षा VII की पुस्तक, एस.सी.ई.आर.टी. दिल्ली, ब्यूरो आफ टेक्स्ट बुक्स, फरवरी 2004
- आदित्य मुखर्जी, भारतः स्वतंत्र्या संघर्ष, के सागर पब्लिकेशंस, पुणे 2003, भारत के स्वतंत्रता संग्राम का मराठी अनुवाद, वाइकिंग 1988, पेंगुइन 1989, (सह लेखक), 2003 में 35वां पुनःमुद्रण
- विजय रामास्वामी, रि–सर्चिंग इण्डियन वुमन, मनोहर प्रकाशक, 2003

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- बिनोद खादरिया, केस स्टडी आफ इण्डियन साइंटिफिक डाइसपोरा, (सं.) आर. बारे, वी. हरननडेज, जीन बैप्टिस्टे मेयर और डी. विंक, साइंटिफिक डाइसपोरा : हाउ कैन डिवलपिंग कंट्रीज बैनिफिट फ्राम देयर एक्सपेट्रेट साइंटिस्ट्स ऐंड इंजीनियर्स ? आई.आर.डी., पेरिस, 2003
- बिनोद खादरिया, ओवरव्यू आफ द करंटपालिसी रिजीम्स, रूल्स ऐंड लेजिस्लेशन – स्पेसिअली यूरोपीयन वन्स विद रिगार्ड टु हाइली स्किल्ड इमिग्रेशन, नेशनलिटी रिजीम्स, स्टे राइट्स, ऐटसेट्रा (सं.) आर. बारे, वी. हरननडेज, जीन बैप्टिस्टे मेयर और डी. विंक, साइंटिफिक डाइसपोरास : हाउ कैन डिवलपिंग कंट्रीज बैनिफिट फ्राम देयर एक्सपेट्रेट साइंटिस्ट्स ऐंड इंजीनियर्स ? आई.आर.डी., पेरिस, 2003

  बिनोद खादरिया, द सब्सिडीज क्वेश्चन इन हायर एज्यूकेशन, (सं.) जे.बी.जे. तिलक, एज्यूकेशन, सोसायटी ऐंड डिवलपमेंट : नेशनल ऐंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स, नीपा के 40वें वार्षिक प्रकाशन के स्मरणोत्सव पर, ए.पी.एच. पब्लिशिंग कार्पोरेशन, नई दिल्ली, 109–24, 2003
- बिनोद खादरिया, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इमर्जिंग ट्रेंड्स आफ इम्बाडीड ऐंड डिस्इम्बाडीड मोबिलिटी आफ नालेज फ्राम इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया, (सं.) एन.एन. वोहरा, इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया : हिस्ट्री, कल्चर ऐंड सोसायटी, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली, 101–6, 2004
- बिनोद खादरिया, स्किल्ड लेबर माइग्रेशन फ्राम इण्डिया, (सं.) हिसाया ओडा, इंटरनेशनल लेबर माइग्रेशन फ्राम साउथ एशिया, आई.डी.ई.–जे.ई.टी.आर.ओ., चिबा, 7–55, मार्च 2004
- दीपक कुमार, टेक्नो–साइंटिफिक नालेज इन इण्डिया, (सं.) पोर्टर राय, साइंस इन ऐट्टींथ सेंचुरी, सी.यू.पी., मास, केम्ब्रिज, 669–687, 2003
- ए.के. मोहन्ती, मल्टिलिंग्विलिज्म ऐंड मल्टिकल्चरलिज्म : द कंटेक्स्ट आफ साइकोलिंग्विस्टिक रिसर्च इन इण्डिया, (सं.) यू. विंध्या, साइकोलाजी इन इण्डिया : इंटरसैक्टिंग क्रासरोड्स , कंसेप्ट, नई दिल्ली, 2003

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- रोहन डिसूजा, एनवायरनमेंटल डिस्कोर्सिस ऐंड एनवायरनमेंटल पालिटिक्स, (सं.) स्मिथ कोठारी, द वैल्यू आफ नेचर : इकोलाजिकल पालिटिक्स इन इण्डिया, रेनबो प्रकाशक, नई दिल्ली, 2003
- एस. भादुरी, मैन्युफैक्चरिंग मार्केटिंग ऐंड टेक्नोलाजी डिफ्युजन इन द इण्डियन स्माल–स्केल फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री : चैलेंजिस ऐंड आप्शंस अंडर डब्ल्यू.टी.ओ., (सं.) दासगुप्ता, ब्यासदेब, डब्ल्यू.टी.ओ. ऐंड ट्रिप्स : इण्डियन पर्सपेक्टिव बिभाषा, कोलकाता, (आई.एस.बी.एन. 81–87337–16–8) 2003

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- रामप्रसाद सेनगुप्ता, डिवलपमेंटल सस्टेनेबिलिटी इंप्लिकेशंस आफ द इकोनामिक रिफार्म्स इन द एनर्जी सैक्टर आफ इण्डिया, क्लाइमेट चेंज इकोनामिक्स ऐंड पालिसी : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स, रिसोर्सिस फार द फ्युचर, वाशिंग्टन डी.सी., यू.एस.ए., 2003
- अरूण कुमार, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इण्डियन इकोनामी 1 : द न्यू इकोनामिक रिफार्म्स : कंट्रीब्यूशन टु द चैप्टर, (सं.) ए. बनैक, ग्लोबलाइजेशन ऐंड साउथ एशिया : मल्टिडाइमेंशनल पर्सपेक्टिव्स, मनोहर, नई दिल्ली, 2004

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- मोहन राव, ग्लोबलाइजेशन ऐंड हैल्थ, (सं.) अचिन विनायक, ग्लोबलाइजेशन ऐंड साउथ एशिया : मल्टिडाइमेंशनल पर्सपेक्टिव्स, मनोहर प्रकाशक, नई दिल्ली, 2004

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- अनुराधा बनर्जी, रीजनल डिस्पैरिटीज इन डेमोग्राफिक, सोशल ऐंड इकोनामिक इंडिकेटर्स : ए स्पैशो– टेम्पोरल स्टडी आफ सलेक्टिड इंडिकेटर्स, (सह लेखक दीपा आहलुवालिया) (सं.) ए.सी. महापात्रा और चितरंजन पाठक, इकोनामिक लिबरलाइजेशन ऐंड रीजनल डिस्पैरिटीज इन इण्डिया : स्पेशियल फोकस आन द नार्थ ईस्टर्न रीजन, स्टार पब्लिशिंग हाउस, शिलांग, 2003
- अनुराधा बनर्जी, इम्पावरमेंट आफ वुमन ऐंड मैटरनल ऐंड चाइल्ड हैल्थ इन नार्थ ईस्ट इण्डिया : ए स्टडी आफ सलेक्टिड इंडिकेटर्स (सह लेखक सुधेश नांगिया) (सं.) दिलीप सी. नाथ, डायनेमिक्स आफ पाप्यूलेशन ऐंड रिप्रोडिक्टिव हैल्थ : इमर्जिंग इश्यूज आफ नार्थ ईस्टर्न रीजन आफ इण्डिया, कैपिटल पब्लिशिंग कम्पनी, गुवाहाटी, 2003
- एन.सी. जेना, द लैण्ड : अल्टीमेट असेट फार सस्टेनेन्स, सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, (सं.) डा. के.वी. सुन्दरम, भूविज्ञान विकास फाउन्डेशन, नई दिल्ली
- एन.सी. जेना, एनवायरनमेंटल आस्पेक्ट्स आफ वाटर क्वालिटी इन इण्डिया : इश्यूज इन सस्टेनेबिलिटी, वाटर सिक्यूरिटी ऐंड मैनेजमेंट आफ वाटर रिसोर्सिस, नैटमो, कोलकाता, (डा. अनुराधा बनर्जी के साथ) 2004
- एन.सी. जेना, इज ग्लोबलाइजेशन ए थ्रेट टु इण्डियन कल्चर ? भारत विद्या, भाग–III, बर्दवान, (सुधेश नांगिया के साथ) 2004
- एन.सी. जेना, के.एस. सिवासामी, मेजर फ्लड्स आफ द वर्ल्ड इन 1990'स : लेशंस फार फ्लड मैनेजमेंट इन इण्डिया, रीवर फ्लड : ए सोसिओ टेक्निकल अप्रोच, नेचर डिजेस्टर मैनेजमेंट सैल, विश्व भारती शांतिनिकेतन, 2003
- एन.सी. जेना, रूरल डिपाप्यूलेशन : ए कंस्ट्रेन्ट टु सस्टेनेबल डिवलपमेंट, भारत विद्या, भाग–II, 2003
- अतिया किदवई, Contextualisation des identites territoriales et Sociales : deux regions historiques et une minorite en Inde du Nord" (सं.) पी. गरवैस लम्बोनी, एफ लैण्डी, एस. ओल्डफील्ड "Espaces are en ciel - Identites et territoires en Afrique du Sud et en Inde" कर्थला, पेरिस, पृ. 167–186, 2003
- असलम महमूद, पाप्यूलेशन, डिलपमेंट ऐंड फूड सिक्यूरिटी इन इण्डिया, (सं.) टी.पी. सिंह, रिसोर्स कंजर्वेशन ऐंड फूड सिक्युरिटी, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली
- सुधेश नांगिया, इंपावरमेंट आफ वुमन इन मैटेरनल ऐंड चाइल्ड हैल्थ इन नाथ–ईस्ट इण्डिया : ए स्टडी आफ सलेक्टिड इंडिकेटर्स (सह लेखक अनुराधा बनर्जी), डायनेमिक्स आफ पाप्यूलेशन ऐंड रिप्रोडक्टिव हैल्थ (सं.) दिलीप सी. नाथ, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, पृ. 180–185, 2003
- सुधेश नांगिया, रोड ट्रांस्पोर्ट नेटवर्क ऐंड सोशल इंटरफेस इन इण्डिया (सह लेखक एस.सी. महाजन), जिओग्राफी आफ ट्रांस्पोर्ट डिवलपमेंट इन इण्डिया में प्रकाशित, (सं.) बी.सी. वैद्य, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, पृ. 46–63
- एम.एच. कुरेशी, कंजर्वेशन आफ नेचुरल रिसोर्सिस इन एनवायरनमेंटल एज्यूकेशन, (सं.) जीनत किदवई, इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज इन एज्यूकेशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, पृ. 115–128, 2003
- एम.एच. कुरेशी, वाटर रिसोर्सिस ऐंड एग्रीकल्चर लैण्ड यूज इन इण्डिया : सम इंटर लिंक्ड आस्पेक्ट्स इन वाटर क्राइसिस ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट, (सं.) डी.एन. सिंह, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी, पृ. 140–152, 2003
- एम.एच. कुरेशी, कंजर्वेशन प्रक्टिसिस ऐंड रिलिजियस इडियम्स : ए केस स्टडी आफ बिश्नोइस आफ इण्डिया (सं.) नीलम ग्रोवर और काशीनाथ सिंह, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, पृ. 421–434, 2004
- सुचरिता सेन, आर. ऐंड.डी. परफामैंस ऐंड एफिसिऐन्सी इन द स्माल स्केल इंडस्ट्रीज, (सं.) आर. वेंकटेशन, आर. ऐंड डी. इनोवेशन इन माडर्न एस एस आई प्रोडक्ट क्लस्टर्स आफ इण्डिया : एन इम्पिरिकल ऐंड एनालिटिकल इन्क्वाइरी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- दीपांकर गुप्ता, द क्राई आफ द टेररिस्ट : द एब्सेंटी डिस्कोर्स आफ सोशल ह्युमिलिएशन, विल सेक्युलर इण्डिया सर्वाइव, (सं.) मुशिरूल हसन, गुड़गांव, 2004
- ऐहसानुल हक, एज्यूकेशन, रिलिजन ऐंड ग्लोबल आर्डर, माइनार्टी ऐंड ह्युमन राइट्स इन बंग्लादेश, (सं.) डी. सेनगुप्ता और एस.के. सिंह, नई दिल्ली, आथर्स प्रेस, 2003
- आनन्द कुमार, पालिटिकल सोसिओलाजी आफ पावर्टी इन इण्डिया : बिटवीन पालिटिक्स आफ पावर्टी ऐंड पावर्टी आफ पालिटिसिज्म क्रानिक पावर्टी इन इण्डिया (सं.) आशा कपूर मेहता, आई आई पी ए, नई दिल्ली, पृ. 144–196, 2003
- एम. चौधरी, कल्चर ऐंड ग्लोबलाइजेशन इन माई क्लासरूम ऐंड आउटसाइड, द पर्सपेक्टिव आफ सोसिओलाजी, (सं.) मैत्रेयी चौधरी, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, 2003
- एम. चौधरी, वुमन इन इण्डियन सोसायटी, (सं.) योगेन्द्र सिंह, ए बुक आफ रीडिंग्स इन सोसिओलाजी, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 2003
- एम. चौधरी, जेंडर इन द मेकिंग आफ द इण्डियन नेशन स्टेट (सं.) शर्मिला रेज, द सोसिओलाजी आफ जेंडर द चैलेंज आफ फेमिनिस्ट सोसिओलाजिकल थाट, सेज, 2003
- सुसान विश्वनाथन, आन राइटिंग फिक्शन (सं.) मीनाक्षी भारत, डेजर्ट इन ब्लूम कंटेम्पोरॅरी इण्डियन वुमन'स फिक्शन इन इंग्लिश, पेंक्राफ्ट, 2004
- सुसान विश्वनाथन, द पास्ट इन आलवेज अलाइव (सं.) प्रतिमा और एन.वी. शास्त्री, ऊषा प्रभा, जयश्री प्रकाशन, नागपुर, 2004
- अविजित पाठक, टीचिंग सोसिओलाजी : रिफ्लेक्शंस आन मेथड, ट्रूथ ऐंड नालेज, द प्रेक्टिस आफ सोसिओलाजी (सं.) मैत्रेयी चौधरी, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, 2003
- एस.एस. जोधका, एग्रेरियन स्ट्रक्चर्स ऐंड देयर ट्रांस्फार्मेशंस, (सं.) वीना दास, आक्सफोर्ड इण्डिया कम्पेनियन टु सोसिओलाजी ऐंड सोशल एन्थ्रोपालाजी (भाग–II), आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2003
- एस.एस. जोधका, कंटेम्पोरॅरि पंजाब : ए ब्रीफ इंट्रोडक्शन, (सं.) एम.एस. गिल, पंजाब सोसायटी : पर्सपेक्टिव्स ऐंड चैलेंजिस, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, 2003
- एस.एस. जोधका, द शैड्यूल्ड कास्ट्स इन कंटेम्पोरॅरि पंजाब (सं.) एम.एस. गिल, पंजाब सोसायटी : पर्सपेक्टिव्स ऐंड चैलेंजिस, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, 2003
- नीलिका मेहरोत्रा, पालिटिक्स आफ शैड्यूलिंग : रिजिड कंस्टीट्यूशनल कैटेगरीज ऐंड चेंजिंग आइडेंटिटीज अमंग द नोलिआ आफ कोस्टल उड़ीसा, अंडरस्टेंडिंग पीपल आफ इण्डिया : एन्थ्रोपोलाजिकल इनसाइट्स, (सं.) डी.के. भट्टाचार्य और ए.के. काला, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2003
- विवेक कुमार, रिफार्मिस्ट'स रोल, (सं.) रेणुका सिंह, द पाथ आफ द बुद्धा : राइटिंग्स आन कंटेम्पोरॅरि बुद्धिज्म, पेंगुइन बुक्स, नई दिल्ली, 2004

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- सुधा पई, पालिटिकल मोबिलाइजेशन : ए कम्पैरटिव स्टडी आफ उत्तर प्रदेश ऐंड मध्य प्रदेश, द दलित क्वेश्चन रिफार्म्स ऐंड सोशल जस्टिस, (सं.) विवेक देबराय और डी. श्याम बाबू, ग्लोबस पब्लिकेशंस विद राजीव गांधी इंस्टीट्यूट फार कंटेम्पोरॅरि अफेयर्स, नई दिल्ली, 2004
- गुरप्रीत महाजन, मल्टिकल्चरलिज्म, ब्लाक–6, यूनिट कोर्स, एम.ए. पाठ्यक्रम, पालिटिकल थीअरि, नई दिल्ली, इग्नू।
- गुरप्रीत महाजन, सेक्यूलरिज्म, (सं.) वीना दास, इनसाइक्लोपीडिया आफ सोसिओलाजी ऐंड एन्थ्रोपोलाजी, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2003
- वी. रोड्रिग्स, आइडिया आफ ड्यूटी, इग्नू, एम.ए. यूनिट आन पालिटिकल फिलास्फी

- वी. रोड्रिग्स,, पालिटिकल थाट, एम.ए. यूनिट इन इण्डियन पालिटिकल थाट आफ बी.आर. अम्बेडकर, इग्नू।
- वी. रोड्रिग्स,, पालिटिकल थाट, आफ एम.के. गांधी, इग्नू।
- विधु वर्मा, डेमोक्रेसी, क्लास ऐंड कंसेप्शंस आफ जस्टिस, (सं.) राजीव भार्गव, अशोक आचार्य और माइकल डुशे, सेज
- विधु वर्मा, रिलीजन ऐंड सिविल सोसायटी, (सं.) जकारिया हाजी अहमद, इनसाइक्लोपीडिया आफ मलेशिया, डिडियर मिलेट, आर्किपिलेगो प्रेस, यू.एस.ए.
- आशा सारंगी, लैंग्यूवेज ऐज ए मार्कर आफ रिलिजस डिफ्रेंस, (सं.) इम्तियाज अहमद और हेल्मट रिफ्लीड, लिव्ड इस्लाम : अडेप्टेशन, अकोमोडेशन ऐंड कंफ्लिक्ट, सोशल साइंसिस प्रेस, नई दिल्ली, 2004

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- मैरी ई. जान, ए क्युरियस कोइंसिडेंस ? पैरिटी इन फ्रांस ऐंड रिजर्वेशंस फार वुमन इन इण्डिया, ट्रेजेक्ट्री आफ फ्रेंच थाट, फ्रेंच इनफार्मेशन रिसोर्स सेंटर इन एसोसिएशन विद रूपा ऐंड कम्पनी, नई दिल्ली, 2004
- मैरी ई. जान, फेमिनिज्म इन इण्डिया ऐंड द वेस्ट : रिकास्टिंग ए रिलेशनशिप, फेमिनिज्म इन इण्डिया, (सं.) मैत्रेयी चौधरी, काली फार वुमन, नई दिल्ली, पृ. 52–68, 2004
- मैरी ई. जान, फेमिनिज्म, पावर्टी ऐंड द इमर्जेन्ट सोशल आर्डर, (सं.) मैरी कटजेनिस्टीन और राका रे, फ्राम स्टेट टु मार्किट : पावर्टी ऐंड सोशल मूवमेंट्स इन इण्डिया, रोमन ऐंड लिटिलफील्ड, प्रकाशनाधीन

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- रणबीर चक्रवती, ट्रेड ऐंसिएन्ट बंगाल इन बंग्लापीडिया (नेशनल इनसाइक्लोपीडिया आफ बंग्लादेश, प्रधान सम्पादक, सिरजुल इस्लाम), भाग–VIII, एशियाटिक सोसायटी आफ बंग्लादेश, ढाका, बंग्लादेश
- रणबीर चक्रवती, क्वाइन्स ऐंड करेन्सी सिस्टम इन ऐंसिएन्ट बंगाल, इन बंगलापीडिया (नेशनल इनसाइक्लोपीडिया आफ बंगलादेश, प्रधान सम्पादक, सिरजुल इस्लाम), भाग–III, एशियाटिक सोसायटी आफ बंग्लादेश, ढाका
- रणबीर चक्रवती, 2 बंगाली आर्टिकल्स आन द थीम्स आफ आइटम्स लिस्टिड अबू इन बंगला वर्जन आफ द बंगलापीडिया, (अनुवाद नहीं)
- रणबीर चक्रवती, द लेटर इण्डियन ट्रेडिंग ऐंड पावर सिस्टम्स इन द इण्डियन ओशन (4थ–12थ सेंचुरी ए.डी.), (सं.) ए. त्रिपाठी, मैरीन आर्किओलाजी, विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, नई दिल्ली 2004
- बी.डी. चट्टोपाध्याय, 'द स्टेट'स पर्सेप्शन आफ द फारेस्ट ऐंड द फारेस्ट ऐज स्टेट' (सं.) बी.बी. चौधरी और अरूण बंदोपाध्याय, ट्राइब्स, फारेस्ट ऐंड सोशल फार्मेशन इन इण्डियन हिस्ट्री, इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस और मनोहर प्रकाशक, दिल्ली, 2003
- कुमकुम राय, द मेकिंग आफ ए मण्डल : फ्युजी फ्रंटियर्स आफ कलहाना'स कश्मीर' निगोसिएटिंग इण्डिया'स पास्ट एसेज इन मेमोरी आफ पार्थासारथी गुप्ताती (सं.) बिश्वमोई पति, भैरबी प्रसाद साहू, टी.के. वेंकटसुब्रामणियन, तुलिका बुक्स, नई दिल्ली, 2003
- कुमकुम राय, आफ थेरास ऐंड थेरिस : विजन्स आफ लिब्रेशन इन द अर्ली बुद्धिस्ट ट्रेडिशन, रि–सर्चिंग इण्डियन वुमन (सं.) विजय रामास्वामी, मनोहर, नई दिल्ली, 2003

शोध परियोजनाएं

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- दीपक कुमार और वी.के. यादवेन्दु, बायोएथिक्स ऐंड सोसायटी : कंस्ट्रक्टिंग बायो–जुरिस्प्रुडेन्स इंटरप्राइज, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उत्कृष्टता कार्यक्रम के तहत, 2002–05
- ध्रुव रैना, यूनेस्को के हिस्ट्री आफ ह्युमैनिटी सीरीज, भाग 7 के अध्याय 37 का सह–सम्पादन

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

- एस.वाई शाह, ए कंट्री स्टडी आफ एडल्ट लर्निंग डाक्युमेंटेशन ऐंड इन्फार्मेशन नेटवर्क्स इन इण्डिया, यूनेस्को इंस्टीट्यूट फार एज्यूकेशन, हम्बर्ग द्वारा प्रायोजित (चल रही परियोजना)
- एस.वाई शाह, ए मेटा स्टडी आन इवैल्युएशन इन एडल्ट एज्यूकेशन, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ एडल्ट ऐंड लाइफलांग एज्यूकेशन, नई दिल्ली, (चल रही परियोजना)

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- प्रदीप्त चौधरी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित, 'कास्ट क्लास ऐंड कास्ट कंफ्लिक्ट्स इन इण्डिया, 1881–1931, विषयक वृहत परियोजना (तीन वर्षीय), अगस्त 2003

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- इमराना कादिर, मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया, यूरोपीय आयोग, 2001–04
- इमराना कादिर, थीअरि इन एपिडेमिओलाजी
- रागा बारु, कामर्सिलाइजेशन आफ मेडिकल सर्विसिस ऐंड डाक्टर्स इन द पब्लिक सैक्टर : इंप्लिकेशंस फार वैल्यूज ऐंड एस्पिरेशंस ऐज ए पार्ट आफ मल्टि–कन्ट्री स्टडी आन कामर्सिलाइजेशन आफ हैल्थ केयर : ग्लोबल लोकल डायनेमिक्स ऐंड पालिसिरिस्पांसिस, यूनाइटिड नेशंस रिसर्च इन सोशल डिवलपमेंट, जिनेवा द्वारा प्रायोजित, 2003–04
- रितु प्रिया, सदस्य, सेन्ट्रल कोर टीम आफ द स्टडी, 'असेसमेंट आफ इंजेक्शन प्रेक्टसीज इन इण्डिया' आफ द आल इण्डिया क्लिनिकल एपिडेमिओलाजी नेटवर्क, क्लिनिकल एपिडेमिओलाजी यूनिट, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 2003–04
- रितु प्रिया, 'डायलॉग्स आन स्ट्रेटजीस आफ एड्स कंट्रोल इन इण्डिया (साउथ एशिया)' विषयक सहयोगात्मक परियोजना की सह–निदेशक, सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज और सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जेएनयू, सेंटर फार एनवायरमेंट ऐंड डिवलपमेंट, फिनलैण्ड द्वारा वित्त पोषित, 2001–04
- रितु प्रिया, 'मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया' विषयक तीन वर्किंग–ग्रुप्स में से एक ग्रुप की समन्वयक, यूरोपीय आयोग द्वारा वित्त पोषित, 2000–04
- रितु प्रिया, 'मेथडोलाजिकल इश्यूज इन हैल्थ सिस्टम्स पालिसी एनालिसिस' विषयक भाग के सम्पादन में डॉ. जाक लेराय के साथ सहयोग। यह भाग यूरोपीय आयोग द्वारा वित्त पोषित परियोजना का निष्कर्ष है, 2002–05
- रितु प्रिया, रिविजिंग द माइग्रेन्ट दलित्स आफ टोंक, राजस्थान, मानिटरिंग हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया, विषयक परियोजना का भाग, 2003–04
- रितु प्रिया, चेंजिंग प्रोफाइल आफ ए रिसेटलमेंट कालोनी ऐंड इट्स रेजिडेंट्स इन ईस्ट दिल्ली, मानिटरिंग हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया विषयक परियोजना का भाग, 2003–04
- रितु प्रिया, डिवलपिंग ए होलिस्टिक पर्सपेक्टिव इन ऐपिडेमिआलोजी
- संघमित्रा आचार्य, यूटिलाइजेशन आफ हैल्थ केयर सर्विसिस इन ए रूरल सेटिंग – ए केस आफ निरपुरा विलेज डिस्ट्रिक्ट बागपत, यूरोपीय आयोग के लिए सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा शुरू की गई, मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर पालिसी, विषयक परियोजना का भाग।
- संघमित्रा आचार्य, एनालिसिस एन.एफ.एच.एस. डाटा फार मार्बिडिटी, हैल्थ सर्विसिस यूटिलाइजेशन ऐंड एड्स अवेयरनेस, यूरोपीय आयोग के लिए सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा शुरू की गई, मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर पालिसी, विषयक परियोजना का यह भाग पूरा हो चुका।
- संघमित्रा आचार्य, वुमन'स कैपिबिलिटी ऐंड मार्बिडिटी मार्टेलिटी अमंग चिल्ड्रन इलस्ट्रेशंस फ्राम एन.एफ.एच.एस.
- संघमित्रा आचार्य, डिस्पैरिटी इन मार्बिडिटी अमंग एडल्ट ऐन एनालिसिस आफ एन.एफ.एच.एस. डाटा

- संघमित्रा आचार्य, सोसिओ–इकोनामिक डिटर्मिनेंट्स आफ इनफेन्ट ऐंड चाइल्ड मार्टेलिटी इन इण्डिया
- संघमित्रा आचार्य, चाइल्ड मार्बिडिटी ऐंड ट्रीटमेंट पैटर्न एन एनालिसिस आफ शिफ्ट्स ड्यूरिंग 1990'स
- संघमित्रा आचार्य, डिफ्रेंसिएल्स इन हैल्थ केयर सर्विसिस यूटिलाइजेशन – एन एनालिसिस आफ फोर स्टेट्स : आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश ऐंड हरियाणा
- संघमित्रा आचार्य, नालेज ऐंड अवेयरनेस आफ एड्स इन सलेक्टिड इण्डियन स्टेट्स – रोल आफ मीडिया
- के.आर. नायर, शैक्षणिक समन्वयक, मानिटरिंग हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया : यूरोपीय आयोग, ब्रूसेल्स द्वारा वित्तपोषित, 2001–2004
- के.आर. नायर, द प्रोसिस आफ डिसेंट्रलाइजेशन इन हैल्थ केयर इन सम सलेक्टिड स्टेट्स आफ इण्डिया, एम.एच.एस.पी. विषयक यूरोपीय आयोग की परियोजना
- के.आर. नायर, सेल्फ – हैल्प इन हैल्थ केयर : ए रिव्यू
- अल्पना डी. सागर, द कास्ट्स आफ रिसेटलमेंट – ए स्टडी आफ गौतमपुरी रिसेटलमेंट एरिया, मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर विषयक सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की परियोजना, यह परियोजना यूरोपीय आयोग द्वारा वित्तपोषित है, 2003–04
- अल्पना डी. सागर, सदस्य, परियोजना की रूपरेखा, प्रबंधन और निर्देशन हेतु गठित सलाहकार समिति, स्टडी आफ एडवर्स सैक्स रेशियो इन सलेक्ट इण्डियन स्टेट्स, एक्शन ऐड इण्डिया के सहयोग से, आई.डी.आर.सी. कनाडा द्वारा वित्तपोषित, 2004
- राजीब दासगुप्ता, शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया, यूरोपीय आयोग, 2003–04
- सुनीता रेड्डी, एक्सप्लोरेट्री स्टडी आन हैल्थ टूरिज्म इन सलेक्टिड सिटीज आफ इण्डिया, विषयक परियोजना, मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर विषयक परियोजना के एक भाग पर चल रही शोध परियोजना पर कार्य कर रही हैं।
- मोहन राव, सी.डब्ल्यू.डी.एस., वुमन इक्वैलिटी ऐंड गवर्नेंस : लैण्डमार्क्स इन द इण्डियन स्टोरी, भाग–V : फ्राम द राइट टु फैमिली प्लानिंग टु द डिस्एपियरिंग गर्ल चाइल्ड, सेज, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित होनी है।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- अनुराधा बनर्जी, पाप्यूलेशन ऐंड डिवलपमेंट एज्यूकेशन इन हायर एज्यूकेशन सिस्टम, विषयक यू.जी.सी. – यू.एन.एफ.पी.ए. की परियोजना पर डाक्यूमेंटेशन आफ एक्टिविटीज बाई पाप्यूलेशन एज्यूकेशन रिसर्च सेंटर्स ड्यूरिंग 1996–2001 विषयक शोध अध्ययन।
- अनुराधा बनर्जी, इंटरनेशनल करिकुलम डिवलपमेंट विषयक अन्तर जी.आई.एस. कार्यक्रम, भूगोल विभाग, सेल्जबर्ग विश्वविद्यालय, आस्ट्रिया के सहयोग से यूरोपीय आयोग द्वारा प्रायोजित (डा. एम.सी. शर्मा, प्रो. हरजीत सिंह के साथ)
- सरस्वती राजू, बाल श्रम के उन्मूलन (लड़कियां एवं लड़के) के लिए अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की कंट्री रिपोर्ट, (आई.एल.ओ. – आई.पी.ई.सी.), अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, जिनेवा
- सरस्वती राजू, स्वास्थ्य और समाज कल्याण मंत्रालय, विश्व बैंक और डी.एफ.आई.डी., नई दिल्ली द्वारा शुरू की गई, एक्सेस टु आर.सी.एच. सर्विसिस बाई वल्नरेबल ग्रुप्स इन हरियाणा, विषयक परियोजना 10वीं पंचवर्षीय योजना के तहत आर.सी.एच. फेज 2 के लिए, नई दिल्ली
- सरस्वती राजू, एडोलसेंट्स ड्यूरिंग यू.एन.एफ.पी.ए. फिफ्थ कंट्री प्रोग्राम (1997–2002) पर विशेष बल के साथ यू.एन.एफ.पी.ए. – प्रोसिस डाक्यूमेंटेशन आफ यू.एन.एफ.पी.ए. प्रायोजित परियोजना, यू.एन.एफ.पी.ए., नई दिल्ली
- सरस्वती राजू, डिवलपमेंट एन.जी.ओ.'स ऐंड द स्टेट अंडर 'गुड गवर्नेंस' : क्रिटिकल वाइसिस आर कलोबरेटर्स इन निओ–लिबरलिज्म ? (प्रो. फातिमा अली खान, जैनेट टाउनसेन्ड, एलिजाबेथ आर्डिफियो–स्कैंडोर्फ, डा. पीटर कयी, डा. एम्मा माडस्ले, डा. जिना पोर्टर के साथ संयुक्त रूप से), डी.आई.एफ.डी., यू.के.।

- सरस्वती राजू, इन्क्रीजिंग मैस्कुलिनिटी इन इण्डिया इन सलैक्ट स्टेट्स, महिला अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू और एन.जी.ओ., एक्शन ऐड इण्डिया के सहयोग से।
- सरस्वती राजू, ग्लोबलाइजेशन, वुमन'स वर्क ऐंड पावर्टी इंटरफेस इन स्पेसिओ–टेम्पोरल फ्रेमवर्क
- सुचरिता सेन, जी.के. चड्ढा और एच.आर. शर्मा, मिलेनियम स्टडी आन इण्डियन एग्रीकल्चर : लैण्ड रिसोर्सिस इन इण्डियन एग्रीकल्चर : पालिसी, यूज ऐंड फ्युचर स्ट्रेटजिक च्वाइसिस, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 2000–2003
- सुचरिता सेन, रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस. विषयक स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम के भाग के रूप में मानिटरिंग ऐंड इवैल्युएशन आफ इंटरग्रेडिड वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्राम : ए केस स्टडी आफ डांगरी वाटरशेड, हरियाणा विषयक परियोजना का एक भाग, संयुक्त राष्ट्र से सम्बद्ध, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, जून 2003
- सुचरिता सेन, (सरस्वती राजू के साथ) हाई वैल्यू डाइवर्सिफिकेशन ऐंड स्माल फार्मर्स : ए केस आफ फ्लोरिकल्चर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – विशेष सहायता विभाग द्वारा प्रायोजित, अगस्त 2003
- एस.के. थोरट, दलित्स ऐंड द राइट्स टु फूड : डिस्क्रिमिनेशन ऐंड एक्सक्लुजन इन फूड ऐंड पावर्टी रिलेटिड गवर्नमेंट प्रोग्राम्स, (आई.आई.डी.एस. द्वारा प्रायोजित अध्ययन), 2003
- एस.के. थोरट, कास्ट, एक्सक्लुजन/डिस्क्रिमिनेशन ऐंड पावर्टी इन इण्डिया – स्टडी आफ इंटरलिंकेज्स, डी.एफ.आई.डी. दिल्ली द्वारा प्रायोजित
- जी.के. चड्ढा, टेक्नोलाजिकल, इंस्टीट्यूशनल ऐंड मार्केटिंग कंस्ट्रेन्ट्स आफ एग्रो बेस्ड इंडस्ट्री इन इण्डिया, आई.एफ.पी.आर.आई., वाशिंगटन
- अमिताभ कुण्डु, न्यू फार्म्स आफ गवर्नेन्स इन इण्डियन मेगासिटीज, विषयक इण्डो–डच परियोजना, प्रो. इरा बौद, एम्सटर्डम विश्वविद्यालय के साथ सह–निदेशक
- मिलाप शर्मा, पैलिओएनवायरनमेंटल रिकंस्ट्रक्शन ऐंड ग्लेसियल क्रोनोलाजी इन द भागीरथी वैली, गढ़वाल, हिमालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2003–06
- मिलाप शर्मा, डेजर्टिफिकेशन स्टेट्स मैपिंग – कोल्ड – डेजर्ट, (प्रो. हरजीत सिंह के साथ) स्पेस एप्लिकेशंस सेंटर अंतरिक्ष विभाग, अहमदाबाद, 2002–04
- मिलाप शर्मा, जी.आई.एस. करिकुलम डिवलपमेंट सेल्जबर्ग विश्वविद्यालय, आस्ट्रिया के सहयोग से अन्तरा जी. आई.एस. परियोजना, यूरोपीय आयोग द्वारा वित्तपोषित, (प्रो. हरजीत सिंह और डा. अनुराधा बनर्जी के साथ), 2003–05
- आर.के. शर्मा, पाप्यूलेशन ग्रोथ ऐंड कामन प्रापर्टी रिसोर्सिस : इंप्लिकेशंस फार वुमन ऐंड पूअर (ए केस स्टडी आफ हिमाचल प्रदेश) विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की परियोजना
- हरजीत सिंह, डेजर्टिफिकेशन स्टेटस मैपिंग–कोल्ड डेजर्ट : यूजिंग रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस, (मिलाप सी. शर्मा के साथ संयुक्त रूप से) स्पेस एप्लिकेशन सेंटर, डिपार्टमेंट आफ स्पेस, अहमदाबाद, भारत सरकार
- अतुल सूद, इम्पैक्ट आफ लिबरलाइजेशन ऐंड इंटरनेशनल ट्रेड रिजीम्स आन एक्सस टु मैडिसन्स ऐंड हैल्थ सर्विसिस, शास्त्री एप्लाइड रिसर्च प्रोजेक्ट
- अतुल सूद, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द पूअर सस्टेनिंग रूरल लिबलिहुडस इन इण्डिया
- अतिया किदवई, सोशल सैग्रीगेशन/डिफ्रेंसिएशन इन कलोनियल सिटीज – ए स्टडी इन हिस्टोरिकल जिओग्राफी

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- ऐहसानुल हक, सोसिओलाजी आफ पाप्यूलेशन (चल रही परियोजना)
- आनन्द कुमार, पावर्टी ऐंड सोशल कंफ्लिक्ट – ए स्टडी आफ बिहार ऐंड मणिपुर, सी.पी.आर.सी., नई दिल्ली
- रेणुका सिंह, क्रास कल्चरल मैरिज (चल रही परियोजना)

- अमित कुमार शर्मा, सोसिओलाजी आफ लिट्रेचर, कल्चर ऐंड सोसायटी इन इण्डिया, सिटा, नई दिल्ली (चल रही परियोजना)
- नीलिका मेहरोत्रा, सह–सम्पादक, इण्डिया एन्थ्रोपालाजिस्ट, दिल्ली
- नीलिका मेहरोत्रा, निगोसिएटिंग डिस्एबिलिटी इन रूरल हरियाणा विषयक पाण्डुलिपि पर कार्य कर रही हैं।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- सुधा पई, न्यू इंस्टीट्यूशनलिज्म ऐंड लेजिस्लेटिव इंस्टीट्यूशंस इन द इण्डियन स्टेट्स : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ उत्तर प्रदेश ऐंड वेस्ट बंगाल, विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र, गवर्नेंस पर विस्तृत फोर्ड फाउंडेशन परियोजना के भाग के रूप में।
- राहुल मुखर्जी, सिक्यूरिटी ऐंड ट्रेड इन साउथ एशिया : लेसंस फ्राम थ्री साउथ एशियन डाइड्स इंस्टीट्यूट आफ पेंसिलवानिया, इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया, नई दिल्ली

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- मैरी इ. जान, जेंडर ऐंड लोकल अर्बन गवर्नेंस, यूनिफेम, नई दिल्ली से वित्तीय सहायता प्राप्त शोध परियोजना
- मैरी इ. जान, एडवर्स सैक्स रैसियो इन सलैक्ट नार्थ इण्डियन डिस्ट्रिक्टस वेयर द जुवेनाइल सैक्स रैसियो हैज ड्राप्ड शार्पली एज पर 2001 सैंसस फिगर' विषयक शोध परियोजना एक्शन एड इंडिया के सहयोग से चल रही है। इस परियोजना की सलाहकार टीम में शामिल शिक्षाविद – जान मैरी, महिला अध्ययन कार्यक्रम, प्रोफेसर सरस्वती राजू, क्षे.वि.अ.के., डा. अल्पना सागर, सा.चि.शा. और सा.स्वा.के., डा. रजनी पालरीवाला, दिल्ली विश्वविद्यालय और डा. रविन्द्र कौर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, अध्ययन में संलग्न हैं। इस परियोजना के लिए वित्तीय सहायता एक्शन एड इंडिया और इंटरनेशनल डिवलपमेंट और रिसर्च कांउसिल, कनाडा से प्राप्त हो रही है।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- रणबीर चक्रवर्ती, पोटर्स आफ द कोंकण कोस्ट (सी.ए.डी. 700–1500)। इसके लिए मुम्बई और पुणे में और इनके आस–पास फील्ड ट्रिप (22 मार्च से 31 मार्च 2004 तक) डी.एस.ए./सी.एच.एस. द्वारा वित्तपोषित
- इंदिवर कास्तेकर, द ऐंड आफ द कलोनियल स्टेट इन इण्डिया, 1942–47
- एच.पी. रे, डिफाइनिंग द आर्किओलाजिकल लैण्डस्केप इन इण्डिया (1861–1948) : द लिगेसी आफ सर मार्टिमर वीलर (1944–1948), भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद की शोध परियोजना, नई दिल्ली 2003–04
- तनिका सरकार, डायरेक्टर आफ वेस्ट बंगाल डाक्यूमेंटेशन आन वुमन'स आर्गेनाइजेशंस ऐंड मूवमेंट्स, सी.डब्ल्यू.डी.एस., दिल्ली द्वारा प्रायोजित
- राधिका सिन्हा, कलोनिअल रिजीम आफ मूवमेंट 1870–1925

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- बिनोद खादरिया ने 23 से 27 जून, 2003 तक नादी, फीजी में आयोजित 'माइग्रेशन आफ स्किल्ड हैल्थ पर्सनल इन द पैस्फिक रीजन' विषयक विश्व स्वास्थ्य संगठन के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 19 से 22 अगस्त 2003 तक सिंगापुर में आयोजित एशिया स्कालर्स (आई.सी.ए.एस–3) की तीसरी बैठक में, ब्रिजिंग एशिया थ्रू एज्यूकेशन, टेक्नोलोजिकल कोलेबोरेशंस, ऐंड ब्रेन ड्रेन, विषयक 4 सदस्यीय पैनल में सदस्य के रूप में भाग लिया तथा हायर एज्यूकेशन ऐंड नेशनल कैपेबिलिटी इन इण्डिया : मेकिंग ग्लोबलाइजेशन स्टेम द ब्रेन ड्रेन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बिनोद खादरिया ने 20 नवम्बर 2004 को रूइन विश्वविद्यालय, फ्रांस में आयोजित 'ट्रांसनेशनल बाउन्ड्रीज – मिथ आर रिएलिटी' विषयक सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 2 से 5 दिसम्बर, 2003 तक जिनेवा में आयोजित ग्लोबल फोरम 7 में आमंत्रित परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया तथा 'ह्यूमन रिसोर्सिस फार हैल्थ रिसर्च' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।

- बिनोद खादरिया ने 26 से 27 मार्च 2004 तक एन.यू.एस. सिंगापुर में साउथ एशियन स्टडीज प्रोग्राम, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर और जापान एक्सटर्नल ट्रेड आर्गेनाइजेशन – इंस्टीट्यूट आफ डिवलपिंग इकोनामीज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'इंटरनेशनल लेबर माइग्रेशन फ्राम साउथ एशियन कंट्रीज – न्यू ट्रेन्ड्स ऐंड इश्यूज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डिया स्किल्ड लेबर माइग्रेशन फ्राम इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बिनोद खादरिया ने 20 जून 2003 को वसेडा विश्वविद्यालय, टोकियो, जापान में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड हाई–स्किल माइग्रेशन फ्राम इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 2 अगस्त 2003 को इण्डियन एसोसिएशन आफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूशंस और इण्डियन सोसायटी फार ट्रेनिंग ऐंड डिवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 'सोशल साइंस इनपुट टू एज्यूकेशन ऐंड ट्रेनिंग आफ प्रोफेशनल्स' विषयक संगोष्ठी में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 30 से 31 जनवरी, 2004 तक समाजशास्त्र विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित 'चेलेंजिस इन हायर एज्यूकेशन टुडे : प्राब्लम्स ऐंड पर्सपेक्टिव्स इन इण्डिया ऐंड कनाडा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन आफ इम्बाडीड ऐंड डिस्इम्बाडीड एज्यूकेशन – इमर्जिंग चेंज्स ऐंड इंप्लिकेशंस फार हायर एज्यूकेशन पालिसी' शीर्षक आमंत्रित लेख प्रस्तुत किया।
- बिनोद खादरिया ने 11 से 13 मार्च, 2004 तक जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में प्रो. तापस मजूमदार के सम्मान में आयोजित 'एज्यूकेशन ऐंड द सोशल साइंस पैराडिग्म्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- दीपक कुमार ने 4 से 8 नवम्बर 2003 तक अकादमिक सिनिका, ताइपेई में आयोजित एशियन सोसायटी फार द हिस्ट्री आफ मेडिसिन के प्रथम सम्मेलन में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

  दीपक कुमार ने 20 से 23 नवम्बर 2003 तक एम.आई.टी., हारवर्ड में आयोजित 'स्टेटस आफ साइंस इन इण्डिया' विषयक एच.एस.एस., सम्मेलन और संगोष्ठी में भाग लिया।
- दीपक कुमार ने 15 से 16 अक्टूबर 2003 तक आई.डी.एस.के. और डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री, कलकत्ता यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'पब्लिक हैल्थ इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- दीपक कुमार ने 29 से 31 जनवरी, 2004 तक सम्बलपुर विश्वविद्यालय, सम्बलपुर द्वारा आयोजित इण्डियन एसोसिएशन फार एशियन ऐंड पेसिफिक स्टडीज के सम्मेलन में भाग लिया।
- दीपक कुमार ने 27 से 28 फरवरी, 2004 तक इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस द्वारा आयोजित 'हिस्ट्री ऐंड चेंजिंग पैराडिग्म' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 11 से 13 मार्च, 2004 तक जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा प्रो. तापस मजूमदार के सम्मान में आयोजित 'एज्यूकेशन ऐंड द सोशल साइंस पैराडिग्म्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- ध्रुव रैना ने 3 से 6 मार्च, 2004 तक अमेरिकन एसोसिएशन स्टडीज, सेनडिगो में आयोजित सम्मेलन में 'टेल्स आफ द एक्सपेंशन आफ मार्डन साइंस : ए स्टडी इन द कम्पैरेटिव हिस्ट्रीओग्राफी आफ साइंस इन इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 3 से 7 नवम्बर 2003 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग फार वुमन मैनेजर्स इन हायर एज्यूकेशन' विषयक एन.ए.ए.सी. नार्दन रीजनल ट्रेनिंग कार्यशाला में भाग लिया तथा 'चैलेंजिस फार द यूनिवर्सिटी : न्यू ऐंड ओल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

  ध्रुव रैना ने 2 से 6 जनवरी, 2004 तक महाबलेश्वर में आयोजित मार्डन साइंस, वैल्यूज ऐंड द क्वेस्ट फार यूनिटी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'हाऊ टु गो टु हैवन आर हाऊ द हैवन्स गो : कंटेम्पोरेरि पर्सपेक्टिव्स आन ए गैलिलियन डाइलेमा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजीत कुमार मोहन्ती ने 28 से 30 जुलाई 2003 तक भुवनेश्वर में आयोजित 'डिवलपमेंट आफ चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा टीचिंग लैंग्यूवेज ऐंड कम्यूनिकेशन स्किल्स टु स्पेशल चिल्ड्रन शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अजीत कुमार मोहन्ती ने 28 अक्टूबर 2003 को इलाहाबाद में आयोजित एनुअल लैक्चर सीरीज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'लैंग्यूवेज ऐंड ह्यूमन माइन्ड : द म्युचुअलिटी आफ इनपुट ऐंड प्रोसेसिंग पैरामीटर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजीत कुमार मोहन्ती ने 6 से 10 दिसम्बर 2003 तक विशाखापट्नम में आयोजित इण्डियन साइकोलाजी बुक प्रोजेक्ट विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी और सेल्फ इन योगा ऐंड इण्डियन साइकोलाजी विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'प्लानिंग आफ थिमेटिक वाल्यूम' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- अजीत कुमार मोहन्ती ने 22 से 24 दिसम्बर 2003 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में आयोजित साइकोलाजी इन द इण्डियन ट्रेडिशंस : कंसेप्चुअल ऐंड मेथडोलाजिकल इश्यूज फार इण्डियन स्कूल्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'साइकोलाजी इन द इण्डियन कल्चर ऐंड ट्रेडिशन : ए रोड मैप टु द पास्ट आर फ्युचर ? शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया और स्प्रिचुअलिटी ऐंड वेलबीइंग ऐथिकल इश्यूज इन पब्लिकेशन' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- अजीत कुमार मोहन्ती ने 24 से 25 फरवरी 2004 तक इलाहाबाद में आयोजित 'प्रोफेशनल्स इश्यूज इन साइकोलाजी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ऐथिकल इश्यूज इन पब्लिकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजीत कुमार मोहन्ती ने 26 से 28 फरवरी 2004 तक आई.आई.टी. खड़गपुर में आयोजित 'साइकोलाजी ऐंड डिवलपमेंट विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द वीनिंग सिन्ड्रोम : साइकोलाजिकल इंप्लिकेशंस फार पावर्टी वैलफेयर ऐंड पब्लिक एक्शन (आमंत्रित विशेष व्याख्यान) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजीत कुमार मोहन्ती ने 11 से 13 मार्च 2004 तक आयोजित एज्यूकेशन ऐंड द सोशल साइंस पैराडिग्म्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- अजीत कुमार मोहन्ती ने 20 से 21 मार्च 2004 तक गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित 'साइकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल चेंज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द वीनिंग सिन्ड्रोम अंडर एनवायरमेंटल स्ट्रेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 7 से 8 अक्टूबर 2003 तक इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज ऐंड सेंटर फार इंटरनेशनल एज्यूकेशन, यूनिवर्सिटी आफ ससेक्स द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'प्रमोटिंग एज्यूकेशनल इंक्लुजन पालिसी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'सोसिओ–इकोनामिक बेसिस आफ एज्यूकेशन एक्सक्लुजन' शीर्षक पैनल की अध्यक्षता की।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 12 मार्च 2004 को आयोजित 'एज्यूकेशन ऐंड द सोशल साइंस पैराडिग्म्स' (11–13 मार्च 2004) विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा एज्यूकेशन ऐंड द डायनेमिक्स आफ सोसायटी' शीर्षक सत्र में परिचर्चा की।
- मिनाती पण्डा ने 19 अक्टूबर 2003 को आयोजित 'रिव्यू आफ क्लास 3 टेक्स्टबुक्स आफ डी.पी.ई.पी. स्टेट्स, नई दिल्ली विषयक कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- मिनाती पण्डा ने 9 से 10 फरवरी 2003 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में आयोजित 'पैडागागी फार ट्राइबल एज्यूकेशन : पर्सपेक्टिव्स ऐंड इश्यूज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंट्रोगेटिंग मैथमेटिक्स पैडेगागी फ्राम ए कल्चरल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिनाती पण्डा ने 24 से 25 फरवरी 2004 तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में आयोजित 'प्रोफेशनलाइजेशन आफ साइकोलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ऐथिक्स इन साइकोलाजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिनाती पण्डा ने 26 से 28 फरवरी 2004 तक आई.आई.टी., खड़गपुर में आयोजित 'साइकोलाजी ऐंड डिवलपमेंट : इश्यूज ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' विषयक नेशनल अकादमी आफ साइकोलाजी के 14वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'पर्सेप्शंस आफ डिस्एडवांटेज आइडेंटिटी ऐंड रिसोर्स यूटिलाइजेशन बिहेवियर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिनाती पण्डा ने 19 से 20 मार्च 2004 तक नई दिल्ली में आयोजित 'जेंडर ऐंड करिकुलम डिवलपमेंट : क्रिटिकल पैडेगागी इन एज्यूकेशन' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- प्रणव देसाई ने 20 से 22 फरवरी 2004 तक काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड रूरल ट्रांस्फार्मेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'चैलेंजिस आफ एग्रो–बायोटेक्नोलाजीस, आई.पी.आर. ग्लोबलाइजेशन ऐंड रूरल ट्रांस्फार्मेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रणव देसाई ने 27 से 28 मार्च 2004 तक सेंटर फार सार्क स्टडीज, आन्ध्रा यूनिवर्सिटी, विशाखापट्नम द्वारा आयोजित 'इम्पैक्ट आफ डब्ल्यू.टी.ओ. आन साउथ एशिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंप्लिकेशंस आफ द एग्रीमेंट आन ट्रेड रिलेटिड आस्पेक्ट्स आफ इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रोहन डिसूजा ने 22 फरवरी 2004 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'प्रजेंटेशन फार फैस्टिबल आफ वाटर' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 25 मार्च 2004 को स्कूल आफ एनवायरनमेंटल स्टडी में, 'अर्थ डे सैलिब्रेशन डे' विषयक व्याख्यान दिया।
- रोहन डिसूजा ने अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित अपने हिस्ट्री कार्यक्रम में 2 व्याख्यान – पहला सितम्बर 2003 में और दूसरा फरवरी 2004 में व्याख्यान दिया।
- रोहन डिसूजा ने 6 नवम्बर 2003 को 'रिकंसिडरिंग डिवलपमेंट : रिथिंकिंग द आइडिया आफ फ्लड कंट्रोल इन इण्डिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- रोहन डिसूजा ने 11 मार्च 2004 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रोफेसर तापस मजूमदार के सम्मान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एस. भादुरी ने 13 जनवरी 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज में 'टूल्स आफ इवोल्युशनरी इकोनामिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

एम.सी. पाल ने 2 से 3 अप्रैल 2003 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'सोशल डायनेमिक्स इण्डियन सोसायटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- एम.सी. पाल ने 20 अप्रैल 2003 को आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली और सेंटर फार रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में आयोजित 'रिलिजियस डेमोग्राफी आफ इण्डिया शीर्षक पुस्तक के उप प्रधानमंत्री द्वारा किए गए विमोचन समारोह में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 24 से 26 अप्रैल 2003 तक सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित चैंजिंग सोशल फार्मेशंस इन कंटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 1 मई 2003 को इण्डियन अकादमी आफ सोशल साइंसिस द्वारा सामाजिक विज्ञान संस्थान में आयोजित 'पावर ऐंड वायलन्स इन द ग्लोबलाइजेशन वर्ल्ड' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 12 से 19 अगस्त 2003 तक विशेष संस्कृत अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यानों की श्रृंखला में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 8 सितम्बर 2003 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 29 सितम्बर 2003 को कला और सौन्दर्यशास्त्र अध्ययन संस्थान में आयोजित इरफान हबीब द्वारा 'सेक्युलर वैल्यूज इन हिस्ट्री' विषयक प्रथम मूनिस रजा स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।

  एम.सी. पाल ने 29 सितम्बर 2003 को इंटर–रिलिजियस ऐंड इंटरनेशनल फेडरेशन फार वर्ल्ड पीस द्वारा इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'प्रिंसिपल्स आफ पीस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 23 से 24 अक्टूबर 2003 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान (डा. अम्बेडकर चेयर) द्वारा आयोजित 'इक्वल अपरच्युनिटीज अफरमेटिव एक्शन ऐंड द शैड्यूल्ड कास्ट्स चैलेंजिस ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- एम.सी. पाल ने 14 नवम्बर 2003 को इण्डिया सोसिओलाजिकल सोसायटी ऐंड सोसिओलाजी डिपार्टमेंट (डी.यू.) द्वारा दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी में आयोजित 'बिटवीन विजन ऐंड रिएलिटी : रिफ्लेक्शंस आन हिन्दी रीजन' विषयक प्रो. एम.एन. श्रीनिवास स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 5 दिसम्बर 2003 को जी.एस. कैश और विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'ला ऐंड द क्वेश्चन आफ सेक्सचुअल हेरासमेंट एट द वर्क प्लेस' विषयक व्याख्यान में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 23 जनवरी, 2003 को जेएनयू और आई.ए.पी.पी.डी. नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वुमन ऐंड पाप्यूलेशन' विषयक प्रथम सतपाल मित्तल स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 3 फरवरी 2004 को क्षे.वि.अ.के. और जा.शै.अ.के., जेएनयू और सेंटर डे साइंसिस ह्युमन्स, फ्रांस द्वारा आयोजित 'इपिस्टेमोलाजी आफ अर्बन सिस्टम : ए क्रिटिकल अप्रोच टु स्टडींग द सिटी इन सोशल साइंसिस' विषयक 2 व्याख्यानों की श्रृंखला में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 3 मार्च 2004 को सेंटर फार स्पेशल नीड्स एज्यूकेशन आफ डीईजीएसएन द्वारा एन.सी.ई.आर.टी में आयोजित 'स्क्रीनिंग कमेटी' की बैठक में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 11 से 12 मार्च 2004 तक एन.सी.ई.आर.टी. में आयोजित 'एज्यूकेशन आफ माइनार्टीज' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- एम.सी. पाल ने 15 मार्च 2004 को केंद्रीय विद्यालय, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'स्क्रीनिंग कमेटी' की बैठक में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 25 मार्च 2004 को सामाजिक विज्ञान संस्थान, में आयोजित 'साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी स्टडीज' विषयक तीन–दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 26 मार्च 2004 को आई.ए.ई.ए. और आई.आई.ए. ऐंड एल.ई., नई दिल्ली द्वारा आई.आई.सी. में आयोजित 'एडल्ट एज्यूकेशन इज द आन्सर' विषयक जाकिर हुसैन स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 26 मार्च 2004 को यूसिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया क्वेश्चंस कोलिन पावेल' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 27 मार्च 2004 को आई.आई.सी. में आयोजित 'लिट्रेसी इन अर्बन स्लम सेटिंग : सम रिसर्च इश्यूज' विषयक एक दिवसीय परिचर्चा में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 5 जून 2004 को आई.आई.एफ.डब्ल्यू.पी., नई दिल्ली द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'माडल्स आफ लीडरशिप फार वर्ल्ड पीस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 19 अगस्त 2003 को इंटररिलिजियस ऐंड इंटरनेशनल फेडरेशन फार वर्ल्ड पीस, नई दिल्ली द्वारा होटल इंटरकंटिनेंटल द ग्रान्ड, नई दिल्ली में आयोजित 'द वर्ल्ड ऐट द टर्निंग पाइन्ट : कंसिडरिंग इनोवेटिव अप्रोचिस टु पीस थ्रू रिस्पांसिबल लीडरशिप ऐंड गुड गवर्नेन्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 15 जनवरी 2004 को (आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा सह प्रायोजित) जेएनयू और आस्ट्रेलियन हाई कमीशन द्वारा इण्डिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 'आइडेंटिटी, रिप्रजेंटेशन ऐंड बिलांगिंग' विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 22 से 24 जनवरी 2004 तक इंटरनेशनल डिवलपमेंट इकोनामिक्स एसोसिएट्स, दिल्ली द्वारा आयोजित 'द इकोनामिक्स आफ द न्यू इम्पेरिलिज्म' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 8 सितम्बर 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की पूर्व संध्या पर 'एडल्ट एज्यूकेशन ऐंड डिवलपमेंट' विषयक ई.टी.वी. पर आयोजित परिचर्चा में भाग लिया।
- एम.सी. पाल 22 फरवरी 2004 को स्काउट्स ऐंड गाइड्स, संस्थापक सर बदन पावेल के जन्म दिवस पर जेएनयू के.वी. में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए।
- एस.वाई. शाह 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2003 तक गुड़गांव में नेशनल लिट्रेसी मिशन द्वारा प्रायोजित 'इवेल्यूवेशन इन एडल्ट एज्यूकेशन' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किए गए।

- एस.वाई. शाह 6 से 11 सितम्बर 2003 तक यूनेस्को, बैंकाक द्वारा आयोजित 'एडल्ट एज्यूकेशन : मिड टर्म रिव्यू' विषयक विश्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किए गए।
- एस.वाई. शाह ने 4 से 9 जनवरी 2004 तक मुम्बई में आयोजित 'लाइफलांग एज्यूकेशन' विषयक 42वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'हायर एज्यूकेशन' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- एस.वाई. शाह ने 11 से 13 मार्च 2004 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित 'एज्यूकेशन ऐंड सोशल साइंस पैराडिग्म्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

  एस.वाई. शाह ने 14 अगस्त 2003 को प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय में आयोजित सत्यन मैत्रेय पुरस्कार समिति की बैठक की अध्यक्षता की।
- एस.वाई. शाह ने 9 से 10 जुलाई 2003 तक प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रायोजित (आन डिवलपिंग क्राइटेरिया फार असेसिंग एजेंसीज आफ एम.एल.एम.) विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- एस.वाई. शाह ने 6 से 14 दिसम्बर 2003 तक इण्डियन एडल्ट एज्यूकेशन एसोसिएशन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'एडल्ट एज्यूकेशन' में रिसर्च मेथडोलाजी पाठ्यक्रम को समन्वित किया।
- ओ.पी. स्वामी ने 26 मार्च 2004 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में योजना आयोग के सदस्य डा. के. सुब्रमणियन द्वारा दिए गए 'एडल्ट एज्यूकेशन इज द आन्सर' विषयक जाकिर हुसैन स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।
- ओ.पी. स्वामी ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में एडल्ट कंटिन्यूइंग एज्यूकेशन ऐंड एक्सटेंशन फ्रेटर्निटी कार्यक्रम में भाग लिया और 27 मार्च 2004 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'लिट्रेसी इन अर्बन स्लम सेटिंग्स सम रिसर्च' विषयक एक दिवसीय परामर्श कार्यक्रम में भाग लिया।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- अंजन मुखर्जी ने 17 जून 2003 को टोकियो यूनिवर्सिटी आफ साइंस, जापान द्वारा आयोजित 'मैनेजमेंट स्कूल विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ग्लोबल स्टेबिलिटी कंडीशंस आन द प्लान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अंजन मुखर्जी ने 1 जुलाई 2003 को अर्थशास्त्र विभाग, कागवा विश्वविद्यालय, ताकामास्तु, जापान द्वारा आयोजित 'इकोनामिक डायनेमिक्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अंजन मुखर्जी ने 8 जुलाई 2003 को कियो इकोनामिक सोसायटी, कियो यूनिवर्सिटी में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ग्लोबल स्टेबिलिटी ऐंड द स्कार्फ एक्जाम्पल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अंजन मुखर्जी ने 22 से 23 मार्च 2004 तक कियो विश्वविद्यालय और क्योटो विश्वविद्यालय, जापान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'इकोनामिक थीअरि' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ए ग्लोबल स्टेबिलिटी कंडीशन : जनरलाइज्ड ला आफ डिमांड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 27 से 28 नवम्बर 2003 तक मोनेश यूनिवर्सिटी, मेलबोर्न में एनुअल इण्डिया अपडेट में भाग लिया तथा 'द ब्लैक इकोनामी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 24 से 26 अप्रैल 2003 तक सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'चेंजिंग सोशल फार्मेशंस इन कंटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'चेंजिंग सोशल फार्मेशंस इन अर्बन एरियाज' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- अरूण कुमार ने 1 मई 2003 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान और रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'पावर ऐंड वायलन्स इन द ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड : इराक कंटेक्स्ट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मास डिस्ट्रक्शन वेपन्स टेक्नोलाजीस ऐंड शिफ्ट इन साइंस ऐंड टेक्नोलाजी' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- अरूण कुमार ने 16 अगस्त 2003 को फेयर ट्रेड–फोरम इण्डिया द्वारा कंवेंशन सेंटर हाल–2, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में आयोजित 'स्पीकिंग आउट फार फेयर ट्रेड' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ट्रेड ऐंड सोशल जस्टिस' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

- अरूण कुमार ने 12 से 13 सितम्बर 2003 तक अर्थशास्त्र विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित 'आन एक्सेस ऐंड इक्विटी इन हायर एज्यूकेशन : हाऊ टु रीच डबल डिजिट रेशियो' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।
- अरूण कुमार ने 13 से 14 नवम्बर 2003 तक विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'रेग्यूलेशन इंस्टीट्यूशनल ऐंड लीगल डायमेंशंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कंट्रोल्स रेग्यूलेशंस ऐंड द ब्लैक इकोनामी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 3 से 5 दिसम्बर 2003 तक आई.आई.टी., खड़गपुर में आई.एस.एस.ए. कांग्रेस में भाग लिया तथा 'इकोनामिक थ्रेट्स टु डेमोक्रेसी' शीर्षक आलेख पढ़ा।
- अरूण कुमार ने 3 से 5 दिसम्बर 2003 तक आई.आई.टी., खड़गपुर में आयोजित आई.एस.एस.ए. कांग्रेस में भाग लिया तथा क) पब्लिक व्याख्यान ख) हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी ग) इकोनामिक्स ऐंड कार्म्स रिसर्च कमेटी' विषयक की अध्यक्षता की।
- अरूण कुमार ने 19 दिसम्बर 2003 को नारेडको द्वारा स्कोप कंवेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'हाउसिंग फार आल' फाइनेंशनल ऐंड फिश्कल पालिसी' विषयक चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'हाउसिंग फार आल : द मैक्रो आस्पेक्ट्स' विषयक परिचर्चा की।
- अरूण कुमार ने 19 जनवरी 2004 को 'ग्लोबलाइजिंग डेमोक्रेसी' विषयक डब्ल्यू.एस.एफ. की बैठक में भाग लिया।
- अरूण कुमार ने 20 जनवरी 2004 को ए.टी.टी.ए.सी. जर्मनी और एफ.ई.एस. भारत द्वारा मुम्बई में आयोजित 'टैक्स इवेजन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मैक्रोइकोनामिक आस्पेक्ट्स आफ ब्लैक इकोनामी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार 20 जनवरी 2004 को 'अल्टरनेटिव्स टु ग्लोबलाइजेशन' विषयक डब्ल्यू.एस.एफ. पैनल के संयोजक थे।
- अरूण कुमार ने 30 से 31 जनवरी, 2004 तक डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, यूनिवर्सिटी आफ पुणे और कनेडियन स्टडीज प्रोग्राम, यूनिवर्सिटी आफ पुणे द्वारा आयोजित 'चैलेंजिस इन हायर एज्यूकेशन टुडे' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया : द कंटेम्पोरेरि चैलेंजिस फेसिंग इट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 15 से 16 मार्च 2004 तक बचपन बचाओ आन्दोलन : साउथ एशियन कोलिशन आन चाइल्ड सर्विट्युड द्वारा नेहरू युवा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड चाइल्ड लेबर' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन, इम्प्लायमेंट ऐंड चाइल्ड लेबर इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 22 मार्च 2004 को जेएनयू शिक्षक संघ, जेएनयू द्वारा आयोजित 'करंट इश्यूज फेसिंग जेएनयू' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'लांग टर्म इश्यूज फेसिंग जेएनयू' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने जुलाई 2003 में 'द इनिसिएटिव फार पालिसी डायलाग, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, ग्वाटेमाला द्वारा आयोजित 'डिवलपमेंट ऐंड चेंज' विषयक वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'न्यू टेक्नोलाजीस ऐंड इंडस्ट्रीयल पालिसी फार डिवलपमेंट : द केस आफ इनफार्मेशन टेक्नोलाजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

  सी.पी. चन्द्रशेखर ने सितम्बर 2003 में 'इकोनामिक रिसर्च सेंटर' मिडिल ईस्टर्न टेक्नीकल यूनियर्सिटी, अंकारा, टर्की के वार्षिक सम्मेलन में 'फाइनेंशियल लिबरलाइजेशन, फ्रेजिलिटी ऐंड द सोशलाइजेशन आफ रिस्क' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 22 से 24 जनवरी 2004 तक जेएनयू, नई दिल्ली में 'द इकोनामीज आफ द न्यू इम्पेरिलिज्म' विषयक आइ डी ई ए सम्मेलन में भाग लिया तथा 'होमोजिनस फाइनेन्शल स्ट्रक्चर्स : ए न्यू इंस्ट्रूमेंट आफ इम्पेरिलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी.एन. राव ने 26 से 29 अक्टूबर 2003 तक द कनेडियन सोसायटी फार इंटरनेशनल हैल्थ, ओटावा द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल हैल्थ – द राइट टु हैल्थ : इंफ्लऐंसिंग ग्लोबल एजेन्डा' विषयक 10वें कनेडियन सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इफेक्टिवनेस आफ पालिसीज फार इक्विटी इन हैल्थ लेसन्स फ्राम इण्डियन एक्सपिरिअन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- डी.एन. राव ने 30 जनवरी 2004 को एमिटि सेंटर, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'गैट्स ऐंड हायर एज्यूकेशन' विषयक पैनल परिचर्चा में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।

- डी.एन. राव ने 13 मार्च 2004 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित एज्यूकेशन ऐंड सोशल साइंस पैराडिग्म्स विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

  डी.एन. राव ने 24 मार्च 2004 को अर्थशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स आफ इम्पेरिकल रिसर्च इन इकोनामिक्स' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग तथा 24 मार्च को एक सत्र की अध्यक्षता की।

- के.जी. दस्तीदार ने 22 से 23 मार्च 2004 तक कियो विश्वविद्यालय और क्योटो विश्वविद्यालय द्वारा टोकियो, जापान में संयुक्त रूप से आयोजित 'इकोनामिक थीअरि' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- के.जी. दस्तीदार ने 22 से 24 दिसम्बर 2003 तक कलकत्ता में सेंटर फार स्टडीज इन सोशल साइंसिस कलकत्ता के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 9 जनवरी 2004 को यू.एन.ई.पी. सेंटर फार एनर्जी, एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, रोस्किल्ड, डेनमार्क में आयोजित 'हैल्थ डैमेज कास्ट आफ आटोमोटिव एयर पाल्यूशन इन अर्बन इण्डिया ऐंड बैनिफिट –कास्ट एनालिसिस आफ फ्युअल क्वालिटी अपग्रेडेशन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 9 फरवरी 2004 को इकोनामिक रिसर्च यूनिट, इण्डियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट कलकत्ता में आयोजित 'सोसिओ–इकोनामिक इम्पैक्ट आफ फोर लेनिंग आफ नेशनल हाइवे 2 आफ इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 16 अगस्त 2003 को एशिया इंस्टीट्यूट आफ ट्रांस्पोर्ट डिवलपमेंट द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'सोसिओ–इकोनामिक इम्पैक्ट आफ फार लेनिंग आफ नेशनल हाइवे 2 विद फोकस आन पावर्टी एलिविएशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- उत्सा पटनायक ने 12 से 14 मार्च 2004 तक न्यूयार्क, यू.एस.ए. में आयोजित रेसिस्टिंग इम्पेरिलिज्म आइडियाज' विषयक पैनल में भाग लिया तथा 'निओ–लिबरल इकोनामिक रिफार्म्स ऐंड मैक्रोइकोनामिक ट्रेन्ड्स इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- उत्सा पटनायक ने 29 से 30 दिसम्बर 2003 तक अलीगढ़ हिस्टोरियन्स ग्रुप द्वारा इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस, मैसूर में आयोजित 'रिलीजन ऐंड मैटेरियल लाइफ' विषयक पैनल में भाग लिया तथा 'स्टोरमी पैसेज : द इकोनामिक बेसिस फार द राइज आफ द कम्यूनल फासिस्ट फोर्सिस इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- उत्सा पटनायक ने 11 से 12 फरवरी 2004 तक सेंटर फार रिसर्च इन प्लानिंग ऐंड डिवलपमेंट, डिपार्टमेंट आफ इकोनामिक्स, एम.एस. यूनिवर्सिटी आफ बड़ौदा द्वारा आयोजित 'मार्किट्स ऐंड इंस्टीट्यूशंस – एन एक्सपियन्स इन द 1990'स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'अनलीजिंग द मार्किट : डिफ्लेशिनज्म, लिबरलाइजेशन ऐंड द इकोनामिक कंसिक्वेंसिस इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

- उत्सा पटनायक ने 22 से 24 जनवरी 2004 तक इंटरनेशनल डिवलपमेंट इकोनामिक एसोसिएट्स द्वारा आयोजित 'द इकोनामिक्स आफ द न्यू इम्पेरिलिज्म' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा पैनल परिचर्चा में भाग लिया।

- उत्सा पटनायक ने 17 से 20 दिसम्बर 2003 तक पश्चिम बंगाल सरकार, बर्धमान, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 'एग्रीकल्चर ऐंड रूरल सोसायटी इन कंटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द इम्पैक्ट आफ द वेस्ट : चेंजिंग कंट्राडिक्शंस इन इण्डिया'स एग्रेरियन इकोनामी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अरिजित सेन ने 25 जून 2003 को आई.आई.एम. कलकत्ता में आयोजित 'टैक्सेशन बाई आक्सन : फण्ड रेजिंग बाई 19टीथ सेंचुरी इण्डियन गिल्ड्स' विषयक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।

- अरिजित सेन ने 9 से 10 जुलाई 2003 तक सेंटर फार स्टडीज इन सोशल साइंसिस, कोलकाता में आयोजित 'इकोनामिक थीअरि' विषयक दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया।

- प्रदीप्त चौधरी ने 1 अप्रैल 2003 को विकल्प सांधनी मंच, भुवनेश्वर में आयोजित 'एज्यूकेशन इन उड़ीसा –एन ओवरव्यू' विषयक दसवें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

- प्रदीप्त चौधरी ने 4 से 5 मार्च 2004 तक लोयला कालेज, चैन्नई में आयोजित 'इण्डिया विजन 2020 : अपरच्यूनिटीज ऐंड चैलेंजिस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कास्ट ऐंड पब्लिक पालिसी इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 11 से 13 मार्च 2004 तक जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित प्रो. तापस मजूमदार के सम्मान में 'एज्यूकेशन ऐंड द सोशल साइंस पैराडिग्म्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कास्ट, डिप्राइवेशन ऐंड द पब्लिक पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रवीण झा ने 22 अप्रैल 2003 को सी.ई.एच.ए.टी., मुम्बई द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'बजटिंग फार द हैल्थ इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रवीण झा ने 28 अगस्त 2003 को आक्सफेम इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डब्ल्यू.टी.ओ. ऐंड द स्माल फार्मर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रवीण झा ने 23 सितम्बर 2003 को महिला अध्ययन संस्थान, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'जेंडर बजटिंग इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रवीण झा ने 9 अक्टूबर 2003 को एन एल आई, नोएडा में थीयरीज आफ लेबर मार्किट विषय परिचर्चा की।
- प्रवीण झा ने 21 अक्टूबर 2003 को बंगलौर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी आफ यूनिवर्सिटी आफ ब्रेमन, जर्मनी द्वारा बंगलौर में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा इकोनामिक डिवलपमेंट इकोलाजिकल रिसोर्सिज ऐंड द इश्यूज आफ सस्टेनेबिलिटी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रवीण झा ने 15 से 17 दिसम्बर 2003 तक जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'वर्कर्स इन द टाइम आफ इकोनामिक रिफार्म्स ए फील्ड रिपोर्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रवीण झा ने 17 से 20 दिसम्बर 2003 तक पश्चिम बंगाल सरकार, बर्धमान, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 'एग्रीकल्चर ऐंड रूरल सोसायटी इन कंटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक सम्मेलन में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 16 से 21 जनवरी 2004 तक इंटरनेशनल डिवलपमेंट एसोसिएट्स, मुम्बई द्वारा आयोजित कार्यशाला में वर्ल्ड सोशल फोरम के भाग के रूप में भाग लिया तथा 'द वीकनिंग लीगल प्रोविजन्स फार वर्कर्स इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रवीण झा ने 21 फरवरी 2004 को काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट द्वारा एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, भोपाल में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया तथा 'स्ट्रक्चरल एडजेस्टमेंट ऐंड वर्कर्स इन मध्य प्रदेश' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रवीण झा ने 27 मार्च 2004 को पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'अनइम्प्लामेंट इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- विकास रावल ने 17 से 20 दिसम्बर 2003 तक बर्धमान में आयोजित 'एग्रीकल्चर ऐंड रूरल सोसायटी इन कंटेम्पोरॅर इण्डिया' विषयक अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'लेबर प्रोसिस इन रूरल हरियाणा – ए फील्ड रिपोर्ट फ्राम टु विलेज्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विकास रावल ने 26 से 29 मार्च 2004 तक फाउन्डेशन फार एग्रेरियन स्टडीज, बंगलौर द्वारा आयोजित 'एग्रेरियन स्टडीज फार पी–एच.डी. स्कालर्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया और चन्दन मुखर्जी के साथ 'डाटा मैनेजमेंट' विषयक कार्यशाला आयोजित की।
- सतीश के. जैन ने 2 से 3 अगस्त 2003 तक विकास और मानवाधिकार केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित 'राइट टु डिवलपमेंट प्रोजेक्ट' विषयक तीसरी कार्यशाला में भाग लिया तथा 'राइट्स इन द सोशल च्वाइस थीअरेटिक फ्रेमवर्क : ऐन ओवरव्यू ऐंड क्रिटिकल अप्रेजल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सतीश के. जैन ने 8 से 9 सितम्बर 2003 तक नई दिल्ली में आयोजित 'पावर्टी ऐज ए वाइलेशन आफ ह्युमन राइट्स' विषयक यूनेस्को की संगोष्ठी में भाग लिया तथा (सह–लेखक अमिताभ कुण्डु के साथ) वीविंग पावर्टी एज ए वाइलेशन आफ ह्यूमन राइट्स : एन इकोनामिक पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सतीश के. जैन ने 16 से 17 दिसम्बर 2003 तक सामाजिक विकास परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'राइट टु फूड' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'राइट टु फूड : सम लीगल कंसीड्रेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सतीश के. जैन ने 15 से 16 दिसम्बर 2003 तक यूनिवर्सिटी आफ बर्धमान में आयोजित 'इश्यूज इन डिवलपमेंट इकोनामिक्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा (सह–लेखक राजेन्द्र पी. कुण्डु के साथ) 'करेक्ट्राइजेशन आफ इफिशन्ट सिम्पल लायबिलिटी रूल्स विद मल्टिपल टोरफीचर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा 15 से 17 जनवरी 2004 भारतीय सांख्यिकीय संस्थान कोलकाता में आयोजित 'माडल्स ऐंड मेथड्स इन इकोनामिक्स' विषयक तीसरे वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया (दोनों सम्मेलनों में राजेन्द्र पी. कुण्डु द्वारा आलेख प्रस्तुत किया गया था)

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- मोहन राव ने 11 से 13 दिसम्बर 2003 तक एस.डी.पी.आई. इस्लामाबाद में आयोजित 'सिक्स्थ सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- मोहन राव ने 18 दिसम्बर 2003 को एन.एफ.आई.डब्ल्यू. में 'नेशनल हियरिंग आन वाटर हैल्थ फैसिलिटीज' विषयक सम्मेलन में पैनल विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- मोहन राव ने 14 से 15 जनवरी 2004 तक मुम्बई में आयोजित 'पीपल'स हैल्थ मूवमेंट की अन्तर्राष्ट्रीय हैल्थ फोरम में भाग लिया।
- रामा बारू ने 15 से 17 मार्च 2004 तक अनरिस्ड, हेलसिंकी द्वारा आयोजित 'कामर्शिलाइजेशन आफ हैल्थ केयर : ग्लोबल ऐंड लोकल डायनेमिक्स ऐंड पालिसी रिस्पांसिस', विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कामर्शिलाइजेशन आफ मेडिकल सर्विसिस ऐंड डाक्टर्स इन द पब्लिक सैक्टर : इंप्लिकेशंस फार वैल्यूज, नार्म्स ऐंड एस्पिरेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रामा बारू ने 3 से 6 फरवरी 2004 तक डब्ल्यू.एच.ओ. जिनेवा द्वारा आयोजित 'द ग्लोबल एलिमिनेशन आफ लिम्फेटिक फिलैरिआसिस' विषयक तकनीकी सलाहकार ग्रुप की 5वीं बैठक में भाग लिया।
- रामा बारू ने 16 से 18 अक्टूबर 2003 तक नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली में आयोजित 'जेंडर, सोसायटी ऐंड डिवलपमेंट इन इण्डिया 1860–2000' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'जेंडर ऐंड लेबर फोर्स इन द हैल्थ सर्विस सैक्टर', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रामा बारू ने 28 जनवरी 2004 को एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कालेज आफ इण्डिया में आयोजित 'हैल्थ केयर फाइनेंसिंग' विषयक मंत्रालय के कार्यक्रम में भाग लिया तथा 'प्राइवेटाइजेशन आफ हैल्थ सर्विसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- रामा बारू ने 20 मार्च 2004 को इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज, दिल्ली द्वारा आयोजित 'ए हिस्टोरिकल ओवरव्यू आफ पब्लिक हैल्थ इन चाइना' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रामा बारू ने 4 से 5 सितम्बर 2003 तक योजना ब्यूरो, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवायें, परिवार और कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया'स हैल्थ सिस्टम : रोल आफ हैल्थ सैक्टर रिफार्म्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ऐन ओवरव्यू आफ हैल्थ सैक्टर रिफार्म्स : नेशनल ऐंड इंटरनेशनल एक्सपिरियंसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु प्रिया ने 13 से 15 अक्टूबर 2003 तक इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ फिजिसियन्स इन एड्स केयर लन्दन स्कूल आफ हाइजीन ऐंड ट्रापिकल मेडिसिन मैकगिल यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी आफ नेटाल द्वारा वाशिंग्टन डी.सी. में आयोजित 'हैल्थ केयर रिसोर्स एलोकेशन फार एच.आई.वी./एड्स : हैल्थ केयर सिस्टम्स इन ट्रांजिशन' विषयक 6ठे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'हैल्थ केयर सिस्टम्स इन ट्रांजिशन : द इण्डियन एक्सपिरिअन्स' (सह लेखक प्रो. आई. कादिर के साथ संयुक्त रूप से) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु प्रिया ने 16 से 17 जून 2003 तक मानव विकास संस्थान में आयोजित 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट आफ दिल्ली' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'हैल्थ ऐंड हैल्थ सर्विसिस इन दिल्ली : इश्यूज फार सरटेन्ड इम्प्रूवमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- रितु प्रिया ने 30 सितम्बर 2003 को मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'वर्कशाप आन दिल्ली'स ह्यूमन डिवलपमेंट रिपोर्ट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रितु प्रिया ने 15 से 17 दिसम्बर 2003 तक नई दिल्ली में आयोजित 'शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया तथा 'ट्रेन्ड्स इन हैल्थ स्टेटस इन इण्डिया 1985–2002 : मैक्रो ऐंड माइक्रो पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु प्रिया ने 14 से 15 जनवरी 2004 तक मुम्बई में आयोजित 'पीपल्स हैल्थ मूवमेंट' के अन्तर्राष्ट्रीय हैल्थ फोरम में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- रितु प्रिया ने 26 से 29 फरवरी 2004 तक भोपाल में आयोजित 'मेडिको फ्रेन्ड्स सर्कल' की वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'पब्लिक हैल्थ : प्राब्लम्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु प्रिया ने 9 दिसम्बर 2003 को नई दिल्ली में 'फीमेल फोइटिसाइड' विषयक संगोष्ठी में 'मोडिरेटर' के रूप में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 28 मई से 27 जून 2003 तक ईस्ट वेस्ट सेंटर, होनोलुलु, हवाई द्वारा आयोजित 'कम्यूनिकेटिंग हैल्थ ऐंड पाप्यूलेशन रिसर्च टु पालिसीमेकर्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 11 जून 2003 को ईस्ट वेस्ट सेंटर, होनोलुलु, हवाई द्वारा आयोजित 'ऐजिंग इन ईस्ट एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 18 जून 2003 को ईस्ट वेस्ट सेंटर, होनोलुलु, हवाई द्वारा आयोजित 'पाप्यूलेशन ट्रेंड्स इन साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 25 जून 2003 को ईस्ट वेस्ट सेंटर, होनोलुलु, हवाई में आयोजित 'कम्यूनिकेटिंग हैल्थ ऐंड पाप्यूलेशन रिसर्च टु पालिसिमेकर्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'हैल्थ आफ द जौनसारी एडोलेसेंट्स – सम इश्यूज ऐंड कंसर्न्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संघमित्रा आचार्य ने 4 से 5 अप्रैल 2003 तक क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन कंटेम्पोरेरि जिओग्राफी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 24 जुलाई 2003 को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार पाप्यूलेशन साइंसिस और गवर्नमेंट मेडिकल कालेज, नागपुर के सहयोग से नई दिल्ली में आयोजित, इंटरनेशनल सेंटर फार रिसर्च आन वुमन की 'रिलाइजिंग प्रोडक्टिव च्वाइस ऐंड राइट्स – एबोर्शन ऐंड कंट्रासेप्शन इन इण्डिया' विषयक सलाहकार बैठक में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 19 अगस्त, 2003 को आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलीजस डेमोग्राफी आफ इण्डिया' विषयक पुस्तक की परिचर्चा में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 12 से 13 सितम्बर 2003 तक सोसायटी फार एप्लाइड रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज द्वारा आयोजित 'सेंसस मोनोग्राफ सीरीज' विषयक सलाहकार बैठक में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 30 से 31 अक्टूबर 2003 तक समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मिसिंग गर्ल्स इन इण्डिया – साइंस जेंडर रिलेशंस इन द पालिटिकल इकोनामी आफ इमोशंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 13 से 14 नवम्बर 2003 तक जनसंख्या शोध केंद्र, लखनऊ द्वारा आयोजित इण्डियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन' विषयक क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया तथा 'पाप्यूलेशन पालिसी आफ उत्तर प्रदेश – सम इश्यूज एक्जामिंड इन द कंटेक्स्ट आफ एडोलेसेंट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संघमित्रा आचार्य ने 15 से 17 दिसम्बर 2003 तक सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर' की बैठक में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 16 से 21 जनवरी, 2004 तक मुम्बई में आयोजित 'क्वेश्चनिंग प्रवेलिंग पैराडिग्म्स इन पब्लिक हैल्थ – पुटिंग पीपल सेंटर – स्टेटिएट द वर्ल्ड सोशल फोरम 2004' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मोर्टेलिटी ऐंड मोर्बिडिटी ट्रेन्डस इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- संघमित्रा आचार्य ने 16 से 21 जनवरी 2004 तक वर्ल्ड सोशल फोरम, मुम्बई में 'एड्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 16 से 21 जनवरी 2004 तक वर्ल्ड सोशल फोरम, मुम्बई में आयोजित 'वुमन ऐंड एनवायरनमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 27 से 28 जनवरी 2004 तक इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार पाप्यूलेशन साइंसिस, मुम्बई द्वारा स्कोप काम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित आर.सी.एच. रैपिड हाउसहोल्ड सर्वे की प्रसार संगोष्ठी में भाग लिया।
- संघमित्रा आचार्य ने 23 से 25 फरवरी 2004 तक पाप्यूलेशन रिसोर्स सेंटर, अकादमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन, भोपाल द्वारा आयोजित 'पाप्यूलेशन आफ मध्य प्रदेश – ए क्रिटिकल एक्जामिनेशन' विषयक वार्षिक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मार्बिडिटी इन मध्य प्रदेश – सम इश्यूज एक्जामिन्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संघगित्रा आचार्य ने 26 से 29 फरवरी 2004 तक भोपाल में आयोजित मेडिको फ्रेंड्स सर्कल की वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'ट्रेन्ड्स इन मोर्टेलिटी ऐंड मोर्बिडिटी इन इण्डिया – ऐन एनालिसिस आफ एन.एफ.एच.एस. डाटा' (आर. दास गुप्ता और ए. प्रसाद के साथ) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अल्पना डी. सागर ने 27 से 31 मई 2003 तक ग्लोबल हैल्थ काउंसिल द्वारा वाशिंग्टन, डी.सी. में आयोजित 'अवर फ्युचर, अवर कामन ग्राउन्ड : हैल्थ ऐंड द एनवायरनमेंट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अल्पना डी. सागर ने दिसम्बर 2003 में सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जेएनयू द्वारा आई.आई.सी., दिल्ली में आयोजित 'मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'शिफ्ट्स इन न्यूट्रिशनल ट्रेन्ड्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अल्पना डी. सागर ने 8 से 10 मार्च 2004 तक निस्तादस, दिल्ली द्वारा आयोजित 'वुमन इन साइंसिस – इज द ग्लास सीलिंग डिस्एपिअरिंग' विषयक वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'वाट वी थिंक आफ ऐज ए ग्लास सीलिंग इज निटली ए क्लास सेज–रि एक्जामिनिंग वुमन इन मेडिसिन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अल्पना डी. सागर ने 21 से 25 सितम्बर 2003 तक वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाइजेशन, साउथ ईस्ट एशियन रीजन द्वारा आगरा में आयोजित 'इंप्लिमेंटिंग बेस्ट प्रक्टिसिस टु इम्प्रूव रिप्रोडक्टिव हैल्थ' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अल्पना डी. सागर ने 30 से 31 अक्टूबर 2003 तक समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'गिर्शिंग गर्ल्स इन इण्डिया : साइंस, जेंडर रिलेशंस ऐंड द पालिटिकल इकोनामी आफ इमोशंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'बिटवीन ए राक ऐंड ए हार्ड प्लेस : द सोशल कंटेक्स्ट आफ द मिशिंग गर्ल चाइल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अल्पना डी. सागर ने 27 से 29 फरवरी 2004 तक डिपार्टमेंट आफ कम्यूनिटी मेडिसिन, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एज्यूकेशन ऐंड रिसर्च, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'इण्डियन एसोसिएशन आफ प्रिवेंटिव ऐंड सोशल मेडिसिन के 31वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'जेंडर कंसेप्ट्स : यूजिंग जेंडर टु एक्जामिन इल हैल्थ' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अल्पना डी. सागर ने 20 मार्च 2004 को इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड मैनपावर रिसर्च, सेंटर फार पब्लिक पालिसी ऐंड गवर्नेन्स, दिल्ली द्वारा आयोजित 'फेडरलिज्म ऐंड पब्लिक पालिसी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द नीड फार ऐन इंटर सैक्टरल अप्रोच इन हैल्थ पालिसी प्लानिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- इमराना कादिर ने 29 से 30 जुलाई 2003 तक सेंटर फार पालिसी रिसर्च, नई दिल्ली में आयोजित 'पाप्यूलेशन स्टेबिलाइजेशन थ्रू डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लांस (डी.ए.पी.'स) विषयक बैठक में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने 12 से 13 सितम्बर 2003 तक सोसायटी फार एप्लाइड रिसर्च इन ह्युमैनिटीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 'सेंसस 'मोनोग्राफ सीरीज' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने 30 सितम्बर 2003 को इंस्टीट्यूट फार ह्यूमन डिवलपमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'दिल्ली'स ह्यूमन डिवलपमेंट रिपोर्ट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने 30 सितम्बर 2003 को नई दिल्ली में आयोजित 'फर्स्ट काल फार चिल्ड्रन' विषयक बटरफ्लाइज प्रथम वार्षिक व्याख्यानमाला 003 में भाग लिया।

- इमराना कादिर ने 28 से 29 नवम्बर 2003 तक आफिस आफ द वेस्ट बंगाल, कमीशन फार वुमन, कोलकाता द्वारा आयोजित 'द एक्सपिरिअंसिस आफ वुमन हू हैव अंडरगोन क्विनक्रिन स्टेरिलाइजेशन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने 28 से 29 नवम्बर 2003 तक विकास अध्ययन संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 'कंटिन्यूटीज ऐंड डिस्कंटिन्यूटीज इन पब्लिक हैल्थ' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- इमराना कादिर ने इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'वार ऐंड पब्लिक हैल्थ : ए साउथ एशियन पर्सपेक्टिव' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- के.आर. नायर ने 14 मई, 2003 को नई दिल्ली में आयोजित 'डिवलपमेंट आफ केरला : चैलेंजिस ऐंड अपरच्यूनिटीज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- के.आर. नायर ने 15 से 17 दिसम्बर 2003 तक नई दिल्ली में आयोजित 'शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय बैठक में आयोजक सचिव के रूप में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 15 से 17 दिसम्बर 2003 तक नई दिल्ली में आयोजित 'मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सैक्टर पालिसीज इन साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 17 से 20 जनवरी 2004 तक वर्ल्ड सोशल फोरम मुम्बई, भारत द्वारा आयोजित 'क्वेश्चनिंग प्रिवेलिंग पैराडिग्म्स इन पब्लिक हैल्थ : पुटिंग पीपल सेंटर स्टेज' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 27 से 28 फरवरी 2004 तक भोपाल में आयोजित 'पब्लिक हैल्थ : प्राब्लम्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 11 से 13 मार्च 2004 तक नई दिल्ली में आयोजित 'एज्यूकेशन ऐंड सोशल साइंस पैराडिग्म्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सुनीता रेड्डी ने 26 से 27 मार्च 2004 तक इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिकल एसोशिएसन के 'ट्राइब्स एन.जी.ओ. ऐंड स्टेट पालिसीज' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रोल आफ फारेस्ट फार ह्युमन हैल्थ : ए जेंडर पर्सपेक्टिव फार कोंडा रेड्डी ट्राइब इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- जी.के. चड्ढा ने 9 से 12 नवम्बर 2003 तक आई.एफ.पी.आर.आई. वाशिंगटन और चाइनीज अकादमी आफ एग्रीकल्चरल साइंसिस द्वारा बीजिंग में आयोजित 'द ड्रेगन ऐंड द एलिफेंट : एग्रीकल्चरल ऐंड रूरल डिवलपमेंट ऐंड रिफार्म एक्सपिरियंसिस इन चाइना ऐंड इण्डिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 29 नवम्बर से 2 दिसम्बर 2003 तक निहान फुकुशी यूनिवर्सिटी, नगोया, जापान द्वारा आयोजित, 'वेल बीइंग ऐंड सोशल डिवलपमेंट – फोकस आन द रोल ऐंड पासिबिलिटी आफ लोकल कम्यूनिटीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 12 जून 2003 को पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में आयोजित 'स्ट्रक्चरल रिफार्म्स इन हायर एज्यूकेशन' विषयक ए.आई.यू. – आस्ट्रेलियाई उच्चायोग के संयुक्त गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 5 अगस्त 2003 को आई.एफ.पी.आर.आई., द्वारा नई दिल्ली में आयोजित पानसा की बैठक में भाग लिया तथा 'एग्रीकल्चरल पालिसी प्राइआर्टिज इन इण्डिया' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- जी.के. चड्ढा ने 5 से 6 नवम्बर 2003 तक आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी, आन्ध्र प्रदेश और आई.एफ.पी.आर.आई., वाशिंगटन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'एग्रीकल्चरल डाइवर्सिफिकेशन ऐंड वर्टिकल इंटिग्रेशन इन साउथ एशियन कंट्रीज : कैन स्माल होल्डर्स हार्नेस द अपरच्यूनिटीज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- जी.के. चड्ढा ने 22 दिसम्बर 2003 को नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कालेज के प्रिंसिपलों के लिए प्लानिंग ऐंड मैनेजमेंट आफ कालेजिज विषयक 30वें अनुशीलन कार्यक्रम में भाग लिया तथा 'द रोल आफ हायर एज्यूकेशन इन द कंटेक्स्ट आफ प्राइवेटाइजेशन ऐंड लिबरलाइजेशन' विषयक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- मिलाप चंद्र शर्मा ने 8 से 12 मई 2003 तक कोलम्बो विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा आयोजित 'करिकुलम स्ट्रक्चर' विषयक अन्तर कार्यशाला में भाग लिया।

- आर.के. शर्मा ने 25 से 30 अगस्त 2003 तक ताईवान रिपब्लिक आफ चाइना द्वारा आयोजित 'एग्रीकल्चरल टेक्नोलाजी ट्रांस्फर ऐंड इट्स कंसिक्वेंसिस ए.आर.आई.' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'इम्पैक्ट आफ टेक्नोलाजी आन इकोनामिक ऐंड सोसिओ–कल्चरल लाइफ आफ रूरल पुअर इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. थोरट ने 10 से 11 नवम्बर 2003 तक सी.ए.ए.एस. (चाइना ऐंड आई.एफ.पी.आर.आई., यू.एस.ए.) द्वारा बीजिंग, चीन में आयोजित 'द ड्रेगन ऐंड द एलिफेंट : एग्रीकल्चरल ऐंड रूरल डिवलपमेंट ऐंड रिफार्म एक्सपिरिअंसिस इन चाइना ऐंड इण्डिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एस.के. थोरट ने 16 से 20 दिसम्बर 2003 तक फोर्ड फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'सोशल जस्टिस फिलन्थोपी इन इण्डिया' विषयक परिचर्चा में भाग लेने के लिए इंग्लैण्ड और न्यूयार्क का दौरा किया।
- एस.के. थोरट ने 18 सितम्बर 2003 को हेनरिच बाल फाउन्डेशन, बर्लिन द्वारा दलित दिवस पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'नेचर ऐंड डायनेमिक्स आफ डिस्क्रिमिनेशन/एक्सक्लुजन आफ दलित्स ऐंड इट्स कंसिक्वेंसेट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. थोरट ने 25 मई 2003 को डी.एफ.आई.डी., दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कास्ट एक्सक्लुजन/डिस्क्रिमिनेशन ऐंड डिप्राइवेशन : द सिचूएशन आफ दलित्स इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. थोरट ने 26 मई 2003 को डी.एफ.आई.डी., दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कास्ट एथनिसिटी ऐंड रिलीजन : एन ओवरव्यू आफ एक्सक्लूजन/डिस्क्रिमिनेशन ऐंड डिप्राइवेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. थोरट ने 24 मार्च 2004 को सेंटर फार स्टडीज आन क्रानिक पावर्टी, लन्दन द्वारा आई.आई.पी.ए. दिल्ली और डी.एफ.आई.डी., दिल्ली में आयोजित 'क्रानिक पावर्टी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'पर्सिसटेन्स आफ पावर्टी : वाई डू शैडयूल्ड कास्ट्स ऐंड शैड्यूल्ड ट्राइब्स स्टे क्रानिकल पुअर ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. थोरट ने 9 अप्रैल 2003 को रियस एजेंसी फार डिवलपमेंट ऐंड कोआपरेशन द्वारा प्रायोजित नई दिल्ली में आयोजित 'इम्पावरमेंट आफ ब्रिक वर्कर्स' विषयक गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- एस.के. थोरट ने 28 से 30 अप्रैल 2003 तक राष्ट्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'रूरल चाइल्ड लेबर ऐंड नेशनल पालिसी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी, मेनस्ट्रीमिंग द इश्यू आफ चाइल्ड लेबर इनटू रूरल डिवलपमेंट प्रोग्राम' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एस.के. थोरट ने 7 से 8 अक्टूबर 2003 तक साउथ अफ्रीकन यूनिवर्सिटी और आई.डी.एस., यू.के. द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 'एज्यूकेशन एक्सक्लुजन विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. थोरट ने 17 से 18 अक्टूबर 2003 तक राजीव गांधी फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'दलित्स ऐट द क्रास रोड्स : इकोनामिक रिफार्म्स ऐंड सोशल जस्टिस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'पावर्टी ऐंड डिप्राइवेशन ऐंड रेमिडीज अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' विषयक दो आलेख प्रस्तुत किए।
- एस.के. थोरट ने 23 से 24 अक्टूबर 2003 तक समाजशास्त्र में डा. अम्बेडकर चेयर द्वारा सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'इक्वल अपरच्यूनिटीज अफरमेटिव एक्शन ऐंड द एस.सी.स चैलेंजिस ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अनुराधा बनर्जी ने 7 से 9 नवम्बर 2003 तक सेल्जबर्ग विश्वविद्यालय, आस्ट्रिया के सहयोग से क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'स्टेट्स आफ जी.आई.एस. इन इ.यू. ऐंड साउथ एशिया' विषयक अन्तर जी.आई.एस. कार्यशाला में भाग लिया।
- अनुराधा बनर्जी ने 25 से 26 नवम्बर 2003 तक क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'न्यू फार्म्स आफ गवनमेंट इन इण्डियन मेगा सिटीज : डिसेंट्रेलाइजेशन, फाइनेंशनल मैनेजमेंट ऐंड पार्टनरशिप्स इन अर्बन एनवायरनमेंटल सर्विसिस' विषयक कार्यशाला में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।

- एन.सी. जेना ने 4 से 5 अप्रैल 2003 तक क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'इमर्जिंग रिसर्च थीम्स इन कंटेम्पोरेरि जिओग्राफी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और रिपोर्टर के रूप में कार्य किया।
- एन.सी. जेना ने 7 से 9 नवम्बर 2003 तक सेल्जबर्ग विश्वविद्यालय, आस्ट्रिया के सहयोग से जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्टेट्स आफ जी.आई.एस. इन ई.यू. ऐंड साउथ एशिया' विषयक अन्तर जी.आई.एस कार्यशाला में भाग लिया।
- एन.सी. जेना ने 25 से 26 नवम्बर 2003 तक जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'न्यू फार्म्स आफ गवर्नेंस इन इण्डियन मेगा सिटीज : डिसेंट्रेलाइजेशन, फाइनेंशल मैनेजमेंट ऐंड पार्टनरशिप्स इन अर्बन एनवायरनमेंटल सर्विसिस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एन.सी. जेना ने 23 फरवरी 2004 को नाटमो, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, साल्ट लेक कोलकाता द्वारा आयोजित 'वाटर सिक्युरिटी ऐंड मैनेजमेंट आफ वाटर रिसोर्सिस' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला व संगोष्ठी में भाग लिया।
- एन.सी. जेना ने 11 से 13 मार्च 2004 तक जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (प्रो. तापस मजूमदार के सम्मान में) 'एज्यूकेशन ऐंड द सोशल साइंस पैराग्म्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और रिपोर्टर के रूप में कार्य किया।
- एन.सी. जेना ने 31 मार्च 2004 को क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली के सहयोग से 'डिवलपमेंट ऐंड मार्जिनेलाइजेशन' विषयक सी.ए.एस.–एन.आर.सी.–आई.सी.एस.एस.आर. की एक दिवसीय सलाहकार कार्यशाला में भाग लिया।
- पी.एम. कुलकर्णी ने 25 से 27 फरवरी 2004 को नेहू, शिलांग में आयोजित 'पाप्यूलेशन ऐंड डिवलपमेंट इन नार्थ–ईस्ट इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा (1) 'इण्डिया'स नेशनल पाप्यूलेशन पालिसी इन द कंटेक्स्ट आफ द नार्थ–ईस्टर्न रीजन; (2) इंफ्लुअन्स आफ सोसिओ इकोनामिक ऐंड डेमोग्राफिक फैक्टर्स आन गाइनोइकोलाजिकल मार्बिडिटी ऐंड ट्रीटमेंट इन नाथ–ईस्टर्न इण्डिया' (रमेश जोशी के साथ) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सरस्वती राजू ने 10 से 13 दिसम्बर 2003 तक आयोजित 'युमन ऐंड माइग्रेशन इन एशिया' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मैरजि ऐंड माइग्रेशन' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- सुचरिता सेन ने 26 जून 2003 को देहरादून में थर्ड माड्यूल, सीएसएसटीईएपी, इंटरनेशनल रिमोट सेंसिंग ऐंड जीआईएस कोर्स आन 'मानिटरिंग ऐंड इवैल्यूशन आफ इंटिग्रेटिड वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्राम : ए स्टडी आफ डांगरी वाटरशेड, हरियाणा' के लिए सेमिनार आलेख प्रस्तुत किया।
- हरजीत सिंह ने 4 से 5 अप्रैल 2003 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित इमर्जिंग रिसर्च थीम्स इन कंटेम्पोरेरि इण्डियन ज्योग्राफी विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सम इश्यूज आफ ह्यूमन इकोलाजी इन माउन्टेस – स्टडी आफ ए मैक्रो रीजन ऐंड माइक्रो रीजन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- हरजीत सिंह ने 8 से 12 अगस्त 2003 तक लेह में आयोजित द एसोसिएशन आफ लद्दाख स्टडीज की 'फील्ड वर्क एक्सपिरियंसिस आफ ए रिसर्च स्कोलर इन लद्दाख इन 1973' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- हरजीत सिंह ने 28 नवम्बर 2003 को आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित 'उत्तरांचल ऐंड आईटी पोटेंशियल' – सम कंसेप्चुअल इश्यूज साइंस ऐंड टेक्नोलाजी टु एनरजाइज द माउंटेंस सास्त्रा' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अतुल सूद ने 29 सितम्बर 2003 को राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बंगलौर द्वारा आयोजित 'नेशनल सोंकलटेशन आन गार्मेंट सेक्टर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'लेबर स्टेंडर्डस, लेबर लेजिसलेशन ऐंड वालेन्ट्री कोड्स द केस फार स्टेट लेड रेग्यूलेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अतुल सूद ने 28 मई 2003 को इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल एकाउन्टेबिलिटी 8000' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी ऐंड सोशल इश्यूज इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अतुल सूद ने 4 से 5 अप्रैल, 2003 तक 'इमर्जिंग रिसर्च थीम्स इन कंटेम्पोरॅरि जिओग्राफी' विषयक सी.एस.आर.डी. – आई.सी.एस.आर. की संगोष्ठी में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।
- एम.डी. विमूरी ने 4 से 5 अप्रैल 2003 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'इमर्जिंग रिसर्च थीम्स इन कंटेम्पोरॅरि जिओग्राफी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.डी. विमूरी ने 24 से 26 अप्रैल 2003 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'चैंजिंग सोशल फार्मेशन इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- एम.एन. पाणिनी ने 21 से 23 दिसम्बर 2003 तक इण्डियन सोसिओलाजिकल सोसायटी द्वारा महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर ऐंड टेक्नोलाजी, उदयपुर में आयोजित 29वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'नालेज ऐंड प्रेक्टिस इन मार्डन एग्रीकल्चर : केस आफ द जेंटिकली मोडिफाइड क्राप्स इन कर्नाटका' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.एन. पाणिनी ने 7 से 8 फरवरी 2004 तक समाजशास्त्र विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान द्वारा आयोजित 'इण्डियन सोसायटी : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कंटेम्पोरॅरि इण्डिया : इश्यूज ऐंड चैलेंजिज' शीर्षक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 19 से 21 फरवरी 2004 तक हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'प्लांट बायोटेक्नोलाजी : रिकंफिगरिंग सोशल रिलेशंस इन एग्रीकल्चर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'बायोटेक्नोलाजी वर्सिस आर्गेनिक फार्मिंग आर माडर्निटी वर्सिस ट्रेडिशन : न्यू ट्रेन्ड्स इन द डिस्कोर्स आफ एग्रीकल्चर इन कर्नाटक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.एन. पाणिनी ने 10 मार्च 2004 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कंटेम्पोरॅरि इश्यूज इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन : सोसिओलाजिकल डायमेंशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सोसिओलाजी ऐंड सोशल पालिसी' शीर्षक आलेख पढ़ा।
- ऐहसानुल हक ने 20 से 22 फरवरी 2004 तक सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबल क्वेस्ट फार पार्टिसिपेट्री डेमोक्रेसी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सिटीजन, स्टेट ऐंड पालिटिक्स इन डेमोक्रेटिक सोसायटीज' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- ऐहसानुल हक ने 8 दिसम्बर 2003 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपन स्कूलिंग, सी.जी.ओ. कम्पलेक्स, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'ओपन एज्यूकेशन' विषयक वीडियो कांफ्रेंसिंग में भाग लिया।
- ऐहसानुल हक ने 12 अक्टूबर 2003 को हल्दवानी, नैनीताल में आयोजित 'प्रजेंट स्टेटस आफ थारू ट्राइब : प्राब्लम्स ऐंड साल्यूशन' विषयक संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- ऐहसानुल हक ने 8 अगस्त 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'डायस्पोरिक कम्यूनिटी ऐंड सोशल चेंज' विषयक परिचर्चा की अध्यक्षता की।
- ऐहसानुल हक ने 31 जुलाई 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल इश्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत करने में समन्वय किया।
- ऐहसानुल हक ने 29 से 30 जुलाई 2003 तक अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'एन.डी.ए.'स फारेन पालिसी' विषयक परिचर्चा में भाग लिया और सहयोग किया।
- ऐहसानुल हक ने 21 से 23 अक्टूबर 2003 तक सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'रिथिंकिंग सोसिओलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ऐहसानुल हक ने 2 से 3 अप्रैल 2003 तक सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल डायनेमिक्स आफ इण्डियन सोसायटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ऐहसानुल हक ने 10 मई 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'इनसर्जेन्सी ऐंड ह्युमन राइट्स इन नेपाल' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन व्याख्यान दिया।

- ऐहसानुल हक ने 12 मार्च 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डियन सोसायटी इन ट्रांजिशन' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- आनन्द कुमार ने 21 से 23 दिसम्बर 2003 तक उदयपुर में आयोजित अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड गवर्नेंस' विषयक पैनल व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 16 से 20 जनवरी 2004 तक वर्ल्ड सोशल फोरम, मुम्बई में आयोजित 'स्टडींग ग्लोबलाइजेशन' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस, खड़गपुर में आयोजित 'हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया : क्राइसिस ऐंड चैलेंजिस' विषयक संगोष्ठी में दिया।
- आनन्द कुमार ने 15 अप्रैल 2003 को थियोसोफिकल सोसायटी, वाराणसी में आयोजित ऐनी बेसेंट स्मारक व्याख्यान में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 13 से 14 जून 2003 तक एम.एस.एच. पेरिस द्वारा आयोजित 'नान–यूरोपीयन अप्रोचिस टु सिविल सोसायटी' विषयक परिचर्चा में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 23 से 25 अक्टूबर, 2003 तक मसारिक विश्वविद्यालय, ब्रूनो द्वारा आयोजित 'आइडेंटिटी ऐंड अदरनेस' विषयक सम्मेलन में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 22 से 23 मार्च 2004 तक बर्लिन में आयोजित, 'एशिया यूरोप डायलॉग आन ट्रेडिशन, माडर्निटी ऐंड ग्लोबलाइजेशन' में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- आनन्द कुमार ने 25 मार्च, 2004 को फ्रेबर्ज विश्वविद्यालय, फ्रेबर्ज द्वारा आयोजित 'इंटरएक्शंस बिटवीन एशिया ऐंड यूरोप : प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक सम्मेलन में पैनल वक्ता के रूप में भाग लिया।
- आनन्द कुमार ने 7 से 9 जनवरी 2004 तक मानचेस्टर विश्वविद्यालय, मानचेस्टर द्वारा आयोजित 'क्रानिक पावर्टी इन द वर्ल्ड टुडे' विषयक संगोष्ठी में पैनल वक्ता के रूप में भाग लिया।
- आनन्द कुमार ने 28 से 29 जनवरी 2004 तक देशकाल सोसायटी, बोद्ध गया में आयोजित 'दलित क्वेश्चन ऐंड द इंडियन यूनिवर्सिटीज' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 16 फरवरी 2004 को कला संकाय, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'द कंसेप्ट आफ पेटिआर्की' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 12 दिसम्बर 2003 को आई.ई.जी. में आयोजित 'ए नोट आन डोमेस्टिक वर्कर्स इन दिल्ली, जेंडर ऐंड पालिटिकल इकोनामी आफ डोमेस्टिक सर्विस : कोआपरेटिव पर्सपेक्टिव्स इन इण्डिया ऐंड चाइना' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 7 अक्टूबर 2003 को वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान में आयोजित 'रिसर्च मेथड्स इन लेबर स्टडीज' विषयक पाठ्यक्रम में भाग लिया तथा 'ग्लोबल रिसर्च : थीअरेटिकल ऐंड मेथडोलाजिकल इश्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुसन विश्वनाथन ने 16 दिसम्बर 2003 को एन.एम.एम.एल. दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलीजन इन रूट : गोवा, सीए 1500–1700' विषयक प्रो. विलियम पिंच की संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
- सुसन विश्वनाथन ने 10 मार्च 2004 को आई.आई.पी.ए., दिल्ली द्वारा आयोजित 'कंटेम्पोरॅरि इश्यूज इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' विषयक संगोष्ठी की रिपोर्टिंग की।
- सुसन विश्वनाथन ने 26 मार्च 2004 को भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'फेमिनिस्ट थीअरि ऐंड लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- रेणुका सिंह ने 14 जून 2003 को नेपाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'वुमन रिबोर्न ट्विनशिप इण्डिया ऐंड इटली' विषयक व्याख्यान दिया।
- रेणुका सिंह ने 6 से 9 सितम्बर 2003 तक ई.टी.एच. जुरिख, कोरटोना में आयोजित 'क्रिएटिविटी ऐंड इण्डियन वुमन, क्रिएटिविटी ऐंड क्युरिअसिटी' विषयक 2 कार्यशालाएं आयोजित कीं।

- रेणुका सिंह ने 2 से 3 अप्रैल 2003 तक सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'सोशल डायनेमिक्स आफ इण्डियन सोसायटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'वुमन ऐंड लॉ' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'वुमन ऐंड ला' विषयक व्याख्यान दिया।
- रेणुका सिंह ने 21 से 23 अक्टूबर 2003 तक सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिथिंकिंग सोसिओलाजी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'दलित वुमन' विषयक व्याख्यान दिया।

  रेणुका सिंह ने 13 अक्टूबर 2003 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'द इंडियन सोशल फेब्रिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 21 फरवरी 2004 को बचपन बचाओ आन्दोलन और साउथ एशियन कोलिशन आन चाइल्ड सर्विट्यूड द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'बिल्डिंग अबेटर टुमारो फार दलित चिल्ड्रन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, 'दलित चाइल्ड लेबर ऐंड सिविल सोसायटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 17 से 18 अक्टूबर 2003 तक राजीव गांधी इंस्टीट्यूट फार कंटेम्पोरॅरि स्टडीज, राजीव गांधी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'दलित्स ऐट द क्रासरोड्स : इकोनामिक रिफार्म्स ऐंड सोशल जस्टिस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'दलित डायसपोरा ऐंड इट्स इनविजिविलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 23 से 24 अक्टूबर 2003 तक समाजशास्त्र में स्थापित डा. अम्बेडकर चेयर, सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इक्वल अपरच्युनिटीज, अफरमेटिव एक्शन ऐंड द शैड्यूल्ड कास्ट्स : चैलेंजिस ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'अंडरस्टेंडिंग दलित वुमन थ्रू कास्ट पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 22 से 24 फरवरी 2004 तक सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित, ग्लोबल क्वेस्ट फार पार्टिसिपेट्री डेमोक्रेसी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डियन डेमोक्रेसी : मोनोपोलाइजेशन, मार्जिनेलाइजेशन ऐंड दलित असेर्सन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

  विवेक कुमार ने 12 से 14 मार्च 2004 तक एथनोग्राफिक ऐंड फोक कल्चर सोसायटी, लखनऊ द्वारा आयोजित 'सोशल चेंज इन ग्लोबल इण्डिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'दलित आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 29 से 30 मार्च 2004 तक अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और आई.सी.एच.आर., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड इण्डियन डाइसपोरा' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'दलित डायसपोरा--आइडेंटिटीज ऐंड सिम्बल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- बलवीर अरोड़ा ने 25 से 27 जुलाई 2003 तक भंडारनायके सेंटर फार इंटरनेशनल स्टडीज, कोलम्बो, श्रीलंका द्वारा आयोजित 'इण्डियन फेडरलिज्म' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 30 सितम्बर 2003 को सेंटर फार इकोनामिक जुरिडिकल ऐंड सोशल स्टडीज ऐंड डाक्यूमेंटेशन काइरो, इजिप्ट द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड इजिप्ट : ट्रेजेक्ट्री ऐंड इंस्टीट्यूशंस आफ डिवलपमेंट इन इजिप्ट इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 11 से 12 अक्टूबर 2003 तक गंगटोक, सोसायटी फार पीस, सिक्यूरिटी ऐंड डिवलपमेंट स्टडीज (इलाहाबाद), गंगटोक (सिक्किम) द्वारा आयोजित 'प्लुरल ऐंड डेमोक्रेसी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 28 फरवरी 2004 को एसोसिएशन आफ इण्डियन डिप्लोमेट्स, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड द न्यू यूरोप' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 28 फरवरी 2004 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, नई दिल्ली और साउथ एशिया फोरम फार ह्यूमन राइट्स द्वारा आयोजित 'फेडरलिज्म ऐंड द प्रोटेक्शन आफ माइनार्टीज इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 19 से 21 मार्च 2004 तक राष्ट्रीय जागृति संस्थान और कोनार्ड अडेन्यूर फाउंडेशन आई. आई.सी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द कांस्टीट्यूशन कमीशन रिपोर्ट' में भाग लिया।

- सुधा पई ने 14 जून 2003 को पुस्तकालय विज्ञान विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा बंगलौर में आयोजित कुलपतियों, समाज विज्ञानियों और अन्य विद्वानों के 'डिजिटल लाइब्रेरी ऐंड ई–स्कालरशिप पोर्टल' विषयक गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- सुधा पई ने 2 से 5 अक्टूबर 2003 तक गोटेबोर्ज विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेसी ह्यूमन राइट्स ऐंड द सोशल कैपिटल विदिन द स्पेशल सिडा/सारिक प्रोग्राम' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सुधा पई ने 17 से 18 अक्टूबर 2003 तक राजीव गांधी इंस्टीट्यूट फार कंटेम्पोरॅरि अफेयर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'दलित्स ऐट द क्रासरोड्स : इकोनामिक पालिसी फार वीकर सैक्शंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- सुधा पई ने 17 से 18 मार्च 2004 तक राजनीतिक अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'इण्डियन डेमोक्रेसी ऐंड कल्चरल नेशनलिज्म : क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- सुधा पई ने 27 मार्च 2004 को लाला दीवान चन्द्र ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'चेंजिंग रोल आफ कास्ट इन इण्डियन पालिटिक्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 3 से 5 मार्च 2004 तक समाजशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एथनिक आइडेंटिटी ऐंड एथनिक कंफ्लिक्ट इन मल्टिकल्चरल सोसायटीज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'बियांड मल्टिकल्चरलिज्म : अकोमोडेटिंग डाइवर्सिटी इन ए डेमोक्रेसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरप्रीत महाजन ने 28 फरवरी 2004 को थर्ड वर्ल्ड अकादमी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'फेडरलिज्म ऐंड द प्रोटेक्शन आफ माइनार्टिज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'प्रोटेक्शन आफ माइनार्टिज इन ए डेमोक्रेसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरप्रीत महाजन ने 21 फरवरी 2004 को समाजशास्त्र विभाग, जेएनयू में आयोजित 'ग्लोबल क्वेस्ट फार पार्टिसिपेट्री डेमोक्रेसी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 22 जनवरी 2004 को सेंटर फार सोशल रिसर्च, नई दिल्ली में आयोजित 'ह्यमन : सम कंसेप्युअल इश्यूज' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 18 से 19 दिसम्बर 2003 तक सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, प्रोजेक्ट आफ हिस्ट्री आफ इण्डियन साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर द्वारा आयोजित 'पालिटिकल आइडियाज इन माडर्न इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कंस्ट्रक्टिंग डिफ्रेंसिस इन ए प्लुरल सोसायटी : द मैजोरिटी माइनार्टी फ्रेमवर्क ऐंड इण्डियन डेमोक्रेसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरप्रीत महाजन ने 15 से 17 नवम्बर 2003 तक रबिन्द्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेसी, ह्युमन राइट्स ऐंड टेरॅरिज्म' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा डेमोक्रेटिक राइट्स, लिबर्टी ऐंड स्टेट सिक्यूरिटी : ए लिबरल रिस्पांस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरप्रीत महाजन ने 16 से 18 अक्टूबर 2003 तक थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'असर्टिव आइडेंटिटीज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इन परस्युट आफ टालरेन्स : वाई शुड लिबर्टी रिसीव प्राओर्टी ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी. रोड्रिग्स ने 27 से 29 अक्टूबर 2003 तक प्रोजेक्ट आफ हिस्ट्री आफ इण्डियन साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर, आई.आई.सी. नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डियन पालिटिकल थीअरि इन ए हिस्ट्री आफ सोसिओ–इकोनामिक ऐंड पालिटिकल थाट इन माडर्न इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- वी. रोड्रिग्स ने 6 नवम्बर 2003 को जेएनयू, इ.यू.एस.पी. और अन्य द्वारा आयोजित 'सिटीजनशिप ऐंड ग्रुप डिफ्रेंसिएटिड राइट्स इन इण्डिया इन मल्किल्चरलिज्म इन इण्डिया ऐंड यूरोप' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- वी. रोड्रिग्स ने 7 से 10 नवम्बर 2003 तक आयोजित 'कास्ट, अम्बेडकर ऐंड कंसेप्शन आफ जस्टिस इन जस्टिस : पालिटिकल, सोशल ऐंड जुरिडिकल' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- वी. रोड्रिग्स ने 15 से 17 दिसम्बर 2003 तक सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशंस, प्रोजेक्ट आफ हिस्ट्री आफ इण्डियन साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'पालिटिकल आइडियाज इन माडर्न इण्डिया'' विषयक दलित बहुजन परिचर्चा में भाग लिया।

- वी. रोड्रिग्स ने 18 से 21 दिसम्बर 2003 तक सी.एस.डी.एस., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलीजन्स इन इंडिक सिविलाइजेशंस' विषयक परिचर्चा में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।
- वी. रोड्रिग्स ने 24 से 26 जनवरी 2004 तक अम्बेडकर संस्थान, मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'दलित्स इन सिविल सोसायटी इन दलित मूवमेंट्स इन कर्नाटक' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- वी. रोड्रिग्स ने 17 से 18 मार्च 2004 तक सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'विजन आफ डेमोक्रेसी, बी.आर. अम्बेडकर, पार्टिसिपेट्री डेमोक्रेसी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- वी. रोड्रिग्स ने 17 से 18 मार्च 2004 तक राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'टू शेड्स आफ हिन्दुत्व, डेमोक्रेसी ऐंड कल्चरल नेशनलिज्म' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- विधु वर्मा ने 7 से 10 नवम्बर 2003 तक प्रो. राजीव भार्गव, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से कोनराड–अडेन्यूर फाउन्डेशन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'जस्टिस : पालिटिकल, सोशल ऐंड जुरिडिकल' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'क्लास ऐंड कंसेप्शंस आफ जस्टिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

  पी. कानूनगो ने 2003 में थर्ड वर्ल्ड अकादमी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'असर्टिव रिलिजस आइडेंटिटीज' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'नेविगेटर्स आफ हिन्दू राष्ट्र : आर.एस.एस. प्रचारक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी. कानूनगो ने मार्च 2004 में राजनीतिक अध्ययन केंद्र जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'डेमोक्रेसी ऐंड कल्चरल नेशनलिज्म : क्रिटिकल पर्सपेक्टिव' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'डायस्पोरिक पालिटिक्स आफ हिन्दू नेशनलिज्म इन द यूनाइटिड स्टेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आशा सारंगी ने 17 से 18 मार्च 2004 तक राजनीतिक अध्ययन केंद्र जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'डेमोक्रेसी ऐंड कल्चरल नेशनलिज्म : क्रिटिकल पर्सपेक्टिव' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा (अन) मेकिंग आफ द नेशन ऐंड इट्स फार्म (स)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राहुल मुखर्जी ने 28 मार्च 2004 को समाजशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द स्टेट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- राहुल मुखर्जी ने 24 मार्च 2004 को राजीव गांधी इंस्टीट्यूट फार कंटेम्पोरॅरि स्टडीज, राजीव गांधी फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सिक्यूरिंग सर्विसिस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राहुल मुखर्जी ने 12 मार्च 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'थीअरेटिकल पर्सपेक्टिव्स इन इंटरनेशनल रिलेशंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राहुल मुखर्जी ने 14 नवम्बर 2003 को विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डिजिटिजेशन ऐंड द पालिटिक्स आफ इंटरनेशनल कार्पोरेट टैक्सेशन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- राहुल मुखर्जी ने 27 अगस्त 2003 को यूनिवर्सिटी आफ पेंसलवानिया इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इंडिया, द्वारा इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द पालिटिक्स आफ इकोनामिक कोआपरेशन इन साउथ एशिया' शीर्षक सत्र में परिचर्चाकर्ता थे।

  टी.जी. सुरेश ने 26 जनवरी 2004 को चीनी अध्ययन संस्थान, सी.एस.डी.एस. में आयोजित 'आइडोलाजी ऐंड डिसेंट इन कंटेम्पोरॅरि चाइना' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- टी.जी. सुरेश ने 19 मार्च 2004 चीनी अध्ययन संस्थान, सी.एस.डी.एस. द्वारा आयोजित 'लेबर अनरेस्ट इन चाइना' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- मेरी ई. जान ने 19 से 20 मार्च 2004 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'जेंडर ऐंड क्रिटिकल पैडेगागीज : करिकुलम डिवलपमेंट इन फार्मल एज्यूकेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- मेरी ई. जान ने 12 मार्च 2004 को महिला विकास अध्ययन केंद्र में आयोजित 'जेंडर, कास्ट ऐंड लोकल अर्बन गवर्नेंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- मेरी ई. जान ने 2 से 7 फरवरी 2004 तक सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र, कलकत्ता, एनआईएएस, बंगलौर द्वारा आयोजित 'पोस्टक्लोनिअलिज्म ऐंड फेमिनिज्म, रिथिंकिंग द कल्चरल टर्न' सांस्कृतिक अध्ययन कार्यशाला में भाग लिया।
- मेरी ई. जान ने 5 फरवरी 2004 को सेंटर आफ एज्यूकेशन, लेडी श्रीराम कालेज द्वारा आयोजित 'रि–इनविजिनिंग कम्यूनिटी : आइडेंटिटी इन द प्रजेन्ट सेंचुरी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- मेरी ई. जान ने 1 से 3 दिसम्बर 2003 तक यूनेस्को, बैंकाक द्वारा आयोजित 'वुमन'स/जेंडर स्टडीज प्रोग्राम्स इन द एशिया पेस्फिक रीजन' विषयक सलाहकार सम्मेलन में भाग लिया तथा 'वुमन'स स्टडीज इन इण्डिया कंट्री' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जान ने 20 से 21 अक्टूबर 2003 तक इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिस ऐंड एस.ए.पी. कनाडा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लोकल गवर्नमेंट ऐंड वुमन'स इंपावरमेंट' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'कंसेप्शंस आफ इंपावरमेंट : क्रिटिकल रिफ्लेक्शंस फ्राम अर्बन लोकल गवर्नमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जान ने 9 सितम्बर 2003 को वर्ल्ड सोशल फोरम प्रिपेरेट्री कमेटी और हिस्ट्री सोसायटी, रामजस कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'ओल्ड ऐंड न्यू पालिटिक्स' विषयक पैनल व्याख्यान दिया।
- मेरी ई. जान ने 9 अगस्त 2003 को कल्चरल सर्विसिस आफ फ्रेंच एम्बेसी द्वारा आयोजित 'ए क्यूरियस कोंइसिडेंस ? पैरिटी इन फ्रांस ऐंड रिजर्वेशंस फार वुमन इन इण्डिया ट्रेजेक्ट्रीज इन फ्रेंच थाट' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- मेरी ई. जान ने 1 से 2 अगस्त 2003 तक हैदराबाद में आयोजित 'द पब्लिक ऐंड प्राइवेट आफ डोमेस्टिक वायलेन्स अन्वेशी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'फैमिली, मैरिज ऐंड द वुमन'स मूवमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जान ने 18 से 19 जुलाई 2003 तक फेमिनिस्ट सेंटर फार लीगल रिसर्च, इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'पोस्टक्लोनियलिटी, सैक्सचुअलिटी ऐंड द ला' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'फेमिनिज्म ऐंड सैक्सचुअलिटी इन हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जान ने 13 से 16 जून 2003 तक सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, धुलिकेल, नेपाल द्वारा आयोजित 'स्टेटस आफ डेमोक्रेसी इन साउथ एशिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- मेरी ई. जान ने 25 से 29 मई 2003 तक ब्रांगगे, फिलिपीन्स द्वारा आयोजित जेंडर ऐंड वुमन'स स्टडीज इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क इन एशिया विषयक कार्यशाला में भाग लिया और 'वुमन'स स्टडीज इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मेरी ई. जान ने 5 से 7 अप्रैल 2003 तक अनवेशी और सी.आई.ई.एफ.इ.एल. फिल्म क्लब, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'सैक्सचुअलिटी : इश्यूज ऐंड कंसर्न्स' विषयक कार्यशला में भाग लिया तथा 'हेट्रोसैक्सचुअलिटी ऐंड द वुमन'स मूवमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- रणबीर चक्रवर्ती ने 3 से 5 फरवरी 2004 तक नेहरू स्मारक संग्राहलय, नई दिल्ली द्वारा द लांग मिलेनियम (800–1800), प्रो. हरबंस मुखिया के सम्मान में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द काल आफ द फेयरवे सोर्स (ए.डी. 800–1500)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रणबीर चक्रवर्ती ने 28 से 30 दिसम्बर 2003 तक इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस, मैसूर द्वारा आयोजित 'इंफार्मेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलाजीस इन इण्डिया थ्रू द ऐज्स' विषयक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- रजत दत्ता ने 26 से 27 जून 2003 तक किंग्स कालेज लन्दन द्वारा प्रो. पी.जे. मार्शल के सम्मान में आयोजित करंट डिबेट्स ऐंड न्यू डायरेक्शंस इन ब्रिटिश इम्पिरियल हिस्ट्री' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और 'रिथिंकिंग द 18टीथ सेंचुरी ट्रांजिशंस : स्टेट मार्किट ऐंड सोसायटी इन अर्ली माडर्न इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विजय रामास्वामी ने 19 से 22 अगस्त 2003 तक एन.यू.एस., सिंगापुर द्वारा आयोजित 'एशिया स्लाकलर्स के तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डिफ्रेंट स्ट्रोक्स : स्प्रिचुअल वुमन इन मिडिवल इण्डियन सोसायटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- विजय रामास्वामी ने 18 से 21 दिसम्बर 2003 तक सी.एस.डी.एस., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलिजन्स इन द इंडिक सिविलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मेटाफिजिक्स आफ डिसेंट : वुमन ऐंड मोनास्टिक लिविंग इन द रामानाशरम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- विजय रामास्वामी ने 2 से 4 फरवरी 2004 तक नई दिल्ली में प्रो. हरबंस मुखिया के सम्मान में आयोजित 'द लांग मिलेनियम' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'टेक्नोलाजी, सोसायटी ऐंड क्राफ्ट्स इन मिडिवल पेनिनसुलर इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- विजय रामास्वामी ने 18 से 20 फरवरी 2004 तक गोविन्द सदन इंस्टीट्यूट आफ कम्पैरटिव रिलीजन्स में आयोजित 'राइटियस वर्क ऐज रिप्रजेंटिड इन डिफ्रेंट रिलीजन्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'राइटियस वर्क ऐज डिफाइन्ड इन वेरियस स्ट्रीम्स आफ हिन्दू रिलीजन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- विजय रामास्वामी ने 24 से 25 फरवरी 2004 तक महिला विकास अध्ययन केंद्र, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविधालय द्वारा आयोजित 'वुमन ऐंड कल्चर आइकोन्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'वुमन इनटू मोल्ड्स ऐंड आउट आफ देम : ए हिस्टोरिकल ओवरव्यू' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एच.पी. रे ने 10 से 12 दिसम्बर 2003 तक नेहरू स्मार संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली में आयोजित 'नैरेटिव्स आफ द सी : इनकैपसुलेटिंग द इण्डियन ओसन वर्ल्ड' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समन्वयक के रूप में भाग लिया तथा 'क्रासिंग द सीज : द डाउ इन द इण्डियन ओसन वर्ल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- बी.डी. चट्टोपाध्याय ने मई 2003 में जर्मन रिसर्च काउंसिल द्वारा सेल्जा, जर्मनी में आयोजित 'उड़ीसा रिसर्च प्रोजेक्ट' विषयक सम्मेलन में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।

- बी.डी. चट्टोपाध्याय ने 5 से 7 नवम्बर 2003 तक सेंटर फार आर्किओलाजिकल स्टडीज ऐंड ट्रेनिंग, कोलकाता में आयोजित 'द आइडेंटिटी आफ द बंगाली पीपल' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा स्थापना व्याख्यान दिया और कई सत्रों की अध्यक्षता की।

- मृदुला मुखर्जी ने 18 से 21 दिसम्बर 2003 तक सी.एस.डी.एस., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलीजन्स इन द इंडिक सिविलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र में भाग लिया तथा 'हिन्दुज्म ऐंड हिन्दुत्व' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- मृदुला मुखर्जी ने 25 दिसम्बर 2003 को हैदराबाद में मैगसेसे पुरस्कार विजेता सामाजिक कार्यकर्ता शांता सिन्हा, एम.वी. फाउंडेशन द्वारा हैदराबाद में आयोजित 'लीडरशिप ऐंड पाप्यूलर मोबिलाइजेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया।

- मृदुला मुखर्जी ने 29 दिसम्बर 2003 को मैसूर में आयोजित इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस के विशेष थिमेटिक पैनल की अध्यक्षता की।

- कुणाल चक्रवर्ती ने 8 से 10 नवम्बर 2003 तक कोनराड अडेन्यूर फाउंडेशन, जैसलमेर द्वारा आयोजित 'जस्टिस, पालिटिकल, सोशल ऐंड जुरिडिकल' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रामराज्य : कंसीविंग नोशंस आफ जस्टिस इन अर्ली इण्डिया' शीर्षक आलेख पढ़ा।

- कुणाल चक्रवर्ती ने 8 से 10 दिसम्बर 2003 तक सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलीजन्स इन द इंडिक सिविलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'राधा ऐंड द मेकिंग आफ गौडिया वैष्णविज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- कुणाल चक्रवर्ती ने 5 से 7 नवम्बर 2003 तक सेंटर फार आर्किओलाजिकल स्टडीज ऐंड ट्रेनिंग कोलकाता में आयोजित 'आइडेंटिटी आफ बंगालीज' विषयक निहरंजन रे जन्मशती संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'दुर्गा : द मेकिंग आफ ए रीजनल आइकोन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- कुणाल चक्रवर्ती ने 29 से 31 दिसम्बर 2003 तक इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस, मैसूर में आयोजित 'हिस्ट्री आफ इनफार्मेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलाजीस इन इण्डिया थ्रू द ऐज्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'नैरेटिव्स ऐंड नैरेटर्स : मोड्स आफ कम्यूनिकेशन इन अर्ली इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- राधिका सिंह ने 18 मार्च 2004 को वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोयडा में आयोजित द एसोसिएशन आफ इण्डियन लेबर हिस्टोरियन्स के चौथे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मेकिंग ब्रिक्स विदाउट स्ट्रा : द जेल लेबर ऐंड द पोर्टर क्राप्स इन द मेसोपोटामियन, कैम्पेन 1916–1919' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आदित्य मुखर्जी ने 22 फरवरी 2004 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'ग्लोबल क्वेस्ट फार पार्टिसिपेट्री डेमोक्रेसी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डेमोक्रेसी ऐंड द नेहरूवियन विजन आफ डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख पढ़ा।
- आदित्य मुखर्जी ने 11 मार्च 2004 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'एज्यूकेशन ऐंड द सोशल साइंस पैराडिग्म्स' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'डाइलेमाज आफ हिस्ट्री : द डिबेट इन यू.के. ऐंड आस्ट्रेलिया' शीर्षक आलेख पर परिचर्चा की।
- आदित्य मुखर्जी 27 से 29 अक्टूबर 2003 तक इण्डिया इंटरनेशल सेंटर में 'हिस्ट्री आफ इंडियन साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर' शीर्षक परियोजना के अंतर्गत आयोजित 'हिस्ट्री आफ सोसिओ–इकोनामिक ऐंड पालिटिकल थाट इन माडर्न इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और एल.सी. जैन के 'फेट आफ गांधी'ज इकोनामिक थिंकिंग' शीर्षक आलेख पर परिचर्चा की।
- आदित्य मुखर्जी ने 25 दिसम्बर 2003 को एम.वी. फाउन्डेशन की मैक्सेसे पुरस्कार विजेता शांता सिन्हा द्वारा हैदराबाद में आयोजित 'लीडरशिप ऐंड पाप्यूलर मोबिलाइजेशन' विषयक कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत किया।
- आदित्य मुखर्जी 30 दिसम्बर 2003 को इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस, मैसूर में आयोजित विशेष पैनल में भाग लिया तथा 'करिकुला डिवलपमेंट इन द सोशल साइंसिस ऐंड पालिटिकल प्रिजुडाइस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान विश्वविद्यालय से बाहर

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- बिनोद खादरिया ने 26 अप्रैल 2003 को इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी वुमन'स एसोसिएशन, यूनिवर्सिटी वुमन'स एसोसिएशन आफ दिल्ली, इन्द्रप्रस्थ कालेज के पूर्व अध्यक्ष की स्मृति में 'ग्लोबलाइजेशन : द पावर आफ एज्यूकेशन टु इफैक्ट चैंज' विषयक डा. बीना राय स्मारक व्याख्यान 2003 दिया।
- बिनोद खादरिया ने 22 मार्च 2004 को 'बी.बी.सी. आनलाइन न्यूज : व्यूपाइन्टस सीरीज आन माइग्रेशन' विषयक परिचर्चा में भाग लिया। विश्व के 8 आमंत्रित कंमेट्रेट्रों में से एक थे।
- अजीत कुमार मोहन्ती ने 28 अक्टूबर 2003 को सी.बी.सी.एस., यू.जी.सी. सेंटर आफ एक्सिलेन्स, यूनिवर्सिटी आफ इलाहाबाद में वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 'लैंग्यूवेज ऐंड ह्यूमन माइन्ड : द म्युचुअलिटी आफ इनपुट ऐंड प्रोसेसिंग पैरामीटर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 12 दिसम्बर 2003 को इग्नू, नई दिल्ली में डिस्टेन्स टीचर एज्यूकेशन (2–29 दिसम्बर) विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'एज्यूकेशन आफ द गर्ल चाइल्ड इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- मिनाती पंडा ने 18 नवम्बर 2003 को स्किलशेयर इंटरनेशनल, जी.के., नई दिल्ली में 'ट्राइबल कल्चर, एज्यूकेशन ऐंड हैल्थ इन वेस्टर्न उड़ीसा' विषयक व्याख्यान दिया।

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

- एम.सी. पाल ने 16 जुलाई 2003 को एन.आई.सी. ऐंड एफ.एस., गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इफैक्ट्स ऐंड कंसिक्वेंसिस आफ ड्रग एब्यूज अमंग यूथ ऐंड चिल्ड्रन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.सी. पाल ने 8 दिसम्बर 2003 को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ ऐडल्ट ऐंड लाइफलांग एज्यूकेशन दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिसर्च आन ड्रग्स ऐंड एड्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.वाई शाह ने 3 सितम्बर 2003 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एज्यूकेशनल प्लानिंग ऐंड ऐडमिनिस्ट्रेशन द्वारा आयोजित नेशनल डिप्लोमा कार्यक्रम में 'लिट्रेसी डिवलपमेंट ऐंड इम्पैक्ट आफ लिट्रेसी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

- एस.वाई शाह ने 8 दिसम्बर 2003 को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित रिसर्च मैथडोलाजी पाठ्यक्रम में 'रिसर्च ट्रेंडस इन ऐडल्ट एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.वाई शाह ने 31 अक्टूबर 2003 को गुड़गांव में आयोजित 'इवैल्यूएशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सम आस्पेक्ट्स आफ इवैल्यूएशन इन ऐडल्ट एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- अर्चना अग्रवाल ने अकादमिक स्टाफ कालेज में 'क्वालिटेटिव रिस्पांस ऐंड लिमिटिड डिपेंडेंट वैरिएबल्स माडल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 3 अप्रैल 2003 को वसुधैव कुटुम्बकम और सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, नई दिल्ली द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'डब्ल्यू.एस.एफ. ऐंड इन्गेजमेंट विद गांधी' विषयक कार्यशाला में 'इक्सप्लारेशंस इन गांधी फार ए नेशनल इकोनामिक पालिसी इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 19.92003 और 26.9.2003 को आई.आई.पी.ए. में 'करंट फिस्कल पालिसीज़ी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिए।
- अरूण कुमार ने 12 अक्टूबर 2003 को लोक शक्ति अभियान द्वारा आयोजित 'पीपल'स अवेयरनेस' विषयक कार्यशाला में 'द करंट इकोनामिक, पालिटिकल ऐंड सोशल एनवायरनमेंट (पोस्ट कैनकन)' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 16 दिसम्बर 2003 को मीडिया वाच ग्रुप द्वारा रशियन कल्चर सेंटर, नई दिल्ली में 'करंट इकोनामिक स्टेट आफ द कंट्री ऐंड द रोल आफ मीडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 22 दिसम्बर 2003 को नीपा, नई दिल्ली में कालेज के प्रिंसिपलों के लिए 'द चैलेंजिस बिफोर हायर एज्यूकेशन : द रोल आफ आटोनोमी ऐंड एकाउन्टेबिलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 23 फरवरी 2003 को एन.आई.पी.एफ.पी. में 'द ब्लैक इकोनोमी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 16 मार्च 2004 को इण्डिया हैबिटेट सेंटर में 'डिवलपमेंट जम्प बाई एड्रेसिंग द पैरलल इकोनामी' विषयक व्याख्यान दिया, अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू और जामिया मिल्लिया इस्लामिया; इंस्टीट्यूट आफ मास कम्यूनिकेशन, इंस्टीट्यूट आफ गवर्नमेंट एकाउन्ट्स ऐंड फाइनेंस, फाइनेंस मनिस्ट्री, इंटेलिजेंस ब्यूरो, कमला नेहरू कालेज, शहीद भगत सिंह कालेज, कालेज आफ वाकेशनल स्टडीज और जाकिर हुसैन कालेज में व्याख्यान दिये।
- डी.एन. राव ने 28 अगस्त 2003 को बी.एस.एफ. अकादमी, टेकनपुर, ग्वालियर, मध्य प्रदेश में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड रिसेंट डिवलपमेंट्स इन द इण्डियन इकोनामी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.एन. राव ने 14 फरवरी 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'रिसेंट डिवलपमेंट इन हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंटल इकोनामिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.एन. राव ने 25 फरवरी 2004 को भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, पूसा कैम्पस, नई दिल्ली में 'आप्टिमल फारेस्ट स्टाक फार एग्रीकल्चरल सस्टेनेबिलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रभात पटनायक ने 17 दिसम्बर 2003 को इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स में 'द इकोनामिक्स आफ ओपन इकोनामी डि--इंडस्ट्रिलाइजेशन' विषयक वी.वी. गिरी स्मारक व्याख्यान दिया।
- प्रभात पटनायक ने 4 जनवरी 2004 को आन्ध्र प्रदेश हिस्ट्री कांग्रेस के हिस्ट्रीरियोग्राफी सैक्सन में 'हिस्टोरिसिज्म ऐंड रिवोल्यूशन' विषयक अध्यक्षीय भाषण दिया।
- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 8 मार्च 2004 को सेंटर फार द सस्टेनेबल डिवलपमेंट, इरूसमस यूनिवर्सिटी, रोटरडम, नीदरलैण्ड में 'रोड इंफ्रास्ट्रक्चर ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट : केस स्टडी आफ नेशनल हाईवे डिवलपमेंट इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 5 फरवरी 2004 को अर्थशास्त्र विभाग, विश्व भारती शांतिनिकेतन में 'सोसिओ–इकोनामिक इम्पैक्ट आफ फोर लेनिंग आफ नेशनल हाइवे 2 आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- उत्सा पटनायक ने 10 और 13 फरवरी 2004 को अर्थशास्त्र विभाग, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात में 'पालिटिकल इकोनामी' विषयक छात्रों के लिए 4 व्याख्यान दिए।

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- के.आर. नायर ने 2 अक्टूबर 2003 को वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान में 'मेथड्स इन लेबर रिसर्च' विषयक पाठ्यक्रम में 'क्वालिटेटिव मेथड्स इन लेबर रिसर्च' विषयक व्याख्यान दिया।
- रितु प्रिया ने अगस्त 2003 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में 'हैल्थ बिहेवियर आफ अर्बन स्लम डवैलर्स' विषयक व्याख्यान दिया।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- जी.के. चड्ढा ने 14 से 22 अप्रैल 2003 के दौरान कोरिया फाउन्डेशन के निमंत्रण पर विभिन्न कोरियाई विश्वविद्यालयों में निम्नलिखित व्याख्यान दिए –
  1. इमर्जिंग चैलेंजिस आफ इकोनामिक डिवलपमेंट इन इण्डिया
  2. हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया – पालिसी चैलेंजिस अंडर ग्लोबलाइजेशन
- जी.के. चड्ढा ने 4 से 13 मई 2003 के दौरान 'इण्डियन इकोनामी' के विभिन्न पक्षों पर आस्ट्रेलिया में निम्नलिखित विश्वविद्यालयों में व्याख्यान दिए –
  1. यूनिवर्सिटी आफ ब्रिस्बेन, क्वींसलैण्ड
  2. यूनिवर्सिटी आफ साउथवेल्स, सिडनी
  3. आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा
- जी.के. चड्ढा ने 25 से 29 अगस्त 2003 के दौरान जेएनयू में निहोन फुकुशी विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट स्कूलिंग प्रोग्राम के प्रतिभागियों के लिए निम्नलिखित व्याख्यान दिए –
  1. एन इंट्रोडक्शन टु इण्डिया'स इकोनामी/सोसायटी
  2. इमर्जिंग इश्यूज इन इण्डिया'स इकोनोमिक डिवलपमेंट
- जी.के. चड्ढा ने 15 से 17 दिसम्बर 2003 के दौरान जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनामिक्स के 45वें वार्षिक सम्मेलन में 'वाट इज डोमिनेटिंग द इण्डियन लेबर मार्किट ? पीकाक'स फीदर्स आर फीट' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- दिपेन्द्र नाथ दास ने 9 से 10 मार्च 2004 तक घातल आर.एस. महाविद्यालय, पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल में 'रिमोट सेंसिंग ऐंड जी.आई.एस. : टेक्नीक्स ऐंड एप्लीकेशंस इन जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिए।
- अतिया किदवई ने 5 से 10 अप्रैल 2003 तक स्कूल आफ प्लानिंग ऐंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली में 'कल्चरल रीजन्स इन इण्डिया – अवध' विषयक व्याख्यान दिया।
- अतिया किदवई ने 5 से 10 अप्रैल 2003 तक स्कूल आफ प्लानिंग ऐंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली में 'द माइक्रो–लेवल डिवलपमेंट प्लानिंग मशीनरी इन इण्डिया – इंप्लिकेशंस फार हैरिटेज रीजन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अतिया किदवई ने 5 से 10 अप्रैल 2003 तक स्कूल आफ प्लानिंग ऐंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली में 'डाटा बेस फार माइक्रो लेवल रीजनल प्लानिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- अतिया किदवई ने 9 जुलाई 2003 को केंद्रीय सांख्यिकी संगठन, नई दिल्ली में 'रीजनल प्लानिंग – कंसेप्ट्स ऐंड प्रोसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अतिया किदवई ने 9 जुलाई 2003 को केंद्रीय सांख्यिकी संगठन, नई दिल्ली में 'रीजनल प्लानिंग इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

- असलम महमूद ने 12 सितम्बर 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'क्वांटिटेटिव मेथड्स इन जिआग्रोफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- असलम महमूद ने 1 जनवरी 2004 को नेशनल अकादमी फार ट्रेनिंग ऐंड रिसर्च इन सोशल सिक्यूरिटी में 'पाप्यूलेशन ग्रोथ ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- असलम महमूद ने 20 जनवरी 2004 को नेशनल अकादमी फार ट्रेनिंग ऐंड रिसर्च इन सोशल सिक्यूरिटी में 'डेमोग्राफिक चेंजिज ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन सोशल सिक्यूरिटी विद स्पेशल रिफ्रेंस टु डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुदेश नांगिया ने 22 मई 2003 को केन्द्रीय विद्यालय, बागडोगरा में प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों के लिए अनुशीलन कार्यक्रम में 'इश्यूज आफ कंसर्स आफ पाप्यूलेशन एज्यूकेशन इन स्कूल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुदेश नांगिया ने 24 मई 2003 को केन्द्रीय विद्यालय, बागडोगरा में प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों के लिए अनुशीलन कार्यक्रम में 'रोल आफ पैरेंट टीचर एसोसिएशन इन प्राइमरी एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुदेश नांगिया ने 13 से 14 नवम्बर 2003 को पाप्यूलेशन रिसर्च सेंटर, लखनऊ यूनिवर्सिटी में 'पाप्यूलेशन, हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंट, नादर्न स्टेट्स आफ इण्डिया' विषयक आई.ए.एस.पी. के सम्मेलन में भाग लिया (सह लेखक तापस बिश्वास) तथा 'पाप्यूलेशन ग्रोथ ऐंड अर्बन एनवायरनमेंट इन इण्डियन मेट्रोपालिस' (विद स्पेशल रेफ्रेंस टू दिल्ली) विषयक व्याख्यान दिया।
- सरस्वती राजू ने नवम्बर 2003 में भूगोल विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भूगोल में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'जिओग्राफी आफ जेंडर' विषयक व्याख्यान दिया।
- सरस्वती राजू ने एक्शन ऐड इंडिया, नई दिल्ली में फील्डवर्कर्स, ट्रेनिंग प्रोग्राम में 'रिसर्च मैथडोलाजी : आन सलैक्शन आफ सैम्पल डिस्ट्रिक्ट्स ऐंड विलेज्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- सरस्वती राजू ने 24 दिसम्बर 2003 को भूगोल विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में भूगोल में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'अंडरस्टैंडिंग पोस्टमाडर्निज्म इन जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- मिलाप शर्मा ने 10–11 जुलाई 2003 को डायरेक्टोरेट आफ माउन्टेनरिंग ऐंड एलाइड स्पोर्टस, बेतल, लाहौल और स्पीति में माउन्टेनरिंग में एडवांस ऐंड बेसिक कोर्स में 'ग्लेसियल प्रोसिस ऐंड लैण्डस्केप' विषयक व्याख्यान दिया।
- मिलाप शर्मा ने 26 दिसम्बर 2003 को दिल्ली विश्वविद्यालय में भूगोल में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'थीअरीज इन जिओमार्फोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. शर्मा ने नवम्बर 2003 में आई.ए.एम.आर., नरेला, दिल्ली में 'मैनपावर रिसर्च' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'रिसर्च मैथड्स इन मैनपावर प्लानिंग' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 26 अप्रैल 2003 को जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में 'ह्यूमन इकोलाजी आफ हिमालयाज' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 26 अप्रैल 2003 को जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू में 'मैथडलोजी इन जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 10 नवम्बर 2003 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट ऐंड जिओग्राफी' विषयक मुख्य भाषण दिया।
- हरजीत सिंह ने 10 नवम्बर 2003 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पुश्चर्या पाठ्यक्रम में 'मेथडोलाजिकल इश्यूज फार जिओग्राफी ऐंड डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 10 नवम्बर 2003 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पुश्चर्या पाठ्यक्रम में 'एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट इन हिल एरियाज आफ इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 12 दिसम्बर 2003 को सेंटर फार प्रोफेशनल डिवलपमेंट इन हायर एज्यूकेशन, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 'इकोलाजी ऐंड इकोसिस्टम इन जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- हरजीत सिंह ने 12 दिसम्बर 2003 को सेंटर फार प्रोफेशनल डिवलपमेंट इन हायर एज्यूकेशन, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 'चैलेंजिस आफ मेथडोलाजी इन जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।

- एस.के. थोरट ने 25 सितम्बर 2003 को फ्रेस्कटी स्टाकहोम यूनिवर्सिटी, स्वीडन में 'दलित्स इन ह्युमन राइट्स इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. थोरट ने 26 सितम्बर 2003 को सिडा, स्केवेगन 20, ला प्लाटा पैप्लान 1, स्वीडन में 'वेयर इण्डिया इज हीडिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. थोरट ने 29 सितम्बर 2003 को डैन चर्च ऐड, कोपेनहेगन, डेनमार्क में परिचर्चा की।
- एस.के. थोरट ने 29 सितम्बर 2003 को डेनिश इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमन राइट्स, कोपेनहेगन, डेनमार्क में 'ह्यूमन राइट्स' परिचर्चा की।
- एस.के. थोरट ने 30 सितम्बर 2003 को कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क में 'दलित सालिडैरिटी' विषयक परिचर्चा की।
- एस.के. थोरट ने 30 सितम्बर 2003 को इंटरनेशनल कमीशन आफ जूरिस्ट्स, कोपेनहेगन में 'सिविल राइट एक्ट फार दलित्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 14 जून 2003 को केन्द्रीय विद्यालय, विज्ञान विहार, दिल्ली द्वारा आयोजित पी.जी. शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या कोर्स में 'रिसोर्स यूज ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 27 सितम्बर 2003 को भूगोल विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में 'रिसेंट ट्रेन्ड्स इन द स्टडी आफ एग्रीकल्चरल जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 4 दिसम्बर 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 'वाटर यूज ऐंड एग्रीकल्चरल डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 13 दिसम्बर 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'थीअरिज इन एग्रीकल्चरल जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 16 दिसम्बर 2003 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में शैक्षिक प्रशासकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'मैनेजमेंट ऐंड एडमिनिस्ट्रेशन आफ हायर एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 26 अप्रैल 2003 को हमदर्द एज्यूकेशनल सोसायटी, तालिमाबाद, नई दिल्ली में 'वैल्यू सिस्टम्स फार टीचर्स आफ मदरसाज' विषयक कार्यशाला में 'वैल्यू सिस्टम इन डिफरेंट रिलिजन्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 2 दिसम्बर 2003 को दिल्ली पब्लिक स्कूल, मारूति कुंज, गुड़गांव, हरियाणा में 'कम्यूनल हार्मनी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 15 दिसम्बर 2003 को एच.ई.एस. पब्लिक स्कूल, तालिमाबाद, नई दिल्ली में 'कम्यूनल हार्मनी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 23 दिसम्बर 2003 को जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में 'कम्यूनल हार्मनी : ए प्रि–रिक्विजिट फार डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- एम.एन. पाणिनी ने 14 अप्रैल 2003 को समाजशास्त्र विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र. में 'अम्बेडकर ऐंड नेशन बिल्डिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 15 अप्रैल 2003 को बैकवर्ड ऐंड माइनार्टीज कम्यूनिटीज इम्पलाईज फेडरेशन, नई दिल्ली में 'रिलेवेंस आफ सेलिब्रेटिंग 14 अप्रैल' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 17 अप्रैल 2003 को समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ, उ.प्र. में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड सोशल चेंज इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 2 मई 2003 को इंजीनियर्स इण्डिया लिमिटेड इम्पलाइज एसोसिएशन, स्पीकर्स हाल, नई दिल्ली में 'दलितों में सकारात्मक छवि का निर्माण (कंस्ट्रक्शन आफ पाजिटिव आइडेंटिटी अमंग दलित्स)' विषयक व्याख्यान दिया।

- एम.एन. पाणिनी ने 4 मई 2003 को इण्डियन सोशल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में 'रिआर्गेनाइजेशन आफ इण्डियन सोसायटी : अम्बेडकरियन पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 4 अगस्त 2003 को इण्डियन सोशल इंस्टीट्यूट में 'कम्यूनलिज्म इन इण्डिया विद स्पेशल रेफ्रेंस टु ग्रासरूट्स' विषयक कार्यशाला में 'दलित्स ऐंड कम्यूनलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 20 सितम्बर को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरैना, मध्य प्रदेश में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड कल्चरल चेंज इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 21 सितम्बर 2003 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरैना, मध्य प्रदेश में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड सोसिओ–इकोनामिक इम्पावरमेंट आफ दलित्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 17 से 19 जुलाई 2003 तक यू.पी. सोसिओलाजिकल सोसायटी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, बैकवर्ड ऐंड माइनार्टी इम्पालाइज फेडरेशन द्वारा आयोजित 'निओ–पालिटिकल इकोनामी आफ द मार्जिनालाज्ड' विषयक संगोष्ठी में 'दलित मूवमेंट इन इण्डिया : ए पर्सपेक्टिव फ्राम बिलो' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 15 से 16 नवम्बर 2003 तक लिट्रेसी हाउस, लखनऊ में 'दलित यूथ : विद स्पेशल रिफ्रेंस आफ सोशल चेंज इन उत्तर प्रदेश' विषयक कार्यशाला में 'दलित युवाओं में नेतृत्व विकास और राजनीति' (दलित यूथ : डिवलपमेंट आफ लीडरशिप ऐंड पालिटिक्स) विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एन. पाणिनी ने 24 से 25 दिसम्बर 2003 तक हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश में बैकवर्ड ऐंड माइनॉरिटीज कम्युनिटीज एम्पलाइज फेडरेशन के 20वें वार्षिक सम्मेलन में 'रिलेवेंस आफ रिजर्वेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 27 फरवरी 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'एज्यूकेशन ऐंड सोशल चेंज : 004' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 11 दिसम्बर 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'एज्यूकेशन ऐंड माडर्नाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

  ऐहसानुल हक ने 31 अक्टूबर 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'एज्यूकेशन ऐंड सोशल चेंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 17 जुलाई 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'एज्यूकेशन, सोशल चेंज ऐंड माडर्नाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 15 मई 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'एज्यूकेशन ऐंड सोशल चेंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऐहसानुल हक ने 10 अप्रैल 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'रिसेंट ट्रेंडस इन सोसियोलाजी आफ एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 3 जून 2003 को द अमेथिस्ट में 'द प्रेक्टिस आफ फिक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने अक्टूबर 2003 में इतिहास विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'इंटर–रिलिजियस डायलाग : स्टेट ऐंड रिलिजन' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुसन विश्वनाथन ने 27 फरवरी 2004 को समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में विभागीय दिवस पर 'थिंकिंग एबाउट सोसिओलाजी ऐंड लिट्रेचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 23 जुलाई 2003 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'आइडियोलाजी ऐंड करिकुलम' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 28 अगस्त 2003 को इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ मासकम्यूनिकेशन, नई दिल्ली में 'वार, हेगेमोनी ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 13 सितम्बर 2003 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरैना, म.प्र. में 'मल्टिकल्चरलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।

- **अविजित पाठक** ने 24 सितम्बर 2003 को वी.वी. गिरी नेशनल इंस्टीट्यूट आफ लेबर, नोएडा में 'एप्रोचिज टू सोशल रिसर्च' विषयक व्याख्यान दिया।
- **अविजित पाठक** ने 9 अक्टूबर 2003 को मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल में 'साइंस क्वेश्चन इन सोशल साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 9 अक्टूबर को मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल में 'नेशनलिज्म ऐंड आइडेंटिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 3 दिसम्बर 2003 को इंस्टीट्यूट आफ होम इकोनामिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'कंस्ट्रक्शन आफ जेंडर आइडेंटिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजित पाठक ने 23 जनवरी 2004 को लेडी श्रीराम कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'यूथ कल्चर, जेंडर ऐंड सैक्सुचुअलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र एस. जोधका ने 12 मार्च 2004 को डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'कास्ट कंफ्लिक्ट इन रूरल पंजाब' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र एस. जोधका ने 15 मार्च 2004 को गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में 'द आइडिया आफ इण्डियन विलेज' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र एस. जोधका ने 15 मार्च 2004 को गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में 'कास्ट टुडे' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र एस. जोधका ने 27 फरवरी 2004 को समाजशास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'डायमेंशंस आफ रूरल सोशल चेंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र एस. जोधका ने 15 नवम्बर 2003 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में नार्थ–वेस्ट इण्डियन सोसिओलाजिकल एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में 'लोकल ऐंड द ग्लोबल : चैंजिंग विलेज' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र एस. जोधका ने 13 नवम्बर 2003 को अम्बेडकर भवन, चण्डीगढ़ में 'दलित पालिटिक्स इन कंटेम्पोरॅरि पंजाब' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र एस. जोधका ने 7 नवम्बर 2003 को इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिस, नई दिल्ली में 'कास्ट इन द पेरिफरी : दलित्स ऐंड देअर पालिटिक्स इन कंटेम्पोरॅरि पंजाब' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र एस. जोधका ने 25 अक्टूबर 2003 को बर्मिंघम विश्वविद्यालय, बर्मिंघम में 'सिखिज्म ऐंड द कास्ट क्वेश्चन' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुरेन्द्र एस. जोधका ने 5–6 मई 2003 को इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फार द आर्टस, नई दिल्ली में 'विलेज इण्डिया' विषयक कार्यशाला में 'रिविजिटिंग इण्डियन विलेज' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 4–5 फरवरी 2004 को सुरभी शोध संस्थान, वाराणसी और कौटिल्य विकास अध्ययन संस्थान, दिल्ली द्वारा वाराणसी में आयोजित 'आर्गेनिक फार्मिंग इन इण्डियन ट्रेडिशन, आर्गेनिक फार्मिंग' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 9 मार्च 2004 को कौटिल्य विकास अध्ययन संस्थान द्वारा सोनीपत, हरियाणा में 'सम्प्रदायज इन इण्डियन सिविलाइजेशन, इण्डियन सिविलाइजेशन इन ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- अमित कुमार शर्मा ने 18 से 19 मार्च 2004 को एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में 'प्रिपेरिंग एनोटेटिड बिब्लियोग्राफी फार स्कूल चिल्ड्रन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 30 से 31 अक्टूबर 2003 तक समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली में 'मिसिंग गर्ल्स इन इण्डिया : साइंस जेंडर रिलेशंस ऐंड द पालिटिकल इकोनामी आफ इमोशंस' विषय पर परिचर्चा की।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 12 से 14 फरवरी 2004 तक समाजशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में 'वुमन, डिसेबिलिटी ऐंड फेमिली इन रूरल हरियाणा, चेंजिग डाइमेंशंस आफ फेमिली इन इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- नीलिका मेहरोत्रा ने 12–14 मार्च 2004 तक एथनोग्राफिक ऐंड फोक कल्चर सोसायटी, लखनऊ में 'सोशल चेंज इन माडर्न इण्डिया' विषय पर परिचर्चा की।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 30 जनवरी 2004 को मानवविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'फेमिनिस्ट क्रिटिक्स आफ एन्थ्रोपोलाजिकल थीअरिज' विषयक व्याख्यान दिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 26–26 मार्च 2004 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'इण्डियन एंथ्रोपालिजिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'ट्राइब्स, स्टेट पालिसीज ऐंड एन जी ओ'स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'निगोसिएटिंग एथनोग्राफी विद एन जी ओ'स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- बलवीर अरोड़ा ने 25 अगस्त 2003 को विदेश सेवा संस्थान, एम.ई.ए. अकबर होटल, नई दिल्ली में 'इण्डिया'स फेडरल सिस्टम ऐंड सेंटर–स्टेट रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 26 अगस्त 2003 को जेपनीज इंटरनेशल कोआपरेशन एजेन्सी, नई दिल्ली में 'इण्डिया'स फेडरल डेमोक्रेसी : ट्रेंड्स ऐंड चैलेंजिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 15 सितम्बर 2003 को विदेश सेवा संस्थान, एम.ई.ए. अकबर होटल, नई दिल्ली में 'इंडियन कंसिटिट्यूशन ऐंड सिस्टम आफ गवर्नेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 29 अक्टूबर 2003 को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 'नेचर आफ इण्डियन फेडरेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 4 नवम्बर 2003 को ए.पी.पी.ए. – भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में 'ट्रेन्ड्स इन इंडियन फेडरलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 10 दिसम्बर 2003 को कोडावा नेशनल काउंसिल, मडिकेरी (कूर्ग) में 'प्रिजर्विंग ऐंड प्रमोटिंग कोडावा लैंग्यूवेज ऐंड कल्चरल आइडेंटिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 17 मार्च 2004 को अशोका होटल, नई दिल्ली में इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन फार फ्रेंकाफोनी द्वारा आयोजित 'फ्रेंकाफोनी' विषयक कार्यशाला में 'फ्रेंकाफोनी ऐंड डायवर्सिटी' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 15 से 17 अप्रैल 2003 को पालिटिकल स्टडीज एसोसिएशन आफ द यू.के. के 53वें वार्षिक सम्मेलन में 'डेमोक्रेसी ऐंड मल्टिकल्चरलिज्म : इज कल्चरल डायवर्सिटी एनफ ? विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 28 जनवरी 2004 को राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली में 'सेक्यूलरिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 28 दिसम्बर 2003 को इण्डिया हैबिटेट सेंटर में 'विस्काम्प' विषयक संगोष्ठी में 'जेंडर सिक्यूरिटी ऐंड ह्यूमन राइट्स' विषयक सत्र में परिचर्चाकर्ता थी।
- गुरप्रीत महाजन ने 29 जून से 2 जुलाई 2003 तक एन.ई.टी.एस.ए.पी.पी.ई. (ए मिचिगन यूनिवर्सिटी प्रोजेक्ट) बंगलौर में 'रिलिजन ऐंड द स्टेट' शीर्षक आलेख पर परिचर्चा की।
- वी. रोड्रिक्स ने 26 फरवरी 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज में 'कंटेम्पोरॅरि लिबरलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- विधु वर्मा ने 27 मार्च 2004 को समाजशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय में 'स्टेट ऐंड सिविल सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- विधु वर्मा 11 मार्च 2004 को यू.एन.डी.पी., नई दिल्ली में 'बियांड द सोशल कंट्रास्ट : कैपेबिलिटीज ग्लोबल जस्टिस ऐंड जेंडर इक्वैलिटी' विषयक मार्था नुसबाम विषयक व्याख्यान पर परिचर्चाकर्ता थी।

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- मेरी ई. जान ने 16 सितम्बर 2003 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में 'हिस्ट्री ऐंड स्कोप आफ वुमन'स स्टडीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- मेरी ई. जान ने 16 सितम्बर 2003 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में 'द रिजर्वेशंस डिबेट फार वुमन प्री–ऐंड पोस्ट – इंडिपेंडेंस' विषयक व्याख्यान दिया।

- मेरी ई. जान ने 15 दिसम्बर 2003 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस में 'वुमन'स स्टडीज' विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'फेमिनिस्ट कंसेप्ट ऐंड पालिटिकल रिजर्वेशंस फार वुमन इन हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- मेरी ई. जान ने 11 और 13 फरवरी 2004 को महिला अध्ययन और विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'फेमिनिस्ट थीअरि ऐंड प्रेक्टिस' विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'कंसेप्ट्स इन फेमिनिस्ट थीअरि ऐंड पालिटिकल रिजर्वेशन इन हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- मेरी ई. जान ने 9 फरवरी 2004 को राजनीतिक अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'जेंडर कास्ट ऐंड पालिटिक्स आफ रिजर्वेशंस इन टू सिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- रणबीर चक्रवर्ती ने 4 जनवरी 2004 को एशिया सोसायटी आफ बंगलादेश, ढाका में 52वें स्थापना दिवस पर 'बिफ्रेडिंग द बे : मैरीटाइम ट्रेड ऐंड द ईस्टर्न सीबोर्ड आफ द सब्कांटिनेंट (प्रायर टु सी.ए.डी. 1500) विषयक व्याख्यान दिया।
- रणबीर चक्रवर्ती ने 16 दिसम्बर 2003 को जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में संस्कृत में पुनश्चर्या कोर्स में व्याख्यान दिया।
- विजय रामास्वामी ने दिसम्बर 2003 में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 'इकोनामिक इश्यूज इन इण्डियन हिस्ट्री' विषयक व्याख्यान दिया।
- आदित्य मुखर्जी ने 27 अगस्त 2003 को निहोन फुकुशी विश्वविद्यालय, नगोया और जेएनयू द्वारा नई दिल्ली में आयोजित जापानी विद्वानों के लिए 'इण्डिया'स डिवलपमेंट स्ट्रेटजी ऐंड इट्स हिस्टोरिकल रूट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आदित्य मुखर्जी ने 28 अक्टूबर 2003 को नई दिल्ली में 'प्लान्ड डिवलपमेंट टु इकोनामिक रिफार्म्स पब्लिक एक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आदित्य मुखर्जी ने 2 जनवरी 2004 को नेशनल ला स्कूल आफ इण्डियन यूनिवर्सिटी, बंगलौर में 'पालिटिकल एब्यूज आफ हिस्ट्री इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आदित्य मुखर्जी ने 22 जनवरी 2004 को कलकत्ता विश्वविद्यालय, शिक्षा मंत्रालय, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा कलकत्ता में आयोजित 'सर्फोनाइजेशन आफ स्कूल एज्यूकेशन : थ्रेट्स टू डेमोक्रेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- मृदुला मुखर्जी ने 9 दिसम्बर 2003 को दौलतराम कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'कम्यूनल हारमनी : ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- मृदुला मुखर्जी ने 2 जनवरी 2004 को नेशनल ला स्कूल आफ इण्डिया, यूनिवर्सिटी बंगलौर में 'रिलिजन ऐंड नेशनलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- मृदुला मुखर्जी ने 22 जनवरी 2004 को कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता में 'वुमन'स मूवमेंट इन इण्डिया : ए हिस्टोरिकल एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- मृदुला मुखर्जी ने सितम्बर 2003 में इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'वुमन इन द नेशनल मूवमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- राधिका सिंह ने 3 नवम्बर 2003 को इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'इनड्यूरेन्स ऐंड डिवोशन : मोबिलाइजिंग कूलीज फार द ग्रेट वार' विषयक व्याख्यान दिया।
- इंदीवर कामतेकर ने 31 मार्च 2004 को कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क में 'लुकिंग बियांड फ्लेग्स : इण्डिया इन द 1940स' विषयक व्याख्यान दिया।
- बी.डी. चट्टोपाध्याय ने केर्न इंस्टीट्यूट लीडन यूनिवर्सिटी, द नीदरलैण्ड में 'कनोटेशंस आफ भारतवर्ष' विषयक व्याख्यान दिया।

- तनिका सरकार ने अक्टूबर 2003 में यूनिवर्सिटी आफ कील, यू.के. में 'विक्ड विडोज, ला ऐंड फेथ द 19टीथ सेंचुरी बंगाल' विषयक व्याख्यान दिया।
- तनिका सरकार ने फरवरी 2004 में टोकियो विश्वविद्यालय में 'राइट्स ऐंड फेथ : राइटविंग मूवमेंट इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- माजीद एच. सिद्दीकी ने 24 मार्च 2004 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'द ब्रिटिश हिस्टोरिकल कंटेक्स्ट ऐंड पिटिशनिंग इन क्लोनिअल इण्डिया' विषयक 12वां डा. एम.ए. अंसारी स्मारक व्याख्यान दिया।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- प्रणव देसाई ने 22 अक्टूबर 2003 को प्रेस्ट, यूनिवर्सिटी आफ मानचेस्टर, यू.के. में 'इंप्लिकेशंस आफ इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स/ट्रिप्स एग्रीमेंट फार द डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियां

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

दीपक कुमार, दिसम्बर 2003 से जनवरी 2004 तक के लिए यूनिवर्सिटी आफ तेहरान, शिराज ऐंड इस्फेहान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इण्डो–इरान सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के तहत विजिटिंग प्रोफेसर चुने गये।

- दीपक कुमार, 29 से 31 जनवरी 2004 तक के लिए सम्बलपुर विश्वविद्यालय में साउथ एशिया एक्शन, इण्डियन एसोसिएशन आफ एशियन ऐंड पेस्फिक स्टडीज, द्वितीय द्विवार्षिक सम्मेलन के अध्यक्ष चुने गये।
- ध्रुव रैना, सितम्बर 2003 में ए रायल सोसायटी आफ साइंस, लंदन ऐंड इण्डियन नेशनल साइंस अकादमी के विनिमय कार्यक्रम के तहत स्कूल आफ ओरिएन्टल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज लन्दन : नीडहम रिसर्च इंस्टीट्यूट केम्ब्रिज ऐंड डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री ऐंड फिलास्फी आफ साइंस, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में एक माह की अवधि के लिए अध्येतावृत्ति पर रहे।
- ध्रुव रैना को मार्च 2004 में अमेरिकन एसोसिएशन आफ एशियन स्टडीज की ट्रेवल फेलोशिप प्राप्त हुई।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- एम.एन. पाणिनी 2004 में वर्ल्ड कल्चर : जर्नल आफ कम्पैरटिव ऐंड क्रास कल्चरल रिसर्च यॉर्क कालेज कन्नी के अन्तर्राष्ट्रीय सम्पादक बनाए गए।
- एम.एन. पाणिनी 2004 के लिए विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम, सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू के समन्वयक बनाए गए।
- आनन्द कुमार (20 से 22 फरवरी 2004) सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में 'ग्लोबल क्वेस्ट फार पार्टिसिपेट्री डेमोक्रेसी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक बने।
- सुसन विश्वनाथन सलाहकार, सेंटर फार एडवोकेसी ऐंड रिसर्च, अभिशिक्तानंदा सोसायटी, इंडिया फाउंडेशन फार द आर्ट्स, जापान फाउंडेशन, ब्रिटिश काउंसिल।
- रेणुका सिंह जून 2003 में एम.एस.एच. पेरिस में विजिटिंग स्कालर चुनी गई।
- विवेक कुमार को 2003–04 के लिए डा. राजेन्द्र प्रसाद पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- विवेक कुमार 14 जुलाई से 8 अगस्त 2003 तक समाजशास्त्र में 25वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के समन्वयक चुने गए।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- विजय रामास्वामी दिसम्बर 2003 में मिडिवल इण्डिया सैक्शन', मैसूर, विषयक इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस के 64वें सत्र के अध्यक्ष चुने गए।
- तनिका सरकार को 2001 में दिल्ली में 2004 के लिए 'हिन्दू वाइफ, हिन्दू नेशन' विषयक उनकी पुस्तक के लिए पश्चिम बंगाल सरकार का रविन्द्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- **करूणा चानना**, सदस्य, शासी निकाय, लेडी इरविन कालेज आफ होम साइंस, नई दिल्ली, मई 2003–2004; सदस्य, रीजनल साइंटिफिक कमेटी फार एशिया ऐंड द पेस्फिक, यूनेस्को फोरम आन हायर एज्यूकेशन रिसर्च ऐंड नालेज, यूनेस्को, पेरिस, 2003–05; सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रक्षिक्षण परिषद, दिल्ली; सदस्य, शोध सलाहकार समिति, डिस्ट्रिक्ट इंस्टीट्यूट फार एज्यूकेशनल ट्रेनिंग, मोती बाग, नई दिल्ली; सदस्य, विशेषज्ञ ग्रुप – द डिवलपमेंट आफ फ्रेमवर्क आफ फाउन्डेशन कोर्सिस फार प्रि–सर्विस टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम ऐट सेकण्ड्री लेवल, एन.सी.ई.आर.टी. दिल्ली; सदस्य, इग्नू में समाजशास्त्र में एम.ए. पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए कोर ग्रुप; सदस्य, कमेटी टु आइडेंटिटी एरियाज/थीम्स फार द नेशनल वर्कशाप टु इवोल्व रिसर्च डिजाइन्स इन प्राइआरिटी एरियाज लीडिंग टु मल्टिसेंट्रिक स्टडीज, एन.सी.ई.आर.टी. दिल्ली।
- **बिनोद खादरिया**, उपाध्यक्ष (साउथ एशिया), एशिया पेस्फिक माइग्रेशन रिसर्च नेटवर्क द्वारा नामित, 5वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फिजी, 2002; रीजनल (कन्ट्री) कोआर्डिनेटर फार इण्डिया, एशिया पेस्फिक माइग्रेशन रिसर्च नेटवर्क, यूनेस्को – मोस्ट प्रोग्राम के तहत, बोलोंगगोंग विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया में सचिवालय के साथ 2001; सदस्य, अन्तर्राष्ट्रीय सलाहकार पैनल, 'ब्रेन ड्रेन' डोजियर, इंटरनेशनल गवर्निंग बोर्ड, द वेवसाइट आफ टु जर्नल्स : नेचर ऐंड साइंस और थर्ड वर्ल्ड अकादमी आफ साइंसिस, 2002; सदस्य, इंटरनेशनल ग्रुप फार कलक्टिव एक्स्पर्ट रिव्यू आफ साइंटिफिक डाइस्पोरास, इंस्टीट्यूट आफ रिसर्च फार डिवलपमेंट, पेरिस, फ्रांस, 2002; सदस्य, असेसमेंट ऐंड एक्रिडिटेशन कमेटी, रिहैबिलटेशन काउंसिल आफ इण्डिया, (ए स्टेचुअरी बाडी अंडर द मिनिस्ट्री आफ सोशल जस्टिस ऐंड इंपावरमेंट, गवर्नमेंट आफ इण्डिया) 2001; सदस्य, शासी निकाय, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, 2001–04; सदस्य, पाठ्यचर्या समिति, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 2001; सदस्य, अध्ययन मण्डल, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, 1999 से; सदस्य, सलाहकार समिति, एक्जिम बैंक लाइब्रेरी इन इकोनामिक्स, जेएनयू 1996 से; सदस्य, यू.जी.सी. कमेटी फार डिटर्मिनेशन आफ एडमिशंस ऐंड फीस ऐंड प्राइवेट अनऐडिड प्रोफेशनल्स कालेज्स इन द यूनियन टेरिटरी आफ पांडिचेरी, 2002 से; सदस्य, आमसभा, राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, ओलतपुर, उड़ीसा, 2002 से; अस्थाई सलाहकार, वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाइजेशन, फार स्किल्ड हैल्थ पर्शनल माइग्रेशन पालिसी इन द पेस्फिक रीजन, 2003 से।
- **दीपक कुमार**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2002–04; सदस्य, अध्ययन मण्डल इतिहास विभाग, कुमांयु विश्वविद्यालय, 2002–04; सदस्य, अध्ययन मण्डल, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2003–04; सदस्य, अध्ययन मण्डल, इतिहास विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2004–06; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, जर्नल आफ कम्पेरिटिव टेक्नोलाजी ट्रांस्फर, मिचिगन, यू.एस.ए.।
- **अजीत कुमार मोहन्ती**, सदस्य सलाहकार मण्डल, सेंटर फार मल्टिपल लैंग्यूवेजिस ऐंड लिट्रेसीज, टीचर्स कालेज, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यू.एस.ए; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल आफ मल्टिलिंग्विज्म, मल्टिलिंग्वल मैटर्स, क्लीवडन, यू.के.; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, मनोविज्ञान में पाठ्यपुस्तक, एन.सी.ई.आर.टी; सदस्य, करिकुलम कमेटी फार साइकोलाजी, नेशनल इंस्टीटयूट आफ ओपन स्कूलिंग; सलाहकार सम्पादक, साइकोलाजी ऐंड डिवलपिंग सोसायटीज, सेज पब्लिकेशंस; सलाहकार सम्पादक, साइकोलाजिकल स्टडीज; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, मनोविज्ञान में पाठ्यपुस्तक, एन.आई.ओ.एस; विशेष अतिथि, ई.आर.आई.सी., एन.सी.ई.आर.टी; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, मनोविज्ञान में शोध का 5वां सर्वे, आई.सी.एस.एस.आर.; संयोजक, वर्किंग ग्रुप, करिकुलम कंटेंट ऐंड प्रोसिस आफ एज्यूकेशन, टॉस्क फोर्स, इम्प्रूवमेंट इन एज्यूकेशन, नीपा/एम.एच.आर.डी.।
- **गीता बी. नाम्बिसन**, सदस्य, कार्य परिषद, अंकुर सोसायटी फार अल्टरनेटिव्स इन एज्यूकेशन, नई दिल्ली; सदस्य, परियोजना सलाककार समिति, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, मोतीबाग (राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के तहत) नई दिल्ली; सदस्य एडिटोरियल कलेक्टिव आफ द जर्नल कंटेम्पोरॅरि एज्यूकेशन डायलाग।
- **ध्रुव रैना**, सम्पादकीय बोर्ड, 'वेस्ट' समाज विज्ञान अध्ययन की पत्रिका, गोटेबोर्ज विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा प्रकाशित; सदस्य, इण्डियन नेशनल कमीशन फार द हिस्ट्री आफ साइंस, इण्डियन नेशनल साइंस अकादमी।

– मिनाती पण्डा, सदस्य, नेशनल अकादमी आफ साइकोलाजी; सदस्य एसोसिएशन आफ क्लिनिकल साइकोलाजिस्ट्स।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

– वी.वी. कृष्णा, सम्पादक, साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी – एन इंटरनेशनल जर्नल डिवोटिड टु द डिवलपिंग वर्ल्ड; सदस्य, क्लस्टर डिवलपमेंट पर कार्यदल, यूनिडो, नई दिल्ली।

ए. पार्थासारथी, सदस्य, अन्तर्राष्ट्रीय शासी मण्डल, दक्षिण केंद्र, जिनेवा; सदस्य, निदेशक मण्डल, टवेन्टीफर्स्ट सेंचुरी बैटरी लिमिटेड, चण्डीगढ़; सदस्य, निदेशक मण्डल, टर्बोटेक प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड, बंगलौर; सदस्य, सलाहकार समिति, एज्यूकेशनल ऐंड कल्चरल एक्टिविटीज, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली; सदस्य, कार्यक्रम योजना सलाहकार समूह, एस. ऐंड टी; आफ द इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली; सदस्य, शासी निकाय, द स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट ग्रुप, नई दिल्ली

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

– इमराना कादिर, सदस्य, विशेषज्ञ सलाहकार समूह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, बिहार में कार्यक्रमों को कार्यान्वित और मानिटर करना, दिल्ली सोसायटी फार प्रमोशन आफ रेशनल यूज आफ ड्रग्स, नई दिल्ली; सदस्य, विद्या परिषद, जामिया हमदर्द, (हमदर्द विश्वविद्यालय), नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, रिसर्च ऐंड पब्लिक हैल्थ, काउंसिल आफ सोशल डिवलपमेंट, सदस्य, सलाहकार समिति।

– मोहन राव, सदस्य, राष्ट्रीय संचालन समिति, इण्डो–डच प्रोजेक्ट इन अल्टरनेटिव्स इन डिवलपमेंट; सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, इण्डियन जर्नल आफ जेंडर स्टडीज; सदस्य नेशनल लेवल रिसोर्स कमेटी, डिपार्टमेंट आफ फैमिली वैलफेयर, गवर्नमेंट आफ इण्डिया

– रागा बारू, सदस्य, तकनीकी सलाहकार समूह, लिम्फेटिक फ्लेरिआसिस, वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाइजेशन, जिनेवा; सदस्य, राष्ट्रीय संसाधन समूह, महिला समख्या कार्यक्रम, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य सलाहकार समिति, राष्ट्रीय महिला समख्या और बालिका शिक्षा संसाधन केंद्र, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, प्रारम्भिक शिक्षा और साक्षरता विभाग; सदस्य, सलाहकार समिति, लिम्फेटिक फ्लेरिआसिस, चर्चेस आक्जिलरी फार सोशल एक्शन; सदस्य शोध सलाहकार समूह, सामाजिक विज्ञान, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।

– रितु प्रिया, सदस्य, सलाहकार समिति, तकनीकी सलाहकार समूह, प्रिवेंशन आफ एच.आई.वी./एड्स इन द वर्कप्लेस आफ द नेशनल एड्स कंट्रोल आर्गेनाइजेशन; सदस्य, कोर ग्रुप, स्टडी प्रोग्राम फार ए पब्लिक रिपोर्ट आन हैल्थ, आई.डी.आर.सी. द्वारा वित्तपोषित, सामाजिक विकास परिषद पर आधारित; सदस्य, मेडिको फ्रेन्ड सर्कल की कार्य समिति।

– राजीब दासगुप्ता, मूल्यांकर समिति, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, भारत सरकार।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

– दिपेन्द्र नाथ दास, सदस्य, अध्ययन मण्डल, पी.जी. और यू.जी. अध्ययन मण्डल, विद्यासागर विश्विद्यालय, मिदनापुर; पश्चिम बंगाल।

– एन.सी. जेना, सदस्य, प्रकाशन समिति, सामाजिक विज्ञान की शोध पत्रिका, जलगांव, महाराष्ट्र।

– अतिया किदवई, एसोसिएट फेलो, द इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर्स – इण्डिया; कार्यकारी सदस्य, अर्बन हिस्ट्री एसोसिएशन आफ इण्डिया; परियोजना सलाहकार समिति, द इग्नू वर्ल्ड बैंक रिहैबिलिटेशन ऐंड रिसेटलमेंट प्रोजेक्ट, सदस्य, अध्ययन समूह, रीजनल लैण्डयूज, नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड, नई दिल्ली; सदस्य, कमेटी फार डाक्टरल प्रोग्राम्स, स्कूल आफ प्लानिंग ऐंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली; सदस्य पाठ्यक्रम और परीक्षा के लिए गठित समिति, भारतीय वास्तुकला परिषद।

– पी.एम. कुलकर्णी, सदस्य, विद्या परिषद, अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुम्बई; सदस्य सम्पादकीय मण्डल, डेमोग्राफी इण्डिया।

- **अमिताभ कुण्डु**, अध्यक्ष, सलाहकार मण्डल, 58थ राउन्ड आफ एन.एस.एस., भारत सरकार; अध्यक्ष, तकनीकी संचालन समिति, नेचुरल रिसोर्स एकांउंटिंग; सदस्य, समिति, इंप्लायमेंट जेनरेशन (एस.पी. गुप्ता समिति); सदस्य कार्यदल, इंप्लायमेंट स्ट्रेटजीस ऐंड इंप्लायमेंट मानिटरिंग ऐट स्टेट लेवल; सदस्य विजन 2020 विशेषज्ञ समिति, योजना आयोग, सम्पादक, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान की पत्रिका; सम्पादक, मैनपावर जर्नल।
- **सुधेश नागिया**, सदस्य अध्ययन मण्डल (भूगोल), महाराजा श्याजी राव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, बड़ोदरा (2002–05); सदस्य, अध्ययन मण्डल (पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर), भूगोल, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, (2003–05); सदस्य, अध्ययन मण्डल, (भूगोल), एम.एस. विद्यालय, उदयपुर (2003–2005); अध्यक्ष इण्डियन एसोसिएशन फार स्टडीज आफ पाप्यूलेशन (2002–04); सदस्य, कार्यदल, सोशल ऐंड बिहेवियरल रिसर्च, आई.सी.एम.आर.; सदस्य विद्या परिषद, अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या संस्थान; सदस्य, (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नामिती); कार्य परिषद, बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान; अध्यक्ष, (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नामिती), उच्च अध्ययन संस्थान, 'टेरी', दिल्ली; सदस्य, इंस्टीट्यूट'स सलेक्शन, असेसमेंट ऐंड प्रमोशन कमेटी, वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इण्डिया, देहरादून; सदस्य, शासी परिषद, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एज्यूकेशन प्लानर्स ऐंड एडमिनिस्टर्स; विजिटर्स नामिनी, द कोर्ट आन सेंट्रल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद।
- एम.एच. **कुरेशी**, सदस्य, विद्या परिषद, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 1999 से जारी; सदस्य, पुनर्वास और पुनर्स्थापना उप ग्रुप, नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण, भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, 2001 से; सदस्य, शोध उपाधि समिति, विज्ञान संकाय, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू 2003 से ...।
- **सरस्वती राजू**, सम्पादकीय मण्डल, एन्टिपोड, यू.के.; सम्पादकीय मण्डल, एनल्स आफ एसोसिएशन आफ अमेरिकन जिओग्राफर्स, यू.एस.ए.; अध्ययन मण्डल, जिओफोरम, इंग्लैण्ड; सम्पादकीय मण्डल, सामाजिक विज्ञान की पत्रिका, नई दिल्ली; डी.एस.ए. वर्किंग पेपर सीरीज, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली; शोध सलाहकार समिति, भारत सरकार/यूनिफेम, नई दिल्ली।
- **मिलाप शर्मा**, सदस्य, इंटरनेशनल क्वाटरनरी एसोसिएशन टास्क टीम आन द माउन्टेन ग्लेसियर्स : टाइमिंग ऐंड क्रोनोलाजी।
- हरजीत **सिंह**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, पर्यावरण और मानव विज्ञान संस्थान, नेहू, शिलांग; सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मण्डल, सामाजिक विज्ञान जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू; सदस्य, पी–एच.डी. मण्डल, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला; सदस्य, स्थाई समिति, इंटरनेशनल सोसायटी फार लद्दाख स्टडीज, ब्रिस्टल (यू.के.), फैलो, इण्डियन सोसायटी फार ह्यूमन इकोलाजी; सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मण्डल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला; सदस्य, आई.सी.एस.एस.आर. रीजनल सेंटर एडवाइजरी कमेटी।
- सच्चिदानन्द **सिन्हा**, सदस्य, सलाहकार मण्डल, लैण्ड ऐंड पीपल सीरीज, एन.बी.टी., नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली; सदस्य भारतीय नदियों के बहाव की समस्या के संबंध में गठित समिति, भारत सरकार, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली।
- **सरस्वती राजू**, सदस्य, नीति सलाहकार प्रकोष्ठ, योजना आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार; सदस्य, राष्ट्रीय संचालन समिति, पार्टिसिपेट्री पावर्टी असेसमेंट, एशियन डिवलपमेंट बैंक, भारत सरकार; सदस्य, संचालन समिति, रूरल पावर्टी, वाटरशेड्स, डिसेंट्रेलाइजेशन ऐंड रूरल डिवलपमेंट, टेन्थ प्लान, (योजना आयोग); सदस्य, वर्किंग ग्रुप, एन्टी पावर्टी प्रोग्राम्स, टेन्थ प्लान, (योजना आयोग); सदस्य, वर्किंग ग्रुप, मानिटरिंग और मूल्यांकन, दसवीं योजना, (योजना आयोग); सदस्य वर्किंग ग्रुप, एग्रीकल्चर, डिमांड ऐंड सप्लाई प्रोजेक्शंस, दसवीं योजना (योजना आयोग), सदस्य सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, एग्रेरियन चेंज की पत्रिका; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स।
- एस.के. **थोरट**, सदस्य, प्रसिद्ध शिक्षाविद/शोधार्थी यूजर्स ग्रुप, एन.एस.एस.ओ., सी.एस.ओ., दिल्ली; सदस्य, इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, दिल्ली; सदस्य, अमेरिकन जर्नल आफ इण्डियन स्टडीज, हैदराबाद; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, दलित इंटरनेशनल न्यूज लैटर, वालफोर्ड, यू.एस.ए.; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, फोर्थ वर्ल्ड' जर्नल 'निस्वास', भुवनेश्वर; सदस्य पोलिश अलुमनी एसोसिएशन, दिल्ली; सदस्य शासी निकाय, प्रबन्धन निकाय और विद्या परिषद, अम्बेडकर रिसर्च इंटीट्यूट आफ सोशल साइंसिस, महू, इन्दौर; सदस्य,

शोध सलाहकार समिति (अर्थशास्त्र), बम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई; सदस्य, ग्रुप आन रूरल पावर्टी फार 10थ प्लान, प्लानिंग कमेटी; सदस्य, प्रबन्धन मण्डल, ओरिएन्टल इन्श्योरेन्स बैंक, दिल्ली; सदस्य, शोध सलाहकार मण्डल, बम्बई विश्वविद्यालय; सदस्य, विद्या परिषद, डा. बाबा साहेब अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- एम.एन. पाणिनी, सदस्य, शोध सलाहकार परिषद, इंटरनेशनल सेंटर फार पीस स्टडीज, 2004
- विवेक कुमार, सदस्य, सम्पादकीय समिति, जर्नल आफ दलित स्टडीज, नई दिल्ली; सदस्य, एथनोग्राफिक ऐंड फोक कल्चर सोसायटी, लखनऊ, सदस्य, उत्तर प्रदेश समाजशास्त्र परिषद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- बलवीर अरोड़ा, सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, इण्डियन जर्नल आफ फेडरल स्टडीज, नई दिल्ली; सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मंडल, जर्नल आफ द भंडारनायके सेंटर फार इंटरनेशनल स्टडीज, कोलम्बो, श्रीलंका; सदस्य एडवाइजरी कांउंसिल ऐंड प्रोग्राम प्लानिंग एडवाइजरी ग्रुप, पालिटिक्स ऐंड गवर्नेंस, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली।
- गुरप्रीत महाजन, सदस्य, 'विस्काम्प' के लिए गठित फैलोशिप समिति, वुमन इन सिक्यूरिटी कंफ्लिक्ट ऐंड पीस विषयक परियोजना 2003 और 2004; सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग, राजनीति विज्ञान विषयक समिति, 2003–04
- वी. रोड्रिग्स, सदस्य, कला संकाय, मैसूर विश्वविद्यालय, 2003–04; सदस्य, अध्ययन मण्डल (समाजशास्त्र), गोवा विश्वविद्यालय, 2003–04; सदस्य, अध्ययन मण्डल, राजनीति विज्ञान, मैसूर विश्वविद्यालय, 2003–04; सदस्य अध्ययन मण्डल, राजनीति विज्ञान, बंगलौर विश्वविद्यालय, 2002–04; सदस्य अध्ययन मण्डल, विकास अध्ययन, हम्पी विश्वविद्यालय, 2002–04; सदस्य, विद्या परिषद, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, 2003–05; पीर ग्रुप रिव्यू कमेटी, संस्कृति और समाज अध्ययन केंद्र, बंगलौर, 2004; सदस्य, अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति मण्डल, सी.एस.डी.एस., नई दिल्ली, 2004; समन्वयक, दलित मूवमेंट इन कर्नाटक विषयक संगोष्ठी, 2004; संयोजक, प्रवेश परीक्षा, सी.पी.एस., जून 2004
- विधु वर्मा, सी.पी.एस., पुस्तकालय के प्रतिनिधि, 2003–04; संयोजक, डेमोक्रेसी ऐंड कल्चरल नेशनलिज्म फार द सी.पी.एस. पर संचालन समिति, कल्चरल नेशनलिज्म ऐंड इण्डियन डेमोक्रेसी विषयक सम्मेलन, 17 से 18 मार्च 2004; संयोजक, एम.फिल. सेमिनार कोर्स, शीतकालीन सत्र 2004; सदस्य, प्रारम्भिक चयन समिति, इनलाक्स स्लाकरशिप, 2004।
- राहुल मुखर्जी, सदस्य, राष्ट्रीय स्क्रिनिंग कमेटी, द फुलब्राइट विजिटिंग लैक्चर ग्रान्ट्स, यूनाइटिड स्टेट्स एज्यूकेशन फाउन्डेशन इन इण्डिया, नई दिल्ली।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- रणबीर चक्रवर्ती, सदस्य, सम्पादक मण्डल, जर्नल आफ इण्डो–जुडैइक स्टडीज (सं. नाथन काट्ज और बी. एम. शिप्रा, कनाडा से प्रकाशित)।
- दिलबाग सिंह, सदस्य, आई.सी.एच.आर., नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, इतिहास, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, सदस्य, अध्ययन मण्डल, बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर, सदस्य, अध्ययन मण्डल, बनस्थली विद्यापीठ, बनस्थली, सदस्य, अध्ययन मण्डल, डी.डी.यू. आफ गोरखपुर, गारेखपुर, सदस्य, अध्ययन मण्डल, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।
- इंदिवर कामतेकर, सदस्य, भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख आयोग।
- एच.पी. रे, सदस्य, सम्पादकीय समिति, इंटरनेशनल जर्नल आफ मैरिटाइम हिस्ट्री।
- मृदुला मुखर्जी, सदस्य कार्यकारी समिति, इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस, 2003–04, 2004–05; सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार समिति, एम.वी. फाउन्डेशन हैदराबाद, मैग्सेसे पुरस्कार विजेता प्रो. शांता सिन्हा द्वारा संचालित।
- राधिका सिंह, सदस्य, सलाहकार मण्डल, द जर्नल क्राइम हिस्ट्री ऐंड सोसायटी, सी.ई.एस.डी.आई.पी., पेरिस (प्रधान सम्पादक प्रो. रेनी लेवी)

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट आधुनिक भारत में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक शोध और दस्तावेजों के प्रकाशन में संलग्न है। यह समय–समय पर शैक्षिक अभिरूचि के विभिन्न विषयों पर चुने हुए दस्तावेज प्रकाशित करती है। इसी क्रम में यूनिट ने पिछले वर्ष 'वुमन्स एज्यूकेशन इन इण्डिया : ए कलेक्शन आफ डाक्यूमेंट्स 1850–1920' प्रकाशित किया। यूनिट ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 'एज्यूकेटिंग द नेशन : डाक्यूमेंट्स आन द डिस्कोर्स आफ नेशनल एज्यूकेशन इन इण्डिया 1880–1920' विषयक दस्तावेज प्रकाशित किया।

वर्तमान में प्रकाशित इस भाग में 467 पृष्ट हैं और इसमें आधुनिक भारत के राष्ट्रवादी शिक्षाविदों के विचारों से संबंधित 188 संपादित दस्तावेज शामिल हैं। दस्तावेज 10 अनुभागों में व्यवस्थित हैं और विशिष्ट स्तरीय उपसंहार है। यह पुस्तक यूनिट के शोध दल के अथक प्रयासों का परिणाम है। इस शोध दल में शामिल हैं : प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य, मानद निदेशक, डा. जोसफ बारा, सम्पादक और डॉ. चिन्नाराव यागाती, शोध अधिकारी, जो इस भाग के सम्पादक भी हैं। ज.ने.वि. के कुलाधिपति डॉ. करण सिंह ने 29 अक्टूबर, 2003 को एक छोटे से समारोह में इस पुस्तक का विमोचन किया। इस समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. जी.के. चड्ढा ने की।

यूनिट इस समय 'टेक्नीकल एज्यूकेशन इन इंडिया 1847–1930' विषयक परियोजना पर कार्य कर रही है। इसने राष्ट्रीय शिक्षा पर दूसरे भाग जिसका अस्थाई शीर्षक 'डिसाइडिंग द डेस्टिनी आफ नेशन : एज्यूकेशनल आइडियाज आफ द इंडियन नेशनलिस्ट्स 1920–47' है, पर कार्य शुरू किया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शिक्षकों ने निम्नलिखित संगोष्ठियों में भाग लिया :

- जोसफ बारा ने 24 अक्टूबर 2003 को समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'सरदारी लराई ऐंड द ट्राइबल वॉयस इन लेट नाइनटींथ सेंचुरी छोटा नागपुर' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- जोसफ बारा ने 18 से 21 दिसम्बर 2003 तक सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलिजन इन इंडिक सिविलाइजेशन' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'क्रिश्चियनिटी ऐंड द ट्राइब्स आफ छोटानागपुर 1845–1890' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- चिन्ना राव यागाती ने 23–24 अक्टूबर 2003 को डॉ. अम्बेडकर चेयर, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'इक्वल अपरच्युनिटीज, अफरमेटिव एक्शन ऐंड द शिड्युल्ड कास्ट्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'शिफ्टिंग साइस : नियो–रिजर्वेशन मूवमेंट आफ आन्ध्र दलित्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- चिन्ना राव यागाती ने 3–4 जनवरी, 2004 को आन्ध्र लोयला महाविद्यालय, विजयवाड़ा में आयोजित 'द कंट्रीब्यूशंस मेड बाई क्रिश्चिएनिटी फार द डिवलपमेंट आफ आन्ध्र प्रदेश (28वां सत्र) में भाग लिया तथा 'राइटिंग दलित हिस्ट्री : ए नोट आन मिशनरी सॉर्सिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- चिन्ना राव यागाती ने 11–12 मार्च 2004 को इतिहास विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित 'रिट्राइविंग द पास्ट : द हिस्ट्री ऐंड कल्चर आफ तेलंगाना' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'फ्राम फाउंडेशन टु टरमॉयल : दलित्स मूवमेंट्स इन हैदराबाद, 1906–1946' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

- जोसफ बारा, (संयुक्त रूप से संपादित), एज्यूकेटिंग द नेशन : डाक्यूमेंट्स आन द डिस्कोर्स आफ नेशनल एज्यूकेशन इन इंडिया 1880–1920', कनिष्का प्रकाशक, नई दिल्ली, 2003
- चिन्ना राव यागाती, दलित्स स्ट्रगल फार आइडेंटिटी : आन्ध्रा ऐंड हैदराबाद, 1900–19650', कनिष्का प्रकाशक, नई दिल्ली, 2003
- चिन्ना राव यागाती, दलित स्टडीज : ए बिबलियोग्राफिकल हैंडबुक, कनिष्का प्रकाशक, नई दिल्ली, 200
- चिन्ना राव यागाती,, (संयुक्त रूप से संपादित) एज्यूकेटिंग द नेशन : डाक्यूमेंट्स आन द डिस्कोर्स आफ नेशनल एज्यूकेशन इन इंडिया, 1880–1920', कनिष्का प्रकाशक, नई दिल्ली, 2003
- चिन्ना राव यागाती, राइज ऐंड ग्रोथ आफ दलित मूवमेंट इन आन्ध्रा, 1906–1946, इंडियन सोशल साइंस रिव्यू, भाग 5, अंक 1 – (2003)

दर्शनशास्त्र केंद्र

केंद्र ने सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू करने सम्बन्धी अपने निर्णय की घोषणा कर दी है और इस शोध पाठ्यक्रम में छात्रों को प्रवेश आगामी शैक्षिक वर्ष से दिया जाएगा। इसी दौरान केंद्र एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रहा है। इस पाठ्यक्रम के वर्ष 2005 से शुरू होने की संभावना है।

अपने शैक्षिक कार्यक्रम के अन्तर्गत केंद्र ने 'नालेज ऐंड ट्रेडिशन : द केस आफ इण्डियन फिलास्फी' विषय पर एक व्याख्यानमाला आयोजित की। इस व्याख्यानमाला का पहला व्याख्यान 25 मार्च 2004 को मार्गेट चटर्जी ने दिया। अब केंद्र मानसून सत्र 2004 में दो कार्यशालएं आयोजित करने की योजना बना रहा है। इनके विषय हैं – (क) फिलास्फी आफ कनसाइंस ऐंड काग्निटिव साइंसिस' तथा (ख) फिलास्फी आफ लैंग्यूवेज।

समसामयिक भारतीय इतिहास पर अभिलेखागार

समसामयिक भारतीय इतिहास पर अभिलेखागार की स्थापना जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी समिति के निर्णय के अनुसार 1 दिसम्बर 1970 को सामाजिक विज्ञान संस्थान के एक भाग के रूप में हुई थी। यह अभिलेखागार भारत में हुए वामपंथी एवं राष्ट्रीय आंदोलन तथा अन्य महत्वपूर्ण आंदोलनों से संबंधित सामग्री का एक भण्डार है। स्वर्गीय पी.सी. जोशी के व्यक्तिगत संग्रहों से शुरू किए गए इस अभिलेखागार में विभिन्न स्रोतों से अब तक पर्याप्त मात्रा में सामग्री एकत्रित की गई है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान ज.ने.वि. और ज.ने.वि के बाहर 139 शोधार्थियों ने अपने शोध शीर्षकों पर अभिलेखागार में उपलब्ध सामग्री और माइक्रोफिल्म रीडर प्रिंटर का उपयोग किया। अभिलेखागार अपने संग्रहों को डिजिटल बनाने की योजना बना रहा है तथा इसके लिए आवश्यक अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है।

10. जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से 'फिस्ट' कार्यक्रम के अन्तर्गत 90 लाख रूपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। इस अनुदान राशि से 'प्रोटीन प्यूरिफिकेशन' सुविधा की स्थापना की जा रही है। लगभग 30 लाख रूपये के उपकरणों की खरीद करने का आदेश कर दिया है।इन उपकरणों के उपलब्ध हो जाने पर केंद्र की शोध क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि हो जाएगी। केंद्र को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) योजना के अन्तर्गत आयोग से 30.3 लाख रूपये की अनुदान राशि भी मिली है। इससे हमारी शोध क्षमता में और अधिक वृद्धि होगी। केंद्र के शिक्षक प्रतिरक्षा विज्ञान, संक्रामक रोगों का अणु जीव–विज्ञान, अणु जीव–विज्ञान और आनुवांशिकी इंजीनियरी, ट्रांसक्रिप्शन कंट्रोल और जीन रेग्यूलेशन, जीव भौतिकीय रसायन, पुनर्योजन प्रोटीन उत्पादन का इष्टतमीकरण, संरचनात्मक जीव–विज्ञान, अणु जैव–सूचना–विज्ञान और जीव रसायनिक इंजीनियरी के क्षेत्रों में शोध कर रहे हैं। 'फिस्ट' और 'एसएपी' के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान से केंद्र की शोध गतिविधियों को सहायता मिलेगी। केंद्र अपने शिक्षण कार्यक्रम में निरन्तर नये कोर्सों को जोड़ रहा है। इस प्रकार केंद्र का शिक्षण कार्यक्रम पूरे देश में सर्वोत्तम माना जाता है। केंद्र ने जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से भी 15 लाख की अनुदान राशि प्राप्त की है। यह अनुदान राशि उन संस्थानों के शिक्षकों के लिए 3–वर्षीय पुनश्चर्या कोर्स चलाने के लिए प्राप्त हुई है, जहां एम.एस–सी. (जैव–प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

केंद्र का पी–एच.डी. पाठ्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। केंद्र को शोध कार्यक्रम के लिए 3.5 करोड़ (2002–05) रूपये की एक्स्ट्रामुरल अनुदान राशि प्राप्त हुई है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र ने निम्नलिखित संगोष्ठियां आयोजित कीं –

1. डा. पंकज गुप्ता, डिपार्टमेंट आफ बायोलाजिकल साइंस, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यू.एस.ए. ने 21 अप्रैल 2003 को केंद्र में 'ए.टी.एफ.आई. फासफोरिलेशन बाई ई.आर.के.एम.ए.पी.के. पाथवे इज रिक्वाअर्ड फार एपिडर्मल ग्रोथ फेक्टर इंड्यूस्ड सी–जुन एक्सप्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
2. आर.एफ. मेलुकुनल, एस.जे. होली क्रास हैल्थ सेंटर, सीतापहर, झारखंड, ने 25 अगस्त 2003 को केंद्र में 'हर्बल आल्टरनेटिव फार टुबरकुलोसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
3. प्रो. रूप लाल, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने 17 सितम्बर 2003 को केंद्र में 'प्राब्लम पोज्ड बाई पेप्टिसाइड रेसिडयूज इन इण्डिया ऐंड नीड फार डिवलपिंग बायोरेमिडिएशन टेक्नोलाजीज' विषयक व्याख्यान दिया।
4. प्रो. अशोक के. सलूजा, डिपार्टमेंट आफ पेथोलाजी, यूनिवर्सिटी मेसाचुसेट्स, मैडिकल स्कूल, वोरसेस्टर, यू.एस. ने केंद्र में 2 दिसम्बर 2003 को 'पेथोफिजियोलाजी आफ पेनक्रिएटिटिज' विषयक व्याख्यान दिया।
5. प्रो. संतोष के. कार ने 13–15 फरवरी 2004 को 'मोलिक्युलर इम्युनोलाजी फोरम की बैठक आयोजित की, जिसमें देश भर के सुप्रसिद्ध 35 प्रतिरक्षा विज्ञानियों/अणु जीव–विज्ञानियों ने भाग लिया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केंद्र आए विद्वानों में शामिल हैं – पंकज गुप्ता, डिपार्टमेंट आफ बायोलाजिकल साइंसिस, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यू.एस.ए.; आर.एफ. मेलुकुनाल, एस.जे. होली क्रास हैल्थ सेंटर, सीतापहर, झारखंड; प्रो. रूप लाल, प्राणीविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; प्रो. अशोक के. सलुजा, डिपार्टमेंट आफ पेथोलाजी, यूनिवर्सिटी आफ मेसाचुसेट्स, मेडिकल स्कूल, वोरसेस्टर, यू.एस.ए.

'फिस्ट' कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राप्त किए गए उपकरणों से केंद्र अब रोगों का पता लगाने और इलाज हेतु प्रयोग में लाए जाने वाले रिकम्बिनेंट प्रोटीनों का निर्माण करेगा।

प्रकाशन

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- ए. चट्टोपाध्याय, आर. भटनागर और एन. भटनागर, बैक्टेरियल इंसेक्टिसाइडल टाक्सिन्स क्रिट.रिव. माइक्रोबायल 30(1), 33–54, 2004
- जे. सिंह, एम.सी. जोशी और आर. भटनागर, क्लोनिंग ऐंड एक्सप्रेशन आफ माइकोबैक्टेरियल ग्लूटेमाइन सिंथेटेस जीन इ. कोली. बायोकेम. बायोफिज रेस. कम्यून, 317, 634–638, 2004
- एस. सिंह, एम.ए. अजीज, पी. खंडेलवाल, आर. भट्ट और आर. भटनागर, द ओस्मोप्रोटेक्टेन्ट्स ग्लाइसिन ऐंड इट्स मेथाइल डेरिवेटिव्स प्रिवेंट द थर्मल इनएक्टिवेशन आफ प्रोटेक्टिव एन्टीजन आफ बैसिलस एन्थ्रासिस, बायोकेम. बायोफिज. रेज. कम्यून. 316, 359–364, 2004
- पी. खंडेलवाल, आर. भटनागर, डी. चौधरी और एन. बनर्जी, करेक्ट्राइजेशन आफ ए साइटोटाक्सिस प्लिन सबयूनिट आफ जैनोरहैब्डस निमाटोफाइल. बायोकेम. बायोफिज. रेज. कम्यून, 314, 943–949, 2004
- एन. आहूजा, पी. कुमार, एस. आलम, एम. गुप्ता और आर. भटनागर, डिलिशन म्युटेन्ट्स आफ प्रोटेक्टिव एन्टीजन दैट इनहिबिट एन्थ्रेक्स टाक्सिन बोथ इन विट्रो ऐंड इन वाइवो; बायोकेम. बायोफिज. रेज. कम्यून, 307, 346–350, 2003
- आर. भट्ट, डब्ल्यू. जे. वीडमेयर और एच.ए. सेरगा, प्रोलीन आइसोमेरिजेशन इन बोविन पैनक्रिएटिक राइबोन्यूक्लीज ए. 2 फोल्डिंग कंडीशंस, बायोकेमिस्ट्री 42, 5722–5728, 2003
- जे.के. कौशिक और आर. भट्ट, बाई इज ट्रीहलोज ऐन एक्सेप्शनल प्रोटीन स्टेबिलाइजर ? : ऐन एनालिसिस आफ द थर्मल स्टेबिलिटी आफ प्रोटीन्स इन द प्रजेन्स आफ द कम्पैटिबल ओस्मोलाइट ट्रीहलोज, जे. बायोल. केम, 278, 26458–26475, 2003
- एस. सिंह, एम.ए. अजीज, पी. खण्डेलवाल, आर. भट्ट और आर. भटनागर, द ओस्मोप्रोटेक्टेन्ट्स ग्लाइसिन ऐंड इट्स मिथाइल डेरिवेट्स प्रिवेंट द थर्मल इनएक्टिवेशन आफ प्रोटेक्टिव एन्टीजन आफ बैसिलस, 316, 559–64, 2004
- डी. प्रसन्न कुमार, ए. तिवारी और आर. भट्ट, इफेक्ट आफ पी.एच आन द स्टेबिलिटी ऐंड स्ट्रक्चर आफ यीस्ट हैक्सोकाइनेस ए : एसिडिक अमिनो एसिड रेजिड्यूस इन द क्लेफ्ट रीजन आफ क्रिटिकल फार द ओपनिंग ऐंड द क्लोजिंग आफ द स्ट्रक्चर, जे. बायोल. केम. 32093–99, 2004
- के.जी. मुखर्जी, डी.सी.डी. रोज, एन.ए. वाटकिंस और डी.के. समर्स, स्टडीज आन सिंगल चेन एन्टिबाडी एक्सप्रेशन इन क्वीसेंट एशरिकिया कोली, एप्लाइड ऐंड एनवा माइक्रोबायोल, 70 : 3005 – 2004
- एच. बौमन, एस. ओरहमन, वाई. शिनोहरा, ओ. इरोजी, डी. चौधरी, ए एक्सेन, यू टिडबर्क और इ. कैरेडनो, रैशनल डिजाइन, सिन्थेसिस ऐंड यैरिफिकेशन आफ एफिनिटी लीजेन्ड्स टु ए प्रोटीन सर्फेस क्लिफ्ट, प्रोटीन साइंस, 12, 784–793, 2003
- एम. वेस्टफोर्स, यू. टिडबर्क, एच.ओ. एन्डर्सन, एस. ओहमन, डी. चौधरी, ओ. इरोजी. वाई. सिनोहारा, ए.एक्सेन, ई. कैरेडनो. एच. बौमन, स्ट्रक्चर बेस्ड डिस्कवरी आफ ए न्यू एफिनिटी लिजैन्ड टु पैनक्रिएटिक अल्फा एमिलेस, जे. मोल. रिकोग्निट, 16, 396–405, 2003
- पी. खण्डेलवाल, आर. भटनागर, डी. चौधरी, एन. बनर्जी, करेक्ट्राइजेशन आफ ए साइटोटाक्सिक पिलिन सबयूनिट आफ जेनोरहैबडस निमेटोफीला बायोकेम. बायोफिज. रेज. कम्यून, 314, 943–9, 2004
- एस.एस. मैत्रा और ए.के. वर्मा, कम्पैरटिव स्टडी आफ ए – इंटरफेरान प्रोडक्शन बिटवीन इ. कोली ऐंड सी. एच.ओ. सेल बेस्ड सिस्टम्स ऐट 10 लीटर लेवल, द इण्डियन केमिकल इंजीनियर, खण्ड–1, भाग–45, अंक–3, पृ. 35–40, सितम्बर 2003
- एस.एस. मैत्रा और ए.के. वर्मा, एण्ड आफ स्माल वाल्यूम हाई वैल्यू मिथ इन बायोटेक्नोलाजी : प्रोसिस डिजाइन फार ए मेगा – प्लांट प्रोड्यूसिंग ए – इंटरफेरान फार मेगा प्राफिट, जर्नल आफ द इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियर्स (इण्डिया), भाग–84, पृ. 17–24, सितम्बर 2003

– एस.एस. मैत्रा, ए न्यू माडल फार बैच पेनिसिलन फर्मेंटेशन, जर्नल आफ द इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स, भाग–84, पृ. 59–64, मार्च 2004

शोध परियोजनाएं

– एस.के. कार, करेक्ट्राइजेशन आफ सैक्रेटिड एन्टीजन्स आफ इनफेक्टिव लार्वा ऐंड एडल्ट ब्रुजिया मलाई पैरासाइट्स विच इंड्यूस स्ट्रांग टी.एच.1 रिस्पांस इन ट्रूली इंफैक्शन फ्री इंडिविजुअल्स रिजाइडिंग इन ए *बैंक्राफ्टिअन फिलेरिआसिस ऐंडमिक एरिया, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग* (2002–05)

– एस.के. कार, आइडेंटिफिकेशन आफ एन्टीजन्स फ्राम क्लिनिकल आइसोलेट्स आफ माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस विच इंडयूसिस स्ट्रांग टीएच1 रिस्पांस इन हैल्थी कंटेक्स्ट्स आफ ट्युबरक्लोसिस पेशन्ट्स, सर दोरबाजी टाटा सेंटर फार रिसर्च इन ट्रापिकल डिसिजिस, (2002–2005)

– आर. भटनागर, थर्मोस्टेबिलाइजेशन आफ रिकम्बीनेंट प्रोटेक्टिव एन्टीजन आफ बैसिलस ऐंथ्रासिस (डा. राजीव भट्ट के सहयोग से परियोजना), एन.ए.टी.पी. – वर्ल्ड बैंक

– आर. भटनागर, जेनरेशन आफ नान–टाक्सिक लीथल फैक्टर ऐंड इडेमा फैक्टर फार द डिवलपमेंट आफ इम्प्रूव्ड वैक्सीन अगेंस्ट ऐंथ्रेक्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

– आर. भटनगार, सर्च फार *नावल बायोइंसोक्टिसाइड्स फ्राम जेनोरहैबड्स नेमाटोफिलस न्यू स्ट्रेटजीस टु कंट्रोल* ऐंथ्रेक्स लीथल फैक्टर बाइंडिंग डोमेन आफ प्रोटेक्टिव ऐन्टीजन आफ ऐन्थ्रेक्स टाक्सिन, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार

– आर. भटनगार, न्यू स्ट्रेटजीस टु कंट्रोल ऐंथ्रेक्स लीथल फैक्टर बाइंडिंग डोमेन आफ प्रोटेक्टिव एन्टीजन आफ ऐंन्थ्रेक्स टाक्सिन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

– ए. दीक्षित, क्लोनिंग ऐंड एक्सप्रेशन आफ एअरोनोमस एसपीपी आउटर मेम्ब्रेन पोरिन फार द डिवलपमेंट आफ रिकम्बिनेंट वैक्सीन, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

– ए. दीक्षित, इंवेस्टिगेशंस इनटु बाटेनिकल बेस्ड प्रोडक्ट्स ऐंड देअर स्टडीज ऐट मोलिकुलर लेवल्स इन *आइडेंटिफाइड थेरप्यूटिक एरियाज*, डाबर

– ए. दीक्षित, क्लोनिंग, करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन आफ द सीडीएनए इनकोडिंग द हाइपोग्लाइसेनिमक पेप्टाइड अफ मोमोरडिका चरंशिया ऐंड असेसमेंट आफ द बायोलाजिकल एक्टिविटी आफ द एक्सप्रेस्ड प्रोडक्ट, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

– आर. भट्ट, इनहेंसिंग फोल्डिंग ऐंड स्टेबिलिटी आफ ग्लूकोज आक्सिडेंस बाई साल्वेंट इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद

– आर. भट्ट, थर्मोस्टेबिलाइजेशन आफ रिकंम्बिनेंट प्रोटेक्टिव एन्टीजन आफ बैसिलस ऐंथ्रेसिस बाई सालवेंट एडिटिव्स (आर. भटनागर के साथ संयुक्त रूप से), एन.ए.टी.पी./वर्ल्ड बैंक

– आर. भट्ट, फोल्डिंग स्टेबिलिटी, एनर्जेटिक्स ऐंड बायोमोलिकुलर इंटरएक्शंस इन प्रोटीन्स, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

– के.जे. मुखर्जी, लार्जस्केल प्रोडक्शन आफ एन्टीबाडी फ्रेगमेंट्स इन इ. कोली ऐंड मेथाइलोट्रोपिक यीस्ट, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

– के.जे. मुखर्जी, प्रोसिस आप्टिमाइजेशन आफ रिकंम्बिनेंट एस्परजिनेस प्रोडक्शन इन इ. कोली, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग

– डी. चौधरी, *कंप्यूटेशनल अप्रोचिस टुवर्डस ऐक्टिव साइट डिजाइन ऐंड फंक्शनल रिइंजीनियरिंग आफ प्रोटीन*, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

– एस.एस. मैत्रा, केआटिक डायनेमिक्स इन फर्मेंटेशन सिस्टम्स, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

– एस.के. कार ने 15 से 16 अक्टूबर 2003 तक हैदराबाद में आयोजित ट्रेन्डी की बैठक में भाग लिया।

– एस.के. कार 23 से 25 नवम्बर 2003 तक लखनऊ में आयोजित इण्डियन इम्यूनोलाजी सोसायटी की वार्षिक बैठक में भाग लिया।

एस.के. कार 13 से 15 फरवरी 2004 तक दिल्ली में आयोजित मोलिकुलर इम्यूनोलाजी फोरम की बैठक में भाग लिया।

- आर. भटनागर ने 31 मार्च से 3 अप्रैल 2003 तक नाइस, फ्रांस में आयोजित 'ऐंथ्रेक्स' विषयक 5वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 'बैसिलस सीरस, बी. ऐंथ्रेक्सिस ऐंड बी थ्युरिनजीनसिस' विषयक तीसरी कार्यशाला में भाग लिया तथा 'ओवरप्रोडक्शन आफ ऐंथ्रेक्स प्रोटेक्टिव ऐंन्टीजन इन इ.कोली बाई फेड बैच कल्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. भटनागर ने 5 सितम्बर 2003 को आचार्य नरेन्द्र देव कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'बायोटेक्नोलाजी : एक्सपेंडिंग होरिजन्स, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'मेडिकल बायोटेक्नोलाजी : फ्राम जीन टु प्रोडक्ट' विषयक सत्र में परिचर्चा की।
- आर. भटनागर ने 26 फरवरी 2004 को हैदराबाद में आयोजित 'बायोटेक्नोलाजी, इमर्जिंग फ्रंटियर्स इन बायोटेक्नोलाजी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रिकंम्बिनेंट वैक्सीन अगेंस्ट ऐंथ्रेक्स इन बायो – एशिया 2004' विषयक व्याख्यान दिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- आर. भटनागर ने 28 नवम्बर 2003 को जाकिर हुसैन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में, 'रिकम्बिनेंट बैक्सीन अगेंस्ट ऐंथ्रेक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. भटनागर ने 19 दिसम्बर 2003 को रामलाल आनन्द कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'रिकम्बिनेंट वैक्सीन अगेंस्ट ऐंथ्रेक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. भटनागर ने 13 फरवरी 2004 को कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा में 'रिकंम्बिनेंट वैक्सीन अगेंस्ट ऐंथ्रेक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. भट्ट ने 28 फरवरी 2004 को श्री वेंकटेश्वर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोटीन स्ट्रक्चर ऐंड फोल्डिंग विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. भट्ट ने 25 से 29 दिसम्बर 2003 तक चालसा सिनक्लेयर्स रिट्रीट, नार्थ बंगाल में गुहा रिसर्च सम्मेलन में 'हाउ डज सालवेन्ट एनवायरनमेंट अफैक्ट द फोल्डिंग ऐंड स्टेबिलिटी आफ प्रोटीन्स ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. भट्ट ने 20 जून 2003 को सेंट्रेल फूड टेक्नोलाजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट मैसूर में 'सालेवेन्ट मिडिएटिड स्टेबिलाइजेशन आफ प्रोटीन्स : थर्मोडायनेमिक बेसिस फार द स्टेबिलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. भट्ट ने 13 से 15 मई 2003 तक डा. बी.आर. अम्बेडकर सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली में 'फ्रंटियर्स इन बायोमेडिकल साइंसिस' विषयक चौथी वार्षिक संगोष्ठी में 'प्रोटीन एग्रीगेशन ऐंड डिजीज : साइट्रेट सिन्थेस ऐज ए माडल' विषयक व्याख्यान दिया।

डी. चौधरी ने 12 से 13 मार्च 2004 तक आई.आई.टी., नई दिल्ली में व्याख्यान दिए।

ए. दीक्षित ने 12 मई 2003 को डिपार्टमेंट आफ बायोकेमिस्ट्री, कांसस स्टेट यूनिवर्सिटी, मनहातन, केएस, यू.एस.ए. में 'एन इनसाइट इनटु सी–जुन जीन रेग्यूलेशन इन प्रालिफरेटिंग लिवर सेल्स' विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियां

- आर. भटनागर को 14 दिसम्बर 2003 को 'इम्यूनोलाजी (डिवलपमेंट आफ रिकम्बिनेंट ऐंथ्रेक्स वैक्सीन) विषयक उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए वर्ष 2001 का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- ए. दीक्षित, अप्रैल 2003 से 30 सितम्बर 2003 तक डिपार्टमेंट आफ बायोकेमिस्ट्री, कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी, मनहातन, के.एस, यू.एस.ए. में विजिटिंग प्रोफेसर रहीं तथा सितम्बर 2003 के दौरान बायोकेमिस्ट्री पाठ्यक्रम के शिक्षण में सहयोग किया।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- आर. भटनागर, सदस्य, अमेरिकन सोसायटी आफ सेल बायोलाजी; सदस्य, अमेरिकन सोसायटी आफ माइक्रोबायोलाजी; आजीवन सदस्य, इण्डियन इम्यूनोलाजिकल सोसायटी; आजीवन सदस्य, बायोटेक्नोलाजी सोसायटी आफ इण्डिया; कार्यकारी सदस्य, आल इण्डिया बायोटेक एसोसिएशन, नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, आई.आई.टी., नई दिल्ली; सदस्य, उप समिति, मोलिकुलर ऐंड बायोकेमिकल टेक्नोलाजी में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, श्री वेंकटेश्वर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, आई.आई.टी. रूड़की; सदस्य विद्या परिषद, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ फिशरीज एज्यूकेशन, मुम्बई; सदस्य, सलाहकार समिति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय; सदस्य, विद्या परिषद, ग्वालियर विश्वविद्यालय; सदस्य, सलाहकार समिति, गोरखपुर विश्वविद्यालय; सदस्य विद्या समिति, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ; सदस्य, विद्या परिषद, कोशिकीय और अणु जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद; सदस्य, शोध सलाहकार समिति, नेशनल ब्यूरो आफ फिश जिनेटिक रिसोर्सिस, लखनऊ; सदस्य, बोर्ड आफ अंडरग्रेजुएट स्टडीज इन बायोटेक्नोलाजी, कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरूक्षेत्र।
- ए. दीक्षित, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के 'बायोरिसोर्सिस, बायोडाइवर्सिटी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषयों पर छात्रों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए महाविद्यालय/विश्वविद्यालय व्याख्याताओं की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से गठित समिति की सदस्य।

11. विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में विधि और अभिशासन से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण मामलों पर अन्तरविषयक अध्ययन के लिए विश्वविद्यालय में विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई। अभिशासन मामलों में संस्थानों और संरचनाओं का सुधार, उच्च दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही की ओर अग्रसर करने वाली प्रक्रिया और नियमों का सृजन तथा स्थापना; और लोकतंत्र तथा सिविल सोसाइटी को मजबूत बनाते हुए शासन को और अधिक समाविष्ट और सहभागी बनाने की प्रक्रिया के संदर्भ में नीति संबंधी उलझने भी शामिल होती हैं। अभिशासन स्थानीय से लेकर विश्व के विभिन्न स्तरों पर तेजी से अपनी पहचान बना रहा है।

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी शोध संस्था विकसित करना है जो शैक्षिक जगत में चल रही बहस और विभिन्न मुद्दों पर अपना सहयोग करे। केंद्र ऐसा व्यावहारिक अनुशीलन वातावरण विकसित करना चाहता है ताकि वह बदलाव के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर सके। नीति विषयक क्षेत्र में विभिन्न कर्ताओं की भूमिका स्पष्ट करते हुए केंद्र शिक्षाविदों और कर्ताओं – प्रशासकों, नीति–योजना के निर्माताओं, बाजार और सामाजिक कर्ताओं के बीच की दूरी को समाप्त करने का प्रयास करता है। केन्द्र शिक्षा–जगत, सरकार, सिविल सोसायटी और स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर गैर-सरकारी संगठनों के बीच संवाद के लिए एक मंच के रूप में कार्य करने का प्रयास करता है।

केंद्र के मुख्य शोध–क्षेत्रों में शामिल हैं : भूमंडलीकरण और अभिशासन, लोकतंत्र और सिविल सोसायटी, विकास के लिए विधिक संरचना, राज्य संस्थाएं और अभिशासन।

अध्ययन पाठ्यक्रम : केंद्र सीधे पी-एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। मानसून सत्र-2004 से विधि और अभिशासन में एम.फिल. पाठ्यक्रम भी चलाया जा रहा है।

विजिटिंग फेलोशिप : केंद्र में एक विजिटिंग फेलोशिप कार्यक्रम है, जिसके अन्तर्गत विजिटिंग स्कालर 6 माह से एक वर्ष तक केंद्र से संबंधित शोध क्षेत्रों में शोध–कार्य कर सकते हैं। जिन क्षेत्रों में शोधकार्य पूरा हो चुका है या चल रहा है वे क्षेत्र हैं : – "प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन में विकेंद्रीकृत अभिशासन : वन और जल संसाधनों के उपभोक्ताओं और पंचायती राज संस्थाओं के बीच अंतःसम्बन्धों के लिए विधिक गुंजाइश का पता लगाना", "अन्तर्राष्ट्रीय विधि में सुधार के अधिकार" "पर्यावरण और जल के प्रति अधिकार : भारतीय विधिशास्त्र और विकास अभ्यास का विश्लेषण" और "आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत में गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम का मूल्यांकन"।

फोर्ड फाउंडेशन ने वृत्तिदान के माध्यम से केंद्र में अभिशासन विषय में एक विजिटिंग प्रोफेसर हेतु अध्येतावृत्ति शुरू की है। इसकी अवधि एक से दो वर्ष तक होती है और इसके अन्तर्गत कार्यरत फेलों को शोध कार्यक्रम विकसित करना होता है या चल रहे वर्तमान शोध कार्य को आगे बढ़ाना होता है ताकि केंद्र को उस विषय में विशेज्ञता हासिल हो सके।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र द्वारा आयोजित सम्मेलन

1. डॉ. अमिता सिंह ने 24–25 अप्रैल 2003 को "रिफार्म्स इन इण्डियन एडमिनिस्ट्रेशन : गुड पैक्टिरिस, देयर कन्टेक्स्ट ऐंड ससटेनेबिलिटीज" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
2. डॉ. रामसिंह और डॉ. जयवीर सिंह ने 13–14 नवम्बर 2003 को "रेग्यूलेशन : इंस्टीच्युशनल ऐंड लीगल डायमेंशेन्स" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
3. केंद्र का दूसरा वार्षिक प्रतिष्ठित व्याख्यान 14 नवम्बर, 2003 को प्रो. कौशिक बासु, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर और प्रो. सी. मार्क्स, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन के प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, कार्नेल यूनिवर्सिटी ने दिया। तुलनात्मक आर्थिक विकास कार्यक्रम के निदेशक के रूप में प्रो. बासु के व्याख्यान का विषय था "ग्लोबल लेबर स्टेण्डर्ड्स ऐंड लोकल फ्रीडम : व्हाट शुड इण्डिया'ज पोजिशन बी ?" भारत सरकार के आर्थिक सलाहकार डॉ. अशोक लाहिरी ने इस सम्मेलन की अध्यक्षता की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में आए विद्वान

1. सर रोबयंग, भारत में इंग्लैण्ड के उच्चायुक्त 8 सितम्बर, 2003 को केन्द्र में आए और "गुड गवर्नेंस इन द यू.के." विषयक व्याख्यान दिया।
2. डॉ. के कन्नाबिरन ने दिसम्बर, 2003 को "ला ऐंड द क्वेश्चन ऑफ सेक्सुअल हेरासमेंट ऐट द वर्कप्लेस" विषयक व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान यौन उत्पीड़न के विरूद्ध संवेदनशीलन समिति, जेएनयू के सहयोग से आयोजित किया गया।
3. प्रो. जोन कीन, यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टमिंस्टर, यू.के., 27 फरवरी को केंद्र में आए और "कास्मोक्रेसी : रिफ्लेक्शंस ऑन ग्लोबल गवर्नेंस" शीर्षक व्याख्यान दिया।

डॉ. नंदिनी सुंदर को सेंटर ऑफ साउथ एशिया स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज, यू.के., द्वारा एल.एम. सिंघवी विजिटिंग फेलोशिप प्रदान की गई।

प्रकाशन

पुस्तकें

- नीरजा गोपाल जयाल, "एसेज ऑन जेंडर ऐंड गवर्नेंस (सह लेखक – मार्था नुसबाम, अमृता बासु और यास्मीन तम्बियाह) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, नयी दिल्ली, 2003.

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- नीरजा गोपाल जयाल, 'लोकेटिंग जेंडर इन द गवर्नेंस डिसकोर्स' (सं.) मार्था नुसबाम, अमृता बासु, यास्मीन तम्बियाह और नीरता गोपाल जयाल, "एसेज ऑन जेंडर ऐंड गवर्नेंस, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम", नयी दिल्ली, 2003.
- अमित प्रकाश, 'सोसियो–कल्चरल ऐंड इकोनोमिक बैक ग्राउंड ऑफ द पॉलिटिकल सिस्टम' (सं.) अजय मेहरा, डी.डी. खन्ना और डब्ल्यू गर्त क्वेक, 'पॉलिटिकल पार्टीज ऐंड द पार्टी सिस्टम्स', सेज, नयी दिल्ली, पृ. 129–161, 2003.
- अमिता सिंह, 'एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्मस, शीअर वेट और करंट' (सं.) एस.एन. मिश्रा, पब्लिक गवर्नेंस ऐंड डिसेंट्रेलाइजेशन, मित्तल, दिल्ली, 2003.
- अमिता सिंह, 'इण्डिया–आस्ट्रेलिया एनवायरनमेंटल कोआप्रेशन : इश्युज ऑफ सस्टेनेबिलिटी' (सं.) डी. गोपोल और डेनिस रूमले, इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया : इश्युज ऐंड अपरच्युनिटीज', आथर्स प्रेस, दिल्ली, 2004.
- अमिता सिंह, "मार्किटिंग पब्लिक एडमिनिसट्रेशन : ए न्यू पब्लिक मैनेजमेंट अप्रोच" (सं.) अल्का दमिजा, कनटेम्पोरेरि डिबेट्स इन पब्लिक एडमिनिसट्रेशन, प्रेनटिस हाल ऑफ इण्डिया, दिल्ली, 2003.
- नंदिनी सुंदर, "ए मूव फ्राम मेजर टु माइनर : कम्पीटिंग डिस्कोर्सिस ऑफ नान–टिम्बर फारेस्ट प्रोडक्ट्स इन इण्डिया", (सं.) पी. ग्रीनोग और ए जिंग, एनवायरनमेंटल डिस्कोर्सिस इन साउथ ऐंड साउथीस्ट एशिया, ड्यूक यूनिवर्सिटी प्रेस, 2003 (रोजर जेफरी के साथ)
- नंदिनी सुंदर, "इंट्रोडक्शन टु द कमर", एस.सी. दुबे, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2003.
- नंदिनी सुंदर, "टीचिंग टु हेट : आर.एस.एस.'स पेडागोगिकल प्रोग्राम", इकोनोमिक ऐंड पॉलिटिकल वीकली, भाग–39 (16); 1605 : 12, 2004.
- नंदिनी सुंदर, "द एन्टथोपोलाजी ऑफ कल्पेबिलिटी", अमरीकन एन्थोलोजिस्ट, 31(2), 2004.
- रामसिंह, "फुल कम्पेनसेशन क्राइटेरिया इन द लॉ ऑफ टॉर्ट्स : ऐन इंक्वेरी इन टु द डाक्ट्राइन ऑफ काजेशन", वि.और अ.अ.के. का वर्किंग पेपर नं.–2 (2003)
- रामसिंह, "काजेशन, इकानोमिक एफिशिऐंसी ऐंड द ला ऑफ टार्ट्स", इंटरनेशनल रिव्यु ऑफ ला ऐंड इकोनोमिक्स, प्रेषित।
- रामसिंह, "एफिशिऐंसी करेक्ट्राइजेशन ऑफ लॉयबिलिटी रूल्स वेन लॉयबिलिटी, पेमंट्स डिफर फ्राम द एक्चुअल हार्म", जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनोमिक्स, प्रेषित।

– जयवीर सिंह और जे.वी. मीनाक्षी (आगामी), "अंडरस्टैंडिंग द फेमिनाइजेशन ऑफ द एग्रीकल्चरल वर्क फोर्स", इण्डियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनोमिक्स।

शोध परियोजनाएं

– नीरजा गोपाल जयाल, "ऐथनिक स्ट्रक्चर, इनइक्वेलिटी ऐंड द गवर्नेंस ऑफ द पब्लिक सेक्टर", (इण्डिया कंट्री स्टडी यूनाइटिड नेशंस रिसर्च इंस्टीच्युट फॉर सोशल डिवलपमेंट, जिनेवा,) (जुलाई 2002–दिसम्बर 2003).

– नीरजा गोपाल जयाल, "इंस्टीच्युशंस ऐंड गवर्नेंस : बैकग्राउंड पेपर फॉर दिल्ली ह्यूमन डिवलपमेंट रिपोर्ट", (यू.एन.डी.पी./योजना आयोग/दिल्ली सरकार)

– नीरजा गोपाल जयाल, (निदेशक), "डायलाग ऑन प्लुरलिज्म ऐंड डेमोक्रेसी इन साउथ एशिया (फेज–II)", फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित, विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली (जनवरी 2003–दिसम्बर 2005).

– अमित प्रकाश, "मैपिंग इंडिकेटर्स ऑफ गवर्नेंस इन इण्डिया", (2003 से जारी)

– अमित प्रकाश, "ग्रुप डिसक्रिमिनेशन ऐंड इलेक्शन्स इन इण्डिया" 2002–2003.

– अमित प्रकाश, "गुड गवर्नेंस ऐंड डिवलपमेंट पॉलिसी : ए कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ उत्तर प्रदेश ऐंड महाराष्ट्र", (चल रही है).

– अमिता सिंह, "इम्पेक्ट ऑफ ट्रांस–नेशनल बिजिनस ऑन लोकल गवर्नेंस : ए माइक्रो आरगेनाइजेशनल एप्रोच टु द स्टडी ऑफ सस्टेनेबल ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट इन गुडगांव", (केन्द्र को फोर्डफाउंडेशन से प्राप्त हुए अनुदान से वित्तपोषित परियोजना).

– नंदिनी सुंदर, "लीगल फ्रेमवर्क फॉर डिवलपमेंट इन झारखंड", यू.एन.डी.पी./ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 2003.

– जेनिफर जलाल, "इनोवेशंस इन गवर्नेंस : ऐन एक्साप्लोरेट्री स्टडी ऑफ द कनसेप्ट्स, ट्रेंड्स ऐंड पैटर्नस् इमर्जिंग फ्रॉम केस स्टडीज इन अर्बन पब्लिक सर्विस डिलिवरी", (केन्द्र को फोर्डफाउंडेशन से प्राप्त अनुदान से वित्तपोषित परियोजना), 2003.

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों में प्रतिभागिता

– नीरजा जी. जयाल ने 21 से 23 मई 2003 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और Maison des Sciences de l'Homme द्वारा पेरिस में आयोजित "कल्चर, आइडेंटिटी ऐंड डिवलपमेंट", विषयक सम्मेलन में भाग लिया और "डेमोक्रेसी ऐंड मल्टीकल्चरलिज्म : फोननड्रम्स ऑफ सिटीजनशिप", शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– नीरजा जी. जयाल ने 13 से 15 जून 2003 तक सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डिवलपिंग सोसायटीज, दिल्ली द्वारा घुलिखेल, नेपाल में आयोजित "डेमोक्रेसी इन साउथ एशिया" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

– नीरजा जी. जयाल ने 8 से 10 जुलाई 2003 तक सेंटर फॉर द फ्यूचर स्टेट, इंस्टीच्युट ऑफ डिवलपमेंट स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यू.के. के द्वितीय वार्षिक सम्मेलन में केन्द्र के एडवाइजरी रिव्यु ग्रुप के सदस्य होने के नाते भाग लिया।

– नीरजा जी. जयाल ने 29 जून से 2 जुलाई 2003 तक नेटवर्क ऑन साउथ एशियन पालिटिक्स ऐंड पालिटिकल इकोनोमी की बंगलौर में आयोजित द्वितीय वार्षिक बैठक में भाग लिया और "सोशल इनइक्वेलिटीज ऐंड इंस्टीच्युशनल रेमेडीज : द नेशनल कमीशन फॉर शेड्यूल्ड कास्ट ऐंड शेड्यूल्ड ट्राइब्स", शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

– नीरजा जी. जयाल ने 24 नवम्बर 2003 को ब्रिटिश काउंसिल, नयी दिल्ली में आयोजित रामचन्द्र गुहा की पुस्तक "द लास्ट लिबरल ऐंड अदर ऐसेज", के विमोचन समारोह की अध्यक्षता की और चर्चा की।

– नीरजा जी. जयाल ने 19 फरवरी 2004 को उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में पार्टिसिपेट्री रिसर्च इन एशिया द्वारा आयोजित "स्टेट, सिविल सोसायटी ऐंड सिटीजंस : रिविजिटिंग द रिलेशनशिप" विषयक संगोष्ठी में "सिटीजनशिप ऐज स्ट्रेंथनिंग सिविल सोसायटी", शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- नीरजा जी. जयाल ने 28 फरवरी 2004 को नेशनल फाउंडेशन फॉर इण्डिया, नयी दिल्ली में आयोजित, "लीडरशिप" विषयक कार्यशाला में "अकेडमिक ऐंड पाप्यूलर डिस्कोर्सिस ऑन लीडरशिप" शीर्षक परिचर्चा की।
- अमिता सिंह ने 14 से 18 सिजम्बर 2003 को मियामी, यू.एस.ए. में आयोजित "पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन : चैलेंजिस ऑफ इन इक्वेलिटी ऐंड एक्सक्लुजन" विषयक संगोष्ठी में "इम्पेक्ट ऑफ ट्रांस–नेशनल बिजनस ऑन पब्लिक एंटरप्राइसिस मैनेजमेंट", शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमिता सिंह ने 15 सितम्बर 2003 को नार्थ केरोलीना यूनिवर्सिटी, पेमब्रोक द्वारा आयोजित "एरियाज ऑफ फ्यूचर रिसर्च इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अमिता सिंह ने 16 सितम्बर 2003 को केन्द्र की ओर से 'पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' विषयक एशियाई विकास बैंक की विशेषीकृत बैठक में भाग लिया। यह बैठक ए.बी.सी. समिति के अध्यक्ष प्रो. जैक जेब्स की अध्यक्षता में एसोसिएशन ऑफ द स्कूल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के सहयोग से आयोजित हुई।
- अमिता सिंह ने 22 सितम्बर 2003 को लोकल गवर्नेंस ग्रुप ऑफ लार्गो, पाइनेल्स काउंटी इन फ्लोरिदा द्वारा आयोजित "पावर्टी ऐंड सोशल एक्सक्लुजन–चैलेंजिस फॉर गवर्नेंस", विषयक संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।
- अमिता सिंह ने 23 सितम्बर 2003 को यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिदा, टाम्पा द्वारा स्कूल ऑफ एनवायरनमेंटल ऐंड साइंसिस ऐंड एडमिनिस्ट्रेशन में सहयोगी एवं भागीदारी शोध कार्य में भाग लिया।
- अमिता सिंह ने 24–25 अप्रैल 2003 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित "एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स, गुड प्रैक्टिसिस ऐंड देयर सस्टेनेबिलिटी" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- अमिता सिंह ने 10 जनवरी 2004 को रेनबेक्सी साइंस फाउंडेशन द्वारा हेबीटेट सेंटर दिल्ली में आयोजित "ग्लोबल रेक्यूलेटरि फ्रेमवर्क ऑफ लेबोरेट्री रिसर्च आन एनिमल्स" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अमिता सिंह ने 20 मार्च 2004 को इंस्टीच्युट ऑफ एप्लाइड मेनपावर रिसर्च द्वारा आयोजित "डिवलपमेंट पालिसीज इन ग्लोबलाइलिंग सिटीज" शीर्षक सम्मेलन में भाग लिया।
- अमित प्रकाश ने 16 से 19 अक्टूबर 2003 तक नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय द्वारा नयी दिल्ली में आयोजित 'जेंडर, सोसायटी ऐंड डिवलपमेंट इन इण्डिया 1860–2000' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वुमन, डिवलपमेंट ऐंड लोकल गवर्नेंस शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 9 से 11 फरवरी 2004 तक सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स, नयी दिल्ली और Centre de Recherches Sociologiques Sur le droit et les Institutions Penales, पेरिस, द्वारा नई दिल्ली में आयोजित "सिविल सोसायटी, स्टेट ऐंड द पुलिस इन इण्डिया ऐंड फ्रांस" शीर्षक इण्डो–फ्रेंच संगोष्ठी में 'इंटर्नल सिक्युरिटी ऐंड द रोल ऑफ द यूनियन ऐंड स्टेट्स इन इण्डिया : द कांस्टीच्युशनल फ्रेमवर्क" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 17–18 मार्च 2004 को राजनीतिक विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित "स्टेट पॉलिटिक्स : एनालिसिस द इमर्जिंग ट्रेंड्स" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पालिटिक्स ऑफ डिवलपमेंट, आइडेंटिटी ऐंड आटोनोमी इन झारखण्ड" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नंदिनी सुंदर ने 22–24 मार्च 2004 को यूनिवर्सिटी ऑफ बर्न, नेशनल सेंटर फॉर कम्पीटेंस इन रिसर्च द्वारा काठमाण्डु में आयोजित "रिसर्च इन साउथ एशिया" विषयक नार्थ–साउथ कार्यशाला की परिचर्चा में भाग लिया।
- नंदिनी सुंदर ने 16–18 अक्टूबर 2003 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित "असर्टिव रिलिजस आइडेंटिटीज" विषयक संगोष्ठी में "आदिवासी वर्सिस वनवासी : द पॉलिटिक्स ऑफ कनवर्जन ऐंड रिकनवर्जन इन सेंट्रल इण्डिया" शीर्षक परिचर्चा की।
- नंदिनी सुंदर ने 19 मार्च 2004 को विद्याज्योति, दिल्ली द्वारा आयोजित "वाउंडिड साइकीस" विषयक कार्यशाला में "द पॉलिटिक्स ऑफ रेस्टिच्युशन" शीर्षक परिचर्चा की।
- नंदिनी सुंदर ने 29–30 मार्च 2004 को बनारस में 'आटोनामी' विषय पर आयोजित महानिर्वाण कलकत्ता रिसर्च ग्रुप कार्यशाला में परिचर्चा की।
- रामसिंह ने 13–14 नवम्बर 2003 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'रेग्यूलेशन : इंस्टीच्युशनल ऐंड लीगल डायमेंशंस' विषयक सम्मेलन में सह–आयोजक के रूप में सहयोग किया।

जयवीर सिंह ने 13–14 नवम्बर 2003 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'रेग्यूलेशन : इंस्टीच्युशनल ऐंड लीगल डायमेंशंस' शीर्षक सम्मेलन में सह–आयोजक के रूप में सहयोग किया और चल रहे शोधकार्य का विवरण प्रस्तुत किया।

- जयवीर सिंह ने 20 मार्च 2004 को सेंटर फॉर कम्पीटिशन, इनवेस्टमेंट ऐंड इकानोमिक रेग्यूलेशन ऐंड कंज्युमर यूनिटी ऐंड ट्रस्ट सोसायटी, जयपुर में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- जेनिफर जलाल ने 23–24 मार्च 2004 को वाटर ऐंड सेनिटेशन प्रोग्राम ऑफ वर्ल्ड बैंक, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- अमित प्रकाश ने 10 मार्च 2004 को अकादमिक स्टाफ कालेज, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में (i) 'ग्लोबलाइजेशन' और (ii) 'ग्लोबल गवर्नेंस' विषयों पर व्याख्यान दिए।

  अमिता सिंह ने 23 दिसम्बर 2003 को हरियाणा इंस्टीच्युट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में राज्य विधिक सेवा अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में "गवर्नेंस इश्युज ऐंड द टेंथ फाइव ईयर प्लान" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 19 जनवरी 2004 को हरियाणा इंस्टीच्युट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में राज्य के पुलिस अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "लोकल–गवर्नेंस–इमर्जिंग चैलेंजिस" विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 25 मार्च 2004 को इण्डियन इंस्टीच्युट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में आयोजित भारत में सरकारी प्रौद्योगिकी संस्थानों के विज्ञानियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में "न्यू मैनेजमेंट तकनीक्स इन आरगेनाइजेशनल रिफार्मस" शीर्षक व्याख्यान दिया।

  नंदिनी सुंदर ने मई 2003 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, आक्सफोर्ड, ब्राडफोर्ड और एडिनबर्ग में आयोजित संगोष्ठी में "टीचिंग टु हेट" शीर्षक व्याख्यान दिया।

  नंदिनी सुंदर ने 16 अगस्त 2003 को विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "फोरेस्ट, फोरेस्ट ड्वेलर्स ऐंड द ला" विषयक व्याख्यान दिया।
- नंदिनी सुंदर ने 17 अगस्त, 2003 को दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में "डिफोरेस्टेशन इन इंडिया : हू इज टु ब्लेम – फोरेस्ट डिपार्टमेंट आर विलेजर्स" विषयक व्याख्यान दिया।

  नंदिनी सुंदर ने 19 दिसम्बर, 2003 को यू.एन.डी.पी. द्वारा आयोजित "एनवायरनमेंट ऐंड पावर्टी" विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा "प्रो–पुअर लॉज ऐंड पॉलिसीज इन झारखंड" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- नंदिनी सुंदर ने 27 जनवरी, 2004 को राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली में "ट्राइबल इंडिया ऐंड इट्स कंसर्न्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- नंदिनी सुंदर ने 6 फरवरी, 2004 को यूनीसेफ पुनश्चर्या कोर्स में "ट्राइब्स ऐंड कास्ट्स" विषयक व्याख्यान दिया।
- नंदिनी सुंदर ने 10 फरवरी, 2004 को पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में "कनवर्जन ऐंड रिकनवेर्जन अमंग आदिवासीज" विषयक व्याख्यान दिया।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- नीरजा गोपाल जयाल, सदस्य, केन्द्र सलाहकार समीक्षा ग्रुप, द सेंटर फॉर द फ्यूचर स्टेट, इंस्टीट्यूट ऑफ डिवलपमेंट स्टडीज, ससेक्स, यू.के. (2002 से); सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, द ग्लोबल रिव्यू ऑफ एथनोपॉलिटिक्स।

  अमिता सिंह, सदस्य, प्राणी कल्याण बोर्ड के तहत प्राणियों पर परीक्षणों की रोकथाम, मार्गदर्शन और नियन्त्रण करने हेतु गठित समिति, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, सतत विकास कार्यक्रम पर गठित समिति, इग्नू, दिल्ली; न्यासी, फोरम फॉर एथिकल साइंसेज दिल्ली; सदस्य, एथिक्स समिति, आई.सी.जी.ई.बी., दिल्ली; सदस्य, एथिक्स समिति, ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट, मानेसर, हरियाणा।

  नंदिनी सुंदर, सदस्य, कोर ग्रुप, सतत विकास, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, 2004, सदस्य, इंटरनेशनल साइंटीफिक एडवाइजरी बोर्ड, नेशनल सेंटर ऑफ कंपीटेंस इन रिसर्च नार्थ–साउथ, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्न, जून 2003–2005.

12. संस्कृत अध्ययन केंद्र

संस्कृत अध्ययन केंद्र की स्थापना संस्कृत अध्ययन की आवश्यकता को महसूस करते हुए वर्ष 2001 में की गई। प्रथम शैक्षिक पाठ्यक्रम – सीधे पी-एच.डी. – की शुरूआत वर्ष 2002 में हुई। इसके पहले बैच में 9 छात्रों को प्रवेश दिया गया। एम.ए. पाठ्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2003 में हुई। इसके पहले बैच में 19 छात्रों को प्रवेश दिया गया। जुलाई, 2004 से एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित प्रतिष्ठित विद्वान केन्द्र में आए और व्याख्यान दिए। ये विद्वान हैं : प्रो. रामकरण शर्मा, पूर्व कुलपति, एस.एस. विश्वविद्यालय, वाराणसी और पूर्व कुलपति, के.एस.डी. विश्वविद्यालय, दरभंगा; प्रो. वी.आर. पंचमुखी, अध्यक्ष, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली; प्रो. टी.एस. रुकमणी, धर्म–शास्त्र विभाग, कॉनकार्डिया विश्वविद्यालय, मांट्रियल, कनाड़ा; प्रो. लोकेश चन्द्र, ख्यातिप्राप्त संस्कृत विद्वान और पूर्व संसद सदस्य, नई दिल्ली; प्रो. पी.जी. पटेल, भाषा विज्ञान विभाग, ओटावा विश्वविद्यालय, कनाडा; प्रो. एन. वीझीनाथन, पूर्व प्रोफेसर और अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय; डॉ. आर. नागास्वामी, पूर्व कुलपति, कांचीपुरम विश्वविद्यालय; प्रो. शशि रेखा, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद; प्रो. जगन्नाथ विद्यालंकार, पूर्व प्रोफेसर, हवाई विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.; डॉ. करण सिंह, कुलाधिपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; प्रो. कार्ल एच. पोटर (सेवानिवृत्त), दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर, वाशिंग्टन विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.; प्रो. सुभाष काक, लूसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए.; प्रो. जी.सी. पाण्डे, अध्यक्ष, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला; प्रो. रामराजन मुखर्जी, पूर्व कुलपति, तिरूपति संस्कृत विश्वविद्यालय, पूर्व कुलपति बर्दवान विश्वविद्यालय और रबिन्द्र भारती; प्रो. के.टी. पाण्डुरंगी, पूर्व प्रोफेसर और अध्यक्ष संस्कृत विभाग, बंगलौर विश्वविद्यालय और कुलपति, पूर्णप्रज्ञा विज्ञापीठ, बंगलौर।

केन्द्र की भविष्य में वैदिक अध्ययन पर कार्यक्रम और मल्टीलिंगुअल, मल्टी मीडिया, भारतीय संस्कृति के बौद्धिक स्रोत का विश्वकोश (साहित्यिक सिद्धांत, व्याकरण, दर्शन ध्वन्यात्मक और छन्दःशास्त्र) पर परियोजना चलाने की योजना है।

प्रकाशन

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- शशिप्रभा कुमार, द वर्ड स्पीक्स टु द फास्टियन मैन, संधान, सभ्यता अध्ययन केन्द्र की पत्रिका, भाग–3, अंक–1, पृ. 191–196, 2003.
- शशिप्रभा कुमार, सोशल जस्टिस : वैदिक पर्सपेक्टिव, बिहार दार्शनिक शोध की पत्रिका–1, भाग–3, पृ. 66–74, 2003.
- शशिप्रभा कुमार, संस्कृत श्रोतों में विज्ञान : वैशेसिक दर्शन के संदर्भ में, मंथन, हिंदी प्रकोष्ठ, आई.आई.टी. रूड़की की वार्षिक पत्रिका, भाग–2, अंक–1, पृ. 39–44, 2004.
- गिरीश नाथ झा, लेक्सफेस : ए लेक्सीकल इंटरफेस फार इंग्लिश–हिन्दी ट्रांसलेशन फार शेयर मार्किट, साउथ एशियन लैंग्वेज रिव्यू, अंक–9, पृ. 52–59.
- गिरीश नाथ झा, जेनरेटिंग नॉमिनल एनफ्लेक्शनल मार्फोलॉजी इन संस्कृत, व्याख्यान, 'सिम्पल 04' – 'इंडियन मार्फोलॉजी, फोनोलॉजी ऐंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग : विषयक संगोष्ठी, श्याम प्रिंटिंग वर्क्स, प्रेम बाजार, हिजली कॉपरेटिव, खड़गपुर, पश्चिमी बंगाल, मार्च, 2004.
- गिरीश नाथ झा, आप्टिमलिटी रि–इनवेस्टीगेशन ऑफ हिन्दी स्ट्रेस सिस्टम, सिस्टेमिक फंक्शनल लिंग्विस्टिक्स विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस में प्रस्तुत, सी.आई.ई.एफ.एल., लखनऊ, दिसम्बर, 2003.
- गिरीश नाथ झा, द सिस्टम ऑफ पाणिनी, लैंग्वेज इन इंडिया, भाग 4:2 फरवरी 2004
- गिरीश नाथ झा, करंट ट्रेंड्स इन इंडियन लैंग्वेजिज टेक्नोलॉजी, लैंग्वेज इन इंडिया, भाग 3:12 दिसम्बर, 2003.
- गिरीश नाथ झा, प्रोलॉग एनालाइजर जेनरेटर फार संस्कृत सुबांत पदस, लैंग्वेज इन इंडिया, भाग–3:11, नवम्बर, 2003.
- गिरीश नाथ झा, जेसों लाइव्स ! द इनेट हारर !! लैंग्वेज इन इंडिया, भाग 3:10 अक्टूबर 2003.

- हरिराम मिश्र, पाली साहित्य में सौन्दर्य : सुत्तनिपात इन पाली प्राकृत काव्य, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला द्वारा प्रकाशित, 2003.
- हरिराम मिश्र, (सदस्य, पांडुलिपि समीक्षा काव्यगोष्ठी), व्याकरण विथि (कक्षा–9 और 10 के लिए संस्कृत व्याकरण की पुस्तक), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण–परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2003.
- संतोष कुमार शुक्ल, नासादियासुकतस्य विवेचनम्, शोध प्रभा, 34–41, अप्रैल 2003
- संतोष कुमार शुक्ल, लिंगस्वरूपम्, शोधप्रभा, 20–24, अक्टूबर, 2003.

पुस्तके

- रामनाथ झा (सदस्य, पांडुलिपि समीक्षा काव्यगोष्ठी), संस्कृत साहित्य परिचय (कक्षा–11 और 12 के लिए संस्कृत इतिहास की पुस्तक), रा.शै.अ. और प्र.प., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, मई, 2003.
- रामनाथ झा (सदस्य, पांडुलिपि समीक्षा संशोधन काव्यगोष्ठी), व्याकरणविथि (कक्षा 9 और 10 के लिए संस्कृत व्याकरण की पुस्तक), रा.शै.अ. और प्र.प., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, जुलाई 2003.
- रामनाथ झा (सदस्य, पाठ्यपुस्तक समीक्षा काव्यगोष्ठी) संस्कृत वाङमय में विज्ञान का इतिहास (कक्षा–11 और 12 के लिए संस्कृत साहित्य में वैज्ञानिक लेखन के इतिहास की पुस्तक) रा.शै.अ. और प्र.प., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, सितम्बर, 2003.

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- शशि प्रभा कुमार, 'आब्लीगेशंस टुवर्डस अदर्स : द इंडियन पर्सपेक्टिव हॉफमैन, जे. फ्रेंक, (सं.) ब्रीकिंग बैरियर्स : एसेज इन एशियन ऐड कंपेरेटिव फिलोस्फी इन आनर ऑफ रामकृष्ण पुलिगंडला, एशियन ह्यूमेंटीज प्रेस, फ्रिमोंट, यू.एस.ए., पृ. 219–226, 2003.
- शशिप्रभा कुमार, अहिंसा इन जैन एथिक्स ऐंड इट्स इंटीमेट रिलेशन टु योगा फिलोस्फी, आशा मुखर्जी (सं.) कान्शेशन, मैन ऐंड द वर्ल्ड, कलिंग प्रकाशन, दिल्ली, पृ. 29–37, 2004.
- शशिप्रभा कुमार, इंडियन फिलोस्फी : 'ए क्वेस्ट फार द अल्टीमेट गोल'; भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के 77वें सत्र की चयनित कार्यवाही (प्रकाशनाधीन)
- रजनीश कुमार मिश्र, मॉडल एन्ट्री फार एनसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन पोयटिक्स (सं. प्रो. कपिल कपूर), सहृदय की अवधारणा पर – साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की एक मुख्य परियोजना।
- रजनीश कुमार मिश्र, आंटोलॉजी ऑफ स्पीच साउंड्स इन इंडियन नॉलेज सिस्टम्स, उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा प्रकाशित होनी है।
- रजनीश कुमार मिश्र, एटीमोलॉजी एज सिग्नीफिकेशन : आचार्य अभिनव गुप्त'स एक्सपोजीशन ऑफ अनुत्तर, भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि. द्वारा आयोजित 'शब्द : टेक्स्ट्स ऐंड इंटर प्रिटेशन इन इंडियन थोट' विषयक संगोष्ठी की कार्यवाही में प्रकाशनाधीन।
- रजनीश कुमार मिश्र, नाट्य शास्त्र ऐंड अभिज्ञान, इन द इंग्लिश ट्रांसलेशन ऑफ द अभिज्ञान में परिचयात्मक अध्याय, दोयबा हाउस, दिल्ली : 2004.
- गिरीश नाथ झा, लेक्स फेस : ए लेक्सीकल इंटरफेस फार इंग्लिश–हिंदी ट्रांसलेशन फार शेयर मार्किट, ट्रांसलेशन : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स (सं.) ओमकार एन. कौल और शैलेन्द्र कुमार सिंह, नई दिल्ली, क्रिएटिव बुक्स, 2004.
- गिरीश नाथ झा, अर्ली मानसून, द स्पलेंडर ऑफ सनराइज (सं.) जेसिका रेपिसर्दा, वाटरमार्क प्रेस, वन पोयट्री प्लाजा, ओविंग मिल्स, एम.डी., यू.एस.ए.
- गिरीश नाथ झा, व्यावहारिक अंग्रेजी–हिंदी कोश में सामग्री, केन्द्रीय हिंदी निदेशालस, (सं.) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालस, मा.सं.वि. मंत्रालय (प्रेस में)

शोध परियोजनाएं

- राम नाथ झा, टु प्रिपेयर ए रीडर इन इंडियन फिलोस्फी, वि.अ.आ. की मुख्य परियोजना, जुलाई, 2003 से शुरू.
- रजनीश कुमार मिश्र, इंडियन एस्थेटिक्स : द क्लासिक रीडिंग, चल रही परियोजना (अप्रायोजित) 2003–2005.
- गिरीश नाथ झा, मल्टीलिंगुअल आनलाइन अमरकोश, चल रही परियोजना (अप्रायोजित) (जुलाई 2003 से जुलाई 2006)
- हरि राम मिश्र, ए क्रिटिकल टेक्स्ट ऐंड ट्रांसलेशन ऑफ "सिद्धांतकौमुदी" भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान की भारतीय सभ्यता से संबंधित महत्त्वपूर्ण स्रोत सामग्री का संकलन, अनुवाद और टीका तैयार करने हेतु जारी परियोजना के तहत (जनवरी 2003 से दिसम्बर 2004).
- संतोष कुमार शुक्ल, मीमांसा लेक्सीकन, अप्रायोजित 2001–2004.
- संतोष कुमार शुक्ल, पद और वर्ड इंडेक्स आफ श्लोक वृत्तिका, अप्रायोजित, 2002–2005.

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- शशि प्रभा कुमार ने 7 मई 2003 को नई दिल्ली में आयोजित 'आदि शंकर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "अद्वैत एथिक्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 13–14 अगस्त, 2003 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "रिलिवेंस ऑफ संस्कृत इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 29 सितम्बर से 1 अक्टूबर, 2003 तक शिमला में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 'इंडियन नॉलेज सिस्टम्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "इंडियन आंटोलाजी : फ्राम वेद टु वेदान्त" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 13 नवम्बर, 2003 को आई.आई.पी.ए., नई दिल्ली में आयोजित "रिपॉजीशनिंग इंडिया इन द न्यू मिलेनियम" विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा "इंडियन फिलोस्फी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 17 से 19 दिसम्बर, 2003 तक इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 'योगा ऐंड कांससनेस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "कांससनेस ऐंड कान्नीशन इन वैशेषिक फिलॉस्फी" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 3 से 5 जनवरी, 2004 तक जामिया हमदर्द में एम.एस. राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित "वेदा एज नॉलेज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "वेदा ऐंड न्याय–वैशेषिक" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 18 से 20 जनवरी, 2004 तक आई.सी.पी.आर. और मदर्स इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा "दयानंद सरस्वती : एन इल्युमाइन्ड सीअर ऑफ मॉडर्न इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 23 से 25 जनवरी, 2004 तक आई.सी.पी.आर., नई दिल्ली द्वारा युवा विद्वानों हेतु आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा कार्यवाही तैयार की।
- शशि प्रभा कुमार ने 15–16 फरवरी, 2004 तक डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धन समिति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "वैदिक वैल्यूज इन एज्यूकेशन" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 11 से 13 मार्च, 2004 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में आयोजित "इण्डो–जापान बुद्धिस्ट संगोष्ठी" में भाग लिया तथा "प्रो. हाजिमें नाकामुरा'ज कंट्रीब्यूशन टु संस्कृत स्टडीज" विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 2 से 4 फरवरी, 2004 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि. में आयोजित 'शब्द' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा "शब्द एज प्रमाण इन वैशेषिक" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशि प्रभा कुमार ने 2 से 4 फरवरी, 2004 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि. में आयोजित 'शब्द' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

शशि प्रभा कुमार ने 14 से 18 जुलाइ 2003 तक हेलसिंकी विश्वविद्यालय, फिनलैण्ड में आयोजित 12वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया तथा "सिग्निफिकेंस ऑफ साधनाचटुकाया इन वेदांत" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- शशि प्रभा कुमार ने 14 से 18 जुलाई 2003 तक हेलसिंकी विश्वविद्यालय, फिनलैण्ड में आयोजित 12वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया तथा "बुद्धिज्म" विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- शशि प्रभा कुमार ने 7 अगस्त, 2003 को आई.जी.एन.सी.ए., नई दिल्ली में आयोजित "संस्कृत इंफोर्मेटिक्स" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- शशि प्रभा कुमार ने प्रो. कार्ल एच. पोटर, जर्नल एडिटर, एनसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन फिलोस्फीज, यू.एस.ए. के साथ मिलकर 9 दिसम्बर, 2003 को दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "कंटेम्पोरेरि रिलेवेंस ऑफ इंडियन फिलोस्फी" विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- शशि प्रभा कुमार ने 10 फरवरी, 2004 को डब्ल्यू.एस.डी.सी. और सी.पी.डी.एच.ई. द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में 'इंडियन वुमैन' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 29 मार्च से 1 अप्रैल, 2003 तक आई.सी.पी.आर. द्वारा इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'फिलोस्फी साइंस, ऐंड कल्चर' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 9–10 अप्रैल, 2003 को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली में राष्ट्रीय संस्कृत परियोजना (संस्कृत मध्यामना संस्कृत शिक्षा नाम्) द्वारा आयोजित "राष्ट्र संस्कृत शिक्षा दशा–दिशा" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 11 से 14 अप्रैल 2003 तक नेशनल ओपन स्कूल, नई दिल्ली में माध्यमिक स्तर पर संस्कृत में पाठ्य सामग्री की समीक्षा करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 28 अप्रैल से 9 मई, 2003 तक केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली में 'भारतीय भाषा कोश' (विशेषकर संस्कृत प्रविष्टियां) तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 27 से 29 जुलाई, 2003 तक उच्च अध्ययन संस्थान (राष्ट्रपति निवास), शिमला में आयोजित "डिक्शनरी ऑफ इंडियन कल्चर" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 16 से 25 अगस्त, 2003 तक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् में कक्षा–11 और 12 के लिए 'संस्कृत शिक्षा संदर्शिका' तैयार करने के लिए आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 6 से 10 अक्टूबर, 2003 तक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली में 'संस्कृत में वैज्ञानिक विचार' (संस्कृत में चिकित्सा विज्ञान) की स्रोत पुस्तक तैयार करने के लिए आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 29 दिसम्बर 2003 से 2 जनवरी, 2004 तक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली में 'संस्कृत में वैज्ञानिक विचार' (संस्कृत में चिकित्सा विज्ञान) की स्रोत पुस्तक तैयार करने के लिए आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 2 से 4 फरवरी, 2004 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली में आयोजित "शब्द : टेक्स्ट्स ऐंड इंटर प्रिटेशन इन इंडियन थॉट", विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 26 से 29 जुलाई, 2003 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित "डिक्शनरी ऑफ इंडियन कल्चर" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 27 से 30 सितम्बर, 2003 तक भारतीय उच्च अध्ययनन संस्थान, शिमला में आयोजित "इंडियन नॉलेज सिस्टम" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 20 से 23 दिसम्बर, 2003 तक बी.एच.यू. और मुक्तिबोध इंडोलॉजीकल रिसर्च सेंटर, वाराणसी में आयोजित, "काश्मीर शैविज्म" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 2 से 4 फरवरी, 2004 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र तथा साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "शब्द : टेक्स्ट ऐंड इंटर प्रिटेशन इन इंडियन थॉट" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- रजनीश कुमार मिश्र ने 25 से 27 मार्च, 2004 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि. में आयोजित "इंग्लिश स्टडीज : इंडियन पर्सपेक्टिव" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने मार्च, 2004 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, प. बंगाल में आयोजित "सिम्पल 04 : मॉर्फोलॉजी, फोनोलॉजी ऐंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीश नाथ झा ने मार्च, 2004 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में आयोजित "आंग्ल–भारती मशीन ट्रांसलेशन" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 9 दिसम्बर, 2003 को सी.आई.ई.एफ.एल., लखनऊ में आयोजित "सिस्टेमिक फंक्शनल लिंग्विस्टिक्स" विषयक 30वीं अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीश नाथ झा ने 26 से 29 जुलाई, 2003 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित "डिक्शनरी ऑफ इंडियन कल्चर" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने जनवरी, 2004 में जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में आयोजित "वेदा एज नॉलेज" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- हरिराम मिश्र ने 29 मार्च से 1 अप्रैल 2003 तक आई.सी.पी.आर., नई दिल्ली द्वारा इंडिया हेबिटेट सेंटर में आयोजित "फिलोस्फी, साइंस ऐंड कल्चर" विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- हरिराम मिश्र ने 27 से 29 जुलाई, 2003 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति निवास, शिमला में आयोजित "डिक्शनरी ऑफ इंडियन कल्चर" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- हरिराम मिश्र ने 2 से 4 फरवरी, 2004 तक भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, ज.ने.वि. द्वारा आयोजित "शब्द, टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 27 से 29 जुलाई, 2003 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, भारत में आयोजित "डिक्शनरी ऑफ इंडियन कल्चर" विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 29 अप्रैल, 2003 को आई.जी.एन.सी.ए., दिल्ली, भारत में आयोजित "अष्टावधानी" संगोष्ठी में भाग लिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 30 अप्रैल, 2003 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "सोशलिज्म इन द वैदिक लिट्रेचर" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 2 से 4 फरवरी, 2004 तक ज.ने.वि., नई दिल्ली में आयोजित "टेक्स्ट ऐंड इंटरप्रिटेशन इन इंडियन थॉट" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- शशि प्रभा कुमार ने 8 अगस्त, 2003 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की में 'संस्कृत दिवस समारोह' के अवसर पर "संस्कृत स्रोतों में विज्ञान : वैशेषिक दर्शन के संदर्भ में" विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- शशि प्रभा कुमार ने 31 अगस्त, 2003 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी मे आयोजित वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित पुनश्चर्या कोर्स में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया तथा "उपनिषद् दर्शन" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- शशि प्रभा कुमार ने 12 सितम्बर, 2003 को संस्कृत सोसायटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में "ऋग्वैदिक नारी" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- शशि प्रभा कुमार ने 18 सितम्बर, 2003 को दर्शन शास्त्र विभाग, सेंट स्टीफंस कॉलेज, नई दिल्ली में "इंट्रोडक्शन टु न्याय–वैशेषिक" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- शशि प्रभा कुमार ने 13 दिसम्बर, 2003 को देववाणी परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित रजत जयंती समारोह के अवसर पर "अर्वाचित संस्कृतम्" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- शशि प्रभा कुमार ने 16 जनवरी, 2004 को दिल्ली पब्लिक स्कूल, वसंत कुंज, नई दिल्ली के सांस्कृतिक महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया तथा "संस्कृत ऐंड संस्कृति" विषयक व्याख्यान दिया।

- शशि प्रभा कुमार ने 13 मार्च, 2004 को शंकर विद्या केन्द्र, वसंत विहार में "वाल्मीकि रामायण" विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 11 दिसम्बर, 2003 को अंग्रेजी विभाग, दयाल सिंह सांध्य कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "नाट्यशास्त्र : टेक्स्ट ऐंड कांटेक्स्ट" विषयक व्याख्यान दिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 30 सितम्बर, 2003 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में "इंडियन नॉलेज सिस्टम : धर्मशास्त्र" विषयक व्याख्यान दिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 2 नवम्बर, 2003 को दिल्ली संस्कृत अकादमी में "अभिज्ञान शकुन्तले नारीणाम स्थिति" विषयक व्याख्यान दिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 21–22 फरवरी, 2004 को मिराम्बा इंटीग्रल एज्यूकेशन सेंटर, चिड़ावा, राजस्थान में "संस्कृत लैंग्वेज टीचिंग" विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियां

- शशि प्रभा कुमार को संस्कृत शिक्षण और शोध में विशेष योगदान देने के लिए कनाडियन वर्ल्ड एज्यूकेशन फाउंडेशन, कनाडा से वर्ष 2003 का रामकृष्ण संस्कृत पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मंडलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- शशि प्रभा कुमार, सदस्य, स्थानीय शोध समिति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
- हरि राम मिश्र ने जुलाई 2003 में राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा कक्षा–9 और 10 के लिए प्रकाशित संस्कृत व्याकरण की 'व्याकरण विथी' नामक पाठ्यपुस्तक तैयार करने हेतु गठित पाण्डुलिपि समीक्षा संशोधन काव्यगोष्ठी के सदस्य के रूप में कार्य किया।
- संतोष कुमार शुक्ल, विशेषज्ञ सदस्य, संस्कृति विभाग, भारत सरकार।

13. आणविक चिकित्साशास्त्र केंद्र

मानव रोगों की समझ, रोकथाम और निवारण के लिए जैव चिमित्साशास्त्र विज्ञान के क्षेत्र में 'आणविक चिकित्साशास्त्र' एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्थापित आणविक चिकित्साशास्त्र का विशेष केंद्र भारत में इस तरह का पहला केंद्र है।

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य आणविक और कौशिकीय जीव विज्ञान के उच्च उपकरणों का अनुप्रयोग करते हुए मानव रोग के अध्ययन क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध कार्य को प्रोत्साहन देना है। केंद्र ने उन युवा विज्ञानियों – नैदानिक और गैर–नैदानिक को प्रशिक्षण देने के लिए अपने शैक्षिक कार्यक्रम शुरू किए हैं, जो आधारभूत चिकित्साशास्त्र अनुसंधान के क्षेत्र में अध्ययन करने के इच्छुक हैं। केंद्र के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा विशेषकर दो प्रकार के विज्ञानी तैयार करने के लिए बनाई गई है, जो चिकित्साशास्त्र के क्षेत्र में हो रही प्रगति में अपना योगदान कर सकें। पहले तरह का विज्ञानी मुख्यत: एक ऐसा चिकित्सक होना चाहिए, जिसके पास आधारभूत नैदानिक उपाधि हो और उसे चिकित्साशास्त्र में आणविक स्तर पर प्रयुक्त आधुनिक जीव–विज्ञान की जानकारी होनी चाहिए। दूसरा विज्ञानी आधुनिक जीव–विज्ञानी है, लेकिन उसे चिकित्सा सम्बन्धी समस्यों के निवारण में उत्पादों हेतु उत्पाद के प्रयोग में चिकित्साशास्त्र की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए ताकि वह अपना उत्पाद समाज को प्रस्तुत कर सके। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए केंद्र ने निम्नलिखित अध्ययन कार्यक्रम शुरू किए हैं।

आयुर्विज्ञान स्नातकों और आधारभूत विज्ञानों के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र ने आणविक चिकित्सशास्त्र के क्षेत्र में प्री–पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। केंद्र निम्नलिखित थ्रस्ट एरिया में शिक्षण एवं शोध गतिविधियां चला रहा है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 12 छात्रों का प्रवेश हेतु चयन किया गया।

क. मेटाबोलिक डिसार्डर्स (डायबिटीज टाइप–2, कार्डिवास्कुलर डिसीज, प्रोडक्टिव डिसार्डर्स, स्टिरायड रिसेप्टर्स ऐंड केंसर पाकिसंस डिसीज)

ख. इनफेक्शियस डिसीज (मलेरिया, हेपटाइटिस सी, लिश्मेनियासिस, हेलिकोबेक्टर पेथोजेनेसिस, केंडिडियासिस)

ग. डायगनोस्टिक्स (जेनेटिक प्रोफाइलिंग आफ पेथोजनिक फंगस ऐंड डिवलपमेंट आफ जेनेटिक टुल्स टु आइडेंटिफाई पेथोजेनिक आर्गेनिज्म्स)

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित विज्ञानी केंद्र में आए : डा. तापस कुमार कुण्डु,, विज्ञानी, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फार एडवांस्ड रिसर्च, बंगलौर; डा. आलोक चंद्र भारती, डिपार्टमेंट आफ बायोइम्यूनोथेरपी, द यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास, यू.एस.ए.; प्रो. के.के. तलवार, अध्यक्ष, डिपार्टमेंट आफ कार्डियोलाजी, एम्स नई दिल्ली; डा. ममता चावला सरकार, सेंटर फार केंसर ड्रग डिस्कवरी ऐंड डिवलपमेंट, द क्लीवलेण्ड क्लिनिक फांउडेशन, ओहिओ, यू.एस.ए.

समीक्षाधीन अवधि के दौरान छात्रों की उपलब्धियां निम्न प्रकार से हैं :–

केंद्र ग्रीष्मकाल के दौरान छात्रों को उच्च सुविधाएं मुहैया कराता है। देशभर से आए स्नातक और स्नातकोत्तर (चिकित्सकों सहित) स्तर के छात्रों को सेल बायोलाजी, मोलिक्यूलर बायोलाजी, इनफेक्शियस डिसीज सहित बायोइनफर्मेटिक्स के क्षेत्रों में छात्रों की जरूरत के अनुसार 3 से 6 माह तक का प्रशिक्षण दिया गया।

पिछले वर्षों की तरह केंद्र चालू वर्ष में भी "फ्रंटियर्स इन मोलिक्युलर मेडिसन" विषयक संगोष्ठी का आयोजन करने की योजना बना रहा है।

प्रकाशन

पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- ए. सेनगुप्ता, आर.के. त्यागी, के. दत्ता, "ट्रंकेटिड वेरिएंट्स आफ हयालुरोनान बाइंडिंग प्रोटीन–I बाइंड हयालुरोनान ऐंड इंडयूस आइडेंटिकल मार्फोलाजिकल एबरेशंस इन सी.ओ.एस.–I सेल्स, बायोकेम जर्नल 2004, मार्च (प्रकाशनाधीन)
- ए.ए. लतीफ, यू. बनर्जी, आर. प्रसाद, ए. विश्वास, एन. विग, एन. शर्मा, ए. हक, एन. गुप्ता, एन जैड बाकर, जी. मुखोपाध्याय, "ससेप्टिबिलिटी पैटर्न ऐंड मोलकुलर टाइप आफ स्पिरीजे–स्पोसिफिक केनडिडा इन ओरोफारिंजिल लेसन आफ इण्डियन ह्यूमन इम्यूनोडेफिसिऐंसी वायरस–पोजिटिव पेशेंट्स", ज. क्लिन. माइक्रोबायोल. 42(3) 1260, मार्च 2004
- एन. करनानी, एन.ए. गौड़, एस. झा, एम. पुरी, एस. कृष्णमूर्ति, एस.के. गोस्वामी, जी. मुखोपाध्याय, आर. प्रसाद, "एस.आर.ई–1 ऐंड एस.आर.ई.–2 आर टु स्पेसिफिक स्ट्रिरायट–रिस्पोंसिव माड्यूल्स आफ केनडिडा ड्रग रेसिस्टेंस जीन 1 (सी.डी.आर.1) प्रोमोटर" यीस्ट, 21(3): 219–39, फरवरी 2004
- एन.ए. गौड़, एन. पुरी, एन. करनानी, जी. मुखोपाध्याय, एस.के. गोस्वामी, आर. प्रसाद, "आइडेंटिफिकेशन आफ ए निगेटिव रेग्यूलेटरि एलिमेंट विच रेग्यूलेट्स बेसल ट्रांसक्रिप्शन आफ ए मल्टीड्रग रेसिस्टेंस जीन सी.डी.आर.1 आफ केनडिडा अल्बिकेंस, एफ.ई.एम.एस. यीस्ट रेस 4(4–5), 389–99, जनवरी 2004
- आर.के. सोनी, पी. मेहरा, एन.आर. चौधरी, जी. मुखोपाध्याय, एस.के. धर, "फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ हेलिकोबेक्टर पाइलोरी डी.एन.ए.बी. हेलिकेस, न्यूक्लिक एसिड्स रिस. 3,3–1(23) : 6828–40, दिसम्बर 2003
- एस.के. धर, आर.के. सोनी, बी.के. दास, जी. मुखोपाध्याय, "मोलकूलर मैकेनिज्म आफ एक्शन आफ मेजर हेलिकोबेक्टर पाइलोरी विरूलेंस फेक्टर्स", मोल. सेल बायोकेम, 253(1–2): 207–15, नवम्बर 2003
- एस. झा, एन. करनानी, एस.के. धर, के. मुखोपाध्याय, एस. शुक्ला, पी. सेनी, जी. मुखोपाध्याय, आर. प्रसाद, "प्यूरिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ द एन–टर्मिनल न्यूक्लियोटाइड बाइंडिंग डोमेल आफ एन ए.बी.सी. ड्रग ट्रांसपोर्टर आफ केनडिडा अल्बिकेंस : अनकॉमन सिस्टाइन 193 आफ बाकर ए इज क्रिटिकल फार ए.टी.पी. हाइड्रोलिसिस, कमोकेमिस्ट्री, 16, 42(36) : 10822–32, सितम्बर 2003
- आर.के. त्यागी, "डायनेमिक्स आफ सबसेल्यूलर कम्पार्टमेंटलाइजेशन आफ स्टिरायड रिसेप्टर्स इन लीविंग सेल ऐज ए स्ट्रेजिक स्क्रिनिंग मैथड टु डिटरमाइन द बायोलाजिकल इम्पेक्ट आफ सस्पेक्टिड एंडोक्राइन डिसरप्टर्स", मेडिकल हाइपोथिसिस 60 : 501–504, 2003

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- सी.के. मुखोपाध्याय और एस. विश्वास, 'आयरन ऐंड नान अल्कोलिक फेटी लीवर डिसीज' प्रकाशनाधीन, 2004, रेनबेक्सी साइंस फांउडेशन

शोध परियोजनाएं

- आर. प्रसाद, जी. मुखोपाध्याय और यू. बनर्जी, (ए.आई.आई.एम.एस.) "मोलकूलर बायोटाइपिंग एपिडेमियोलाजी ऐंड फंगल ससेप्टिबिलिटीज आफ आपयुनिस्टिक ह्यूमन पैथोजनिक फुंगी, आई.सी.एम.आर. 2002–2005
- एस.के. धर, "फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ रेप्लिकेशन ओरिजन (ओरिक) ऐंड रेप्लिकेशन प्रोटींस आफ हेलिको बेक्टर पाइलोरी' सी.एस.आई.आर., 2002–2005
- एस.के. धर, "फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ रेप्लिकेशन प्रोटींस ऐंड रेप्लिकेशन ओरिजन (ओरिक) आफ हेलिकोबेक्टर पाइलोरी : पोटेंशियल टारगेट्स फार थेरपी, यूनिवर्सिटी पोटेंशियल आफ एक्सीलेंस स्कीम, जेएनयू, 2002–2007
- आर.के. त्यागी, "इनवेस्टिगेशन इन टु एण्ड्रोजन–इंडिपेंडेंट एक्टिवेशन आफ एंड्रोजन रिसेप्टर इन प्रोस्टेट कैंसर, आई.सी.एम.आर., 2003–06

- सी.के. मुखोपाध्याय, ए स्टडी आन द मोलिकूलर मैकेनिज्म आफ इंसुलिन–इंडयूस्ड एक्टिवेशन आफ हाइपोक्सिया–इंडयूसिबल फेक्टर–I, द मास्टर रेग्यूलेटर आफ आक्सिजन होमोस्टेसिस, डी.बी.टी. 2003–06
- आर.के. त्यागी, "मैकेनिज्म्स आफ इनहिबिशन आफ ट्रांसक्रिप्शनल एक्टिविटी आफ एड्रोजन रिसेप्टर बाई एन्टागोनिस्ट्स/एंडोक्राइन डिसरेप्टर्स, सी.एस.आई.आर., 2003–06
- जी. मुखोपाध्याय, बायोकेमिकल एनालिसिस आफ द टाइप–IV प्रोटीन सेफरेशन सिस्टम आफ हेलिकोबेक्टर पाइलोरी, सी.एस.आई.आर, 2003–06
- एस.के. धर, फंक्शनल एनालिसिस आफ रेप्लिकेशन ऐंड सेल साइकिल रेग्यूलेटिड जीन्स इन प्लेजमोडियम फेल्सिपेरम' वेलकम ट्रस्ट द्वारा वित्तपोषित, लंदन, यू.के. 2004–08
- सी.के. मुखोपाध्याय, ए स्टडी आन द प्लासिबल मोलकूलर मैकेनिज्म (स) आन हेपाटिक आयरन ओवरलोड इन हाइपरइन्सुलिनमेनिया, सी.एस.आई.आर., 2004–2007

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों में प्रतिभागिता

- एम.के. गुप्ता, सी.के. मुखोपाध्याय और एस.के. गोस्वामी ने पुणे में आयोजित 27वी. आल इण्डिया सेल बायोलाजी कांफ्रेंस और अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बायोकेमिकल एनालिसिस आफ आर.ओ.एस. इन कार्डियक मसल जीन एक्सप्रेशन, पी 13", विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. बिश्वास, एम.के. गुप्ता और सी.के. मुखोपाध्याय ने पुणे में आयोजित 27वीं आल इण्डिया सेल बायोलाजी कांफ्रेंस और अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "इनवाल्वमेंट आफ रिएक्टिव आक्सिजन स्पीसीज इन इंसुलीन इंडयूस्ड एक्टिवेशन आफ हाइपोक्सिया इंडयूसिबल फेक्टर–I, पी.ए. 63", शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- सी.के मुखोपाध्याय ने 1–2 मार्च 2004 को दिल्ली में आयोजित रेनबेक्सी संगोष्ठी में "आयरन ऐंड नान एल्कोलिक फेटी लीवर डिसीज" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- सी.के. मुखोपाध्याय ने 17 मई 2003 को एन.आई.पी.ई.आर. में "डयूल रेग्यूलेशन आफ सिरूलोप्लैजमिन ट्रांसक्रिप्शन बाई इन्सुलिन हेपाटिक सेल्स" शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस.के. धर को 4–6 जून 2003 में अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ अध्येतावृत्ति प्रदान करने के लिए शोध प्रस्ताव का मूल्यांकन करने हेतु वेलकम ट्रस्ट, लंदन द्वारा आमंत्रित किया गया। यह बैठक दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में हुई थी।
- एस.के. धर ने 14–15 मार्च 2004 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'बायोस्पार्क' संगोष्ठी में "हेलिकोबेक्टर पाइलोरी डी.एन.ए.बी. हेलिकेस" शीर्षक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार/सम्मान/अध्येतावृत्ति

- एस.के. धर को वेलकम ट्रस्ट, यू.के. द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- आर.के. त्यागी, आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ सेल बायोलाजी

अध्याय–4
अकादमिक स्टाफ कालेज

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अकादमिक स्टाफ कालेज की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी। कालेज का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय और कालेज–शिक्षकों को उनके सम्पूर्ण बौद्धिक विकास के अतिरिक्त विषयात्मक वाद–विवाद और भाषण की कला से परिचित कराना है। इससे उन्हें विषयात्मक बिंदुओं तथा समसामयिक समस्याओं पर विचार करने और उनको प्रतिबिम्बित करने की क्षमता अर्जित करने की प्रेरणा भी मिलती है।

कालेज विभिन्न विषयों में पुनश्चर्या कोर्स और अनुशीलन कोर्स आयोजित करता है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को उन सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भों वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी देना है, जिनका आज की भारतीय उच्च शिक्षा सामना कर रही है। प्रतिभागियों को अच्छे शिक्षक बनाने हेतु उनकी समझ और दक्षता को बढ़ाया जाता है। बहु–विषयक दृष्टिकोण तथा शिक्षण संस्थाओं और भारतीय समाज के बीच के संबंधों को सुदृढ बनाने पर बल दिया जाता है।

कालेज निम्नलिखित विषयों में पुनश्चर्या कोर्स आयोजित करता है : राजनीति विज्ञान, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, अर्थशास्त्र, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान, समाजशास्त्र, जीवन–विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भौतिक विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी। इन कोर्सों का आयोजन उन शिक्षकों के लिए किया जाता है जिन्होंने कम से कम दो वर्ष शिक्षण अनुभव अर्जित किया हो।

सभी कोर्सों के प्रतिभागियों को कंप्यूटर और इंटरनेट के प्रयोग के बारे में जानकारी दी जाती है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कालेज ने 13 (11 पुनश्चर्या और 2 अनुशीलन कोर्स) कोर्सों का आयोजन किया तथा इसमें भाग लेने के लिए प्रतिभागी देश भर के सभी स्थानों से बुलाए गए।

कोर्सों का विवरण निम्न प्रकार से है :

अनुशीलन कोर्स

क्र.सं.	कोर्स का नाम व दिनांक	कुल प्रतिभागी	पुरुष	महिला	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.
1.	46वां अनुशीलन कोर्स (सामाजिक विज्ञान) 7 अप्रैल – 2 मई 2003	55	24	31	5/15/4
2.	47वां अनुशीलन कोर्स (सामान्य) 10 नवम्बर – 5 दिसम्बर 2003	49	23	26	3/15/3

पुनश्चर्या कोर्स

क्र.सं.	कोर्स का नाम व दिनांक	कुल प्रतिभागी	पुरुष	महिला	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.
1.	7वाँ पुनश्चर्या कोर्स (जैव–प्रौद्योगिकी) 7 अप्रैल – 2 मई 2003	38	19	19	0/0/4
2.	25वाँ पुनश्चर्या कोर्स (समाजशास्त्र) 14 जुलाई – 8 अगस्त, 2003	25	8	17	1/2/1
3.	29वाँ पुनश्चर्या कोर्स (अर्थशास्त्र) 11 अगस्त 5 सितम्बर, 2003	29	18	11	2/1/2

क्र.सं.	कोर्स का नाम व दिनांक	कुल प्रतिभागी	पुरुष	महिला	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.
4.	20वाँ पुनश्चर्या कोर्स (इतिहास) 8 सितम्बर 3 अक्टूबर, 2003	34	26	8	3/1/5
5.	29वाँ पुनश्चर्या कोर्स (राजनीति विज्ञान) 6 अक्टूबर 31 अक्टूबर 2003	38	28	10	1/0/4
6.	30वाँ पुनश्चर्या कोर्स (अर्थशास्त्र) 29 दिस. 23 जनवरी, 2004	33	20	13	1/6/4
7.	9वाँ पुनश्चर्या कोर्स (जीवन–विज्ञान) 29 दिसम्बर – 23 जनवरी, 2004	38	15	23	0/6/5
8.	21वाँ पुनश्चर्या कोर्स (इतिहास) 27 जनवरी – 20 फरवरी 2004	32	23	9	2/0/5
9.	5वाँ पुनश्चर्या कोर्स (भौतिक विज्ञान) 27 जनवरी – 20 फरवरी, 2004	33	22	11	1/0/2
10.	30वाँ पुनश्चर्या कोर्स (राजनीति विज्ञान) 23 फरवरी से 19 मार्च, 2004	38	25	13	3/4/4
11.	9वाँ पुनश्चर्या कोर्स (पर्यावरण विज्ञान) 23 फरवरी से 19 मार्च 2004	31	16	15	1/0/3

अकादमिक स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित कोर्सों के लिए वरिष्ठ शिक्षक कोर्स समन्वयक के रूप में कार्य करते हैं। जेएनयू के शिक्षकों के अतिरिक्त, दिल्ली और दिल्ली से बाहर के संस्थानों और संगठनों के विशेषज्ञों को भी कार्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

कालेज ने उत्तरी क्षेत्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अकादमिक स्टाफ कालेजों के निदेशकों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (अनुशीलन कार्यक्रम) में एक पायलट कोर्स भी आयोजित किया था। इस कोर्स से प्राप्त अनुभव के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और कार्यक्रम के अखिल भारतीय समन्वयक को विभिन्न सुझाव भेजे गए हैं।

कालेज में एक वेब पेज भी बनाया गया है जो – http//members.tripod.com/ascjnu – है।

अध्याय–5
छात्र गतिविधियाँ

1. छात्रों की संख्या

विश्वविद्यालय में वर्ष 2003–2004 के दौरान दाखिल और 1.9.2003 को पंजीकृत छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से थी –

शैक्षिक वर्ष 2003–2004 के दौरान दाखिल छात्रों की संख्या का (संस्थान / केंद्र–वार) विवरण :

क. एम.फिल. / पी–एच.डी., एम.टेक. / पी–एच.डी., एम.सी.एच. / सीधे पी–एच.डी.

संस्थान / केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	कुल
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	96	24	16	04	140
सामाजिक विज्ञान संस्थान	134	41	18	04	197
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	102	12	04	02	120
जीवन विज्ञान संस्थान	11	02	–	–	13
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	14	03	02	–	19
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	16	02	01	01	20
भौतिक विज्ञान संस्थान	05	–	–	–	05
जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र	02	01	–	–	03
सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	10	04	–	01	15
आणविक चिकित्साशास्त्र केन्द्र	03	–	01	02	06
कुल	393	89	42	14	538

ख. एम.ए. / एम.एस–सी. / एम.सी.ए.

संस्थान / केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	कुल
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	52	11	08	02	73
सामाजिक विज्ञान संस्थान	167	45	37	05	254
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	86	08	05	02	101
जीवन विज्ञान संस्थान	09	–	02	–	11
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	24	05	02	01	32
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	10	03	02	01	16
भौतिक विज्ञान संस्थान	14	06	–	–	20
कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान	13	05	02	01	21
संस्कृत अध्ययन केन्द्र	17	–	03	–	20
कुल	392	83	61	12	548

ग. बी.ए. (ऑनर्स)

संस्थान / केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	कुल
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	178	37	09	08	232

घ. छात्रों की कुल संख्या एक नजर में

अध्ययन पाठ्यक्रम	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	कुल
एम.फिल. / पी–एच.डी., एम.टेक. / पी–एच.डी., एम.सी.एच. / सीधे पी–एच.डी.	2057	512	52	98	2719
एम.ए. / एम.एस–सी. / एम.सी.ए.	992	294	31	61	1368
बी.ए.	460	101	14	26	601
जैव–सूचना–विज्ञान में स्नातकोत्तर	09	04	01	–	14
कुल	3518	911	98	185	4702

च. पूर्णकालिक अध्ययन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विदेशी छात्रों का देश–वार विवरण –

बंगला देश	02	केमरून	01
जापान	09	लिथुआनिया	01
बुलगारिया	01	थाईलैंड	04
वियतनाम	02	ईरान	03
यमन	01	भूटान	01
किरगिस्तान	02	दक्षिण कोरिया	11
फ्रांस	01	यू.एस.ए.	02
कनाडा	01	नेपाल	14
रूस	01	इंडोनेशिया	02
श्रीलंका	05	चीन	03
केन्या	01	युगांडा	01
उजबेकिस्तान	02	कजाकिस्तान	01
मिश्र	01	मंगोलिया	02
मारिशस	01		
	कुल	=	68

छ. अंशकालिक पाठ्यक्रम (भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान)

पाठ्यक्रम	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	कुल
प्रवीणता प्रमाण–पत्र	86	19	06	01	112
प्रवीणता डिप्लोमा	08	03	–	–	11
उच्च प्रवीणता डिप्लोमा	32	–	–	–	32
कुल	**126**	**22**	**06**	**01**	155

II. आवासीय हाल

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय के 13 छात्रावासों तथा एक विवाहित शोध छात्रावास में छात्रों की संख्या 3720 थी। इनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, शारीरिक रूप से विकलांग और विदेशी छात्र भी शामिल हैं। छात्रावासों में रह रहे छात्र विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् द्वारा अनुमोदित छात्रावास नियमावली में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार छात्रावास मेसों के प्रबंधन कार्यों में भाग लेते रहे।

छात्रावास–वार छात्रों की संख्या और समीक्षाधीन अवधि के दौरान छात्रावास पाने वाले छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से थी :

छात्रावास का नाम	सीटों की संख्या	1.4.2003 से 31.3.2004 के दौरान छात्रावास पाने वाले छात्रों की संख्या
कावेरी	294	087
पेरियार	306	134
सतलज	294	068
झेलम	280	103
नर्मदा	202	083
गंगा	300	088
गोदावरी	317	140
साबरमती (छात्र)	126	038
साबरमती (छात्राएं)	138	048
ताप्ती (छात्राएं)	168	083
ताप्ती (छात्र)	226	092
ब्रह्मपुत्र	384	082
माही	200	102
मांडवी	200	120
विवाहित शोध छात्र छात्रावास	086	031
यमुना*	199	139
कुल योग	3720	1438

* कामकाजी महिला छात्रावास

छात्र सहायता निधि

1.4.2003 से 31.3.2004 की अवधि के दौरान छात्र सहायता निधि में से जरूरतमंद छात्रों में 1.43.900/– रूपये की राशि वितरित की गई।

III. खेलकूद कार्यालय

फरवरी, 2004 में योग केन्द्र ने अपनी स्थापना के 5 वर्ष पूरे कर लिए हैं। योग केन्द्र की गतिविधियाँ ज.ने.वि. और इसके आस–पास के लोगों में काफी लोकप्रिय हो रही हैं, इसलिए लोग इसके प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इसके सदस्यों की संख्या 600 से अधिक हो गई है तथा वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित योजना को विश्वविद्यालय ने अब अपने अधीन ले लिया है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान योग केंद्र ने कई कोर्स और स्ट्रेस रिलिविंग, मेडिटेशन और कायाकल्प से संबंधित केंप भी आयोजित किए।

वालीवाल टीम उत्तरी क्षेत्र अन्तर–विश्वविद्यालय वालीवाल प्रतियोगिता – 2003–2004 में क्वार्टर फाइनल तक पहुँची। टीम ने जामिया हमदर्द द्वारा आयोजित सुपर लीग प्रतियोगिता भी जीती।

पर्वतारोहण और पदयात्रा क्लब बहुत ही सक्रिय और लोकप्रिय क्लब है। इसने 23 से 31 जनवरी, 2004 तक भारतीय थार मरूस्थल में अपनी वार्षिक मरूस्थल पदयात्रा का आयोजन किया। इस पदयात्रा दल में 10 छात्र थे। इन्होंने खुरी, सुदासिरी डेजर्ट नेशनल पार्क और साम की पदयात्रा की। यह पदयात्रा 9 दिन की थी। इनमें से तीन दिन इन्होंने टीलों पर बिताए। इस दल ने अपनी पदयात्रा का समापन जैसलमेर और जोधपुर के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करके किया।

क्लब ने नेशनल एडवेंचर फाउंडेशन के माध्यम से शिवपुरी ऋषिकेश में तीन दिवसीय राफ्टिंग यात्रा का भी आयोजन किया। 27 से 29 फरवरी के दौरान 40 छात्रों ने अपने स्नो लियोपार्ड शिविर से 'रिवर रेपिड्स' प्रतियोगिता में भाग लिया।

कमला कुमारी जो कि क्लब की बहुत सक्रिय सदस्य हैं, को वार्षिक समारोह के अवसर पर सम्मानित किया गया। इन्होंने देश में आयोजित होने वाले प्रत्येक पर्वतारोहण कोर्स को उच्च ग्रेड से पूरा किया। ये क्लब के साथ वर्ष 1998 में जुड़ी थीं और आज वे देश की बहुत ही होनहार युवा पर्वतारोही के रूप में जानी जाती हैं। इन्होंने ज.ने.वि. पर्वतारोही क्लब तथा बाहर के क्लबों के दर्जनों कार्यक्रमों में भी भाग लिया। कमला ने अक्टूबर, 2003 में 'निम' के 'एडवेंचर कोर्स' में अनुदेशक के रूप में सहयोग किया है।

जनवरी, 2004 में, कमला इण्डो–नेपाल चुलु–मैसिफ शरतकालीन पदयात्रा की सदस्य थीं। यह पदयात्रा नेपाल में अन्नपूर्णा पहाड़ियों में 21,182 फिट की ऊँचाई की थी। वह सफलतापूर्वक चोटी पर पहुँची। बेहतर प्रदर्शन के लिए इन्हें सम्मानित किया गया।

वर्ष के दौरान अन्य क्लब भी सक्रिय रहे।

25 मार्च, 2004 को वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि द्वारा लगभग 350 पुरस्कार/प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। इस वर्ष की मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्काई डाइवर सुश्री रचेल थॉमस थीं।

IV. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना वर्ष 1973 में छात्रों हेतु एक मेडिकल केयर यूनिट के रूप में हुई थी, लेकिन जल्दी ही इसकी सुविधाएं (परामर्श, जाँच और इलाज) शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों और परिसर में रहने वाले अन्य लोगों को मुहैया करवाई जाने लगीं।

इसकी स्थापना से ही स्वास्थ्य केन्द्र का मुख्य उद्देश्य एक ही स्थान पर रोगों की रोकथाम, उपचार और बेहतर स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं मुहैया कराना रहा है।

स्वास्थ्य केन्द्र के बाह्य रोगी विभाग में चिकित्सा सेवाएं पूर्णकालिक और अंश–कालिक चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल और अन्य सहयोगी स्टाफ द्वारा प्रातः 8.00 बजे से दोपहर 2.00 और सायं 4 बजे से 9 बजे (सोमवार से शनिवार तक) तक उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य सेवाएं राजपत्रित अवकाशों में भी सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध कराई गई।

वर्ष 2003–2004 के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र में प्रातःकालीन/सांयकालीन बा.रो.वि. और होमियो क्लिनिक में 46,625 रोगी इलाज के लिए आए।

31.3.2004 तक, 636 सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु स्वास्थ्य केन्द्र में अपना पंजीकरण करवाया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सभी दवाइयां स्वास्थ्य केन्द्र की फार्मेसी से दी गईं। जो दवाइयां यहाँ उपलब्ध नहीं थीं, वे स्थानीय केमिस्ट से खरीदकर दी गईं।

एम्बुलेंस की व्यवस्था बीमार व्यक्तियों (सभी परिसरवासी, छात्र और जेएनयू के स्टाफ) को अस्पताल छोड़ने के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराई गई।

1.4.2003 से 31.3.2004 की अवधि के दौरान दोनों प्रयोगशालाओं में 9282 रोगियों ने परीक्षण करवाए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान परिसर में चेचक के 35, कनफेड़ा का 1, मलेरिया के 2 हेपेटाइटस के 68 और डेंगू के 18 मामलों को छोड़कर वृहत्तर स्तर पर कोई बीमारी नहीं फैली। स्वास्थ्य केन्द्र भारत सरकार द्वारा चलाए गए पल्स

पोलियो कार्यक्रम में भाग लिया। परिसर में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलिया की दवा की खुराक पिलाई गई।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र ने 1,89,983.00/– रू. की राशि प्राप्त की।

स्वास्थ्य केन्द्र ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और स्टुडेंट्स फार हारमनी के सहयोग से रक्त दान शिविर का आयोजन किया।

v. सांस्कृतिक गतिविधियां

सांस्कृतिक गतिविधि समिति परिसर में छात्रों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित करती है। ये गतिविधियां विभिन्न सांस्कृतिक क्लबों – फिल्म, फोटो, ड्रामा, संगीत, यूनेस्को, वाद–विवाद, साहित्यिक, प्रकृति और वन्य जीवन तथा ललित कला – के माध्यम से आयोजित की जाती है।

संगीत क्लब

- संगीत क्लब ने ज.ने.वि. छात्र संघ के सहयोग से 6 दिसम्बर, 2003 को एक संगीतसंध्या का आयोजन किया।
- स्पिक मैके, ज.ने.वि. ने 19.2.2004 को श्रीमती गिरिजा देवी (स्वर) और श्री स्यान अली बंगश (सरोद) के संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 27 फरवरी, 2004 को एक अन्य कार्यक्रम 'सृजन' का आयोजन किया गया।

फिल्म क्लब

- फिल्म क्लब ने ज.ने.वि. छात्र संघ के सहयोग से 6 दिसम्बर, 2003 को एक फिल्म–शो आयोजित किया।

नाट्य क्लब

- नाट्य क्लब ने 25 अगस्त, 2003 को 'थैंक यू मि. ग्लेड' विषयक नाटक का आयोजन किया।
- बहरूप समूह द्वारा 19 सितम्बर, 2003 को 'बड़ा बन तू बड़ा बन' विषयक अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- नाट्य क्लब ने 20 नवम्बर, 2003 को 'अंधे का हाथी' विषयक एक प्रदर्शन/प्रस्तुति कार्यशाला आयोजित की।
- इस क्लब ने 23 फरवरी, 2004 को एक रंगमंच कार्यक्रम का भी आयोजन किया।

वाद–विवाद क्लब

- वाद–विवाद क्लब ने 5 सितम्बर, 2003 को एक परिचर्चा आयोजित की। वाद–विवाद क्लब के सदस्यों ने लाहौर, पाकिस्तान में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया।

साहित्यिक क्लब

- साहित्यिक क्लब ने 29 मार्च, 2004 को अनूप त्रिवेदी द्वारा निर्देशित नाटक 'कबीरा खड़ा बाजार में' विषयक नाटक का आयोजन किया।

प्रकृति एवं वन्य–जीव क्लब

- क्लब ने 2 से 8 अक्टूबर, 2003 तक एक सप्ताह के कार्यक्रम का आयोजन किया।

ललित कला क्लब

- ललित कला क्लब ने 6–7 सितम्बर, 2003 को एक 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- क्लब ने 16 नवम्बर, 2003 को कार्टून प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के छात्रों द्वारा 'कल्लोल' नामक वार्षिक खेल और सांस्कृतिक समारोह भी आयोजित किया गया।
- एस.एफ.एच. ने 27 सितम्बर, 2003 को 'मधुरिमा' विषयक अखिल भारतीय लोक संगीत एवं नृत्य कार्यक्रम और 15 नवम्बर, 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया।

इप्टा ग्रुप, ज.ने.वि. द्वारा 10 जनवरी, 2004 से 21 जनवरी, 2004 तक अन्तर महाद्वीपीय युवा शिविर और वर्ल्ड सोशल फोरम, मुम्बई में 'मारे जाएंगे' और 'बाइज्जत बरी किया जाता है' विषयक नाटकों का मंचन किया गया। सुश्री कमला कुमारी, शोध छात्रा ने अन्नपूर्णा क्षेत्र, नेपाल में स्थित चुलु मैसिफ की पदयात्रा में भाग लिया। एस.एफ.एच.

द्वारा 17 जनवरी, 2004 को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर 'मुशायरा' और 'टैलैण्ट–2004' विषयक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान द्वारा 27–28 फरवरी, 2004 को 'सम्मिट' 2004 विषयक सांस्कृतिक और खेल महोत्सव आयोजित किया गया। इप्टा ग्रुप, ज.ने.वि. द्वारा 8 से 10 मार्च, 2004 तक 'कलरव' नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान और सामाजिक विज्ञान संस्थान के छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा 22 से 30 मार्च, 2004 तक एक साहित्यिक और सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ सदस्यों के साथ एस.एफ.एच. द्वारा 29 मार्च, 2004 को विश्वविद्यालय उत्सव 2004 आयोजित किया गया।

VI. राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट ने अपनी विभिन्न गतिविधियां आयोजित कीं। इनमें शामिल हैं – एच.आई.वी./एड्स विषयक एक कार्यशाला और एक रक्तदान शिविर। कई शिक्षकों छात्रों और स्टाफ–सदस्यों ने विश्वविद्यालय से बाहर आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं और इसी तरह की गतिविधियों में भाग लिया।

अध्याय–6
कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय ने अ.जा./अ.ज.जा. प्रकोष्ठ' नाम से एक विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की है। इस प्रकोष्ठ की स्थापना मार्च, 1984 में हुई थी। यह प्रकोष्ठ मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए निगरानी रखता है, मूल्यांकन करता है और इसके अतिरिक्त, भारत सरकार द्वारा जारी उद्देश्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपाय सुझाता है।

भारत सरकार की नीति के अनुसार अ.जा./अ.ज.जा. के लिए मकानों के आबंटन में भी आरक्षण का प्रावधान है। टाइप–I और II के मकानों में 10% मकान अ.जा./अ.ज.जा. के लिए आरक्षित हैं तथा टाइप–III और IV में 5% मकान। टाइप–V और VI के मकानों में अ.जा./अ.ज.जा. को कोई आरक्षण उपलब्ध नहीं है।

प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 22.5% सीट आरक्षित हैं। इनमें 15% सीट अ.जा. के लिए और 7.5% सीट अ.ज.जा. के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीदवार अर्हक परीक्षा में प्राप्त अंकों की प्रतिशतता को ध्यान में रखे बिना ही विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में बैठने के पात्र हैं। चालू शैक्षणिक सत्र–2003–2004 में विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में 24.27% अ.जा./अ.ज.जा. के छात्रों ने प्रवेश लिया।

छात्रावासों में भी 15% सीट अ.जा. और 7.5% सीट अ.ज.जा. के छात्रों के लिए आरक्षित हैं। यदि किसी एक वर्ग में उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होते हैं तो अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीदवारों में दूसरे वर्ग के उपलब्ध उम्मीदवारों को वह सीट दे दी जाती है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय प्रायोजित कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय ने 100–100 कमरों के छात्रावास अ.जा. की छात्राओं और अ.जा. के छात्रों के लिए बनाए हैं। इससे अ.जा. की सभी छात्राओं और छात्रों को छात्रावास सुविधा उपलब्ध हो गई है।

विश्वविद्यालय ने प्रत्येक संस्थान/केन्द्र में अ.जा./अ.ज.जा. सहित समाज के कमजोर वर्गों से आने वाले छात्रों की प्रारंभिक स्कूली शिक्षा की कमी को पूरा करने के लिए अंग्रेजी और कोर कोर्सों में विशेष उपचारात्मक कोर्स चलाना जारी रखा है। प्रत्येक संस्थान/केन्द्र के समन्वयक इस प्रकार के छात्रों का पता लगाते हैं, जिन्हें विशेष उपचारात्मक सहायता की जरूरत होती है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्याल ने जेएनयू के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश–परीक्षा में बैठने वाले अ.जा./अ.ज.जा. और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए प्रवेश–परीक्षा की तैयारी में सहायता करने हेतु एक विशेष योजना शुरू की है। इस योजना के अन्तर्गत अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीदवारों को जेएनयू की प्रवेश परीक्षा हेतु वित्तीय सहायता सहित मार्गदर्शन, सूचना और सहायता उपलब्ध कराने हेतु एक केन्द्र की स्थापना की गई है। इसके लिए एक शिक्षक सलाहकार भी नियुक्त किया गया है। इस दिशा में, विश्वविद्यालय ने अपने निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप कमजोर वर्गों के छात्रों को प्रवेश देने संबंधी अपनी वचनबद्धता लगभग पूरी की है।

समान अवसर कार्यालय

विश्वविद्यालय ने 'समान अवसर कार्यालय' नामक एक कार्यालय की स्थापना की है। इस प्रकार का कार्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों में शायद पहला है। इस कार्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- अ.जा./अ.ज.जा./शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल./पी–एच.डी. स्तर पर उनके शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए उपचारात्मक कोर्सों सहित उपयुक्त कार्यक्रम/योजनाएं तैयार करना और इन कार्यक्रमों/योजनाओं के कार्यान्वयन पर निगरानी रखना;
- विश्वविद्यालय में दलित छात्रों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय और अन्य शैक्षणिक सामग्री हेतु सरकार और अन्य वित्तीय एजेंसियों के साथ सम्पर्क स्थापित करना;

- शैक्षणिक, वित्तीय और अन्य मामलों में जानकारी प्रदान करना और एक सलाह केन्द्र के रूप में कार्य करना;
- विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों के बीच स्वस्थ और अन्तर्वैयक्तिक संबंध बढ़ाने हेतु अनुकूल सामाजिक वातावरण तैयार करना;
- शैक्षणिक क्रियाकलापों हेतु शिक्षकों और दलित छात्रों के बीच सहायक अन्तर्वैयक्तिक संबंध विकसित करने में सहायता करना;
- यदि कोई भेदभाव की समस्या आती है तो उसको देखना और दलित छात्रों की सहायता करना।

उपचारात्मक शिक्षण : उपचारात्मक शिक्षण योजना के अंतर्गत अंग्रेजी और कोर विषयों में अलग–अलग शिक्षण दिया गया। कार्यालय ने प्रत्येक केन्द्र के अध्यक्ष और संस्थान के डीन से एक समन्वयक नामित करने का अनुरोध किया। समन्वयक इस प्रकार के छात्रों की पहचान करेंगे, जिन्हें उपचारात्मक सहायता की आवश्यकता है और उनके लिए व्यक्तिगत उपचारात्मक सहायता के माध्यम से अतिरिक्त शैक्षणिक सहायता की व्यवस्था करेंगे। इस योजना में शिक्षण सहायता के अन्तर्गत टी.वी., बी.सी.आर., कंप्यूटर, फोटोकापी मशीन और रिकार्डर उपलब्ध कराना भी शामिल है। भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र अंग्रेजी में एक उपचारात्मक कोर्स चला रहा है।

इस कार्यालय ने 'जरूरतमंद व्यक्तियों (विकलांग) के लिए उच्च शिक्षा विषयक वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित परियोजना का कार्य भी अपने हाथ में लिया है। इस परियोजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- उच्च शिक्षा से जुड़े अधिकारियों को विकलांग लोगों की विशेष शैक्षणिक जरूरतों के बारे में अवगत कराना;
- विकलांग व्यक्तियों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए संस्थान में सुविधाएं विकसित करना,
- विकलांग लोगों की उच्च शिक्षा में सततता बनाए रखने में सहायता करना;
- विकलांग स्नातकों के लिए उपयुक्त नौकरियों की तलाश करना।

ढलानदार रास्तों का निर्माण – वि.वि. परिसर में विकलांग लोग आसानी से आ–जा सके इसके लिए विश्वविद्यालय ने अपने भवनों में 20 ढलानदार रास्तों का निर्माण किया है। विश्वविद्यालय ने कुछ और ढलानदार रास्ते बनाने की योजना बनाई है ताकि विकलांग लोग परिसर में कहीं भी आसानी से आ–जा सकें।

शैक्षणिक पदों में अ.जा./अ.ज.जा. और शा.रू. से विकलांगों का प्रतिनिधित्व (31.3.2004 के अनुसार)

	कुल पद	अ.जा.	अ.ज.जा.	शा.वि.
प्रोफेसर	187	04	01	–
एसोसिएट प्रोफेसर	122	03	03	–
सहायक प्रोफेसर	90	10	04	02

गैर–शैक्षणिक पदों में अ.जा./अ.ज.जा. और शा.रू. से विकलांगों का प्रतिनिधित्व (1.1.2002 के अनुसार)

ग्रुप	कुल पद	अ.जा.	अ.ज.जा.	शा.वि.
ए	66	14	01	–
बी	166	20	03	–
सी	488	92	11	01
डी	434	118	14	02
सफाई कर्मचारी	123	123	–	–

अध्याय–7
विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राधिकरण जे.एन.यू. कोर्ट की बैठक 8 जनवरी, 2004 को कुलाधिपति डॉ. करण सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर रिपोर्ट और विश्वविद्यालय का वर्ष 2003–2004 का लेखा–परीक्षित प्राप्ति व व्यय का विवरण तथा तुलन–पत्र प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय का योजनेत्तर अनुरक्षण बजट भी प्रस्तुत किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 2 बैठकें हुईं। ये बैठकें 30 मई 2003, और 16 अक्टूबर 2003 को हुईं। इन बैठकों में कार्यसूची की अनेक मदों पर विचार–विमर्श किया गया और प्रशासनिक मामलों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

विद्या परिषद की बैठकें 2 मई, 2003 और 24 अक्टूबर, 2003 को हुईं। इनमें कार्य परिषद के समक्ष पेश की जाने वाली मदों सहित अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वित्त समिति की 17 नवम्बर, 2003 को बैठकें हुईं। इसमें वर्ष 2003–2004 के संशोधित अनुमानों और वर्ष 2004–2005 के विश्वविद्यालय के बजट अनुमानों को अनुमोदित किया गया और कुछ महत्वपूर्ण वित्तीय मामलों पर निर्णय लिए गए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियों के लिए चयन समितियों की कई बैठकें आयोजित हुईं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 41 शिक्षक नियुक्त किए गए। इनमें 07 प्रोफेसर, 09 एसोसिएट प्रोफेसर और 25 सहायक प्रोफेसर शामिल हैं। इनके अतिरिक्त, विभिन्न कैडरों में 28 गैर–शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियाँ भी की गईं।

29 शिक्षकों को आवधिक/असाधारण अवकाश/अध्ययन अवकाश मंजूर किए गए या उनके अवकाश में वृद्धि की गई। शिक्षकों ने अपना शोध कार्य पूरा करने/अन्य संस्थानों में नियुक्तियों/अध्येतावृत्तियाँ प्राप्त करने जैसे प्रयोजनों के लिए अवकाश लिया था। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 06 शिक्षकों को पुनः नियुक्त किया गया या उनकी पुनः नियुक्ति की अवधि में विस्तार किया गया। इस अवधि के दौरान, कुल 12 शिक्षक विश्वविद्यालय की सेवा से सेवा–निवृत्त हुए।

सम्पदा शाखा

समीक्षाधीन अवधि के दौरान मकान आबंटन समिति की 03 और परिसर विकास समिति की 07 बैठकें हुईं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान नए मकान नहीं बनाए गए तथा मकान आबंटन समिति द्वारा खाली पड़े कई मकान शिक्षकों और अन्य स्टाफ सदस्यों को आबंटित किए गए। समीक्षाधीन अवधि के दौरान सम्पदा शाखा द्वारा निम्नलिखित भवनों का कब्जा लिया गया :

1. अकादमिक स्टाफ कालेज
2. विज्ञान केन्द्र (जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान)
3. पोस्ट–डाक्टरल शोध छात्रों के लिए छात्रावास
4. ट्रांजिट हाउस, फेज–III

सम्पदा शाखा के अधीन उद्यान विभाग ने एक विशेष अभियान के माध्यम से अनेक पौधे लगाए और शैक्षिक और प्रशासनिक भवनों के आस–पास हरियाली को बनाए रखने के लिए पेड़–पौधे लगाए।

सम्पदा शाखा ने जीवन विज्ञान संस्थान में साफ–सफाई का कार्य ठेके पर दिया। पुस्तकालय और कुछ छात्रावासों में पहले से ही साफ सफाई का कार्य ठेके पर करवाया जा रहा है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान सम्पदा शाखा ने विश्वविद्यालय के पात्र स्टाफ सदस्यों को वर्दियां वितरित कीं। कुछ संस्थानों/विशेष केन्द्रों/अन्य विभागों में प्रत्यक्ष सत्यापन का कार्य किया गया तथा अन्य विभागों में यह कार्य शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा।

परिसर विकास

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने अन्य विकास कार्यों के साथ–साथ छात्रावासों, ट्रांजिट हाउस और पोस्ट डॉक्टरल फेलो छात्रावास का निर्माण कार्य किया। अकादमिक स्टाफ कालेज के भवन का कब्जा ले लिया है तथा

इसे प्रयोग में लाया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2004–05 के दौरान पाँच नए भवनों – भौतिक विज्ञान संस्थान, जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र, अभिलेखागार केन्द्र, संस्कृत केन्द्र में अतिरिक्त फ्लोर और भाषा प्रयोगशाला – में नए निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। वित्तीय वर्ष 2004–05 में 7 लाख लीटर क्षमता का एक ओवरहेड टैंक स्थापित करने का कार्य भी शुरू करने की योजना है।

जन–सम्पर्क कार्यालय

विश्वविद्यालय के जन–सम्पर्क कार्यालय ने विभिन्न गतिविधियों से संबंधित अनेक प्रेस विज्ञप्तियाँ जारी कीं। समाचारों में जे.एन.यू. से संबंधित प्रकाशित रिपोर्ट और शिकायतों से संबंधित प्रेस कतरने प्रशासन की जानकारी हेतु भेजीं तथा आवश्यकतानुसार उचित स्पष्टीकरण/उत्तर–प्रत्युत्तर जारी किए। जन–सम्पर्क कार्यालय ने जन–साधारण को शैक्षिक तथा प्रशासनिक मामलों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी तथा विश्वविद्यालय में आए महत्वपूर्ण अतिथियों तथा शिष्ट मण्डलों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारी के लिए लिखित रूप से पूछताछ करने वालों को भी उत्तर भेजे।

जन–सम्पर्क अधिकारी ने विश्वविद्यालय की द्विमासिक पत्रिका 'जे.एन.यू. न्यूज' का प्रकाशन भी जारी रखा। इन्होंने इसका सम्पादन और प्रकाशन विश्वविद्यालय की ओर से किया। यह पत्रिका सूचनाओं की कमी को पूरा करती है तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न घटकों एवं शेष शैक्षिक विश्व समुदाय के मध्य सीधा संवाद स्थापित करती है। जन–सम्पर्क अधिकारी कार्यालय द्वारा विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट को भी हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार करके प्रकाशित किया गया।

अतिथि गृह

जे.एन.यू. के तीन अतिथि गृहों – अरावली, अरावली इंटरनेशनल और गोमती में समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 4200 से अधिक अतिथियों को कमरे उपलब्ध कराए गए। इन अतिथियों में शोध सामग्री या अन्य शैक्षिक उद्देश्यों के लिए देश–विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/शिक्षा संस्थानों से दिल्ली आए शिक्षक तथा शोध छात्र शामिल हैं। विश्वविद्यालय के सरकारी अतिथियों, शिक्षकों तथा स्टाफ के अतिथियों, छात्रों के माता–पिताओं और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अतिथियों को भी अल्पकालिक अवधि के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

हिन्दी एकक

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हिंदी एकक ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 9 स्टाफ सदस्यों और 4 अधिकारियों ने भाग लिया।

यूनिट ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान, वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखे, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट, प्रवेश सूचनाओं, भर्ती के लिए विज्ञापनों, अधिसूचनाओं/परिपत्रों, प्रेस विज्ञप्तियों आदि से संबंधित अनुवाद का कार्य भी किया।

मुख्य कुलानुशासक कार्यालय

विश्वविद्यालय में मुख्य कुलानुशासक कार्यालय की स्थापना वर्ष 1986 में हुई थी। इस समय एक मुख्य कुलानुशासक और दो कुलानुशासक (इनमें से एक महिला कुलानुशासक है) हैं। मुख्य कुलानुशासक का कार्यालय विश्वविद्यालय के छात्रों में अनुशासन बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है। यह कार्यालय परिसर में शांति और सौहार्द्र बनाए रखने का कार्य करता है तथा यह दण्डात्मक उपायों की बजाय सुधारात्मक उपायों में अधिक विश्वास रखता है। फिर भी, अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन करने वाले छात्रों के विरुद्ध उचित अनुशासनिक कार्रवाई की जाती है।

अध्याय–8

विश्वविद्यालय वित्त

I. लेखा और लेखा–परीक्षा पद्धति

विश्वविद्यालय के लेखे पांच भागों में रखे जाते हैं :

1. अनुरक्षण (योजनेतर) खाता : यह खाता विश्वविद्यालय के राजस्व, प्राप्तियों और अनुरक्षण खर्च से सम्बन्धित है।

2. विकास (योजना) खाता : इस खाते में विश्वविद्यालय के विकास से संबंधित लेन–देन का खाता रखा जाता है, जिसकी पूर्ति पंच–वर्षीय योजना के आबंटन से की जाती है।

3. उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता : इस खाते में केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी., सी.एस.आई.आर. और आई.सी.एस.एस.आर., आदि द्वारा वित्त–पोषित विशेष शोध परियोजनाओं, सम्मेलनों और अन्य विशिष्ट प्रयोजनों आदि से संबंधित लेखा–जोखा रखा जाता है।

4. ऋण, जमा आदि खाता : इस खाते में भविष्य निधि और अन्य जमाओं से संबंधित प्राप्तियों और अदायगियों का हिसाब रखा जाता है।

5. अध्येतावृत्ति खाता : इस खाते में "एट एनी वन गिविन टाइम बेसिस" योजना के अन्तर्गत शोध अध्येतावृत्तियों से संबंधित प्राप्तियों और अदायगियों का लेखा–जोखा रखा जाता है।

विश्वविद्यालय का वित्तीय वर्ष भारत सरकार के अनुरूप यानी 1 अप्रैल से अगले वर्ष की 31 मार्च तक होता है। विश्वविद्यालय के लेखों की वार्षिक लेखा–परीक्षा भारत के नियन्त्रक और महालेखा–परीक्षक की ओर से लेखा–परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व द्वारा की जाती है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय के परीक्षित लेखे अगले वर्ष की 31 दिसम्बर तक सदन के पटल पर रखे जाने अपेक्षित होते हैं। विश्वविद्यालय के वर्ष 2001–2002 के परीक्षित लेखे (हिन्दी और अंग्रेजी में) लोकसभा के पटल पर 13 अगस्त, 2003 और राज्यसभा के पटल पर 22 अगस्त 2003 को रखे गए।

विश्वविद्यालय के वर्ष 2002–2003 के वार्षिक लेखे डी.जी.ए.सी.आर. को पहले ही भेज दिए गए हैं। वर्ष 2002–2003 के वार्षिक लेखों की लेखा–परीक्षा डी.जी.ए.सी.आर. द्वारा 9 सितम्बर 2003 से 9 दिसम्बर 2003 तक की गई।

II. बजट

विश्वविद्यालय के वर्ष 2004–2005 के बजट आकलन और 2003–2004 के संशोधित आकलन 17 नवम्बर, 2003 को वित्त समिति द्वारा अनुमोदित किए गए थे।

वर्ष 2003–2004 के संक्षिप्त बजट आकलन, संशोधित आकलन और प्राप्ति तथा व्यय के वास्तविक आंकड़े तालिका–1 और 2 में दिए गए हैं :

तालिका–1
(प्राप्तियाँ)

	लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2003–2004	संशोधित आकलन 2003–2004	वास्तविक 2003–2004
		(रू. लाखों में)		
1.	अनुरक्षण (योजनेतर) खाता	7110.81	7933.68	6180.16
2.	विकास (योजना) खाता	598.18	603.68	1344.05
3.	उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता	1201.20	1392.55	1401.58
4.	ऋण, जमा आदि खाता	2301.70	2456.70	3657.96
5.	अध्येतावृत्ति खाता	499.39	681.42	314.16

तालिका–2
(व्यय)

	लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2003–2004	संशोधित आकलन 2003–2004	वास्तविक 2003–2004
			(रूपये लाखों में)	
1.	अनुरक्षण (योजनेतर) खाता	7110.81	7933.68	6056.55
2.	विकास (योजना) खाता	598.18	603.68	1057.06
3.	उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता	833.75	1059.80	1191.05
4.	ऋण, जमा आदि खाता	2492.41	2877.14	3372.96
5.	अध्येतावृत्ति खाता	499.39	681.42	379.41

II. भाग–I – अनुरक्षण (योजनेतर) व्यय/बजट/संशोधित आकलन/वास्तविक

वर्ष 2003–2004 के लिए अनुरक्षण, व्यय और बजट का संक्षिप्त विवरण :

वास्तविक 2002–2003	लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2003–2004	संशोधित आकलन 2003–2004	वास्तविक 2003–2004
		(रूपये लाखों में)		
460.40	प्रशासन	609.65	488.40	544.62
923.75	सामान्य सेवाएं और सामान्य प्रभार	1261.50	2494.14	850.11
1884.03	शैक्षिक कार्यक्रम	2429.23	2087.31	1906.99
14.66	परीक्षाएं	23.80	21.25	18.76
357.55	पुस्तकालय	455.67	402.59	352.81
90.81	छात्र सुविधाएं	103.72	103.98	109.19
30.32	छात्रवृत्तियाँ	30.00	32.00	29.93
231.21	छात्रों के छात्रावास	265.53	247.09	252.07
13.91	प्रकाशन	18.61	16.53	9.91
704.85	अन्य विभाग	920.65	962.89	723.96
359.54	विविध	329.45	403.50	421.73
728.33	भविष्य निधि और पेंशन	553.00	584.00	695.40
188.61	गैर शिक्षण स्टाफ को पांचवे वेतन आयोग के एरियर का भुगतान	–	–	141.07
@	मंहगाई भत्ते की घोषणा	80.00	90.00	@
@	संकाय सदस्यों द्वारा पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त करने पर उन्हें दो अग्रिम वेतनवृद्धियाँ देने के लिए एरियर का भुगतान	30.00	–	@
5987.87	कुल	7110.81	7933.68	6056.55

@ वर्ष 2002–2003 और 2003–2004 के वास्तविक सम्बन्धित लेखा–शीर्ष में शामिल हैं।

III. विकास (योजना) व्यय

वर्ष 2003–2004 के विकास खर्च की मुख्य मदें नीचे दी गई हैं :

(रूपये लाखों में)

(क)	राजस्व (आवर्ती व्यय)		269.38
(ख)	विश्वविद्यालय कैम्पस का निर्माण –		
1)	संस्थान भवन	131.00	
2)	आवासीय भवन	420.95	
3)	विविध भवन	–	
4)	बाह्य सेवाएँ	1.46	553.41

(ग) अन्य पूंजीगत व्यय –

1)	उपकरण	130.49	
2)	पुस्तकालय पुस्तकें और पत्रिकाएं	103.78	
3)	फर्नीचर	–	234.27
	कुल व्यय		**1057.06**

परियोजनाएं

विभिन्न भारतीय और विदेशी एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं के सम्बन्ध में प्राप्तियां और अदायगियां (2003-2004)

क्र.सं.	वित्त–पोषक एजेंसी का नाम	परियोजनाओं की संख्या	प्राप्तियाँ	व्यय (रूपयों में)
1	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	17	7137689	5781596
2	विदेशी एजेंसियां	36	16934498	12283142
3	वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्	24	7208553	4962926
4	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्	3	2152712	1428968
5	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	8	5063978	5529811
6	अन्तर–विश्वविद्यालय संकाय (आई.यू.सी.)	1	124000	120785
7	राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला	1	1,00,000	4000
8	भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद्	2	148250	113477
9	केंद्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड	1	12519	80927
10	आई.सी.ए.आर.	1	878465	9500
11	डाबर रिसर्च फाउंडेशन	1	1064880	446076
12	बायो इंटरनेशनल लिमिटेड	1	184000	–
13	एच.पी. (प्रा.) लिमिटेड	1	566000	236416
14	इंडो बायो–एक्टिव प्रा.लि.	1	100000	77132
15	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्	1	299551	116719
16	दिल्ली सरकार	1	135720	62286
17	बिनरॉक नेटकाम	1	378626	351477
18	राष्ट्रीय कृषि प्रौद्योगिकी परियोजना	1	923120	1107399
19	ऊर्जा वित्त निगम	1	117150	100000
20	अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्	1	–	1515111
21	वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी परामर्श परियोजना	–	–	80927
22	टाटा शिक्षा ट्रस्ट	1	–	541689
23	पांडिचेरी सरकार	1	–	102791
24	श्री वेंकटेश्वर कॉलेज	1	–	35000
25	नवीकरण और विकास सोसायटी	1	–	63514
26	राजस्थान राज्य खान एवं खनिज निगम लिमिटेड	1	–	25681
27	भारत सरकार और अन्य परियोजना	73	34751318	38391313
	योग	**183**	**78281029**	**73568663**

अध्याय–9
पाठ्येतर गतिविधियाँ

यौन उत्पीड़न के विरूद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की 16 अप्रैल 1999 की अधिसूचना के अनुसार यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति की स्थापना की गई। समिति के नियमों एवं कार्यप्रणाली को सिद्धान्त रूप से सितम्बर 2001 में स्वीकृति प्रदान की गई। फरवरी 2002 में डॉ. रूप मंजरी घोष की अध्यक्षता में गठित समिति ने विश्वविद्यालय के वकीलों से विचार–विमर्श करके 'जीएसकैश' के नियमों एवं कार्यप्रणाली से सम्बन्धित एक ड्राफ्ट रिपोर्ट विश्वविद्यालय को प्रस्तुत की। प्रो. अशोक माथुर की अध्यक्षता में एक 2–सदस्यीय समिति ने 'जीएसकैश' के नियमों एवं कार्यप्रणाली को अन्तिम रूप देने के बाद इन्हें 30 मई 2003 को विश्वविद्यालय की कार्य–परिषद को प्रस्तुत कर दिया। कार्य–परिषद् ने कुछ उपयुक्त संसोधनों के साथ इसे स्वीकार कर लिया।

अप्रैल 2003 से मार्च 2004 के दौरान समिति की गतिविधिया

- जुलाई–अगस्त 2003 के दौरान यौन उत्पीड़न के बारे में नए छात्रों को सचेत और संवेदन बनाने के लिए ब्रोचर बांटे गए।
- कई व्याख्यान और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- समिति को कुछ शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनकी जांच की गई और दोषियों को उपयुक्त दण्ड दिए गए।

पूर्व छात्रों की गतिविधियां

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ सम्पर्क : विश्वविद्यालय ने कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ सम्पर्क और अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए स्थायी समिति का गठन किया है। इस समय मनमोहन अग्रवाल, रूपमंजरी घोष और प्रवीण झा शिक्षक सलाहकार हैं। समिति का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों तथा अन्य संबंधितों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करना है। जेएनयू अपने पूर्व छात्रों को महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर के रूप में मान्यता देता है ताकि जेएनयू लगातार अच्छी शिक्षा प्रदान कर सके। जेएनयू अपने पूर्व छात्रों, जोकि विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं, से 21वीं शताब्दी की शुरूआत में अपनी योजना संबंधी दिशा–निर्देश तैयार करने के लिए सहायता प्राप्त कर सकती है, इससे जेएनयू को बहुत लाभ मिलेगा। जेएनयू के पूर्व छात्र सामुदायिक सेवा के लिए अवसर प्रदान कर सकते हैं और इसके लिए गुडविल एम्बेसेडर के रूप में कार्य, प्रभावशाली संभाषी के रूप में सेवा, सलाह और सहायता, शोध के सीमांत क्षेत्रों पर सुझाव, कैरियर सलाह और वित्तीय सहायता भी उपलब्ध करा सकते हैं। शोध और परियोजनाओं में शैक्षिक और तकनीकी सहयोग भी किया जा सकता है। समिति पूर्व छात्रों को शामिल करने तथा उनकी उपलब्धियों और योगदानों का सम्मान करने की संस्कृति का निर्माण और विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह समिति सार्थक विचार विनिमय के लिए जेएनयू के पुराने छात्रों से सम्पर्क करके उन्हें इस कार्य में शामिल करने के लिए विश्वविद्यालय कार्यालय तथा केन्द्रीय नेतृत्व संगठन के रूप में कार्य करेगी। यह समिति देश–विदेश में कार्यरत पुराने छात्रों से सम्पर्क स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी। इस संबंध में समिति ने एक कार्य योजना तैयार की है, जिसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा।

जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान : जेएनयू के शैक्षिक कार्य में शोध एक आवश्यक अंग बन गया है। जेएनयू का हमेशा इस क्षेत्र में संगत और उच्च स्तरीय शोध कार्य करने का प्रयास रहा है। विश्वविद्यालय ने शोधार्थियों को शोध कार्य करने के लिए पुस्तकालय और प्रयोगशाला आदि जैसी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं मुहैया कराने का प्रयास किया है। इसी तरह जेएनयू ने पूरे विश्व से आने वाले शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए सी.एस.आई.आर. के सहयोग से सी.एस.आई.आर./जेएनयू साइंस सेंटर नाम से आवास सुविधा उपलब्ध करायी है। बाद में इस केन्द्र का नाम

जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान रखा गया। संस्थान पूरे विश्व के शोधार्थियों के लिए उनकी राष्ट्रीयता, लिंग व अन्य किसी भेदभाव के बिना योजना और कुछ नवीन शोध कार्य करने के लिए खुला है। इसके चयन के लिए केवल शोधार्थी का उत्कृष्ट शोध और उच्च शैक्षिक उपलब्धियां ही एकमात्र मापदण्ड हैं।

इसके लिए कुलदेशिक प्रो. राजीव कृष्ण सक्सेना की अध्यक्षता में एक प्रबंधन समिति का गठन किया गया है और कुलदेशिक प्रो. बलवीर अरोड़ा इसके निदेशक बनाए गए हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

भारत सरकार और विभिन्न विदेशी सरकारों के बीच विद्यमान सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों के अलावा विश्वविद्यालय को विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों से शैक्षिक संबंध स्थापित करने, विनिमय कार्यक्रमों, द्विपक्षीय समझौतों के साथ-साथ सहयोगात्मक कार्यों में शामिल होने के लिए प्रस्ताव-पत्र प्राप्त हो रहे हैं। विश्वविद्यालय भी सुप्रसिद्ध विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षिक सहयोग के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। कई विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षिक सहयोग का प्रस्ताव विचाराधीन है और अंतिम चरण में है। 56 विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए हैं।

एम.ओ.यू. के तहत सहयोग के क्षेत्र सामान्यतः निम्नलिखित हैं और ये सभी गतिविधियां निधि की उपलब्धता पर निर्भर होंगी (क) शिक्षकों का आदान-प्रदान, (ख) छात्रों का आदान-प्रदान, (ग) संयुक्त शोध गतिविधियां, (घ) संगोष्ठियाँ और शैक्षिक बैठकों में प्रतिभागिता, (च) शैक्षिक सामग्री और अन्य सूचनाओं का आदान-प्रदान, (छ) विशेष अल्पकालिक शैक्षिक कार्यक्रम, (ज) प्रशासनिक प्रबन्धक/समन्वयकों का आदान-प्रदान, (झ) संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम।

इस एम.ओ.यू. की शर्तों के अधीन कार्यान्वित प्रत्येक विशेष कार्यक्रम और गतिविधि के लिए आपसी सहयोग और आवश्यक बजट की शर्तों पर आपस में चर्चा हुई तथा दोनों पक्षों विशेष कार्यक्रम अथवा गतिविधि की शुरूआत के पहले लिखित में यह सहमति हो गई है कि इस प्रकार के कार्यक्रमों पर बातचीत वार्षिक आधार पर की जाएगी।

दो विश्वविद्यालयों के बीच में परस्पर सहयोग के क्षेत्र आपसी सहमति के आधार पर निश्चित किए जाएंगे। प्रत्येक विश्वविद्यालय द्वारा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। यह सहायता दोनों संस्थानों के लिए लाभदायक शिक्षण, शोध, शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ सदस्यों आदि के आदान-प्रदान के रूप में होगी। सहयोग अध्ययन के क्षेत्रों पर केन्द्रित होगा, जिसका निर्णय आपसी आधार पर किया जाएगा। सभी वित्तीय प्रबन्धों पर बातचीत की जाएगी और यह निधि की उपलब्धता पर निर्भर होगी।

अध्याय– 10
केन्द्रीय सुविधाएं

1. विश्वविद्यालय पुस्तकालय

जेएनयू पुस्तकालय एक अति आधुनिक और सुसज्जित विश्वविद्यालय पुस्तकालय है। यह 9 मंजिला टावरनुमा भवन विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर के बीचों बीच स्थित है तथा विश्वविद्यालय की सभी शैक्षिक गतिविधियों का केन्द्र है। इसके सभी अध्ययन कक्ष वातानुकूलित हैं। पुस्तकालय के अधिकतर कार्यों का कंप्यूटरीकरण हो गया है तथा बचे हुए कार्यों का कंप्यूटरीकरण हो रहा है। पुस्तकालय वर्ष भर प्रातः 9.00 बजे से शाम 8.00 बजे तक खुला रहता है तथा परीक्षा के दिनों में यह प्रत्येक सत्र में 45 दिन के लिए मध्य रात्रि के 12.00 बजे तक खुला रहता है। तथापि, पठन कक्ष की सुविधाएं वर्ष भर मध्य रात्रि के 12.00 बजे तक उपलब्ध रहती हैं।

विश्वविद्यालय के नेत्रहीन छात्रों की विशेष जरूरतों को देखते हुए पुस्तकालय के प्रवेशद्वार के निकट हेलन केलर के नाम पर एक विशेष इकाई स्थापित की गई है। पुस्तकालय के भू–तल में ओपेक और इंटरनेट पर पढ़ने हेतु छात्रों के प्रयोग के लिए आठ कंप्यूटर लगाए गए हैं।

पाठकों के लिए सेवाएं

कुल मिलाकर 8801 छात्र, संकाय सदस्य और देश–विदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के विद्वानों ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान पुस्तकालय सुविधाओं का लाभ उठाया।

स्रोत सामग्री का आदान–प्रदान

हमारा पुस्तकालय 'डेलनेट', 'इनफिलिबनेट' और इसी तरह के अन्य नेटवर्क का सदस्य बन गया है, ताकि सदस्य अन्य पुस्तकालयों की स्रोत सामग्री का आसानी से उपयोग कर सकें। पुस्तकालय सदस्यों को अंतर विश्वविद्यालय उधार सेवाएं भी उपलब्ध कराता है।

पुस्तकालय सहयोग : जेएनयू पुस्तकालय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पुस्तकालय, नई दिल्ली के साथ एक सहयोगात्मक प्रबन्ध किया है। इसके अन्तर्गत दोनों संस्थानों के पुस्तकालय एक दूसरे की पुस्तकों/पत्रिकाओं आदि का लाभ उठा सकेंगे। समीक्षाधीन अवधि के दौरान दोनों संस्थानों के बीच इस तरह का सहयोग जारी रहा।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने लगभग 6320 पुस्तकें प्राप्त कीं। इनमें से 3173 पुस्तकें सुप्रसिद्ध विद्वानों और संगठनों से उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं। समीक्षाधीन वर्ष के अन्त में पुस्तकालय में कुल संग्रह 5,13,988 था। पुस्तकों की खरीद पर रू. 39,99,927.73 की राशि खर्च हुई और पत्रिकाओं पर रू. 1,93,84,859.96 खर्च किए गए।

पुस्तकालय ने 793 पत्रिकाएं मंगाई और 148 पत्रिकाएं उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं।

पुस्तकालय ने नेत्रहीन छात्रों के लिए हेलन केलर नाम से एक अलग इकाई स्थापित की है। इस इकाई में कुर्जवेल, जॉज, एम.एस. होम पेज रीडर और डक्सबरी ब्रेल ट्रांसलेटर आदि जैसे विशेष साफ्टवेयर प्रयोग में लाए जा रहे हैं। इस इकाई को स्पीच साफ्टवेयर, इंटरनेट, स्केनर और ओपेक सुविधाओं सहित चार कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं। पुस्तकालय ने नेत्रहीन छात्रों के उपयोग हेतु टेप रिकार्डर और खाली कैसेट भी उपलब्ध कराना जारी रखा।

एक्जिम बैंक – ज.ने.वि. का अर्थशास्त्र पुस्तकालय

ज.ने.वि. के अर्थशास्त्र पुस्तकालय – एक्जिम बैंक – की स्थापना जुलाई, 2000 में ज.ने.वि. पुस्तकालय के भाग के रूप में हुई थी। यह पुस्तकालय लघु शैक्षिक परिसर में प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थित है। इस पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान संस्थान और अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के शोध छात्रों और शिक्षकों के उपयोग के लिए अर्थशास्त्र क्षेत्र की 7500 से अधिक पुस्तकें और 52 पत्रिकाओं के 1500 पुराने भाग उपलब्ध हैं। छात्रों और शिक्षकों को ओपेक, उधार सुविधा, संदर्भ और फोटो काफी की सुविधाएं मुहैया करवाई गई।

2. विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र

विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक उपकरणों और उपस्करों की डिजाइन और विकास/निर्माण/मरम्मत कार्यों के लिए एक विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केंद्र है। इस केंद्र ने वित्तीय वर्ष के दौरान जेएनयू से बाहर के कार्य करके रू. 70,000 की राशि अर्जित की।

3. विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो, जेएनयू का गठन विश्वविद्यालय रोजगार ब्यूरो हेतु राष्ट्रीय सेवा के वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। इन सिफारिशों का अनुमोदन श्रम मंत्रालय द्वारा वर्ष 1962 में किया गया था। ब्यूरो ने विश्वविद्यालय में अपना कामकाज मई 1976 में दिल्ली प्रशासन और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के बीच समन्वय के साथ शुरू किया।

वर्ष 2003–2004 के लिए दिल्ली सरकार द्वारा 6 लाख रुपए के बजट की व्यवस्था की गई। विश्वविद्यालय का एक वरिष्ठ शिक्षक प्रोफेसर–इन्चार्ज होता है और वह ब्यूरो के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है। विश्वविद्यालय ब्यूरो को आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराता है। ब्यूरो जेएनयू छात्रों के लिए रोजगार पंजीकरण, व्यक्तिगत सलाह और जरूरतमंद छात्रों का मार्गदर्शन भी करता है।

क. विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य

(1.4.2003 से 31.3.2004 तक)

1	डॉ. कर्ण सिंह, कुलाधिपति और अध्यक्ष	
2	प्रो. गोपाल कृष्ण चड्ढा, कुलपति	
3	प्रो. बलवीर अरोड़ा, कुलदेशिक–1	
4	प्रो. राजीव कृष्ण सक्सेना, कुलदेशिक–2	
5	डा. आर.एस. परोदा	3.6.2004 तक
6	प्रो. अशोक झुनझुनवाला	3.6.2003 तक
7	डॉ. पी.जे. फिलिप	3.6.2003 तक
8	डॉ. अरुण निगवेकर	3.6.2003 तक
9	प्रो. सुषमा जैन	
10	डॉ. एस.के. गोस्वामी	
11	डॉ. मिलाप चन्द शर्मा	
12	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	
13	प्रो. आर.के. काले	
14	श्री रमेश कुमार, कुलसचिव, और सदस्य–सचिव	
15	श्री एस. नन्दक्योलयार, वित्त अधिकारी	
16	प्रो. अब्दुल नफे	
17	डॉ. एस.एस. जोधका	25.7.2003 से
18	श्री एस.के. खुल्लर, कार्यकारी पुस्तकालयाध्यक्ष	
19	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	
20	प्रो. आर.आर. शर्मा	
21	प्रो. प्रभात पटनायक	31.7.2003 तक और पुनः 11.3.2004 से
22	प्रो. एम.के. प्लाट	1.8.2003 से
23	प्रो. एच.सी. पाण्डे	
24	प्रो. कस्तूरी दत्ता	
25	प्रो. के.के. भारद्वाज	23.7.2003 तक
26	प्रो. कर्मेषु	24.7.2003 से
27	प्रो. ए.के. रस्तोगी	
28	प्रो. एच.बी. बोहिदार	
29	प्रो. ज्योतिंद्र जैन	
30	प्रो. आर. रामास्वामी	25.2.2004 तक
31	प्रो. जे. सुब्बा राव	26.2.2004 से
32	प्रो. अलोकेश बरुआ	10.11.2003 तक
33	प्रो. मनोज पंत	11.11.2003 से
34	डा. लालिमा वर्मा	31.1.2004 तक
35	डॉ. एच.एस. प्रभाकर	1.2.2004 से
36	प्रो. के.पी. बाजपेई	23.5.2003 तक
37	प्रो. सी.एस.आर. मूर्ती	24.5.2003 से
38	प्रो. अनुराधा मित्र चिनॉय	
39	प्रो. उमा सिंह	
40	डा. अजय कुमार दुबे	21.7.2003 तक
41	डॉ. ए.के. पाशा	23.7.2003 से
42	प्रो. अरुण कुमार	
43	प्रो. एम.एच. सिद्दिकी,	15.8.2003 तक
44	प्रो. मृदुला मुखर्जी	16.8.2003 से
45	प्रो. ज़ोया हसन	
46	प्रो. वी.वी. कृष्णा	
47	डा. रामा वी. बारू	21.1.2004 तक
48	डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा	22.1.2004 से
49	प्रो. ऐहसानुल हक	30.9.2003 तक
50	प्रो. आनन्द कुमार	1.10.2003 से
51	प्रो. दीपक कुमार	31.7.2003 तक
52	प्रो. बी.के. खादरिया	1.8.2003 से
53	प्रो. असलम महमूद	
54	प्रो. गुरुप्रीत महाजन	16.1.2004 से
55	प्रो. पी.बी. मेहता	21.12.2003 तक
56	प्रो. मो. असलम इस्लाही	
57	प्रो. एम. आलम	30.11.2003 तक
58	प्रो. एस.ए. हसन	1.12.2003 से
59	प्रो. अनिल भट्टी	
60	प्रो. आर. कुमार	
61	प्रो. वसन्त जी. गद्रे	
62	प्रो. शान्ता रामाकृष्णा	5.12.2003 तक
63	प्रो. के. मादवन	6.12.2003 से
64	प्रो. मैनेजर पाण्डेय	30.6.2003 तक
65	प्रो. एन.के. खान	1.7.2003 से
66	प्रो. वैश्ना नारंग	31.7.2003 तक
67	प्रो. एस.के. सरीन	1.8.2003 से
68	प्रो. पी.के. मोटवानी	
69	डॉ. माणिक लाल भट्टाचार्य	
70	प्रो. निरजा गोपाल जयाल	
71	प्रो. राकेश भटनागर	24.4.2003 तक
72	प्रो. सन्तोष के. कार	25.4.2003 से
73	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद	8.9.2003 तक

74	डॉ. जी. मुखोपाध्याय	5.8.2003 तक और पुनः 9.9.2003 से
75	डॉ. शशि प्रभा कुमार	
76	प्रो. आई.एन. मुखर्जी	
77	प्रो. उत्सा पटनायक	10.3.2004 तक
78	प्रो. ए.के. बासु	
79	प्रो. सुधा एम. कौशिक	
80	प्रो. जी.पी. मलिक	
81	प्रो. सी.पी. कट्टी	
82	डॉ. तुलसी राम	
83	प्रो. के.के. त्रिवेदी	19.7.2003 तक
84	डॉ. पी.के. चौधरी	20.7.2003 से
85	डॉ. चरनजीत सिंह	
86	डॉ. के. नटराजन	1.10.2003 से
87	डॉ. अरुण के. अत्री	30.11.2003 तक
88	डॉ. ए.एल. रामनाथन	1.12.2003 से
89	डॉ. आर.सी. फोहा	
90	डॉ. प्रसनजीत सेन	
91	डॉ. कविता सिंह	19.2.2004 तक
92	डॉ. विष्णुप्रिया दत्त	20.2.2004 से
93	डॉ. के.जे. मुखर्जी	
94	डॉ. अमित प्रकाश	19.2.2004 तक
95	डॉ. अमिता सिंह	20.2.2004 से
96	डॉ. सी.के. मुखोपाध्याय	6.8.2003 से
97	डॉ. मधु भल्ला	31.1.2004 तक
98	डॉ. फूलबदन	1.2.2004 से
99	डॉ. अर्चना अग्रवाल	11.3.2004 तक
100	डॉ. सुचरिता सेन	12.3.2004 से
101	सुश्री चित्रा हर्षवर्धन	1.6.2003 तक
102	सुश्री मीनू बक्शी	2.6.2003 से
103	डॉ. दीपक शर्मा	17.2.2004 तक
104	डॉ. एस.एस. कामथ	18.2.2004 से
105	डॉ. डी.के. लोबियाल	
106	डॉ. पी.एस. खिलारे	6.11.2003 तक
107	डॉ. अनुश्री मलिक	1.2.2004 से
108	डॉ. सत्यब्रत पटनायक	
109	डॉ. ए.एम. लिन	19.2.2004 तक
110	डॉ. हिमांशु अग्रवाल	20.2.2004 से
111	श्री एस.एस. गैत्रा	
112	डॉ. आर.के. त्यागी	5.8.2003 तक
113	डॉ. एस.के. घर	6.8.2003 से
114	डॉ. रजनीश कुमार मिश्र	19.2.2004 तक
115	डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ल	20.2.2004 से
116	डॉ. राम सिंह	24.4.2003 से
117	कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे.	
118	कमांडर, सेना कैडेट महाविद्यालय, देहरादून	
119	निदेशक, विकास अध्ययन केन्द्र, तिरूवनन्तपुरम	
120	निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई	
121	कमांडेंट, सेना इलैक्ट्रानिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकन्दराबाद	
122	कमांडेंट, सेना दूरसंचार इंजीनियरी महाविद्याविद्यालय, महू	
123	निदेशक, कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद	
124	कमांडेंट, सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे	
125	निदेशक, नेशनल सेन्टर फार प्लांट जीनोम रिसर्च, नई दिल्ली	
126	प्राचार्य, नौसेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनवाला	
127	निदेशक, सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़.	
128	निदेशक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	
129	निदेशक, सैंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड एरोमेटिक प्लान्ट्स, लखनऊ.	
130	निदेशक, रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर	
131	निदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरी और जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, नई दिल्ली,	
132	निदेशक, नाभिकीय विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली.	
133	निदेशक, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	
134	श्री मणि शंकर अय्यर, संसद सदस्य	6.2.2004 तक
135	श्री सुरेश चन्देल, संसद सदस्य	6.2.2004 तक
136	श्री टी.एम. सेल्वागणपती, संसद सदस्य	6.2.2004 तक
137	श्री समिक लहरी, संसद सदस्य	6.2.2004 तक
138	श्री पी.के. पटसानी, संसद सदस्य	6.2.2004 तक
139	श्री पी.एस. पटेल, संसद सदस्य	31.5.2003 तक
140	प्रो. (सुश्री) रीता वर्मा,, संसद सदस्य	17.7.2003 से 6.2.2004 तक
141	श्री बी.पी. आप्टे, संसद सदस्य	
142	डॉ. वी. मैत्रेयन, संसद सदस्य	
143	डॉ. ए.आर. किदवई, संसद सदस्य	25.4.2003 से
144	श्री बी.जे. पण्डा, संसद सदस्य	
145	प्रो. भुवन चन्देल	30.9.2003 से
146	डॉ. सुशील कुमार	3.9.2003 तक
147	प्रो. जे. महाराणा	30.9.2003 से

ख. कार्य परिषद् के सदस्य
(1.4.2003 से 31.3.2004 तक)

1	प्रो. जी.के. चड्ढा	अध्यक्ष
2	प्रो. बलवीर अरोड़ा, कुलदेशिक	
3	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	
4	प्रो. प्रभात पटनायक	31.7.2003 तक
5	प्रो. एच.सी. पाण्डे	1.8.2003 से
6	प्रो. ज्योतिन्द्र जैन	6.11.2003 तक
7	प्रो. आर.आर. शर्मा	7.11.2003 से
8	प्रो. ए.के. रस्तोगी	5.12.2003 तक
9	प्रो. आर. रामास्वामी	6.12.2003 से 25.2.2004 तक
10	पो. कर्मेषु	26.2.2004 से
11	प्रो. कस्तूरी दत्ता	
12	प्रो. के.के. भारद्वाज	23.7.2003 तक
13	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	24.7.2003 से
14	प्रो. अशोक झुनझुनवाला	3.6.2003 तक
15	डा. पी.जे. फिलिप	3.6.2003 तक
16	डा. आर.एस. परोदा	3.6.2003 तक
17	डॉ. अरुण निगवेकर	3.6.2003 तक
18	प्रो. सुषमा जैन	
19	डॉ. एस.के. गोस्वामी	
20	डॉ. मिलाप चन्द शर्मा	
21	प्राचार्य, नौसेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनवाला	22.3.2004 से
22	निदेशक, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	22.3.2004 से

ग. विद्या परिषद के सदस्य
(1.4.2003 से 31.3.2004 तक)

1	प्रो. जी.के. चड्ढा, कुलपति	– अध्यक्ष
2	प्रो. बलवीर अरोड़ा, कुलदेशिक	
3	प्रो. राजीव कृष्ण सक्सेना, कुलदेशिक	
4	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	
5	प्रो. आर.आर. शर्मा	
6	प्रो. प्रभात पटनायक	31.7.2003 तक और पुनः 11.3.2004 से
7	प्रो. एम.के. पलाट	1.8.2003 से
8	प्रो. एच.सी. पाण्डे	
9	प्रो. कस्तूरी दत्ता	
10	प्रो. के.के. भारद्वाज	23.7.2003 तक
11	प्रो. कर्मेषु	24.7.2003 से
12	प्रो. ए.के. रस्तोगी	
13	प्रो. एच.बी. बोहिदार	
14	प्रो. ज्योतिन्द्र जैन	
15	प्रो. आर. रामास्वामी	25.2.2004 तक
16	प्रो. जे. सुब्बा राव	26.2.2004 से
17	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	
18	प्रो. आर.के. काले	
19	प्रो. सुषमा जैन	
20	श्री एस.के. खुल्लर (कार्यकारी पुस्तकालयाध्यक्ष)	
21	प्रो. अब्दुल नफे	
22	प्रो. अलोकेश बरुआ	10.11.2003 तक
23	प्रो. मनोज पंत	11.11.2003 से
24	डॉ. लालिमा वर्मा	31.1.2004 तक
25	डॉ. एच.एस. प्रभाकर	1.2.2004 से
26	प्रो. के.पी. बाजपेई	23.5.2003 तक
27	प्रो. सी.एस.आर. मूर्ती	24.5.2003 से
28	प्रो. अनुराधा मित्र चिनॉय	
29	प्रो. उमा सिंह	
30	डॉ. अजय कुमार दुबे	21.7.2003 तक
31	डॉ. ए.के. पाशा	23.7.2003 से
32	प्रो. अरुण कुमार	
33	प्रो. एम.एच. सिद्दीकी	15.8.2003 तक
34	प्रो. मृदुला मुखर्जी	16.8.2003 से
35	प्रो. जोया हसन	
36	प्रो. वी.वी. कृष्णा	
37	डॉ. रामा वी. बारू	21.1.2004 तक
38	डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा	22.1.2004 से
39	प्रो. एहसानुल हक	30.9.2003 तक
40	प्रो. आनन्द कुमार	1.10.2003 से
41	प्रो. दीपक कुमार	31.7.2003 तक
42	प्रो. बी.के. खादरिया	1.8.2003 से
43	प्रो. असलम महमूद	
44	प्रो. गुरप्रीत महाजन	16.1.2004 से
45	प्रो. पी.बी. मेहता	21.12.2003 तक
46	प्रो. मो. असलम इस्लाही	
47	प्रो. एम. आलम	30.11.2003 तक
48	प्रो. एस.ए. हसन	1.12.2003 से
49	प्रो. अनिल भट्टी	
50	प्रो. आर. कुमार	
51	प्रो. वसन्त जी. गद्रे	
52	प्रो. शान्ता रामाकृष्णा	5.12.2003 तक
53	प्रो. के. मादवन	6.12.2003 से
54	प्रो. मैनेजर पाण्डेय	30.6.2003 तक
55	प्रो. एन.ए. खान	1.7.2003 से
56	प्रो. वैश्ना नारंग	31.7.2003 तक
57	प्रो. एस.के. सरीन	1.8.2003 से
58	प्रो. पी.के. मोटवानी	
59	डॉ. माणिक लाल भट्टाचार्य	
60	प्रो. निरजा गोपाल जयाल	
61	प्रो. राकेश भटनागर	
62	प्रो. सन्तोष के. कार	
63	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद	8.9.2003 तक

64	प्रो. जी. मुखोपाध्याय	5.8.2003 तक और पुनः 9.9.2003 से
65	डॉ. शशि प्रभा कुमार	
66	प्रो. आई.एन. मुखर्जी	
67	प्रो. उत्सा पटनायक	10.3.2004 तक
68	प्रो. ए.के. बासु	
69	प्रो. सुधा एम. कौशिक	
70	प्रो. जी.पी. मलिक	
71	प्रो. सी.पी. कट्टी	
72	डॉ. तुलसी राम	
73	डॉ. के.के. त्रिवेदी	19.7.2003 तक
74	डॉ. पी.के. चौधरी	20.7.2003 से
75	डॉ. चरणजीत सिंह	
76	डॉ. एस.के. गोस्वामी	30.9.2003 तक
77	डॉ. के. नटराजन	1.10.2003 से
78	डॉ. अरुण के. अत्री	30.11.2003 तक
79	डॉ. ए.एल. रामनाथन	1.12.2003 से
80	डॉ. आर.सी. फोहा	
81	डॉ. प्रसनजीत सेन	
82	डॉ. कविता सिंह	19.2.2004 तक
83	डॉ. बिष्णुप्रिया दत्त	20.2.2004 से
84	डॉ. के.जे. मुखर्जी	
85	डॉ. अमित प्रकाश	19.2.2004 तक
86	डॉ. अमिता सिंह	20.2.2004 से
87	डॉ. सी.के. मुखोपाध्याय	6.8.2004 से
88	डॉ. मधु भल्ला	31.1.2004 तक
89	डॉ. फूल बदन	1.2.2004 से
90	डॉ. अर्चना अग्रवाल	11.3.2004 तक
91	डॉ. सुचरिता सेन	12.3.2004 से
92	डॉ. चित्रा हर्षवर्द्धन	1.6.2003 तक
93	मीनू बक्शी	2.6.2003 से
94	डॉ. दीपक शर्मा	17.2.2004 तक
95	डॉ. एस.एस. कामथ	18.2.2004 से
96	डॉ. डी.के. लोबियाल	
97	डॉ. पी.एस. खिलारे	6.11.2003 तक
98	डॉ. अनुश्री मलिक	1.2.2004 से
99	डॉ. सत्यव्रत पटनायक	
100	डॉ. ए.एम. लिन	19.2.2004 तक
101	डॉ. हिमांशु अग्रवाल	20.2.2004 से
102	श्री एस.एस. मैत्रा	
103	डॉ. आर.के. त्यागी	5.8.2003 तक
104	डॉ. एस.के. धर	6.8.2003 से
105	श्री रजनीश कुमार मिश्र	19.2.2004 तक
106	डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ल	20.2.2004 से
107	डॉ. राम सिंह	24.4.2003 से
108	डॉ. नवीन खन्ना	
109	प्रो. तपन चक्रबर्ती	
110	डॉ. एस.सी. जोशी	
111	डॉ. जी.डी. गोयल	23.11.2003 तक
112	ले. कर्नल एस.के. शर्मा	24.11.2003 से
113	डॉ. अचिन चक्रबर्ती	
114	डॉ. वी.सी. साहनी	2.9.2003 से
115	डॉ. जे.वी. यख्मी	24.11.2003 से
116	डॉ. देबासीस मोहन्ती	
117	प्रो. सी.एम. राव	
118	ब्रिगेडियर इवान डेविड	
119	ब्रिगेडियर जोसफ मैथ्यू	24.11.2003 से
120	डॉ. वी.पी. सिंह	
121	डॉ. सी.एम. गुप्ता	
122	मेजर जनरल एस.के. कपूर	
123	प्रो. के.ए. सुरेश	
124	डॉ. एस.पी.एस. खनूजा	
125	डॉ. अरुणा सितेश	
126	प्रो. सुब्रत सिन्हा	
127	प्रो. सुमित सरकार	
128	सुश्री अरुन्धती घोष	7.8.2003 तक
129	एअर केमाडोर जसजीत सिंह	24.11.2003 से
130	प्रो. सांतनु चौधरी	
131	डॉ. सुनीता नारायण	
132	प्रो. एस. राय चौधरी	24.11.2003 से
133	प्रो. के.पी. जैन	7.8.2003 तक
134	प्रो. सोमनाथ बिस्वास	
135	प्रो. बी.एन. गोस्वामी	

घ. वित्त समिति के सदस्य
(1.4.2003 से 31.3.2004 तक)

1	प्रो. गोपाल कृष्ण चड्ढा कुलपति	–	अध्यक्ष
2	श्री रवि माथुर संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय	–	सदस्य
3	श्री वी.वी. पिपरसेनिया संयुक्त सचिव व वित्त सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय	–	सदस्य
4	श्री पवन अग्रवाल, आई.ए.एस. वित्त सलाहकार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	–	सदस्य
5	प्रो. अमरेश बागची मानद प्रोफेसर राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान	–	सदस्य
6	श्री बी.एस. बासवान, आई.ए.एस. सचिव, भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	–	सदस्य
7	श्री टी.एन. ठाकुर, आई.ए. ऐण्ड ए.एस. अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक ऊर्जा व्यापार निगम	–	सदस्य
8	श्री एस. नन्दक्योलयार वित्त अधिकारी, जे.एन.यू.	–	सदस्य

शिक्षक

विश्वविद्यालय के शिक्षक (31.3.2004 के अनुसार)

1. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. आर.जी. गुप्ता	1. आर.सी. फोहा	1. डी.के. लोबियाल
2. कर्मेषु	2. सुश्री सोन झारिया मिंज	
3. के.के. भारद्वाज		
4. जी.वी. सिंह		
5. पी.सी. सक्सेना		
6. सी.पी. कट्टी		
7. एस बालासुन्दरम		
8. सुश्री एन. परिमाला		

2. पर्यावरण विज्ञान संस्थान

1. सी.के. वार्ष्णेय	1. सुश्री जे.डी. शर्मा	1. पंडित सुदन खिलारे
2. वी. सुब्रमणियन	2. एस. मुखर्जी	2. अनुश्री मलिक
3. वी. राजमणि	3. ए.एल. रामानाथन	
4. जे. सुब्बा राव	4. इन्दु शेखर ठाकुर	
5. सुश्री कस्तूरी दत्ता		
6. डी.के. बैनर्जी		
7. जितेन्द्र बिहारी		
8. जी.पी. मलिक		
9. वी.के. जैन		
10. ए.के. भट्टाचार्य		
11. बृज गोपाल		
12. एस.आई. हसनैन		
13. कृष्ण गोपाल सक्सेना		
14. सुश्री सुधा भट्टाचार्य		
15. अरुण के. अत्री		

3. अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

1. बी. विवेकानन्दन	1. चिन्तामणि महापात्रा
2. सी.एस. राज	2. आर.एल. चावला
3. आर.के. जैन	3. सुश्री के.पी. विजय लक्ष्मी
4. अब्दुल नफे	

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर

राजनय, अंतर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केन्द्र

1. एस.के. दास
2. मनमोहन अग्रवाल
3. पी.के. पन्त
4. वाई के. त्यागी
5. वी.एस. चिमनी
6. मनोज पन्त
7. आलोकेश बरुआ
8. अमित एस. रे
9. वी.एस. मणि

1. पी.आर. चौधरी
2. भरत देसाई
3. गुरबचन सिंह
4. वी.के.एच. जम्भोलकर

1. मनीष सीताराम दाहबडे

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

1. आर.आर. कृष्णन

1. सुश्री लालिमा वर्मा
2. एच.एस. प्रभाकर
3. सुश्री मधु भल्ला
4. सुश्री अल्का आचार्य

1. डी.वी. शेखर

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

1. अमिताभ भट्टू
2. वरुण साहनी
3. सी.एस.आर. मूर्ति

1. एस.एस. देवडा
2. एस.एस. जायसवाल
3. राजेश राजगोपालन

1 सिद्धार्थ मल्लवारपू

रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

1. आर.आर. शर्मा
2. सुश्री निर्मला एम. जोशी
3. शमस-उद्-दीन
4. ए.के. पटनायक
5. शशिकांत झा
6. सुश्री अनुराधा मित्र चिनॉय

1. तुलसी राम
2. गुलशन सचदेवा

1. ताहिर असगर
2. फूल बदन
3. एस.के. पाण्डेय
4. सुश्री भारवती सरकार

दक्षिण, मध्य, दक्षिण-पूर्व एशियाई और दक्षिण-पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

1. आई.एन. मुखर्जी
2. एस.डी. मुनि
3. बालादास घोषाल
4. के वारिकू
5. दावा टी. नोरबू
6. सुश्री उमा सिंह
7. एम.पी. लामा
8. सी. राज मोहन

1. गंगनाथ झा
2. पी. सहदेवन
3. सुश्री मनमोहिनी कौल
4. सुश्री सविता पाण्डेय
5. सुश्री संकरी सुन्दररमन

1. अम्बरीश ढाका
2. संजय कुमार भारद्वाज

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र		
1. सुश्री गुलशन डायटल	1. ए.के. पाशा	1. ए.के. महापात्रा
2. जी.सी. पन्त	2. एस.एन. मालाकार	2. अनवार आलम
	3. पी.आर. कुमारस्वामी	
	4. पी.सी. जैन	
	5. अजय कुमार दुबे	
अन्तर्राष्ट्रीय संबंध में एम.ए. पाठ्यक्रम		
1. ओ.पी. बख्शी		
2. कमल मित्र चिनॉय		
4.भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान		
अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र		
1. एस.ए. रहमान	1. ज़हूरल बारी आजमी	1. रिज़वानुर रहमान
2. मोहम्मद असलम इस्लाही	2. ए. बशीर अहमद	2. मुजीबुर रहमान
3. फैजुल्लाह फारुकी		
फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र		
1. सुश्री एस.जे. हवेवाला	1. सुश्री जेड.एस. कासमी	1. एस.ए. हुसैन
2. एम. आलम	2. अख़्तर मेंहदी	2. ए.एच. अंसारी
3. सैय्यद ऐनुल हसन		
जापानी और उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र		
1. पी.के. मोटवानी	1. सुश्री अनीता खन्ना	1. सुश्री नीरा कोंगरी
2. आर. तोमर	2. सुश्री मंजुश्री चौहान	2. डी.के. तिवारी
3. सुश्री सुषमा जैन	3. पी.ए. जॉर्ज	3. सुश्री वी. राघवन
		4. रविकेश
		5. सुश्री एम.वी. लक्ष्मी
		6. सुश्री जनश्रुति चन्द्रा
चीनी और दक्षिण पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र		
	1. प्रियदर्शी मुखर्जी	1. हेमन्त के. अदलखा
	2. माणिक लाल भट्टाचार्य	2. देवेन्द्र रावत
	3. सुश्री सबरी मित्रा	3. बी.आर. दीपक
		4. सुश्री दयावंती
भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र		
1. कपिल कपूर	1. जी.वी. प्रसाद	1. सुश्री ए. किदवई
2. एच.सी. नारंग	2. फ्रेंसन डी. मंजली	2. सुश्री नवनीत सेठी
3. सुश्री अन्विता अब्बी	3. सोगाता भादुरी	
4. रघुबीर शरण गुप्ता		
5. सुश्री वैश्ना नारंग		
6. एस.के. सरीन		
7. एम.आर. प्रांजपे		
8. पी.के. पाण्डेय		

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र		
1. सी. कृष्णा मूर्ति	1. प्रताप सेन गुप्ता	1. सुश्री एस. शोभा
2. के. माधवन	2. सुश्री एन. कमला	2. आशिष अग्निहोत्री
3. जी.डी. सिवम	3. सुश्री किरन चौधरी	
4. सुश्री शान्ता रामाकृष्णा	4. सुश्री विजयलक्ष्मी राव	
	5. अभिजीत कारकून	
जर्मन अध्ययन केन्द्र		
1. प्रमोद तलगेरि	1. बी.जी. चक्रवर्ती	1. सुश्री चित्रा हर्षवर्धन
2. अनिल भट्टी	2. आर.सी. गुप्ता	2. सुश्री एस. नैथानी
3. सुश्री रेखा वैद्यराजन	3. सुश्री मधु साहनी	
4. एस.बी. ससालती		
5. राजेन्द्र डेंगले		
भारतीय भाषा केन्द्र		
1. मैनेजर पाण्डेय	1. मोहम्मद शाहिद हुसैन	1. गोविन्द प्रसाद
2. नसीर अहमद खान	2. पुरुषोत्तम अग्रवाल	2. मजहर हुसैन
3. गंगाप्रसाद विमल	3. वीर भारत तलवार	3. डी.के. चौबे
	4. सैय्यद मोहम्मद ए. आलम	4. के.एम. इकरामुद्दीन
		5. आर.पी. सिन्हा
रूसी अध्ययन केन्द्र		
1. आर.एस. बग्गा	1. चरणजीत सिंह	1. सुश्री मीता नारायण
2. के.एस. धींगरा	2. सुश्री मनु मित्तल	
3. एच.सी. पाण्डे	3. नासर शकील रूमी	
4. ए.के. बासु	4. सुश्री रितु मालती जैरथ	
5. वरयाम सिंह		
6. रामाधिकारी कुमार		
7. शंकर बासु		
8. आर.एन. गेनन		
9. एस.सी. मित्तल		
इस्पेनी, पुर्तगाली, इतावली और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र		
1. वसंत जी. गद्रे	1. अपराजित चट्टोपाध्याय	1. सुश्री नसरीन चक्रवर्ती
2. एस.पी. गांगुली	2. ए.के. धींगरा	2. सुश्री मीनू बक्शी
	3. सुश्री इंद्रानी मुखर्जी	3. एस.के. सन्याल
		4. राजीव सक्सेना
दर्शनशास्त्र ग्रुप		
	1. आर.पी. सिंह	

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
5. जीवन विज्ञान संस्थान		
1. आशिष दत्ता	1. एस.के. गोस्वामी	1. दीपक शर्मा
2. राजेन्द्र प्रसाद	2. के. नटराजन	2. अश्वनी पारीक
3. सुश्री नजमा ज़हीर बाकर	3. पी.सी. रथ	3. सुश्री एस.एस. कामथ
4. ए.के. वर्मा		4. सुश्री नीलिमा मण्डल
5. के.सी. उपाध्याय		5. एस. गौरीनाथ
6. राजीव के. सक्सेना		6. सुश्री रोहिनी मुथुस्वामी
7. आलोक भट्टाचार्य		
8. सुश्री सुधा महाजन कौशिक		
9. आर.एन.के. बामजेई		
10. आर.के. काले		
11. सुश्री आर. मधुबाला		
12. पी.के. यादव		
13. सुश्री नीरा बी. सरीन		
14. बी.एन. मलिक		
15. बी.सी. त्रिपाठी		
6. आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द		
	1. जी. मुखोपाध्याय	1. आर.के. त्यागी
	2. सी.के. मुखोपाध्याय	2. एस.के. धर
7. भौतिक विज्ञान संस्थान		
1. आर. राजारमन	1. सुबीर कुमार सरकार	1. एस. पटनायक
2. दीपक कुमार	2. सुश्री रूपमंजरी घोष	
3. आर. रामास्वामी	3. एस.एस.एन. मूर्ति	
4. अखिलेश पाण्डेय	4. प्रसनजीत सेन	
5. ए.के. रस्तोगी	5. शंकर प्रसाद दास	
6. एच.बी. बोहिदार	6. सुभाशीष घोष	
7. संजय पुरी		
8. सामाजिक विज्ञान संस्थान		
आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द		
1. अंजन मुखर्जी	1. पी.के. चौधरी	1. सुश्री अर्चना अग्रवाल
2. सुश्री उत्सा पटनायक	2. सुगातो दासगुप्ता	2. विकास रावल
3. प्रभात पटनायक	3. पी.के. झा	3. सुब्रत गुहा
4. रामप्रसाद सेन गुप्ता	4. अरिजीत सेन	4. सुश्री मौसमी दास
5. दीपक नैय्यर		
6. एस.के. जैन		
7. अभिजीत सेन		
8. डी.एन. राव		
9. सी.पी. चन्द्रशेखर		
10. अरुण कुमार		
11. सुश्री जयती घोष		
12. के.जी. दस्तीदार		

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र		
1. नीलाद्री भट्टाचार्य	1. योगेश शर्मा	1. सुश्री जोय एल.के. पचाऊ
2. सुश्री तनिका सरकार	2. सुश्री एच.पी. रे	2. सुश्री आर. महालक्ष्मी
3. बी.डी. चट्टोपाध्याय	3. सुश्री कुम कुम राय	3 हौरामन तिवारी
4. एम.के. पलाट	4. इंदीवर कान्तेकर	4. सुश्री ज्योति अटवाल
5. मुज़फ्फर आलम	5. सुश्री विजय रामास्वामी	
6. दिलबाग सिंह	6. सुश्री राधिका सिंह	
7. एम.एच. सिद्दीकी		
8. सुश्री मृदुला मुखर्जी		
9. आदित्य मुखर्जी		
10. रजत दत्ता		
11. कुणाल चक्रवर्ती		
12. भगवान सिंह जोश		
13. रणबीर चक्रवर्ती		
14. के.के. त्रिवेदी		
क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र		
1. जी.के. चड्ढा	1. सच्चिदानन्द सिन्हा	1. सुश्री सुचरिता सेन
2. सुश्री ए.एच. किदवई	2. बी.एस. बुटोला	2. सुश्री ए. बन्धोपाध्याय
3. सुश्री एस.के. नांगिया	3. अतुल सूद	3. डी.एन. दास
4. एम.एच. कुरेशी	4. मिलाप चन्द शर्मा	
5. हरजीत सिंह		
6. एस.के. थोरट		
7. असलम महमूद		
8. आर.एस. श्रीवास्तव		
9. ए. कुन्डू		
10. के.एस. सिवासामी		
11. सुश्री सरस्वती राजू		
12. आर.के. शर्मा		
13. एम.डी. विमूरी		
14. पी.एम. कुलकर्णी		
राजनीतिक अध्ययन केन्द्र		
1. बलबीर अरोड़ा	1. बी.एन. महापात्रा	1. ए. गजेन्द्रन
2. सुश्री किरण सक्सेना	2. सुश्री विधू वर्मा	2. टी.जी. सुरेश
3. सुश्री सुधा पई	3. पी.आर. कानूनगो	3. सुश्री आशा सारंगी
4. राजीव भार्गव	4. सुश्री शेफाली झा	4. राहुल मुखर्जी
5. सुश्री जोया हसन		
6. आर.के. गुप्ता		
7. सुश्री गुरप्रीत महाजन		
8. वी. रोड्रीग्स		
विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र		
1. ए. पार्थासारथी	1. पी.एन. देसाई	1. सरदिंदु भादुरी
2. वी.वी. कृष्णा		2. रोहन डी'सूज़ा

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र		
1. सुश्री इमराना क़ादिर	1. मोहन राव	1. सुश्री अल्पना दया सागर
2. के.आर. नायर	2. सुश्री रामा वी. बारू	2. राजीब दासगुप्ता
	3. सुश्री रितु प्रिया मेहरोत्रा	3. सुश्री सुनीता रेड्डी
	4. सुश्री संघमित्रा शील आचार्य	
सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र		
1. एम.एन. पाणिनी	1. सुश्री तिपलुत नोंगब्री	1. अमित के. शर्मा
2. दीपांकर गुप्ता	2. सुश्री मैत्रेय चौधरी	2. सुश्री नीलिका मेहरोत्रा
3. नन्दू राम	3. सुश्री एस. विश्वनाथन	3. विवेक कुमार
4. ऐहसानुल हक	4. अविजित पाठक	
5. आनन्द कुमार	5. सुश्री रेणुका सिंह	
	6. एस.एस. जोधका	
जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र		
1. सुश्री करुणा चानना	1. सुश्री गीता बी. नाम्बिसन	1. एस.एस. राव
2. बी.के. खादरिया	2. ध्रुव रैना	2. सुश्री मिनाली पण्डा
3. दीपक कुमार		
4. ए.के. मोहन्ती		
दर्शनशास्त्र केन्द्र		
		1. सुश्री मनदीपा सेन
महिला अध्ययन कार्यक्रम		
	1. सुश्री मेरी ई. जॉन	
8. जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र		
1. राकेश भटनागर	1. उत्तम के. पति	1. एस.एस. मैत्रा
2. संतोष कार	2. सुश्री अपर्णा दीक्षित	
	3. के.जे. मुखर्जी	
	4. राजीव भट्ट	
	5. डी. चौधरी	
9. विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र		
1. एस.के. शर्मा		
10. प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप		
1. एस.वाई. शाह	1. एम.सी. पॉल	
11. विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र		
1. सुश्री नीरजा गोपाल जयाल	1. अमित प्रकाश	1. राम सिंह
	2. सुश्री अमिता सिंह	2. जयवीर सिंह
	3. सुश्री नन्दनी सुन्दर	3. सुश्री जेनिफर जलाल

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
12. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान		
		1. ए.एम. लिन 2. हिमांशु अग्रवाल (आवधिक नियुक्ति)
13. संस्कृत अध्ययन केन्द्र		
	1. सुश्री शशि प्रभा कुमार	1. रजनीश कुमार मिश्र 2. सन्तोष कुमार शुक्ल 3. हरी राम मिश्र 4. राम नाथ झा 5. गिरीश नाथ झा
14. कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान		
1. ज्योतिन्द्र जैन	1. सुश्री कविता रिंह 2. सुश्री बिष्णुप्रिया दत्त 3. सुश्री सावंत शुक्ला 4. एच.एस. शिव प्रकाश	

ख. मानद प्रोफेसर
(31.3.2004 के अनुसार)

I. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

1. प्रोफेसर एम.एस. राजन
2. प्रोफेसर आर.पी. आनन्द
3. प्रोफेसर एम.एस. वेंकटरमानी

II. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

1. प्रोफेसर नामवर सिंह
2. प्रोफेसर मो. हसन
3. प्रोफेसर एस. डे
4. प्रोफेसर एस.बी. वर्मा
5. प्रोफेसर एच.एस. गिल
6. प्रोफेसर के.एन. सिंह

III. जीवन विज्ञान संस्थान

1. प्रोफेसर पी.एन. श्रीवास्तव

IV. सामाजिक विज्ञान संस्थान

1. प्रोफेसर रोमिला थापर
2. प्रोफेसर बिपिन चन्द्रा
3. प्रोफेसर जी.एस. भल्ला
4. प्रोफेसर तापस मजूमदार
5. प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह
6. प्रोफेसर डी. बनर्जी

ऑनरेरी प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम	केन्द्र / संस्थान
1.	महामहिम डॉ. के.आर. नारायणन	सा.वि.सं.
2.	प्रो. मनमोहन सिंह	क्षे.वि.अ.कें. / सा.वि.सं.
3.	प्रो. वाई.के. अलघ	क्षे.वि.अ.कें. / सा.वि.सं.
4.	प्रो. एस.के. खन्ना	क्षे.वि.अ.कें. / सा.वि.सं.

ग. 1.4.2003 से 31.3.2004 के दौरान नियुक्त शिक्षकों की सूची

प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम / पदनाम	केन्द्र / संस्थान
1	प्रो. ए.के. मोहन्ती	जा.हु.शै.अ.के. / सा.वि.सं.
2	प्रो. वी. रोड्रिग्स	रा.अ.के. / सा.वि.सं.
3	प्रो. सी. राजा मोहन	द.,म., द.पू.ए. और द.प.म.अ.के. / अ.अ.सं.
4	प्रो. सुधा भट्टाचार्य	प.वि.सं.
5	प्रो. अरुण के. अत्री	प.वि.सं.
6	प्रो. के.जी. दस्तीदार	आ.अ. और नि.के. / सा.वि.सं.
7	प्रो. के. राजशेखरन नायर	सा.चि.शा. और सा.स्वा.के. / सा.वि.सं.

एसोसिएट प्रोफेसर

1	डॉ. विधू वर्मा	रा.अ.के. / सा.वि.सं.
2	डॉ. पी.आर. कानूनगो	रा.अ.के. / सा.वि.सं.
3	डॉ. शेफाली झा	रा.अ.के. / सा.वि.सं.
4	डॉ. सौगाता भादुरी	भा.वि. और अं.के. / भा.सा. और सं.अ.सं.
5	डॉ. संकरी सुन्दररमन	द.,म., द.पू.ए. और द.प.म.अ.के. / अ.अ.सं.
6	डॉ. इन्दू शेखर ठाकुर	प.वि.सं.
7	डॉ. राजेश राजगोपालन	अ.रा.सं. और नि.के. / अं.अ.सं.
8	डॉ. अमित कुमार	जी.वि.सं.
9	डॉ. मिलाप चन्द शर्मा	क्षे.वि.अ.के. / सा.वि.सं.

सहायक प्रोफेसर

1	डॉ. हिमांशु अग्रवाल	सू.प्रौ.सं.
2	सुश्री जेनिफर जलाल	वि. और अ.अ.के.
3	डॉ. राजीब दासगुप्ता	सा.चि.शा. और सा.स्वा.के. / सा.वि.सं.
4	डॉ. सुनीता रेड्डी	सा.चि.शा. और सा.स्वा.के. / सा.वि.सं.
5	डॉ. सरदिन्दू भादुरी	वि.नी.अ.के. / सा.वि.सं.
6	डॉ. रोहन डिसूजा	वि.नी.अ.के. / सा.वि.सं.
7	डॉ. टी.जी.	रा.अ.के. / सा.वि.सं.
8	डॉ. आशा सारंगी	रा.अ.के. / सा.वि.सं.
9	डॉ. राहुल मुखर्जी	रा.अ.के. / सा.वि.सं.
10	डॉ. डी.एन. दास	क्षे.वि.अ.के. / सा.वि.सं.
11	डॉ. सुब्रत गुहा	आ.अ. और नि.के. / सा.वि.सं.
12	डॉ. मौसमी दास	आ.अ. और नि.के. / सा.वि.सं.
13	डॉ. मनदीपा सेन	दा.के. / सा.वि.सं.
14	डॉ. अश्वनी पारीक	जी.वि.सं.

15	डॉ. एस.एस. कामथ	जी.वि.सं.
16	डॉ. नीलिमा मण्डल	जी.वि.सं.
17	डॉ. एस. गौरीनाथ	जी.वि.सं.
18	डॉ. रोहिनी मुथुस्वामी	जी.वि.सं.
19	डॉ. आर.पी. सिन्हा	भा.भा.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
20	सुश्री दयावन्ती	ची. और द.पू.ए.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
21	डॉ. अम्बरीश ढाका	द.,म., द.पू.ए. और द.प.म.अ.के./अ.अ.सं.
22	डॉ. संजज कुमार भारद्वाज	द.,म., द.पू.ए. और द.प.म.अ.के./अ.अ.सं.
23	डॉ. सिद्धार्थ मल्लावरपू	अ.रा.सं. और नि.के./अं.अ.सं.
24	डॉ. मनीष सीताराम दाबड़े	रा.अ.वि. और अ.अ.के./अं.अ.सं.
25	डॉ. अनुश्री मलिक	प.वि.सं.

घ. 1.4.2003 से 31.3.2004 के दौरान पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर अंतिम रूप से सेवानिवृत्त शिक्षकों की सूची

1	प्रो. के.पी.एस. उन्नी	रू.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
2	प्रो. शिप्रा गुहा मुखर्जी	जी.वि.सं.
3	प्रो. समर चटर्जी	जी.वि.सं.
4	प्रो. आर. राजारमन	भौ.वि.सं.
5	प्रो. हरबंस मुखिया	ऐ.अ.के./सा.वि.सं.
6	प्रो. कुलदीप माथुर	रा.अ.के./सा.वि.सं.
7	प्रो. जे.एस. गाँधी	सा.प.अ.के./सा.वि.सं.
8	डॉ. जे.आर. अरोड़ा	सं. और सू.से.
9	प्रो. जी.पी. देशपाण्डे	पू.ए.अ.के./अं.अ.सं.
10	प्रो. नेन्सी जेटली	द.,म., द.पू.ए. और द.प.म.अ.के./अ.अ.सं.
11	प्रो. के.वी. केसवन	पू.ए.अ.के./अं.अ.सं.
12	प्रो. ए.एम. कुन्ते	फ्रें. और फ्रे.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
13	प्रो. वाई.सी. भटनागर	रू.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
14	प्रो. एस. भट्टाचार्य	ऐ.अ.के./सा.वि.सं.
15	सुश्री शान्ता कृष्णन, सह. प्रोफेसर	प्रौ.शि.ग्रु./सा.वि.सं.

च. 1.4.2003 से 31.3.2004 के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकों की सूची

1	प्रो. एन.एम. जोशी	रू.म.ए. और पू.यू.अ.के./अं.अ.सं.
2	प्रो. एम. आलम	जी.वि.सं.
3	सी. कृष्णमूर्ति	फ्रें. और फ्रे.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
4	प्रो. मैनेजर पाण्डेय	भा.भा.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
5	प्रो. के.एस. धींगरा	रू.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
6	प्रो. के.एल. शर्मा	सा.प.अ.के./सा.वि.सं.
7	प्रो. इमराना कादिर	सा.चि. और सा.स्वा.के./सा.वि.सं.
8	प्रो. वी.एस. मनी	रा.अ.वि. और अ.अ.के./अं.अ.सं.
9	प्रो. प्रमोद तलगेरि	ज.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
10	प्रो. एस.के. नागिया	क्षे.वि.अ.के./सा.वि.सं.
11	श्री वी.के.एच. जम्बोलकर, सह. प्रोफेसर	रा.अ.वि. और अ.अ.के./अं.अ.सं.

छ. 1.4.2003 से 31.3.2004 के दौरान स्वैच्छिक रूप से त्याग–पत्र देने वाले/सेवानिवृत्त शिक्षकों की सूची

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	केन्द्र/संस्थान
1.	प्रो. के.पी. बाजपई	अ.रा.सं. और नि.के./अं.अ.सं.
2.	प्रो. जी.एस. शाह	सा.चि. और सा.स्वा.के./सा.वि.सं.
3.	प्रो. पी.बी. मेहता	द.के./सा.वि.सं.
4.	डॉ. अमित कुमार	जी.वि.सं.
5.	डॉ. मीनाक्षी खन्ना,	
6.	डॉ. पी.आर. चौधरी	रा.अ.वि. और अ.अ.के./अं.अ.सं.
7.	प्रो. कल्पना खोसला	रू.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.

ज. 1.4.2002 से 31.3.2003 के दौरान पुनर्नियुक्त शिक्षकों की सूची

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	केन्द्र/संस्थान
1	प्रो. इमराना कादिर	सा.चि. और सा.स्वा.के./सा.वि.सं.
2	प्रो. के.एस. धींगरा	रू.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
3	मैनेजर पाण्डेय	भा.भा.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
4	प्रो. सी. कृष्णमूर्ति	फ्रे. और फ्रे.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.
5	प्रो. निर्मला एम. जोशी	रू.म.ए. और पू.यू.अ.के./अं.अ.सं.
6	प्रो. एम. आलम	फा. और म.ए.अ.के./भा.सा. और सं.अ.सं.

शोध छात्रों को प्रदान की गई उपाधियां
(1.4.2003 से 31.3.2004 तक)

(क) पी–एच.डी

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

1. श्री टी.वी. विजय कुमार, "स्ट्रक्चर इंडिपेंडेंट क्वेरी लैंग्यूवेज फार मल्टिडाटाबेसिस" प्रो. एन. परिमाला (10.9.2003)
2. श्रीमती प्रवीण शर्मा, "डिटर्मिनिस्टिक ऐंड स्टोकेस्टिक माडल्स आफ इनोवेशन डिफ्यूजन विद हेट्रोजेनिटी", प्रो. कर्मेषु (12.12.2003)

जीवन विज्ञान संस्थान

3. सुश्री बिन्दू सुकुमारन, "फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ ओपन रीडिंग फ्रेम एफ फ्राम द एल.डी.–1 लोकस आफ लीश्मैनिया डोनोवानी", प्रो. आर. मधुबाला (11.8.2003)
4. श्रीमती सुदिप्ता मजूमदार, "स्टडी आफ न्यूरोनल मार्फोलाजी आफ्टर रैपिड आई मूवमेंट स्लीप डेप्रिवेशन इन रेट्स", प्रो. बी.एन. मलिक (27.10.2003)
5. सुश्री मनीषा, "स्टडीज आन रेट्रोट्रान्सपोसन्स आफ पीजियनपी (कैजानस काजन)" प्रो. के.सी. उपाध्याय (27.10.2003)
6. सुश्री अंजली अग्रवाल, "कैल्सियम रिलेटिड इवेंट्स इन सेलुलर रेडियोसेंसिटिविटी", प्रो. आर.के. काले (10.11.2003)
7. सुश्री सालिनी ठाकरन, "इफैक्ट्स आफ एन्टिडायबेटिक कम्पाउन्ड्स आन मिटोकोंड्रियल फंक्शंस इन टिश्यूज और डायबिटिक रैट्स", प्रो. नजमा जहीर बाकर (3.11.2003)
8. श्री सुनीत शुक्ल, "फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ मल्टिड्रग ट्रांस्पोर्टर्स आफ ए पैथोजेनिक यीस्ट", कैनडिडा अल्बिकेंस", प्रो. राजेन्द्र प्रसाद (12.11.2003)
9. सुश्री अस्मिता दास, "माड्यूलेशन आफ एन के सेल डिफ्रेंसिएशन ऐंड एक्टिवेशन बाई एन.के. सेल रिसेप्टर्स फार ट्यूमर सेल इक्सप्रेस्ड लिजेन्ड्स", प्रो. राजीव के. सक्सेना (18.11.2003)
10. सुश्री मीनाक्षी उप्रेती, "इंटरफेरान रेग्यूलेट्री फैक्टर–1 (आई.आर.एफ.–1) आफ माउस : एनालिसिस आफ द ट्रांस्एक्टिवेशन डोमेन", डा. पी.सी. रथ (25.11.2003)
11. श्री सुधाकर झा, "प्यूरिफिकेशन ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ एन बी डी–1 आफ सी डी आर 1 पी, ए मल्टिड्रग ट्रांस्पोर्टर आफ ए पैथोजेनिक यीस्ट, कैनडिडा अल्बिकेंस" प्रो. राजेन्द्र प्रसाद (21.11.2003)
12. श्रीमती अमिता जोशी, "एनालिसिस आफ अपस्ट्रीम रेग्यूलेट्री रीजन (स) आफ ए प्लांट कैल्मोडुलिन जीन", प्रो. के.सी. उपाध्याय (2.12.2003)
13. श्रीमती वर्षा गुप्ता, "फोटोरेग्यूलेशन आफ क्लोरोप्लास्ट बायोजेनसिस इन वीट सीडलिंग्स ग्रोन अंडर रैड लाइट", प्रो. बी.सी. त्रिपाठी (31.12.2003)
14. सुश्री निवेदिता साहू, "फंक्शनल एनालिसिस आफ द कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका", प्रो. आलोक भट्टाचार्य (8.1.2004)
15. श्री नरेन्द्र कुमार बैरवा, "लो रिजोल्युशन मैपिंग आफ क्रोमोसोम 17पी13 ऐंड 17क्यू 21–24 रीजन्स बाई लास आफ हेट्रोजाइजोसिटी (एल.ओ.एच.) इन स्पोरैडिक ब्रेस्ट ट्यूमर्स ऐंड इट्स कोरिलेशन विद क्लिनिकल पैरामीटर्स", प्रो. आर.एन.के. बामजेई (27.1.2004)
16. श्री गगन दीप, "कैंसर केमोप्रिएंटिव एक्शन आफ सम हर्बल प्लांट्स" प्रो. आर.के. काले (10.2.2004)

17. सुश्री शीताश्री अरोड़ा, "स्टडी आफ टी–सेल रिस्पांस टु हैपिटाइटिस ई वाइरस एन्टीजन इन पेशन्ट्स विद एक्यूट हिपेटाइटिस–जिनोटाइप्ड फार साइटोकाइनेस", प्रो. आर.एन.के. बामजेई और डा. पी.सी. रथ (सह पर्यवेक्षक) (18.3.2004)

18. सुश्री अजिस्ता सेनगुप्ता, "इनड्यूसिबल एन – एसिटाइल ग्लूकोसेमाइन कैटाबोलिक पाथवे जीन क्लस्टर : इट्स रोल इन विरूलेन्स आफ कैनडिडा अल्बिकेंस ऐंड वीबरियो कोलरा", प्रो. आशिष दत्ता (22.3.2004)

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

19. श्री विनीत कुमार मिश्रा, "डिवलपमेंट आफ ए प्रिडिक्टिव माडल फार स्पेशल ऐंड टेम्पोरल वैरिएशन आफ लीड कन्सन्ट्रेशन इन द एटमास्फियर ओवर दिल्ली" प्रो. डी.के. बनर्जी (3.4.2003)

20. सुश्री मिथु मजूमदार, "मोलिकुलर क्लोनिंग आफ जिनोमिक डी एन ए इनकोडिंग हाइल्यूरोनिक एसिड बाइंडिंग प्रोटीन–1 (एच ए बी पी 1) ऐंड इट्स अपस्ट्री सिक्वेंस एनालिसिस", प्रो. कस्तूरी दत्ता (11.8.2003)

21. सुश्री प्रीती सक्सेना, "माइक्रोबायोलाजिकल आस्पेक्ट्स आफ लैण्ड डिस्पोजल आफ इंडस्ट्रियल वेस्ट्स आफ गाजीरपुर एरिया आफ दिल्ली विद पार्टिकुलर रिफ्रेन्स टु ट्रांस्फार्मेशन आफ नाइट्रोजन ऐंड सम सलेक्टिड हैवी मेटल्स", प्रो. ए.के. भट्टाचार्य (15.9.2003)

22. सुश्री श्यामला के. मणि, "एन इंटग्रेटिड मैनेजमेंट ऐंड डिस्पोजल प्लान फार हास्पिटल वेस्ट्स", प्रो. डी.के. बनर्जी (25.11.2003)

23. श्री रजा रफिकल होके, "इम्प्लिकेशंस आफ एरोमेटिक वीओसी इमिशन आन अर्बन एयर क्वालिटी आफ दिल्ली", डा. पी.सी. खिलारे (1.1.2004)

24. श्री के. चन्द्रशेखर, "इकोलाजिकल एनालिसिस आफ सेटल्ड एग्रोपेस्टोरल फार्मिंग इन कोल्ड डेजर्ट (स्पिति कैचमेंट हिमाचल प्रदेश)", प्रो. के.जी. सक्सेना और डा. के.एस. राव (सह पर्यवेक्षक) (27.1.2004)

25. श्री रविन्द्र गावली, "इकोसिस्टम स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन इन रिलेशन टु ग्रेजिंग इन एल्पाइन लैण्डस्केप आफ कोल्ड डेजर्ट (स्पिति कैचमेंट, हिमाचल प्रदेश)", प्रो. के.जी. सक्सेना और डा. के.एस. राव (सह पर्यवेक्षक) (27.1.2004)

26. श्री बबल कान्त झा, "स्ट्रक्चरल ट्रांजिशन आफ ह्यूमन हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन 1 (एच ए बी पी–1) ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस इन द रिकोग्निशन आफ डिफ्रेंट लिजेंड्स", प्रो. कस्तूरी दत्ता (11.2.2004)

27. श्री जगदीश चन्द्र, "हाइड्रोकेमिस्ट्री आफ धौलीगंगा रीवर बेसिन : ए ट्राइब्यूट्री आफ रीवर काली इन कुमायुं हिमालय इण्डिया", प्रो. एस.आई. हसनैन (11.2.2004)

28. श्री देवी चन्द्र, "इकोहाइड्रोलाजिकल स्टडीज आफ डोकरियानी ग्लेशिराइज्ड बेसिन, गढ़वाल हिमालय उत्तरांचल", प्रो. एस.आई. हसनैन (11.2.2004)

29. श्री सुदेश यादव, एयरोसोल जिओकेमेस्ट्री इन राजस्थान ऐंड दिल्ली रीजन्स ऐंड इट्स एनवायरनमेंटल इंप्लिकेशंस", प्रो. वी. राजमणि (23.2.2004)

30. श्री शेखर मलिक, "ए स्टडी आन कार्बन फिक्सेशन ऐंड मीथेन एमिशन फ्राम वेटलैण्ड प्लांट्स अंडर फील्ड ऐंड इक्सपेरिमेंटल कंडीशंस", प्रो. बृज गोपाल (15.3.2004)

31. श्री चित्ररोन राउत, "असेसमेंट आफ क्राप डैमेज फ्राम ग्राउन्ड लेवल ओजोन ऐंड इवैल्यूएशन आफ ऐथीलीन डायरिया (इ डी यू) ट्रीटमेंट आन द परफार्मेन्स आफ प्लांट्स इक्सपोज्ड टु ओजोन", प्रो. सी.के. वार्ष्णेय (16.3.2004)

32. श्री जयदीप मलिक, "फंक्शनल एनालिसिस आफ ह्यूमन जीन हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन यूजिंग यूकारियोटिक इक्सप्रेशन सिस्टम : साइजोसैक्रोमाइसेज पोम्ब", प्रो. कस्तूरी दत्ता (15.3.2004)

भौतिक विज्ञान संस्थान

33. श्री सौगाता घोष, "नान–गासियान इनसेम्बल्स आफ रैन्डम मैट्रिक्स", प्रो. अखिलेश पाण्डेय (2.4.2003)

34. श्री जगतार सिंह हंजन, "स्ट्रक्चर, स्पैक्ट्रा ऐंड इनर्जेटिक्स आफ फाइनाइट एटामिक क्लस्टर्स", प्रो. आर. रामास्वामी (18.7.2003)

35. श्री सुभाशीष बनर्जी, "स्टडी आफ डायनेमिक्स आफ ऑपन क्वांटम सिस्टम यूजिंग द फंक्शनल इंटिग्रल अप्रोच", डा. आर. घोष (27.8.2003)

36. सुश्री चरणबीर कौर, "स्टडी आफ हेट्रोजेनिटीज इन सुपरकूल्ड लिक्विड्स फ्राम द एनालिसिस आफ स्टेटिक ऐंड डायनेमिक कोरिलेशंस", डा. शंकर प्रसाद दास (24.9.2003)

37. श्री उपेन्द्र हरबोला, "फलक्चुएटिंग नानलिनियर हाइड्रोडायनेमिक्स आफ बाइनरी फ्लुइड ऐंड लिक्विड ग्लास ट्रांजिशन", डा. एस.पी. दास (6.11.2003)

38. श्री अजीत कुमार महापात्रा, "एक्सपेरिमेंटल इनवेस्टिगेशन आन चार्ज कैरियर ट्रांस्पोर्ट इन आर्गेनिक मोलिकुलर सेमिकन्डक्टर्स", डा. सुभाशीष घोष (2.12.2003)

39. श्री शैलेष कुमार शुक्ला, "मेटल इन्सुलेटर ट्रांजिशन अंडर लैटिक चेंज" प्रो. दीपक कुमार (31.12.2003)

जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र

40. श्री गौरव पाण्डेय, "काइनेटिक स्टडीज फार ओवर प्रोडक्शन आफ रिकम्बिनेन्ट इंटरफेरान–गामा (आई एफ एन वाई) इन इ. कोली ऐंड मेथाइलोट्रापिक यीस्ट", डा. के.जे. मुखर्जी (2.9.2003)

41. सुश्री अरूणा वशिष्ट, "क्लोनिंग, करेक्ट्राइजेशन ऐंड इक्सप्रेशन आफ नैपिन जीन फ्राम मोमोरडिका चरंशिया", डा. अपर्णा दीक्षित (18.11.2003)

42. सुश्री सुजाता ओहरी, "ट्रास्क्रिप्शनल रेग्यूलेशन आफ सी जुन जीन इक्सप्रेशन इन रैट लीवर", डा. अपर्णा दीक्षित (17.11.2003)

43. सुश्री वाई. संगीता देवी, "बायोप्रोसिस आप्टिमाइजेशन आफ जाइलेनेस प्रोडक्शन यूजिंग बैसिलस कल्चर", डा. के.जे. मुखर्जी (5.12.2003)

44. सुश्री सरिता, "आइडेंटिफिकेशन आफ फैक्टर (स.) दैट बाइन्ड टु रेग्यूलेटरी ऐलिमेंट आफ ह्यूमन ए पी ओ (ए) जीन", डा. उत्तम के. पति (31.12.2003)

45. श्री डी. प्रसन्न कुमार, "सालनेन्ट मिडिएटिड थर्मल स्टेबिलिटी ऐंड रिफोल्डिंग आफ यीस्ट हेक्सोकाइनेस ए" डा. राजीव भट्ट (31.12.2003)

46. सुश्री प्रेरणा अखौरी, "हेट्रोजिनिटी आफ ट्रांस्क्रिप्शनल एक्टिविटी आफ ओरल ट्यूमर एसोसिएटिड पी 53 म्युटेन्ट्स", डा. उत्तम पति (13.1.2004)

47. श्री समर सिंह, "स्टडीज आन थर्मोस्टेबिलाइजेशन आफ प्रोटेक्टिव एन्टिजीन आफ बी. एन्थ्रेसिस", प्रो. राकेश भटनागर और डा. राजीव भट्ट (सह पर्यवेक्षक) (3.3.04)

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

48. सुश्री भारती छिब्बर, "रीजनल सिक्यूरिटी ऐंड रीजनल एसोसिएशंस – ए कम्पैरिटव स्टडी आफ एसियान ऐंड सार्क, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र, प्रो. सुरजीत मानसिंह और डा. वरूण साहनी (1.4.2003)

49. श्री दो किम सोन, "वियतनामीज रिफार्म्स : ए स्टडी आफ मैनेजमेंट इन द बैंकिंग सैक्टर (1986–2001), दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. आई.एन. मुखर्जी और डा. गंगनाथ झा (17.4.2003)

50. श्री घनश्याम, "डेमोक्रेटिक मूवमेंट इन थाइलैण्ड विद पर्टिकुलर रिफ्रेन्स टु द रोल आफ स्टुडेन्ट्स", दक्षिण मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. बालादास घोषाल (16.4.2003)

51. श्री सुनील कुमार मोहन्ती, "एथनिसिटी ऐंड नेशनल इंटिग्रेशन इन इण्डोनेशिया : ए केस स्टडी आफ ईस्ट तिमोर", दक्षिण मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. बालादास घोषाल (16.4.2003)

52. श्री चाका बनर्जी, "सेटलमेंट आफ कामर्शियल डिस्पुट्स इन इंटरनेशनल एअर ट्रांस्पोर्टेशन : ए लीगल स्टडी", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. वी.एस. मणि (23.4.2003)

53. श्री संजीव कुमार, "पब्लिक पालिसी ऐंड रूरल डिवलपमेंट इन चाइना : ए स्टडी आफ रूरल इंडस्ट्रिअलाइजेशन", पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, डा. मधु भल्ला (23.4.2003)

54. श्री पी. सेकर, "यूनाइटेड नेशंस ऐंड द पालिटिक्स आफ सेल्फ--डिटर्मिनेशन : ए केस स्टडी आफ ईस्ट तिमोर", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, प्रो. अमिताभ मट्टू (25.4.2003)

55. श्री देरे किशोर शंकर, "लेजिस्लेचर्स ऐंड फारेन पालिसी – मेकिंग : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ इण्डिया ऐंड यूनाइटिड स्टेट्स आफ अमेरिका इन द 1990'स", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र, प्रो. सुरजीतमान सिंह, (29.4.2003)

56. श्री शैलेन्द्र कमलाकर दिवोलंकर, "यू.एस.–जापान सिक्यूरिटी रिलेशंस ड्यूरिंग रीगन ऐंड बुश इरा : डिबेट ओवर डिफेंस बर्डन शेयरिंग", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, डा. के.पी. विजयलक्ष्मी (30.4.2003)

57. श्री माल्ला वी.एस. वारा प्रसाद, "इण्डिया ऐंड द एसियान रीजन सिन्स 1991 : टुवर्डर्स पाजिटिव इंटरडिपेंडेंस", दक्षिण मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. बालादास घोषाल (4.4.2003)

58. सुश्री अनुराधा रेड्डी, "डिप्लोमेटिक एक्टिविटिज आफ सेसनिस्ट ग्रुप्स आफ जम्मू ऐंड कश्मीर ऐंड इण्डिया'स रिस्पांस (1987–99)" राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केन्द्र, प्रो. पुष्पेष पंत (9.5.2003)

59. सुश्री कविता अरोड़ा, "मैनेजमेंट आफ ट्रापिकल फारेस्ट्स : ए केस स्टडी आफ इण्डोनेशिया", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र, डा. एस.एस. देवरा (9.5.2003)

60. श्री अखिलेश चन्द्र प्रभाकर, "साउथ–साउथ ट्रेड ऐंड टेक्नोलाजिकल कारपोरेशन : ए केस स्टडी आफ इण्डिया ऐंड ईस्ट अफ्रीका", पश्चिमी एशियाई और अमरीकी अध्ययन केन्द्र, प्रो. गिरिजेश पंत (9.5.2003)

61. श्री ए. जयकुमार, "फूड सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ इण्डिया ऐंड श्रीलंका", दक्षिण मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. आई.एन. मुखर्जी (13.5.2003)

62. श्री जयराज अमीन एम, "द यूरोपीयन यूनियन ऐंड द साउथ एशियन एसोसिएशन फार रीजनल कोआपरेशन : पर्सपेक्टिव्स आन को–आपरेशन फार डिवलपमेंट", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. राजेन्द्र के. जैन (27.5.2003)

63. श्री पी.ए. मैथ्यू, "स्टेट ऐंड द डाइसपोरा : कम्पेरिंग द चाइनीज ऐंड द इण्डियन एक्सपीरियन्स", पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, डा. अल्का आचार्य (13.6.2003)

64. श्रीमती मौशमी बासु, "वर्ल्ड बैंक लैंडिंग टु द सोशल सैक्टर इन इण्डिया", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र, प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति (11.6.2003)

65. श्री हेमन्त कुमार अधलखा, "माडर्नाइजेशन ऐंड द स्टेट इन कन्टेम्पोरेरि चाईना : सर्च फार ए डिस्टेन्ट सिविल सोसायटी", पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, प्रो. जी.पी. देशपाण्डे (5.6.2003)

66. श्री रवि प्रसाद नारायण, "द इकोनामिक डिप्लोमेसी आफ द पी आर सी टुवर्डस साउथईस्ट ऐंड नार्थईस्ट एशिया : 1978–1998", पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, डा. अल्का आचार्य (1.7.2003)

67. श्री आनन्द कुमार, "जर्मनी ऐंड यून एन पीसकीपिंग आप्रेशंस इन द पोस्ट कोल्ड वार ईरा", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. राजेन्द्र के. जैन (25.7.2003)

68. सुश्री अर्चना नेगी, "द इंटरफेस बिटवीन इंटरनेशनल ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन : ए लीगल स्टडी", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केन्द्र, प्रो. बी.एस. चिमनी (12.8.2003)

69. श्री विजय कुमार, "द न्यू बैंकिंग सिस्टम इन पोस्ट सोवियत रशिया", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, डा. ताहिर असगर (12.8.2003)

70. श्री नवल किशोर पासवान, "इण्डिया'स ट्रेड इन एग्रीकल्चरल फूड प्रोडक्ट्स विद साउथ एशिया : 1990–95", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. आई.एन. मुखर्जी (4.8.2003)

71. श्री विनय भूषण जेना, "मार्किट रिफार्म्स इन रशियन एग्रीकल्चर", रूसी मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, डा. ताहिर असगर (12.8.2003)

72. श्री धमेन्द्र कुमार साही, "एनवायरनमेंटल प्राब्लम्स आफ आरल सी इन सेन्ट्रल एशिया ऐंड पालिसी रिस्पांसिस", दक्षिण, मध्य, दक्षिण पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासगरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. के. वारिकू (27.8.2003)

73. श्री मनीष झा, "एथनिसिटी, रिलीजन ऐंड नेशन बिल्डिंग प्रोसिस इन पोस्ट–सोवियत कजाकिस्तान" दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. के. वारिकू (27.8.2003)

74. श्री सौरभ, "भारत की सुरक्षा के आन्तरिक आयाम (1990 में)", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. नेन्सी जेटली (2.9.2003)

75. श्री एन. मनोहरन, "एथनिक वायलन्स ऐंड ह्युमन वायलेन्स ऐंड ह्युमन राइट्स इन श्रीलंका", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, डा. पी. सहदेवन (22.3.2004)

76. श्री गौतम कुमार झा, "इस्लामिजेशन आफ इण्डोनेशियन पालिटी : ए स्टडी आफ पर्सपेक्टिव्स ऐंड प्राब्लम्स", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, डा. गंगनाथ झा (24.9.2003)

77. श्री दीपांकर सेनगुप्ता, "इंडस्ट्रियल स्ट्रक्चर ऐंड इकोनामिक पर्फार्मेन्स", राजनय अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केन्द्र, प्रो. मनोज पंत (23.9.2003)

78. सुश्री रूपा राय, "द डिवलपमेंट आफ लोकल गवर्नमेंट इन पोस्ट अपारथीड साउथ अफ्रीका : ए स्टडी आफ द डर्बन मेट्रोपालिटिन रीजन", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, डा. अजय के. दुबे (29.9.2003)

79. श्री संजीव कुमार त्रिवेदी, "इ यू यू एस रिलेशंस : ए स्टडी आफ काआपोरेशन ऐंड कनफ्लिक्ट इन पालिटिकल, कामर्शियल ऐंड सिक्युरिटी इंटरएक्शंस", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. क्रिस्टोफर एस. राज, (1.10.2003)

80. श्री चेरियन सेमुअल, "पब्लिक ब्राडकास्टिंग सिस्टम इन ब्रिटेन ऐंड इण्डिया : ए कम्पैरेटिव स्टडी", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. बी. विवेकानन्दन (17.10.2003)

81. श्री दिलीप कुमार पण्डा, "यूनाइटिड स्टेट्स : इनवाल्वमेंट इन द यूगोस्लाव क्राइसिस : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ बोस्निया ऐंड कोसोवो", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. सी.एस. राज (20.10.2003)

82. सुश्री तेमसुमेनला, "वुमन इन डिवलपमेंट इन बांग्लादेश : रोल आफ नान–गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशंस (एन जी ओ'स)", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. आई.एन. मुखर्जी (13.10.2003)

83. श्री फैज अहमद, "ए स्टडी आफ सोशल ऐंड पालिटिकल डिवलपमेंट इन रशिया सिन्स 1985", रूसी, मध्य एशियाई और अफ्रीकी पूर्व यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. शम्सउद्दीन, (13.11.2003)

84. श्रीमती मनचला लीला वेंकट पदमावती, "द डिवलपमेंट ऐड पालिसी आफ द यूरोपीयन यूनियन इन द पोस्ट कोल्ड ईरा", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. आर.के. जैन (24.11.2003)

85. श्री जोस पी.ए., "यूनाइटिड स्टेट्स पालिसी टुवर्डस पोस्ट रिवोल्युशनरी ईरान : 1978–88", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, डा. के.पी. विजयलक्ष्मी, (3.12.03)

86. श्री एम. गैरियानामेई आर. नागा, "इण्डिया'स एनवायरनमेंटल डिप्लोमेसी फ्राम रिओ डे जैनेरियो टु क्योटो (1992–1997)", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केन्द्र, प्रो. पुष्पेष पंत (9.12.2003)

87. सुश्री फरहाना हाशिम, "गवर्नमेंट नान–गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशन लिंकेज : ए स्टडी आफ हैल्थ सर्विसिस इन बांग्लादेश", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. इन्द्रनाथ मुखर्जी (11.12.2003)

88. श्रीमती निवेदिता दास कुण्डु, "कम्पैरेटिव स्टडी आफ वुमन ऐट द लेबर मार्किट इन रशिया ऐंड इण्डिया (1990–2000)", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. अनुराधा एम. चिनाय (23.12.2003)

89. श्री हैप्पीमोन जैकब, "यू.एस. डिप्लोमेसी इन द कैस्पियन सी रीजन", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केन्द्र, श्री वी.के.एच जम्भोलकर (15.3.2004)

90. सुश्री सोल्जी जोस टी. कोट्टाराम, "द पालिटिकल इकोनामी आफ पाइपलाइन्स इन सेन्ट्रल एशिया", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. के. वारिकू (12.3.2004)

91. श्री शाहिद एम. सिद्दीकी, "तुर्किस–यूनाइटिड स्टेट्स एलाइन्स ऐंड गल्फ सिक्युरिटी इन पोस्ट कोल्ड वार ईरा", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, प्रो. मोहम्मद सादिक (1.1.2004)

92. सुश्री सास्वती चन्द्र, "मैनेजमैंट आफ नेचुरल डिजेरटर्स : ए केस स्टडी आफ बांग्लादेश", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. महेन्द्र पी. लामा (12.1.2004)

93. श्रीमती चित्रा हर्षवर्धन, "डिप्लोमेसी फार कंजरवेशन आर कामर्शियल गेन : ए केस स्टडी आफ जर्मन एनवारयनमेंटल ऐड टु इण्डिया", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केन्द्र, प्रो. पुष्पेष पंत (7.1.2004)

94. श्री दिनेश भट्टराय, "आस्ट्रेलिया'स पालिटिकल इकोनामिक ऐंड स्ट्रेटजिक लिंकेजिस विद साउथईस्ट एशिया (1975–93)" दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, डा. गंगनाथ झा (8.1.2004)

95. श्रीमती सोमाश्री मुखोपाध्याय, "मल्टिलेटरलिज्म ऐंड रीजनलिज्म : थीसिस आर एन्टीथीसिस एनालिसिस", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केन्द्र, प्रो. मनोज पंत (15.1.2004)

96. श्री सुधीर कुमार सिंह, "पाकिस्तान में मानवाधिकार (1972–1999)", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. उमा सिंह (16.1.2004)

97. श्री दया शंकर गुप्ता, "पाकिस्तान में संवैधानिक विकास 1973–88", तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक चिन्तन ग्रुप, प्रो. कमल मित्रा चिनाय (3.2.2004)

98. श्री विजय सखुजा, "ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ मैरिटाइम पावर आफ इण्डिया ऐंड चाइना इन 1990'स", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र, प्रो. कान्ती पी. बाजपेई और डा. स्वर्ण सिंह (24.2.2004)

99. सुश्री अबन्ती भट्टाचार्य, "चाइनीज नेशनलिज्म : द इम्पैक्ट आफ पालिसी", पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, डा. मधु भल्ला, (1.3.2004)

100. सुश्री ममता रानी नायक, "सोसिओ कल्चरल चेंजिस इन पोस्ट–सोवियत किरगिस्तान ऐंड तुरकमेनिस्तान", रूसी मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. अजय कुमार पटनायक (27.2.2004)

101. सुश्री निवेदिता रे, "वुमन'स स्ट्रगल फार लिब्रेशन इन केन्या : ए स्टडी आफ नगुगिवा थिओनगो'स फिक्शंस" पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, डा. एस.एन. मालाकार (27.2.2004)

102. श्री पार्था सारथी दास, "बालकन क्राइसिस ऐंड यूरोपीयन सिक्यूरिटी", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. शशिकांत झा (12.3.2004)

103. श्री टी.वी.जी.एन.एस. सुधाकर, "प्रोटेक्शन आफ ह्यूमन राइट्स इन नान–इंटरनेशनल आर्म्ड कंफ्लिक्ट्स ऐंड द इमर्जिंग इंटरनेशनल क्रिमिनल लॉ", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केन्द्र, प्रो. बी.एस. चिमनी, (25.3.2004)

104. श्री प्रमोद सी.आर. "कंटेम्पोरॅरि चाइनीज स्टेट : निगोसिएटिंग द डोमेस्टिक ऐंड द ग्लोबल", पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, डा. अल्का आचार्य (25.3.2004)

105. श्री संकीरतन बधेई, "मैनेजिंग हायर एज्यूकेशन इन जापान : प्राब्लम्स ऐंड इश्यूज", पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, डा. लालिमा वर्मा (23.3.2004)

106. श्री के.एम. परिवेलन, "द स्टेट, एथनिक रिलेशंस ऐंड ह्युमन राइट्स इन उज्बेकिस्तान", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. अजय कुमार पटनायक (25.3.2004)

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

107. श्री राम चन्द्र, प्रेमचन्द का कथा साहित्य और दलित विमर्श", भारतीय भाषा, केन्द्र, डा. पुरूषोत्तम अग्रवाल (29.3.2004)

108. मोहम्मद रेजा शम्सदीनी, "डिवलपिंग ए माडल फार इ एस पी : टीचिंग आफ इंग्लिश टु स्टुडेंट्स आफ इंजीनियरिंग इन बूशेर यूनिवर्सिटी, ईरान", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, प्रो. वैश्ना नारंग (25.4.2003)

109. श्री सी. जयसेल्विन, "ट्रांस्फार्मेशन आफ लैंग्यूवेज : बाइबल ट्रांस्लेशंस ऐंड शिफ्ट्स इन लिट्रेरी प्रेक्टिसिज इन तमिल लैंग्यूवेज ड्यूरिंग 18टींथ ऐंड 19टींथ सेंचुरीज", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, डा. एफ.डी. मंजली (25.4.2003)

110. मो. शकील, "द इम्पैक्ट आफ कलोनियल रिजीम आन द पर्शियन स्टडीज इन इण्डिया", फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, डा. एस.ए. हसन, (29.4.2003)

111. सुश्री पूनम कुमारी, "स्त्री चेतना और मीरा का काव्य", भारतीय भाषा केन्द्र, प्रो. मैनेजर पाण्डेय (5.5.2003)

112. श्री संजय कुमार, "बीसवीं सदी के अंतिम दशक (1991–2000) के हिन्दी उपन्यास में इतिहास बोध", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. (श्रीमती) ज्योतिसर शर्मा, (12.5.2003)

113. श्री सुजीत कुमार, "स्वातन्त्रयोत्तर हिन्दी उपन्यास और दलित समाज : दलित केन्द्रित उपन्यासों के विशेष सन्दर्भ में", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. पुरूषोत्तम अग्रवाल (3.6.2003)

114. सुश्री लतिका सिंह, "कालरिज'स थीअरि ऐंड वर्डर्सवर्थ'स पाइट्री : एन एनालिसिस इन द पर्सपेक्टिव आफ द इण्डियन थीअरि आफ नालेज", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. कपिल कपूर (22.5.2003)

115. सुश्री मनलीन कौर, "द सेमिओटिक्स आफ कंसेप्चुअल स्ट्रक्चर्स इन द राइटिंग्स आफ अनीता देसाई विद स्पेशल रिफ्रेंस टु क्राई, द पीकाक", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, प्रो. एच.सी. नारंग, (11.6.2003)

116. सुश्री रूपा सिंह, "स्त्री अस्मिता की तलाश कृष्णा सोबती के कथा साहित्य के सन्दर्भ में", भारतीय भाषा केन्द्र, प्रो. मैनेजर पाण्डेय (7.7.2003)

117. श्री योगेन्द्र प्रसाद दास, "द्विजेन्द्र लाल राय 'बंगला' और प्रसाद के नाटक एवं राष्ट्रीय जागरण एक तुलनात्मक अध्ययन", भारतीय भाषा केन्द्र, प्रो. मैनेजर पाण्डेय (3.7.2003)

118. सुश्री वन्दना झा, "स्वातन्त्रयोत्तर हिन्दी और मैथिली कहानी में – यथार्थ चेतना : तुलनात्मक अध्ययन", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. पुरूषोत्तम अग्रवाल (15.7.2003)

119. सुश्री मेनका श्रीवास्तव, "तारसप्तक से तीसरा सप्तक तक कविताओं में प्रगति और प्रयोग (सन्दर्भ : सप्तक में संकलित कविताओं पर आधारित)", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. गोविन्द प्रसाद (17.7.2003)

120. सुश्री परनल चिमुले, "एप्रोप्रिएटिंग द पास्ट : यूरोपीयन इंडोलाजी ऐंड कंपिलक्टिंग नोशंस आफ हिस्ट्री इन नाइनटींथ सेंचुरी महाराष्ट्र", जर्मन अध्ययन केन्द्र, प्रो. रेखा वी. राजन (27.8.2003)

121. श्री शिव कुमार सिंह, "समकालीन हिन्दी महिला उपन्यासकारों की सामाजिक और राजनीतिक चेतना (आपातकाल से लेकर आज तक)", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. (श्रीमती) ज्योतिसर शर्मा (27.8.2003)

122. मो. तौकीर आलम राही, "उर्दू निसाब हिन्दुस्तान के मदरसों में : एक तनकीदी जायजा" (द उर्दू करिकूलम इन मदरसाज इन इण्डिया : ए क्रिटिकल इवैल्युएशन)", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. मजहर हुसैन (10.9.2003)

123. श्री राम रतन प्रसाद, "फणीश्वरनाथ रेणु के कथा साहित्य में स्त्री समस्या का अध्ययन", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. गोविन्द प्रसाद (10.9.2003)

124. श्री अबुल कलाम मसरूरूल हादी, "द इंफ्लुएन्स आफ फेमिनिस्ट मूवमेंट आन माडर्न उर्दू वुमन पोइट्स (1947–60)", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. एस.एम. अनवार आलम (13.10.2003)

125. श्री शफी अहमद हाशिम, "द कंट्रिब्युशन आफ कुवैत टु अरेबिक लिट्रेचर ऐंड कल्चर ड्यूरिंग सेकण्ड हाफ आफ टवेन्टीथ सेंचुरी (1950–99)", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, प्रो. एम.ए. इस्लाही (27.10.2003)

126. श्री सतेन्द्र कुमार सिंह, "द सब्लाइम ऐंड इण्डियन इंग्लिश पोइट्री", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र, प्रो. कपिल कपूर (30.10.2003)

127. श्री मुकेश कुमार सिन्हा, "इकबाल'स कंट्रीब्युशन टु पर्शियन लिट्रेचर विद स्पेशल रिफ्रेंस टु हिज मास्टरपीस 'जाबिदनामेह", फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, प्रो. (सुश्री) एस.जे. हवेवाला (11.11.2003)

128. श्री अभिजीत कारकून, "Du marginal Au majeur : Une Etude comparee Des Litteratures Quebecoise Et Bengalie" फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र, प्रो. आर. बॉर्जिस (20.11.2003)

129. श्री अरूण देव जैसवाल, "महावीर प्रसाद द्विवेदी की आलोचना का सामाजिक लक्ष्य", भारतीय भाषा केन्द्र, प्रो. मैनेजर पाण्डेय (18.11.2003)

130. श्री इरशाद अहमद, "ए क्रिटिकल स्टडी आफ अमीर खुसरो'स ऐज ऐंड हिन्दवी पाइट्री एट्रिब्युटिड टु हिम", भारतीय भाषा केन्द्र, प्रो. नसीर अहमद खान, (19.11.2003)

131. सुश्री रीता, "अधुनातन लेखिकाओं के उपन्यास : नारी चेतना के विविध आयाम : सन 1975 से 1995 तक", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. वीर भारत तलवार (3.12.2003)

132. श्री अतिकुर रहमान, "एपिक पोइट्री ऐंड कंटेम्पोरॅरि पर्शियन लिट्रेचर विद स्पेशल रिफ्रेंस टु मेहदी अखवान ए–थालिथ", फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, प्रो. एस.ए. हसन (9.12.2003)

133. श्री राजेश कुमार सुमन, "केदारनाथ अग्रवाल की कविता में सौन्दर्य और संघर्ष के अंतः संबंध", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. गोविन्द प्रसाद (16.12.2003)

134. श्री रवि प्रसाद, "लैंग्यूवेज, एथनिसिटी ऐंड कास्ट : ए स्टडी आफ लैंग्यूवेज डाइनेमिक्स इन हजारीबाग", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, डा. आर.एस. गुप्ता (31.12.2003)

135. श्री परवेज अहमद, "द लिट्रेरी इवैल्युएशन आफ पालिटिकल पोइट्री इन उर्दू (1900–1950)" भारतीय भाषा केन्द्र, डा. के.एम. इकरामुद्दीन (23.1.2004)

136. श्री नवनीत सहाय बेदर, "जयशंकर प्रसाद की इतिहास दृष्टि", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. पुरूषोत्तम अग्रवाल (4.2.2004)

137. मो. हारून रसीद, "उर्दू खुद नाविश्त निगारी का मशरती जिन्दगी की तरफ रवैया आजादी के बाद (उर्दू आटोबाइयोगाफर्स अप्रोच टुवर्डस सोशल लाइफ आफ्टर इंडिपेंडेंस)", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. मो. शाहिद हुसैन, (23.2.2004)

138. श्री प्रेम कुमार तिवारी, "बनारस का साहित्यिक इतिहास सन्दर्भ उन्नीसवीं सदी उत्तरार्द्ध का हिन्दी साहित्य", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. पुरूषोत्तम अग्रवाल (25.2.2004)

139. श्री अब्दुल कुददूस, "चैंजिंग स्टाइलिस्टिक्स इन द अरेबिक जर्नलिज्म ऐज डिक्टेटिड बाई द माडर्न इनफार्मेशन रिवोल्युशन इन द लास्ट क्वार्टर आफ द टवेन्टीथ सेंचुरी", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, प्रो. एस.ए. रहमान (11.3.2004)

140. श्री समीर कुमार दैबाघ, "रेन डिस्कार्टस (मेडिटेशंस) ऐंड गिल्बर्ट राइल (द कंसेप्ट आफ माइन्ड) : ए क्रिटिकल ऐंड कम्पैरेटिव स्टडी", दर्शनशास्त्र समूह, डा. आर.पी. सिंह (15.3.2004)

सामाजिक विज्ञान संस्थान

141. श्री सैयद रजा मजहरी, "इनफ्लेशलन इन द ईरानियन इकोनामी बिटवीन 1970–98 : ए थीअरेटिकल कम इम्पिरिकल रटडी" आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. प्रभात पटनायक (22.8.2003)

142. श्री एन्ड्रयू राभुग ओटाची रीची, "रिवेन्यू डाइवर्सिफिकेशन इन केन्या'स पब्लिक यूनिवर्सिटीज ऐंड इंप्लिकेशंस फार इफिसिऐन्सी ऐंड इक्विटी : एन एनालिसिस आफ एज्यूकेशनल फाइनेन्स इन द अफ्रीकन कंटेक्टस्ट", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. बिनोद खादरिया (9.4.2003)

143. सुश्री सुष्मिता चक्रबर्ती, "आइडेंटिटी स्टाइल्स आफ एडोलेसेन्ट्स इन स्कूल ऐंड देयर कोग्निटिव ऐंड अफेक्टिव फक्शनिंग", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, डा. मिनाती पण्डा (3.4.2003)

144. सुश्री ज्योत्सना, "तेस्ट्सलैण्ड्स आइडेंटिफिकेशन मानिटरिंग ऐंड मैनेजमेंट : ए केस स्टडी आफ श्री गंगानगर डिस्ट्रिक्ट", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, प्रो. एम.एच. कुरेशी (9.4.2003)

145 श्री डोल्लु वेंकटेश्वर कुमार, "माडर्नाइजेशन ऐंड ऐथनिसिटी : ऐन इन्क्वायरी इनटु देयर रिलेशनशिप विद रिफ्रेंस टु द तेलुगु कम्यूनिटी इन बंगलौर", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, डा. अविजित पाठक (24.4.2003)

146. श्री प्रदीप कुमार शर्मा, "लिट्रेरी एक्सप्रेशन आफ पालिटिकल कांससनेस अमंग दलित्स : ए क्रिटिकल स्टडी बेस्ड आन सलेक्टिड वर्क्स आफ हिन्दी लिट्रेचर" राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. किरण सक्सेना (24.4.2003)

147. सुश्री बिनीता बहेरा, "स्कूलिंग ऐंड कंस्ट्रक्शन आफ जेंडर आइडेंटिटीज : ए सोसिओलाजिकल स्टडी आफ ए को–एज्यूकेशनल स्कूल इन उड़ीसा" सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, (24.4.2003)

148. सुश्री उरमिता रे, "रूरल सोसायटी ऐंड इकोनामी आफ बिहार इन द लेट ऐट्टींथ ऐंड अर्ली नाइनटींथ सेंचुरी", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, डा. रजत दत्ता (24.4.2003)

149. श्री के.वी. साइबिल, "ऐथनोग्राफी आफ ए सैक्रीफाइस : द कंटेंट ऐंड फार्म आफ द कस्टोडिअल डैथ आफ सरदार गोपालकृष्णन आन द फर्स्ट रिपब्लिक डे आफ इण्डिया", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, डा. सुसन विश्वनाथन (24.4.2003)

150. सुश्री एस. विजया, "इंटर प्ले आफ फैक्टर्स इनफ्लुऐंसिंग द हैल्थ आफ वुमन वर्कर्स – ए केस स्टडी आफ हैण्डलूम वीविंग इंडस्ट्री इन करूर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डा. रामा वी. बारू (29.4.2003)

151. सुश्री विजय रजनी, "पैटर्न्स आफ वेज ऐंड इंप्लायमेंट आफ एग्रीकल्चरल लेबर – ए केस स्टडी आफ उत्तर प्रदेश", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, प्रो. कुसुम चोपड़ा, (8.5.2003)

152. सुश्री परिमाला वी राव, द इमर्जेन्स आफ द कंसेप्ट आफ हिन्दू राष्ट्र इन द नाइन्टींथ सेंचुरी महाराष्ट्र", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. के.एन. पणिक्कर (19.5.2003)

153. श्री सोमैया कान्ती घोष, "इंटरनेशनल कैपिटल मार्किट्स ऐंड मैक्रो–पालिसिज इन डिवलपिंग कंट्रीज विद स्पेशल रिफ्रेंसिस टु इण्डिया", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. पी. पटनायक, (19.5.2003)

154. श्री विजय कुमार बरैक, "सोसिओ–इकोनामिक डिवलपमेंट ऐंड चेंजिंग हैल्थ कंडीशन अमंग द शैड्यूल्ड ट्राइब्स आफ छोटानागपुर", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, डा. सच्चिदानन्द सिन्हा (28.5.2003)

155. श्री आर. गोपा कुमार, "क्वालिटी आफ लाइफ : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ केरला ऐंड तमिलनाडु", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, प्रो. सुधेश नांगिया (17.6.2003)

156. श्रीमती फातिमा हुसैन, "चिश्तीस ड्यूरिंग द दिल्ली सल्तनत : बैलेन्स बिटवीन आइडियल ऐंड प्रेक्टिस", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. हरबंस मुखिया (25.7.2003)

157. सुश्री चंन्द्रिमा बिस्वास, "माइग्रेन्टस ऐंड द कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री इन द इनफार्मल सैक्टर : ए केस स्टडी आफ द कंस्ट्रक्शन वर्कर्स इन नवी मुम्बई", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. जे.एस. गांधी (29.7.2003)

158. सुश्री सोनिया कपूर, "लाइफ–वर्ल्डस ऐंड सोशल सिस्ट्म्स आफ हिन्दू पंजाबी रिफ्यूजीस इन दिल्ली : कास्ट, क्लास ऐंड पावर", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. टी.के. ऊमन (6.8.2003)

159. श्री अभिजीत कुण्डु, "चेंजिंग आइकोनोग्राफी आफ द वुमन इन बंगाली सिनेमा : (1950'स टु 1990'स) ए सोसिओलाजिकल स्टडी आफ सम सलेक्टिड फिल्मस", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. जे.एस. गांधी (6.8.2003)

160. श्री राम सिंह, "इंस्टीट्यूशंस इकोनामिक इफिसिऐन्सी ऐंड वैल्यूज", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. सतीश के. जैन (23.7.2003)

161. श्रीमती सालिनी मिश्रा, द पावर स्ट्रक्चर ऐंड फार्म्स आफ पीजेन्ट रसिस्टेन्स इन ईस्टर्न राजस्थान इन द 17टींथ ऐंड 18टींथ सेंचुरीज", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. दिलबाग सिंह (19.8.2003)

162. श्री अशोक कुमार सरकार, "नान–गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशंस इन हैल्थ केयर : ए स्टडी आफ वेस्ट बंगाल", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डा. रामा वी. बारू (22.8.2003)

163. श्री आर. माधवन, "रिलीजस आर्डर्स, लैंग्यूवेज रिसर्जेन्स ऐंड कलेक्टिव आइडेंटिटी इन तमिलनाडु : ए सोसिओलाजिकल स्टडी", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, डा. अविजित पाठक (19.8.2003)

164. सुश्री उर्वशी चन्द्र, "कंज्यूमेरिज्म ऐंड कल्चर : ट्रेडिशन ऐंड माडर्निटी इन एन अर्बन सेटिंग", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. दीपांकर गुप्ता (15.9.2003)

165. श्री पारथाप्रतिम पाल, "फारेन पोर्टफोलियो इनवेस्टमेंट, स्टाक मार्किट ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट : ए केस स्टडी आफ इण्डिया", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. जयती घोष (24.9.2003)

166. श्री मोहिन्द्र सिंह, "क्रिटिक आफ माडर्न टाइम–कांससनेस ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस फार थीअरि प्रेक्टिस रिलेशनशिप : ए स्टडी आफ द वर्क्स आफ हन्नाह अरेन्ड्ट ऐंड वाल्टर बेंजामिन", राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. गुरप्रीत महाजन (1.10.2003)

167. श्री राकेश ठाकुर, "फेथ ऐंड मार्किट कल्चर : ए सोसिओ–कल्चरल स्टडी आफ पुष्कर", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. जे.एस. गांधी (7.10.2003)

168. श्री यशदत्ता सोमाजी अलोन, "फार्म्स ऐंड पैट्रोनेज इन अर्ली बुद्धिस्ट आर्ट ऐंड आर्किटेक्चर : ए स्टडी आफ अर्ली वेस्टन इण्डियन बुद्धिस्ट केव्स", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. आर. चम्पकलक्ष्मी और प्रो. बी.डी. चट्टोपाध्याय (15.10.2003)

169. श्री बेन्सन मार्क ओमोन्डी अज्ञेय, "टेक्नोलाजी मार्किट ऐंड पीजेन्ट सोसायटी : ए सोसिओलाजिकल एनालिसिस आफ सिया डिस्ट्रिक्ट – कैन्या", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. एम.एन. पाणिनी और प्रो. टी.के. ऊमन (23.10.2003)

170. श्री एस. सक्थिवेल, "एन एनालिसिस आफ पालिसीज रिलेटिंग टु द फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन द हैल्थ सैक्टर इन इण्डिया सिन्स 1970" सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. डी.एन. राव (6.10.2003)

171. श्रीमती चवीवन मेकरुनकामोल, "एज्यूकेशन रिफार्म इन थाईलैण्ड : ए कम्पैरटिव स्टडी आफ इट्स इम्पैक्ट आन प्राइमरी एज्यूकेशन इन फिचित ऐंड सुफनबुरी प्राविन्सिस", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. करूणा चानना (3.11.2003)

172. श्री ध्रुब प्रतिम शर्मा, "लेबर ऐंड द पालिटिक्स आफ आइडैंटिटी : ए स्टडी आफ टी गार्डन वर्कर्स इन द ब्रहमपुत्र वैली (1985–2001)", राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. सुधा पई (10.11.2003)

173. सुश्री जयती मुखर्जी, "द बिजनेस कम्यूनिटीज इन बंगाल ऐंड नेशनलिस्ट पालिटिक्स : द नेक्सस बिटवीन इकोनामिक कम्पल्शंस ऐंड पालिटिकल एसपिरेशंस 1919–1939", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. एस. भट्टाचार्य (18.11.2003)

174. श्रीमती अनुजा अग्रवाल, "किनशिप इकोनामी ऐंड फीमेल सेक्सचुएलिटी : ए केस स्टडी आफ प्रोस्टिट्यूशन अमंग द बेदियास", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. दीपांकर गुप्ता (18.11.2003)

175. श्री जे. मनोहर राव, "इण्डिया'स एक्सपिरिअन्स विद टेक्नोलाजी एक्विजिशन ऐंड रेग्यूलेशन इन द फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री ऐंड द इंप्लिकेशंस आफ द डब्ल्यु टी ओ", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. प्रभात पटनायक (17.11.2003)

176. श्री प्रवीन सिंह, "कलोनाइजिंग द रीवर्स : कलोनिअल टेक्नोलाजी, इरिगेशन ऐंड फ्लड कंट्रोल इन नार्थ बिहार, 1850–1950", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. आदित्य मुखर्जी (5.12.2003)

177. सुश्री बाहन्नी शिखा दास पुरकायस्था, "ए सोसिओलाजिकल स्टडी आफ वुमन'स हैल्थ इन ए विलेज आफ बांग्लादेश", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. मैत्रेयी चौधरी (16.12.2003)

178. श्रीमती अनन्य घोष दस्तीदार, "ट्रेड लिबरलाइजेशन, इम्प्लायमेंट ऐंड द डिस्ट्रिब्युशन आफ इनकम", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. दीपक नैय्यर (16.12.2003)

179. श्रीमती स्मिथ फ्रांसिस, "फारेन डाइरेक्ट इनवेस्टमेंट फ्लोज ऐंड इंडस्ट्रिअल रिस्ट्रक्चरिंग इन साउथ ईस्ट एशिया : ए केस स्टडी आफ थाईलैण्ड, 1987–98", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. जयती घोष (16.12.2003)

180. श्री सुधाकरन के.एम., "पार्टिसिपेशन आफ शैड्यूल्ड कास्ट्स इन न्यू पंचायती राज इन टू डिस्ट्रिक्ट्स आफ केरला" राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. सुधा पई (22.12.2003)

181. श्रीमती रानू सिन्हा, "एन इन्क्वाइरी इनटू द स्टेटस आफ वुमन इन पुलिस सर्विस : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ वुमन पुलिस आफिसर्स इन इण्डिया ऐंड यू.एस.ए.", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, प्रो. जे.एस. गांधी (26.12.2003)

182. सुश्री सुतापा लाहिरी, "भारतीय जनता पार्टी इन उत्तर प्रदेश : आइडोलाजी, सोशल बेस ऐंड स्ट्रेटजीस आफ इलैक्टोरल मोबिलाइजेशन", राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. सुधा पई (8.1.04)

183. श्रीमती कविता शिवरामकृष्णन, "एड्रेसिंग द हैल्थ आफ द 'पब्लिक' – स्टेट अथारिटी, मिशनरीज ऐंड वैदस इन पंजाब'स टाउन्स ऐंड सिटीज (1880स–1930स)", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. मजीद एच. सिद्दीकी (14.1.04)

184. श्रीमती जाहरा अमिरी, "वैल्यूएशन आफ ईरान'स फारेस्ट ऐंड कम्पेरिजन विद इण्डिया ऐंड कनाडा", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. डी.एन. राव (10.2.2004)

185. श्री मनोज कुमार कार, "सस्टेनेबिलिटी आफ नान–गवर्नमेंटल हैल्थ केयर इन राजस्थान : ए केस स्टडी", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र ओर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डा. के.आर. नायर और प्रो. पी. रामालिंगास्वामी (16.2.2004)

186. सुश्री खानगेम्बम इन्दिरा, "सोशल आर्गेनाइजेशन ऐंड रिलीजन अमंग द लोइस आफ मणिपुर", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, डा. तिपलुत नोंगब्री (16.2.2004)

187. सुश्री रामिला बिष्ट, "हिल वुमन आफ गढवाल : ए स्टडी आफ देयर वर्क ऐंड हैल्थ इन द कंटेक्स्ट आफ इकोलाजिकल डिग्रेडेशन ऐंड मेल आउट–माइग्रेशन", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्रो. इमराना कादिर (24.2.2004)

188. श्री राजीव एस. जयसिंघे, "फ्राम क्राउन कालोनी टु नेशन स्टेट : द ट्रांस्फर आफ पावर इन श्रीलंका (सीलोन) 1931–48", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. एस. भट्टाचार्य (11.2.2004)

189. सुश्री चोचो थीन, "द ट्रेड ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट आफ म्यांमार", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. उत्सा पटनायक (26.2.2004)

190. मोहम्मद अली मोहम्मदी घैरघानी, "पोस्ट रिवोल्युशनरी ईरान : ए क्रिटिकल सोसिओलाजिकल इनक्वायरी इन टु माडर्निटी ऐंड सिविलाइजेशनल आइडियल्स", सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, डा. अविजित पाठक, (12.3.2004)

191. श्री प्रसेंजित बोस, "कैपिटल एक्युम्युलेशन ऐंड क्राइसिस : ए थीअरिटिकल स्टडी", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. प्रभात पटनायक (12.3.2004)

192. श्री सरोज गिरि, "शिफ्टिंग थ्रू द इकोलाजी डिबेट : लेबर ऐंड द प्रोडक्शन आफ नेचर", राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, प्रो. राजीव भार्गव (23.3.2004)

193. श्री सी. निरंजन राव, "पेटेंट्स ऐंड टेक्नोलाजिकल प्रोग्रेस इन डिवलपिंग कंट्रीज : ए केस स्टडी आफ इण्डिया", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, प्रो. प्रभात पटनायक (15.3.2004)

सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़

194. सुश्री पूर्वा वत्स, "स्टडीज आन मायो–नोसिटालहेक्साकिसफास्फेट डिग्रेडिंग एनजाइम फ्राम ए हाइपरप्रोड्यूसिंग स्ट्रेन आफ ऐस्परजिलस निगर वैन टिजेम", डा. डी.के. साहू, (30.7.2003)

195. सुश्री राधा देवी, "स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल स्टडीज आन माइकोबैक्टेरियम ट्युबरकुलोसिस एलकाइल हाइड्रोपरआक्सीडेंस सी (एएचपीसी)", डा. गिरिश साहनी, (22.8.2003)

196. सुश्री रचना चाबा, "बायोकेमिकल ऐंड फंक्शनल स्टडीज आन पीकेएनए, एन यूकारयोटिक–टाइप सिरिन/थ्रिओनिन काइनेस फ्राम माइकोबैक्टेरियम ट्युबरकुलोसिस", डा. प्रदीप चक्रबर्ती (14.10.2003)

197. श्री नरेश शर्मा, "टार्गेटिंग बैक्टेरिया इनट्रेप्ड इन सिनजेनिक आर एलोजेनिक मैक्रोफेजिस टु डेनड्रिटिक सेल्स : ऐन अप्रोच फार द इंडक्शन आफ पैथोजीन स्पेस्फिक प्रोटोक्टिव इम्यूनिटी", डा. जावेद एन. आगरेवाला (27.10.2003)

198. श्री सौविक भट्टाचार्यजी, "मलेरिया पेरासाइट एन इनफेक्टिड इथ्रोसाइटेस : रोल आफ मेम्ब्रेन एसोसिएटिड एन्टीजिन्स इन मैक्रमोलिकुलर अपटेक", डा. गिरिश सी. वार्ष्णेय (27.10.2003)

199. श्री विनोद सिंह, "अंडरस्टेंडिंग द रेग्यूलेशन आफ ऐन्टीजन स्पेस्फिक टी हैल्पर सेल्स बाई साइटोकाइनेस ऐंड कास्टिम्युलेट्री मोलिक्युल्स इक्सप्रेस्ड आन डिस्टिंक्ट ऐन्टीजन प्रिजेंटिंग सेल्स", डा. जावेद एन. आगरेवाला (3.11.2003)

200. श्री विशाल अग्रवाल, "स्ट्रक्चरल स्टडीज आफ ई पी एस 8–एस एच 3 डोमेन विद इट्स कम्प्लीमेंट्री प्रोटीन्स", डा. के.वी. राधाकृष्ण (12.11.2003)

201. श्री अंशुमान शुक्ला, "फोल्डिंग ऐंड स्टेबिलिटी आफ सिक्वेंस रिकम्बाइन्ड प्रोटीन्स–इफेक्ट्स आफ बैकबोन रिवरसल ऐंड सेकण्ड्री स्ट्रक्चर शफिलंग", डा. पूर्णानन्द गुप्ताशर्मा (18.11.2003)

202. श्री कैलाश गुलशन, "स्टडीज आन ग्लूटेथिओन मिडिएटिड डिटोक्सिफिकेशन पाथवेज इन यीस्ट्स", डा. आनन्द के. बछावत (9.2.2004)

203. श्री जितेन्द्र कुमार, "बायोकेमिकल ऐंड जिनेटिक एनालिसिस आफ गैसियस अल्केन यूटिलाइजिंग बैक्टेरिया", डा. तपन चक्रबर्ती (5.3.2004)

राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

204. सुश्री एस. नीला, "इम्यूनोलाजिकल पोटेंशल आफ बी सेल इपिटाप बेस्ड ऐन्टीजन्स डिराइव्ड फ्राम बोनेट मंकी (मकाका रेडियाटा) जोना पिलुसिडा ग्लाइकोप्रोटीन्स", डा. सतीश कुमार गुप्ता (22.4.2003)

205. सुश्री ऊषा बी. नायर, "रेग्यूलर टोरोइडल प्रोटीन स्ट्रक्चर्स : स्टीरियोकेमिकल ऐंड सिक्वेंस कंस्ट्रेन्ट्स फार असेम्बली ऐंड इंटरएक्शंस", डा. दिनकर एम. सोलंकी (18.6.2003)

206. श्री समिताभ चक्रवर्ती, "बायो–इफिकेसी आफ डी एन ए – जाइम्स टार्गेटिड टु क्लीव एच आई वी–1 टी ए आर आर एन ए", डा. अखिल सी. बनर्जीया (23.6.2003)

207. सुश्री राधिका नायर, "मकेनिस्टिक स्टडीज आन मेल जर्म सेल अपोपटोसिस : इंप्लिकेशंस आफ इक्सपोजर टु ऐस्ट्रोजन एनालाग्स", डा. चन्द्रिमा शाह (14.8.2003)

208. श्री बालाजी एस.आर., "पेप्टाइड लिगेशन ऐंड प्रोटीन एसम्बलेज बाई रिवर्स प्रोटिओलिसिस", डा. राजेन्द्र पी. राय (23.10.2003)

209. श्रीमती अनिता मंगला, "स्टडीज आन सिंगल ट्रांस्डक्शन पाथवेज इन माइलोइड सेल्स", डा. सत्यजीत रथ (7.11.2003)

210. सुश्री राम सुन्दरी अकोन्डी, "सिंगन्ल्स कंट्रोलिंग बी सेल डिवलपमेंट ऐंड एक्टिवेशन", डा. विनीता बाल (7.11.2003)

211. श्रीमती दिव्या सेठ, "इनसाइट्स इनटु द मकेनिज्म आफ एक्शन आफ इओसिनोफिल–डिराव्ड न्यूरोटाक्सिन", डा. जनेन्द्र के. बत्रा (10.11.2003)

212. सुश्री मनीषा गोयल, "स्ट्रक्चरल एनालिसिस ऐंड फंक्शनल कंसिक्वेंसिस आफ कारबोहाइड्रेड मिमिकरी", डा. दीपांकर एम. सालुंकी (14.11.2003)

213. सुश्री सुधा बाला सिंह, "डिटर्मिनेशन आफ द फंक्शन आफ ए रैब प्रोटीन इन इंट्रासेलुलर ट्रेफकिंग इन लीशमैनिया", डा. अमिताभ मुखोपाध्याय (23.2.2004)

214. सुश्री ज्योति, "स्टडीज आन द होस्ट सेलुलर प्रोटीन्स बाइंडिंग टु द नानकोडिंग रीजन्स आफ जेपनीज इनसेफैलिटिस वाइरस", डा. सुधान्शु वराती (1.3.2004)

215. श्री विक्रम राजगोपाल, "प्युरिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ हीमोग्लोबिन बाइंडिंग प्रोटीन फ्राम लीशमैनिया डोनोवानी", प्रो. सन्दीप के. बासु (1.3.2004)

विकास अध्ययन केन्द्र, त्रिवेन्द्रम

216. श्री पिनाकी चक्रबर्ती, "डोमेस्टिक डेब्ट्स ऐक्युम्युलेशन इन इण्डिया : एन एनालिसिस आफ द सेंट्रल गवर्नमेंट इक्सपिरिअन्स", डा. टी.एम. थोमस इसाक और डा. आई.एस. गुलाटी (18.6.2003)

217. श्री सी. वीरमानी, "इन्ट्रा – इंडस्ट्री ट्रेड अंडर इकोनोमिक लिबरलाइजेशन : एन एनालिसिस आफ इण्डिया'स मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर", डा. डी. नारायणन और डा. के.जे. जोसफ (16.10.2003)

कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद

218. सुश्री नौविसी कामदेम फेलिसिट, "डोमिनेंट सप्रेसर्स आफ रिपीट – इनड्यूस्ड पाइन्ट म्यूटेशन (आर आई पी) इन वाइल्ड आइसोलेटिड स्ट्रेन्स आफ न्यूरोस्पोरा क्रासा : आइडेंटिफिकेशन ऐंड जिनेटिक एनालिसिस", डा. डी.पी. कस्बेकर (2.5.2003)

219. श्री अनिल कुमार ओझा, "स्ट्रिंजेंट ऐंड स्टारवेशन रिस्पांसिस इन माइकोबैक्टेरिया", प्रो. दीपांकर चटर्जी (3.6.2003)

220. श्रीमती पल्लवी घोष, "स्ट्रक्चर फंक्शन रिलेशनशिप इन द ओमेगा सबयूनिट आफ एशरिकिआ कोली आर एन ए पालिमर्स", प्रो. दीपांकर चटर्जी (2.6.2003)

221. श्री मलय कुमार बासु, "रेग्युलेशन आफ जीन इक्सप्रेशन इन द अंटार्कटिक साइक्रोट्रोफिक स्युडोमोनस सीरिन्ज : स्टडीज आन द स्टेशनरी फेज स्पेस्फिक सिग्मा फैक्टर", डा. मलय के. रे (26.6.2003)

222. श्री गुंडलापल्ली सत्यनारायण रेड्डी, "बायोडाइवर्सिटी लोफ साइक्रोफिलिक बैक्टेरिया फ्राम अंटार्कटिका", डा. एस. शिवाजी (7.7.2003)

223. श्री सुवेन्दु दास, "होस्ट ट्यूमर इंटरएक्शन ऐंड एक्टिवेशन आफ इफेक्टर फंक्शन", डा. अशोक खार (13.8.2003)

224. सुश्री प्रियम्वदा आचार्य, "इंजीनियरिंग बैसिल्स सब्टिलिस लिपास फार थर्मोस्टेबिलिटी", डा. एन. मधुसुदन राव (3.9.2003)

225. सुश्री रूची बाजपेई, "अपेंडेज डिवलपमेंट इन ड्रोसोफिला : बेसिक पैटर्न ऐंड मोडिफिकेशंस बाई होमिओटिक जीन्स", डा. एल.एस. शशिधर (18.10.2003)

226. श्रीमती रेधा के. "ऐन इसेंसल रोल आफ रेस्ड फार ग्रोथ ऐट लो टेम्प्रेचर इन द अंटार्कटिक साइक्रोट्रोफिक बैक्टेरियम स्युडोमोनस सीरिन्ज", डा. मलय कुमार रे, (20.12.2003)

227. श्री प्रकाश अरूमुगम, "स्टडीज आन स्टेरोल रिडक्टेसिस यूजिंग द अर्ज–3 म्यूटेन्ट फिनोटाइप आफ न्यूरोस्पोरा क्रासा", डा. दुर्गादास पी. कस्बेकर (17.12.2003)

228. श्री इलेंग कुमारन आर, "फंक्शनल स्टडीज आन लैमिन ए जीन", डा. वीना के. परनायक (19.1.2004)

229. सुश्री पुनीता अरोड़ा, "रेग्यूलेशन आफ द ए–टाइप लैमिन जीन ड्युअल प्रोमोटर ड्यूरिंग मेल जर्म सेल डिफ्रेंसिएशन", डा. वीना के. परनायक (22.1.04)

230. श्री सुभदीप चटर्जी, "अंडरस्टेंडिंग विरूलेन्स फंक्शंस आफ जैन्थोमोनस ओरिजी पीवी ओरिजी", डा. रमेश वी. सोन्टी", (3.2.2004)

231. सुश्री मौमिता मंडल, "स्ट्रक्चर–फंक्शन स्टडीज आन डिफेंसिन्स", डा. आर. नागराज (5.2.2004)

232. सुश्री शांति एम. भारतन, "एनालिसिस आफ स्टेशनरी फेज म्युटेशंस इन द लैक आई जीन आफ एशरिकिया कोली", डा. जे. गौरीशंकर और डा. डी.पी. कस्बेकर (सह पर्यवेक्षक) (3.3.2004)

अन्तर्राष्ट्रीय आनुवंशिकी इंजीनियरी तथा जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली

233. श्री रिकार्डो एस. गत्ता, "मोलिकुलर इंटरएक्शंस इनवाल्वड इन इरिथ्रोसाइट इनवैजन बाई मलेरिया पैरासाइट", डा. चेतन इ. चिटनिस (16.6.2003)

234. श्री मिन्टू कुमार देसाई, "क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ ए साल्ट स्ट्रेस इनड्यूसिबल जीन इनकोडिंग वोल्टेज डिपेंडेंट ऐनिअन चैनल फ्राम पेनिसेटम ग्लाकम", डा. एम.के. रेड्डी (17.7.2003)

235. सुश्री जी.एच.सी.एम. हिटिओरेच्चि, "एनालिसिस आफ लाइट ऐंड स्ट्रेस रिस्पांसिव डी.एन.ए. टोपोइसोमिरेस II प्रमोटर ऐंड इंटरएक्टिंग ट्रांस–एक्टिंग फैक्टर्स फ्राम साइसम सैटिवम", प्रो. एस.के. सोपोरी (6.10.2003)

236. श्री ज्ञानेश बहादुर सिंह, "मोलिकुलर क्लोनिंग इक्सप्रेशन ऐंड प्युरिफिकेशन आफ माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस स्पेस्फिक एन्टीजेनिक प्रोटीन्स ऐंड देअर रोल इन माड्यूलेटिंग इम्यून फंक्शंस आफ द मैक्रोफेजिस", डा. पवन शर्मा (30.10.2003)

237. सुश्री तरन्नुम अहमद, "क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ चिटिनसिस फ्राम लिपिडोटरन पेस्ट्स, हैलिकोवरपा आर्मिजेरा ऐंड स्पोडोप्टरालिटुरा", डा. राज.के. भटनागर (24.2.2004)

238. श्री नजुयेन ह्यू तम, "हाई लेवल टिश्यू स्पेसिफिक इक्सप्रेशन आफ फारेन जीन्स इन राइस (ओरिजा सैटिवा) फार क्राप इम्प्रूवमेंट", डा. वी. शिवा रेड्डी (16.3.2004)

केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

239. मो. सोहेल अख्तर, "फोल्डिंग/अनफोल्डिंग स्टडीज आन ग्लूकोज आक्सिडेस ऐंड हाइल्यूरोनिडेस", डा. बिनोद भाकुनी (23.10.2003)

रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर

240. श्री राकेश मोहन, "काइनेमेटिक्स आफ डिफ्यूज इंटरस्टेलर क्लाऊडस इन द ग्लैक्सी", डा. के.एस. द्वारकानाथ, (27.10.2003)

241. श्री आर. अमरनाथ रेड्डी, "सिन्थेसिस ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ मेसोफेजिस फार्म्ड बाई कम्पाउन्ड्स कम्पोज्ड आफ बनाना शेप्ड मोलिक्यूल्स", प्रो. बी.के. सदाशिव (7.11.2003)

242. श्री के.जी. पणिकुमार, "ए स्टडी आन सग मल्टि–लाइन एड्रेसिंग टेक्नीक्स फार ड्राइविंग पैसिव मैट्रिक्स एल सी डी एस", प्रो. टी.एन. रूकमोहगथन (3.2.2004)

ख. मास्टर आफ फिलास्फी (एम.फिल.)

जीवन विज्ञान संस्थान

1. श्री मनोज कुमार, "आइसोलेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ रेट्रोऐलिमेंट्स फ्राम चिकपी (साइसर एरिटिनम) जिनोम", प्रो. के.सी. उपाध्याय (27.10.2003)
2. सुश्री बिमला सिंह, "ए स्टडी आफ कैन्सर केमोप्रिवेंटिव पोटेंशल आफ सर्टेन इण्डियन मैडिसिनल प्लांट्स", प्रो. आर.के. काले (10.11.2003)
3. श्री विकास यादव, "करेक्ट्राइजेशन आफ फास्फेट ट्रांस्पोर्ट ऐंड रिलेटिड एनजाइम्स इन सिम्बियोटिक फंगस पिरिफारमोस्पोरा इंडिका", प्रो. अजीत वर्मा (25.11.2003)
4. श्री कृष्ण प्रकाश, "इक्सप्रेशन आफ रिकम्बीनेन्ट इंटरफेरान रेग्यूलेट्री फैक्टर–2 (आइ.आर.एफ.–2)" डा. पी.सी. रथ (28.1.2004)

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

5. सुश्री इंद्राणी घोष, "मीथेन इमिशन फ्राम सम वेटलैण्ड प्लांट्स" प्रो. बृज गोपाल (23.4.2003)
6. सुश्री रीता चौहान, "स्टडी आफ ग्रोथ ऐंड कम्पटीशन इन टु मैक्रोफाइट्स", प्रो. बृज गोपाल (23.4.2003)
7. सुश्री सुजाता मजूमदार, "न्यूट्रिएन्ट अपटेक पोटेंशल आफ टु वेटलैण्ड प्लांट्स", प्रो. बृज गोपाल (5.5.2003)
8. सुश्री जोइक डब्ल्यू. नजेना, "ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ वाटर कैमिस्ट्री आफ थ्री ट्रोपिकल लैक्स : कोल्लेरू (इण्डिया) नौवाशा ऐंड नकुरू (केन्या)", प्रो. सुब्रामणियन और डा. ए.एल. रामनाथन (सह पर्यवेक्षक) (9.5.2003)
9. श्री विवेक राय, "जेनरेश आफ मोनोक्लोनल एन्टीबाडीज अगेंस्ट ह्यूमन हाइल्युरोनन बाइंडिंग प्रोटीन 1 (एच ए बी पी–2) ऐंड इट्स करेक्ट्राइजेशन", प्रो. कस्तूरी दत्ता और डा. अयूब कादरी (16.6.2003)
10. श्री एम. बाला कृष्ण प्रसाद, "बायोजिओकेमिकल माडलिंग आफ अंचनकोविल रिवर, वेस्टर्न घाट्स, साउथ इण्डिया", डा. ए.एल. रामनाथन (4.7.2003)
11. सुश्री सुतपा बोस, "स्टेट्स आफ एवेलेबल केल्सियम ऐंड मैग्निजियम इन सायल्स ट्रीटिड विद इण्डस्ट्रियल वेस्ट्स आफ वजीरपुर, दिल्ली", प्रो. ए.के. भट्टाचार्य (4.7.2003)
12. सुश्री दीपिका पाण्डेय, "स्टेट्स आफ एवेलेबल सोडियम ऐंड पोटाशियम इन सायल्स ट्रीटिड विद इण्स्ट्रियल वेस्ट्स : वजीरपुर, दिल्ली", प्रो. ए.के. भट्टाचार्य (15.9.2003)
13. सुश्री रागिनी कुमारी, "इनवेस्टिगेशन आफ एरोसोल कार्बन रिजरवायर इन मेट्रोपोलिटन एरिया ऐंड इट्स कपलिंग विद एटमास्फिरिक कार्बन पूल", डा. अरूण के. अत्री (8.10.2003)
14. श्री अंशुमाली, "जिओकेमिकल फ्रेक्शनेशन आफ मेटल्स इन द सर्फेशियल सेडिमेंट्स आफ अचनकोविल रीवर बेसिन केरला", डा. ए.एल. रामनाथन (16.10.2003)
15. श्री कुंदन कुमार, "माइक्रोवेव डायइलेक्ट्रिक बिहेवियर आफ सम बायोमोलक्यूल्स", प्रो. जे. बिहारी (31.10.2003)
16. श्री अमित कुमार मिश्र, "करेक्ट्राइजेशन ऐंड हैवी मेटल्स डिस्ट्रीब्युशन इन लेण्डफिल साइट्स इन चैन्नई ऐंड बंगलोर", प्रो. वी. सुब्रामणियन (10.11.2003)
17. श्री उमेश कुमार सिंह, "करेक्ट्राइजेशन ऐंड हैवी मेटल्स डिस्ट्रब्युशन इन लेण्डफिल साइट्स इन देहरादून ऐंड अहमदाबाद", प्रो. वी. सुब्रामणियन (25.11.2003)
18. श्री संदीप गुप्ता, "करेक्ट्राइजेशन आफ इनडोर एरोसोल्स डयू टु कम्बस्टन आफ कुकिंग फ्यूल्स", प्रो. वी.के. जैन (24.12.2003)
19. श्री अखिलानन्द कुमार, "सुपरकन्डक्टिविटी : एन ओवरव्यू ऐंड ऐन अकाउंट आफ इट्स एप्लिकेशन टु मास ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स", प्रो. जी.पी. मलिक (9.2.2004)

20. श्री तेजवीर सिंह, "केमिकल करेक्ट्राइजेशन आफ विजिबिलिटी इम्पेयरिंग एरोसोल्स इन द एटमास्फियर आफ दिल्ली", डा. पी.एस. खिलारे (8.3.2004)

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

21. अनुराग पाण्डेय, "द यूनाइटिड नेशंस ऐंड प्रोटेक्शन आफ माइनारिटी राइट्स : ए केस स्टडी आफ इण्डिया", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, प्रो. अर्जुन के. सेनगुप्ता (2.4.2003)

22. श्री राजकुमार, "इण्डियन डायस्पोरा : ए प्रोफाइल", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, डा. पी. सहदेवन (8.4.2003)

23. श्री मनन द्विवेदी, "रोल आफ यू.एस. मीडिया इन द परशियन गल्फ कनफ्लिक्ट", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, डा. के.पी. विजयलक्ष्मी (3.4.2003)

24. श्री नितिन श्रीवास्तव, "आइसोलेशन, कनटेनमेंट ऐंड ऐंगेजमेंट : यू.एस. डिप्लोमेसी विद द 'रोग स्टेट्स' इन द 1990'स", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. पुष्पेश पन्त (24.4.2003)

25. श्री सुधीर कुमार सिंह, "रीजनल कोआप्रेशन इन सेंट्रल एशिया : प्राब्लम्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. के. वारिकु (25.4.2003)

26. श्री जोन एल.टी. सांगा, "द क्लिंटन एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड द नार्थन आयरलेण्ड पीस प्रोसेस", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. क्रिस्टोफर एस. राज (12.5.2003)

27. श्री विनीत प्रकाश, "अमरीकन रिस्पोंस टु द एशियन फाइनेंशियल क्राइसिस", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. क्रिस्टोफर एस. राज (12.5.2003)

28. सुश्री अनिता भट्ट, "इण्डिया'ज एनवायरनमेंटल डिप्लोमेसी : प्रोब्लम्स आफ हजारडस वेस्ट", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. पुष्पेश पंत (6.5.2003)

29. श्री अविलाश राउल, "साउथ एशियन एनवायरनमेंटल डिप्लोमेसी विद स्पेशल रिफ्रेंस टु एनडेंजर्ड स्पीशीज", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय निधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. पुष्पेश पंत, (6.5.2003)

30. श्री दीपेंदर कुमार, "पालिटिक्स आफ क्लाइमेट चैंज : केस स्टडी आफ बंगलादेश", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. इंद्रनाथ मुखर्जी (6.5.2003)

31. श्री इमानी श्याम प्रसाद, "लीडरशिप ऐंड नेशन बिल्डिंग इन मल्टी ऐथनिक सोसायटीज : ए केस स्टडी आफ श्रीलंका", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. पी. सहदेवन, (6.5.2003)

32. सुश्री कमला कुमारी, "इमेज आफ वुमन ऐज रिफ्लेक्टिड इन रशियन लिट्रेचर ड्यूरिंग पेरेस्त्रोइका (1985–1991)", रूसी मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. ए.के. पटनायक (12.5.2003)

33. श्री नंदकिशार के. वायराले, "गान्धियन एथिक्स इन नेगोसिएशन : ए थीअरिटीकल पर्सपेक्टिव", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. पुष्पेश पंत (27.5.2003)

34. श्री सैलेन दत्त दास, "नार्थ–ईस्ट इण्डिया इन साइनो–इण्डियन रिलेशंस सिंस 1978", पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, डा. डी. वाराप्रसाद शेखर (19.5.2003)

35. श्री पीयूष कुमार चौबे, "डिवलप द वेस्टर्न रीजन कम्पेन इन तिब्बेतन आटोनोमस रीजन (टी.ए.आर.) : इट्स पालिटिकल ऐंड इकोनोमिक इम्पलिकेशन टु इण्डिया", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. गंगनाथ झा और प्रो. दावा टी नोरबू (2.6.2003)

36. श्री प्रभु प्रसाद मिश्रा, "स्ट्रक्चरल ऐडजस्टमेंट ऐंड रिफार्म्स इन लेटिन अमरीका, पालिसिज ऐंड परफार्मेंस", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. मनमोहन लाल अग्रवाल, (17.6.2003)

37. सुश्री मालविका शुकुल, "बायोडाइवर्सिटी ऐंड कनटेम्पोरेरि डिप्लोमेसी – स्टेण्ड आफ डिवलपिंग कंट्रीज विद रेफरेंस टु कांफ्रेंसिस आफ पार्टीज ऐंड जोहानेसबर्ग कनवेंशन", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. पुष्पेश पंत (29.7.2003)

38. श्री रजनीश कुमार गुप्ता, "इण्डियन डायस्पोरा इन ईस्ट अफ्रीका : पालिटिकल इंटिग्रेशन ऐंड चैलेंजिस इन पोस्ट इंडिपेंडेंस पीरियड, पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. ए.के. दुबे (24.10.2003)

39. श्री चेतन बुन्देला, "सार्क समिट मीटिंग्स (1985–95)", ऐन एनालिसिस आफ डिक्लेरेशंस ऐंड इंप्लिमेंटेशन", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. महेंद्र पी. लामा, (28.10.200)

40. श्री प्रणव कुमार, "इस्लामिक मूवमेंट इन मलेशिया (1981–2001) रिसर्जेंस ऐंड असर्शन", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. गंगनाथ झा (4.11.2003)

41. सुश्री डब्ल्यू. राधाप्यारी देवी, "नान/मिलिट्री थ्रेट्स टु सिक्यूरिटी : ए केस स्टडी आफ पाकिस्तान (1988–1999)", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. उमा सिंह (4.11.2003)

42. सुश्री समीना हमीद, "कार्टेल ऐंड द मार्किट : ए क्रिटीक आफ द 'ओपेक' डिसीजन आफ 26 मार्च 1999", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, प्रो. गुलशन डायटल (4.11.2003)

43. श्री हिम्मत सिंह देवरा, "द यूनाइटिड नेशंस ऐंड इंटरनेशनल टयूरिज्म : ए क्रिटिकल स्टडी आफ रिजोल्यूशन 1373 (2001)", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, श्री वी.के.ए. जम्भोलकर (6.11.2003)

44. श्री सुब्रत कुमार बेहरा, हारनेसिंग रिन्यूऐबल सोर्सिस आफ एनर्जी इन साऊथ एशिया : केस स्टडी आफ इण्डिया", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. आई.एन. मुखर्जी (6.11.2003)

45. श्री सुरेंद्र कुमार, "अफ्रीकन डायस्पोरा इन इण्डिया : ए हिस्टोरिकल एनालिसिस", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. ए.के. दुबे, (6.11.2003)

46. सुश्री सिंगम रबिका देवी, "बायो–डाइवर्सिटी कंजर्वेशन : ए स्टडी आफ द कनवेंशन इन बायोलाजिकल डाइवर्सिटी (सी.बी.डी.) ऐंड इंडिया'ज रिस्पांस", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. आई.एन. मुखर्जी (7.11.2003)

47. सुश्री श्रद्धा, "चैंजिंग रोल आफ वुमन इन रशियन पालिटिक्स : ए स्टडी आफ चैंजिस, 1991–2001", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. एस.के. झा (12.11.2003)

48. सुश्री राजलक्ष्मी स्वैन, "ए स्टडी आफ युगांडा–इण्डियन रिलेशंस (1990–2002)", पश्चिमी एशियाई ओर अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. एस.एन. मालाकार (12.11.2003)

49. सुश्री शिवानी बराल, "यूरोपीयन यूनियन'स पालिसी टुवर्ड्स इण्डियन ओशन कमीशन", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. अजय के. दुबे, (12.11.2003)

50. श्री नवीन चन्द्र सिंह, "आस्पेक्ट्स आफ ह्यूमन रिर्सोस डिवलपमेंट इन कन्टेम्पोरेरि साऊदी अरेबिया", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. प्रकाश सी. जैन, (12.11.2003)

51. श्री कुलदीप कुमार, "रोनाल्ड रीयन'स इण्डिया पालिसी", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र", डा. चिन्तामणि महापात्रा, (18.11.2003)

52. श्री वीर नारायण, "चाइल्ड लेबर इन इण्डिया ऐंड बंगलादेश : पालिसीज ऐंड प्रोग्राम्स", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. नेंसी जेटली (18.11.2003)

53. श्री मनीष गौतम, "अफ्रीकन अंडरस्टेंडिंग आफ इंटरनेशनल टेररीज्म ऐंड इट्स रिस्पांस टु सितम्बर 11 इवेंट इन यू.एस.ए.", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. एस.एन. मालाकार (18.11.2003)

54. श्री सरताज अनवर, "लिबिया–यू.एस. रिलेशंस इन द 1990'ज", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. अनवार आलम (18.11.2003)

55. श्री अमरज्योति आचार्य, "कमेबटिंग इंटरनेशनल टेररीज्म : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ ब्रिटिश ऐंड इण्डियन एक्सपिरियंसिस", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. बी. विवेकानंदन (20.11.2003)

56. सुश्री देविका शर्मा, "द पर्सिस्टेंस आफ बार्डर्स : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ पालिटिकल इकोनोमिक ऐंड कल्चरल बार्डर्स", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, प्रो. वरूण साहनी (20.11.2003)

57. सुश्री नम्रता पाठक, "इण्डिया'ज पालिसी रिस्पांसिस टु अफगानिस्तान : द पोस्ट –1979 इयर्स", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. नैंसी जेटली (20.11.2003)

58. श्री लोबसांग, "इण्डिया'ज इकानोमिक रिलेशंस विद नाइजिरिया ऐंड सूडान : ए केस स्टडी आफ पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स (1960–2000)", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र डा. ए.के. दुबे (20.11.2003)

59. सुश्री गीतांजली चौपड़ा, "रोल आफ इंटरनेशनल नान–गर्वनमेंटल आर्गेनाइजेशन इन बेनिंग ऐड क्लियरिंग लेण्डमाइंस", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति (3.12.2003)

60. श्रीमती सरोज रानी, "फारेन ट्रेड आफ रशिया 1992–2002", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, डा. गुलशन सचदेवा (3.12.2003)

61. सुश्री शिल्पाकांत, "स्माल आर्म्स प्रोलिफ्रेशन इन पाकिस्तान : इंटरनल ऐंड एक्सटर्नल इंप्लीकेशंस", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. सविता पाण्डेय (4.12.2003)

62. श्री योगेश कुमार गुप्ता, "चाइना ऐज ए फेक्टर इन द मैकिंग आफ इण्डिया'ज न्यूक्लियर पालिसी", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र, डा. सविता पाण्डेय (4.12.2003)

63. श्री जसवंत सिंह कैन, "ओपनिंग आफ नार्थ कोरिया'स न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर : डोमेस्टिक ऐंड इंटरनेशनल डायमेंशंस", पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, प्रो. आर.आर. कृष्णन (9.12.2003)

64. श्री धारिश डेविड, "जापान ऐंड इंटर–रिजनलिज्म : ए केस स्टडी आफ एशिया–यूरोप मीटिंग", पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, डा. लालिमा वर्मा (8.12.2003)

65. दैहरि रिपुनी, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड द स्टेट : ए क्रिटिकल एनालिसिस आफ द न्यूऐस्ट डिबेट इन इंटरनेशनल रिलेशंस", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, प्रो. वरूण साहनी (8.12.2003)

66. श्री लक्ष्मीनारायण प्रधान, "कजाकिस्तान–चाइना ट्रेड ऐंड इकानोमिक रिलेशंस 1991–2001", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. अजय कुमार पटनायक (8.12.2003)

67. श्री प्रियव्रत माझी, "तुर्केमेनिस्तान–रशिया रिलेशंस (1991–2001)", रूसी मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. अजय कुमार पटनायक (8.12.2003)

68. श्री ऋषिरमण सिंह, "प्राइवेटाइजेशन ऐंड आनरशिप रिफार्म्स इन सैंट्रल एशिया सिंस 1992", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, डा. गुलशन सचदेवा (8.12.2003)

69. श्री एस. अंजैयाह, "पोस्ट 9/11 कांउटर टेररीज्म कोआपरेशन बिटवीन पाकिस्तान ऐंड यू.एस.", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. एस.डी. मुनि (8.12.2003)

70. सुश्री सैमा इकबाल, "द यूरोपीयन यूनियन ऐंड रशिया", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. आर.के. जैन (9.12.2003)

71. श्री उदयकुमार रामकृष्ण, बी.एन., "रिपोर्टिंग प्रोसिजर फार प्रमोशन आफ कमप्लायंस विद इंटरनेशनल लेबर स्टेण्डर्ड्स इन इण्डिया", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. योगश कुमार त्यागी (12.11.2003)

72. सुश्री मोनालिसा जोशी, "बायोलाजिकल वेपंस : नार्म बिल्डिंग ऐंड इट्स लिमिटेशंस", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, डा. स्वर्ण सिंह (16.12.2003)

73. श्री अरूमाला मोहन, "ए स्टडी आफ रोल आफ मीडिया इन सेंट्रल एशिया", रूसी मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, डा. फूलबदन (16.12.2003)

74. श्री फकीर मोहन मुदुली, "उक्रेन'स फारेन पालिसी डयूरिंग द प्रेजिडेंसी आफ लियोनिद क्रावचुक", रूसी मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. एस.के. झा (16.12.2003)

75. श्री नोंगमैथम मोहनदास सिंह, "इवोल्युशन आफ रशिया–इण्डियन पालिटिकल रिलेशंस 1991–2000", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. अनुराधा एम. चिनाय (16.12.2003)

76. श्री ई. खेकुघा टुक्कु, "द रशियन प्रेजिडेंसी : ए स्टडी", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, डा. एस.के. पाण्डेय (16.12.2003)

77. श्री हर्ष बंगा, "रेडिकल इस्लाम ऐंड पालिटिक्स इन इण्डोनेशिया : द पोस्ट–सुहार्तो ईरा", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. गंगनाथ झा (16.12.2003)

78. श्री शिवशंकर मुरमु, "इण्डिया'ज क्राइसिस डिसीजन मैकिंग : ए केस स्टडी आफ मिलिट्री मोबिलाइजेशन इन 2002", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. पी. सहदेवन (16.12.2003)

79. श्री कामरान एम.के. मण्डल, "इमिग्रेशन पालिसीज आफ कनाडा विद रेफरेंस टु इमिग्रेशन फ्राम इण्डिया", अमरीकी और पश्यिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. अब्दुल नफे (22.12.2003)

80. श्री संजीव कुमार, "इण्डो–मैक्सिकन रिलेशंस इन द 1990ज", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. अब्दल नफे (22.12.2003)

81. श्री सत्यव्रत सिन्हा, "सिविल–मिलिट्री रिलेशंस इन न्यूक्लियर डिसिजन–मैकिंग : ए केस स्टडी आफ पाकिस्तान", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद, डा. स्वर्ण सिंह (22.12.2003)

82. सुश्री पल्लवी, "यू.एस. पालिसी टुवर्ड्स चाइना : 1889–1992", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, डा. चिंतामणि महापात्रा (30.12.2003)

83. श्री रितेश जैन, "ब्राजिलियन इकानोमिक क्राइसिस ड्यूरिंग 1990'स", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, डा. आर.एल. चावला (30.12.2003)

84. सुश्री संजिता थापा, "पावर्टी ऐंड जेंडर इश्यूज इन नेपाल", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. महेंद्र पी. लामा (30.12.2003)

85. सुश्री सेवांग डोमा भूटिया, "द रोल आफ रिलीजन ऐंड मोनार्की इन थाइलेण्ड (1998–2001)", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. मनमोहिनी कौल (30.12.2003)

86. श्री इमकोंगमेरेन, "यू.एन.आर.डब्ल्यू.ए. इन द वेस्ट बैंक ऐंड गाजा स्ट्रिप : कानस्ट्रेंट्स ऐंड चैलेंजिस सिंस सितम्बर 2000", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, प्रो. गुलशन डायटल (31.12.2003)

87. सुश्री अमृता डे, "मिलिटेंट इस्लाम इन द फिलिपिंस : फ्राम मोरो नेशनल लिब्रेशन फ्रंट (एम.एन.एल.एफ.) टु अबु सय्याक ग्रुप (ए.एस.जी.)", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. मनमोहिनी कौल (30.12.2003)

88. श्री जार्ज वर्गिस, "द इमरजेंस आफ केपिटलिस्टक्लास इन रशिया : 1991–2002", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. अनुराधा एम. चिनाय, (30.12.2003)

89. श्री अरूण कुमार त्रिपाठी, "जिओपालिटिक्स आफ बायोडाइवर्सिटी : ए क्रिटिकल एनालिसिस फ्राम रियो टु जोहानेसबर्ग", राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, डा. एस.एस. देवरा (6.1.2004)

90. सुश्री मधुलिका, "डेमोक्रेटाइजेशन इन यूक्रेन, 1991–2000", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, डा. भासवती सरकार, (6.1.2004)

91. श्री अविनाश चम्पावत, "जिओपालिटिक्स आफ वर्ल्ड फूड रिर्सोसिस : ए प्रोडक्शन कंजप्शन ट्रेड ऐंड सिस्टम पर्सपेक्टिव", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, डा. एस.एस. देवरा, (5.1.2004)

92. श्री मुरारी लाल मीणा, "जिओपालिटिक्स आफ हारनेसिंग हीडल पावर : ए केस स्टडी आफ अफ्रीका", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, डा. एस.एस. देवरा (6.1.2004)

93. सुश्री पूनम केराल, "स्ट्रटिजीस आफ रिर्सोस डिवलपमेंट इन द आर्कटिक : ए जिओपालिटिकल एनालिसिस", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, डा. एस.एस. देवरा (6.1.2004)

94. सुश्री सारिका मल्होत्रा, "मोनार्की ऐंड नेशनलिज्म इन कम्बोडिया : ए हिटोरिकल एनालिसिस", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. गंगनाथ झा (05.01.2004)

95. श्री ए. कानन, "ग्लोबल एनवायरनमेंटल गवर्नेंस : द रोल आफ यू.एन.ई.पी. इन वेस्ट एशिया विद स्पेशल रेफ्रेंस टु द रीजनल सीस प्रोग्राम", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, प्रो. गुलशन डायटल (6.1.2004)

96. श्री आसिफ राशिद ए, "इण्डिया'ज ओब्लिगेशंस अंडर इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल ला ऐंड नेशनल इण्डस्ट्रियल लाज : ए सर्वे", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. वी.एस. मणि (9.1.2004)

97. श्री एस. पंडिया राज, "द कनवेंशन आन द राइट्स आफ द चाइल्ड : ए स्टडी आफ इंप्लिमेंटेशन इन इण्डियन ला", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. वी.एस. मणि (9.1.2004)

98. श्री जी.पी. पुहाज, "इंप्लिमेंटेशन आफ ह्यूमन राइट्स ट्रिटीज अण्डर इण्डियन ला : ए सर्वे", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. वी.एस. मणि (9.1.2004)

99. श्री डोमिनिक के. खानयो, "राइजिंग पावर ऐंड रीजनल सिक्युरिटी : चाइना ऐंड साऊथ एशियन सिक्युरिटी इन द पोस्ट कोल्ड वार ईरा", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, प्रो. कांति बाजपेई (14.1.2004)

100. श्री निनाद शंकर नाग, "इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन ऐंड प्राब्लम्स आफ इकानोमिक लिबरलाइजेशन", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, डा. सी.एस.आर. मूर्ति (14.1.2004)

101. श्री शैलेश कुमार चौरसिया, "रोल आफ डोमेस्टिक कानस्ट्रेंटस इन फारेन पालिसी डिसीजन मैकिंग आन द इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल इश्युज : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ द इण्डियन ऐंड द यू.एस. स्टेण्ड आन द क्योटो प्रोटोकाल", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, प्रो. कांति बाजपेई (15.1.2004)

102. श्री लक्ष्मण कुमार बहेरा, "इनफिताह पालिसी अण्डर सादत : इट्स इंप्लिकेशंस", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. अनवार आलम, (14.1.2004)

103. सुश्री मिनिया चैटर्जी, "इमिग्रेशन ऐंड माइनारिटी ग्रुप्स : ट्रेंडस इन द मल्टीकल्चरल पोलिसीज आफ क्यूबेक", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. अब्दुल नफे (15.1.2004)

104. सुश्री रितु सेन, "ड्रग ट्रेफिकिंग इन गोल्डन ट्रेंगल ऐंड सिक्युरिटी इंप्लिकेशंस फार इण्डिया", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. मनमोहिनी कौल (14.1.2004)

105. सुश्री मुक्कमाला विश्व ज्योति, "इंटरनेशनल ला आन एडाप्शन : इण्डियन प्रैक्टिस", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. वी.एस. मणि (19.1.2004)

106. श्री प्रशांत कुमार सिंह, "चीनी राष्ट्रीयवाद और चीन की विदेश नीति", पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, डा. मधुबाला (16.1.2004)

107. सुश्री अंजु गुरावा, "तिब्बत डायस्पोरा इन इण्डिया : ए केस स्टडी आफ दिल्ली", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. गंगनाथ झा (16.1.2004)

108. श्री निरज कुमार, "इजराइली अरब्स ऐंड द 1987 इंतिफादा : सिटीजनशिप वर्सेज नेशनेल्टी डिलेमा", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. पी.आर. कुमारस्वामी (16.1.2004)

109. श्री एन. प्रदीप, "द यू.एस. ऐंड इण्डिया–पाकिस्तान रिलेशंस इन द पोस्ट सितम्बर 11, कनटेक्स्ट : चैंजिंग पर्सपेक्टिव्स", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. उमा सिंह (19.1.2004)

110. श्री सुनील कुमार सिंह विद्यार्थी, "रशियन एप्रोच टु इण्डिया'ज न्यूक्लियर पालिसी", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. निर्मला जोशी (19.1.2004)

111. श्री शरमिस्थ मैत्रा, "इकोनामिक ग्रोथ ऐंड हयूमन डिवलपमेंट : ऐन इण्डियन केस स्टडी", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र केंद्र, प्रो. अमित एस. रे (19.1.2004)

112. श्री ब्रजेश कुमार, "कोरियन मल्टीनेशनल्स ऐंड इण्डिया'ज इलेक्ट्रानिक्स इण्डस्ट्री : ए केस स्टडी आफ सैमसंग ऐंड एल.जी.", पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, प्रो. आर.आर. कृष्णन (23.1.2004)

113. श्री राजेश कपूर, "जेपनीज रिस्पांस टु इंटरनेशनल टेरॅरिज्म", पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, डा. एच.एस. प्रभाकर (23.1.2004)

114. सुश्री के.एन. आशा, "पीस मैकिंग इन इंट्रा स्टेट कंफ्लिक्ट्स : ऐन इवेल्युएशन आफ द यू.एन. मिडिएटिड अकार्ड्स इन कम्बोडिया ऐंड एल सल्वाडोर", अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति (5.2.2004)

115. श्री खुशाल सिंह लगध्यान, "डोमेस्टिक कानस्ट्रेंट्स आफ फारेन पालिसी : द चैंजिंग कनसेप्ट आफ रशिया'स नेशनल सिक्युरिटी 1991–2000", रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. अनुराधा एम. चिनॉय (30.01.2004)

116. श्री अजीत कुमार सिंह, "इमरजेंस आफ अफगानिस्तान ऐज बफर बिटविन जारिस्ट रशिया ऐंड ब्रिटिश इण्डियन एम्पायर (19थ सी.)", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, डा. गंगनाथ झा (30.1.2004)

117. सुश्री पी.के. विद्यावती, "रोल आफ ग्रीन पीस ऐंड वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंडिंग इन इनफ्लुएसिंग एनवायरनमेंटल पालिसीज आफ यूनाइटिड स्टेट्स : 1992–2002", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. सी.एस. राज (16.2.2004)

118. सुश्री प्रियंका कुमार, "मल्टी–लेवल गवर्नेंस इन यूरोपीयन यूनियन", अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. आर.के. जैन (16.2.2004)

119. श्री संदिपनी दास, "स्ट्रक्चरल एडजेस्टमेंट ऐज ए पालिसी प्रोसेस : द केस आफ घाना", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. एस.एन. मालाकार (16.2.2004)

120. श्री सरोज कुमार रथ, "ज्वाइंट रिस्पांस आफ यू.एस. ऐंड यू.के. टु टेररीज्म सिंस 11 सितम्बर 2001" अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. सी.एस. राज (23.2.2004)

121. सुश्री लाएनबोई वायफेई, "ससटेनेबल डिवलपमेंट इन कनाडियन फीडरल पालिसीज : इश्युज, इंटरेस्ट्स ऐंड मैकेनिज्म", अमरीका और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, प्रो. सी.एस. राज (17.2.2004)

122. श्री किशोर जोश, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड रशियन लेबर मार्किट 1991–2001", रूसी, मध्य एशियाई और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केंद्र, प्रो. अनुराधा एम. चिनॉय (24.2.2004)

123. श्री कुमार राका, "द चैंजिंग स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शंस आफ फैमिली इन इजराइली किब्बुतजिम", पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. पी.सी. जैन (23.02.2004)

124. श्री गिरिजेश कुमार तिवारी, "सम अस्पेक्ट्स आफ बैंक रंस", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, डा. गुरबचन सिंह, (1.3.2004)

125. श्री हैप्पीमोन जेकब, "यू.एस. एनर्जी डिप्लोमेसी इन द केसपियन सी रीजन", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, श्री वी.के.एच. जम्बोलकर (15.3.2004)

126. सुश्री सोल्मी जोस, टी. कोताराम, "द पालिटिकल इकोनामी आफ पाइपलाइंस इन सेंट्रल एशिया", दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र, प्रो. के. वारिकू (12.3.2004)

127. श्री मुहम्मद सियाद ए.सी., "द यूनाइटिड नेशंस कनवेंशन आन द ला आफ द नान–नेविगेशनल यूजिस आफ इंटरनेशनल वाटरकोर्सिस, 1997 : ए क्रिटिकल ओवरव्यू", राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. बी.एस. चिमनी (24.3.2004)

128. श्री श्रीजित एस.जी., "लीगल आस्पेक्ट्स आफ इनटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स इन रिस्पेक्ट आफ आउटर स्पेस एक्टिविटीज" राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र, प्रो. वी.एस. मणि (24.3.2004)

129. श्री नेताजी अभिनन्दन, "सोशलिस्ट लीगेलिटी ऐंड रूल आफ ला डिबेट इन चाइना", पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, डा. मधु भल्ला (24.3.2004)

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

130. सुश्री सून ओक युन, "फेमिनिस्ट स्टडी आफ फोर आस्ट्रेलियन वुमन पोइट्स", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. एस.के. सरीन और डा. जी.जे.वी. प्रसाद (2.4.2003)

131. सुश्री शम्भवी प्रकाश, "Hubert Fichtes Autobiographisches Schereibe: Moglichkeiten Und Grenzen", जर्मन अध्ययन केंद्र, प्रो. रेखा वी. राजन (8.4.2003)

132. श्री एन. सचिन, "अल्टर/नेटिव स्ट्रेटजीस : दलित आदिवासी पोईट्स ऐंड पालिटिक्स इन के.जे. बेबी'स मावली गनतम", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, डा. जी.जे.वी. प्रसाद (8.4.2004)

133. सुश्री सुदिप्ता सिल, "La Reprecsentation De La Femme Dans Les Proverbes Francais Et Bengalis: Une Etude Comparce" (Women in Bengali & French Proverbs: A Comparative Study), फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र, डा. किरन चौधरी (8.4.2003)

134. श्री अराफात जफर, "कंट्रीब्यूशन आफ अल्लामा हमीदुद्दीन फराही टु द अरेबिक लिट्रेचर : एनालिटिकल स्टडी आफ हिज लिट्रेरी वर्क्स", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, प्रो. असलम इस्लाही (25.4.2003)

135. श्री सुहेल इ., "ए स्टडी आफ द लाइफ ऐंड अरेबिक राइटिंग्स आफ शेख जैनुद्दीन मखदम", (विद स्पेशल फोकस आन द सोसिओ कल्चरल इम्पैक्ट आफ हिज लाइफ ऐंड वर्क्स इन मालाबार) अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. ए. बसीर अहमद (25.4.2003)

136. सुश्री ककोली शाह, "La Politique De Traduction : Litterature Bengalie En Francais" "फ्रेंच और फ्रेंचाफोन अध्ययन केंद्र, डा. एन. कमला (29.4.2003)

137. श्री सैयद अब्दुल रहमान, "L Integrisme et les Femmes : Une Analyse d'Oran Langue Morte d'Assia Djcber", फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र, डा. विजयलक्ष्मी राव, (29.4.2003)

138. मो. काशिफ, "मिर्जा अजीम बेग चुगतई का उसलूब (मजमीन के हवाले से)", भारतीय भाषा केंद्र, डा. इकरामुद्दीन (29.4.2003)

139. सुश्री सुलग्ना मिश्र "Ls Representation De La Prostituee Dans Le Roman Au 19' Siecle - La Dame Aux Camelias : Un Cas Representatif", फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र, डा. एन. कमला (25.4.2003)

140. सुश्री सहेली घोष, "एसिमिलेटिड स्पेसिस इमिग्रांट वायसिस : उमा परमेश्वरन'स त्रिशंकु", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. हरीश नारंग (25.4.2003)

141. सुश्री लौर्डेस जोवानी जे., "एन एनालिसिस आफ द फिगुरल मोड इन द तमिल ऐपिक मणिमेखलई", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. कपिल कपूर (30.5.03)

142. सुश्री सोनिला सैनी, "एस्थेटिक इफैक्ट इन सम आफ द रिप्रिजेंटेटिव पोइम्स आफ डब्ल्यु.बी. यीट्स", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. कपिल कपूर (30.5.2003)

143. श्री तुलसीदास माझी, "प्रपोजिशनल स्ट्रक्चर आफ उड़िया वर्ब : ए पाणिनियन कार्का एनालिसिस", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र, प्रो. कपिल कपूर (30.5.2003)

144. श्री आशिश उपेन्द्र मेहता, "सिन्टेक्स–सेमान्टिक्स इंटरफेस : (इन) डेफिनेटनेस, जेनरिसिटी ऐंड स्पेस्फिसिटी इन गुजराती", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, डा. आयशा किदवई (11.6.2003)

145. श्री के. अहोम, "सब्लाइम इन क्वेश्चन : डिक्लेर्स आफ फ्रेंडशिप ऐंड डेमोक्रेसी इन कंटेम्पोरेरि एथिकल ऐंड एस्थेटिक पर्सपेक्टिव्स", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, डा. एफ. मंजली (17.7.2003)

146. श्री बृज किशोर गोयल, "बुद्धुआ की बेटी (मनुष्या नन्द) का यथार्थ बोध", भारतीय भाषा केंद्र, डा. (श्रीमती) ज्योतिसर शर्मा (29.8.2003)

147. सुश्री रमा पाल, "Invirtiendo La Realidad : La Voz Femenina En Novela Negra Con Argentions De Luisa Valenzuela", स्पेनी अध्ययन केंद्र, प्रो. एस.पी. गांगुली (9.9.2003)

148. श्री बेदिक भट्टाचार्य, "इमैजिनेशन : नेशन ऐंड स्पेशल स्ट्रेटजी इन 'कांथापुरा' ऐंड आल एबाउट एच. हैटर", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. मकरन्द प्रांजपे (10.9.2003)

149. मो. शहाबुद्दीन, "स्टाइलिस्टिक आफ माहजर लिट्रेचर", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, प्रो. एफ.यू. फारूकी (27.10.2003)

150. सुश्री वनिका निझावन, "स्टांस्लाव स्ट्रेटीव के नाटक : द बस का हिन्दी अनुवाद", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. गंगा प्रसाद विमल (11.11.2003)

151. सुश्री गुलशन आरा, "मौलाना हसान बरेलवी की अदबी खिदमत", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. नसीर अहमद खान (17.11.2003)

152. श्री अब्दुन नूर, "अल्ताफ हुसैन हाली : अल क्याम अल – अखलाकियाह वल इत्तेजाहत अल–वतनियाहा फी शायरी दिरासतन नकदियाह", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, प्रो. एस.ए. रहमान (17.11.2003)

153. श्री गुफरान अहमद खान, "शाद अजीमाबादी और मासिर उर्दू गजल", भारतीय भाषा केंद्र, डा. के.एम. इकरामुद्दीन (24.11.2003)

154. सुश्री बिदिशा सोम, "स्पेशल डेक्सिस इन द लैंग्यूवेजिस आफ झारखण्ड", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. अन्विता अब्बी (3.12.2003)

155. श्री श्रीनिवास त्यागी, "भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की आलोचना दृष्टि" भारतीय भाषा केंद्र, देवेन्द्र कुमार चौबे (10.12.2003)

156. श्री जमाल अहमद, "उन्नीसवीं सदी के आखिर में तहजीबी कश्मकश अवध पंच के हवाले से", भारतीय भाषा केन्द्र, डा. मजहर हुसैन (10.12.2003)

157. श्री अमरेन्द्र त्रिपाठी, "शिवदान सिंह चौहान की इतिहास दृष्टि", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. मैनेजर पाण्डेय (18.12.2003)

158. श्री संतोष कुमार चौबे, "जिआर्जी प्लेखनोव के निबन्ध 'टालस्टाय ऐंड नेचर' का हिन्दी अनुवाद", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. गंगा प्रसाद विमल (18.12.2003)

159. मो. अमर, "मीर सोज : शख्शियत और फन मोसिर तनकीद की रोशनी में", भारतीय भाषा केंद्र, डा. के.एम. इकरामुद्दीन, (16.12.2003)

160. सुश्री सबाह हामिद, "द डायलेटिक्स आफ पर्दा : एन एनालिसिस आफ थ्री लिट्रेरी टेक्स्ट्स", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, डा. जी.जे.वी. प्रसाद और प्रो. आर.एस. गुप्ता (22.12.2003)

161. मो. खालिद, "जोश का सामाजी और अदबीशऊर : (कलीम दिल्ली के मजमीन और इदारिये की रोशनी में)", भारतीय भाषा केंद्र, डा. एस.एम. अनवार आलम (12.1.2004)

162. श्री शकील अहमद, "मोहम्मद हुसैन आजाद की इंशा परदाजी का मोताला (नयारंग एक – ख्याल की रोशनी में)", भारतीय भाषा केंद्र, डा. एस.एम. अनवार आलम (22.1.2004)

163. श्री उपेन्द्रनाथ, "जिआर्जी ल्युकास के निबन्ध 'आर्ट ऐंड सोसायटी' का हिन्दी अनुवाद", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. गंगा प्रसाद विमल, (22.1.2004)

164. सुश्री नीलम, "छाको की वापसी के सन्दर्भ में मुस्लिम समाज की अभिव्यक्ति", भारतीय भाषा केंद्र, डा. गोविन्द प्रसाद, (12.1.2004)

165. श्री मुर्तजा अली अतहार, "फाहमिदा रियाज की शायरी में जदीद औरत की हिसियात", भारतीय भाषा केंद्र, डा. एस.एम. अनवार आलम (22.1.2004)

166. सुश्री बाबी यादव, "नागार्जुन के काव्य में इतिहास बौद्ध", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. मैनेजर पाण्डेय (4.2.2004)

167. श्री विकेश कुमार मीणा, "जिआर्जी प्लेखनोव के निबन्ध 'ब्लंस्कली ऐंड रैशनल रिएलिटी' का हिन्दी अनुवाद", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. गंगा प्रसाद विमल (4.2.2004)

168. श्री अब्दुल क्यूम, "उर्दू में बच्चों का अदब आजादी के बाद", (कहानियों के हवाले से), भारतीय भाषा केंद्र, डा. के.एम. इकरामुद्दीन (4.2.2004)

169. श्री जन निसार आलम, "कातिल शेफई बहैशियात गजल्गो", भारतीय भाषा केंद्र, डा. मजहर हुसैन (10.2.2004)

170. श्री मंसूर अहमद, "रजिया सज्जाद जहीर के अफसानों का मौजुआती मोताला : (अल्लाह दे बन्दा ले और जर्द गुलाब की रोशनी में)", भारतीय भाषा केंद्र, डा. मो. शाहिद हुसैन (4.2.2004)

171. मो. हुसैन जामी, "अदबी खाका निगारी : बीसवीं सदी की आखिरी दहाई में", भारतीय भाषा केंद्र, डा. मजहर हुसैन (10.2.2004)

172. मो. मुजाहिद आलम, "अनवार अजीम के अफसानों में असरी अगाही एक तज्जिया : लम्हों की रोशनी में" भारतीय भाषा केंद्र, डा. मो. शाहिद हुसैन (4.2.2004)

173. श्री वंशई शिनरेट, "इंग्लिश पोइट्री इन द नाथ–ईस्ट : एन एनालिसिस आफ द पोइट्री फ्राम शिलांग", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, डा. जी.जे.वी. प्रसाद और प्रो. एस.के. सरीन (4.2.2004)

174 सुश्री उर्मिला दासगुप्ता, "रीडिंग बियांड द 'मेरी' वर्ल्ड आफ चिल्ड्रन'स लिट्रेचर : द चाइल्ड/एडल्ट फिक्शन आफ सत्यजित रे", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, डा. जी.जे.वी. प्रसाद (4.2.2004)

175. श्री जोगेन्द्र सिंह मीणा, "अरूण प्रकाश की कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन", भारतीय भाषा केंद्र, डा. गोविन्द प्रसाद (17.2.2004)

176. श्री फरीद अहमद, "सलेक्टिड शार्ट स्टोरीज आफ महमूद तैमूर (1898–1973) ऐंड मुंशी प्रेमचन्द (1880–1936) : ए कम्पैरेटिव स्टडी", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, प्रो. एस.ए. रहमान (19.2.2004)

177. श्री धर्म नारायण यादव, "रांगेय राघव की आलोचना दृष्टि", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. मैनेजर पाण्डेय (23.2.2004)

178. सुश्री नीरज कुमारी सिंह, "सूर के काव्य में संगीत चेतना", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. मैनेजर पाण्डेय (23.2.2004)

179. श्री प्रमोद कुमार तिवारी, "सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविता में प्रकृति प्रेम", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. गंगा प्रसाद विमल और प्रो. केदारनाथ सिंह (17.2.2004)

180. मोहम्मद आलम, "सेक्युलरिज्म इन नजीर अकबराबादी'स पोइट्री", (नजीर अकबराबादी की शायरी में सेक्युलरिज्म)", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. नसीर अहमद खान (19.2.2004)

181. श्री राजेश कुमार, "फ्रेंक ओ कन्नोर के निबन्ध आथर इन सर्च आफ ए सब्जेक्ट' का हिन्दी अनुवाद", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. गंगा प्रसाद विमल (25.2.2004)

182. श्री जगशेद अहमद, "माजिद अमजद और मौसिर जदीद उर्दू नज्म का तनकीदी जायजा", भारतीय भाषा केंद्र, डा. के.एम. इकरामुद्दीन (23.2.2004)

183. श्री अमरेश कुमार द्विवेदी, "समय–सन्दर्भ और समय सरगम", भारतीय भाषा केंद्र, डा. पुरूषोत्तम अग्रवाल (27.2.2004)

184. श्री आनन्द प्रकाश यादव, "सात आसमान : सम्वेदना और शिल्प", भारतीय भाषा केंद्र, डा. पुरूषोत्तम अग्रवाल (25.2.2004)

185. श्री तारा प्रकाश, "ट्रांस्लेशन आफ सम दलित शार्ट स्टोरीज फ्राम हिन्दी टु इंग्लिश", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. एस.के. सरीन और डा. जी.जे.वी. प्रसाद (3.3.2004)

186. सुश्री साश्वती सोमैया, "द अर्ली स्पीच ऐंड लैंग्यूवेज डिवलपमेंट इन हिन्दी–पंजाबी बाईलिंग्विल चिल्ड्रन इन दिल्ली – ए क्रास – सैक्सनल स्टडी इन पीडिओलिंग्विस्टिक्स", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. वैश्ना नारंग (3.3.2004)

187. श्री शदबुल हक, "अहवाल ओ–आसार–ए–मिरजा मोहम्मद हसन कातिल", फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, डा. एस.ए. हुसैन (3.3.2004)

188. श्री जलील, "खलीलुर रहमान आजमी बहैसियात गजलगो" भारतीय भाषा केंद्र, डा. मजहर हुसैन (20.2.2004)

189. श्री अब्दुल रहमान मुबारक एम.के., "इम्पैक्ट आफ ग्लोबलाइजेशन आन अरब कल्चर ऐंड लैंग्यूवेज", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. ए. बशीर अहमद, (11.3.2004)

190. श्री अली नोफल के., "द मजहर ऐंड द प्रवासी लिट्रेचर : ए कम्पैरेटिव स्टडी", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. बशीर अहमद (11.3.2004)

191. मो. कुतबुद्दीन, "दौर–ओ–मदारिस–ए–दिलही अल इस्लामियाह फी तारबीयात अल नाश – अल जादीद : 1950–2000" (द रोल आफ द इस्लामिक सेंटर्स आफ लर्निंग आफ दिल्ली इन प्रिप्येरिंग द न्यू जेनरेशन : 1950–2000) अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, प्रो. एस.ए. रहमान (11.3.2004)

192. मुहम्मद लियाकत अली कलाथिल, "रिकोग्नाइज्ड अरेबिक कालेजिस आफ केरला : ए स्टडी इन करिकुलम", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. जे.बी. आजमी (11.3.2004)

193. श्री शफीकू पी.पी., "मदरसा एज्यूकेशन इन केरला ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन मुस्लिम्स आफ द स्टेट", अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, डा. जेड.बी. आजमी (11.3.2004)

194. श्री अलीमुल्लाह, "काजी अब्दुसत्तार के अफसानों में जमींदार तबके की अक्कासी", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो नसीर अहमद खान (26.3.2004)

195. श्री अशोक कुमार मीणा, "सलाम में अभिव्यक्ति दलित समाज का आलोचनात्मक अध्ययन", भारतीय भाषा केंद्र, डा. गोविन्द प्रसाद (26.3.2004)

196. श्री जय प्रकाश, "ताप के ताये हुए दिन : सम्वेदना एवं शिल्प", भारतीय भाषा केंद्र, डा. गोविन्द प्रसाद (26.3.2004)

197. श्री लोकेश कुमार गुप्ता, "सामंती समाज और मीरा का काव्य", भारतीय भाषा केंद्र, डा. (श्रीमती) ज्योतिसर शर्मा, (29.3.2004)

198. श्री प्रदीप कुमार सिंह, "केदारनाथ अग्रवाल की काव्यकृति 'फूल नहीं रंग बोलते हैं', का आलोचनात्मक अध्ययन", भारतीय भाषा केंद्र, प्रो. केदारनाथ सिंह (31.3.2004)

199. श्री ऋषभ कुमार अग्रवाल, "कयाप : संवेदना और शिल्प", भारतीय भाषा केंद्र, डा. पुरुषोत्तम अग्रवाल (26.3.2004)

200. श्री अरूनब बोर्गोहैन, "हैड हंटर्स ऐंड फ्रीडम फाइटर्स : कंस्ट्रक्शन आफ द ट्राइबल आइडेंटिटी इन इण्डिया'स नार्थ–ईस्ट; एन एनालिसिस आफ टु केननिकल टेक्स्ट्स", भाषा विज्ञान औश्र अंग्रेजी केंद्र, डा. जी.जे.वी. प्रसाद और प्रो. एस.के. सरीन (26.3.2004)

201. सुश्री गीताली देओरी, "द क्वेस्ट फार ऐन आस्ट्रेलियन एबआरिजिनल आइडेंटिटी : ए क्रिटिकल इंटरप्रिटेशन आफ जैक डेविस थ्री प्लेज", भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र, प्रो. एस.के. सरीन और डा. जी.जे.वी. प्रसाद (2.4.2003)

सामाजिक विज्ञान संस्थान

202. श्री श्री रामकृष्ण, "सोसिओ–इकोनामिक इम्पैक्ट आफ ए वाटरशेड मैनेजमेंट इन उड़ीसा", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, डा. प्रदीप्त चौधरी (1.4.2003)

203. सुश्री भानुप्रिया राव, "पोचम्पल्ली : एथनो–हिस्ट्री आफ ए वीविंग विलेज इन आन्ध्रप्रदेश", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, प्रो. नीलाद्री भट्टाचार्य (1.4.2003)

204. सुश्री उपाली चक्रवर्ती, "इज सफरिंग इनएविटेबल ? स्टेट सोसायटी ऐंड डिस्एबिलिटी", सामाजिक चिकित्सशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. रामा. वी. बारू (3.4.2003)

205. सुश्री सुनीता रैना, "बायोटेक्नोलाजी, इकोलाजी ऐंड ऐथिक्स इंप्लिकेशंस फार रेग्यूलेशंस", विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, प्रो. अशोक पार्थासारथी और प्रो. नासीर तैय्यबजी (3.4.03)

206. श्री रंजन कुमार चौधरी, "लैण्ड रिफार्म्स ऐंड पैटर्न आफ लैण्ड कंसंट्रेशन इन बिहार", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. एम.एच. कुरेशी और प्रो. रवि एस. श्रीवास्तव, (7.4.2003)

207. सुश्री पूजा रमन, "पाप्यूलेशन ग्रोथ ऐंड अर्बन एनवायरनमेंट : ए स्टडी आफ द मेट्रोपालिटन सिटीज इन इण्डिया", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. एस. नांगिया (7.4.2003)

208. सुश्री आशा वर्मा, "चिल्ड्रन'स स्ट्रेटजीस टु सोल्व एडिशन ऐंड सब्ट्रेक्शन प्राब्लम्स इन अर्ली स्कूल ईयर्स", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. फरीदा ए. खान (7.4.2003)

209. श्री दुर्गेश कुमार राय, "हयुमन रिसोर्स इनडोवमेंट इन इण्डिया ऐंड द कम्पोजिशन आफ इट्स फारेन ट्रेड : एन एनालिटिकल पर्सपेक्टिव", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बिनोद खादरिया (9.4.2003)

210. श्री जयेन्दु कृष्णा, "थीअरि आफ मोरल डिवलपमेंट ऐंड मोरल एज्यूकेशन ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन स्टेट पालिसी ऐंड टेक्स्टबुक डिवलपमेंट इन इण्डिया", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. मिनाती पण्डा (9.4.2003)

211. सुश्री रूपा रानी टी.एस., "एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी आफ जेंडर बाइस इन साइंस एज्यूकेशन : स्टुडेंट्स पर्सेप्शंस ऐट हाई स्कूल लेवल इन दिल्ली", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. फरीदा ए. खान (7.4.2003)

212. सुश्री रजनी अग्रवाल, "इफैक्ट्स आफ लैंग्यूवेज करेक्ट्राइजिस्टिक्स आन चिल्ड्रन'स कोग्निटिव रिप्रिजेंटेशन आफ नम्बर कम्पेरिजन आफ हिन्दी ऐंड इंग्लिश मीडियम चिल्ड्रन", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. फरीदा ए. खान (7.4.2003)

213. सुश्री संगीता श्रीवास्तव, "लैंग्यूवेज, कल्चर ऐंड मीडियम आफ इंस्ट्रक्शन : ए सोसिओलाजिकल स्टडी आन एज्यूकेशन आफ मल्टिलिंग्वल ग्रुप्स इन इण्डिया", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. एस. श्रीनिवास राव (9.4.2003)

214. श्री श्रीधर भगवातुला, "इम्पैक्ट आफ 'ट्रेड इन एज्यूकेशन सर्विसिस' आन द मूवमेंट आफ नेचुरल पर्सन्स फ्राम इण्डिया इन द डब्ल्यू टी ओ रिजीम" जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बिनोद खादरिया (9.4.2003)

215. श्री योगेन्द्र बेचैन, "क्वालिटी आफ एज्यूकेशन आफ अर्बन पुअर : ए स्टडी आफ स्कूल्स इन जहाँगीरपुरी दिल्ली", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, डा. गीता बी. नाम्बिसन और प्रो. दीपक कुमार (7.4.2003)

216. श्री जयशंकर प्रसाद, "चैंजिंग रोल आफ द स्टेट इन हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया विद स्पेशल रिफ्रेन्स टु लिबरलाइजेशन", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, प्रो. करूणा चानना (9.4.2003)

217. सुश्री स्मारिका नवानी, "द कंटेस्ट फार हेगिमनी -- द पुर्तगीज ऐंड डच इन कोरोमण्डल ऐंड साउथईस्ट एशिया इन सेवन्टीथ सेंचुरी", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. योगेश शर्मा (23.4.2003)

218. सुश्री मालविका शर्मा "रिप्रजेंटेशन आफ रिवर्स ऐंड वाटर बाडीज : ऐन एनालिसिस आफ द बाल्मीकि रामायण", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. कुमकुम राय (23.4.2003)

219. सुश्री इनोशी शर्मा, "फाइनेंसिंग लोकल डेमोक्रेसीज : पंचायत्स ऐंड मल्टि–लेवल फेडरलिज्म", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बलवीर अरोड़ा (24.4.2003)

220. सुश्री पिंकी मौर्या, "आटोनोमी डिमांड आफ द जम्मू ऐंड कश्मीर स्टेट : ए स्टडी आफ इंटरफेस बिटवीन रीजनल, नेशनल ऐंड ग्लोबल पालिटिक्स", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. ए.के. रे (23.4.2003)

221. श्री रूद्र प्रसाद साहू, "कंफिडेंस बिल्डिंग मेजर्स (सी.बी.एम.एस.) इन द साउथ एशिया विद पर्टिकुलर रिफ्रेन्स टु इण्डो–पाक रिलेशंस (1991–2001)", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. ए.के. रे (23.4.2003)

222. श्री जी. अरजीत शर्मा, "आइडोलाजिकल शफ्ट इन द भारतीय जनता पार्टी : ए स्टडी आफ डिबेट आन स्वदेशी", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. जोया हसन (23.4.2003)

223. श्री जानकी जीवन, "ह्यूमन डिवलपमेंट इन बिहार : ए डिस्ट्रिक्ट लेवल एनालिसिस", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. सरस्वती राजू (23.4.2003)

224. श्री ए. सुनील धरन, "सेंटर–स्टेट बजट्री ट्रांस्फर्स ऐंड रीजनल डिवलपमेंट", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. आर.के. शर्मा (24.4.2003)

225. सुश्री प्रतिभा मुखर्जी, सम आस्पेक्ट्स आफ यूटिलाइजेशन आफ हैल्थ केयर सर्विसिस इन दिल्ली : ए केस स्टडी आफ दिल्ली स्लम्स", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. सच्चिदानन्द सिन्हा (23.4.2003)

226. श्री अमित कुमार सिंह, स्पेशल पैटर्न ऐंड ट्रेन्डस इन द प्रोसिस आफ अर्बेनाइजेशन इन थ्री न्यूली फार्म्ड स्टेट्स इन इण्डिया–छत्तीसगढ़, झारखण्ड ऐंड उत्तरांचल (1971–2000)", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. अनुराधा बनर्जी (24.4.2003)

227. श्री अजय कुमार नायक, "इंप्लायमेंट ऐंड प्रोडक्टिविटी इन आर्गेनाइज्ड मैन्यूफैक्चरिंग सैक्टर इन इण्डिया : एन इंटरस्टेट एनालिसिस", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. अशोक माथुर (24.4.2003)

228. श्री भास्कर कानूनगो, "हाई रिस्क बर्थ्स इन इण्डिया : ए स्टडी बेस्ड आन एन.एफ.एच.एस.1 ऐंड एन.एफ.एच. एस.2 डाटा", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. एम.डी. विमूरी, (24.4.2003)

229. श्री मनीष प्रियदर्शी, "स्पेशल ऐंड साइज क्लास डिस्ट्रिब्यूशन आफ टाउन्स इन इण्डिया : ए स्टेटवाइज एनालिसिस 1971–91", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. असलम महमूद (23.4.2003)

230. श्री आनिन्दय राय, "मार्किट स्ट्रक्चर ऐंड टेरिफ डिटर्मिनेशन इन द सेलुलर इंडस्ट्री इन इण्डिया", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, प्रो. सी.पी. चन्द्रशेखर (23.4.2003)

231. श्री निगरींगम शिमराह, "लोकल डेमोक्रेसीज इन मेघालय ऐंड द हिल्स आफ मणिपुर : कंस्टीट्यूशनल प्रोविजन्स ऐंड पालिटिकल प्रेक्टीसीज", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बलवीर अरोड़ा (6.5.2003)

232. सुश्री शालिनी पाण्डेय, "फार्मेशन आफ स्टेट्स इन ए फेडरल पालिटी : द रिआर्गेनाइजेशन आफ सेंट्रल ऐंड नार्थ इण्डिया", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बलवीर अरोड़ा (6.5.2003)

233. श्री इन्द्रनील डे, "वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट इन इण्डिया विद स्पेशल रिफ्रेन्स टु मेजर ऐंड मीडियम इरिगेशन सिस्टम्स", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. रवि, एस. श्रीवास्तव (29.4.2003)

234. श्री प्रियतम मलिक, "चैंजिंग नेचर आफ कामर्शियल बैंक्स' क्रेडिट इन इण्डिया : एन इण्टर–सैक्टरल ऐंड इंटर रीजनल एनालिसिस", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. आर.के. शर्मा (1.5.2003)

235. श्री बीरेन्द्र नाथ प्रसाद, "वैशाली : इमर्जेन्स ऐंड स्ट्रचर आफ एन अर्ली इण्डियन पालिटिकल ऐंड अर्बन सेंटर, सी.बी.सी. 600 – ए.डी. 400", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बी.डी. चट्टोपाध्याय (23.4.2003)

236. श्री कपिल खेमुण्डु, "चैंजिंग वैल्यूज इन इण्डियन सोसायटी इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन : ए सोसिओ–कल्चरल पर्सपेक्टिव", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. आनन्द कुमार (29.4.2003)

237. श्री पवन कुमार, फारेन कैपिटल ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट : ए केस स्टडी आफ इण्डिया", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, प्रो. अरूण कुमार (1.5.2003)

238. श्री के. राजमोहन, "सोशल आइडेंटिटी ऐंड सेल्फ–एस्टीम : ए स्टडी आफ केंद्रीय विद्यालय हायर सेकेण्ड्री टीचर्स आफ दिल्ली", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. मिनाती पण्डा (9.4.2003)

239. श्री सुमैल सिंह सिन्धु, "फंटेस्टिंग विजंस आफ सिक्ख आइडेंटिटी इन ऐट्टींथ सेंचुरी पंजाब", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. भगवान सिंह जोश (8.5.2003)

240. सुश्री शिवाली खुल्लर, "द ब्रिटिश इंटेलिजेंस सिस्टम इन इण्डिया : 1830–1857", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, प्रो. एस. भट्टाचार्य (19.5.2003)

241. सुश्री अनुभूति मौर्या, "कश्मीर ए पालिटी इन ट्रांजिशन 15टींथ टु द 18टींथ सेंचुरीज", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. योगेश शर्मा (19.5.2003)

242. सुश्री शर्मिला सिंह, "इंप्लिकेशंस आफ फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन – वर्कर वल्नरेबिलिटी ऐंड डोमेस्टिक एडजेस्टमेंट्स : ए केस स्टडी आफ नोयडा एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बिनोद खादरिया (19.5.2003)

243. सुश्री झुमुर सेनगुप्ता, "द रिलेशनशिप बिटवीन ऐथनिक डाइवर्सिटी ऐंड पब्लिक गुड प्रोविजन इन द स्टेट्स आफ इण्डिया : एन इम्पेरिकल इनवेस्टिगेशन", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, डा. सुगातो दासगुप्ता (19.5.2003)

244. सुश्री रश्मि चक्रवर्ती, "इम्पैक्ट आफ इकोनामिक कंडीशंस आन इनकमबेंट स्टेट गवर्नमेंट्स इलैक्टोरल फारच्यून इन इण्डिया : एन इम्पेरिकल इनवेस्टिगेशन", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, डा. सुगाता दासगुप्ता (19.5.2003)

245. सुश्री सुनालिनी कुमार, "द डिस्कोर्स ऐंड इट्स डिस्कर्टेंट्स : ए क्रिटिकल स्टडी आफ थीअरीज आफ नेशनलिज्म", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. राजीव भार्गव, (19.5.2003)

246. सुश्री वन्दना आर., "गाँधियन नेशनलिज्म : ए सोसिओलाजिकल एनालिसिस", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. आनन्द कुमार (3.6.2003)

247. श्री एच. विल्सन, "सोशल स्ट्रक्चर, इकोलाजी ऐंड डिवलपमेंट : द केस आफ द माओ ऐंड अंगामी नागाज", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. के.एल. शर्मा (17.6.2003)

248. सुश्री माधुरा लोहोकरे, "ए सोशल ऐंड हिस्टोरिकल एनालिसिस आफ द रिलेशनशिप बिटवीन पब्लिक हैल्थ ऐंड बायोमेडिसिन", सामाजिक चिकित्सशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. रितु प्रिया मेहरोत्रा (2.7.2003)

249. श्री अभिजित पाठक, "द मूवमेंट्स आफ द रीयल एक्सचेंज रेट इन डिवलपिंग इकोनामीज : ए थीअरेटिकल कम इम्पेरिकल स्टडी", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, प्रो. प्रभात पटनायक (2.7.2003)

250. श्री राजीव वर्मा, "पार्टिसिपेट्री वाटरशेड मैनेजमेंट : एन आन्सर टु ड्राट ऐंड इरोजिन आफ कामन प्रोपर्टी रिसोर्सिस", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. कुलदीप माथुर (29.7.2003)

251. श्री मनोज कुमार साहू, "लिकिंग विद इण्डिया'स साफ्टवेयर प्रोविस : ए केस स्टडी आफ साफ्टवेयर इंडस्ट्री इन द नेशनल केपिटल रीजन" आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, प्रो. सतीश के. जैन (30.7.2003)

252. श्री राय जोश वी., "इंपावरमेंट ऐंड प्रापर्टी राइट्स आफ वुमन : ए कम्पैरिटिव स्टडी आफ सीरियन क्रिश्चियंस ऐंड नायर्स इन केरला", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. निरजा गोपाल जयाल (11.8.2003)

253. श्री एच. खाम खान सुआन, "स्पेशल स्टेटस आफ द नार्थ–ईस्ट इन इण्डियन फेडरलिज्म", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बलवीर अरोड़ा (18.8.2003)

254. सुश्री रिनयाफी रमन, "वुमन ऐंड पालिटिकल पार्टिसिपेशन : ए केस स्टडी आफ मणिपुर", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. किरण सक्सेना (18.8.2003)

255. श्री सुदयुमन पाल, "ट्रेन्ड्स इन पब्लिक ऐंड प्राइवेट एक्सपेंडिचर इन इण्डिया : ए रीजनल एनालिसिस आफ एग्रीकल्चरल सैक्टर", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. एस.के. थोरट (19.8.2003)

256. श्री चन्दीप सिंह, "पंचायती राज इन इण्डिया : ए रीजनल एनालिसिस आफ इट्स फानेंशल ऐंड सोशल डाइमेंशंस", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. सुचरिता सेन (19.8.2003)

257. श्री महेश प्रताप सिंह, "स्ट्रक्चरल ऐंड स्पेशल रिआर्गेनाइजेशन आफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री इन इण्डिया : ए कम्पैरेटिव एनालिसिस आफ प्री ऐंड पोस्ट लिबरलाइजेशन पीरियड", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. सुचरिता सेन (19.8.2003)

258. सुश्री जयश्री साहू, "स्माल फार्म्स इन इण्डिया – ए स्टडी आफ प्रोडक्शन कंडीशंस" क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. एस.के. थोरट (19.8.2003)

259. श्री सुप्रियो घोष, "जूट लेबर पालिटिक्स इन बंगाल 1937- 47", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, प्रो. एस. भट्टाचार्य (9.9.2003)

260. सुश्री कनुप्रिया हरीश, "अवध : इट्स आर्ट ऐंड इट्स पीपल सी. 1720–1850", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. के.के. त्रिवेदी (9.9.2003)

261. श्री अभय कृष्ण सिंह, "इंप्लायमेंट प्रोडक्टिविटी ऐंड स्ट्रक्चर आफ रूरल इंडस्ट्रीज इन इण्डिया : ए स्पेशिओ–टेम्पोरल एनालिसिस", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. सुचरिता सेन (9.9.2003)

262. सुश्री शिल्पी नगालिया, "द लैण्ड क्वेश्चन : आस्पेक्ट्स आफ कांटिन्यूटि ऐंड चेंज इन द एग्रेरियन स्ट्रक्चर आफ उत्तर प्रदेश", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, प्रो. उत्सा पटनायक (9.9.2003)

263. श्री सैशंकर प्रधान, "इंप्लायमेंट इन द आर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर आफ इण्डिया इन 1980स ऐंड 90स", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, डा. प्रवीण कुमार झा (10.9.2003)

264. श्री रजनीश धुल, "सोशल इंप्लिकेशंस आफ न्यू इकोनामिक पालिसी आन दलित्स इन इण्डिया", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. नीलिका मेहरोत्रा, (1.10.2003)

265. सुश्री एन. गुइते, "इंडिजिनस मेडिसिनल सब्सटेन्सिस ऐंड हैल्थ केयर : ए स्टडी अमंग पैते ट्राइब आफ मणिपुर", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. संघमित्रा एस. आचार्य (24.9.2003)

266. सुश्री लीला पी.यू., "रिलीजन ऐंड इकोलाजी : सलेक्टिड स्टडी आफ सैक्रेड ग्रोव्स इन केरला", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. अमित कुमार शर्मा (26.9.2003)

267. सुश्री मल्लारिका सिन्हा राव, फ्राम मिथ टू मूवमेंट : वुमन'स पार्टिसिपेशन इन द नक्सलबारी मूवमेंट इन वेस्ट बंगाल 1967–72", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. सुसन विश्वनाथन (26.9.2003)

268. सुश्री पाणिग्रहि, "स्टेरीयोटाइप्ड पोर्टेल्स : इमेज्स आफ वुमन इ सिनेमा : इन द कंटेक्स्ट आफ ट्रांडिशन माडर्निटी" सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. मैत्रीय चौधरी (26.9.2003)

269. सुश्री अजन्ता पंडा, "क्रश्चिएनिटी ऐंड लोकल सोसायटी इन साउथर्न कोरोमण्डल (1540–1660)", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. योगेश शर्मा, (26.9.2003)

270. श्री बर्टोन क्लिटस, "वुमन'स एज्यूकेशन इन **ए** प्रिंसली स्टेट : ए केस स्टडी आफ ट्रावनकोर 1900–47", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, प्रो. एस. भट्टाचार्य (23.4.2003)

271. सुश्री बिशाखा चक्रवर्ती, "फ्राम एकेडमिक स्ट्रेस टु इमेंसिपेट्री स्कूलिंग : ए सोसिओलाजिकल इनक्वायरी", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. अविजित पाठक (21.10.2003)

272. श्री अनीश कुमार के. "सोसिओ–इकोनामिक ऐंड हैल्थ कंसिक्वेंसिस आफ पेस्टिसाइड इक्सपोजर : ए केस स्टडी आफ इण्डोसल्फान टाक्सिसिटी इन पैड्रे विलेज, कसरगोड डिस्ट्रिक्ट, केरला", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. अल्पना दया सागर (12.11.2003)

273. श्री सोबिन जियार्ज, "इनफार्मेलाइजेशन आफ लेबर ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस फार हैल्थ : ए स्टडी विद स्पेशल रिफ्रेन्स टु एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन्स इन इण्डिया", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. के.आर. नायर (10.11.2003)

274. श्री अनूप कुमार साहू, "सम प्राब्लम्स आफ एग्रीकल्चरल क्रेडिट इन द 90स", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, प्रो. अभिजित सेन (10.11.2003)

275. सुश्री सविता छिकारा, "*इंटरफेस बिटवीन रिलीजन, ट्रेड ऐंड पालिटिक्स इन मलनाड रीजन* (6थ सेंचुरी 12थ सेंचुरी)", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. विजय रामास्वामी (17.11.2003)

276. श्री सुधीर, "स्टेट्स आफ मैटरनल चाइल्ड हैल्थ (एम.सी.एच.) ऐंड न्यूट्रिशन इन इण्डिया : ए स्टेट लेवल एनालिसिस", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. अनुराधा बनर्जी (18.11.2003)

277. सुश्री पौलोमी गुप्ता, "रीजनल डिस्पैरिटी इन एलिमेंट्री एज्यूकेशन इन रूरल इण्डिया : ए स्टेट लेवल एनालिसिस", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. अनुराधा बनर्जी (5.12.2003)

278. श्री एम.एस. सिंह, "हायर एज्यूकेशन ऐंड कैरियर च्वाइसिस आफ द अंडर ग्रेजुएट स्टूडेंट्स इन मणिपुर – ए सोसिओलाजिकल स्टडी", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. एस. श्रीनिवास राव (5.12.2003)

279. सुश्री तृप्ती बस्सी, "*जेंडर ऐंड एज्यूकेशन : ऐन एक्सप्लोरेट्री स्टडी आफ क्लासरूम प्रोसेसिस इन ए प्राइमरी स्कूल*", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. गीता बी. नाम्बिसन (5.12.2003)

280. श्री वैभव शर्मा, "बाम्बे : ग्रोथ आफ इंग्लिश फोर्टिफाइड पोर्ट एन्क्लेव (1661–1755)", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. योगेश शर्मा (16.12.2003)

281. श्री सौरभ मिश्रा, "पिलिग्रम्स प्रोग्रेस : द हज फ्राम द इण्डियन सबकंटिनेंटल फ्राम 1870–1920", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. इंदिवर कामतेकर (16.12.2003)

282. श्री बी. महेश शर्मा, "इण्डिया'स नेशनल सिस्टम आफ इनोवेशन : एन इम्पेरिकल एक्सप्लोरेशन", विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, प्रो. वी.वी. कृष्णा और प्रो. नासीर तैयबजी (16.12.2003)

283. श्री निमेश चन्द्र, "*एकेडमिया – इंडस्ट्री इंटरफेस इन टेक्नोलाजी कामर्सलाइजेशन* – ए केस आफ इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, दिल्ली", विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, प्रो. वी.वी. कृष्णा और प्रो. नासीर तैयबजी (16.12.2003)

284. सुश्री केतकी सक्सेना, "एज्यूकेशन द अर्बन पुअर चाइल्ड : ए सोसिओलाजिकल स्टडी आफ टु स्कूल्स इन दिल्ली", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, प्रो. करूणा चानना, (22.12.2003)

285. श्री विरेन्द्र बी. शाहरे, "इम्पैक्ट आफ एज्यूकेशन आन द इंपावरमेंट आफ दलित वुमन : ए सोसिआलाजिकल स्टडी", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. ऐहसानुल हक (26.12.2003)

286. श्री मृतुन्जय कुमार, "द हाउस आफ टाटा ऐंड हायर एज्यूकेशन : विजन, प्रोग्राम्स ऐंड अचीवमेंट्स 1892–1950", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, प्रो. दीपक कुमार (22.12.2003)

287. सुश्री रितिका गांगुली, "ट्रेडिशन ऐंड इनोवेशन इन द आयुर्वेदिक मेडिकल सिस्टम आफ इण्डिया : लुकिंग बियांड द पैराडिगम डिस्पुट", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. दीपांकर गुप्ता, (26.12.2003)

288. सुश्री चन्द्रेयी बनर्जी, स्पैशल पैटर्न, ग्रोथ ऐंड करेक्ट्राइजिस्टिक्स आफ अर्बन सेटलमेंट्स इन राजस्थान", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. अनुराधा बनर्जी, (26.12.2003)

289. श्री राकेश कुमार मिश्रा, "मेंटल हैल्थ ऐंड पब्लिक हैल्थ : सम मेथडोलाजिकल इश्यूज", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डा. के.आर. नायर (5.1.2004)

290. श्री दीपक रावत, "रिप्रजेंटिंग मैस्कुलिनिटी : एन एक्सप्लोरेशन आफ द महाभारत", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. कुमकुम राय, (14.1.2004)

291. सुश्री रितु शर्मा, "सोसियोलाजी आफ लिट्रेचर : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ चित्रलेखा ऐंड अग्निवर्षा", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. अमित कुमार शर्मा (14.1.2004)

292. श्री अमिया शंकर नायक, "असेसमेंट आफ टेक्नोलाजिकल च्वाइसिस इन कोल माइनिंग : ए केस स्टडी आफ महानदी कोल फील्ड्स", विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, डा. प्रणव एन. देसाई (14.1.2004)

293. सुश्री अमृता मिन्हास, "मर्चेन्ट्स, द स्टेट ऐंड कम्पनीज डायनेमिक्स आफ कंटेक्ट, कलोबरेशन ऐंड कंफ्लिक्ट इन 17टींथ सेंचुरी सूरत", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. योगेश शर्मा, (16.1.2004)

294. श्री फ्रांसिस अदैकलाम वी., "द इंफ्लुएन्स आफ मेडिकल टेक्नोलाजी आन मेडिकल प्रेक्टिस : ए केस स्टडी आफ मदुरई, तमिलनाडु", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. रामा बी. बारू (14.1.2004)

295. श्री जैसन स्टेफन, "कोपिंग विद कैंसर : ए एक्सप्लोरेट्री स्टडी आफ कैंसर पेशंन्ट्स ऐंड देअर केयर गिवर्स मेडिकल कालेज हास्पिटल, कोट्टयाम, केरला", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. अल्पना डी. सागर (19.1.2004)

296. श्री अजय कुमार सिंह, "द सोसिओलाजी आफ फर्टिलिटी : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ केरला ऐंड बिहार", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. ऐहसानुल हक (16.1.2004)

297. सुश्री किरण भार्गव, "इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स, बायोटेक्नोलाजी ऐंड द थर्ड वर्ल्ड", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. राकेश गुप्ता (27.1.2004)

298. श्री नवीन, "हैल्थ केयर प्रोवाइडर्स इन दिल्ली मेट्रोपालिटिन सिटीज : ए सोसिओलाजिकल एक्सप्लेनेशन आफ इश्यूज ऐंड कंसर्न्स", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. संघमित्रा एस. आचार्य, (28.1.2004)

299. श्री संजीव कुमार राउतरे, "अर्बन प्लानिंग ऐंड पब्लिक हैल्थ कंसिक्वेंसिस फार पूअर माइग्रेन्ट्स : ए स्टडी आफ दिल्ली", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्रो. इमराना कादिर (27.1.2004)

300. श्री बसंत कुमार पोटनुरू, "एज्यूकेशन, माइग्रेशन ऐंड अर्निंग्स : एन एनालिसिस आफ द एज्यूकेशन ऐंड अर्निंग्स प्रोफाइल्स आफ इण्डियन इमिग्रेन्ट्स इन द यूनाइटिड स्टेट्स ऐंड द रिटर्न्स माइग्रेन्ट प्रोफेशनल्स इन बंगलौर", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बिनोद खादरिया (27.1.2004)

301. सुश्री सुतापा दास, हम मन्दिर वहीं बनायेंगे : अंडरस्टेंडिंग द आइडोलाजी ऐंड पालिटिक्स आफ द संघ परिवार इन द अयोध्या मूवमेंट (1983–92)", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, प्रो. आदित्य मुखर्जी (19.2.2004)

302. सुश्री मौमिता बासु, "फाइनेंशल आस्पेक्ट्स आफ आप्रेशन ऐंड मेंटिनेंस आफ पब्लिक कैनाल इरिगेशन सिस्टम्स इन इण्डिया", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. सुचारिता सेन, (3.2.2004)

303. सुश्री पूजा सतयोगी, "प्लानिंग फार वुमन : द डिस्कोर्स आफ द इण्डियन स्टेट", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. गुरप्रीत महाजन (27.1.2004)

304. श्री सगुन पुरी सिंह, "रूरल अर्बन रिलेशन : कस्बाज इन ईस्टर्न राजस्थान (17टींथ ऐंड 18टींथ सेंचुरीज)", ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, डा. के.के. त्रिवेदी और प्रो. दिलबाग सिंह (11.2.2004)

305. श्री बेलु सिन्हा, "टेररिज्म इन ए लिबरल डेमोक्रेटिक फ्रेमवर्क", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. राकेश गुप्ता (11.2.2004)

306. श्री चिनमय बिस्वाल, "इनटाइटलमेंट ऐंड डिसइनटाइटलमेंट प्रोसेसिस ऐंड हंगर : ए स्टडी आफ कालाहांडी डिस्ट्रिक्ट", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्रो. इमराना कादिर (16.2.2004)

307. श्री बीरेन्द्र सुना, "डिवलपमेंट, डिस्प्लेसमेंट ऐंड रिहेबिलिटेशन आफ ट्राइबल्स : ए केस स्टडी आफ डैम प्रोजेक्ट (हीराकुण्ड इरिगेशन ऐंड अपर इंद्रावती हाइड्रो–इलैक्ट्रिक) इन उड़ीसा" सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, (16.2.2004)

308. सुश्री सास्वती भट्टाचार्य, "नैरेटिव ऐंड फेमिनिस्ट कंसर्न्स", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. सुसन विश्वनाथन (16.2.2004)

309. श्री कृपाबार बरूआ, "इमिग्रेशन आफ डाक्टर्स ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस इन द हैल्थ सैक्टर आफ द होम कंट्री : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी आन इण्डिया", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, प्रो. बिनोद खादरिया (16.2.2004)

310. सुश्री अनीता रूपावतराम, "एन आर्केओलाजिकल स्टडी आफ द टेम्पल इन द ईस्टर्न डेक्कन : सेकण्ड सेंचुरी बी.सी. टु 8थ सेंचुरी ए.डी.", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. एच.पी. रे (16.2.2004)

311. सुश्री पूजा रानी, "पालिटिकल इंपावरमेंट आफ वुमन इन द न्यू पंचायत्स : ए स्टडी आफ मध्य प्रदेश", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. सुधा पई (16.2.2004)

312. सुश्री नताशा कंडवाल, "स्ट्रगल फार इक्जिस्टेन्स : ए स्टडी आफ उत्तराखण्ड मूवमेंट", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. आनन्द कुमार (3.3.2004)

313. सुश्री निहारिका लाखा, "अनइंप्लायमेंट अमंग द यूथ इन इण्डिया : ए सोसिओलाजिकल स्टडी", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. ऐहसानुल हक (1.3.2004)

314. श्री युंगम जाजो, "द डायलेक्टिक्स आफ चेंज इन ए ट्राइबल सोसायटी (ए स्टडी आफ द तंगखुल्स आफ मणिपुर)" सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. विवेक कुमार (1.3.2004)

315. सुश्री मंजिता कौर, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड डेमोक्रेटिक गवर्नेंस इन इण्डिया", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. ए.के. रे और प्रो. राकेश गुप्ता (8.3.2004)

316. श्री यारोंग्शो नगालंग, "इवोल्युशन ऐंड द नेचर आफ नागा मूवमेंट", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. राकेश गुप्ता (8.3.2004)

317. सुश्री एलिजाबेथ इम्ती, "वायलन्स अगेंस्ट वुमन इन इण्डिया", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. रेणुका सिंह (3.3.2004)

318. सुश्री नीनम मिसाओ, "डायलेक्टिक्स आफ आइडेंटिटी फारमेशन : द कुकिस आफ मणिपुर", सामाजिक पद्धति और अध्यन केंद्र, डा. रेणुका सिंह (3.3.2004)

319. सुश्री सराह जयाल सवक्मी, "द डायनेमिक्स आफ चेंज खासी मैट्रिलिनी", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. रेणुका सिंह, (3.3.2004)

320. श्री मनीष शर्मा, "द मेकिंग आफ शारदा एक्ट आफ 1929 : चाइल्ड मैरिज रिस्ट्रेन्ट एक्ट", ऐतिहासिक अध्ययन केंन्द्र, प्रो. तनिका सरकार (8.3.2004)

321. श्री मैत्रेयी बुद्ध सामन्त्रे, "पालिटिक्स आफ कनवर्जन इन इण्डिया : रिसेंट डिबेट आन कनवर्जन टु क्रिश्चएनिटी", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. जोया हसन, (3.3.2004)

322. श्री बृजित सुचित कुजूर, "निगोसिएटिंग जेंडर ऐंड स्पेस : फीमेल वर्क्स इन टी गार्डन्स इन नार्थ बंगाल", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. सरस्वती राजू (3.3.2004)

323. श्री धीरज कुमार गुप्ता, "टेस्ट एनजाइटी ऐंड कोपिंग अमंग सीनियर सेकण्ड्री स्टुडेंट्स : ए साइको–सोसियोलाजिकल स्टडी", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. मिनाती पण्डा, (3.3.2004)

324. सुश्री धाराश्री दास, "मिडल क्लास वुमन'स पर्सेप्शन आफ हैल्थ : ए स्टडी इन वसंतकुज लोकैलिटी आफ साउथ दिल्ली", सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. रितु प्रिया मेहरोत्रा (10.3.2004)

325. सुश्री फुंस्तोग ऐन्गमो, "लद्दाख एट पालिटिकल ऐंड कामर्शियल क्रासरोड्स : 16टींथ टु 19टींथ सेंचुरी", ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, डा. योगेश शर्मा, (4.3.2004)

326. सुश्री रचना सक्सेना, "फेलर आफ गवर्नमेंट स्कूलिंग ऐंड इमर्जेन्स आफ अल्टरनेटिव माडल्स : ए केस स्टडी आफ यू.पी.", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. सुधा पई (11.3.2004)

327. श्री रामजयाम पी., "डिसेंट्रेलाइजेशन ऐंड कोआपरेटिव्स इन तमिलनाडु : एन असेसमेंट", राजनीति अध्ययन केंद्र, प्रो. जोया हसन, (11.3.2004)

328. सुश्री स्मिता मार्गेश्वर पाटिल, "दलित फेमिनिज्म इन महाराष्ट्र", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. जोया हसन, (11.3.2004)

329. सुश्री रोंगु, "जेंडर ऐंड कास्ट : पोजिशन आफ दलित वुमन इन पंजाब", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. सुधा पई (11.3.2004)

330. श्री वी.के. श्रीधर, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड पब्लिक डिस्ट्रीब्युशन सिस्टम इन इण्डिया", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. जोया हसन (11.3.2004)

331. सुश्री सीमान्तिनी डे, "कामन प्रोपर्टी रिसोर्सिस इन रूरल इण्डिया : डिपेंडेंस, डिप्लेशन ऐंड मैनेजमेंट", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. आर.के. शर्मा (12.3.2004)

332. श्री ईश्वर सिंह, "क्लाइमेट चेंज ऐंड लैण्डस्केप इवोल्युशन इन अपर बियास बेसिन, हिमाचल प्रदेश", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. मिलाप चन्द्र शर्मा (11.3.2004)

333. सुश्री मिली शर्मा बरूआ, "नार्थईस्टर्न रीजन इन इण्डियन स्पेस : ए जिओग्राफिकल इनक्वायरी", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. सुचरिता सेन और प्रो. सरस्वती राजू (12.3.2004)

334. श्री राम अवधेश सिंह, "रूरल सेटलमेंट पैटर्न्स : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ शेखावाटी ऐंड मत्स्य यूनियन रीजन्स, राजस्थान", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. एम.एच. कुरेशी (12.3.2004)

335. श्री राहुल प्रकाश, "लेवल्स आफ सोसिओ–इकोनामिक डिस्पैरिटीज इन मध्य प्रदेश", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. बी.एस. बुटोला (11.3.2004)

336. श्री अतुल कुमार, "पाप्यूलेशन ऐंड डिवलपमेंट इंटरफेस : ए डिस्ट्रिक्ट वाइज कम्पैरेटिव एनालिसिस आफ पंजाब ऐंड आन्ध्र प्रदेश (2001)", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. असलम महमूद (12.3.2004)

337. श्री अजिमुल्लाह अंसारी, "कंटेस्चुवलाइजिंग नान–गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशंस (एन.जी.ओ.स) इन हैल्थ केयर सर्विसिस : ए केस स्टडी आफ दिल्ली", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. सच्चिदानन्द सिन्हा (12.3.2004)

338. सुश्री सोनल चन्द्र, "कल्चर इंडस्ट्री : ए सोसिओलाजिकल एक्सप्लोरेशन", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, डा. अमित कुमार शर्मा (12.3.2004)

339. श्री मंजीर मुखर्जी, "असिस्टिड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलाजीस ऐंड किनशिप इमर्जिंग कंसेप्चुअल इश्यूज", सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, प्रो. दीपांकर गुप्ता (15.3.2004)

340. सुश्री अमृता लाम्बा, "इनिसिएटिव्स आन एलिविएटिंग प्रोपर्टी इन इण्डिया : आइडियाज आफ अमृता सेन" राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. कुलदीप माथुर (23.3.2004)

341. श्री सत्यनारायण जेना, "कंफ्लिक्ट्स ओवर नेचुरल रिसोर्सिस : पीपल्स मूवमेंट्स ऐंड रिक्लेमिंग द कामन्स", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. कुलदीप माथुर (23.3.2004)

342. सुश्री मोनी सहाय, "एक्सपेंडिचर आन हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया : ए स्पैसिओ–टेम्पोरल एनालिसिस", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. सच्चिदानन्द सिन्हा (19.3.2004)

343. सुश्री प्रतिमा राय चौधरी, "नान–गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशंस इन द कंटेक्स्ट आफ रीजनल डिवलपमेंट : ए केस स्टडी आफ वेस्ट बंगाल", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. बी.एस. बुटोला (19.3.2004)

344. सुश्री श्रेयसी गुप्ता, "स्पैशल ऐंड स्ट्रक्चरल एनालिसिस आफ नान–कंफर्मिंग इंडस्ट्रीज इन दिल्ली (1999–2000)" क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. अतिया हबीब किदवई, (19.3.2004)

345. सुश्री राधिका मेनन, "सोसिओलाजी आफ एज्यूकेशनल इनइक्वैलिटी : थीअरेटिकल फ्रेमवर्क्स ऐंड द पर्सपेक्टिव आफ द डिस्एडवांटेज्ड", जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, डा. गीता बी. नाम्बिसन (22.3.2004)

346. श्री कौस्तव बनर्जी, "इवोल्युएशन आफ न्यू ट्रेड थीअरि : मेथडोलाजिकल इश्यूज ऐंड सम इविडेंसिस", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, प्रो. के.जी. दस्तीदार (22.3.2004)

347. श्री राजीव कुमार, "आस्पेक्ट्स आफ लेबर माइग्रेशन फ्राम इण्डिया : ए मैक्रोइकोनामिक एनालिसस", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, डा. प्रवीण कुमार झा (22.3.2004)

348. श्री मोहसन पी. कोविच, "इफिसिएन्सी आफ 19 गैस इलैक्ट्रीसिटी जेनरेटिंग प्लांट्स इन ईरान, 1993–99", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, डा. प्रदीप्त चौधरी (22.3.2004)

349. सुश्री अर्पिता तिवारी, "जेंडर ऐंड साइंस : मैपिंग आफ इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स इन इण्डियन कंटेक्स्ट", विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, प्रो. वी.वी. कृष्णा (19.3.2004)

350. श्री प्रतिपाल सिंह रंधावा, "टेक्नोलाजी च्वाइस इन द ट्रांस्पोर्टेशन सिस्टम आफ दिल्ली : इमर्जिंग पालिसी इश्यूज ऐंड इंप्लिकेशंस इन द पोस्ट लिबरलाइजेशन ईरा", विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, प्रो. अशोक पार्थासारथी (19.3.2004)

351. श्री संजय कुमार, "डोमेस्टिक इनिसिएटिव्स इन टेलिकम्यूनिकेशन स्विचिंग सिस्टम्स फ्राम आई.टी.आई. टु सी–डाट", विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, प्रो. नासीर तैयबजी और प्रो. ए. पार्थासारथी, (19.3.2004)

352. श्री रिनी श्रीवास्तव, "एग्रीकल्चरल बायोडायवर्सिटी : इंटरनेशनल रेग्यूलेशंस ऐंड इंप्लिकेशंस फार इण्डिया", विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, डा. पी.एन. देसाई, (22.3.2004)

353. श्री मनीष ठाकरे, "पालिसीज ऐंड स्ट्रेटजीस फार एनवायरनमेंटल कंजरवेशन इन इण्डिया : ए स्टडी आफ वाइल्ड लाइफ कंजरवेशन", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. एम.एच. कुरेशी (31.3.2004)

354. श्री विवेक कुमार, "रॉक ग्लेशियर्स इन इनफेरिंग एनवायरनमेंटल चेंजिस इन लाहुल हिमालय, हिमाचल प्रदेश", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, डा. मिलाप चन्द्र शर्मा (31.3.2004)

355. श्री जितेन्द्र डी. सोनी, "स्पैशो–टेम्पोरल डायमेंशन आफ रिलेशनशिप बिटवीन फर्टिलिटी ऐंड इट्स डिटर्मिनेंट्स : ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ राजस्थान ऐंड तमिलनाडु", क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, प्रो. असलम महमूद (31.3.2004)

356. सुश्री मधुरिमा नन्दी, "वायबिलिटी आफ ए नेशनल हैल्थ इन्श्योरेन्स फार इण्डिया : ए कम्पैरेटिव एनालिसिस", सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डा. रामा वी. बारू (31.3.2004)

357. सुश्री कनकाना मुखोपाध्याय, "द इंप्लिकेशंस आफ द एग्रीमेंट आन एग्रीकल्चर फार वर्ल्ड एग्रीकल्चरल ट्रेड", आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र, प्रो. जयती घोष (25.3.2004)

358. सुश्री संगीता त्यागी, "आरिजिन इवोल्युशन ऐंड स्टेट्स आफ द मेडिकल बायोटेक्नोलाजी इंडस्ट्री : पर्सपेक्टिव्स ऐंड प्राब्लम्स फार इण्डिया", विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, प्रो. एन. तैयबजी और प्रो. ए. पार्थासारथी, (19.3.2004)

359. सुश्री देबजानी बासु, "वुमन ऐंड इक्वैलिटी : इश्यूज आफ पोरनोग्राफी, प्रास्टीट्यूशन ऐंड रेप इन इण्डिया", राजनीतिक अध्ययन केंद्र, प्रो. गुरप्रीत महाजन (1.4.2003)

विकास अध्ययन केंद्र, त्रिवेन्द्रम

360. श्री गौरव सरोलिया, "कम्पटीशन, सन्क कास्ट्स ऐंड फाइनेंशल प्रेशर इंप्लिकेशंस फार फर्म प्रोडक्टिविटी : ए पैनल स्टडी आफ सलेक्टिड मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज", डा. के. पुषांगदन और डा. एन. विजयमोहनन पिल्लई (4.12.2003)

361. सुश्री सजीथा बीवी कराइल, "इण्डिया'स एक्सपोर्ट्स टु द जी.सी.सी. ऐंड द माइग्रेशन–ट्रेड लिंक", डा. के.एन. हरीलाल और डा. एम. सुरेश बाबू (5.1.2004)

362. सुश्री बी. वैथेगी, "लेबर मार्किट फ्लेक्सिबिलिटी ऐंड वुमन'स टाइम एलोकेशन : ए स्टडी आफ वुमन लैदर वर्कर्स इन पांडिचेरी डिस्ट्रिक्ट", डा. मृदुल इपेन और डा. प्रवीण कोदोथ (5.1.2004)

363. श्री आर. मोहन, "इकोनामिक ग्रोथ पर्फामेन्स आफ इण्डिया सोर्सिस ऐंड डिटर्मिनेंट्स : 1970–71 टु 1999–2000", डा. एन. विजयमोहनन पिल्लई और डा. के.पी. कानन (10.2.2004)

364. श्री विरेन्दर जैन, "पर्फामेन्स आफ पंजाब स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड ऐंड डिस्ट्रिब्युशन आफ इलैक्ट्रिसिटी सब्सिडी टु एग्रीकल्चर", डा. एन. विजयमोहनन पिल्लई और डा. के.पी. कानन (13.2.2004)

365. सुश्री लक्ष्मी प्रिया जी, "चेंजिंग ऐज स्ट्रक्चर ऐंड इट्स इकोनामिक इंप्लिकेशंस इन इण्डिया : ऐन इण्टर स्टेट एनालिसिस", डा. एस. इरुदया राजन और डा. यू.एस. मिश्रा (10.2.2004)

366. सुश्री अपराजिता बक्शी, "एनवायरनमेंट ऐंड वेल बीइंग इश्यूज इन कंस्ट्रक्शन आफ स्टेट लेवल इण्डिसिस", डा. अचिन चक्रबर्ती (15.3.2004)

367. सुश्री रक्की के. थिमोथी, "द इकोनामिक इम्पैक्ट आफ एच.आई.वी./ऐड्स इन केरला : एन एनालिसिस ऐट हाउसहोल्ड लेवल", डा. एस. इरूदया राजन और डा. प्रदीप कुमार पण्डा (15.3.2004)

368. श्री रूद्र नारायण मिश्रा, "पैटर्न्स ऐंड डिटर्मिनेंट्स आफ अंडर न्यूट्रिशन अमंग वुमन ऐंड चिल्ड्रन इन उडीसा, इविडेंस, फ्राम एन.एफ.एच.एस.–2, 1998–99", डा. उदय शंकर मिश्रा और डा. प्रदीप कुमार पण्डा, (15.3.2004)

369. श्री शिजान डी., "पब्लिक इनवेस्टमेंट ऐंड एग्रीकल्चरल प्रोडक्टिविटी : द केस आफ फूडग्रेन्स इन इण्डिया", डा. के. पुष्पांगदन और डा. एम. कबीर (15.3.2004)

370. श्री महेन्द्र वर्मन पी., "इम्पैक्ट आफ माइक्रो–फाइनेंसिंग थ्रू एस.एच.जी.स आन फार्मल बैंकिंग हैबिट्स", डा. डी. नारायणन और डा. अचिन चक्रबर्ती (15.3.2004)

371. सुश्री टीना अन्ना बी. सिबास्तियन, "फैक्टर्स कंट्रीब्युटिंग टु सोशल सैक्टर एक्सपेंडिचर : ए केस स्टडी आफ इण्डियन स्टेट्स", डा. अचिन चक्रबर्ती और डा. इन्द्रानी चक्रबर्ती (11.4.2003)

ग. मास्टर आफ टेक्नोलाजी (एम.टेक.)

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

1. श्री आनन्द कुमार, "पर्फामेन्स एनालिसस आफ लॉकिंग एल्गोरिदम्स फार डिस्ट्रिब्युटिड डाटाबेस सिस्टम्स (डी.डी.बी.एस.)", प्रो. पी.सी. सक्सेना और प्रो. सी.पी. कट्टी (23.4.2004)
2. श्री दिबोपम आचार्य, "एन इफिशन्ट एल्गोरिदम यूज्ड फार रिसोर्स रिजरवेशन फार रियल टाइम ट्रेफिक इन पैकेट सर्विस नेटवर्क विद मोबाइल होस्ट्स", प्रो. पी.सी. सक्सेना और प्रो. सी.पी. कट्टी (23.5.2003)
3. श्री लिपिका डेका, "इवोल्युशनरी अप्रोच टु डिग्री कंस्ट्रेन्ड मिनिमम स्पेनिंग ट्री नेटवर्क डिजाइन", प्रो. के.के. भारद्वाज (28.4.2003)
4. श्री बसीर मोहम्मद अहमद अलमाकलेह, "एन इनडक्टिव लर्निंग एल्गोरिदम फार सेंसर्ड प्रोडक्शन रूल (सी.पी.आर) डिस्कवरी" प्रो. के.के. भारद्वाज (28.4.2003)
5. श्री जी. श्रीनिवास राव, "कोरम बेस्ड लोकेशन अपडेट स्कीम फार राउटिंग इन 'मानेट'", डा. डी.के. लोबियाल (2.5.2003)
6. श्री गौतम वी. पल्लपा, "डिजाइजिंग कोआपरेटिव कंप्यूटिंग फार डिस्ट्रीब्यूटिड इम्बेडिड सिस्टम्स ओवर ऐड–हाक वायरलैस नेटवर्क्स", प्रो. एस. बालासुन्दम (2.5.2003)
7. श्री मनोज कुमार प्रधान, "लोकेशन बेस्ड राउटिंग प्रोटोकोल्स इन मोबाइल ऐड–हाक नेटवर्क्स (मानेट)", डा. डी.के. लोबियाल (2.5.2003)
8. सुश्री नीतू रावत, "इंप्लिमेंटेशन ऐंड एनालिसस आफ चैनल असाइनमेंट प्राब्लम (आप्टिमाइजेशन) इन मोबाइल कम्यूनिकेशन नेटवर्क्स बाई जिनेटिक एल्गोरिदम अप्रोच", प्रो. पी.सी. सक्सेना और प्रो. सी.पी. कट्टी (2.5.2003)
9. श्री इन्द्रजीत सिंह, "क्लस्टर बेस्ड राउटिंग इन मोबाइल ऐड–हाक नेटवर्क्स (मानेट)", डा. डी.के. लोबियाल (3.6.2003)
10. श्री बी. दामोदर, "जी.यू.आई. इंटरफेस टु बायोलाजिकल डाटाबेसिस", प्रो. एन. परिमाला (9.6.2003)
11. श्री वी. मल्लिकार्जुन चेट्टी, "स्ट्रक्चरल इनफार्मेशन आफ प्रोटीन बेस्ड आन मल्टिपल डाटाबेसिस", प्रो. एन. परिमाला (9.6.2003)
12. श्री वी. प्रवीण कुमार रेड्डी, "असेसिंग मल्टिपल बायोलाजिकल प्रोटीन डाटाबेसिस", प्रो. एन. परिमाला (9.6.2003)
13. श्री भरनी कुमार जेडला, "होम एजेन्ट बेस्ड लोकेशन अपडेशन फार राउटिंग इन मानेट'स" डा. डी.के. लोबियाल (18.6.2003)
14. श्री मंगला प्रसाद मिश्रा, "न्यूरल नेटवर्क फार सेड्यूलिंग पीरियोडिक इनफार्मेशन फ्लो इन फील्ड बस कम्यूनिकेशन सिस्टम्स", प्रो. पी.सी. सक्सेना और प्रो. सी.पी. कट्टी (18.6.2003)
15. श्री अरूण मलिक, "द इम्पैक्ट आफ इंटरनेट प्रोटोकाल (आई.पी.) आन टेलिकम्यूनिकेशन ऐंड इट्स इंप्लिमेंटेशन फार लोकल एक्सचेंज कैरिज", प्रो. पी.सी. सक्सेना और प्रो. सी.पी. कट्टी (18.6.2003)
16. श्री दिनेश कुमार, "मल्टि–टायर सेलुलर नेटवर्क डायमेंसनिंग (सेलुलर नेटवर्क्स)", प्रो. जी.वी. सिंह (1.7.2003)
17. श्री कुंवर सिंह, "स्प्रेड स्पेक्ट्रम मल्टिपल एक्सस एरर प्रोबेबिलिटी : एस्टिमेशन बेस्ड आन टु पाइन्ट डिस्ट्रीब्युशन", प्रो. कर्मेषु (30.7.2003)
18. श्री रघुनाथ एम., "आन द इंप्लिमेंटेशन आफ लैगरेंगियन सपोर्ट वैक्टर मशीन्स", प्रो. एस. बालासुन्दरम (30.7.2003)
19. श्री अकुलुरू वेंकट सुब्बैया, "कंटेक्स्ट बेस्ड क्वेरिंग फार ओ.ओ.डी.बी.एम.एस.", प्रो. एन. परिमाला (26.12.2003)